GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY

ARCHÆOLOGICAL CENTRAL LIBRARY

951.5/Thor

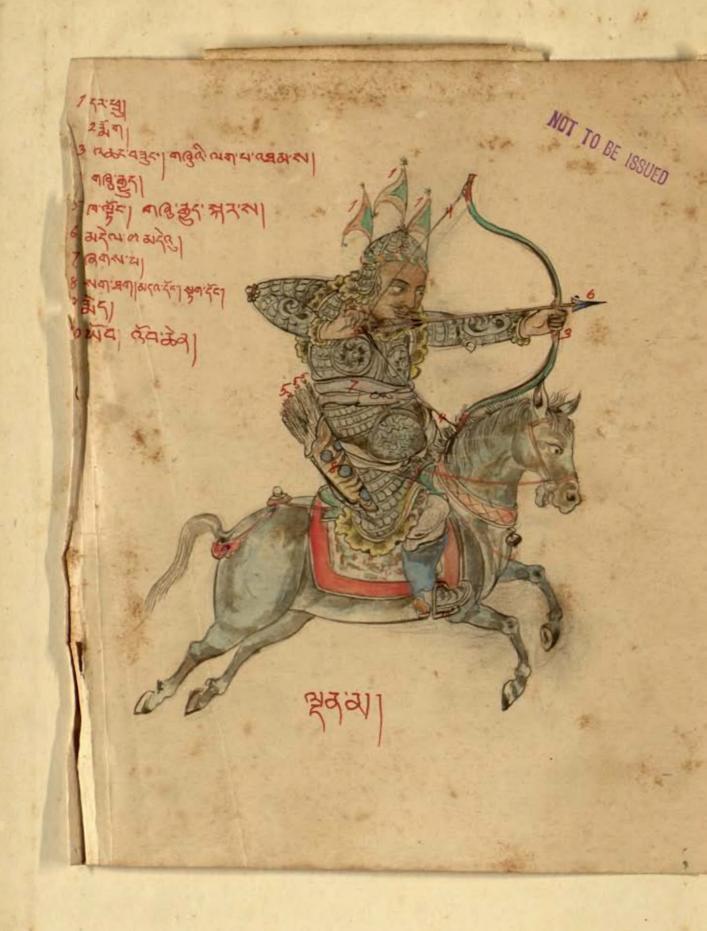
CALL No. Acc. No. 19021

D.G.A. 79-GIPN—S4—2D. G. Arch. N. D./57.—25-9-58—1,00,000.

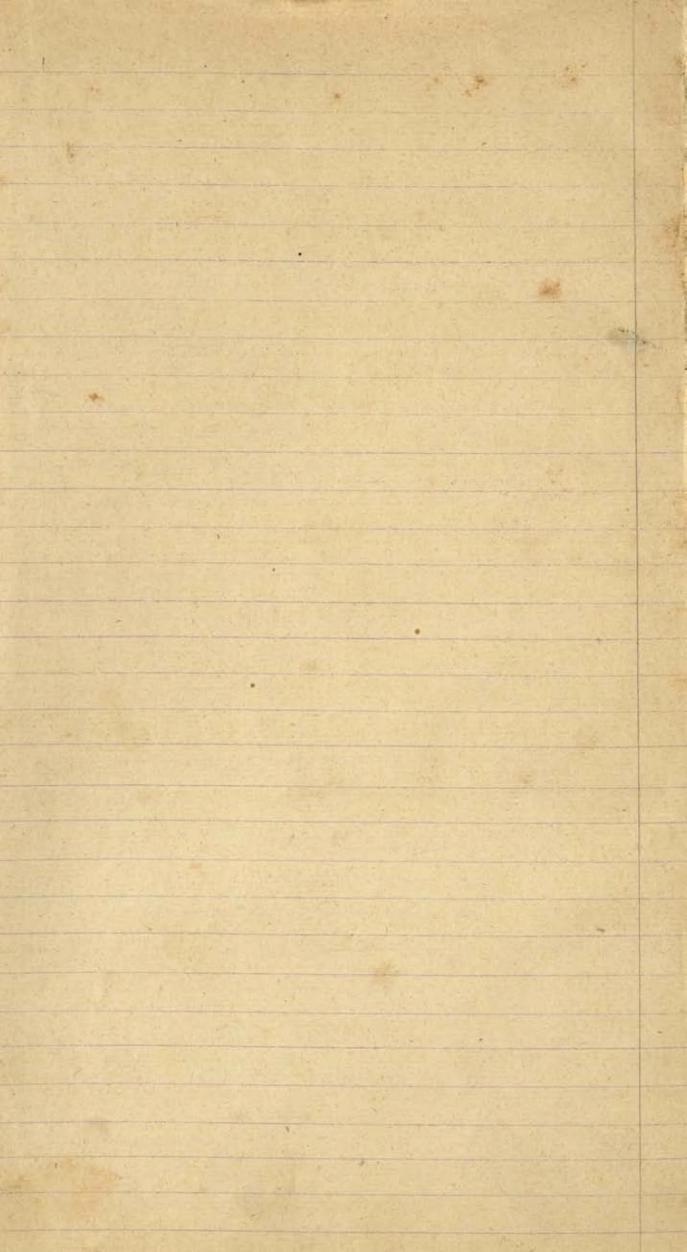
NOT TO BE ISSUED

E 2440 20

951.5 Ther.



Hoter, atteched to the Ling eding. र श्रीतानगतः त्र्वातिगानीतार्वाति स्वितः नरानी र्यो स्वति स्वितः मुद्दान्ति । स्वति स्वति स्वति स्वति । स्वति स्वति स्वति स्वति । स्वति । स्वति स्वत दे की सुरल द्ये बद्व केर बेर में।। र किट. श्रद्राम् सद्यात्रात्रद्रात्रद्राचर वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षा र्विकट, वर्ने श्रुट, श्रुवा, बी हैं शासी, राजा के रास्त्रा कार रेव बादुवा, यार प्रकेट.चका.ब्रा.व.पा.रेगायत.पट.क्री.पट.। व्यक्त.मुट.व्याहेका.सी.वर् नार्यम् तरीयरत्वर्द्धाः वर्षेत्व वर्य वर्षेत्व व उ पर्ने भेग भयर में पर्दे रा इसरा क्रिंग द्येक समें वर्ग सहगाह क्री, विश्ववाश्चिता रेव्रात्र वात्र क्षेत्र में स्थान क्षेत्र में स्थान क्षेत्र में स्थान क्षेत्र में स्थान क्ष दार. मू. चर. ५ किर.रू॥ ल मिन्स्यार्रम् सुर्यायश्रार्म्यायायम् द्रातार्यम् मुरायेष याविगानी र मायदायदा हिट मिट्या मार्ना एक्या निय नियम कर्ता मिट्या मिट्य दर्भातालका वहावरावर छेट् तर्वे केट्र तर्वे त्तात्रविवाक्षः स्वरंभव्य स्ववाद्यः वर्गाताः वर्गाव्याः वर्गाः वर्गाः वर्गाः वार्ट्ट्रा पर्स्विकासी वर्गेनायासी व्यान्यासी व्याप्तासी ए क्रेंगःम्राद्याद्यास्य ची से रही दार हिंद् कुर दु में ना त्ये ना पति त्रिःस्थार्वे राष्ट्रेचे राष्ट्रे चे राष्ट्रे स्वापाया। तर्ने दे द्वापी व र्येद्'ति। येव'यदान्वा'त्ति तुर'त् अकव'क्द्र'(Note) दे र्वथ' अव वैश्यादी लट सिर खिया भावे मासुस रिया ही वसरावी यहूर्। रे.येश्रचा. वरम्पुत्रस्ति वर एक्रिं। अक्षेक्ट वाषराप्ते. यम्क्रद्रायराभ्यवद्भवत्यामानिद्द्वार्यामाद्वी वेद्वेवह्रम् Jaseph Shaertan





हरबीर ताबुगल स्रीरा

NOT TO BE ISSUED

The War between Ljung and Hing.

2nd. Measurscript of Joseph Anga the King of Hing Sheer-Komo.

copied by foseph Threston Zeh. Ladak

19021



951.5 Thr Ref 895.4

CENTRAL APCHAEOLOGICAL

LIBRARY, NEW DELHI.

Acc. No. 19021

Date .2-1-62

Call No. .951.5

रवःक्ति,या में वा अत्राद्धां अने रक्ष्यं वा अत्राद्धां अत्र मान्यास्यातात्वावा नेमाक्यादेवक्षात्वाहेन्यात्वाहेन्यात्वाहेन्यात्वाहेन्यात्वाहेन्यात्वाहेन्यात्वाहेन्यात्वाहे क्या रस्क्री.कृत्रात्र.क्.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. वे चर स्ट्रांस् । दर तर् । बह्या धर्मा हम वस्या विष्य वस्या विष्य । वस्य वस्या विष्य । के मारीका किया पर्या कुमा वस्ताना महत्र महत्र रच पर्या विदः श्रेय वाहिया वार्या था की ये लर हैंदे जा इ.रुवक्ष्य चेटक्ष्य च मूज्य है दर्रे. वर्षा केवल क्षेत्र द्रातर्वासहरवसा नेसकेशचर मुलाइनचारा नासुर से त्युर के वातव्या 265 N. म् अक्रवात्रवक्षात्रेकाल्येन्य द्रवातिमे प्राप्तात्रकात्रे वेर्ता वर्षात्र = Salt जिरमकेश्वर्ति भेर बिर बार्बर हरा रवार पर पर पर में मार्थ पर मार्य पर मार्थ पर मार्थ पर मार्थ पर मार्थ पर मार्थ पर मार्थ पर मार्य पर मार्थ पर मार्थ पर मा श्चरमा क्रियहिम्हें। ह्या श्वामायाया स्थापायाया श्वामहर्द्रश्चिर क्वानाव्याय्याया नवयात्रेन्युरानी सेरावनीया चरासळ्यायायायायात्र लभावमा चर में र में र में र में र प्रवासी वर अकूर अकू में र में वर्ष वर्षी मरे नु ता द्वत अर्गेन अहरी दश दस्य अर्गेन विनातक्य ता येन द्या अर्थ । र.र. जिला जिलाने वा इंडि. अ.इ.के.ल.त्. चेरी वाचालाता पहुंचा श्रीर वाची जाती माधार हुन स्वायति सद्धायोव। केर के दगर खेरे व केर था भवा देत खेरे भागा सार्द्रायाया प्रहरः भेवा किता म्कृति विति त्र केरायायेवा त्याव सेरामाया करामा क्. ये.केर.लेयो चारका. मे.रेग.र. माना अवा. केरो अ.मे.वेग.म् कार्य वेश. र्त्री अत्र विक्षित्रम्या केष्या क्षित्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् क्रमामते में भारता वर्षा कर्ता वर्षा क्रमाम क्रम क्रमाम क्रम क्रमाम क्रम क्रमाम क्रमाम क्रमाम क्रमाम क्रमाम क्रम क्रम क्रमाम क्रमाम क्रम क्रमाम क्रमाम क्रमाम क्रमाम क्रमाम क्रम क्रम क्रम क्रमाम क्रम रुमार्क्त हुन। देन्तर पर्यक्त हुद् विरामाया स्वयस्य वर्षा हुनामा वर्द्द की रहेद र्रात्यायाहे। देव स्वित्तार माले अक्ते अक्ते प्रकार में विश्व के व अर्निवामा श्रीराता विवा गडे गरा मती केता व करे, गडे माडी तर व मही मार्थिया

लयकी अक्ष्य नेश्ला स्रेट्यून नादलद्दा जीलकी अक्ष्य नेश्ला त्वी निक्रिया स्वित्रामा सुद्धे वहवायते द्वापा दुन्तर। ववा स्विताय वद्दुर द्वादका तर्वा स्वारम् यते हिरी रेनण देर के बार में बड़ व केर व केर व में रेट। में मान के बा मां पर पर केर वे चर्रानेसरायह्मामाया हीवाहीमावहवाना व्यवतात्तरायहामा ववता हीमा पर्णावरासही दे.मु.महरे.तपु.रंश.क्र्याच्रा.वाषाता वित्वका.रं मांच्या रिश्रद्रकुवे की बरीर की मिला त नूर विश्वा लात कर विश्व के प्र विश्व कर विष्य कर विश्व कर विश्व कर विश्व कर विश्व कर विश्व कर विश्व कर विश् म्कुन्म् वर्षेत्रम् वर्षा व्यापा यायात्रीयात्रेत्रम् वर्षेत्रस्त्रम् वर्षेत्रस् गर्भ विवासिका भेरक्षेत्रस्थान्त्रम् महाराष्ट्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् यरिद्यार्थायास्त्रवाश्वराष्ट्रवाश्वरा व्यक्तित्रकृतायाः वना कर्षायद्र वो श्वरा वद्वाचें अहें द्वतायवादकी तर्दे द्वतित्यद्रभाष्ट्रद्वाक्षेत्रम् अद्भारत्य र्यत्वाह्याश्चव श्वावाला सेद केव कुल दूर्याता द्वातद्वा विवेद सेद प्रहे श्चीर व्याद्रभाषाश्चर्मा हिलायके वास्तुवास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र इर.स. भूर. स्थावतर्गाता जूरम हैं। हैं वे वर्ग प्रवास व वर्ग हैं नर.एक्रगभ.न.मक्ष्रके.रेन्नस्था केत.च्रेच.एक्रेच.पम्नेर.क्रिंस्क्रिश.ना र्भा नगतः ग्रेम सहित्यमः द्वारमः याक्याः मान्यान् मान्याः मान्याः हेंग्रां याहेंदे यादी के बर व सेवायावार ही विभायायी साधार हिद्दार याहेंद श्चर्वता अहं गार्ने क्या गर्वर्वर्त्यावता तह्या श्रेट क्या चरित्रे क्रिया न्याल्या हो के व्यास्त्र माया महावि वि वि में द्वा माया ना सर के हो ना ता नया में है गारी हैं वा । नेन देर गर अदे गर्थ में दे गरिया के मेरा नाव त्याक्ष्यात्रायायायात्रम् क्याच्यात्रम् व्याचित्रमा श्रीव्यात्रात्रम् व्याच्यात्रम् मून। पहत्राश्चरात्रात्वरेश्चराय्यावरेश्चराय्यायर विवायते स्वायात्रात्वर न्त्र । इर क्रियम स्रिट्य के व्या के वा का वा का वा का वा का वा का वा का वा इ.जा रविज्ञानम् जानत् संस्त्रेत्र्य्रम् म्वनम् व म्यान्त्रा म्यान्त्रा म्यान्त्रा म्यान्त्रा वंगक्षत्र। एड्रेव.वं वंशावय अवाता प्रदेशी वीलव वे द्वा में ता केवी वाहरे. मान्य व्यक्षेत्रात्मवायते व्यक्षिया व्यव्यक्षिया तक्ष्रेत्वी की व्यक्ष्यक्षेत्र की रेवश क्षात्रक्ष करी स्रार्व मेर्रिततर्रात्रकारह्मा व्योगमा विट्यं में बाला दरी लार्थ. नम्यायर् द्या श्रीयायद्वा त्युद्वे त्युद्वे त्युद्वे त्युद्वे त्युद्वे व्यव्याय्ये त्युद्वे व्यव्याय्ये र्वात्वमार्थे। प्राम्भाविष्यं विष्याविष्यं विषयः मि। मुन्दराहत तिन्नायते नुराहियात् नाय क् सेन्या पान क सेन्या सेन्या म्रिनेलाके अप्ति विवास गारवा गर्मायन निया मार्थी के मार्थी

नियाता समिता रेया तार्वे वसवे कुवला से कुवला वे बाला व्रूक तार दर से दर्दर मु केंट्रण चलर राजपान र रहरण से बार्ड ने ने ने के वा प्रचान में में के ने 14.1.1 ड्रि.म.यतारा.थता.म.वता.प्रदेश अंतर्के म्यूनक्र्या.प्रदेशवायोतरमा चर.क्र्याम्ब्रीर्माम्यात्रात्मा क्रियक्षेत्रे देश्यात्रात्मा मित्राक्षेत्र र्वी.वर्भ्यामा.म्.बर.वंगा आइ.वंगान्व्या.एह.कृवमा की.म्राम् वर्धः मैवनुवा क्वा क्षेत्र भे विवर्त्व में में में पाक्षिया राम की में पाय में में महर्त वर्षेत्र मा कु. मू. अकू मा प्रदान में ने प्रत्य प्राप्त में ने प्रत्य प्राप्त में ने प्रत्य प्रत्य प्रत्य में में ने प्रत्य प्रत्य प्रत्य में में ने प्रत्य प्रत कवाक्कीमात्र्यद्वता स्वेवाल्यमाळ्यस्ववाक्कित्रद्ववता स्वेवववादवावक्रेवाया इनानमार्भे मेर्द्र राम् मेर् वर्ष्या मेर्द्र मार्थित मेर् बर्या देशक्षि ह्यानामार्ये । विकासमार्ये । विकासिर विकासिर । विका म् अवक्रीवया वि.र.व.लव क्रक्रेर.की प्रदावसेव.वागजाक्रुवा.स्वा.सेज.दी र क्याना में त्राता वना क्र्या में त्राता में राष्ट्र था में राष्ट नावसास्त्रकालान्त्राची थी तिरात्र ताना ताला न बेट है गानेर । बेर प्रवा लाहीर त्तिजात्रज्ञात्तो द्वे.क्र.क्.र्वात्ता क्रि.रे.रचतप्.स्री.जवा.च्या रेश्वरत्रक्ती. क्तिबाक्त के है। रेट्या कर प्रदेश प्रत्येत कर करी प्रतिदेश का का मिल्ले है। प्तान्त्रभाषा द्राष्ट्रनामा द्राष्ट्रनामा वितालिक विता वर्ष्ट्र-रे.पहुंब्र.तामी अत्ववतप्र वर्षात्रवारा पहुंबा के वर्षात्रवा किर्मावता रहा लीता बाधुमान बेटामा श्रीट ही.रेषु ब्राट बर्बेश मूट व्रेश पर ब्रेश वर्षे । यद ब्रेश अप मि 2्रवता ्रेडिश.श्रेपालग्रेतावश विदःवर। रेशमा.मे.देधाल्य प्रमानिका कुरानुग्रेश विदर्भ अब्राक्ष्यार्गर्टात्र्ये श्रिवालक्ष्यात्रा । तथाववर्गराक्ष्यात्र्या निम्द्रा देनास्टा संस्क कि.रेक्या.रे.वश्यो र.स. क्रेरे.लर्केर कर्या त्रभावत्र्रात्युत्राचायर दुःगेवात्रहेरा दस्य वहवायवयात्रे सुर्रा व्यामा द्रिया क्र क्रि. पिरायत्र्य वाया ये ये ये वि के के के वि वाया वि व वाया विव वाया विव चर्ते प्रकृर सेर्रो कर्रदर यात्र्रेगण के ता खेरी वर मर केर्नार्म वर्षे व्यक्त कुनारी किस्पाना प्राचारिक विकास कार पार दर अप वर्षे वाया की रवा की ही रिगर अस्त्रित्क्रिरक्षादी क्वरदःसात्र्य्वामा समादवक्षी तीयास्त्रिक्षा त्युक्षातवर्द्द्रदी

व्यक्तिम्मेत्रात्मेत्रात्मे स्टार्मित्रात्मे स्टार्मित्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत् त्वेश छे रेर्त्र्व यते मुग्या वर्षेत्र देर्द्र केथा यव क्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्द्धर्तिर वा ल्यं वर्ग से वरवा है ता प्रवेश खेरे हेरी प्रण लेंद्र वार्ष, वर्ष विवासअविद। व्यावनातियातातवताअर्विदा र्रासिश्चार्यात्राम् विदा भूवे.क्षेत्राम्यूर्णावर्ष्म् भाडेरी के.च्यालयर्थाय ह्याक्रिमा यार्था गरभक्तिक्वां वर्षाता विभक्ति मेर्स्य म्पर्भाया वर्षात्राम्य निम्मा र्म्यास्ट्रिं तह्यानेवाद्येला क्रन्वाद्यवावी र तर्वेदात्या वाक्रियम् रस्य राष्ट्र हिर श्रेयत्रा ग्रेय स्य स्य मान्य स्य मान्य स्य मान्य स्य स्य स्य दरवास्या यदद्रवास्त्रीति स्रा केव वस्या देयद्या स्वा मिना कीया र्वरभामते देवादितरारिक्षेत्राता देवासक्षिक्षेत्राता वर्षिकार्व्यत्या स्त्रीत्तिहर्नात्ता स्रगास्त्रात्मेर्याय स्त्रीत्तिहर्मा तस्त्रीत्त्रात्मेर्याय स्त्रीत्ति नक्या रे.र्ट्य क्रेंट्ट्य में निका क्रिया रेवना ग्रेयवगाय ग्रेया अक्रवंगाय. यन लार्डे का अप पर्वे का मिया देव मूर्त्य कर मूर्त कर के विकास मूर्त कर के का कर के किया मिर्टर वृत्यास्त्राभूतुःसेतासेतावहता द्यमास्त्रह्मास्त्रास्त्रास्त्रा न्या ही भा ने हिर से हुद द तर्गे भे ददा मानु बद बेद अहे चेद दे अभी त्या हूद खुना मानिक्षेत्रम्। जीरादर्। अर.कैरा.केपे.क्र्या.जीरादर्। रनपामिर्द्रम्।पक्षेर वक्षा देर्दरम्बूर्तरह्मान्वाक्ष्या ।वस्यवस्यान्वाक्षाद्भार्याद्भार्याः अर्तास्त्रा तस्वर्रां से त्या क्रम्कृतान्त्रवातात्रहेवा मासेर द्या विश्वीत्त्रात्रा एकर्दरा विद्यवास्त्रमारह स्वियामा मुका देरेदास स्वित्मा की । वाववाभदाक्त्र मेर्न्त्र वाववाभा वाववानु अर्द्द मुद्द रामवादेद ददा विश्ववाद्य तावा मिन्द्रित्द्र स्ट्रिय स्ट्रिय मेर् लगार्टियहर्ग माग्य हिग्द्री ला के व वता यत्र से ति देर । एमेर मान्य ने अप्त मान्य दी नी मिगर्दा स्राप्तापातिता वर्दा स्वकेत स्रीत स्वकेत स्राप्ता अकेव स्राप्ता अद्दर्दरक्षाववरा ने नवेनाने वहता तह्यानेन ग्रीमा सर ने ने सक्षेत्रप्रा त्यात्युद्धक्षत्ववाचीयवगद्वश्वाद्वश्वाद्वरा देखदाद्वाय्याद्वरावाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वरावाद्वरावाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वरयाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वर्ययाद्वययाद्वययाद्वययाद्वययाद्वययाद्वययाद्वययाद्वर माने अं बुद्र ने र बुत्र निया भी गार्थ प्रदान में निया में हैं र में निया म यर्ष्यात्र्वे सर्भवत्। रदम्भार्षेव अर्के वयावायर भे वासर व से नेते हेट

रे चर्रियात्राच बदाने था। वावनायात्राद्र कर देवा के वा त्रे वा त्रे वा के वे विवा

स्रवाक्तिम्बर्द्र द्वारहित्याम्बर्गात्मेन हो। वानेदामान्यात्मेन्त्रस्ति वान्याद्वा स्रवाहित इवस्ततं र्रहेर्द्धरहराहराहराहराया वाववातालारक्षेत्रातह वातह वाद्वराहरा वयद्वराहरा र्रेट.केर.अध्याताता व्यूट्टा रट.प्रेट्टा रट.प्रेट्टा वर्षेत्र वर्षेत्र में अत्यूट वर्षाया पालटा वर्षात मुन्श्री व्यायाम् वात्रार्थे वेदा नियवहार हरियद्ये में तर महेवया वी ने वायर क्रियामेन्द्रता स्परमाह्यास्त्रीतिवरस्पर्यस्य करह्यास्त्रेर्यान्त्रीतेना स्वा त्र हर सेर्य नामालह्या शर्म प्रमाय वर्ष यह में में भारत हरी वर्ष मानित्र रदाय गरेग नुते केंद्र या केव्य स्थावस्था वार्थिया वार्थिया वार्थिया स्थाप दिन के भ मिनरशास्त्रम्भात्रे त्यारायते सुंस्रद्रायत् से स्वत्रायत् के निर्मायत् से भावत् स्वत्रायत् स्वा देश्यदास्य स्वरात्रे वापर्यायर वाहकी वदवल खूव या स्वरा के कूर के से सावाहे वी क्रिमान्त्राक्ष्य प्रदेश स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर विज्ञानरवमा वनामानते केवनमें हैं देर वर्षेरी जमा कु हैररे गर्म हु हैररे गर्म हु हैररे गर्म हु हैर ग्रेंक्ता हैं वहना गराम यानि या वहने वहिंदा संगविता इस्सा सकेंद्र हैंद वहूरी विश्वक्षेत्रप्तिर्दिर्द्याम्भानुरानेराक्ष्या विद्यान्तर्दिर्भावरानेदामा व्यान नर्नित्र वर्षेत्र वर्षेत्र के क्रिक्स में आक्री हिंग के हिंद वर्षेत्र परित्र के वार्म क्रिया वर्षेत्र के वार्म श्रे इर्र्यायक्ष्मवान्यस्त्री। देवलद्रवास्त्रीयास्वर्रा स्वर्ष्ट्रियास्त्रे चररेदा मध्यत्रमुका नियम परिकेटर माना रिट्सर किया में दिस देव देव विदर्भ दिसा लंखर्यहराता केरवं के ह्वाकर्यायवन। त्वाव के ह्वावद्व अक्षा राद्दर् पियातियानुया वर्तायविवातक्रिट्र्ट्रिट्रवट्ट्रवर्तिया स्ट्रिट्रव्यास्त्रेत्वास्त्रेत्वास्त्रेत्वास्त्रेत्वास्त् त्या वर्ष्मुत्यक्तिकृताः यति वनातः ह्रेन् स्वेता इति सर्दि स्वेतानु सर्दि स्वेतानु निद क्रेंब यते दसद मेव के हेंबा के वा के मेंब के के दे के दे कर मेंब कर मेंब के के के कि का के के कि र्सिर से प्रही हैं में भी वा द्यंव में अप्त इनते सुर्वेव पा स्ट्व महवा के मह भर भी वा वालवातात्वस्त्रुराकरादियो त्याक्षेत्वर् विराधिवर् विराधिवर् विराधिवर्

मेर्यायंत्रम्युरः। संप्रदामंत्रेयम्यायायायायार्द्रात्रे प्रमायाः सेरायायायायाः पानक्वामा रदअहरअवायियावमार्येता देवमारामात्रवा शुक्राया शुक्रवायरे वार्वा उद्यानिक क्षान्त्र के के त्या प्रस्थान्त्र के त्या प्रमाण के त्या के त म्यायत्रिः सेन्याः हिर्गायत्र राजाल्या गर्यदः देशयः तपुः वर त्यायदेः हिर्डिदः। तिपाः हेदः सु.क्सिमक्रमभाव.ग्रजा वट्कि.सी.बालटारी.बातिबी.चलदा रेंबबा.सी.प्र.ज्यातरा, रेंबबा.सी.प्र.ज्यातरा, वर् क्षेत्र वार्षात्वारा नायुद्र रेत्यत् श्रुप्ता स्थाने वार्षा स्थाने वार्षा है विष्यान्य। किट्रीवर्ष्यु कें च्यूचार्व्यत्ति दे.ह्या.लवाःच्रुवःक्र्यान्वनाव्यत्त्रम्। रट्रर क्षा वस्र में त्रिक्षा में अप्ताया में अप्ताया के अप्याया के अप्या निया वादराश्चरति एकवायर्रः स्ट्रायं सेरावरायक्ये । संक्रियं वास्तित्वा के स्ट्री माज्ञवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रकात्रवास्त् र्यर मेर व्यायी तकवाका में व्हर या बेद में विषे के वा हरा दय दर १ हर यम वा मुंचेदी देवलद्यंत्र यं सर्वे त्येनमा द्वस्य द्वारात्यात्य प्रवेश ह्वाराया वेना याद न्त्रमा व द्रमें व विया द लिये हुस की लें त्यद्र पदि के स्था के वे प्रमुद् व वस्त्रा द्रमें व द्वात्यस्यायाक्ष्यम् व्यात्र्यम् वर्षात्र्यते वर्षात्र्रात्र्ये वर्षेत्रम् वर क्षित्र विकास के ताला महिन्त्र विकास के वितास के विकास के श्चिमःगरमाळेवः मेर् छे रदः वद्गारेदा द्रेना संदाकेव कृता छे तहेव वद्गारेदा ह्योद म्म्यान्त्रात्री केंद्रक्रिया स्वत्यात्रस्यातेर्री केंद्राया नुमा क्ट्यायादगरायते ख्यायारेरी सेरायवरा हुवा वववा त्यसे हुवा सिरा के वववा च्रारेक्ष प्रेरी श्वामर हेने स्वास है हैया । नर्वा वर्षे हेने अद्रेश स्वास हैरेरी अद्रेश क्रमस्टर्ने चिन्तरेत स्वाप्तर्भाषा स्वाप्तर्भाषा स्वाप्तर्भाषा रेटी यात्रके अब्बर्धियर्थ अदया केया रेटी टर्डिब बाडिए ही ही क्षेत्रा होता मा अवद्या वर्क्यानरेरा तह्यन्त्रेर्चिं स्वानिर्देश सेवानिर्देश रेपवाविष्येष्ट्र केवारेरा क् सर्देश्निक्यान्ने देर सुरोता सुव वयावदानी तर्म यापानेता यदया नेति विदेशकी दरसेट देन र्वायमार्थे कु सूर्य देन। सर्वे दिय दिय की दवट वि हे द सदेन "माज्याय मरास्यात्मेयात्मेयात्री न्ध्याप्तमुयाक्षेरा भरेता दस्दर्भेषा श्वाकेषा अवाकेषा निर्मा निर्मायाः डिर्वयसाम्भवस्यरिकुत्यामक्रिका । विवासिस्य हिर्मित्रवाद्वादर हे वस्या न वर्यात्रवा.पर्रा.पर्रा.पवरमा.मेश्राता वामिरारका.वर्रा.क्रेप्.क्रम.क्रेव.क्रिमा क्रिक्ट हे तर्र थिर विवे स्रिता रुग में लिया विवास विवे क्रिया द्वार के स्वार क्रिया द्वार क्रिया दे तार कर ता विवास क्रिया है। र् स्ट्रिंद्रेर्वित्रा सुवर्षे गरीक्या महेर त्वा नार्रिति हेर्द्र हेर्द्र हेर्

्रमेशामायवर्तवर्रः केतुः र्वामक्षेत्रत्य द्वा रवार्त्वत्त्रम् रवार्त्वत्त्रम् विवागाया हो, व्यान क्षमास्पर्गरहेशहेर। रदःवरे नलन स्थिर्अहर्गयाती वरस्यात्राकर नेन्या के क्टा श्रीयम् श्रीयावत्त्व प्रमु । रिवाला इटार्क् हटावते । र्यो स्वर्ति । र्यक्ति । मंत्रद्भातकरेती क्रेंग्न अंग्रंतरकर क्रायेंशी क्राय्येत प्राये वर प्रकेरियों वरेक वर्ष पर्ने.श्ररक्रियेश्वरेश्वरेशे रट. है यात्रवया कुण अम्बूरेश वालन है यात्रा प्रवेश परि है।

छा.र्र.केल.ध्व.वेच्या.ज.चर्स्री

क्रामाह मेर् हैं। केम मेर तामा नावन सम्बन्ध मार है यद के मेर मेर तर हैं वर्देर्ज्यायं केन्यं मुनायां वियायते दर्दर्वरया द्वारा रे सेन्यं केन्या स्वारा हिया ज्यात्राम्येवात्ववद्गात्ववद्गात्ववत्या व्याविष्यक्षाक्षात्वात्वावत्यात्वावत्याः यर भिवाद्धिया तर्वा रूटा क्रिंग कुर की दर वर्ष रहा करीं के कि कार्य रे यर केर दे की सर्वे के कार्य र् भेने तहत्रात्त्रीरायाद्ग्याद्ग्याद्ग्यायेन। विषाद्गानी स्रेराक्रेंद्रास्त्रिया सहरानी स्राप्तर् स्चामार्श्यवमार्थरी मैं रेर्राम्बास्ट्रियार्थियार्वेग । वक्षापायारवान्यास्यान् वर्रेन्द्रात्व्या वृद्वा अर्द्भात्यर विश्वेक्षेक्षिण अव वे म्हिर शु श्रुर वर्ष भ्रम्भरत्या वर्षे अयाही रहेते हैं। ह्यानायायाया अयायायाया ह्या अर्देर रें नवे हे र राम ही रदावसेवानपुरविश्वतित्वहिवानहित्। विश्वदेर्तिवर्ति रात्रिक्षी रदाविशाम्बर्धित रदासक्षा । श्रामाहेवज्ञासार्वापात्री रदाक्रियात्राम्द्री। मिदारी श्र.सेन्।वे.वे.त्.। वे.जे.जे.वं.कं.जातकका रट.वे.ज.त्र.नावया र.वं.तर.नावया र.वं.तर. पानि विकार्मिन देवन र्मेन हर देर्ने मेर्रेन अक्षा रवर मेरे मेरे मेरे पार्मिन हर लर.बूर्.चली.से.बूर्य. पर्वेर.चलेंगा कु.चलेंग.रंजय.रंजय.रंज्यं वेरंज्य सूर्वा वार्गरे.के. रताएकर अ.वे.च प्रमा.वेरा मार्चा मार्चा चर्ने हामचा कू मार्टा में बार्ने वा से वे. से व राधार्द्र। क्राक्तितारीवर्वरप्तिकारप्ति भाषार्वरत्वरता केंत्र्व्यत्वर्त्वाव्यत्वित्वत् र्श्वाद्रात्य अस्त्रा वास्त्रा दात्व्य त्या वस्त्रा व्यव्या व्यव्या वित्रहेव वर्षेत्र र्गर्स्यार्ग स्ट्रिंस्य रवशावक्रिंस्य सम्यात्र वित्र स्वायाः में त्र वित्र स्वायाः में वित्र र्मएक्टरान्न्द्रवा अध्यान्त्रवा विष्यास्त्रम् स्था स्थान्य विष्य ह्मानिस्तर्त्या चवनात्त्र्रात्त्र्येत्त्र्येत्याच्चरात्र्येत्याच्यात्त्र्येत्याच्यत्त्र्ये मेरात्रा स्राराम्यायायायायायायायात्रा त्यावायात्रा त्यावायात्रा स्राम्याया व.पर्य. नप्तर्व नप्तर्व । में व.रेनर. ल व.म्.म्य. में व.व. व. मुं में केंद्र पर्त्र पर्रेर. पर्वेर. स्त्री पर्वर विश्वर में में वर्रावन महत्त्वन महत्त्वन के पर्वर के पर्वर के माना नामा नामा पर्वा टाकिलास्त्रीयमानाना हि.दर.णापुन्य बिरायाना भारत्यात्र यहारे प्रदार्था स्वाराया र्वेग्यातात्री तिग्येन में यस्मायातातात्मत्त्री ये अत्रत्यत्व भवात्मात्या

वेशास्त्रित्वरात्वरात्वरात्र्रात्वेश कुकेवातुर्वत्ववराववरात्र क्रिसकेविर्त्त यात्रीयायेता रीवं अर्थक्ट्रेंदारवावहेदाया स्कानानाना यात्राचेरायेता श्रीरार्बेद राज्याक क्रि.कर्री यह मुस्टिंग्यर रें ने मुरी के र्याय में अस्त्राय में प्रिंग के प्रायम में प्रिंग में प्रायम मिर्गान्व हर वर्षेत्र राज्या देवारा रहा में प्रमाण में में प्रमाण प्रत्याचारे अहता श्री हो दा हे कि द्यूर ति के बारा हो र यह । दा या अवा विश्व अवे यह देवे ल्या में त्या त्तर राज्या के वा की दारा की चित्र के विश्व की वारवा ता गर. गुर्. मंत्रामा ग्रामा हैरी वेशामा में शामा हैरा मह स्था में हैं से ता पर्वेद केंद्र प्रमृत्य के भी कवापायां राशास्त्र वा विवालिया विवालिया द्या न्यूर के विवालिया विवालि कर्ी अञ्चराशिकार्द्धमा हुव देंग भागेरा सुर यो प्राया प्रवास वव प्रवास विवास सिर से सेव परिवाधात्रके वाता तात्री विकास के वीरिकारिका तात्री वारिक क्रिया की प्रवासका तीवी ग्रेड्यारानु स्पान्ति । स्र त्या स्वाप्ति । स्र त्या त्या विद्रा स्वाप्ति । स्र त्या त्या व्यापात्र व्यापात्र व क्रि.रेजातकरी क्राजाजाती. क्रेड्डिकेश क्रिकेश विकास क्रिकेश विकास क्रिकेश र्वायाचारा देवयात्र्वायाती अद्वास्त्रवाता त्येवात्रहा वर्षात्यादे । म्मिनि अगतर्त्वान्तर्ववित्रित्ववान्तर्वे वित्रान्त्र वित्रत्वे वित्रान्त्र वित्रत्वे वित्रत्वे वित्रत्याः भावनार् कि नावमास्तित्युरायदायस्वापिवा स्वाचेर्ष्युरायाम्यादे हे तर्रोते स्वास्तित्य एड मेरा दरवारे पर्या गर्दे हे पड़े मेरा के वर्षे दे वर्षे हे है रा पाय करें दे वर्षे रेत्रे.रेस.जनराम इ.रेशतमाधुराल्या। कैपात्रिकापाम्स्री मारवया रेनरण अत्वरक्ति रेकामा भूव मर् दे लिक प्रमाने के वा वा वा वा मर देवा की में श्रवास्ति ग्रेमा तहिवाहेव हिवाय य बुद्धिर द्याता त्या र वते समानी बुद्धिर है र्व । यु.रेशूलाला वे अध्याकित्यरी इं या चरित्ररेत के सबसा करें । या व्रवे वेत्रार्थार्डिरायतरेवया अख्यास्त्रेवाक्षेत्राक्षेत्रात्यात्वेत्रात्यात्वेत्रात्यात्वेत्रात्यात्वेत्रात्यात्वेत् र्था. में हैरी का इयाप्रकृष्यं देया में एक्री रेश क्रा में से प्रकार हैंग भी ने पर्या लासिवासेवाकरे विरावे प्रकृती वर्षात्रम्यात्रदावर् र्वे वाज्रेता पाक्षेत्रकेवात्रत इ.य.जा श्रुक्त हैं अपूर्य अवत्र । संस्ट्रिय में अप्तर विभाय के अप्तर के अप्तर । येव कराश्चार्यिवश्वार्येश द्रवानायाः मालद्रवाना वेश श्वार्या वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः न्तुरायान्त्र] त्वाय्यान्तरावतिष्ठ्रण हर्षर्। १वर्ग १वर्गायात्यरताल्यान लावा केंग्रेराकाश्रानकार्यात्रकाराहर्। र. पर्वी विवासरमा के मरे का वर्षे र.ए.क्.कूर.इर.अ) अरेट.क्रिअय.च.ज्.व क्रेर.क्र.जा कंटामूर्से व.चले.क्रे.क्र्य. उद्यान्त्र । यह द्वान्त्र वास्त्र विद्राय में विद्राय में विद्राय विद्याय विद्या विद्य त्विर। वर्रकेशरगर ये ब्रिंश्क्ष्यक्ष वित्र परे द्वापा करें। वासर विच करे श्रीका करें हैं के हैं ए विदेश पर विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

यः ता क्रि. पात्राम् री रेट प्रवत्य करिया वर्षे रेवा है । युने र विश्व कर ता प्रवाद कर पर व

मियाई व

चारेशन्त्रान्त्रक्षित्रात्त्रात्त्र्रम् । हि.वर्चित्रात्त्रम् विद्युत्रास्त्रीत्रात्त्रात्त्रम् । विद्युत्रास्त्रीत्रात्त्रात्त्रम् । विद्युत्रास्त्रीत्रात्त्रात्त्रम् । विद्युत्रास्त्रीत्रम् विद्युत्रास्त्रीत्रम् विद्युत्रास्त्रीत्रम् विद्युत्रास्त्रीत्रम् विद्युत्रास्त्रीत्रम् विद्युत्रास्त्रीत्रम् विद्युत्रम् विद्युत्यम् विद्युत्रम् विद्युत्यम् विद्युत्यम् विद्युत्रम् विद्युत्रम् विद्युत्यम्यम्य

मुन्दर्भी ायवंत्रर्थार सूच्या सूच्या सूच्या स्था सूच्या सूच्या मुन्दर्भी यात्र सूच्या राव्य सूच्या सूच्या

इक् क्ष्मा दे असे में में बंदा हराने करी अभार मार में में ते के माह में कुमा ता होता वा नाम में में ने स्वादला इट क्ष्य सेवा रेश्रावर्गित रेग्रापर्गित रेश्रेव में श्राप्ति रेश्ये में श्राप्ति वर्षे वेश्राप्ति । उ व्हेंन याप्त्राम् मार्च म न्म विभाक्षेत्रकार्यन्द्र। श्रीमान्द्रकार्यन्त्र गार्थार्वे क्रिमान्द्र विभावत्त्र विभावत्त्र श्रेयत्त्रक्षित्वभाक्षा श्रद्धत्वप्रस्थात्र्यूर्वाम् म्याम् म्याम् स्थान्त्रम् मःभरी स्बूर् श्रुट्मारदेरश्चार्यमा एरर माववाका माववाका माववाका माववाका माववाका माववाका माववाका माववाका माववाका नखबा, व. परे अ. परे हिरान्त्र। चयक्ष्मा करें नब्यू स्वर, प्रमा स्वर, प्रमा स्वर, EMI सेर्छे तरे सेव बुर वर्षावेया या हीर ये रेखे वी वीवा तसेर ता वा वे वह वी से सूर्क्रिश्चित्रा क्रा.में नेता र्म्यमा ह्या हुर हु सूर्यो वा विक्रि र्यं सीमा द्यार कर्। भेजायाय वरकर मेराय मेरायहेमाणा क्यू मेराय हरेश माना मरेगाय . म अवार्त्र प्रति द्रमतः त्र केट में द्रम् केट में द्रम् के में प्रति द्रम् भागी द्रम् भागी द्रम् भागी द्रम् भागी नाथमन् निर्मात्मिक्ता वहरात्मार्थे कर्षात्मिक्तात्मिक्तात्मिक्तात्मिक्तात्मिक्तात्मिक्तात्मिक्तात्मिक्तात्मिक् माइर महिर्न त्या भेरा विराज्य में निर्दर देन के में म्यार्थर्वर्वर्वर्वायास्यात्रेता पर्वेग्रास्य कियार्थर्वे देवार्थ्वर्वर्वर्वर्वात्रेत्रा drop. कर में असे हिट ने देवार के रेटी इंट रेट अस पर वर्ष ती स्थित कर ता रे के से में में में में में में में में में र्द्रास्त्रित्वर्ष्ण्येवर्ष्णा गोदद्रस्वाभाष्ट्रद्रवर्षात्वर्। क्रियर्ष्येत्रकेवर्ष्याः भाषाय्वा याम्भक्ताम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वामान्याम् वर्गात्र त्येर्वाश्यक्ष्य त्यात्र हिराला त्रेरविष्य प्रतिकाला स्रिति हिर्मे वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष चूर्त्र्याम्ब्रीर्यात्र्यान्यानातात्र्माणहर्। क्रा.र्ट्याक्राय्याव्यायात्रायाः वार्यायः त्र श्रीवाधीवासी वावशानिया । त्या नद्दर्शयते वावह्यावी वाक्र र वाद द्वार त्या वादी हो। बेर व्यापायी बेर विशा गिर्यायह यह है। देश बेर हैर पर्वाचरक्याम् अवसूरक्रम्यत् अवसर्गा जिरासाम् हेराक्ता सेरालान्या मार्चेत् स्यापाद्रभाष्ट्रव्यायाद्रायेवा व्यापाद्रवा स्वाप्त्रका विकासाव वास्त्रवा वास्त्रवा लम्भान्त्र क्रियं के प्रति । विक्रियं क्रियं के प्रति । विक्रियं क्रियं क्षरायायुग्या खेलदरी स्वाम् केवद्वा स्वाम् केवद्वा स्वाम् केवा तर्दर्द कुष्यकेव द्वा में

की, राध्यात्र, रेश्या देशा रे त्या अर्थे तार प्रदा के आपवार त्या या प्राप्त रेशा

लार् श्री दलकार्यरी एई मिद्राप्रत्केशकार्ता क्रियात्रावर ह्या १८ एटी यर वर्गा वहवंसति। विवास के स्वार्ति क्यारेश विवासिक एक विवासिक क्षित्र के विवास देवरायम्याववरायर् छो स्पर्यक्षाया । स्पराधवर्थे र्दरह्यारवसा वृत्याया त्वक्षा भूत्र (पूर्य यह स्वाहा विश्व के स्वाह वयाक्या वर्त्यतेत्वमापर्भक्ते वर्षात्री द्रश्यमा द्रशक्तियम् वर्ष्मात्री वर्षात्री वद्रायेवविवासम्मेन्त्रावाहित् द्रम्यात्रुम्ते स्रायद्रायद्वी भेर् हेद्रयते तर्वीवा लगे विभारताल्यरेशस्त्रेरानेशया नावनदेशलेन्यनेयानेवान्यस्य न श्रें अत्रथात में भी देंग्या त केंद्र के भी भी ने पादा वर देश दे भी वर भी र स्वेद हैं व ग्रम् श्री श्रीतातिर प्राचेरमामाता केंद्र मिता वर्षेत्र त्र भारति सर्वास मीं बर वक्षरेत्रशा पहुंचा प्रवास मिंबा की मार्ग पहुंचा निविधा मार्थ मार् पह्रम्या श्रुवर्तरत्वदरद्ये पह्याया नाम्भर्तात्र्रवः कृताः व्यवस्था न्द ल श्रेचा तेत्रत्में र प्रमूचिया। वर १९ र र भग अनुषा अवलकी में बेट बेरपर, धरणा क्रिन्नकुन्त्रे हैं। श्री श्रीसार प्राप्ता काराप्ताता भित्राश्राप्तेपान क्रिंदरा तिभाक्त्र कर हित्र हुउष्टें का की क्रियर हुर अवशहिता वाह वा वाह कर कर कर के किया कर कर है। तर्भूक । यहा सिंहे यत्रेषे परित्रेष्ट्रीया वयमार्थ प्राप्ति प्रेर्द्र दित क्रापा रेष्यर प्र थर है.जा यार्ट, यद् तयाते गत्या केंद्र ती पायद् र देवी ये अक्षा केंद्र मू ने देव माने रेरी बर्विझ्लास्वरावित्रिक्षा वर्णातकर्त्वा वर्णातकर्त्रावित्राव्यात्वा री अरम्रार्ट्पियाक्तिम्यो जिस्मानी श्रिंग म्या स्वित्र मान्य अस्ति विद्या स्वापनिया सिता मान्य प्रमान बरेशरेजारे. केरेकर, किरेकर, किरेश विश्व मध्यक्ष अक्षेत्र केर्य केर्य केंग्रिक अवस्था वर्ष वर्ष अन्त्रें हैव.श्रेत्रेत्र यूरेचरश्रेम.में अर्चे यूचे अला वि. है. प्रेमें यूचे में जूरी रने पत्र चर चापण ज्यूने महाराता कार्यानमहारात्तेनार देर हैं हैं। वंब व न्याना मान्या में या ना प्रवास में में यरेनवस्त्रम्भारेन्त्र छायाराष्ट्रम् स्त्रम् वायाराम्या वित्तवस्य प्रदेश्योत्रे महेनाया सरायरा वर्षेर्यमार्ग्रिकाकी वर्षे अवस्ताना महिन्या मार्ग्य में के के तिस्ति के निर्वासिका मिन्ति के निर्वासिका मिन्ति में के निर्वासिका मिन्ति में के निर्वासिका मिन्ति में के निर्वासिका मिन्ति में मिन्ति मिन्ति में मिन्ति मिन्ति मिन्ति में मिन्ति मिन्ति मिन्ति मिन्ति में मिन्ति मिन याम्या श्रे.स.र. क्रामाना मार्गरक्षेत्र नामाना मार्गरक्षेत्र नामाना मार्गर्थ हिताहरी वर वह तर्वेत लूरी सरे.थियेम.भेग.एसर.का.सथ.वर्षणा रेज्याचारेम.की.मरेंच.एक्.लूरी र्या.क्रा.च.सर. श्री किर्कर किरा मिता में अपार कार कार कार कार के अपार के किरा कर कार के प्रमार के किरा कर के किरा किर नविद्वारिश्यारे स्था हरी केता स्था विश्वास्त्र अहिन हिताता विश्वास्त्र में ने पार्व पार्य प्रिया है। व्यास्त्र नायान्द्रवाह्म नायान्त्रराव्यान्त्री कृवयानुवायान्वयाते के कारा वेयक्रात्या के विकास वर्द्धा है। देने रोम्कार हैरी पर्रारिश हैर वर्ष लीय हीर का उटलि हैंग रेने वर्ष पर्वापति वलभास्य म्कुरद्रम् महिमायम् । रदम्ने लखेद्वा श्राद्य विषय पाववास्य वलाखे श्रवाह्य विषय वर्द्क्षियारे। स्मान्यामित्राक्षियाक्षेत्राक्ष्या की दव द्वर्ष्या की दव द्वर्षा व्यवपादी वापात म्हिन्द्वि द्वराष्ट्र विद्

क्री, यर प्रक्रिय ने अनुवान र वी. पर्रेष अपनाम् पर्य अपन्त भारती पार्वेष क्रूट, रेक अपनाम भी क्रिरेष्ट हीरेलाकार्यरपानी युक्तपानपुर्वन्तुरेहेंचेयातानुनी क्रिलायुन्यं मुस्तिर्देर रेवर च. रेट्री कुर्ने संग्रेश नेट.रट.४ट्ट्,येमका के.क्रेब.स.फ.फलरम.ट्र.लुमा मट.देवूका.का.क.क्षा कु.म.सुट. वाक्षेत्रात्तेन द्वायायद्र द्वारान्वेश्वद्वा वक्षित्रात्त्वात्त्वक्षात् देवक्षात् देव क्रा इं निया माता अव स्वित्वर देव के तर् देव के तर देव के लिं में कर तर ता विवासित वर्ष वे त्वा तर नेता है ज के के जिल होते वा की जिल देश महिन है जिल होते हैं। पियीता स्विमा स्विमा मेर्टि दे दे के पर्दे पिया गाना अवत्व या मार्थे व व पान के के पिया पान के व पान क युन्नयाकी नेर्देश रेन् रेन्ररीयना स्थार रेटर राज्य है हिरा समान्यर में केंत्र में रेन्सर में मान्यर रमम्बद्धः हर्दिक्षाम् । वदम्बर्कार महिरद्विकाम् । युत्पाव वद्विकामेका दवाने। स्टर् र्वातातक्तियो यादार्वारा तहित्रीरायेदकेवाता यमक्षित्रेया स्वान्त्रेया क्र क्रियानायायान्याया इराक्ष्यव्दार्युरात्वाया वे व से वता स्ट से त्या र्हिग्रम्मा निरवंगता में अतिश्वाय में हिंग हतर त्यू या जी या श्वीर से मार्टी के मार्टी त्यूर वर्ष्ट्र प्रार्थ होता होने न हे तिया राष्ट्र कार्य र त्यू में मार्थ में के प्रार्थ होता पर वर्ष डु. हेरा पर्वक्रिय, रहा में मानी यह हेरा है जाने कुल में किता में मान है। के जान मान है। के जान मान मान मान मान एवता येव हात्रास्त्रास्त्री है. रेप, वर्टर एरे. तीया है। रेपार मा विवासि पा है। वर्ष बर.शेर. धुन.ज.भे। नायुका लेया व तत्र न्वर प्रेच गतिना कार्ते. रू.वे. मर्.ज.मी वेर.म. वेर. रे अर्लेश कुं वें वाकव पत्र लाकी । त्रिंव पता चवति मेद हें वा वर्षा देवा पते रदक्तियात्रि। वेतुःदुव्यवदुर्तियात्रि। स्वायति दरम्सिवात्रि। वहर्रद्वरात्रि अत्यद्वि ग्वन्नस्तर्वस्य न्त्रियद्वस्य न्त्रस्त्रा द्वार्यद्वस्य न्त्रस्त्रा द्वार्यद्वस्य व्याप्तर् याद्या. हे. झेल वयुद्वातवाला अ. वं वा केल अद्रेश तर्था केंद्रेश त्राच्या केंद्र वा त्राच्या वा विवास त्या रे.अ.पुरकुः ध्रुव.त्.रेर। अर्.ध्रेर. तीताविष्ठतार्वरातरवावी रदः ध्रुवः क्ष्यं रदः हैवानुवी वर्षाम् निर्धाः भीराष्ट्रा भीरावर्षेत् । वराक्रामे त्या वरामे त्यववा रे वरामक्रमण सामे रावमेवा तिर केंद्र विया हो महाभद्रेग किया में गरा यह अवावम किर में पहेंगा वर्ण वर वर्ष में मार्थ डिराजा मारा में मार्थ पार्वट प्रह्मा कि प्रहिरी कराम्रे पर पर मार्थे करा में मार्थित श्रीदः यदः श्री विवाय वेरा विवाय वे ना विवाय वे ना विवाय विव म्री यथनाद्वात्यात्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् स्रित्रात्वंद्रभक्षण्येव। याःभाद्रवारावःह्रवारावायोव। ह्रेवःक्षेत्रायावायवारावा

प्रक्रेरामरीयात्रेया । त्यावात्रद्रद्राचार्थे व द्रामानियात्त्र । दर्भाग्येया इटावर्क । या कर् स्वान्यती रवा ये वाहे। वाहवारी सक्ताया मुनार्स्व वे वे वा स्वानी के वा त्या के वा श्री हिर दर क्रियाकी विश्वास्ति हा स्टर के अहम हा स्ट्रा हर क्रिया हर के स्वास स्वास का वाहन ही से अपने का स्व वयात्रात्रात्रात्रात्रेराहरी केल. त्रु श्रेत्राताः के. यथुत्रक्या किराम् हिराकेरी रवायादर ही हर कुंचलादर: मूर. जेवल हरी केंग. रंड कुंचल वल देश हैरी है. रंड कुंचल वल करी वूर्रह केवलन अस्ति विश्व के कि विश्व केवलन अस्व कर में विश्व के स्थान के महामार माना कर के डिर.का.बे.त्य्याम् प्रदेश के। म्यास्ट्रम् म्या देश त्या प्रदेश के। म्या स्ट्रम् जगायह्व. व लक्षकी विद्वारी, भारतहेव. जा. भारती विद्वार में वलका की पूर्वे वा मारे द यत्रद्रायासदा दे.ज.वयात्रवाद्रायात्रवा वनायत् नाम्यात्रद्रायायेत् मान्यात्र्रात्रवाद्रायायेत् मान्यात्रात्राया दा झैलाव बदा गुदाल में में भारत से प्रति दे से दे में प्रति । वह म म्रेर.संभातर. अवता मृताकूर्य. वे. वे दव ये तत्वत्वतात्वीवा। त्रामाकृत्रीय मिक्साकृता हुए. यावनायर. ल. जरपामा जायाना लायक्ता की. की. वा अदासमा स्वीत वया स्वाप की सा वा वा वा विद्या (1व. वर्षेर्याता वेत्रा. विर्ते रदण वर्षा वरु पाया पात्र वर्षे व विषये वर्षा तर्री यो द्वापते द्वायर्ग । मे सूर सूर यत्र यत्र हिर्हिर हो द्वाराये ये । देवता वर्षा या सूर गलरमा । । वरवंर बिता कुंगार देर एकेर मेर कुंगाम महमा वरा वी बाधनायक्तरद्र, क्रियालका कुना में या मराक्रियमाष्ट्रका स्रेचा कुना वर्ष प्राप्त प्रेचा करें या वर्ष प्राप्त प्र वयनार्यात्रीतो र्.जैर.कैरसम् रूप.प्रा.मूर्य.के.वे.वे.वे.रय.त.जैर.रर.लुर.जवाता कूर्य.के. ' पिर.वर्षेत्र.रॅंअ.क्.एकंर.क्ट्री त्रीता.केंट्र्याया.चट.वया.केंय.केंट्रा वर्या.मु.च्या.तपु.रहर. क्रद्रक्र न्यूर्त यथे कर देत्र प्रति क्षेत्र क्षेत पा. च. ह्री र द्वीर खर्ये वित्र ने वित्र में विषया तक्ष्र प्राप्त के देश खर् । दे वया र र र के प श्रवास्त्राता वर्गार क्राइसवस्य वसवा बेरवरा श्री बिट बेट पर केर बटला स्री अभाद्येद्वत्ते की शुन्तियाताताताता काताताताताता द्वारा मुन्दे देखा सर्याक्र व्याप्ता रेपे के लेव र्गायमारे ने भी श्री वाह कर कर सामेरी स्वाव र द कर लेग याथाया-में नेवाथानेता वाह्यानेने यो वाहरत्यायायात्र नता नत्यायायात्र राजायायात्र नता यातरे तिर अवा नती र्या भरें वी केवा त्रां न्या केवा नरी केवर विकास है। याला सेर.इरा म्.१५०.८६४.कुरा.एर्वासक्या सर.स्व.६.वन्या प्रह्मार्व्या वायनः नियासिर कर सूर्ये के मरी दार वर वर विया से वा ने स्था वाय सर व के पार्थे व विवास विता की याता वें वें राष्ट्रिय के में त्या के ता रा बें द्या है। यह वारा विवास है वार्षिय वार्षिय हैं वार्षिय वार्षिय विवास हैं वार्षिय क्यानास्त्रीर सेव. रंग्यानाना है। वा रंग्यार्थ क्यार्तिर प्रवेर रंग में या नर वर्रे रंग.

यी.रवाला श्रे. ब्रिट्र.पा.राजाता.र्योव:अरी अवरवा.स्वेयववा.स्वेय:वेक्यवा वेक्यवे . र्स्स्युवर्तातिया वर'न्द्रः हैद्राक्षित्राक्षित्राक्षित्राक्षेत्रात्र्यात्रात्रा हार्क्षेत्रात्र्यात्रा रदःवर्षेत्राता रेव्.च बेचेवाताता प्रक्रिं कें मेरी रे.पर्धितायरे.सेवे.पर्वेदास्तावा ह्राये ब्रिअसंस्टर्ड्ट न्यू इंप्यविताक्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया वार्ट्र ह्या यह देव म्पर्कर वित्रवार हे रद्रत्यार्थाक्रेवना ट्य.से.स.च्या.य. अवभार.प्रविध ।स. एव. विषय. देव द्वद् घर. एवं मुनक्त. लाह्याकुलायाल्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् न्त्रिक्ष भेरामा के श्रे वर्षर तर्वा ।श्रे तहिवास में वस के मार्थर ता स हरी कवा वा छर वर्ष र वर × प्रता. मेर् हेर है र हे या तुव वु तमा विया कि वहर दे के पहित्र वमा व्यापन होते परि ही र वह ता विट.चए.बुर.जन्ता का के वार्षेत्र में का के वार्षेत्र में वार्षेत्र में वार्षे । विट्राय के वार्षेत्र में वार्षे वहर्ष्या के तहित्र विका है माला ने मार्केर है। यह में मार्गर है। माला हे नमा स्वर है र मार्थालाक्टरातालीवी वेत्राक्षेत्रवावतातानेवात्रात्राचाताता पर्वाक्षेदावा ववदाक्ष्यातेत्रा द्वायात्रा र्भर अते विलावर्भ । अ से अकेर किर ले रेडी व वेरवयाल नर्केणवर्भ मुलार हर रव या व क्र्यायान्त्रा वावनातायक्रम्वत्ये ने ने ने मन्वया वत्रम्य वाद्याया व्यापाया विष्टा दिर.या.चल्या.रदा चाता.र.पीदा.बा.की.कुन.क्षेत्रया विजया.की.र.रामर.बीज.पी.रूपा किर.रापु.र्.पा. मालवार्ष्य क्रियाप्ते मुल्या महत्र्या महत्र्या वर्ष्याया मुन्या वर्ष्याया मुन्या वर्ष्याया मुन्याया मुन्यायाया मुन्याया मुन्यायाया मुन्यायाया मुन्याया मुन्याया मुन्याया मुन्याया मुन्याया मुन्याया मुन्याया मुन्य गर्भान्त्राम् कृत्यार्ते श्रुवायायार्षे त्याये वर्षे स्वायतिका स्वार्वात्व । भीदितेका स्वर्मा वर्ष । स्वर्धात्वा । स्वर्धात्वा । स्वर्धात्वा लुन्कद्रद्रात्र्यालान्य या रद्राष्ट्रमात्रमात्रात्राद्र्या केस्ट्रिर्ज्या केस्ट्रिर्ज्या केर् र्वायत्रियारात्वर्यः म्या तह्वाहेव हियायः वृत्यात्रेयात्रा नेत्रात्र्यायः म्यार्वे वात्रात्र्यात् अवसेत्रेत्रसद्दान्तित्वाद्वात्याक्त्रामा अत्यूद्वाता अत्यूद्वाता अत्यूद्वाता अत्यूद्वाता अत्यूद्वेत्यारः सर्ज्य हुया क्रियत्त्र ख्र वर वर दिर विवाया स्वायवर मात्र के सर सर वर्ष विवाय य मार्द्याद्या निष्ट्राते हराते हराते हराते हें व केंगा र केंगा र केंगा र व वर्षा व वर्षा के गरी विशालन केंग्रिय देन विवान तर्रा सामा केंग्रिय में माने केंग्रिय के नायदान्ताराष्ट्रास्त्रे वेंगार्ष्ट्ररेता हि स्टात्रव्यस्यहर्ष्ट्रारेता सेवास्यारे द्वायात्यार्क्टरपते त्युत्। रदः त्रवायाववः भाषा त्र्याप्रदेश कुं केवः गर्देश विद्यकुर खेव। तहना भ्राप्रदेश रदाहिरारेर। द्यमाकेन यद्व शिह्मायते त्यापा क्रिश्चर्य प्राप्ते मार्थरा व्यद्नित यानिक्ष्याक्षित्राक्ष्य विद्याम् द्राप्तिक्ष्य विद्याम् विद्याम् विद्याम् विद्याम् विद्याम् विद्याम् विद्याम् र्वातर्द्राण्ये व्यास्त्रा विद्रम्य विद्रम्य विद्रम्य विद्रम्य द्रिय विद्रम्य द्रम्य विद्रम्य द्रम्य विद्रम्य

इट्यूट नेर नुला नहर य देही कुनेन नालुट ने नाले र ने ने ने ने ना ने ना में र मिल्या रेट. र्रेवका वार्षरश्चवारताप्रताप्रताप्रवास्थाकी पर्वा परेवा आपेका हैं दि हैये। वा पत्र सर्व की महेश स्वादी पहलास्वालकार्यात्र अद्याद्य केवला वरे क्रेरारदायात्र लुन्दला है। रदः ह्या नरेणाव लेखर दे। यया हैया केर व तर्वे व व वर सर्वाकीत्रक्रांस्यादे। सामानामावे मार्थी सर्थी सर्वाद्य से देश के देश हर्षा सराताम् लान नत्र के। वान्यह्वार में अंव लाद ते की दिन हैं ते के ना दवा ही भेर कर इरवाभारीकारहेका द्यादेवराष्ट्रवायाचारमध्यत् द्यवामचरादुरकीकार्थास्य जमार्डर्स्चरम्पुन्द्रम् वर्षाया के अदाव्यायते स्वर् द्रावरा द्रवाया स्वरायाकोवा स्त्र्राम्यान्त्रम् न्यान्त्रम् स्त्रिया स्त्रुतेयम् अवत्रेयम् हर्वयाद्व। रद्वेयावर्षे नुर्दे नष्ट्रालमार्बर्। राप्त्राकाइराटापर्वाहिली स्मिनाकार्तिपुःश्रुद्ररेपर्वाली स्र्र. श्रीकार्त्रराशिकार्त्रदरियां देरापर्यका निवानिकार्यान्त्रमा हिरी ब्राह्मी कुन दे ता. पर्याता क.मे.कर.मे.कर.मे.ला.ह्वा म.मे.पहंद्याकर.मे.म्या.ह्वा मेन.येष्ट्रा.कर.माध्य. कुलाइवा छा.र्टात्रुं कुन्नुव्याकुन् कुन्नु कुन्नुवा रटार्ट् हुन्या देवात्रुं कुला सेवाल सर्वा. क्रुग अमे तर्रा में इस मार्थ । त्या मार्थ वाया मार्थ वाया हरा मार्थ वाया मार्थ वाया मार्थ वाया गतिभक्ता प्रत्याम् वात्रा वात्रा हिरा स्टिशस्ता पास्य पात्रा वास्य वात्रा वास्य विश्व विश् क्रांसहरारेश कुल ब्राहिर वर्षण वह वर्ष मात्र मात्र वर्ष वर्ष वर्ष नु बेबायकु विजयदर क्षेत्रके बर्द र वेत्राचित्रामात्रामार्थे वाद्याविता हु लद्याविता सेनगर्रेशमहरूपम्युं केमकेणक्राप्रदातमा कु.मानगरत्यूर् संगायर प्राप्ता वर्षे पायरे प्रयु देशकार्दर ह्याय वियाने के ले का मिया के निया के नि क्रदेशुन्नवा स्राप्ता विक्राम्यास्य स्वास्त्रित्र में वित्रास्त्र ने प्राप्ता स्वास्त्र में वित्र स्वास्त्र में वित्र स्वास्त्र स्वास्त् क् हिर्युद्रे देवे द्रस्त रेक प्रकेश रेक प्रकेश रेक प्रकेश रेक प्रकेश में स्टर्श में स्टर्श में सार पर में क्षेर. राजा स्वाय तरा प्रतिता वाहुला मान्त्र प्रतिता क्षेत्र के त्या के त्या वे वाहून क्षेत्र के वे मिर्करत्वस्ताह्मवर्त्वाच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या लर.पर्वट्याद्वट.श्रद.सेबायाबाद्द्या.जाइरा.च्यावाह्ती रर.सार.त्र्यातास्त्री.जाइरा रेडी रेर.कूर.त.तीयाततिया.पर्वेर.रेडी रेर.धरत्तिया.पा.तीया.पर्वेर.रेडी क्राइट.कुन.कु.म.र्थी.वश्चेयाय.रेटा रहेज.अब्ट्रक्रुन. मैं.वर्थी.वश्चेयाय.रेटा वाजन. EU- 32.34. E. 1239. LEU - EU- 32. 32. 34. 32. 1334 \ \$0.20, 32. 3. लर्यार्वशा इक्ट वर्स्नर वर्देन हर यह सवला केल म् केर हर केर में

लिलक्रीन्त्रे मू. जरमाह, परंतरी परंतु, क्याक्रिलक्ष्ये व हिंग व ता प्रवास क्रिया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ्रा परी रे.ब्रि.क्षेत्रकुवा, अस्त्रा देव, दे.स.के प. त्रु. क्षेत्रा स. करे दे. पक्षा च तर कुर रे वर्ग. वर्तियः श्ववराश्चे सु शुर शुर रहे र शहर हो न से स्था है से दे र है। हो से शहर स त्रेरनेद्वाथना छातातात्रिरातां व्यात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्र लीमकुन्त्रम् हुन्द्रिन्यव गक्रा यात्रवाद्री वद्रिन्यर् वर्षिन हिन्दिन वर्षिन सार्यायम्भूव रित्रवाशास्त्रात्विराद्यदात्राह्यम्भूव मि.प्याप्तात्रात्रात्त्रम्य । श्रियाप्तात्रात्रात्रम्य । श्रिय वस्ता त्रेयायरे भाष्ट्रवारेदा दर्ददर दें तुरा तुरा तेवा के वारदे भी क्रें वार्दी द्वार्ता द्वार्ताय सेर्दरा केनार्गपार्श्यतेरस्नुगमका थेम्भस्यायवावर्ष्य्वसम्यास्ति। क्रेप्तरियः जानेजा प्रका वाजारक्षेत्रकेर महिला सहस्या अहरा महा कर्म में निका कर्म में निका करा में निका करा में निका करा में मिनाग्ताना की दे मिना वायत दे के प्रमुव प्रमूव प्रमुव प्रमुव पा याद दे के ता मिना के प्रमुव ता वभक्ता दरम् द्वायते दवित्यद्या वर्षेत् वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र य बुरवार्द्रम । यदर्वेशर्यरे लेते नवर्यात्र । भेकेव कुलं य त्युर्य किया मिर्द्रमास्वर्द्रमार्थेय। स्राप्तिरद्रमार्द्रमार्द्रमास्यायम। स्राम्यद्रमारद्रमा देविभायम्य द्रानिक विश्वातिका भे से सामीदिस्य विदेश सामित्र मानिक सम्मानिक विश्वास्त्र । म्बर्भका वराभावविष्ठाः हिवः प्राः वार्षर देव विष्ठाः विष्ठाः वर्षे वार्षे वार्य हिरी नरायत्तर अधु मा इगार्यायात्रारी पह्या हेव से वह अधिराया केवा हा हिरी एर्स्स मार्थ्या मानदार्गराष्ट्रित मिदाया मेर्दा कर्मा मार्थित कर्मा मार् 3 357 इट्रिभर् यर से.ज. होरी भुक्त हिंदी भाक्षेत्र होता विदान के के वर में देश की सार हिंदी ह्य स्वर्भा त्रेर्यकर सहित्यह वाह्याय तर्त्य । र. र. र. र. त्रा कर के र पहें के रे र हिर य है तर पत्र वाह्य के तुन्य। नदशः मृत्रेश्वर्भाश्वर्षः यः मर्देरः वरः सुरः दुव्यः यः यदः। स्वर्भक्षः यात्रेशः वाविभः सु इरक् हर नते देश स्था भेरा हर कर देर वाद्याय या कर । देव भेर पाया पर व व्यव व व व व व लर्द्रम्या मार्द्रम्या मार्द्रम्या वर्ष्ट्रम्य वरम्य वरम्य 6 कर सं पं प् दलक द मूर प्रभावत्या मा अर्थ मा के वा के व

वस्तान हैर्यायकी है.वागर.माम.रर.सेवागर्भेराकरा याहवार्रदावारायाकी वाही

त ने ना प्रभाव में पर्राया दर्वर वर्ष में क्या के विषय के वर्ष वर्ष प्रमा भीव देव वर्ष ना मान्यकी रब्र्या, विकड़्या लट केर के. जू. विक्रिया वीया प्रायर्टर प्रस्य प्रेश अंत्रा श्रास्त्र अंतर विक्र र्न्द्रश्याव ब्रुलियाका दिरक्षा ग्रेन्क्रिया प्रेन्द्रश्या है। देव वा प्रका प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान अपान्त्व । तिपानी, वधुद्याप देशक्ता वर्त्यक्षेत्र । बिदाक्री, दाना क्षा क्षा के वस्ता के क्यान्यादस्य क्यात्वी अहेब. स्रे.चटातात्रस्य प्रेनात्र्री तयावन्द्रय क्यां कर्यात्र यर। दसरकेव यते दिवात स्वाव व्यावावा स्वाद सर यं दर वी दिवाता वा ना ना ने वारे प्राचलवर्षाः देव्रसाया स्रेरी रदावरे वायवस्रिरास्ट्रिं सर्धि। क्रांसि मेरे से क्रिने स्मिन्यामा नेरार्वेद। कुलापाने न तम स्नित्र है भ्यादा ने दारेदा। वि सुका ता अदिवर्गत श्रृवेत्त्रसूय्वाक्टरा ।देयुविवकत्विकिपिशासिराम्बिश्च वृत्तवव्याक्याक्षेत्रसू मुलास्कानिकान्तरतान्त्राता श्रीतान्तरता श्रीतान्तराता श्रीतान्तराता श्रीतान्तराता विवान वहना द्रद्रा विका । विकासते श्री दर्र तर् वस वह देवी खर् यर वेशवा ते विषय के वा वहरे विकास कर.क्रिमाला प्यत्रेश्चित्रा क्रिया में या मति दूर दुः क्षेत्र वा तु वा साय विषय में के वरे। दिया म्रेट्जारा पर्वात्र हे. इत्याद्दा वृत्य यावात्या दर के ते अक्रिव्य क्रिया क्रियं क्रिया विवास धि.ट.स्या हे अ. में अह्त्वरे से र वर्षा कथा पहुरा न रेटा हि से अ ती असी परि है से वयाभराकुनायरे म्यावरमाक्ष्या याद्रश्राह्मन्यया ग्रामान्यया ग्राह्मन्यया किलान्य, देर. रे. रे र की. र की कर्री वाज र की. हेर के कि ही जी है अहं डे अवा है ने हैं र खेला श्चिम्यते के नामायदा दर दर है अहते हिन स्ता भ्रेमारवर स्रेर तरे वे से दर है देव दर्ग है.रेटली दव.रंज. हुट. के वे च च व. एक राष्ट्र यद व. जा । व्यापक दोरे. हैं। की श्री श्रामानायानायाम् । कार्याकार्यानेरानायाना इवाधिरे विष्यातात्रेनायहरू य। इन्हें रेग्याकी सामत्यमें प्रा में हार हें वें क्रिया सही ये के वें के वा मित वर्षे दर्। हेवायरी देवाविद्वायहर्भयो धुर्दिकारी धुर्दिकारी वावरात्वीप्रा तावरावरीक्षेत्रं भेया सर्देताती जयाकी,रेग्यकी,अवएएकी,वन्ता भुज्वलाकी,वूर्,यदीवा में,वर्षियाता वर्केन खुलानु त्या सुर्देश रात्रिकृता यत्रिक वर्षेत्र वर देश तर्शे अर्थर त्यन देश ब्राट्र विद्याता ना भी मिलेंद्र विद्या में मानेंद्र में वर्त में वरा ना के वर माने वर माने वर माने वर माने वर वर्त्राचित्रेश्वी अवस्थायावते श्रेवं अत्अक्ष । १यतः श्रेटः वह्रसः यः वरमः सूर् सरः। मि.गरेंच स.एचर.वरु: क्रे. अचुलाउवी यमिर्दिहरमार्जा सारपु. जैया. सी. १व। यमिर.कूर्या. वर्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र वा वाला विवाल तकर विते मेरवल। इर मेर्येन वार्य देवन क्रवामद्या म्यावामानियात्त्रियात्त्रियात्त्रियात्त्रिया मक्तार्या म्याम्या अर्थ बिद्याता से बा थी. व रव. हिर्ति। बगाय स्वा हर हिता से मेर समान से मेर के बंग हर में वा

गुराशे द्र। त्याकुर:रदायावात्वात्वाद्यावी द्र। मदकुर:यदवात्वीद्र। क्या अत्र मसुदारमार्दरलायानप्र। स्टार् मतायायायाय स्थित है भीवाहें मारदेर के आ सुदा म्.शुन.रेटा.पर्टे.इर.अ.श्रूर.) र.रट.इ.प्त.बि.ट.जा वेत्र.न्याया.मधतः मधतः व्यामाया भरक्षराकी अति कृतातरेदाक्षरा देवाभरक्षरकार्याका वर्गका तक्षराव देवाभिक्ष र्रमी तामायभीतामहरा हैरहि पर्नायप्रितापरमायरी भानमार्मेन भूपनि मक्ष्रम् णार्द्र। श्राद्माणराक्तिक्यत्री श्रेरप्यरामवन्त्रकामनेता वन्त्रान्त्राम् वर्षाम्यान्त्रीया वाडेलासुवादरा ह्रेट:नवलावहित्रचित्रहेर्चरायंत्रवाता त्यालुकालाक्रावस्तरः थ्रेन्सा गर्नेन्द्रियाः अत्येयत्याः के क्रियाः क्रियाः क्रियाः क्रियाः विष्याः क्रियाः विष्या परीवर्षण देवाला सही हिर की लाइ अनुता यो लाई पहुंचे वार्य ने दुला थे वा र्'त्रोग्रह्मवायते रण'तायवा रसर क्रूर'वर्ष्यःसात्रातात्रात्राची रस क्रूर'रर सुत्रात्रात्रा जर्यनिर्धराम् अभागमेर माना वस्ता वर्र तिर तर्ना के भारे हर कर में वर्षा ने वर्षा कु.ज्यूर,श्रंजकाता, बलातावंदा:जूर, के.त. रुष, जीवाकि. शरमर. परी के. रुष, में र. वर्टर मेरेसे र. परी क्रियान्वन्याद्भाव वरात्रेराक्रिया क्रियान्या क्रियान्यां के पात्रां क्रियान्या हित्ते नित्ति वर्षेत्र श्चीतारह । श्रेन्ड हे रक्ष्म से अप्ता है अपता रुवाले निवासा गिरुद्रम्था सर्वित्म्या सर्वित्म्यद्भार विष्या मुद्रम् मुप्या सरायद्वा सरा ्रक्षण क्रमास्त्रश्रद्धि । एड्रमास्त्राश्चरात्रात्रात्रात्रात्र्याः ्रेश्रीकृष्णियत्य । कुम.कर्रामवापर्नुकात्वित्या क्षिर्मे.के.वि.वर्षाक्षेत्राची पर्वे.पर्रे स्माद्रकात्विता वरेंग ।रे.ज्.रदे.ज्.चर्.ठकेरे.जूरी ज्यायेन.ज्येन्य क.रदःवण सिर्वर,रें वे.न्र.रेंग्या नर्.क्य. वर.रे.जयकी पावते हथा कहूरा की देशादेवदा तहा अवार् रे रे अवित किया के प्रात्ति । बुनानर र ज्याया वाय वे व या के वाया में वाया मे सार्वेष्ट्राक्त्रा बंट.क्षेत्राजीयाता। बिराम्नाक्त्रा । त्याम् मर्वेषाव्यात्वरात्यां त्या वया वर्षेत्रा त्राच्यानम् नहरम् श्रुवः देवाने स्ट्रिट्रिं होवाने स्ट्रिट्रिंग्याची स्ट्राची सट्यति विभक्तानम् वासर्थि। ग्नाराह्मण्डियार् मार्थाः वर्षात्रात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्याः वर्षे महरद्रात्याक्षात्यात्या इरा वना हेर करें वा महर ना मिया विमा सर ना हर के मिया सर ने महत्या सर क्षेत्र हैं । यम भारति, या मरति है। किन हैं के ही न न या है द कही। यह वान में राजर प्राप्त है।

नाल्यत्रेशार्देर्यूट्रर्थर्र्यात्राचित्रा वित्यत्वाक्तिरावशायस्य पान्ययेशायस्यात्र वारीकात्रता राजान्द्रियाता. एर.स.हिटा टिर.डी.स.ट.रीत.बारीकारी श्रवाकृवता. बहुवाता. प्र व.श्री जिलक्री.मु.स्याभावा.श्री अर्थेन.मुनुवार्ट्जाव.श्री मेजात्त्र, राषरश्चे सेंदर्जनेवरी यान्तर्यम्यक्षेत्रप्रायक्षेत्रप्रम्यक्षेत्रप्रम्यक्ष्यक्षेत्रम्यक्षेत्रप्रम्यक्षेत्रप्रम्यक्षेत्रप्रम्यक्षे अर्घट्र जिंगानि वरेवत्त्री जीवारीजरमाई ज्यूरे ब अर्तात्री शकुन अर्गुमान्त्रा विश्व स्थानवर्गात्रेर.त.स् देवतात्रेरेकेरपरेयास्य गरमास्रेर्यक्रिकेर्यस्य मेर्नास्य तत्र भी पात्र दर्श रहते ने वार्य ती वारा दे की र परीय । वाराय ती के का कार तारी करे की दे कासरवरे.ण। केवानमाहीनात्रवाहीरावारी देवाहीनात्रवापरेतपुरिताही वाद्वारिका र्भरातकर्यहै। बुदार्यवायते नेशुदारमाने तालकी नेस्विकि दुराने रामा समाने प्रमास्य स्थात्में हुमाओ नामुकालड़। हि.च-प्रचाक्रियन्ता तस्य प्रमास्य हो। द्यार दरायदशास्य तर्वे। देशालीया क्रिंव क त्रवादिया यात्रेत स्त्री कवता ताक्षावता दाव द्याविया वीता सेवात युवावया भूटा प्राट्ट र्यारा जिलाकी मारेका सेवा सेवा सेवा सेवा में का में का में का मारा विवासका प्रवर्शनात्क्रात्क्रात्वर्द्धः वादेवत्वताक्षेत्रुवाद्द्र। केवातात्वयूर्ततपुः विरत्तदेवावी श्चान्यश्चाराम्यक्षेत्रायानाद्द्रम्था देवपाताद्वीतिरद्वाताकी रेत्रप्रत्यातीत्रातायाना ररा र्मात्रमालुम्यार्मात्मारा कुलायते हुलाला द्वान्या दाले ने ले ने चालना द्रतिस्थलात्मेन मूर्याने देशकालक्षेत्रे हेर्र्यूर्यायाक्षेत्र वर्षा वर्षा वर्षा स्थितिक क्षार्टा देनह् मेलात्यां कियाते। मर्यायामायाविमावियावि । देरवर वसूर्तिविमाया यर्थाजार र मर्ट्ट में में खेरा परी विवादर र्रा चर रेव केव की यलवार राय खेरा की वास स्था रट्या केंद्रान्तर्भी केंद्रान्तर्भी केंद्रान्तर्भी केंद्रान्तर्भाग्नेर प्राप्ति ने निर्मान्तर्भी में करा श्रामावर्षित्रहार मार् रेजा रह्माने रेवर मार् रेजा रहे वर्त्याद्दादर् श्रे श्रे वर्ष्येद्रिर् श्रेय विभागास्य सावहर् वाहर् वाहर् वाहर् वाहरे वाहरे वाहरे वाहरे वाहरे रेटा विक्टिमाक्ष्याच्या एक् राजाला म्द्रवलमाक्षाक्षाक्ष्य द्याला है। यहमाम्बर् क्या क्रीमाया ला प्राथम्बर्धानर्गार्म्यर्रा व्राप्तरा व्राप्तरात्राक्षात्रात्राक्षात्रात्राक्षात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा बिर.म्री रतपवर्रेत्वमःभवप्तस्यर्थानाता श्रीरत्यार्थ्रत्येत्राक्ष्वा कृष्टिगास्य बर.वर.तुर। कैवारकुर.टर.केर.ब्रेबाजीय.लुडी एवंट.बेर.पट.सेव.वाट.ज्यू.व्रा अंपावरी क्यांवरूव मिनामर्थाकर्भकर,निर्माना कर बिर्म्यवन विर्मात्नर स्वरी यर ववम में अर ववम में अर ववम में अर ववम में प्रवास्त्रार्थार्थान्त्राक्षेत्रे वास्त्रात्र्याः केटास्त्रात्र्याः स्वास्त्रात्र्याः स्वास्त्रात्र्याः स्वास्त्रात्र्याः भूती र्बर रेग्र मिता एसेट वर्ष्या मेशा भूता विस्टर असे असे विस्ता मेरी अरेट सूर. इंग.रंभर.प्यं.प्यं.प्यं भुं। देंस्रेंर्भर्यं अरं पर्दे पर्दे कर्ता मी सूर्ये परियो है।

131M

なってきた

二条部

र्तपार्-प्रप्राहरकी वि.स.जा वि.हर्युका त्यू वया वाल्यूरी के जा सर्वे सूरकी रेजिंदा केर जूर -व्हेर.अ.जूब.चथ्राभूते स्कूत.रत्तव.जूर.टर.जैब.व। अर्.व.दे.ज्र.व.व. जूरें व स्कुब.ब्र. वयाववर्त्तेर। कूर्त्यत् अक्कालारम् व्याप्तित्व। स्टब्ति त्रालावयाप्त्र वात्रितात्वयाप्ति र्वायाः सक्त्रे सेर. श्वाया क्रिंड कर कर कर निरम् स्थाया हैया स्थाया हैया इर.इट.क्य.त्य.से.य.ह्य.पक्त.युर.से.क्यय.क.वेषा स्व.यूर.हता.हा.ट्य.मे.स्यर. पहेंग.श्रा.डिय.स्री किपा.ध्रेंब.याववत्त्रा.ध्रेत्रा.वीदा.वीदा.देरा पवेवा.स्रिय.देवपा. अवस्थात्वी नेरवाक्ट्राया व्यव । दर्भावायरायर म्लीख्य पुरावारीया वर्षावारीया वर्षावारीया वर्षावारीया वर्षावारीया का.अ.स्ट्री.यून.रटा श्रा. पानाकृ.केर.पात्रः पह्याद्वात्रात्त्रात्यात्र म्या रिक्तायालवाकराक्रीरास्टर्धायानायावाचार्रत्याद्रास्यायात्वाचरा देग्द्रिराधाः से न्यायाह्नेत रिन्नार रेन्याया रिस्टा दे स्वायर रे नियम प्राप्त मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर र.र्गावार्यात्म्यार्वेष्यात्र्री हिर्क्षात्र्राचित्रात्रेष्ये हिर्म्यायात्री म् गतेना पर्वावयः प्राथन्त्रः प्रचरः म्युष्या गाउँद्रियः भरताये वर्दः। द्यतः देशः वर्षः क्षे अपाणवानाने नातर्ति तर समिद र्राष्ट्रिमित र मून या या ये र चे र सि हिर हिर तर स्वा क्रान्महत्त्री हा श्रीवाताताता कारायाताता वात्वर वर्षा भारताताता यरे, मूर्यात्यात्र्यात्रियातर्या स्मातात्वराचात्र्यात्यात्रात्यात्री श्रायहराष्ट्रयात्यात्रात्ये मातदेशार्त्यायात्रामेल। संवंदा चेतायते श्रीदाउवारेदा दारदादार सामेलावा ची नहीता त्माभीदाराष्ट्रीतास्तरा त्रवाराष्ट्रीतायायासीदाता द्यापात्मेत्रस्त्रीदासीदासी श्चर्र द्रासी पायस्त्रीहरता द्राति त्राप्त न्याप्त स्त्रीत स्त्रम् स्त्रीत स्त्रम् री अवारावर राजे में नामिया वार्य में इस मार्चेर हैं में राजे व क्या आदा पहला दर ही वादन वहेर परी से.स. यर पार्ट्य के प्रत्येता रेट रेर्ड प्राचित कर रेर्ड प्रत्येत के विश्व के देर में के देर के के देर हैं परी देवगाल शहरक्र वर्ष र प्रमालका देवा शहरक्ष मार्थ के मार्य के मार्थ के मा ता. मूर्व। किया. मू. था. विद्या क्षेत्रा. मूर्य व्या. मूर्य विद्या. मूर्य विद्या की विद्या मूर्य विद्या मूर्य अर्थ द्वा सर् अर्थ द्वा सर्थ वर्णाणा सुरक्षे दे द्वालवक्षेत्व वर्षा स्रदक्षेत्र्या दे रक्षेत्र वित्व वर्षा वर्षा स्राप्त रामा वर्षा विवस्त्यादार्ते। क्रेर.रेश.श्रुन्तव.रर.सरवर्षा क्रिवर.यश्रुस.क्रि.रंजूव.जू.हेगा शर्व. यत्नु ने अथ, वह व वे वे देश देश में अक्ट विषय के या विषय के वि येव.प.एर्वेब.सेर.कंबमा केब.रंगरंधरे.व्यं स्व.क्रिंटा श्रेट.ग्रं सं.क्रं रंब्यूगर. मरी क्बेर.वे.मुग.म.चुव.वी व.मर.मुव.त.की.रव.की र.मूर, ववजाल. यर.व.वी कराते.

क्षे माला दे ती रटाला वड के र ी केंद्र माजीव मने सारी वेर मायी न उद्देशकी श्री दरालें अपरेशमाय विवासी विद्यासी वार्ट्स से वारासी कुरं तवा अ.प्रेंश्यार.वर्षःवेचाराक्तात्री क्र.हेदाहीवंत्रातुःपर्वात्त्रात्री वर्ष्रन्द्रियात्रीं वर्षात्रीं र्भारकर इनाम्यानुवालास्नानी नीयाप्यादादी हे वक्कदाद्युराद्या हे वक्षा नामव्याकेर संस्थिताला नेवना कूर्। शर्रारेयात्वे.व्.मावेलाचे। जयाश्चालेटाम्रास्याम्याम्यात्वात्तां चारेमाववटारी व ग्यासाना में स्टूर्स पर्वा में भारता अदय कर करित वाश्वा प्रवाम । विवास । विवास । विवास । विवास । विवास । विवास से.हे. मुगल.पट्ट.क,रदामिना कु.के.रर.र्सेच या.केचरदाच्या वर्षाम्रदासप्री वर्षाम् रामप्री केवला जा हिनाता सेर.म.म्.ज्यं जूर.र्व.म्री लर.र्व्यार्थ लर.र्व्यार्थ व्यर.प्र्य.त्री वासी.के.मर्ट्यूर.ह्य.रर.वार्व्या वरुद्रकेन: दरक्दिरपषु वादर वादेश दमता स्वावित श्रीदकेदर वास्या हुमारी हेर दर वी त्यवापु लूरी पहुंबायातानु रेब्यक्रेंक्सियोधेतालाची रततः क्षेत्राचात्र्यातान्त्रीर पात्रापाक्षा इ. पुर. क्रराम्द्रिं वा वा प्रदेशका श्रुरा केर्द्र लादा परि वाक्यराता तही त्या ना वा वा द्रा राज्या प्तरायक्ष्ण देरमायर हैन हो लंबा र्या वर्षा रायवाया हो हैर ही मध्या मुंबन छ। डिर.विभक्षत्र में भाषा के स्वान्य के स्वा वर्ष्णारदेवयक्नियाध्नात्र्वराभ्याद्वी सेवदार्त्रे में द्वाराम्याद्वार्त्यात्र्वार्त्यात्र्वार् हीरायणनवता लैरसपु.विंश्. बि.पवेणकी.कु.या.रर.केव.वर्तेत्र.वे.वी.पर् केर.वरवाला स्रीट हरा हो। यदे के व्यायक हिंचा हरा हरा चत्रा भेरा वारी है वसवार गुरा पर श्चान ने की लोग देश ता होर है। कीर वाह कर के रे शि मेरी में मेर में मेर मेरी के रे री के रे री के रे री द्वारायानाक्वाता केपास्वाक्षकारत्त्वराया अववत्त्वः श्वार्वरायाना र.रेट.षि.त.क्रु बा.चलेश.लूरी र्रेड अभाव.केल.धून.बियालाल.टर्टरा दियाताचारा हुन.ह्य र्ने न कुरानेशा में या त्या रामा अपा ने या त्या में या ने या ने या है या है र तह मार्थी दे यह था त्रं हर्शे ह्यू में प्राप्त युवा विदेश दा सहवा के गया या पर्व दव हिंद तर्ख आर्म साम थिवा द्वश्रद्रश्यवारद्ववववावायला क्रिंद्भ्यद्रायात्वाक्रवायाः स्वते क्रिं व्याद्र्यात्वा अम्भार्गी वर्दर्दन्द्रिस्त्म्भवसार्थेय । कूर्क् केटाशु योजन मु रेयून हे। सेपा में वर्षपु महत. हराश्रम्भेराक्रीराइशाईर। बीट्रब्राश्चर्रवा पर्वेताक्रियाता क्रेवशावरपावर हरे प्रवेताक्रियर विवास रत्। देनाव्युः पहुत्रं बद्वारालूरार्। रवे.वरात्वावकाक्त्रं वृदः लूरी केंद्र लेपा रदः पश्चिण प्रहिश्मेलकी श्रीरामर्स्क्रियम् राज्येतराम् वार्मेत्राम् राज्याम् मान्य द्वाराम् वार्मेत्राम् स्विव को वाया पार्य करकुव केर वा वा ता खेरा ही हैं रहे के कहिर या से या वा वा वा याथ्या त्रदायम् नामान्त्रा द्येत्र द्येत्र मारामान्त्रा द्येत्र मारामान्त्रा द्या प्रत्यम् म. ह्या. में कुया. मंद्रायम म्यूर्किट द्यायम में में मिं हि. रहा प्यूर अप ता. मूरपा दे द्यतः व्यक्षे वदः अद्ववः अपिरः तः वत्वा वा युदः कृतायः गलेरः विते केदवः वतुगला वेः युवा वित्रः

हिंगू में भूजयर्था रिस्ट्रेश कि मूल्या अरेश मारेश मारेश मारेश मार्थ है। मार्थ र र मार्थ है मार्थ र र में या सरी रद्वा मान्य मान्य मिद्र का श्रीत का श्रीत का मान्य मिद्र मान्य मान्य मिद्र मान्य मान भुरतरमायमाराष्ट्रमाण्ड्री १.रतरमाप्रेयाक्चाक्चिताक्चिताक्चिताक्चिताक्ष्या इरी र.जनखेबधुर्ज्ञान्त्र्य विदेशासियातम् स्त्राक्री रत्तान्य रत्त्राक्री कुवा जवना ज्या जरव केन कुर जरेंग निर पर्टर अके रह के वाज वरेंद्र मिर पर्य में उपर कुरेंग जरेंग जा ग्रेट्ररमम्लेभलाताका वदलक्टा म्वति वस्ताका वसीयेवाले (व्यवारिकालाक्षेत्र)व क्रीर्वाह्मियात्यात्रियावक्री क्रियायक्षिरमायति व्यास्त्रियावीय। व्यास्त्रियादीय र्यास्त्राकृतः म् न्याराद्याः म् न्याराद्याः म्यार्थाः क्रियाद्यः क्रियाद्याः क्रियाद्याः मूर्म्र मूर्मराय मेर्ने विरासी मानम् वर्षित्र मान्या स्थान मेर्ने मेर्ने प्रमित्र मिन्ने वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे वर् उर्यक्षण मुना नहर नहर वंग रामिनाईर तात्री रुमन तर यात्राक तास्या माने वालिया क्रीन वर्ष केर में या अपना मक्षा प्रकार क्रा क्री ता ह्या किरते । वर्ष क्रिक क्री मिर्दे का जा ८र. पर्र. वर्गास्था कार्यर नताया सर पर्र. पर की पहुकार यह कार में ने महर रमत हैं ने ्रैअद्वाम रदक्रर वर्षा वाषव मदक्रियां के पार्षेत्र मिन कि क्रियां मिन के कि का कि कि का कि कि कि कि कि कि कि क वस्त्रम्भानम् मार्थित् का द्र्यास्याम् वर्षे प्रदेश प्राम्य वर्षे प्राम्य वर्षे मार्थिया इ.क. मेरी राजधर वनगर रेग्रे पहुंगावेश राजम के प्राध्या के देरी रेग्रे प्राथम प्राथम के म्म् मिला रेजन्त्रमान्त्रमान्त्रमा देरवलमान् क्रियां मुन्द्रमान्य क्रियां मिलान्य देवात्रमान्य Maga यानी,यांबूटापड़िजातापरी कृता ब्र्या. हे. यह द्वा. हे व प्रवास बीचा है आ यह बे हिट क्या का पुट दे तर अक वर्यवेश र्राज्य हे मेरे ही किल वर्षर हर देववा क क्लाई खे कड़ क्षा लेटा रेट का वा अव हर अद्याहिर हैं। देत्व के अली पाइक किर कि पा कर्रा किर के प्राप्त कर के देते के मा अवाय के का मानी र छे वस द्वा कुषायों गे खरदर व्या वया वादि त्यू ते खर व द्वा अ खु अ खु अ खु अ खर व का का ता जा व साम मुद्रकी वर्षे वर्षे वर्षे देते स्र्ये हेर् स्ट्रब्रें क्रिया व्यापा वर्ष स्थाने क्रिया में क्रिया में मुक्ति हो ्रेस्मान्यम्बवसान्त्राम् मेर्नियान्येरामायोग् में विवास्य देशा देशा देशा हैर्यार एक देश देश तासा देहेर देशा हर जार्यातातारेर याश्या के यर अडिव यथन है रर्य रहे। द्रया पति श्री वाष्याव सहरी नम्लिखन्तर्रात्त्री देशतपुन्यालास्त्री सम्मिखन्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् में तार्यायम्बर्भावत्यहर्। दता वर्रे दुश्याया में द्रा वेता वरे दुश्याया में वि विश्वाता वाद्यरिति मार हेरात्री वास्तिवेया इता तत्र वर वंदर ता विश्ववेशवर में भर ही राजा में इ. अ. बमके अ. त्. ता गाम रेट विके कु ग्रेम तेम ल्यारी परे प्रवे रेम ये दिस दें रे परे थे वरागार्वे रदानुकारा छो। यदावरामा अवारक्रा मावभाष्मका वर्षा वर्षेत्र वर्षेत्र मुदाम दुः प्रे.चलमा टरक्षेत्रक्ट्रे.चे.यलर् क्टरक्टरक्टरक्टरक्टरक्टरका प्राप्ते क्या में या में रसर्गतेरवी वसवर्वत्वव्येत्रविराष्ट्रात्वरविराष्ट्रात्वरविराष्ट्रात्वर्थरविराण्ड्रात्वर्थर्वे

की. वी.स.म.स.मृदस.म.रूरी का.जा.जा.मृदाम् रूर्व.मारा वी.वीर.कूर्व.वमामोवपुर रक्षिक वशा सेर्यामस्याभावविवार्या । आइवाद्यातिहार्यात्रात्रात्रा मा एक र देवितायम् र देव। वस्त रेविवाय विवाय मानावित्रम्यवित्रावि केरवेता वीतिवातक्वित्रात्विव विवर्षेत्र वाक्रित्रेत्वा वाक्रित्रेत्वा वाक्रित् देवपारकाक्त्रीर प्रेमररा अवर्ष अर्द अर्द खेक लेकावेला किट लेका पर्टर देवेल अकरेटी सराज क प्रवाचनायार्या वर्गणायाः सेना सेना मेंना में अन्ति। विन्निनेदारा त्वाचन केलार्या सेना सेना केला है। मः नर्। वालार् क्वार्ण मह्मार्था राह्मार्था राहररहरूकेयायसम्। वालायवेवात्रेयायर वरम्बर्धाता में हैं अध्यक्षित दा में किंद लीता सहकारें में कृष्टित क्या यावत केंग्र में द्रवार देवता वर्में हिंद म्दरक्षेत्रे वद् । यद्वाम्येष्यात्रात्रात्र्याद्वता द्वताव वह्वादरक्षेत्रेवद् । वर्षे स्वापान् वद्वे केन्-संत रशीरावितास्त्रास्त्रास्त्र। रमनास्त्रास्त्र। रमनास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा मैं में भारापु वारेशतिया से बरणर्यायक प्रयोगते वर्षेत्र में मारा स्माप्त वर्षात्री क्षिर्याक्रावानातार्द्वतास्थान्य कराक्षेत्रात्रे स्थाक्षेत्रात्रे स्थान्य स्थान्य विद्यात्रे विद्यात्रे स्थान विनान इट र्स् भूष्ट पर अ इ. एवर शरीया पर् इरेडि कि. जगारे, रेत्र्व. त्रां वण्या के श्रेण आपार किता तथ. नायायोद्वित्वाता वर्दराय्वरक्षरक्षरक्षरक्षरक्षरक्षराची निवाशी विदेवसूर्यद्वित्रक्ष हर विराज्यानी राष्ट्रिय दिस्त्राय के देवला के ने का की का का का का का किर के किया चर्-विश्वकिट. वर्षु ताकिट. देवाता कुर्रट. क्ष्य वावबेट वरा प्रति। वर श्रुमा वर्ष प्रमुक्त त्वीत एकपात,वनना रेन. दु. दूर हिर तर बारे जूर। किर का बना ति हैं कि विवर्ष वा क्ये. क्ये. मुल्हेब्र कुल चेर प्ववल दे भवाला माला कि वनिर या मेर वलकेद्। एक दल खूब के माली की 一点上 किर्द्रियानवला किलामे यान अनावन किर्याय दुल्या की मेरे स्वाप दूर द्यार हर हरी चून्त्युः यत्त्रं सेवालर व्याला हीरनवाह्वाला सरतः बद्धार देनाया दे भाषा के दव त्रकेलात्याक्रिया र.जवर्रमचापर्वः वर्त्वासवयाक्षरी हिर्द्धारत्वात्त्रात्वात्वात्त्रेत्री शक्ताः रेशर. कुर. कुरा बालूबर्जे. यूना म्याप. सूब. वृत्रस्था नार्वेशत्यूना रेशचा रेश्व. शक्री या शेवा. स्ति । सेर्वश्त्री सम्बाद्धारी क्रिक्सिक्ष्री क्रिक्सिक्षेत्री क्रिक्सिक्षेत्री क्रिक्सिक्षेत्र सरवर्षात्रमा अम् के. ब्रामक्यानमाण्यावा रामका क्रिक्षण मार्थे हर्र रेब्र्यालारी सराय. य.र. र. र. ही वार्य्याल्यी में अर् वायवित्ववा विवाल र हरी विवार से से क्या अक्टा रेशररत्त्रत्त्रत्त्र्त्त्वर्त्ते अहरी असीरिशर मुले अक्टा अक्टा मिया मिया रमग्रेत्वाह्रदेशाववता रहत्यातामारमग्रिका भरक्षा देशा देशहर्रद्राम् वरत्वर

ला शूर.त्. केबा.वेज.रेल्ब. त्.ब्रूरी बाल्ब.रे.रेजवा.या.हेरवल्च बाल्ला केंद्र रे.ब्रिट्टर

वर वर्देर ने भी सूर त् हैं र से रेत्र न हिंदी यालय में रेजवा या रेजवार तर्न हैं भी से स्थार वनामायतः क्रीयारदेशीया नराप्यातातारमया स्वारात्या क्रिया शर हूर्र द्रमूत्वेदर वर्षेद्राता प्रस्तित्वत्त्वात्वात्वत्व वात्तवत्त्रत्वात्वात्विद्द्रत्वेत्वत्या विद्रत्तिवात्वत्त्रत्त्वत्त्रत्त्वत्ता से उगा ता वा के त्व वता महिता ना महिता के ता कि है है देवर पर देव देवता वह के के ता के महिता है। अर्वेत्र-देयु, रज्ञया.रेत्त्वक्षिप्रतात्त्वा सै.रयम्बन्नात्रावयः पादणायरे क्रिया मटाप्याःपात्रात्वा सिवाः या महिला से ए वित्र भर अट उमेर जा ए में या मिया मिया में में दे ता हैं री पाल रिमया में या में किया जानून । पत्रेग्रेति. पट्यानुमा पहिलाय होता रदाप्या वाया देवना स्वान्य होता होता रे में में इंद्र-४८-वर्वर-४०। मेंग्र-सेंग्रेनिय. भूजा. भूजा. भूगा के वर्षि हेट वर्षेत्रक्ताल म्यू विवासकार. जल्दिन व.रेन्द्र-कूर्यल.चनता हिं श्रीर-वर श्रीर-वर श्रीर-वालिना रमकार मूच्युं मुद्र-मरपालका त्री प्रिमार्गम् मार्गम् प्राप्त में में किया के श्री दा के बार में के के का मार्म के के मार्थ के मार् मिटावपु ब्राम त्वेत्र्यम् व व तिव्या । रद्य्योगना रव्या विक्त्रम् क्रिया वर्त्ये द क्रिट्या देशमदेवता यवात्री अक्तरारा में वर वह देला कूल के का में बर पार पहुंच का कर देव हैं ते हैं वर वह देला प्याप्तायम्भया वीक्त्रम्भा क्रिया चटबीट के याक्ष्यां क्रायाया केंद्र कर्त्य विश्वेद्य केंद्र केंद्र केंद्र के व रदार्याताकारार्यायाम्ब्राक्राक्रीता में हरारे हिराय क्रिया के किया सदाके के आके न्वर ता रवाक. रत्र, रे. रं. ए. जरए. जंदरा ही जरार अवा ग्राम्य पहार पहार हेंगा हैर से ग्राम है हेंगा हैर रहे । चर्रिक्षेत्रार्भरायाः स्र्रिक्षा वर्षेत्रा वर्षेत्रा स्रित्रा प्रमित्रा प्रमित्रा रिक्षा स्र स्रित्र क्रिक्र मेरी अव रमया यभीजारदः क्रिक्षिका असमाप्तिवारित्यू रेक्षाक्षित्वारेत्र क्रियं क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र रत्। मिद्रस्था गर्मा में र्या बर्र है। येषव गर्मा में वर्ष मूर्य पर मार्थन वर्ष के विषय में मक्षादी शुर्कितामुल क्टरिश्वी पत्रेका स्थितित क्रिक्त क्रिक्त महित्र ही स्वित्यर स्थित है। क्रिक्ट म्या जन्नद्वमा मित्रा वक्षर्या है रेते लक्र रेट वहन स्वत्मे स्वत्मे क्ष्य स्वत्मे स्वत्स्य स्वत्मे स्वत्स्य स्व वेत्रपाक्षित्रहर्भात्रकेषात्रहिता वित्रपत्र वेश्रामा के सद्दर्दर्द में के से पाय में के से श्चर भुक्षिक्ष भुक्षी बटल अट्टि सैवल बहुत । अत्र म्यू वर्दिक बर वर्द्ध मान्त्र तर् अद्भाक्ता केदा वर्षा वर्षे कूर के कुल भीता पात्र वर्ष वर्ष के वादा में वादा के वादा के वादा के वादा के वि मृश् । कट द्रेर अर अपर अब्दरहर । यर बीट विस् मुस्य की र शुक्र देश की वि विदेश देश की वि मेला बीबाबुदा क्रिसे के अध्य किया मूर्य वरित है या मुख्य वरित है या मुख्य क्रिया मुख्य क्रिय क्र क्रिय क्र क्रिय क्र क्रिय क्र क्र क्रिय क्रिक्ट. रूजान्त्र। वजान्त्रावतु स्वेच प्तर स्वेच क्राच्या ह्या वहत सक्रूच वार्च तार्थित्वता

कुरतायान स्ट्रम् स्ट्रम्

त्यात्र वर्षेत्रक्त यालास्य रयात्यर सम्बर्गाय में मेर या मेर क्ष्यह नेर्धे। ह्या बि.च.म.च.त.व.ल.म व्याला क्षाताला क्षाताला मुद्राने व्याल वार वर्षेत्रामा नेवाला नवा नुत्री मिलावराय में वर्षा निया है वर्षा में वर्षा मे देराष्ट्र इक्टर. कु. पार्त्व वाराज्या त्ये अपने पार्त्य दवारवार वे अन्य पर्वे. रेंबा पेंच ता सैंचा किया बाड्रवाला रुउ.क्रब.साजमाड्रब्रेंदितरस्त्व । रु.जल.र.ज.बलब्रे.के.जा यातर्.या.च्यान्वेयत्री रट. तीतामहरूव. ये विमावर के मावर में ये ता जुरी टर्टर र स. ये पावी वेम वेद सैव. र्वेतम् मेरी वेनामावयः यामाराक्वी कर्रणायण। वेनामावयः वालवः व्याः रूपा वेनामावयः मिना ही नामिना ही मतहत्व्य मही सकी बर से वरायना मदा में अं में दा में ना में में में बालात्र अंत्रेव । रेवे.ल.इ.क्.कं.कं.व. वे.वे.व. वे.वे.च.च.पवा.पवेर.ण्टा लूरी इंप.प.इ.व.वा.व म्राप्ति । के छेतु न्म्रापर्केशक्त्रास्त्रास्त्री वर्द्राण छ व म्राम्त्री सवाम्प्रितः सरक्रमाम्म्रात् है। हेरायमाम्प्रात्रिर्ने में वर्षेत्रमा निर्धात्रम् स्रित् वर्णाम् स्रित अय त.स्वाम वर्द्र केंद्र भेरान में वामा र वामा वर्ष्ट्र भाषण तर्वे व से र वमा वर्षे केंद्र अवता वर्षे केंद्र में वि.एड्रेन.अहर्र.का र्.इ.र्याम.मी.कावव.प्रमूरी र्यार.मूर्य. प्रिय.क्ष्याय वरा ताता.मी.मूर ह्रेंग.तपु.रे.व.चरूर.जहर्डा तरे.रुवारा.यु.माववय्य्येरी रेजर.जयु.स्वर सेवर सेवरा.क्रेंग्रं.यु.स्वरी शुर्वर.क्र्य.श्रेर.एकर.जहर्ता जमक्रिर्थमाक्रिजाक्राक्ष्यक्रित्राक्ष्यंत्र यायपालम् वाता के वार्त् माना वीर विति क्षेत्र राम्याया क्षेत्र। वात्र म्हार विता स्ट्रिय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ज्याता में त्रित्ति हेरेश जिया वित्या साम रहे वे वे व्या प्राप्ति रहे वे वे व्या है रहे वे वे व्या है रहे वे वे शुरक्यातान्य सामेरत्र। के अरद्ये तर्था के सर्वा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा लाया विक्तु. वर्षेत्र.त.पर्देशतामु.काता द्यान्यूताताताप्तत्त्रेत्र.क्षेत्र.क्षात्रा तातास्त्रेत्वर्ते. त्रपुर्धयात्रवात्रीया अविवाद्विद्यक्ट्रदायितहरूतियात्रात्रदीरा स्र्रेट्यावर्षेत्रके युवादरा रेट. कुत्र. में द. में र. में त्या र मातर क्य में दल रें मधा में र.मा पर्वे में दर्दाता में ने का कु मा में सर.वृत्रं चत्रमः श्रेव श्रेवा श्रे. यश्यामृत्यम् अस्त र्येद्राचीया श्रदः रूर. यथा विद्रायते । ही. रे.मा राजा ही. रे.जूटा एड्या हे ने य प्रमाही किर्द्या जा वर्षा प्रमासा मा या प्रमाया मूरा कूलायानात्रम्भना हुर छला स्रमान्द्रर छला न्याना हुर छला न उद्दे न द्वा तक्री तह स्वर्व स्वर्व र्शिताकरायम्। श्रीताक्र्राणाक्रामानाक्रियान्। व्यानामानाक्रियान्याम्। येता व्यत्यान्त्राम्।

अम्युताः सः द्वां अम् तर्वा द्वां अम्तर्वा द्वां अम्तर्वा केता दमवे वु मे तावा वा तर्वा वा क्री.रेए.रेग्रेज.विज्ञाती रग्रेर्ड. विजयम्ड, जारमा कामक्रम्डकात क्रि.रेक्ट्री जारमा विज्ञात क्रि.रेक्ट्री जारमा विज्ञात क्रि.रेक्ट्री जारमा विज्ञात क्रि.रेक्ट्री विज्ञात क्रि. पर्वराष्ट्रेरकुकुर्, प्रधीला व्यर्पावरीय वर्षात् वर्षात् वर्षे वर्षे क्षेत्रकुष्ट प्रधीला भीर त सेव.सेव. म्ला असुरम्प्रियामाल ब्रम्ही वर्यक्ष्य नाम्न ब्रम्ही वर्षेत्र माल्य ब्रम्ही वर्षेत्र भवत वर्षेत्र वरत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वरत्र वर्षेत्र वरत्र वरत्र वर्षेत्र वरत्र वर्षेत्र वरत्र वरते वरत्र वरत्र वरत्र वरते वरत्र वरत्य वरत्र वरत्य वरत्र वरत्र वरत्र वरत्र वरत्य वरत्र वरत्र वरत्र वरत्र वरत्य वरत क्षेत्रक्षा प्राप्ता कर्षा क्षेत्र क्ष अर्दर राज्यान हुन करा हिर होरे न कि ही रेजूरण अपूर्तर ही अरेर ताजा घटक्रेंदेश्रद्भातर.जय.युवा.कुला स्ट.मील.बीट.माध्यावे.स.जा र्मर.वेंग.देदःभधना.जु.कुला श्चरक्रक्रिक्टक्रं त्येद क्रिक्षिया क्षित्य व्यक्षिक्ष स्था क्षेत्र स् , पर्टी वर्ष्याता में बार्टर मि.ज. रिंग रिंग पर तार्त्र अप अप रिंग पर प्राप्त कर प्राप्त वर प्राप्त वर प्राप्त रमग्रे. देयु. पाया वर्गरावेव च्या क्या रव पाया मर् हिस कार्री प्रदा गर्में वर गर्म वर म की व रोमन्द्रीरियारे. क्षेत्रप्रपारिया विराष्ट्रप्रक्रियात्रप्राप्तियक्षित्रक्षेत्र परेव । परेवा. सिपुरिया प्रेया सवा उना कुरा त्रिया में देव परिया निया में माना परिया त्याना व्यवहार त्या । द्राण त्या द्वार कार्य कार्य । द्राप राजा वि राण हे १ वे द तर्व । राण वार्ष- वरवा में राष्ट्रया विश्व हिंदा है वह वार्ष ने वा वर्ष नियम नियम के वह दर् ने दर्श है वर्ष अर्डे : जें : में कें ना प्राप्त रहें। तेन विर विर विर विर कें द प्रह दरी के बता की बेज करा हिर विवल प्रेच । उपाक्ति में अष्ट्रवा दिर उर्या है, रंग बरण पार्ट्र जा वर्टी दम बणता है. रुवे रावसारा नवेद। स्रें र मेर मेर ने र न पर दगर ने अलावा स्रें र में र केंद्र मह अलावा रूर पुरुष वा का वा रूर द्याव: र्वा वावश्या: र्वा वावश्या: र्वा वावश्याः रे. यत्रराधिता वें कीर लेब नायर दु तिनायाने मेरी द्वारमार मेरी ताया वर्गर हीया क्वावहरन्ववंतर्। वर्रम्भक्वर्वाद्ववन्ता क्रिम्भक्ष्यक्ताक्रिक्त्र्वा क्रिंग्रासारहरा के करे वा सह अपनिष्णिया में के कर देन र्याः रे रयात्रे मुल्यम्यायी क्रयात्रार्यात्र्यं नेमासेवात्मा है नेया हैये चर्षेत्र.चेत्राता.त्र्री मूर्तातमाम.ब्रुव.या.यूर. क्रेया रेत.मानाक्षेत्रक्रे.व.र्। मैटारी रे.श्रिमारामानातीतिराग्नामा द्वानीवाद्याराज्यात्री वापर श्रीद्रारीतानियात्रामान स्रम्य्ये विस्वत्र्यर्था है नात्रा है नाया है

निरं अकरं रमलत ्त स्तापूर् भूतभर्गे भूग्री दर्गेट ह्यादिसरावरावराया कुंगावरूराव्यूराह्मायावायात्रीक्षेत्री पहुर्पायाववर्ष्णेयात्राचा म्री विक्रिस्स्योक्तान्त्रेर्द्धवलम्री विक्रुक्तिकात्वे वर्ष्ट्रिया म्राज्यान्य - ज्ञान ति व्यालाका टर क्रें देवा. के द्रार में वा के द्रार में वा क्रा क्रें क्रें क्रें क्रें के क्रें क्रें क्रें के क्रें क् वःरे:रेलक्ष्यायेन्थ्रेव। बदतःश्रवः ह्याःश्रवः तर्थरमः त्येद्रा नावुःश्रवः वनाःश्रवः तर्ववत्येदेश मूर्सूर्येयायक्तान्त्रेयः इत्तर्। विराद्यात्रा अतातावियायत्रेयायो त्या माराद्यायत् MARIA-क्रेट. च में या द्या मार्थ व व द्या ह्या द्या द्या द्या है त है र ही स्वा स्वर स्वर में दे हैं पहरें इयालावी क्रीयववाता विषेता. पर्रावधीराली कारी कारी कारी वार्य हैया पर्व देवा लावी ववसाम्यता राष्ट्र मर्वेश्वा प्रवेश ता क्री मिर्या मिर्या मिर्य प्रता मिर्या मिर्या प्रवेश विवस्त र्त्रवाता वर्षेत्र वर्षा । पराश्चित्रवास्त्रिया त्या वर्षेत्रक्षेत्र वर्षेत्रक्षेत्र वर्षेत्रक्षेत्र वर्षेत्र मन्त्रमा तर्वेश वर्षेत्र दमारा देव में द्रमा कवता क्रिया वर्षा क्रिया वर्षा हो। वर्षा हो वतः सेर.भग्. कुण्गाल कुणा र. हैर. देल कर भ. क्रेर. पत्री किर. य. वस स्टेर. त्. रे. ग्राम स्था स्वाद्यायात्वाचा वर्षेत्राचा वर्षेत्राच्यात्वा । मुद्राचेत्रायाः वायात्वा वर्षेत्राच्याः वर्षेत्राः यव वर्षे । रे.चय. ही.रे यूप्त्र की प्रकाशिया किंदा पा विषा जीता है. पर्यो प्रका प्रका वर्षे वर्षे ग्रन्थेन भेर्वे अद्वास्त्रियायते म्राप्ति म्रापति म्राप्ति म्रापति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति म्राप्ति मानेद्रकेवयति में द्रायेवयी द्राया द्राकेवयति में द्रायेवयी द्रायेवयी द्रायेवयी द्रायेवयी द्रायेवयी ग्रेंदर्भवःभ्रेंद्र्या नाववःश्रेंद्र्यःद्रःत्रद्राःश्रेश नानाः ह्र्याः कर्रायाः युराः द्रिता र्म्याण वर्षा भाषर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के वा में दर से वर्ष वर में वर्ष के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष मूंग-कराने एक्टरना श्रीरामराम् स्वाम्यर्थे स्वामर्थे निरम्भाना कर्मा कर्ने का हराने वेर संस्थाता क्ष्री क्रिकालामुक्री,रैटलाजकुला क्रान्स्मिर्टी क्रिकामिराहरम बैराक्र क्रि.हें। रित, सर.धुन. एह्म.ब्रिट.क्रुंस.ब्रि.क्रिय. क्रिंडीया क्रिंडिया वे.चेल.चित्रदेश.क्रिंडिर. न में ने हैर है जो हिर अ वं ने देन ये हिंद के पा में र देन ये जार करें र ये जा की में र 1・チャル तरीत्मरः वरतार्था । क्यां मेर्निया की व्यावाया वर्षा देवा ला.ण.ला.जा.जा.पुरन्देर.व.लाइ. विवलक्षित्व.के.अक्ष्रुध्विवया.जा.परेटी इं.ट्यूबी. ग्रीमाताः ह्याः त्र्वाः त्रां द्रां में अवित्रं में में में मा हूर्। द्यामुन कूल द्रिरमायः वटल्या रिसाचासिकाक्चितात्वक्चित्राकुः रदा वु.मू.बेटासिशक्चितासू वड्या सुववितासुः च्यु गर्या है विवर्गा देर्दर के अवित्र वित्र हीला रेन्स.ट.ज.क्षेत्रके.जो रमक्ष्ववैद्याम्म.क्षायविद्याम्म.प्रदेशाम्म. श्चरक्रणम्रेर्। के.चर.धर्युर.च्रिक्ता वर्षा.त्र्यीर.च्रित्या.वर्षा क्षा.मे.र.ण. च्या त्याच्या चे.जर.इ.ज्रूट,इ.ध्ययम्तत्री अष्ट्र.वि.ज.क्रु.ज्या यहे. य में अश्या अर्था वर्षे अर्था वर्षे अर्था वर्षे अर्था अर्थे दे वर्षा अर्थे दे दूर्य

ही अर्था से तिए के हिंद हैं में हैं का ही अर्थ मडिका भड़े का अर्थ हैं हैं कि का प्राप्त के हैं ने मैचायात्वेता प्रटारविताक्तात्रद्वायात्वेतववित्राता वीट.वित्राद्याक्ती भेवतात्यात्वा विवया पाःभिष्यः प्रमूति व मह्दर्भारेता क्री प्रमूत्रभावता स्वरं वरे पार्व मूदा मेदा प्रमूत महाराष्ट्र वा वे व श्रेत्रत्र्येत्वरेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रा ह्यायामान्त्रेर्ट्ट्रिट्ट्रिट्ट्रिय्येयावदे देवमाम्पर्यो अहूरी लूबत्तान्त्रराव्युवाव्यात्वा वर्षेत्राचा पर्दर्रश्वितः व्यव्साम् महरः त्यायन में र्वा में रेटी त्वा मूर्त दरमेरक्षित्र क्षा त्वाम्हर वर्ष रवी वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे धराता ने के के विकासिता वे कुर, वास्वा ए के मार्थ विमासी के कुर, वास्वा ए कुर वास्वा ए कुर वास्वा ए कुर वास्वा वर्षातरिता इंगालक्षेत्र अत्या में वद्या के विद्य स्वाय स्वाय स्वाय में के हैंदे ने गात्में गादमी मन मने मन तर्या भवर दिश्वन विभागत त्यें माय तर्या । श्रष्ठियः वर्षेत्रः मृत्याविवात्ते । विदा भरा हिर् वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत ट.जा.हेट. ब्रेड्रेश.ट.जा.च जेटाना केंट. अ.वम.रमच.वेत्रम.स्व.परेव.उरेव.व्रेरी वल.केंटिस. डिरायर्वाच्या स्वारवरायर्वित क्षेत्राचेता स्वाकेत्राचेता क्षेत्राचेता वर्ष में सर.परे.वधु.मेंग.वे.जा क्र.चलवा.रेवेदु. र.मेंश.में.पर्या.में वी.रेजर.चलवा.परं.वदु.मेंब मा वित्राक्षेत्रःदरलह्या वर्षा विराम्या भिरामया भावदाया भी से वलमा देवा रह्या शुःस्टाल वर्षे १ वल गरेरा दर्भ वर्षिका वर्षित वर्य वर्षित वर्ष वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर व्दानादरास्तरे वदे ववसात्रक्व प्रसामदी मक्किन में दे द्राप्त देश में दि । द्राप्त के दे दि । विवक्ति के दि नर् ह्या विव तरी किव र र क्ष्य कुमरेर अभयत मुरी खिव हर केर्य पा भी र प्राप्त । विव म्भूमा विवा प्रवेदावि व्यावस्ति। दर्ग क्षेत्रा प्राप्ति विवाधि क्षेत्रा स्था विवाधि क्षेत्रा व लदार्य्यासाम्भावताम् स्वा । भूवा केवा कृता वती क्षेत्र द्रा स्व क्षेत्र द्रा स्व क्षेत्र पर्रद्रियासैग्रस्वर्त्वर्त्वर्त्वातास्य नद्रद्र्यातास्य मद्रद्र्यातास्य म्यास्य स्वार्द्रास्त्रात्वा से वा तदी विवा तहर वदत वता ये वद से स्वा स्वार्थ पर्वणाओर लेशे पर्दे में ला ही या हुया में द्वार रेगा ला में या या माने या में विवल ने ने ने पर्वेश सेए हेंद्र। बार्डे. सू. वज्ञायाता र सूर्डिका रेंता में यात कुया रेंद्र वर्ष देवी जा. सदाना मद्रद्रम्भम्भभ्या वर्षा वर्षा स्वापा एक्ष्या म्या म्या म्या म्या १ - सेर्यात तीती हुर्यतात सरी रेंता में या श्रेया श्रेया सर वधार रेंगा ती यहा तर रेंगूया पार्यता या राजर स्वेता वा के वालव कुन सार्वार मीर देवा तरी सार्वा हैते हैं ते वा हैते देवा हैते विता को देवी रेजास्यानुगास्य वर्त्वतायास्य । यदार्वायास्य वर्षायात्रे र्ग.ज.मेंग्रा तार्र्य्यात्रात्रम्ग्राम्यात्रात्रम् वर्त्याया मर्ट्याय्या मर्ट्या स्य प्रकृदः याप्रमः स्व व सि क्ष्या ददः। सर् क्ष्ये यापार्मम् सार्भान्यमः त्रार्मः। वदावव वस्रवास्त

कर्ति । एकर हेर कु. मज्म र रिवास में किया में मुक्त कर वर रिवास में मी लद्रश्रास्त्रभावारत्वर्त्त्रम् स्वाता द्रते हिरास्त्रम् स्वीत्रक्षेत्रम् वर्त्ते वर्त्त्रम् वर्त्ताः द्वियात्रात्त्री मात्रेद्रत्वात् व्रथानदेरते, व अला देवा सर्वे के विकास विकास विकास ताद्रद्रम्भाग्यस्य वात्रवात्रा श्रीद्रस्य मेर्द्रस्य मेर्द्रस्य विकारम् विका देन्याद्राता श्वाक्ता स्वास्त्र स्वास्त्र म्यास्त्र म्यास्त्र म्यास्त्र म्यास्त्र म्यास्त्र म्यास्य श्रीदाया के मिया ता में हेना स्वा अश्री मुख्या तार्या हेना हूना हुए सं के भी या में रावव किया प्रमित्री कावरम् एक र. रहेता के कि हिर्यमा वर्दर महेम स्वा रवा है के के ना नम्री यालप्सर बारुअक्त्यापक्स प्या मि. मूर्यं अभाषावर जरा देर्रा मि. सैर्अं पारेव रट्यं वालक्षर्यम् म्यास् म्यास् म्यास् म्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य वास्तरहारवर्ग वास्तराये हे सार्रा शुक्राप्त वास्तरा वा प्रमालम् रम्मानियास्य क्रिया चर मेर प्रमा विते के प्रमा मान्य मान प्रमा क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्र एका मेपु. हा. म. रा. पाद. मादी रहेजा. बे.स्य. वर्षेय. वर्षेप्र. रेमच. रेम्य. लागी रेट. प्ये. जा यारे माये के वी श्चर श्चर अर अर हर हे वर्ष वता वायर भे पश्चर प्रविभ हे से वार्ट्र देवा वे उत्र रेव के वर प्रविभ प्यरी र्द्रस्ति. वर्षेत्र वर्षेत्र रामवाद्यंत्र भी रद्राय्या ताया देमवा विवा ये की ता द्यार देते स्टाय्यर वर्षे मार्थमार् । क् केरक्टामार् क्र जिंदामा म्यान्य निवास केरक्षा में मार्थ केर क्र में प्रति का में वगार् सेंदरण्यर वह मह्यारी पवुरक्षिरक्ष्य में क्षार क्षेत्र है। क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र देलदाशक्रदाएडू मान्यु ग्राक्तिया जेव. व.रा.के. य जूर. यादी मान्या जैव. मान्या अकरशु उर्बेर वाली कूट र्वेश श्रुवंश र वेशन वि. यह था यस अव बेव लाई। देर से स्वाति वर्षेर रवाया रत्य में मार्थेया पर प्रया प्रमारवाया विया में में भी वर्ष प्रमार्थ में या र्थेया रे या प्रया मायर श्रुल सर्या से रहार वा रास्य विषय । यह वह स्टिंग पर त्या । यह विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । हे थे. भु. एकू. राजर जू. रहा रेदाए सार्च कुने मकू देंग रहा मि. जू. के बा थु. में. बा या मार्टी मार्टिश. उर्वर.म्.चंद्रक्षेत्र.द्रे.च्या क्षे.जूर्.कुर्याचेत्राक्या.जूरा देशवाचाती.तं.क्रे.प्रचूर्वरेव रदःप्यालम्यमात्रियाःभरःकुला दःस्याः मुद्रोत्। याः मेर्यः याद्रवाः वता दरः सः स्राध्याः सरः रिमयानित्र में अत्राप्त में के के लिया पर न्यू वा त्या में वा वा के वा के विदान के व या. अक्ष्मया त्री देश्वेद्दरायरं कपु ग्रामय हो। व्या अव्यक्ष प्रकृति वित्य वित्र वित्य वित्य वित्य र्यताता भे सुराद्गारा या प्रदा द्वारा दुरा सुरववाता कु अके वालुका दरात्वा ता वा विवाले कीली खक्र. केच. भूप. ची. भर्. वला मध्यम् अप्ताम किया मार्थर हिंद्रवला चीरात. वि. ला. वि. क्लाम्यरी देलदा मार्स्य प्रमान्त्र में मार्थ के मार्थ मार्थ

हिन्द्र।

त्मर्ने प्रकृदः क्रें नर्दा किंद्र में भा में में में में में में में में में मारे मारे का पा में में में में र. लट.अ.र्ट्रेट.एड्र्अ.प्र्या.ब्रिया कैट.र.बट.ये.बट.केट्रेट्रया कैट.र.बट.ये.बट.सैट.वेगा क्षैद्रधर्भरत्रायातीक्ष्यावता है.र.रवातप् श्री-धरवता क्र्या प्रधिर त्राञ्च नावर्रवायवता स्र हैना नार्र व नवय द्वर प्या व मातः अद्वा व मातः अदवा वा यति वादे र वर्षे व व्या व्या दे दे वा व्या दे दे व मर्केट्पर्ह्यान्व्वाक्रिया ज्ञायाक्रेट्युं याल्टा यदवानाचरित्री स्टर्पराचरायात्यात्र अर्भामक हे नीर है। हरा अरता र्र ही रखेत अस्तात में मध्य मर्ग मध्य सर्ग महिन्ति नथ्य। बिमलर्ड वर्षेत्र नर्डरला हैर.सर्त्तकृर.स्र्रायवेर.ज्यालक्ष्या के.सर.स्य गु.म.एवव.क्.र.री देक्ट. व्यवप्रकृतामक् वालवा अर.म.क्याप् मुंचरी अक्टरत्रर है। वर्ष वरेरी अन्तिवर्षर वर्ष केर हैर सूर सूर वर्ष अर्व अर्थ अर्थ मरर्र इरायात्रयात्रायात्र्यात्रयात्रया द्रायात्रका हेरायात्री हे सारीत्र हे सारीत्र वायात्री सार्वाया र्म्यायाद्भरक्ष्येत्राचनवारात्याद्भर्भर्भः क्षेत्रायायाया हिमास्ट्रम् द्रिक्टर् वावतः त्याक्षरात्राम्यात्रमावरवयात्राम्यात्वयात्रम् के। वयमातर्मारात्वयाता म्राहेत् रिहर् स्वाया स्वया स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वय चला म्रे.रेजरक्टा.व.जुरु.केट.रे.ब्रु.हरा मू.अपु. बर्ट्ट.रे.लूरे.तपु. व्.जारेट बेंब.हर. वी. र्केट रापु भी देश एन में विश्वाया अवतः अवतः अवतः अवतः अवित्यत्या भी त्या विद्याया में इमला तर् भीरे मु जुनस् की के लाके पत्र मेर नए भी रदवके र शर्र दाविता विवर भी प्रविक्तत्त्र में देश्रक्षेत्रके में कारवायकतत्त्रहे नह में दिन्न दान कर में का करहे सद जिलाजेमान्त्रमा दूरालिकाकाकुन्नकिर्देशास्य रादरारार्त्रकान्त्राचा वार्व्हिरास्य नेना कितालकू व. ब्रेट. यु. ब्रि. वर्याता से. अवया वर्ते र इरे. इरे. शु. जा सेट. तेवा सेला पवर . त्या वै. यारे रे. रे. रे. विदे जा कुर्या केजा त्राया विदे वर्षे व याप प्रजीव जूरी बीट दे ये र के जिला विवासूना १४ कर विया बुन्दित्वयाक्ति म्याम्यावयामा रमयात्रिह्या त्रिन्तरत्तर्री र्हेन्यनवाता क्याप्या हवस्त्रम् यालरा शिर्रमान्त्रात्मास्य विवादिवादीवाया वावमात्मातीतीयातीरा वारायरादी सीराया स्वाप्तातावारी गुरी क्रि.शुर.हेट.टे.क्षां द्वलमा पासमा तेया टेंड में भेडेना कथर तर् क्रिया विश्व स्थान क्षित्र क्षित क्र. रवराक्ट्र देव क्र. रेव प्रकाश आर रेक्ट्र किया त्या ग्रे रेक्ट्र जा किर जी किर जी से वर या अक्षेत्र. ही बरल्द मिलक्षिकप्रचाना वर्षा वर्षाताम् वर्षात्मा वर्षात्मा

र्गायन्भु रेदलर्ग्या कुल्रः गतुरावर्गया यारावर्गया बेटळ्ट र व्रावर्गिया कुल्या कुल्यान र्यूला अर्य अया स्वर्मे वा सामा अवस्य रामार्येला रामा हराया पर्यं वा वा नवा पर्यं वा व्या भा एस्टर तक्षत्त्री, यतः । हे. स. प्रवास्त्रीय . कर वर्षान्या या तरा हे विषायता या तरा प्राविधायार लुड़ा र.म.पर्येय.यमनता.प्रयेव-सूत्राक्रिया श्रीट.र्ततर वर्रेर.जातारेशयी.क्र्यातात्रात्रा स्रीर.वि. नालवानि मुन्या भीवाया भेवाया भीवाया वीदक्षया चारित मिर्नु केर हित भी ता दार्य मार्थ वा भेद कवता भेदा न्त्रवास् वह न्तर्वः वर्षः कर्षः क्षा वर्षाः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः अ की क्षेत्र वरि वर्ष की अविदेश हैं। उस व का व का चरित वर्ष वर्ष व का व का वर्ष न्युः वालिह्यद्रात्त्राच्येवात्रेद्रा देवहत्याः शूर्त्रेदाविषाः क्ष्ये वाल्यः वालिहान् वालिहान् विष्या क्षेत्र कुल स्वा र्राहर दर सुके कर वारे वादी केदया ररे गार्ट कर र्वे के के कर कर खें कर तावर मीरिटिंदर, वर् किर वेदल जा क्रा. अवुत्तर हैं। मैं चात कात के जारेरे। क्रा. जाका जा जुर वर्षेत्र वि.च्.माक्रेश टटालवा इ.ज्. मेंबर्थी मध्या मध्यात्र ह्या जा सक्षा दे माक्रिया केर्य ज्या णात्रीत्याहेन्येद्री यास्यान्त्रम् यास्यान्त्रम् यास्यान्त्रम् । वित्रवारात्मान्त्रम् कृत्या वात्रदेशाद्याः कु ग.० हेरे. नुरी र्स. रिंग में अर. ख्रायब्दा हा देरला देरला बेला रे हिए खेर हेरे ने दी स्राह्म ्स्यावर्। बिटापुत्र र्ये स्वर्थ वर्षेताला रेटालट में जाय प्राप्त प्रक्रिय प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्य प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्य प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्य प्राप्त वर प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप्त वर्य प्राप् र्दासर सम्बंद क्राल्ये मेरी क्रम्ये क्ष्या क्षेत्र क्ष श्रवाराक्षित्वास्त्रक्षेत्रप्तादेत क्रिक्यत्तात्वारा क्रिक्यति त्याता कारा वर्गदर्ति व नेव हित विभागा कारा वहन बुंक्कुक्व व ब्रिन्थ, रदा रे.हेट. बी.बे. ब्रेजाश्च जा प्रविष्त्र र वाष्ट्र की जिद्दे वे बाजा रदा के भूव. न्यु यर्थातीयात्रेरी ट्रेप्लिं अर्थात्यात्रात्रा हिंगाल्य माला का का ला माला माला विवाल सेन त्. का. हेंद्र. यो. माराया मार्थयोज्ञा. माराया कायरात कुरणा का. में प्राथ माराया कराया है। जेंद्र स्यापानाम् क्रिक्निताम् । हे.क्ट्र.ह.र्बर.इपा. इपा. क्ष्या दे. यपानाम् अवहरा मा ब्रि.व.च.च.त.म.र्बर. ए.च्.र्च्याता मित्रा रे.हिश.ह्याता वरणाता देश हिर.च्.म. केपात्या पद्मारी भी तक देर हैं न की ती हैं व का माना है मारमानी में के दे की पर की मीना र पहेंब्या द्रवन्त्रवासीरात्मार्यद्रवेरवा क्रार्ट्यवास्त्रिः व्यवास्त्रीः स्वाप्त्री स्वाप्त्रा स्वाप्त्रा द्वाःग्रहः। देशाद्रम्भाभा तर्वा वद्वावद्वात्त्वा क्राया वनवाया महाक्ष्मा द्वाद्रात्य अति। क्षेराल्या विश्वास्ति करक्षा क्षेत्राति करक्षा क्षेत्राति कर्या विश्वास्ति विश्वासि विष्य विष्यासि विष्यासि विष्यासि विष्यासि विष्यासि विष्यासि विष्या

केंच्यालिमास्त्रेष्ट्राय्येषास्तरः १ वे मध्ये मार्गालम् तत्र पर्यः द्यात् । वन्तर्त्ताचीरःरे.शूर.कीर्त्री क्रेंत्त्यु एहर तात्राच्याचार्थरालूर। एक्रेबीतपुःक्रेबाताकाव्याचा वयान्यता र.देर.देशकूरमुक्ट.तत्री रत्यायदूर.पिष्टमक्री रामर.व.दे। रत्याक्षिरमुख्य में म्बेलाए। रर.म. व बूब क्र्यार्थ तयात्रमालूरा क्रिक्र के क्रिक्स विकास के रेक्स त्यार विकास विकास सूर्जा तथ तर। वर त्याक्ष्य में बातपु वाक्ष अत्तर। रैं यार्त्र प्रांत्र प्रांत्र वाद्य प्रांत्र वि यथ ता.भा.पर्विव.वार्ष्ट्र.ताक्री चर्.भेट्रेस्स्यायवामाश्चरीया.म्यात्रीता.देव्यू.श्वेतमा रमगात्रम् महत्त्रम् न्यात्रम् न्यात्रम् । द्वीराभ्यात् वित्रम् न्यात्रम् । वित्रम् न्यात्रम् । इर्। देक् केण राप्त क्षेत्रताविता बारें के कार्त का का का के कार्य क्षेत्रता के कार्य का कार्य के कार्य का कार्य

क्रिअ. बुर. ए. व. म. अ. एर्टर. त. जा लट. जू. अपु. व्याश. यर. व-येत. हा. शु. ए. क्रि. प्रदेश में क्रां प्रते अरे तर प्रवावश्च क्रार वस्त्र वस्त्र में वा क्रिंग्य पर क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्र किर्लास्य मेर्ने प्राधित हो हो हिराक्षात्र वर्गात वर्गात है के महा है नाम किराया है कि मही सर्कि.मालुवा दे वयान्द्रने ए ब्रेक्षवेया क्षेत्रक भागायाया र स्थान प्रमाण देशन स्थान दरमायरेगामते क्या मान्याम् वनवायरे वनवायरे मान्याया का तववाव में मान्या हर मार्थर हर भरपार्थे क्राजा हुन्से ही भिडामार्थात राता है। क्राजारा पाता प्रदान है। क्राजारा मार्थित है। पन्भर.र्रद्व.ना श्री.मक्रेरेद्वव.वीर.कूंच.त्र.चरत्रना क्र्रद्वताती.न.कु.क्.क्.म्यामक्री मर. अक्रम् श्रु र क्षेत्रक्षत्वता वै अप्रीए के क्र्याता अक्टी वर अक्ट केंट किता वाला वाला ता वाला राधरायर्वा कर्ना के के के का वित्राचिता के दाविया के दाविया के किया वित्रा के किया के वित्राचिता के वित्राच के वित्राचिता के वित्राचिता के वित्राचिता के वित वर्गर्ततरम्य रिजनक्रिया में अवस्त्रा में अवस्ति के किया वर्षिक्षेत्र र तर्मिया वर्षिक्षेत्र र वर्षिक्षेत्र र व द्वायान्त्ररी ह्रिन्ध्याक्षत्रम् सिन्द्यान्तर्था स्वाप्तान्त्रीयान्त्री स्वाप्तान्त्रीयान्त्री म्र.त्यु.र्कुलकु.लद्धूर्र दे.यह्मास्ट्र व्याविकास्ट्र व्याविकास्य रेत्र व्याव्यास्य र्थात्रमान्तरार्थियः यातात्त्रीति इंकितात्र्यायत्रत्त्रमा वात्रमा क्रिक्षा के वाद्यायः एड्स श्री र. श्रद्भ के प्रताहत्। माम्यतात्वर्ते मान्यात्वरात्वर्त्ते विद्यात्वरात्वर्त्ते वर्गर्-त्रान्द्री ग्रेर.जा.धु.अ.चर.वर.वर्थी कृ.जा.वर्षर सेरक्ष्याल सेर.वर.न्द्री रवदक् रुक्षा र चलाक्र्याला वर्षा वेच त्या ने वाराक्ष्य देवा देन देन देन हैं ला तर्या में मुद्दा प्राप्त में में प्राप्त में में र्टी क्रिंशअक्याविवालक्तिकात्रिताविताक्रियो स्राचनवातातिक्रिवाविवावर्तात्ती त्तर्र्यार्ट्र्यं श्रीटाराष्ट्रियार्ष्ट्रेयंत्रा तामायमद्राय्यत्यायवनाताः वी द्रवाञ्चात्यक्षेत्रः क्षेत्राता मुर्येत्रकारमा देलक्ष्येया वलामा बेट मूंदे आरमार वक्षेत्र प्रविद्याली

दिला क्षेत्र में अक्षर रटवारटा हो प्रकूर वर्ता मार्थ मार्थ में प्रकृत के प्र क् वलना वाजाकु, शुप्रजासूर वर्तर किरेजी हो जावी वस्त्र तया वराजा अर्थ व सेरी अर्थ. त्यवंभर्यते वाह्यावाडिवास्पर्। क्षेत्रः श्रुवास्त्री यावालवा वावतः मर्वे वाहिताः क्टि. अवक्तरी के बूच ता ब बेर में बारा की मर्त ता का विद्या की विद वयम्भवयावयाम् वर्षेत् क्रिंशिर्यम् मेर्रेर्रियम् क्रिंश्य क्रिंश्य क्रिंग्य वर्षेत्र देशालुका रततावरीरकाश्चित्राच्यात्रकारी रे.वेरक्टरश्चित्रायातात्रात्याकारी श्चीर केणा त्रं गर्दरवाहित्याता श्रवात्वाद्वाकृत्रात्वाहित्यावाद्वाहित्यावाहित्यावाहित्यावाहित्यावाहित्यावाहित्यावाहित्या क्या द्वाकरत्मात्त्रात्मात्रवीया दम्हत्मात्र्यात्रात्मात् द्वात्रद्वात्मात्रात्मात् देवात्रद्वात्मात् चरिवलम्यवस्या द्रारेविवाभागेदव कृत्यचिति कुवालापिरियपुरलकी मेला कृत्यभक्ता मुनावाकी वित्य वहुद्या स्थित वनात वरवा यति वे नावत दरत्यु वर्ष वि नावति खुः की कार्वि धीव व लाखानीर कुं आता द्वारा देलवा दे दर्वादलदे र दर कहिल खह वा यह ्मेमक्रूटमः न केंगे द्रात्मे म्रान्या वर्षेत्र ने विकाल में नवा मर मर की रितर रह म वलाय लाम को म क्ष करार के श्री श्राप्तिया । रेर. मनवरतारद्वेश वडमाश्रीम हेरा दु स्व सरासक्ष देव परिता वन्तर्यात्रे स्रवस्रिक्तर्देश्यात्ता रम्भेनन्त्रस्यात्तार्याद्रस्याद्रस्य अवराम) इ.जेबालाम इ.जेबालाम कु अ बिबारिट देशका जाता पर्वी तथा कार्या राया हो का की कर्तर ही सेवल रेट अवल परेट्र अवल परेट्र वारा त भवन्त्रभवभाद्या वाद्यमान् मामायाप्यः ने मुलायते नाल्यः त्यु रद्या सूट्यासमान्ने द्रमान्येव स्ता स्चाराकी मारवारवाता रेटमराता देटमाने विद्यार्थी क्रांचा है प्रेर्सी मुक्ता के में मिर्मेर र्टा क्र.ज.ज. जुर जा में बर के जा के अवय के जा कर के अवय क म्राम्यायायायदेवता तर्मनायायायम्यास्यास्यास्यास्य म्राम्यहरा द्वाराहेत्स्यास्यहेन क्रियान्यूवरा वनावायते श्रुवरे योता हु गर्या वर कर केर यर खुव क्रिया ने गर पर्ने अद्भुअप्युमा वहुमार पूर्व देव विकार देवा विकार व एकर वार्त्व मानायाधान रेशेलकर सेर यह वादवारीर तदवसा संभातका संभातकारमार गुर्भद्वता सम्भात्रम् मुद्दवमात्मरस्वता मान्यमेत्रमुत्यू देते स्ट्रिस्ट स्त्री ह्यातरी ह्यार अपने विकास के किया में देश के में के किया हिंदी के के किया है। र्मित्री! क्रिक्रियर सेतिय रेगरेट वादेव विट.में अन्याम्यासरम् रेगरेट वादेवा वर यंत्रायादेर क्सन्या निवि सिर्णाइर मसुया देवें सु यो त्ये वर्षे देन देन में देन से स्थाप विवासिर रेरत्रकेषात्राराष्ट्रियाचेरकासवा अज्ञेन यरिनेषिर अक्रेन्यवस्याना न्यत्यतिक्षिर

अक्षेत्रात्रात्रात्रात्रात्रा नेतर वर हे तर अक्षेत्रात्रा के द्या अवद वरे गुत्र स्विता

तर्वार क्रिया यते द्र्यवय दर्। छे अत्यद्रेव यत् त्रुया गलवावर्गे व अद्यतिक्रा

श्रमाद्र स्वावश्रस्य स्विवलात्वा नेता निर्द्य मर्थर विद्यात्वर्षा नेता

मक्याता के.यूट.अपु प्रेट.व केंये.यथट.ए.पा किट.य.वश्रारेशया.वै.श्रव.पर्येय उर्देश उर्देश

7 वा भव

इ.प्रि.श.श.र्याष्ट्रा.प्रद्या. त्री ने त्रा. त्री में त्रा. त्री में त्रा. त्री में त्रा. त्री में मार्थिते त्र्याः श्रीरत्रः। वर्रदेश्रेत्रार्त्राः स्र्रेत्रं स्रियाः दर्ग पत्रवा वर्षा प्रमा यद्याकून र्वत्र विवासमा देनमासक्के के ने स्थान मार्थ के मार्य के मार्थ के म त्तु मुंकिश्चायरे. तूरा हूर वश्चात्रु मुंकिश्चायरे तूरा भर्य मित्रा तूरा मिक्यायरे तूरी कुत्तर क्रि.केंग.ब.पर.लरी बर.तपु.क्रिकेंश.बापरेंग्लरी वर.मपु.क्रबेंग.बरंग्लरी बा.प्र.स.सं वयत्तापड्डी वि.क.लेबाकापड्डाला लटावयाना वर्वा पर्वे प्रति केता केते प्रत्वयाना नाभरक्नासय कुं अर्देन्य प्रभा भी ह्रें वर्ष की रिक्र स्टिन्स मिर्टिन वर्ष वर्ष में हिंगे एवेलातर्वा । भे क्रिक्टरकर्पते क्रिक्ष्यकारेदा क्षेत्रक्ष्यकार्यते हुन मायहूर्या श्चर र्तः र्यम् मी त्यंर त्या यार वर्षः द्यमानी त्यम् त्या त्या त्या त्या त्या वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वस्ता चेर. त्या गुन्न अत्ताता प्रात्मे व्या ती त्यान्वविवा वर्णे वा वर्षे अवत्वविवा वर्णे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे राजमान्त्रद्रम् र द्रातः श्रीटः दर्दा तम् तर्गातर्गा देश्वातर्भाता देशार्थर तथा वयाता.येता.यावर परी शुःच काता.प्र. प्रदा इत्राता पुर याती.रण.यरता.पा.येता. वालन्। पर्वा वारपानिः तीवा वाज्वा पीवाना व्राप्तिका। व्याप्ति वाज्य विश्व व्याप्ति वाज्य विश्व व्याप्ति वाज्य विश्व वाज्य विश्व वाज्य विश्व विश् तियावियावश्चास्त्रवियातावायित्रक्तियात्त्रीता व्याप्त्रवियात्त्रित्त्रवास्त्रव्यात्त्रित्त्रवास्त्रव्यात्त्रवास्त् तसरहिरास्त्र इंगद्भरामार्थावश्चराम्यरामार्थावश्चराम्परास्त्र गतुन्ने वात्रेन्यमार्थेन विवार्थेन र्भरतर्भातातहताविदाण्या ववलावे वते स्वलाव वता विवला ह्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा र्जिट,यानी.सी. प्रेट्स.प्रमूच रिकाटम.म. हि.ह.र. प्रमानाटा यूरात् वर ब्रियमा र्वे मेरा र्यत्य हिर कुन्त छ्या हरा हो राजी ते हर विश्व मेरा द्वा हर सति हुन कुर हिर.धुर.रेपु.ड्री दुल.च्रर.घ.जा अर.ज्.ह्रर.क्र.गेजाअग्रेथा रेनए.चर्डर.घणव.त. रमर्मा देश मण्याम् केराम् अनुराक्षणास्य स्वास्त्र मण्या स्वास्त्र सर्द्रवेषाक्रवा अवाद्धसर्वे सर्द्रवेषाक्रवा द्राकाल्द्रवाक्षास्त्रात्य क्रेंबा क्राकेव क्या-प्रतर्भात्रा संदर्भ में त्या में व्यवमान्त्राम्यान्त्राम् वर्षाम्यान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम विश्वान्त्री ट्राट्ट् शास्त्राची एक्ट्र मुक्त किया किराया के क्ष्य देव किया के क्ष्य देव के के क्ष्य देव के क्

*31

(केटा)

327

ह्यानिट केता त्रात संस्थानेता शह त्यूर्व वा त्यूर हर क्या है जुवी द्यात व बह व नवा प्या य. वरा वक्षः व्यवनवायः रसरः रवरः वयरः वरा क्रिय्ववावनवायः रद्वमरः वरा विः व्यवनवायः १ श्व ? क्रिसेट-बुदालवा एक्टरकेपावित्रकातात्रका म्.रे.मे.से.मे.मे.हे। द्रु.म.यातर. चित्रतित्रामकी व्यवनावर्यदित्र्रायमा वसीय। यह वते द्ये तारी वार दित दरकुलकुरम्हा दयत्वरादयत्या तेरते तेरके तर् तर्वा तर्वा तर्वा तर्वा वर्षा वर्षे यात्रे त्या मेर त्या महर त्या १ त्या १ दे दे दे दे ते त्या प्या मेरे व हम सम्मेर त र्गास्य वालेवा । तन्त्र सुदारी ना स्य क्रिये वे स्य द्र्या तक्ष्या ता तक्ष्य सामा वे । रा मन्त्रायरिधीवर्द्धारेद। स्टार्ट्स्कीवयरितद्वार्द्ध। वादावतुवावावार्यराष्ट्री यदक्रावण वहस्रज्ञद्वर्वरविद्यम् क्रिक्ष्य क्रिक्ष्य द्वाराष्ट्रियम् स्रियम् स्रुप्तम् स्रुप्तम् द्रम्य द्रम्य वाल्य वाल् नुति वि द्वाव द्वा अद्व पत्वा मा की द्वा व वा भावा वा प्राची के विद्या ता अर्थ वा वा वर्गाय: स्वार्भित्राम् द्वा वर्षा रवरत्त्रंदरा बर्गायासुरियाचावायाच्या सुष्टर्यनेकेव रासुराया मुवायायाचीत बरवर्। वना वाता सर्वे वसा द्रारे के से के ने रे रे रे से के ने रे रे रे से से रे रे रे वाता सर्वे वसा स्था के रे रे कि ति । वे वा निर्देश के वा नि ् उक्र र हूना चरेर कि. ये जाना चरेर भें न कारे हिर हूं मेरेर किर में मारे हैं मेरेर कि बेर में में में मेर अहिलालाद्या वर्द्व्यूवर्धतर्थात्र्यात्राच्या वलवा चेरालेरे द्याक्र वर्षात्राच्या वर्षाक्षिक्षात्रम्वयम् वानानुस्यात् दूर्य्यत्वत्रद्वन्यय्यस्य त्यन्य प्रदेश त्तर् ही केर्द्राया मेर पर क्रिकार क्रिया है। वर यह क्रिका वर यह ही केर दाया है। कर द्भायीव श्रु द्रा द्रा प्रदाद दर क्रामाहिया है दर भवा दे ने भाव वा वा विभागा यावा यावा र्जियुरेक्षण केलार सरामाला में हैं लायमकुल ये में भी में तियु के वार्य में कुव.र्रर्या विवादार्द्रा वार्येरत्र, वार्येरत्र, वार्ति। पर्वेवात्रीर्दरः पर्वे वावनावृत्यारा वार्यावया स्ति। यामेनवार्यावायन्त्रात्वेरा वरम्। यरमायान्त्रवायात्वेरा र्वेदर्यमाववार्ववार्वेदवा प्पर्। शे त्रांभवाता तर् तर प्रदा क्रियं क्रियं स्वापात देव हर प्रदा व्यव वित्र तर त्र वित्य वित्य वित्य वित्य वा द्वार्य द्वाने द्वारा येद व्रूट व्याम क्षुर हिवयते ये का क्षारा येद सुरा प्रतु इवा रुष्ट्राची इवि श्चरमार्थेग । त्यदासुना नापुः पूर्व ना श्वरा नियत प्रेरा दयत प्रेरा दयत प्रेरा दयत प्रेरा विकास मार्थे अर्तात्यदर्भाव वया आयर ह्रमा त्या की कालु तहें व व मा दे हैं के मुमा त्या भा मा क्रमा ह्रमा है व

का.धि.कार्याष्ट्रभावती र्र्जिंग्यन्त्रे,यरेट. ४र.कथा.क्षेत्री, पर्रेग्रं प्रता त्राची विश्वास्त्र देश

त्मनार्द्रः इव स्तराक्षः वालुकार्य्द। मान्वत्र दूरः रूपावार्द्रः वाहेव मिरावर्द्रामि क्रालाका दुर्याद्वा कूर. वर्रेराई केल. जया दुर्याद्वा केंगे. या जुना हुत के जिला हुर या लेका खिला हुत है. य जग्रम् राज्या दर्व में सेर.घर.जा.एववजा केर.जा.देवाम् सैंव.वालेश.जूरी कु.व.चणक्र. इ.ए. ग्रुम । पर्वटत्त्वमः क्या वर्षेत्र क्या वर्षेत्र वर्षा मा क्रिक्ट पर्म की वारीमा मिंजार्भर केरा अन्तर मार्था विराय नाम निर्देश मार्था है राजा करें विराय में किया नाम किया निर्देश ली बर्र्स्रायास्त्रियात्रक्षित्रात्रके संविधिरात्रात्रेरक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र नर्यत्मे अक्ष्रक्ष्यक्षियार् विवयत्त्रेर। तत्त्रवार्यत्त्रियायम् विवयत्त्रियाः रदःक्यानुवी कूर्यान्य प्रविदर्शान्त्रया विषयताक्षेत्रवे रिजायववानुवी विषयर सिर्द्रवे धारकुर एक्टिर एर्ने लाया कूम किता शेर देवाय प्रह्मिय ने ने में में में प्रमान के में में में में में में में में मुना सूर.पिया.मे.पकुरं तप्रावामा.मुना रिमया.बि.स्यामुवा.पालासूर.रुपा.मुना कि.पुर.वि.पा. म्यारवराल्यी एवोश्वात्विकात्विश्वात्त्र्र्याः सुराश्वा रिवात्वात्त्र्याः राष्ट्रेन्त्र्या वैवालिवा प्रदेश्यः क्षितःश्रीताःश्रीताः स्री द्वाः सवतः वर्क्यः यति स्रीरावः योव। द्वाः वावहः वहः वः योव। त्व्वाः स्यार्टिकाताक्षेत्रस्त्रात्त्री सि.इ.वि.प्यालटाक्षेटाल्यी स्थास्य मित्रास्य मित्रास्य द्यतः वहनः देवः व बुद ५६: लद् । वहुद : केव कुलावते : वहुद : द्या मः व्यद्। वषुवा केवा विवाला सैयाः जान्त्रेय। याः ज्वाश्वरवाजियाः वहूमायाः जावा संदर्भ व्यतः मेद्रान्ते वर्षः वी वर्षः वी वर्षः वी वर्षः वी अक्षार्वर र्यं में विरक्षियाल्या हूर रचर्यी ताला के या द्या तायी प्रच थे हिया अपने अपने विषय भु यारीमा लूरी वर उनर सूबा का मावर वरर । कु न देन किया कु न देन किया कु न देन हैं । भू नर हु या कुरन हैं । यंत्रिं स्तरे हिर्रर्। र्यामध्यम् हिर्र्या र्यामध्यम् हिर्म्या हिर्म्या हिर्म्य हिर्म्य हिर्म्य हिर्म्य हिर्म्य ण,लुवी वायव,लद्राष्ट्र सेवा.संस्वा.ला कवाक्रेंच् वाविद्रायवत सेदावकाक्षेत्र की वीवासेवा तालद्यात्र महत्य नाह्या द्यर द्याव ह्यान्व क्वाला हावा वह द्याव हुव वर्षा को त्री र्रेबार्त्तकर्णः म्बिश्चित्रं स्वान्त्रं स्वान्त्य याती.से. १व.सेम. ५ की. द म. हेरी वि. वा धर्म मूं वंत्रम ह भवाता विवा एवं वे दे वा प्रवास हैरे वि विकास भा म्राम्यालक म्राज्या श्रीर मृतिश्वना । // हेरआ:= दित्र क्रा.इम. वर् वी. केर वर कर कर केर अप. में अप. में कर कर कर कर की. हैं ता माने की की थी याथनानर रें परेंचारेंदा। रेज्या त्तर पहुरलात के मैं तर्वा योजन रेट त्यर तथा क्र्यात्त्रम् विद्यायर् हेयत्र क्र्रिंत् स्त्राम् । द्याया विद्याया विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास रदारहाई.र्यालाक्षक्षित्वीलानाअरे.ब्रास्ट्रियी.वर्.केर'र्यालाक्षी क्रा.स.ह

34

र्राय में के बारा मा वियान तर्राय देवे एकर मात्र देवे एकर मात्र होते। द्या तर्वे वी मात्र में हो क्रद्रर्भ्यद्रायात्रक्षात्यात्रम् । तर्ग्रेच्यायात्रम् । तर्ग्यात्रम् । तर्भावत् । तर्भा परेशाराक्ष्यां बार्टरावेश्वर्री दर्दरद्र अत्येशवी क्रिरिशालुव पत्रिया क्रि.त. वेजानियुं रदानदेशाला व्यापासूत्र सुन्देशास्त्रा विवासार्त्रे स्वामार्थियात्वी पहला हीर खेंत्र केन वर्गर खेन। दर ता में ना जूरर र र र लोगी र स वा त्यर प्रेंच खे. इर.श.रावी रतार.मेर.अ.रर.प्रवर. लट.पा.रावी र.र्मश्रवतार.येग.स्टर.पा विभान्तर. । इंडेली नाम्यान्यान्यान्यान्ता नाम्यास्त्रिक्यान्यान्यान्त्रेन्तिन्त अक्टरक्रान्त्र्यान्त्रेन्ति र्यतः मिक् मीरामविष्या में रामिराम म ्यहात्वन श्रियात्वर पर्दिश्यात्वयावर्ग्दास्य स्थात्वर मान्यस्य स्थात्वन स्थात्वर प्राप्त स्थात्वर स्थात्वर प्र वर्षा गल्या गल्या तर्म् अत्या या या या वर्षे वर्षा देर सर दुलकी दर मं ता मुद कुल चेते व मुद दे अ मुना र्था देया. वर्ष्ट्रतारा प्राच मूर् वर्षराच्या वर्षा वर्षा मात्रा क्षेत्र अता क्षेत्रा वर्ष्या वर्षा ना स्वायम्ब्रंथरियावर्गद्भिरस्यर्भरादेश वार्ष्यवर्षायातिवाम्यावर्षेवास्यावर्षः। स्वा वर्त्वायरे वि वर्गद्राते अवाता व उत् विवस्ता या सुद्रवरे व्येद्राय से द्राय दे सुद्रद्र अद्दर वर्द्रमध्या सद्वक्षाक्ष्ये तेर्व्यक्ष्यक्ष्ये तेर्व्यक्ष्ये । विकर्ष्ये द्वावः स्तर्वे व्यवस्थित श्.रे.झे.ले.झे.के.ट्री रन्तववराव.पर.सापर्की.मेर.लूरी झे.के.रेट्वरे के.वर्ग्य.केरी च्यात्रकेत. तय्राष्ट्रः नेम्यत्रे तक्षेत्रमुद्दानी द्यत्वाह्रम्य द्यात्वाह्रम्यत् द्राष्ट्रम्यते व्यात्वाह्रम्यते द्राक्ष चारपर्वास्त्राची वार्वास्तर प्राचारपर्वास्त्रम् म्या वीट दे के ब्राचा पर वर्षे के व्यापार के वर्षे स्त्राची स्तर के व्यापार के वर्षे स्त्राची स्तर के व्यापार के वर्षे स्त्राची स्तर के वर्षे स्त्राची स्त्रा स्थितिरत्र रदा द्वारंवन सर्ययाय क्यायद् यत्रा द्यं दे स्मायरे स्यूरं द्वा राष्ट्र द्वा स्थाय म्बर्भ ? भे सेर्भेग्भेरामेराम्य वर्षेत्र १ द्रार्थ द्रार्थ द्रार्थ सार्थ सम् अर्थ अर्थ सार्थ स्थान वन्त्र यास में तयद्भम् वित्रते द्रमत् कृते मान्ति तयत् द्रमत् वर्गत् स्वरम् वर्गत् स्वरम् वर्गत् इत्रमालक्षा विजयहणमुन्द्रमूर्यम् विभागविरम् विभागविरम् विश्वा इस्ट्रिया में लूर सु. रे. सूचा तथा मुला पर्केरात सूपा रेश में र. प्रमा तथा में र. यस ता के राम प्राप्त में र. स्वायर्पर्वे व्यतं व्यरं स्वरावदी वदेवर्पास्त्री वस्त्रे वस्त्रे र वस्त्रा नायरद्गारास्वानी वयानद्वाया र्म र्ला रहे द्वामवत्र्व्यारवेदा है वह वह केते देर वह बारा में वे दव में दे हिर र्वा या रेव रमप्तर्रीर रमभयु रतिरक्ष्यायामा वस्त्रायात्रावायम् राम्यायात्राम् सम्माना क्ष्रिया क्ष्राता युक्तर्रया क्ष्रिया क्ष्रिया त्राक्ष्रिया त्राक्ष्र्या त्राक्ष्रिया विषया व्याप्ता विषया व लूर.क्रेर.करा क्यात्रालूर,ता.यीयान्वतार अर्दर्यास्याती.क्षे.क्या विश्वासा

लूटा लटर्स्स्स्स्रिट्रिट्रालाक्षेत्र देश्चेश्वाचान्त्र कार्याक्षेत्र विद्यात्र विद्यात्र र्कुत्य पहचायात्री पर्वेग. हेर. हेर. वर्गायात्री र वियम् मार्चे के. व नवमाताता विर दमा अपे. 美兴. र्तप्रधिमार्य्यार्य्यात्य्यात्यात् वाडमाहिरायाः केवात्याता प्रवास्यात्याः ह्राच्याः ह्राच्याः र्त्यात्र के या अपार मा अपार में या अपार म क्ष्यान स्थापालका । दायनवादारी स्थापा क्षियाता दार्ति । दार्ति वाद्याता वाद ह्यान ब्रिन्थ, ब्रिन्य श्रमा ह्रव. त्या र्रा रहर एक्य माना विष्य पर्या नावमा भाषा ह्रव या माना इ.७ इक्ट प्रहेरक्ष्यात्रिमारा प्रमानिक विकास मार्थ विकास मार्य विकास मार्थ विकास मार्य विकास मार्थ विकास मार्य विकास मार्थ विकास मार्य विकास मार्य विकास मार्य विकास मार्य विकास मार्य विकास मार्य विक र् नेरक्ष्यं में वर्षेत्रात्या र वर्षेत्र परि केराया में र वर्षेत्र केराया में र वर्षेत्र केराया में 12 हुन ला क्रें बाज़री देश के बेजर कर कर कर के बेडर विश्व कर कर कर कर के कर के , स्वान्तः gune as देशः वेरहरानात्ववायरात्ववायरात्वायात्वातात्वात्वादेशः देना हुरावा ह्यराष्ट्राचेते देवाद्वाद्वा वृह्मान् नुमान्या छ । स्रान्या प्रान्दादाया मुक्ता हि । स्रान्या स्था हि । स्रान्या हि of Rayatra: कि. में. भू पु. भर्य ता प्रस्व राष्ट्र रहा दे ते राज पत्र स्वित पार्दर हैं में मार्शिक केंद्र पर की पत्र में वा ८.चन्त्र. त.र्शर.त्रुर्,रशर.विश्वताधिर.यु.क.केया ग्राच्याप.ध्युर.केय.श.हेर.वेयाय्ये. 10 ब्रेंचल सन्त्रभः स्ट्रा ॥ अ. ५७: वर् चादारात्मादान्त्री वार्द्रात्माववा हेवा इर्द्रा । स्रव्याद्रेर हिला ह्रवाद्रात्माद्रमाता हे वन्तरात्र्रीत्रद्रित्रद्रित्र्यात्रात्रेर्र्युक्षेत्रत्र्वात्राय्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र -apass sroot . 7 अगुल। म्बर्ट मार्गे रेडेरशर्याताम् अर्थात्यित्। यात्रित्। क्याय्वेद्द्र्यात्यायात्त्र्याः यात्रात्रात्यायाः देवधादाताः वायवः । विद्यायाः विद्यायः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायः विद्यायाः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायायः विद्यायः विद् जिया महरी मरें वर्तर रें गार हुने हा म्यान महूरी धी. में मारे र माय ए पर्ये पर रें र मा कर. क्ता र्रायर यह वस्तर वा हरवरे वर्ष वर्ष राम केवा हरवर में वर्ष में राम राम वर्ष हरा हरवर में वर्ष में राम राम वर्ष वर्ष में राम स्थान १० विकार मूर्त रिमाला एकता टालेश्जमालाच विद्यात्रेर। हिर्व यव ता वा वा वा ता देवता देव का देव का देवा रदः यः भुनः विः रिकाक्सरामा स्रायम्भारमया मिराजा हराजा हराजा हरा प्रायम्भागा हरा 17 सववा जार्ड्री लर.तीपत्यापत्र्य.पाष्ट्रयाही का.मुर्तियात्री. एचएक्या ०३री तयाहिक्या कर्मा कर्म मार्ट्स स्थानकर्। इर.म्. मार्ट्स म बरास्याम्यति के त्युंतात् विभक्षेत्र मायति वहर्षात् वर्षेत् वर्षेत्र वर्षेत् वर्येत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्येत् वर्येत् वर्ये ल्ये दवकारा नर्यत्वरक्षरक्ष । द्यमान्त्रमा ह्या हिरादा महिरायाक्षरा स्त्रीराहिमायान्त्र र्शित्वत्री शक्ष्यात्यात्वात्वत्यात्वत्रा नामास्य देश्यात्वात्यात्रीते नामास्य यन्त्रातालेवा र्स्टर्नाट्याक्रास्त्री हामावराश्चितात्त्राह्रेर वर्षे वसूची ।वास. यूर. हुंब. त्.च या. पा चर्या चया पा चर्या पहरा चया ता सेरी रे. इंट शे. या स्मिव भवा ता.

मीव। र्युर्रेशकरमार्क्यामती वर्षरलायतिमानमहत्त्वाद्वाद्वाद्वापा वार्वतायते भेदे व्यवकार्य र्वे.रे.वर्तेना चर् वार्वस्रेरवश्याचाराल्ता हर। श्रद्भिमाप्र्वाम् वश्य त्रेताहरा क्रवा मर्द्र वर मृद्र भूद स्वर् वा यद द्वाल यह वा वर के के क म्राद्या वा हवा ता वा ता कि वा एट ल्या ब्रिक्त वाल्या वन्तर याल्या हिर्दे वे के के व व विद्या विद्या के राल्य देवा विद्या विद्य माधीवा स्वरत्वर् हेन्याचनवस्याधीवा विद्रात्तवस्यति के के विवादगररी दे से संकर्रिय के दिला याभाषीता वर्षेत्रां वहुद वरि क्वाधित। सुया मूद वर्षेत्र द्वा व्याधित। दनु के ना दगर भरेश वनव यराष्ट्रिया त्यात्वव द्यार नता ते स्वाया हरी क्रियम् वनव पता व हर वाहर वाहर वह मानवारी के श्रीर रेश महर अहर अहर के बरी र रेर वनवे तर ले ही कर रेश व कि कि नार अर्थर की नात के नर देव में नरी के अप नर लेही में नात की निया के निया क्रिलेन्स्य व्याप्त व्याप्त । इस्टेवयारे व्याप्त व्याप्त प्राप्त विक्रम् वर्षे व्याप्त प्राप्त वर्षे वरवर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर् वर् वर् र्तायकिक्ष्रक्षित्रकारी रेथक्र्याने यावकार्यक्षेत्र वावकार्यक्ष्या स्वावकार्यक्षेत्र स्वावकार्यक्षेत्र राम्याक्तिया रत्ताक्त्रिया दूर वर्गकाक्तिराम्याक्तिकारी द्वान्या र्या क्षेत्रकारी क्रियाके के. श्रूचा. क्षेत्र, बरेत्, बरेट्र दिनर के. हार किर प्रदेश त्या हेर. रिवाय के. प्रता क्षेत्र, बरेट्र किर विषय र्के विक सेट वे न्यारेट । इट्रह्र वाश्वान के मू के विद्युविक ति क्रिये प्राप्त निर्मा दरास्त्र म्यानिक विदायक्त निमानिक विदायक्ष म्यानिक विदायक मिन क्षेत्र विदायक मिन क्षेत्र विदायक विद्या क्षेत्र पद्मी चरे भूष वर जाय मार्थ हैया वर सं केर पर मेर प्रेय विवा पर है हैं के मार्-पालवाती देववत्त्वा हावस्ता राम के.वा र अवी. म रेवे जा तरवे अहरी मिया अर्थ स्वा दे प्रवीका वेदा के प्रवासिकार व व के प्रवासिका व व के प्रवासिकार व व व व व व व व व व व व व व व क्ट्राटार्विवायात्रयाहिरा कुंद्वीरतियुर्द्यवायात्रयात्रवा ववा ववा ववरायहर्षा रामववा कर्या टर्जातालवाम्यर्त्त्रभाववात्ववा हराम् सेन्द्रिया हराम्य मान्या हराम्या हराम्या रद्भाराव के दे देर त्या महत्या त्या मार्थर क नव मार्थर त्या महत्या सक रेक्ट्र मार्थ वर मिर केंद्र पक्रा तिर्द्रतिश्रिकातात्वे विष्यक्षत्वित्राक्षत्राच्यात्रेत्र । अवस्तिराज्येत्र र्गराक्ष्यतार्व हेलक्ष्यर्वक्ष्यत्वेशलावन क्ष्याचीवालवाच्या क्ष्याचीवालवाच्या काम्यानेन द्रानेन नेन नेन द्रात के करी विता माया विद्रा में में एक् एड्रेक म्पर क्षिमान्त्री म्याक्षितार पार्यम् मार्थित क्षिमान्त्री हेत्या क्षिमान्त्री हिल वीक्रिक्तिन हैं मी रभरक्विव क्रिक्तिन हित्या प्रत्यक्विव वरे खरिष्टर वाह्य वाह्य में ना गाम्यामाने छा हरद्याक् या। य-४४.ता.पा.श.र्.के.र.वर्था.से कित. वि. ये. प्रति के कि कि वा रे. के अपप्र शेर्य के प्रकार स्ट्रा केक्ट बेबालाला उर्तरहर मु.वेर.वे. व सवताल, बेबाल बेलस्त्र मी.पर् केर बरल अंतर्मेरमा श्रिष्टात्राथारायार्गरादेश श्रीहरातात्वर 11/10

2. बाल्या द्रेशलर्था लेक्र वह वायल वल ट्रेटली देवल र ला बाल में केला बालल. र रे.श याताश्रमत्तरापरे.प्रेची यात्रच.यात्री.यात्री.यात्री.येची किंग्यात्रीवावयात्रीटापरे.येची स्वर्था र्बरात्र अर्वे ब्रायाक्षेत्रेष एवव प्रत्ये । वर्षेत्र व्याप्त वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्र अर्थे वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्य । वर्षेत्र । वर्षेत्र । वर्षेत्र । वर्षेत्र । वर्षेत्र । वर्षेत क्षा द्रानिक द्राने ता व व द्रान्तिया की अक्षर हे अक्षा द्राने व व ता द्राने व व व व व व व व व व व व व व व व व क्षात्राचनायाक्ती.र.कार्या सेया.स्.स.सर.सर.स्या.स्या.म् वास्ट्रक्ष्य.वर्षे.स्रीर.रेजायवय. ता अ.मैंजायाम्रज्याक्यान्त्र्या वार्डित्यिनेवाव्यात्रित्व् ना पर्वित्यान्त्र विक्रविता रे.म.विष्युत्याक्ष्या सावरम् त्यार्थः द्वार्येश विकासते रेका. के.के.कालाती शुद्र रेड्र क्ये रेकेट रेट से सारा त्याव थाएरी रूप वर देर त्या लागर रे. उर. जेगा है. क. अ. मर्र न्या के. के. में जिले जिर माने और पर निरायहें में प्रमायहें में क्रिया में क्रिया में कट्युवासर्दिशात ब्रामावालिसायर्गाकर, ब्रामनेबादासरा रेट्टानारामाता भ कर्ते व कार्य वर्ड नंबर कुया त. लुका श्रेव। चारे वा श्रेव त्तर्वर सुव वा श्रेव। कर सूरी श्रुवा स् द्रात्वक्रमाना में लुवा र्वेश ज्या मिंग हर हेर होता प्रवेश में मान मान करें . वेसा. 百分子之前的其人 四十五大星四美山四五美之山 里田里山江西州北方的山上之山 日日 र्याम्भितामार्थ्यार्थेया मिर्याप्रिमार्थवार्येया गरणार्थामभ्यात्रामा व स्वितर विवा महिर रेब्र्या चयानाय हेरार हरेर में में मुक्री जन्त्रिव बावरा जिया हरिता व्यभेदन स्मातिमाश्च भक्षात्ररा नामदेश मिन्नामाश्चरी में मूर्य प्रविधामा भी भाष्ट्रीय इर्क्त नाम्भरे हिवाहिवारेर। का प्रमुद्देन की नाम्म तर्वा । व्यान प्रदेश पार्चे नाम र प्रमुख चिकियायात्रक्षित्रम् मार्च्यात्रिया । र्वा.केषु अभागायात्रा त्यत्र प्रदेव । यत्र र प्रमार त्या का किरी क् तीबास्त्रकातास्त्राक्षक्षपटेव । इसारास्त्रह्माद्राद्राद्राद्राह्माहेद्र । देवे.एकद्यास्त्रह्मात्रास्त्राक्ष लट्ट्रम् लाह्ने में क्ष्मिक मन पादी श्रीन लाया की ना के हरी महत्या में है। देरवरा भाद वा त्या की देशा हर्रित्ममक्त्राक्षामहर्महर्मित्रमे विवसी स्टिक्नियो विवसी स्टिक्निये। स्टिक्निये। स्टिक्नियो स्टिक्नियो यार पर त्यापान प्यापान कर करे हैं। केल कर हिते हुट हु निया है निया प्रकार विकार पर विकार कर कर है। र्वाष्ठेवरारे वालके केवरारे। याववा कृष्णि सरकेवर्गर होवा कुरुए धुवाकी वार्वा केवरारे र्वाह्रवलार् तात्रकृष्ठ्वतार् । ल्याह्रलाक्ष्रिट्हे क्रिक्टिंग्री ववाचववाचाह्रवात्रवाद्रवात्रवा र्यातर क्रांदर आहर्षात्री ल्रारमाय क्रारमाय क्रारम्पत्या क्रिया क्रिया देशव से यात्र साम्बिति हिता हिता है कुंगरेश्राम्त्रीरस्थानाक्ष्याताप्रवाता पक्षियात्राच्याक्रियाः स्थाक्रियाः स्थाक्ष्रियाः सूर्य.ज्यात्रात्रीत्री दे.शुर्श्चिश्चर तिराच्यात्रेया रेगात्राश्चर विदेश्यात्रेयाता प्रकार दिया क्षेत्रक्षाः वेदाद्याः यथ। तरः करः दवाः करतः क्षेत्राः क्षेत्राः क्षेत्रः व वाक्ष्यः क्षेत्रः व वाक्ष्यः व वाक्ष

ज्यार्ट्रत्यं, यद्रिया वायकद्या रत्ताती, हित्यं में न्या द्यापती रवा केया प्रथा वाप्रयान्त्रेषाञ्चर्वा अंत्यहम्द्रीत्र्।। वार्ववायरव्या वनवयायाः बीटार्याम्द्रात्वदुर्द्र। ययार्वाक्षेत्रे.के.के.का.वडवानास्यःकृत । मादार्वावाद्रम्यवन् या रिकार स् केंब्र) ही दलक कुन के कुंतु है अही उक्तरकर्र। हिर है अही उन्हें नाता आवव आ वि वर् म्प्राश्चित्रः क्रियः मान्ये देव देवातपुर देतपः धरेवातपुर हे राजी क्रियाची व्यवस्थितः प्रवितः लद्रायम्द्रत्यक्ष्यात् वर्ष्यद्रवेद्रवी पर्केरधरम्या विस्तर्भा विक्रायम् विक्रायम् नेता काती.पाम्,पाणुद्र, रेरकेको वमान्यवामु, वक्षेत्र वाद्य नार्यावम्या क्रि. विश्वेषायवर्षायः गर्माता ही दरवेदम् एवर तर्यातर विषय पर्यावर प्राया वर्ष कर प्रिया के वाहर रहा है। या वि युष्ठहर्ने हेरे विस्ता सहितारुकामर ने सूर में हु। हे वर्गसार कुर क्वा मारे सूर क्वा गर्भहेंदा रे.अधरामवाक्षत्रके.जा यहरे.य.इ.म.च्याच्याची परिधार केथा वरिहामान्य हरे। हत्रहरूमान्वया म्री करादेति क्रांच्याया द्वायाभागत तर्गते त्रीराभक्षावया च्यूरतह्भातवर त्रांची वाची त सेदा मैठलरे.जान बेबाललकारे। वरमुम्रेर-धन्तर भावररभर है। का केवा में मूर् भूर रिक्रवाता . एवा.त्यं शर्यात्रारद्वद्ववा तेर्यात्रायीविक्योयात्रात्रेयायात्राद्या राषि श्रेयाभर्यः उद्देशमा थेटा रहराया वता की शेष प्राण्ये रेवेष प्रारं रेवे हम्पालेषी बाचता प्राण्या मान में राजा स्व.बीर.किटा अल.दैवा.क.वीत.तिया टापटी स्रानास.के.वाराजातावर्ष, यीटाक्री वार.बीट. न्याप्यम् दरदः व्यापा सदः कत्रम् कृतास्त्रदः साह्या शुः दर्गाने वास्ता द्रमारास्त्र १ वहदः साह्य द्ययही दलत्रायुः रवार्गर वद्यावया त्रेर। याश्याक्रियाक्षे हे र्वायाख्या श्री वर्षिक्षे वर्षि हे निवायाक्षे स्व वर्षिक्षे वर्षे वर्षिक्षे वर्षे वर्ष श्चित्रात्र्वाः वेवाः त्याः त्याविद् यति हुः खात्री द्यत्यं क्रिक्षेत्रं निर्मे वर्षेत्रं वर्रेते वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्र न्दे हिरारेदी देवसादाता बासवाकु त्या वासरावि सेरायते वादाक्वाविसा क्षेता सक्ताकुता हेदादबादसा नात्मका विवासकात्राद्वादमानाकूद्वद्वानाकूद्वद्वाना दुरावेदम्म स्ति द्वाति द्वात्म स्ति द्वाति र्वा स्मानम् नामवा वामवाव द्वाना वामवा विकास वामवा सर्वेत्विक्षित्राराष्ट्री । ज्यानीनास्त्रा विर्वेन स्वाविना रित्यम् स्वाविना रित्यम् स्वाविना स्वाविकार्याः श्चर.मेर्. विमा नामवरदर. के. यत्र्यामानिमाल्या किट. शास्त्रात्रीता पा पर्या मे र.वे। स.केश. कृषे भ्रात्माल्याकी स्ट्रिक्तिक्षेत्र स्ट्रिक्तिक्षेत्र होत्य विश्व क्षेत्र क्षेत् यास्याभारणद्येश विराव रूप्ताहराम रद्धा क्षेत्र क्षेत्र व स्थित व स्थित

2 मुरस् पहुंगतावलमानैदावराजुराताम् । दे. हिरावामायर्वाने। वल वटना देश्याचार्तामा वर्ग कुर्मार्थ। स्रार्गाय वराय प्रवास्था स्राप्ति । वर्षेत्राय स्राप्ति । वर्षेत्र इष्ट्यं सम्ब्रिय वर ता हिंदी के पार्रिय दे के कुकु के रेशन विया विया ने पार्क लाग वर वर्ष है है है । वर्ष के पार्रिय के प्राप्त के प न्युमं इत्या न क्रेट्रं ते वर्षा या ता शरी र रहे गरी विवह र री र अवा वर्षे र अवा वर्षे र अवा वर्षे र अवा वर्षे कार्यप्रकेद्युः लद्युः लवा र्रद्रवन्त्रयास्य वार्षास्य रद्यूर्रद्र यो अस्त्रे वार्षास्य वरंद्धा मियानायां उदारा रामायानाना नेरासरयान। इत्तालिनामायकर मार्मना दार्वाला केचा. कुर्या.ज.स्मायी रचा.र्यार.घर. जुरा.केच्या.ज.स्मायी वि.र्यट.मर्टेच.ज.समारी हि रेशानए थान्याम् अप्राची वदाईमान्त्रा भराम् मान्या द्यादा द्याता नेराह्या वामान्या विवा कार्याने जो हरदबर हाना अंत्याहरीत है। ब्रिला बेरकुर शे. रे.केरबेरल ला इर.केग्र भरत प्रमात रामात । क.से. करण जरमा वि. मृ. वित्र भारता इ. मृश्वा ना केर अवि ने कुर ग्रेम अव अव देव मान हैं दवा है अव भारती बद्भार् द्रवादे वदी होर् बद्याला अंत्राहे स्वेद्धी व्यवाया या ता ता विद्या । अप्त पाश्चालास्टर्द्र दर्भ भी भ्रायामाहेश्व वावमाइत्य न्यास्त्र रदमक्र पत्ये में त्यास्या रा.चे.र.वे व.से। यून तपुत्र ता पत्रह्म अहूर। ८८.नाय इ.म.से व. परेवा महें वा रवी मुद्देत. क्रम.ज. एवं वयर्र्याय अहूर र. त. लेयन्वर. के. त. से र.रर रे.वयार जा था के. जा वि. च्रेर. क्रे. ट्या १८१. भ्र. विश्वास्ता पूर्क्यायात्र, ट्या क्या रहा विया वर्षात्र । ब्र्रेर्ये.के.जयाता जाव.द्याय.प्रद्वाया.प्रदाया.या.या.क्रिया.क्रि.वर.क्रे.वर.म्.प्रेता उर.पर्टर. नयम्बर्टी र्बर्गत्रिंदेग्रह्मान्वस्ता न्वसूरी ट.बेर.ज्र.क्यर.क्यर.तपु.रेश स्वार द्वास्त्राचार संग्रह्मात्रीरागुवाकी स्वित्रास्त्राचारा सर्मात्राया सा वरारी अलाक्षे रामक्यान्र मितानिया निया है। क्रामें मिता है। क्रामें मिता है। क्रामें मिता है। ग्रमायः मह्मारि अविषे पर्वेगाम् देनेद राजाका वर्ते । वर्ते वर्द्ध वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे या. श्रे. जमानी में मिया में रेग ता में रेग ता में रात में रात में रात में रात में रात में रात में इर्डला घरमाधु वर्ष वर्षणस्य वर्ष र मुर्व स्मूर वर्षे मार्थ होर वह्या हीर वर्ष ता ही र दूर ता ही र दूर यथा। रगूरास्वर्द्धवर्ष्यरास्त्रे रुप्यास्य मुद्दा कुर्द्ध कुर्द्ध कुर्द्ध कुर्द्ध के विश्व कुर्द्ध कुर्द्ध कुर् यहार्थाकी,रदार्गा वायरकहार्थातेषु स्वारित्रा वर्ष्याक्षित् नियारी लुन.जीवायात्वरात्वरात्तेत्याचे हैंने नाज्यक्षणा कर्तान्त्रम् नाम् नामान्यहें राज्य

चार. वि द्रायाया स्वादव वित्व देशे देशे या या नाम कार् क्रायाया या हिंद वदेश वे. वर्षत्र. क्. केंग्र.ता कु. केंद्रद्र सद्दर सद्दर केंद्रवालिया सदक्षागर, वर्षप्रदेग क्. हैंगान शुक्रवाक्तितारा श्रीतार्वा र सेरामासेताता रदा लावा होतातात्वर स्वरासे वा रसूर राजार्रेराजा वा राजालका अराजाराजा में ग्रेराका में ग्रेराजा में जारा में जा में जा में जा में जा में जा में जा ड्रिंदिन्द्रवाधिमाल्ये व स्वत्यत् वद्रा मि. यथ्याल्ये व स्वत्यत् विद्रा द्या द्रेर्द्रवाधिदः ण.र्टरमाधुःमा हिर्दर इर इर इर स्टल्लुडा दलर्मधांश्च्याः अर खेल. हेर . ण. केवा लिखेर. प्रवान्त्री प्रवेत्व्य वर्दा हेर्. शुन्त्रणास्त्रीय वर्षात्रीय देर्देश प्रवेश वर्षेत्र । देर्देश प्रवेश र वर्ष मु.ण.न्द्री रे.न्ट्र.कंत्रामाताराजान्त्री कु. अर.ता.ला.चिक्ट्रका जारा.प्रच.ता.पाद.प्रेच्याता.का च्राक्टरा लियारवाताला श्रेयाक्टरामा देशवा बाकुवाही र देया र े पाक्वा शकुरा पर्वा वियाला व मेरी रशय श्रुव सद्वालमार् क्षाय मार । श्रुर त्याल त्यार सर त्यार सर त्यार त्यार सर श्चित्रवर्गास्तर वसावर्मा तर्वा वर्षा तर्वा में कार्या में कार्य ने कार्य के कार कार्य के कार मुत्री दलर्भका.वै.म.हर्द.वर.के.म्री इ.हैंग.क्षेत्र.म.व.वे.मूरी इ.हैंग.क्वेत.म.म्रीर.ज्याक्षे हिर्:यदः चेत्रचेत्रदेरदः नेद्र हिन्त्वाहिन्त्वा हिन्त्वा हिर्परः हिन्दर र.रट.रेशर.रूपु.र्यट्रश्रह्म रूपु.स्र.र्र.रे.र.रे.श.म.र्.ही हे.स.र्र.यर्.कुए.घटाता.है। अर्प त्वा.स्य.का.र्रा.वय.पा.के। अष्ट्र्य.प्रवरेर.का.र्रा.वार्ट्रा.पा.के। राजिताप्रप्रा.र्ज्यात्रा.र्ज्या श्वा.श्रेवणा के.इ.एकर.वार.वी.वध.स्वना नेवा.श्र.कोर.श्रेट.इ.नापा.वपरपा सेव. * स्वायत्रवक्किकेवाया. भारतात्री क्रिक्या केट. वेर. वेर. वेर. वेर. का. मारता विवास के. क्वाम.म.मुरी भावण.सपु.येवा.चव. वी.मुना.वमर्या कुट.कुर.म.मु.केवाम.म.मुरी दला.का.त्रेर.शु. त्रेर.क्षेत्राच्या दे.कथ.कर.क्षेत्राक्ष क्षेत्राच्याच क्षेत्रा परी.क्षेत्रकर.रवत. क्रिंग्यायम् वादालानारामा द्याता नाताकेवानाम् वाताकेवानाम् वाताकेवानाम् वाताकेवानाम् वाताकेवानाम् वाताकेवानाम द्भायते स्वतुःको ध्यवःका देवा यदे नाह्य स्वतः विद्वत्तुरः दुनः देवा विद्वत्तुरः दुनः देवाला विद ट्र-र्ते तर्दरायात्मे तर्मे दे। वनव यूमा तर्मे द्वायाभेरा कामा है। करि द्वारा तर्वाया वा देवाव विवय रवत्तर् ह्रेर.त.र्ट्रात्ररात्त्र्वता वर्ग्यूड्स हैत. हर्रात्रा हैगातर वर्षावया वर् क्रियश्रिमार्श्वता दार्श्वास्त्रा हिर्देहर यह मार्थिक क्रियं मार्थिक क्रियं मार्थिक क्रियं मार्थिक मार पि. श्रेम:श्रेष्ठी र.वेव.मेर. ल म. प्रमण: श्रूर. रेंगे. लुकी हिंद. क्रियाल.मेर. यम्या.म्रायूट.वें. लुकी क्रियाल. र.वेव.रेर.वेच.सूर.वे.वे.वे.जा.लुवा हिर.केचील.रेर.भू.भूत्म.वव.वं.जा.लुवा र.वेच.रेर.हेर. केच र्गानः अह्, त्र. मुन् क्रिंक्वायाने स्थाने हा मिर्मेश हेंगे वियान हा मिर्मेश होंगे स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने

उत्राम्ने हिर्क्षणतरद्राम् के प्रवास्त्र में के प्रवास्त्र में के प्रवास्त्र के प्रवास क क्रिंटर ता. प्राम्या अप्राप्त वित्र हिंदी स्वरी लगाय क्रिंट्र में स्वरी देवता व उद्या माने व रमर.म्.र.। जनाधक्रीर.जा.जर.क्री.क्री.क्री.क्री.जा.ल.व्रा.चर.म.वर्षया.वा डिजन्यर. वयमास्यद्वरात्रीतातास्येदा स्त्रम् के. वन्त्रीति में स्त्रम् हे. में में स्त्रम् हे. में में में में में में में या श्टा प्रयोग्याम् भ्रेर्त्याया में नेया हेरा नेया हेरा नेया वस्ता वार वहतः इंस्. ले. लेवा न्वेया ता से देटमा सदान्वर खेवा होता व वदा वर वह ता वंस विवास क्रिवार्थाला वाध्यारवार क्रिवा व्यत् वर्षा रेमाला तक्रिक्य भारा माना तर्था से वर्षा से सार म्री दल्ख्यालास्य केतात्विवास्यर्देश डिय. र. जी. यह जयाता तार्ति वर्षि वानमार्मेन मूर पहें ववा इन वा सेमार्सिया सेमार कि से मार्सेट लाए रेवा सेट. इत्ते । क्रम् अयद्ये ह्या एक्र्य या वेद्र या वेद्र देश क्रम्य वा भा र्वा. हिरे.शुन:र.पा. प्रचिव. वपार्माती नक्ष्य हैया. है, शुन: विद्या. पर्व र वे. जूरी है. क्व. रेजए.अ.चार्चर.झे. सेर.इंचालाररेवच्या अव्य. प्रदेश केव.इंद्या. धु. सेर. एव्। तेम. म्, म्, विरी बाधनात्र मं, प्रवासि के प्रवासि विराम्न के मान्यात्र के प्रवासि के मान्य के प्रवासि के मान्य के प्रवासि के मान्य के प्रवासि के मान्य के प्रवासि के प्रवा है. ज. यून यदन १६८. युवा | द.ही. ज. यून यदा है। द्वा भारी दे हैं, है। मूले वाहे जन हैं जा दे,त्रयादःजायाय के.जा यान्यां के.म्या कर्त्रा कर ह्या वर्षा वर्ष्ट्र ह्या वर्षा वर्ष्ट्र ह्या वर्षा वर्ष्ट्र कुल्ला र्वत्त्रको श्रेमक्टरका भर्षात्को मानेताराकर हे ना वा ताको से सामित्रको से मानेताराको त.प्रह्मार्तातात्वाता वायेर.मु.एकेर.सैव.रवार्वेत्र्यातात्वाता रेवर.कवाता वियातात्रु. त्यास्त्राम्नारकीर स्वराज्य हे. इ. प्राचाका वयात्तावरेर की याग्य वर्त्वेत्र रहा द्रया स्वराक्ष भाववायवी अरम्स स्राप्तान्त्रम् स्राप्तान्त्रम् त्रियाः स्राप्तान्त्रम् द्वन्य या वार्ष्याया था वार्ष्य वार्ष्य । विद्वाय प्रायय । विद्वाय विद्वाय विद्वाय । ज्या है। रमत्वर्रात्रमात्रे देतपार्यायात्। श्रीरम् उर्भते हेवार्यायाया यम्यायात्रीमः एष्ट्रा ना हु: ना दे द्रायन अया क्या हिमाया है। देर मा दाई वा हु तम ना विकास मा (प्रवस्या गरेन.र्र्नेत्यत्यतात्त्राच्यात्र्यत्त्राच्या गिष्ठियात्यात्यत्त्राच्या इयार्ष्यः " अहुन र्यालवाराषु वार्षात्र्याता द्वपत्रात्रीतार्थितार्थे पर्ये ह्या देवयावस्त्राता

つあま

ट लेड्या

वर्षरः हरा वन्त्रः पर्वर त्याराष्ट्र करा वर्षेत्र करा वर्य करा वर वर्षेत्र करा वर्षेत्र करा वर्षेत्र करा वर्षेत्र करा वर्ष नयु. ह्या.ज.रतय.लूट.ह्या हु.स्थ. क्ट्जा क्ट्रिंग हे.र्जर.ह्या देर्गरेशता रेरे क्रिंग त.ज्यी डक्ट्जा र्मेश्रुक्रियार्ट्राम्यायद्वा । वर्ष्या प्राचित्रा स्थान्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा ता. में या अक्षाहर ता हैर। र ता वर में या ता वा वा में हैं है दार व वर्र पर ता सम्बंद रे.स्.चिलाम्पुरिक्षण सामान्यवित ज्यासिक्षी २ १ वर विर मिर रामका वर वर्षे प्रमृतिका हैशार्य। भिया पर प्रमान वर्षाणा द्यामराव्यवाच्यामा हरा द्वान्ववा केरावते वाहमा आरामर वाहर हराव के देश के सूत्र र्रस्त्रीरकुरविर केर विश्वा क्वारवेर वाल्य वालय। वास्तु वार्य वहरा यह वार्य वार्य विश्वारवा केरे विश्वारवा स्राभितात्वां भीः नेपाद्वां भे व्यद् । यस्य स्र देववा त्यद दे स्वयं प्रदेश । अययद्र जियानानु कियातर दराजद्रहर। वन्धयात दराज्य रहण की सूच ताम र कुनारी ज्याराजिना दर्भा अक्षेत्र क्षेत्र या रे.रे.मी.पाय-रगाय मेर.रर। श्रीराय-इकर.पायर या रेर। द्याय र रामे भाग वर्ण या रेर। यर् के बालायहूर र्वायायहूर। द्रायवरा वर् नवरा त्रा मार्चेर यर न्वेरा ब्रिक्टिया। स्रेर. ब्रेर. ब्रेर. व्यार. या वा वा स्रेर। वार. यार. या वा वा स्रेर. वा वा वा स्रेर. ह्वास्त्रेत्वरास्त्राच्दा क्रेवालवाय्याक्ष्यास्यास्यात्वा । यात्राच्यास्यात्वास्यात्राक्षयात्रात्रात्रात्रात् वस् विक्रिकीयावीयामावस्थाव। मनाविक्र वर्षेत्रकेत्व वर्षेत्र देश हर वनवायमा हैवा न्याहरमहरमहरमहरम्भरा मायाम् म्याहरमा द्वास्य स्वराष्ट्रा द्वास्य स्वराष्ट्र स , मेर . जिलामा मेर तापा मेर तार ब्रेटता पर निया दे निया है। यह निया में में प्राण है। मेर वर्ष में प्राण है। जिला में मेर वर्ष में प्राण है। जिला में मेर वर्ष में प्राण है। जिला में मेर वर्ष में प्राण में मेर किया मेर किय मारमार्जा हिर्वपर्वात् वर्वर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्षात्र गरम्मःक्तालाश्चरः। वरःर्वनगरम् श्रीःदरःतर्। श्रदःयुरश्चरःश्वरा भर प्रवेश अन्दर कर किर ने स्लिय किया पर्ने के स्था कर ने किया अने का सम्बद्ध कर के किया अने का सम्बद्ध कर के क रेरे.अ.र्द्रामुर्थ। लर.तीजाचर.राषु.ज.ह्र्या.हे। जेवा.यलर.र्यार. एवए:ह्या.कर.धूना इनक ट.र्जिशमा मर्जिट. जार. प्रामुकी मर्थ. केंच.कृष्या मुका क्षेत्र मा देवा वा स्वाप स्वा मक्रेर.वसर.ज.लाया दे. ई थ.धे. अप. के. बट. टी ट्रेर बाल बा.ज. या पेंपुंड केंब जाता टी म् द्रर.हे.बि.अबरेल.क्यात.च्या वि.र.रर.गेर्यत्त्रं विच जाजाची रयात्ररंत.येचालेचे जुना गरुवानुसामा क्रिन्नेया। सन्। विवा रमर. युकाल सेवाला क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया दर्द्यान्यायहरः। देर्वे के. यह हर्द्या के. यह हर्द्या के. यह के. यह ते. द्या के. यह हर्द्या के.

वहुभवते. र

मार्टियाम्याम्याम्याम्याम् विदार्तियाः विदार्थियाः विदार्थियः विदार्थियाः विदार्थियः विदार्यस्य विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्थियः विदार्यस्य Evans E. UNS र. र. श्री रे. ई. अ. हेर. रेजबा श्रीर. पा कवा श्री केंद्र रेव. यू. रे. रे. पा परेना रेजबी. porpoli नार्षा नार्षा में के का में के किया में के के क्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा हिर्द्रार्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा म्ण्याब्यावीर। यतार्त्रेवायिरार्यारक्रिराताहर। हारदावावमञ्चरारतिताही देव। दाववमप्रताविता ्रुवकार्था क्ष्म क्षित्र क्ष्म क्ष् मार्थित विद्यानन्त्र मार्थर मार्थर मार्थर मार्थित राज्यान्य ने मार्थन में मार्थित में मार्थित में मार्थित में रेडेबाल, पर्या निरामी बिरानापरी रिरार् प्रकार मुक्त नापी स्रम्भिया केर निर्मा विद्या है। यत्र नाम्य के क्षेट्र वर्षेत्री माष्ट्र के प्राप्त के वा विद्य प्रति के व्या नाम विद्या प्रति के व्या नाम के विद्या के विद्य के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के वभास्यनात्री माह हा हार स्पर है। इसे वरवत स्थाय होना दरअत दर सर दर है। देना स्वाप १ महरा प्राप्तिकेत्र । कार्या द्वार प्रक्रिम प्रमाण्य । व्याप्तिक प्रमाण्य । व्याप्तिक प्रमाण्य । व्याप्तिक प्रमाण्य । र्ताराबाद्दे क. क्षांचुवाज्ञरी अवात्तेवन्तेवारा स्मर हात्र क्षांज्ञरी त्वेवारा सुर्दे हे के पार्चिया हिन्वायन्त्र यात्रमातान्त्र देन्द्रके स्रोते स्वर स्वत्या वन्त्रयात्र स्वर्माता हिन्दरभावहन करणारेदा इनम्बरा इनम्बरा स्वर्मा राज्य मुना राजा राजा सन्भरत रहेती रहा अर्दा "वन्त्रक्ष क्रियं मूप्रमूप्ति के वर्ण प्रत्याति । व निरं वन्त्र मार् क्रियं क्रियं के म्यूर्ययारे उन्याना मुन्दर्शानाक्रम । एक र्याचीर के मूर्टर्शनाक्षी अवसास्वर एकेव र्यानासी रेने विकास वर्षित्रत्री नार्ने मान्याला हिर्राभर है ना क्रिसिट्रीर में। क्षाने के अन्तर है। हेर हेर विवास क्षेत्र अवता हैर दिया विवास कार्य इरा अट. केम. प्रेंचे अपूर्विवायाता बूट. वी. रेवे. केंद्र, वेश्वट. ट्रे. पा श्रेंचे चंट. पा पट वेट. वट्यामार्थियात्री प्रस्तित्यात्रा कुर्मेर् सर् सिर्सिर सर् भागा पर्दे स्टासिस्या देवप्रमार्थित देशातानेर्यः यहें ने अधार्मर रेट मा है था राष्ट्र पर कार्य कार्य है। विस्तर हो के हैं र हिरव द रर की क्या र सद की न वर्ष रविकिषाक्षेत्रास्यानपुः पात्रापद्वतास्य प्राप्तितान्त्रे मान्यान्ति । यात्राप्ति । यात्राप्ति । यात्राप्ति । या

यालदासी पद्र दया है न र अरवि प्रवित्त पर्या पर्या वर्ष मार्थ में ने ने ने

मीका जा जारा जारा है। इस हिंदी कर का का का का की दे ण्यात्राचते वावरा मक्यावरा वार्यरात्रा द्यारा परि वि देर वया विवारा है तर्वा व स्वायम् न। इ. वर्षेत्र. हे. त्यार्थ. ते. वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षेत्र के वर्षेत्र के वर्षेत्र के वर्षेत्र के वर्षे पवीयः तर्म्य । या शवः रद्या के व व मा प्रत्रा राष्ट्र प्राप्त में शर्यात्रेयाञ्चरात्री करामदाप्रवाताराम्या राजद्राद्रात्रात्रीराद्रमार व इ.स.द्रात्र रे. देश. रदा अ. श. इ. इंदरकुव रवी. र्सेजारदा) म में र.जी. विर. के. राजी जरू गणा नव गरे गरे हैं वेश रेटी कियर क्षित्र तेया क्षेत्र उन्हीं या ग्रेणाता ग्रेम्ब्व वर्डिश हवे श्रीर देव वर्डिश हवे श्रीर देव वर्ष हो स्तर हो वर्ष स्त्री की है । यह देव उतिकाश्चान्त्री श्चीतर्त्व, रजत्यी प्रकार के प्रकार के प्रकार प्रकार के प्रक वाबिदःरुटाला श्रीदालाभावम्दान्ववालावम्दा वाध्माववदाभावावालावाध्मात्वादवाद्वीदा दरद्वार् भग्ना स्विन में ना मार अम्द्रामहितान्यता वति भेरा वत्यद्राम द्रियान वतान्य । वनम यं इराव दवयते केरा अरुर सेर अरे खेंब राग देश एक र मह अही ता कें करा केंब्रमा यान्यानी केत्यम् स्राम्या कर्ष्ट्राव्यक्षणाच्या कर्ष्ट्राव्यक्षणाच्या कर्ष्ट्राव्यक्षणाच्या उत्राम वक्षित्वान न द्वावक रेविया । इस्वक विद्यक्ष वक्षित क्षा का प्रमानक तिया क वर्षे. थेरी भुःष्ट्रवयातावा मुन्नकद्वाययाता मुन्नकद्वाययात्ताचाराष्ट्रवा में अश्येष्टावर के ब्रें र्वातरी रागतात रेवा तैवायाववा है। कैवायारी ब्रायार प्रार्थियार के श्री वी नीय। धेव रीन्या के खेरी नायेर व्यया अदेश महत्यारे त्यार्ग सुति स्रव कीया नाया नाया राया म स्वानी नावभागा या शे हर की रूर (अवार) वालुद र्यावेस ह भीता वनाद। बद र्वा वान्त्वाकुवास्तरकुराज्याद। उत्रास्त्वात्रां ह्वाच्याच्या इराव्यास्य। इक्त्रे से दे अद्दर वसा स्रम्भान्यायात्रायात्रात्र्या श्रीर द्रारम्भावता व्याप्त्रमा वेदा क्षेत्रकार्या वेता व्याप्त व.र्नेट.सर्बन्न.प्रत्यरास्त्रेयवण जिलास्तर.रट.लेज.धीर.ज.राज्या वडा ज.पर्.विकापरी.जन यदा दश्यात्रदे हरद्यात्वस्री द्येव श्रीवाय्वात्रीवाय्या वसूर्वायः। स्वाके स्वाक्ष्य र्नित्रवा त्र.किर.वशकात्राम् क्रियाता में मूर् वर केश रे के ते हूरी स्वरावशका हैं व ब्रिट.रं.युमा विक्ट्रंभूया.युप.क्ट्रव्या.वया यू.र्परपर्यम् क्या.प्यायायया इ.फ.र्रस्व किर्त्र अत्या कुरल वर्षा कुरल वर्षा केर्य किर्त्य अव किर्त्य अव किर्य अव किर्य अव अव अव अव अव अव अव लिए देश मर्कामा मूदर्गर सद्यहेश म्रद्रा हता यर वर्षेत सुभ स्ट्रेर म्राथन । वश्वता बिरातातिकद्रश्चितावस्ता देवताब्द्रत्यान्याद्रश्वता व्यक्षिरः वदनि देश = ये हेन्वदानी छारुवारी धीव कुर्नु धीववँ वराम विदर्गर ये

शुल्यर्वरी इ. हे. यर वे. के. का अवत्याया मि. प्रप्र शह से म. वेर. मर की वे.क्वर्य रे के damage. ले. गुरं व्यामा वयात्रात्रावसूर वर्ते केर. मेर. गुरा हे. हे. मास्त्र कर है। दे में हित हैं स उगाह (1) एड्रेस्स्ट्रिय हिंदा पर्वेयास्य हैर.त.चर.र्वायास्य अरा.केंस्.के.रेया.प्रायास्य कार्याकार्ते। सीता सहिर्। यो प्रभादे वस असे ता ता व के स्त्री तह तर व व के साम व समा में मारा के ता साम के वा श्चिताः अहूरी वाष्ट्रभादे वयत्रम् ता ता व के अरी पर पर वाद वाद र वाद र वाद वाद र वाद र वाद र वाद र वाद र वाद र राद्वास्यते तुर दुःच्वा कां सह सूरे है। कुरावारीदः कुरंबी दे किर बद्या तर देर एहं अवी प्रदाय के बिर को प्राय प्रदाय के वि नयरान्। श्रीमळेळेळात्रीटाता दव यरि मवि धीवा यद दर्गया सुनायां व्यक्ते वु कृद दु वी लेर. यथ्यातर. सर्वः स्री क्रांस हत्यात्म क्रिंस के देवा मारा में क्रांस ता ता प्राप्त स्री हत्या मारा में क्रांस क्रांस क्रांस मारा में क्रांस गुर.रर्थ.ला श्री.लर.क्रे.वंश.भिष्ट.ता.पत्री क्रेंट.तय.धी.र.भा.पव.क्री वंश.भावप्रमधर ्राभर्तप्त्री भरकेर्द्रव्यावेरामभाषी व्यक्तप्त्या नात्त्री केलाकेन्द्रिया तपु वी रट केर के पर पाडिन प्रमाधी। अविभवपु वीर मु एवं की के पा प्रचावा मान द पर्यात्र केया सार्ट्य वि.म.र्रा ट्रट्र द्राया ने पाना देवात है। यी प्राया विराय विरा मिलाक्रतात्तर, व.सेकार्री द्वीरावनकारी द्वीरावनकारी के.ये.क्रेयकाविष्,रवी.वर्षार्री वस्त्रवास्त्रयास्यस्य भूत्रक्षा वित्रवर्षा वित्रवर्षाक्षा वर्ष्य सेर्। यर्त्यवा वर्ष्ष लिल्यर वयाचा वया म्यूर्त ता म्यूर्य स्थित सेरी अर म्यूर्य ता या शत सेरी तेरा पर्माचार-वार किंग कर कर कर का का किंग भरें राज पर केर के वी देश राज शर्म के पा यामारा याजा श्री भारतर देशी वाल व खात में व करा पर देशे में ब व की पा में व देश पिर पर यूनी बर्गानीति क्यारातरे होता अरेन वी अरेन वी अरेन के प्राप्त कर के प्रा , हु स्रान्त्यत्र मिला क्षेत्र त. यूत्री कर मेर निर्मा यी नार क्ष्यी एते र मेर ताम के वास क्ष्यी प्रवाहरके आक्षास्त्र पर्देशके। ट.म.रेप.रर्ग. रर्गास्य प्रवाहर करास्य स्वरास्त्र राज्य स्वरास्त्र स्वरास्त्र व पर्याचेर। चराक्ति, में अष्ट्या हिर. येवयापरीया । स्वीतिया अराय सेरापा च प्रामा ताया यावी मद्देशकेर यदार्वाभारि सरि थरार्भना त्या सेनाभावासना मान्यासना भीरारेश में यात्रात्रात्र्यं सारवितात्र्री वेशवाहीर रेश से रार्गारेरी क्रावादित से वाक्या प्रदेश कररेश्याके सेयर्थं है.देश देश देश में सक्षा क्रामालय सम्मा में दर्धियान

केंग्र.चलेका मूर्च्चाक्वालम्बाच्चवहरी चलवात्राच्चाक्वाका.वर्त्रेरी कुंचानक्र. क्षेत्री. स्तिन्त्री क्रान्त्रा से स्वान्त्री हे ही र ही प्रमाना है से हिर ही रही अने र्याश्रिया त्याकुता से श्रीट उराइ या बेर होरेर। वाह्मारे लागा दवा या हे विवासिया। वस्ता इर्य. मूट्रें रेगर. मुम्म का का क्षेर्र व्यूर्भर व्यूर्भर मुम्म का क्षेर्य है ते हैं ते हैं ते हैं ते हैं ते हैं इंग.प्र.च्या देगरान्त्री वसे इरवासकर स्थान्त्री सक्टरश्च में या वस्त्री लामवनाक्रीम्यानेवार्वालामा देवलादालाक्षवाकृता द्वामानेवाक्षा े. द. हावरा से दे हिंद ! ति. व. से द. वार्ष दश . व वादश या वाद द ये वे ये वे वे विकास के की वादि हैं स्वाः अत्यक्षाः । वाक्षेत्र विकार मेर् सुर निम्या स्वार मार्थिय विकार वि र्वेयन्यः में में रामें विवस्त्र कि.रेश.वेरेला पर्रके.किर.जा. कवावलवा रज्ञ विवाव.परे.केरेली स्वापः अ. म् अंति हेर व. ये. देश र तर्रेया विदेश र हेर व. म. हे ये. पर्ये व विदेश हैं र वे. हे. पर पर देश हैं र व विदेश यत्वराखेशकार्थात्र । या हेवा केवा वितर पर पर देवा विकार पर पर विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास ता इश्राम्बाल में त्या तर्या । जाया द्वा त्या तर तर तर मेरा वा हरा खेवाम तर तर देरी मे जानी वर्रे के क्या जा वर्ते र जा नी र र व के र जा है। जा है। जा है। जा के जान क ह्यर ले लेका द्वा की न स्वा दु लेका लेका स्वा है वा के के का दुवा देश के दुवा देश के स्वा के के कि र्मानद्रायदायव्यावस्या द्रायदास्य द्रायाच्या स्थान स्थान द्राया स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान वनान्ध्रायः भूदः के. लुर्ग च्रां बाह्याः कार क्ष्यं पक्रिं क्या के. लुर्ग दे, रंगे. प्रें प्रत्या व्याके. लुर्ग सैया.चार्च्या.चूर.इंद्र.पच्चला.कें.लूचा चूर.चारशासर.वूर.पकुर.क्चा.कें.लूचा रुंद्रं केंग्रहर ण.चष्याके.लुवा केंद्र-ग्रेट तिबार्ह्रट एववलाके लुवा चटल अर ति वा किर्मिवा कें लुवा र्रचा.क्रे.क्रिराज्यव्याक्ने.लाव। र.क्री.नेय, जयाक्र, मृ. जावा.व्री रचा.बेपा.वयु.क्रेर.रे.वर्षे मुनी परपासिकार्थित के प्राप्ति के र्या र त्या के राजा है या के या के प्राप्ति माने माने के प्राप्ति माने के क्री. वर्षेत्रात्मा डिरंरतप्रकरेर विक्र वर्षा कार्य लार्य कर्त्याय कर्त्याय क्षेत्रका वर्षका वर्षेत्र हिंदी

वि.लेग

42 र्ने कि. ये. र ने हें ते कार्र हैं। र ने कार्त के प्राप्त के प्राप्त की की मी किर हिर हिर के कर ने गरी र देन अल कूर रेश बाच से अहिला में अल अर रेड म बाह बा अहिला में बरे बरे बहुता. पार्चा व हर हीला वार्ट हेर नाश्चा जा कुवा मुन के वा कुर व नियमिन ना कुवा नि त्यारम् वि.चातित्रदितःत्त्वभूववावेवारक्षे वेत्रात्रावद्रद्राताइवावेवारम् । गरवातात्वर्ग् श्रेम्या हे स्र म्याक्ष्या व्याप्तियात्वरात्वर्गा वर्ष्ट्र रे मार्ग्रवातात्वर्गे. म्बद्धाः द्वा युवामा वं लाव मालकित लाट जार मा हमा वर्षा नाम्या नाम्यान मान्यान मान्यान 5 hors ॥ कुराना तर्भरः। चार्ना मार्भारः श्रीरः मी द्यतः 歌叫声到 वर्देश्चेत्राश्चित् भूर्वाचन्त्रात्राद्रात्रवरातात्रवरातात्रवरातात्रवरातात्रवरातात्रवरात्रवर्षात्रवर्षात्रवर् किर. भरेरे थेवर यता केंग्रिश वया नर्मित्र किरामार मिरामार मिरामार मिरामार मिरामार मिरामार मिरामार मिरामार मिरामार वर्द्र व्याराद्र क्रिंग्य-मन्याय द्रांक्र अक्षार्याया वर्षिया मन्याया क्रिंग्य वर्षिया वर्षिया वर्षिया वर्षिया पर्या वनवामका दंलदाक्र्यदेष्ठभाग्रदंत्यात्रिक्ष्यां वर्षात्रिक्ष्यां वर्षात्रिक्ष र् अरुवा प्रवासिक में में त्राह्म के किया में त्राह्म के किया के त्राह्म के किया में त्राहम के क श्री अभाष्ट्रया सेता की जाना के वस्त्रे भी दे लेवाना रे नेवा आत्रा प्रयो से में सिट सिट पर् र सेट्यरी पा.म.र्टरेशना धी.मप्टरेशवी.संटामावर्रेश मू.वेश वाराव्येतेया.रेब.के.रेबर.त्रामप्टरे अक्र. श्रेया वीर क्षेत्र नेता राम नेता श्री में मा वर्ग राम राम राम स्था अक्र श्री अक्र श्री अक्र श्री विया सक् विवासित वदा समार्था सामार्था से पासा सक्ती से बार पा पर का प्राप्त म्यायासहरी पावर्ष्यालयात्राया हर्तताया क्षेत्रभए पुनयाक मि. स. या के. क्ष्मर्तापु स्था वर्षा रदा हुवा वर्ष्ट्र वसव तपु वर्षा विवा वी र्या र्वा सेवायत्य श्रमातातर्व । विशयन्दर्वतः सप्यितः पर्व । के.ब्रार्भि विश्वित्वेताने ने ब्रेस् रतत्रक्तिक्षक्षितास्त्विवायत्रत्रत्य। वाष्ट्रमाञ्चवावास्त्रत्त्रत्यत्रे हेर्तत्त्त्रवे। वत्विवारह goodked froms. स्रद्यदेश व्रद्धा हर। छ स्वराय हमकद स्वराय मार्थे मार्थे व्यव्यक्त कर केराना ने छ। रेटि-वर की कावाया थे की हि कर दर की काकत दगर की में दर वर की लेर के राज्य में र्भकृति वदकी भीवा किया भीवा क्रिया भीवा क्रिया भीवा क्रिया क्रिया में वादवा वर्षेत्र भी । लिया किवारी स्वरानित हिर्द्या लिया वादिरारी क्षेत्रा हिवा हिर्द्या लिया है रागिरा के मेर पर के मेर वादिन की लिया म्बार्यरकेद्रक्षार्यर स्थापना विवारमारकेद्रक्षक्ष्यर्राणकी देद्रक्षद्रविवास्याती क्ष्यां अन्तरे हेर से स्वार हेर हैं। वर्षे द्या कि रे रे रे र क्या के रही इस कि क्ष्य राक्ष्या कर है। श्री अन्ति श्री देन ते ते देन वित्वत्वत्य देन वित्यत्य वि इर् श बाल् श्र रक्षर मि. य। र्वा इपार प्रमास साय क्रेर ग्रंट । इर् क्य वर पर वराम स्वर्वा वरे व

द्ये पूर्णे में लेग वरा तम् । दर्भ मन हिर मदर वं ते मेरा में मार्थे तमे सदर रे ने मेरा ब्रियाकी दर:श्रद्धिश्वायायद्भिरी हिस्यू वाक्वाक्य केन्द्रिक क्वा वान्त्रिया वान्त्रिया वान्त्रिया अर्वः श वा स्वरं वक्षवा वक्षवा वा नेर् क्षेत्रं विष्यं द्या स्वरं ट.जेराल क्रियान करायो मु.लेज क्रियान रहतीय रहतीय क्रियान क्रियान हो यातर, र क्रिक रगरहिसे हिं अर्थरेता रे.कुशक्र वायवर हिरा ने पाने रे होरा हो प्राचित प्राचित प्राचित हो हैं वर मते शुरे अदार्श दार्थ है। द्वायते शुरे दा स्टार्क मा कुरा में प्राप्त है। देवाय देवाय है। देवाय है। देवाय है। नेत्रायादरातववाद्याराज्या के दरा की भारत्या माना माना हरा हेटा प्रवासित वाता मुन्द्र राज्या माना माना माना माना वर्ष्यहर्वास्त्रा स्राच्या न्या हेर्यहर्ता वा हे से हार्य द्वारा वा या रेट्री का विदाय से विद्राया प्रात्येदवाथा पराद्वादवक्ति त्वाभवाव क्रियद्वित्यास्य व्याप्त्वा शुर् क्र्यालकुर्याच्यासक्यात्या रवातिकालक्ष्याः केलक्ष्र्रातः। त्रीत्रवन्त्रीः यवपत्रक्याः वया रद्रविवास्त्रक्र्यामान्यात्मं वर्षा से तद्या ही वृत्ते वर्षा निवास्त्र विवास गुराये क्री बार्यात वर्षेत्र वर्षे दर्ध दराय देवा अवास मेर मेर मेर मेर के कार के का कर की - र.अभ. यूप्रदर्शीर.रेगर.के। लर.रेग्रा.केप्र.च्या.च्यायावींवाची मूर्वाक्रेर.जाम.क्षे.वरभ याचेरा धीवष्टवाकॅर्स्यूदर्याराचगारखेंबाचेरा हिंदरदाचेराचरादरादर ने वहभावबोधदा तिर.चार्थाक्ति.ये.चेवाता अरंपालवाम्तर.च्या,रंभर.रंगी.वद्यातिवा वित्तात्ररपायात्रपात्रीतिवा नदःद्वः नेदल्यः ता थीः हेव। चेरवः वादलास्तरः वाह्यात्मतर्वा । दे थेवः यते वाहदः वाह्यात्युदः न्हरंदेर। ह्रारेश्वरंश्चरश्चरत्वर्श्चरायतः द्युरः। रहः पुराक्त्रं रहीः वर्ष्वायते दुरा। दयतः वर्षा नाम्मानारम् द्वायात्रभारतः। युःयते दूद्याद्वायायव। द्वीःद्वानायां व्याद्वादान्याः > विया र्ट.वन ह्वाले त्या यथा वर्षेचला केवार्टर श्रेवारे ए.रेर.सं. वर्टी सेंगा. जुड़े त्याद्वन सेर् वर्गा हैरे वर्गा हैरी अवरार्र में बंकन नर हैं थेव। नर मर नर नर में के के के के सरायरी मिलायासेशासूबराजियातातार्त्रायात्री मटाके.वर्षा चस्तरात्रात्रात्रात्रात्रा न्यकी ररामें या आर्या ती ती ती मारा वर्ते कि हार ता ता वि अव ता के बाव ती वि अव ते वि अव ते वि अव ते वि अव ते व सी.ण.हैय विवाक्षर.सूर.त.सर.त.र्। एसर.हिर्ममारेहिन समान क्रिमामार्थ। पर्याद्र किरहे ता त्वरी में यन्या सेया मिता राजा ती वी राज्य में वी राज्य में मा महरायाश्वराक्षीता महरायाया श्वराद्यार स्वराया करा हेवाया करा हेवाया करा होवाया करा होता है। > श्रेरक्राय हर। रग से रग सर रग हर या मर सर देश में राम में र में केंद्रकर वेत. खे. चेंद्रक्ता वसूर जुर जुर केर के एड्के. शु. वेश श र लूरवर. वयादे में या था देखेंदे. ट. सूरे वर मु क्षा स्रापा सूर वर में में का कर मेर क्षेत्रमा विकास वि

xe.

वेग् यर पार्नेपा ल्रेर प्र में या म्रारम् रामा यात्री माम् पारम् पार्मि पार्मि पार्मि पारम् राजिता स्वारमप्ते। सैवासिट्टलप्रवट्टलप्रवट्टिवसेटला अधरापववाताके प्राप्तिट्रेटिटा र श्रें डैशनरेरेराताय्येत्र रेश विद्मियेरचेरचात्य रामी वर्षित्र वर्षाय यार इर श्रेममा र्ग्र.क्र मे या ज्या ये प्राचित ज्या हिर रिवाय करिर या प्राचित करा। विद् मिश्च भू राज्या णवान्तर। यात्रक्रद्रक्षेत्रमण्डला विष्णक्षेत्रास्त्रक्ष्यास्त्रक्ष्यास्त्रक्षर् वर्ववा विमक्ता वै.म. प्रतिक्राप्रमान्ता मेर्गार्थमा क्रिंगार्थमा क्रिंगार्थमा क्रिंगार्थमा क्रिंगार्थमा क्रिंगार्थमा वतास्याता अप्राचित्र हिराहर हिरायता साव। के ल्यर वता र भवा स्या ग्रेम ग्रेम के लालहा वैयात्राश्वातस्य प्रमान्ते। हिनावद्यास्य किरावद्वाव्य । किया विस्तानित्य मि.चात्र्यात्री स्त्रित्त्वरेयायक्ष्यत्त्रत्यात्यात्वात्त्वत्त्रत्यात्यात्त्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् क्टार्क मुगातास्थात्याहर। श्रेभद्राद्वरात्रा भ्रभद्राद्वरात्मा अवितास्ट्रहर्त्वर त्रेन्साहरी अर्पास्या विस्थानी वर्षेत्र मान्यात्री वर्षेत्र मान्यात्री वर्षेत्र मान्यात्री प्रमान्याः उमहरा मिक्सर विश्वार के अक्टर हैं दे लाश के अर है है लाश के अर है के कि के प्राप्त के महिला में कि के विताय निरम्भिर स्वाया विताय में स्वाय में स्वाय में स्वाय में स्वय स्वय स्व क्ष्महो देशव क्रेंट्यू व के वार्म ह्यानाव के लूट व वारा के वार्ष के वार्ष विवास हित प्राप्त विवास ध्या हेपायरा श्री.च। ज्या किपा खुन क्री, दर हर, तर , जंब मा हिर विप क्र्या मा अवत्य हें थे. पर्विमालर्मा द्रा पर्वे विमाल्य मान्य क्षा विमाल्य मान्य क्षा विमाल्य क्षा विमाल्य क्षा विमाल्य क्षा विमाल्य क रिवाल हिंदी कार्यवाल क्वा कर कि वार्यकालक्ष्य के बाधकाल हुन प्रवासद्दी हिंदा अर्थ. मिताक्ति, रंभवा देतर श्रेवःक्ष्यंत्रका श्रद्धाः देभवा क्षेत्रका क्षेत्रका अदान्त्र देनतः वर्दे देन मुक्त भावता विवाद विवाद मित्र मित्र विवाद विवाद मित्र . यथात्री त्याया पर्यास्त्री स्राध्ना द्वा वन्त्रा हिम क्रा वा स्त्रा हिम क्रा हिम क्रा वा स्त्रा हिम क्रा हिम क्रा वा स्त्रा हिम क्रा हिम क्रा वा स्त्रा हिम क्रा हि मकर्द्वरात्रेश्रेर्तिता मानलद्वरायम् नवनायास्त्रम् कृतास्विकद्विवाचाकर् कुलाह्मणाञ्चलहर मायलर नामवितर। दर्भर देनए वर्षेर में अला हो में कुरा माय क्रियायात्रीती सैयातर,दर,रद्वाराक्षर,क्रियाक्षर,प्रदेशक्षरा,त्रा,रद्वा,यावेष,त्रायावीप्रवापा रदासवार् रत्याराक्तर वायादाद नायादार व्याप्त द्रवारा व्याया या कर्ण क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया व्याप्त मुला मेर भुर केंब्रकाल में च पर्यक्या राष्ट्र की पर करण था।

स्वरक्रम्भत्य। दर्वाक्षेत्रतात्वरत्यात्रम्दा क्रा.पी.पाश्च.पायाद्रम्दी क्षेद्वीक्षेत्रम्

यार्थन्वर्वार्वि.श्रीट्राया अवाख्या इ.र्ट्रायाता वार्ष्यक्षेत्रक्षेत्रास्ट्री वर्रे व्यक्ता शत्यात्री क्षेत्रहरकार्यात्रात्रात्या वापर्यात्रात्रात्या क्षेत्रहरकार्या रतापारापुर्भ हिरर्धराम् नेरा क्रिक्ट क्रिक्स क एके जुना रवातात्वराष्ट्रीर रद्दाने केन राजिया दे उद्या अरे जुन ने रा देरी शहर संग्रान्त्रार्यार्यात्वेत्र के भा संस्थाकर मायविवाद्य भारत्या मान्याय प्रवर भारत्या मार्थर। शक्रुभक्षेत्रक्ष्यीम्या पत्रक्षान्त्रिता वर्द्ध्या ह्या वर्षा ह्या रमार राज्याकी लद्र र्वास्तर्वा कर्त्र विकास करात्र विकास करात्र विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास इ.सी.स. शुन्तप्रस्तिनेयाता वैव.जियाशकीय.दे.विवार्याश्ये के.बी.इ.स.के.विप.रस्त्रम ना चून जैन्या १. पे वाकु मा वारे भर वाजारी के बाधु भर वार हुए हो भाषा रह के वाचे ह हिर वस्त्रवार्यायात्रा नामव वर्षायद्वायात्रियायद्वा ग्रह्णायात्रा माहार्यायात्रा वर्षायायात्रा माल्या स्थान्त्र क्षेत्र क्षेत म्या अन्तर्भारत्या वारणकार्ये कि. में वणकार्यकार्य । यह वार में वार में व माना क्तिमारदेयम्प्रेस्यारेद्री विकासानेतान्यत् क्तिमान्यान्यत् क्तिमान्यत् । व्यास्वाताद्वात् हेरासाया र्याक्ष्यी अभवत्त्र श्रीत्रत्त केया र्योगरी वालाश्याति का प्रदेश भावती है में बावनाता. प्रकार विकाशीय वर्ष्याता व्याद्रा वी दरायकार हेर देवाराकार। किया द्रांती वी सार्वा की साम वे कर कर की विका यान्यान्त्री दरात्यम् राज्यम् स्वयम् मेर्ने किर्ने राज्यम् मेर्ने विस्तिन विस्तिन विस्तिन विस्तिन विस्तिन विस् य्यातामुद्री मार्कित वनमाम्यू वर्षेत्र वरमा वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्य वर्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत् म्रियाक कृता यह वर्षानुद्री अभ्यत्या र श्रीदाया यह त्या महित्या मही दाया श्रीदाद्या करति मुम् हेया य-विद्यास्त्रियं स्वत्यास्य विद्यास्त्र कर्ष्यास्य कर्ष्यास्य कर्ष्यास्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य में कुर्यायक्रियाताक द्वाकृताया स्थाया निद्युवाकुर्तियाता त्वर्तियाता विद्वासा विद्व र्याया में अर एवंड पा पक्र र्याया राद्याया याद र्याया यमन या र्याय में द्राद पति वयहेवेया र्मार्नेहर्णाचेमाम् लाम वि.चयु.चायमालम् एहणाम्या मामाः में प्रवर्षामा व्यवस्यात्वर्वत्वर्वर्वत्वर्वात्वर्। ह्रेन्त्यात्वात्वर्वेद्वे त्वेत्वात्वर्वेद्वे ज्यात् र्राट्य विद्यार्ग्य केणात् व्या क्षेत्र विवासी द्रात्म क्षेत्र विवासी क्षेत्र विवासी ब्द्र र्वास्वास्य म्यूरा श्रीरक्षेत्रेत्र मेर्ट विवाक्षिया विवास्त्रेया। वाववास्त्रेया। म् विभारतिवास्त्राम् से बीट प्रास्तिका क्रेम लिए से से प्रतिका में में लिए से से प्रतिकार करें विभाग करें का प जुल्दा परे.क.परें के के अअप. अअस. फ.सूर। परे परें के के अप. रेकियरे. करें डि. निवर हेर.रे.लेरी चारेशर व्यालवाताता के शरी एवंपान्या पारपाक्षित हता. नरम्या क्रिम्स्रेस्या द्वार्यात्रात्रा

र्धेट.कुन.नार्डाकायाक्। टार्जिसनाटर्डि.इंग.रि.केवा वर्षट्यात्याकारिकारिकारिकार्या इस्या इर्टर रह्मार्थल रा.पहुटल चेला प्रेटरा में खर जा माना में है। विमा वर.ज.म. प्राय में या कार्य में या किया है। यह कार्य वर कर में देश युरायाका केवा किया मुखाया विदार दा है। विदार केवया कीवा रिवाय कर रा गांव मेरत्यत हर। हीयरर अम् वर्ष अम् केवल हिला मर ल तम् र्या मेरवल हर। अग्राहियुत्ति॥ वेर्याहरका क्ष्यास्त्र विकाशक्त विकाशके न्यति स्रवलदे र द्यार रायर भ्र.वर.प्रे.या.त. मूलावेशा इयातर. प्रवासार दार विवास क्रिया के प्राप्त मा मुला कर्ता में से मा ग्रम्भानम् म्रान्त्रात्रात्रात्रा णातार्याक्षरादेश कालालायातात्वरता मा श्रीलद्रभक्षरकातात्वर्या मर्गे ही द्रश्म म् स्था वीट देश बारामा शिवर अपूर् वा अप से वा देश र ता अपूरी प्सियारा देवा बाद अवस्था देवारा वर अहरी वी वा अपना करें वा बेदी अपने अवस्था मदामहातार्था, वेथ, वरेर स्वावरेश, तर अहूरी के खूरअलाक पहुरे वर्तेश सेवल अहूरी ३ डा स्वा र्गा कुर्गा ताला कर प्रमित्र के का किर्मित्र श्रिक्ता मिराव्या में ला अधिजाताता। स्वाम्त्रेर् बिराम्द्री वेद के विकास जरालामहरवरात्वर देशियाति मेर्यात्वर वन्तर्ये रात्रात्वर वन्तर्ये राद्यत्याति म्याद्या म् पर्या पर्या । भरप हराक्रर हराक्रर हरा में माना क्षेत्रा के भरत है। न्त्री विश्वास्त्रप्रदेशद्रायायात्रम् देश्वायात्रक्ष्यायात्रियात्। चीताश्रम् ए में मारा परी इस्त्रमा किया प्राम्य में मारा प्रमान कर मारा प्रमान हराया मिलास्त्रम् वार्षिक्षाताताता सर्द्रस्त्रिक्ष्रम् वर्ष्ट्र वर्ष्ट्रद्र्यात् वर्ष विकानी विकास ता सदतकार वर्षादक्षेत्र वर्षादक्षेत्र वर्षादक्षेत्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र नाता में में प्रतिका कर विवादायर देर एवं विवाद पर पर विवाद करें हिट्यते दुर्गा वलवासरवादवसर्वास्वर्वासर्वे वार्वे त्या रहेराया है तर्वासर्वे देवता यह णामवित्राधितारामहूर्मात्र। स्राद्याम् रात्याम् रात्यात्राम् द्रातालकात्राद् बार्रायाया किस्त्रेर्रिवर्यराज्ये राज्ये राज्ये राज्ये राज्ये किर्द्यामते केनानी वनदायन्तर्दी वर्वरेश माना भवा नेर्या देर रहान के सामा तक्षकरा नेरावा स्तिक्त स्मार्था तार्द्र तर्द्र वाद्र विवास वाद्र विवास वाद्र विवास वाद्र विवास वाद्र विवास वाद्र विवास वाद्र क्रिया सरवालक्ष्मिकाम्याम् मन्त्राम् क्रियाम् म्यान्त्राम् । स्ट्रियाम् स्ट्रियाम् स्ट्रियाम् स्ट् पर्याहराक्त्राक्त्यात्म् शास्त्राम्याक्त्रा विद्राक्ष्णाम्याद्वा व्यासिक मार्यक्ष्य विकास देरा के बीट देश देशहास वाद्या देश के देश पार्यः श्रमातामान्ये द्वातम् द्वा क्षेत्रम् क्षेत्रम् म्यानम् महत्याम् क्षेत्रम् क्षेत्रम्

XX 58 ब्रिंग हिर महिरा किर केविना मूर्येर मूर्येर केल्र है। र र्तिए जपु श्रमण का वा प्रमार र्रेड्रायामा ह्याक्षात्र्वी तर्वद्वाया मेरान्या मेरान्या मेरान्या मेरान्या मेरान्या मेरान्या मेरान्या मेरान्या महा डे.च.पर्र क्रेर क्रांच र घर मुड़र रेश डेर रंगपन्नर ने गर्म क्रिका हररू Zari 3 ना नामीट रद्याप्रेशास्त्री कर कर्या मार्थिया विश्वात व्याप्ति वर वर्षिर मेर्ट्र प्राप्त मेर विचारविद्रेचाम्रु,पाम्नु हैरी चर्नेपाम् लार् र्वेच बेट्रथा वर्नेचा रप्ट्रिय व्याप प सुद्दारा लए अर केराजा जिसासमार्थां में केरियर देश केरियारी हिर किर मार प्राप्त में में च्यालक्रातक्राणाल्या कृषिवस्यातक्रियात्रात्रात्रा दक्षाणात्रा र्ड्य व्याच्याच्याच्याच्याच्याण्याया विद्वित्य वयाच्या प्रणात्ये राज्याचा यो त्यास्य द्यान्वतालारात्यवाला कर्ट्यम्बन्धान्यर्गात् लद्यम्बन् रेर्ट्राकात्वी स्थान ब्रिट्स्य राष्ट्रियार मात्रकार सर्ब्रह हर सर सर । त्यार रेश प्यार में प्राप्त हरे। जियात्रार्थात्याताताते हात्रवातहेत्रायते वरदेर स्वायास्य प्राप्त स्वायास्य र्टी सामासामामामामामामामामामामा भित्रकृतिकामामामामामामा ्रकें द्र्यूचलाचा थेन वरवा देशवा ची की डे.र्ड. फॅनेशए, चर्टर ब्रेचेश नहूरी अपूर हु गरे गे.संपु वि. भावरन्या र्यात्रिर्द्रायम्द्रमात्याद्रमा देर्दर स्वायति र्यंद्रमावेवायहर् वर्षेत्रवायकाति नेता च मेन्वतिरक्षाक्तिस्वाक्त्राक्त्री देत्रत्मेवकात्त्विर्धात्त्राह्ती विदक्षिकात्त्रवित र्जूब:रूप्:सेरी वाचाराद्यापह्याहेचिवततरस्टूरी वरत्रेदलक्ष्माकु:ह्यात्रार्थादी वारववता के भर अर्द्या अर अर्द्ध । ब्रि. ब्रुक्त केश्रेश वया वर्षिक का र र सि. विटार पर देरे वृह्मक्षित्रिक्षा देवरारामा १वाकाता देतारामा इर इर दे रदाले वि वनवत्तर्वात्त्रात्त्र भीर्वाक्षणायात्र्रक्षाद्र द्रात्यात्र मिरदेवालम्बी विवाद्र कुरा एवं राजा विश्वेषा हैट। यह राजा वेश्वेष्ठ, केंद्र पा हैट। वराया में बारेश र केंद्र रे रे रे रे र्यर्याल्याको निर्मार्गमधेर दक्षियर्छ द्यतालाख्रा द्रावनवायते नद्राद्र्यकोव वा डिक्ट्रिंचरवर्गरद्विवातोत्तर् वर्द्वतास्म्यक्ष्याद्वरावुसारेर क्रियावस्थित यद्रयरताष्ट्रमें विद्वाक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्याच्यात्रम् व्यास्त्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम्यम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम्यस्त्रम् वर्षेत्रम् वर्यस्ति स्वरावर्श्या विल्वा स्रान्द्रायात्वरावरावरात्वरायवा स्वार्थरम् स्वर्रास्यावर् न्द्रेश राज्य नमन्यायम् देश्याति देशकार्य देशकार्य केर्ये विद्या विद्या विद्या द्याराय किर् ख्याप्रे क्रियार श्रीतारि विका क्रियार त्यार क्रिया क्रिय

वसवातात्वावरं वर्षे । ह्या ताकाक्षे अक्राताता प्रवेशत्तिक्षेष्णार्थात्रे स्रात्

इरक्ष्या इरक्ष्या इरक्ष्या इरक्ष्या हरक्ष्या हर्षा क्ष्या कर्षा क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य

मास्यरत्वेता कि.स.सम्भयातार्रश्यर्वे वेता द्वाकित्ववर्वे क्रियावेय ।भ्रम् अय् मी विकासर का में नद्वारा दलात हर के देवत खेवर करा देर कर्षे परी कर मेर एड्रेर.य.जाला ट्या.चेर.यूचारअर.कर.त.र्वाएं च रेश.बा्र्के.ल.वेट.रतए.ज.र् र्थार् मेट्यी अध्निर्धा महत्वा दाला वालल से वा र्ट्या देश स्था से वा स्था वा में वा मे र्वेद्यात्त्रद्रत्यन्त्रवादित्वकुत्रात्त्वी हिर्ततवत्त्वात्त्रस्तात्त्वरेट्वेटःस् स्तर्वात्त्रम् शुन, त्रकुर देव माजा वर्ष्य मिन्द र्वेट के. क्रें मा मुक्त मि मुटमाजा पा अपूर ता मिला ल्रें ह्र्या मह्या का मार्टर देला लीको के व्यवका स्ट्रिंश मेंबें वा महत्त्व्या लाम कर् तासिया वी. अभागत्मेर. यंग्र वा शूर्रा राज्ये। विर राग्य र प्र राम्य र प्र राम्य र प्र र्रेर.वचर.तप्र.केव.त्रेयाम.पैट.लर.से.र ट.र्जन.वार्टट.ज.एक्ट्राज्याचे स्था केल बेर हर अदल लहून कर यारी स्रवस देश बीर प 产业公司 रामा सामान्द्रमा मेदायप्रतमा केंद्रायदाता है वाद्राया वाद्राया केंद्राया केंद्राया केंद्राया केंद्राया केंद्राय वर्षणार्देश्वरः १८ । यद्रः वात्रं व्यातात्र्व्या द्रायाताद्र्या द्रायाताद्रम् वात्रात्रात्र्या धुर. श्री. पर्द की र बेट का था। कि माड़ नहीं है। श्री श्री श्राक प्राप्त का जा जा जी पाड़ार दर्भाता सदालद केर वंशामावय केट तहा ही केर मधु मी देश पर मी वंश मायपः अहपः देवेशाः नपः भी कर केदने व. च खेर पहला भी इनया नपः मी सक्षां मा जुन्छ। क्षान्येर्थक्री इंट्रिस्स्रिस्स्रिश्चेर् श्रुपर्शे रेजाउरवायाताद्यरतपुरी डि.यत्यात्यार्थिका विस्वार्थिया न्यरेट.र्येनाया. हुर्ट्ट रूट्टिवयत्वरेट.येनाया कर्ट्यायायाय्ये केवान्ट्रा देनपायत् कर् मुनेद्रदेशाद्र रायध्या मृ.ज.रदेर्यत्र. ५२.रदे वा त्रिक्ट वार वेशया का. व व्यवस्थ चारें की की त्या की वार की किर किर किर किर किर किर की की तीर वेद की ती ता की ने की र्दरक्र क्रिक्स एक् के नुरी विभयता बाधुवाकु. ट. क्रिन्री र्वेश्वर अरवया ब्रेजके नुरी र्पर्यात्रकुला हेर र्वायाम्। देशका के वाष्ट्रेया वाष्ट्र । केर प्राया प्रमान कु पर नेरी क्रिकान्यान तिता क्रिका क्रिका र्वा क्रिका क्रिका मा.मे.परेका रिराय तार शुक्तिर्यम्यः ता मुलयास्यर्वेषष्ठ्रपर्यः न्री रम्भिष्ठवर्वे वार्षेत्रायाम् । यो रार क्रियाक कर प्रयासात पर ग्रेज वह स्थान हा केर मेर मुरा र प्रयास अव के ता र्रेट्र.रेत्ता अश्चेश र जेवंशय क्रिया आश्चा प्रवासी प्रवाहित क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया इ.स्ट.क्षेत्र अ.श.भेंत्रत्र। दर्ताय तार् क्रियाय पश्चा मंद्रता प्राचन विद्यालय इ.स. के.स. यरेट रंगए वरेर चाहुरा क्या रुद्धा लाईपार्य मार्गरी सूर वर्षा ताप्रारेवेल इ.म्.स् इपरीलर.ब्रिश.ब्रेर.र्यायाअरा श्रुरायात्रेत्रेत्यात्राता येराय्याव्यात्रात्रा

पार. कुरागुरी करामर बुरवा सामा कुरवा कुरवा व्ह्वारा वसेता मध्याता वर हो। मूर्यः त्ये । सुत्य वरीः सुरुष्ये । चयुर्देरसु जदलक्षिणुरी र.प्रत्यावायासम्भयातास्रोती सुर्दरावार, देव्रि. जैवायाता लगानितान् न्यानात्रात्र केत्र देशक्षित्यात्र देशक्ष मेर् क्रियान्त्र क्रियान्त्र क्रियान्त्र क्रियान्त्र क्रियान्त्र यथाताक्ष्यः बी.पा.शूर्वा के.रवद्यार्थारत्युः बैर्पड्युत्री अत्त्र्राजमात्त्र्वेराण्ड्री रत्त्वा च्रिया वृत्त र्मेत्र महिलास्य अरेवः अर्डेरी र्यामः क्षयाः वाद्याः प्रत्यो। याद्याः प्रदेशः म्याः वाद्याः प्रदेशः 3 अवा। शरामारात्र रहारायात्वी वयातावर्द्ध मान्नित्रेयात्या वयातात्वी सेयात्या लेंगालयंगलं हैंर्रर्रार्था केंग्रह कें पविद्यात राजाक्ष्यक्ष्यं रद्यात्वा अरावश्यात्रीद्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वा र्तायात्रात्रे केरामान्यात्या विकासम्प्रात्यात्रम् म्यात्रे क्षेत्रम्यात्या श्चर्रारम् स्वाविवास्रिर्याण क्यायास्यर्वेश्चर्यास्य देववास्या देववार्यास्य ्षिली कर रताय. क्षेत्र मध्य अ.क. पट अविवीत्री वाष्ट्रालाक प्रापटा क. केवल हरी एई. डिलामरेश आशायवीया क्ष्रका कर्व से प्रकृति में विक्र मे उत्तर क्षेत्रका कु बा.कर , करेर ज़ कुला रेखला केषेत्रा वलका जंग वाला किला हा ए. बाले र जिले जेंगा री सं. भी. वश्चे योतिता क्रिया कर्य है। विष्युं त्रिय विषय विषय । यह संस्थित विषय विषय । विषय विषय विषय विषय विषय मारेशाम्त्रे हा हैर हा विदर्श में वर वर्गायाता अवावी वार्षेत्र वर्गाता करा परतार अध्या मार्ट्यात्रा न्याच्या विषास्य मार्ट्यात्रा न्याच्या तथास्य विष्यात्रा मार्ट्यात्रा क्रांभाद्वात्रा क्ष्रेल्यु हुल इर. १र. १र. १र. १र. प्रमान कार्य माना महिता है। के राम देश कार्य मार्थित मार्थि

श्रिकाक्ष मार्थर भारता मार्थिया मार्थि

क्रियाश्वरायतात्रात्यवेदारः। रवी.पा.कर्रयः वाल्य वायत्यरः मृत्या वाश्वरायः स्वरायः मृत्या विद्याश्वरायः विद्याः स्वरायः स्वर्यः स्वरायः स्वरा

सेन्यातातात्वावनवराक्षात्रीया क्रायवात्रवायास्त्रियाकरात्रवा श्रीवायरात्रायासराम्यवाता ब्रिट र्जवाइ.व.ध्रुट्ट वर्षेत्री अध्यत्महैयाक्च वर्षेत्र प्रवेदाता ट.केचशक्या थ्र. र.केट हैर. क्षेत्राज्ये कूर्यायवात्या रहा यवचायपर्यायर सिरायर्व । नेवा श्रद्धा वाश्रियाय में भारत करे। में लेशना बड़िया पारायूर समें थेशरी सी मा खुर्ड सर रे बार में मा पा अपरायर्गाथवारेटवारार्भाता अद्यक्षिति वाहरेकवार्मेवार्भाता क्रियहराथवारेटवार्भाता प्रा ट.र्ज श्राप्त मूर्याला अत्र में र वर्ण लावी कार हर के बहुता मिला मुंब में भारा र तार में कुर के ने वर्ण श्चान्यालयया श्रीयाकुदार्ष्ट्रात्यन्याहेदद्रन्यायादे। यद्यद्यस्य स्थित्या नी विनामित्या नार्यन्त्री, मार्थकार्यात्। टर्निश्चार्यः भी पात्र्रात्यात्रात्रीत्। द्रिश्चात्रात्रात्रीत्। व्यवभवाषा हेन दिस्तर्यत्याया वर्ष्याहेन दिनुस्वन्य यथा थेव हेन दूर्व से दक्त प्यूर्ण हेन ज्यन्त्राहिन । श्रेनः वनवायायार् कदः वर्षवन्त्राहिन । महितालायर् कदावन्त्राहेन ह्तानहेशह्याना श्रेमाह्या गलुमा व्या ह स्वार्थित हता त्रेम स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स उक्र रहेग । से ग्रांवर्ष्यारेश वर्षर वेगरेग । अस्त्र ते ते ते त्यारेश रहेगा वंगरेग । दलमें नायुष्टिकालामुद्राक्त कार्याम् कार्निक्षाम् हिन्द्रिकार्म् मुन्यम् । इत्र क्रम् मार्थिन वीवायाम्। महतः भर्मा महतः वर्षात्रात्रेया वस्त्राया वाता वहार्स्त्र वातर्द्रेया सहद है दक्षाता ने क्षियां केर वर्ष महिमारे वर्ष रहामर् किलाम्ब केर राम क्षेत्र वर्ष वर्ष केराने वर्ष करियां वर्ष वर् क्रिट्रेशकु.ल्ट्अव्ट्रथाल्ट्र याल्या यारमान्त्रात्राक्षकिट किलाध्याक्षाता ट्रेक्ट्रियतहाः 7. dis. (4)

वीश्वाक्षाक्षाक्षाक्ष्यक्ष्यात्त्र, क्षेत्र, क्

म्पुटी स्वास्त्र के स्वास्त्र में स्वास्त्र के स्वास्त्र

क्यात्त्यावर सूरी जगर वर जर जर क्या कर र्या अपरी रज्ञा वर त्या विव या क्या का वर्ष या यूपारव न भीषकी यह कित्यारा कैट लाखन राज्य राज्य से च श्रेष्ट्रा ये लेखाया के प्रकार में विश्व में प्रकार के प्रका इरी बारेकार्यात्वर्ष्येत्यालयार्वारी दर्दर्गक्षिक्त्याक्ष्ये अभिन्यान्यक्ष्ये हरक्षित्रं कारम अन्द्रमा मार्द्र वाक्ष्य मेर्टा वाक्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य कार्यात्यक्षेत्र। स्त्रवयात्रेवात्रीयात्राहर्ष्यक्षात्र। वयम् तत्रः द्यारत्त्वा गहेवात्र। मेहः इन्स्मिन् एकरस्य में जुरी सेंग इन्स्यालय रेंचच जुरी कून सेंद्य रेंचल स्वास्त्र मीर के अध प्राच निर्म में माना में अभयावर वह अधायायाय है। या प्राचीर महिना में मिर प्रवेसाय क्लासावधुर्धुदर्द्वण बराष्ट्रिद्धिरक्षेत्रक्षेत्र प्रवद्ग्ववस्त्रिद्रायम् क्रिया विनानि सिर्यत्ये द्रात्या द्रात्या तस्य द्रार्या स्राप्ता स्रापता स्राप्ता स्रापता स्रापता स्राप्ता स्राप्ता स् रवाय कुरवरण शुक्र वरी वन में वेवानए स्वमहरा वंवानवर रिक्त वर हर इं पर्वेवी ख, या क्यापर्रीय के प्रमाणा कारर्वा कार्या कार्य के वह दिला प्रकेश मार्थी के के किया थे रर. भरेशमासीलाक्री कुरारातमासूर्द्ध मालक्री रे.र्ट. कंशमायावेशमार्यायक्षा रिस्टर्पक्रिट. कुक्री तथी पहल्कि है जारके किए तूरी के एक लूटल कि इक्र मुरी सैबाल कुष्टिल रवल हुई ली जैस्मार्थेर्यत्वतात्वतात्रदेल्या वहुत्त्वत्वत्वत्वत्वत्वत्त्वत्यत्त्रत् र्जात्वत्वत्त्वत्त्वत् पत्र.रे.ची.पर,केर.सरपाला गिक्रमाष्ट्रतार्थ.सी ची.रा.पा.पार.पाजा.रेरी ची.वा.पी. क्रिया लाम् तार्थर देरवा मा श्री रेश लेवादा तार्थर देरी इ.इ.स. श्रीटल क्रेटल देरी मिट में हमरकार केन्या भी में मुद्री केन्याचे रहः अनाय न प्रक्रिक्त किन क्षेत्र केन्य केन्य केन्य केन्य में में में किन क्षेत्र केन्य केन्य क्षेत्र केन्य कार्य केन्य मुक्तिर्देनिधे ग्राण नगायम् रेन्त्रे के मिलाई। इन मिला है राजिया निस्ता मेला रापरे मर्जि में शुर्द्धरावर्षेट्र एक्स.व.शुर्वेद्वत्यावी श. हेर्ड्ब्यरात्रिया पासेच । कूपक्षियापडिरासेव बिटा श्रास्ट्रियालियात्विया विमान क्रिया विद्यान क्रिया मान्यातिहरी मान्यातिहर है। दे यकाराज्यात्रेथाकी काक्ष्यतिकात्रेया अभी क्ष्यतिकात्रेया अभी क्ष्यत्यात्रकात्र्य कर नाम्यान्ता रत्त्वास्त्र वर्षक्षेत्र दर्। रया वर्षक्षेत्र पर हिंद्र पर हिंद्र पर हिंद्र पर विकार मारविष्य सेवलान्त्री क्षित्रीराणाचिवायातपृतियो विमक्षेत्रेत्रक्ष्यवातपृत्या मृत्या अपराह्ये लर वर्षे वाल इरी व्यावस्ति क्रियं वे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे विद्या है त्या है त्या है त्या है त्या है त्या है याल्यालक्ष्यालायक्षित्राच्या रवात्रियास्य स्वाहरक्षेत्राम् । वियायत्यत्य 5 041 इ.सेलक्ट्री वारेससर.च्.इरेज्यु परेवाज्यी क्रियरल्ये करायारी मैचा.वि.च्. णमात्मकाला ता पर् बीमातपु के रू. कियार्विमारी रेमवाहिर मुध्यार्थित मुक्ति पर्वास्त क्षात्रमा क्षिता भ्रामायतायत् भ्राम्यायद्भात्रम् । द्वाप्तायत् व्याप्तायत् व्यापत् व्याप्तायत् व्यापत् वयापत् वयापत्यत् वयापत् वयापत्यापत् वयापत्यापत् वयापत्यापत् वयापत्यापत् वयापत्यापत् व रेबालाना ना एड्झार्चीर अपकृतिकार्ताता रेरताताला वार्रपद्वार्ट में संस्थाल कुरा सेवासरेवासर्यामा लूटवासक्त रेंगा डेगा डिया त्या हैर सेर अभावा

52.

र शि.श्री

3. 两天成

4केंद्रक्ट्र देवां केंद्र

7593 ज्ञात्र । इ. इस्रोजका. ने ने रेबाए क्रिये। रेक्स हे वस त्वार देर से से से वस किर वस वा स्था से क्षा वस व के. गरी द. तेत्र भारत केरे ज्याप्त अपत्यो। रेनप केरे प्रचाप रेने खेराना जायक्या । रे. मुनेपति हैं के श्चर्राम्यास्यास्य राज्यस्य विस्वार्वान्यास्य विस्वार्वान्यास्य विस्तर्मान्यास्य

विराधित कर्ता वरदेरधिर के स्वास्त्र किर्तार तिरा वर्ते रही कर्ता कर कार्य त्वां वार्क संभू ए.रब्र्या सर संवा मारहेर्या वर्देर्या वर्देर्या वर्देर से तर्वेदा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व सिमर्यः यर्वातिमः र्यक्रंत्रापुः क्विवाया चर्षः जामरः र्यूम्यत्रुमः मुन्ते । र्यूम्यस्य पास्त्र क् इर्द्रायम् नत् क्रियोया वर्त्याची द्वाया ता मृत्याया क्रिया ने वा निया ने वा निया ने वा निया ने वा निया ने के. लूर मुर्च अवार ता कार वर्ष दया है. जैसे वाधुनारे बे, हैर कुव का स्ट्री बाज़ ररिटे कर र की प्रामक्षे उद्ये व रेटा हार्यर में सह्त्वर्याक्त्याक्षिया में यह दर्दाक् वह दिस्यातम् वास्त्रात्माया के में या विस्था मलमायश्चरक्षात्म क्षेत्र (दा श्वीर याक्ष्या वाक्याय वाली रामश्ची दी यथ्य यावर वाली श्वीर मं अर्गेनेना, स्वायम् द्वाद्यवाह्वात्रेवद्यायम् वर्षायतेवत्यस्य अर्थेद्यम् अप्यम् न में रेक्टर विवायरियये एतर हेलव आयार नेरहर यन्त्यायरेवया यरि में वरियर वर्षा मित्राहर्दि श्रीति वात्रातामात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा

. व्यासितःक्रार्डिरमः स् सर्वता वाक्रमःस् स्थाने वाक्रमःस स्थाने वाक्रमः स्थाने वाक्रमः स्थाने वाक्रमः स्थाने र्तात्तर् बुद्रकारायता प्राण्ट्यस्री एकगमम् में गर्टेट भेषी रंगत ह्रियावपुर विद्रकार्य चया मासितार्श्वे कावए उत्ते के फेंचरता सिवयमुयविता है। वर्ष वास्वास वर्ष वास्वास रभम्मत्री पर्यारक्षेत्राचर्राच्यान्ता केर्वाचार्याराष्ट्रधानामा देशान्त्राच्या या क्षेत्रवरित क्रवर्यायया गावतत्व्यात्मा क्षेत्रक्षिक्षेत्रका हेया नेयास्य नाया हेर्रायम् रेर् में चर्वर् भरे दुनमा युवाकेदावर्गनाक यूक्र देश वो लरकुल सकेवा रामुदल यादे युवा नियादायात्रवृक्ताः अर्थेद श्रीवर्गार संदीकावे रिक्रीयावता वनुस्यति के श्री सकेद निर्वायदेश म्रोर्थियते स्वीत्वविवर्षे र वृद्दः। दसर वर्द्द्रम्या यात्रेया स्वर स्वर स्वर्था वलस्य र स्वर्था माना राम् अञ्चलक्र महत्याला कुरें कून्याय वर्गर बर मेरी कुरें अञ्चलक्र राम्रें रेम्रें रेम्र र्ग.जालकाश्रद्भविष्माक्षित्वात्त्रात्वात्वात्वा देवाचा मित्रात्वात्वात्वाद्भविष्टि केरे सही वाडाचात्वात्वा बरारम्यलक्षित्वकारद्वी निराविवाद्विवाद्याताताता वतुवा तर्मेवातक्ष्यात्विद्वीद विवायम्भरत्। वमानेद्वीत्युव रदः शुगानेव व्यापा नायात्ये र त्रा वायात्ये र त्रा वायात्यात्र र त्रा वाया प्रकृत्यकामा गरीम सेव कार देवा स्वता कार की तर्या प्राप्त के प्रवास विभावी वर्या से प्रवास के प्रवास के प्रवास रदास्वाने वे व्यदा द्याता वावित देवकेवा वाये रयाकी ही ही रावे के राव वर्षेत्र यते द्या > व्युद्धवतीर्युद्धायायात्र्यमा अवगार्यक्तित्रेवात्रेवायात् श्रीदार्गार्ययाः वर्द्दानायेर विवा त्त्री क्षित्रीवर्षात्वाताल्द्रीयाती सम्पापर्वेशास्त्रम् रेद्रे रद्रवित्रपे विश इ.स्र.वेय.त्रा लट्ट्र्यूरातिवासहिटायावातव। त्रवास्त्रवात्रम्यास्त्रात्रेया दर तस्या मिश्रदे राष्ट्र पाया मह्या पर्ये । क् हींद्र की मूं या स्था पर्ये । मूं दर्म दर

150 64. यूर्मा चुन्त्र) रम्भवयः मेर्यास्य मेर्यास्य । राप्यूचरा वस्रामायाः । विष्ट्राम्यायाः वाक्रेर्म्य क्रियाः विष् श्चरायम्याधित्यास्याम्। प्रमृत्याम्। प्रमृत्याम्। क्रिक्त्याम्। क्रिक्टराम्। क्रिक्टराम्। I pais. वल्त्र। वाश्रम्भ्यत्वर्यः त्याद्रम् वाद्रम् वाद्रम्यम् वाद्रम् यसिद्धार्या मिक्युर्तिर्धारक्टावस्य केरामविद्याला कर्मानविद्याता राष्ट्रहेर्द्रिया रिसर्प्याकर 3 32. त्रक्ष्मं दर वश्या संक्रमं केर क्ष्म विकार दर्ग दर्गा दर्गामालया. जाया अहर देवी याक्या केर्ये. रता. मुं चेवलाय वर्षे। किर क्षेत्रस्त्रविकाका तप्रदेश तर क्षेत्र। भाष में क्षेत्रस्त्रेत् मिन्ना मिक र्यार विमात स्मान्त्र मिन्त्र मिन्त्र विभा द्वावर विभावता विदान विभावता विभावत लद्रदेश्यात्य्वास्त्रः वयवत्रात्वस्ता द्रवा द्रवात्रात्यात्र्यात्र्यात्रात्यात्र्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र यान्यात्रीला दे.ल्. याक्षिति सर्गात्रीयला र्टरवपुर्या प्रमा सम्रह्मा सूर्या सूर्या क्र्याज्यवात्रज्ञिला ध्रेत्रात्रके पर्यात्रक्तितास्त्रीता वास्यालास्त्र पात्रत्यात्रेतास्त्रा मक्रार्गर्म्यानारार्ग्याविया हिस्त्रास्य हिंदी की शाना व्या के वहा विवाह अविवाह कुला ६. वर्चे लेस.श्रुमायण्यकीरी. चारेशाच् त्रे.श्रु हैट.का.अपु. है। चुल चलक्षे द्याप्त.हे. Sgrain. लाय। रे.रेट.अ.सर्भन्य.पर्.ह.स्रेर। र्.स्. लय.पा.जव.के.म्रेर.क्य.इंग्ड्र.डॉ.र्.हेर.सर्भा (वहलया नावनायर द्यतः वर्र द्र वर्षा मुंधिया हु वन्त्र के स्रेंद्र भा चेद चेद हो र ति द स्रेंद्र स्रेवता 795 चरि.ध्रें हा वेतु तक हैं वे ने प्रति वेते वेत का का प्रति के व गत देव के व व वेत की व तार्वास्त्रा त्रेवातरायह्माधीराश्रदक्षितात्र्राध्यात्वात्तर्धिताव्यास्त्रीत्वात्त्ववासर्भरत्रा राम् बीट.पर् में त्राय कुरा केंद्र जिया अक्रिया दया कूंच. कूंच. कूंच. जूंच. कूंच. ता. गूट कुट कु. जू या बट पर्वेच कि कि. व. धुराक्ष्यत्र द्यात्रर्त्याणवात्त्रत्यात्रत्याव्याव्यात्रात्यात्र्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या Tage" ते बात किर अवभाष्टिया ता का जा जा जा की जा की जा की कि का जा जा जा की कि क्रा की नि 14.श्रीया.जा.पर्येत्रात्तर.क्याम्रर.ट.करेर.यूर्वात्त्रया.जाराय्याः विद्याःक्या ।र.म्युर्वेदःतप्र.इर. जियालाकु विलक्षिण चए इ. इर इर इर कि. पर् जैर धरणात्रा क्रानिहरीर है। या वाला वाला वाला हरी काला वाला रही या व्यक्त विवादम्ब अकू गार्स गारीया अकूरी वी अकूर पारे पारता के सूर्य अअकूर। अकूर मारी अकूर मारी अकूर वर्तरात्रात्रकूरी ज्ञान्यम्त्रीयक्षित्रक्रदायमात्रीयाता यातर्यात्रात्रात्रात्यात्रा कर रैया. जुरा. युक्त अर्थ ट. करा र रेया से दाया स्वर्गा नाया ना पर्या र से या गर्र र विवा गर्र र विवा गर्र दर्दर दर्भ में भाव। तार विश्व हर अर्थ रे व के देवता वि विष्य में वर्ष देविया वर त्रध् अक्ता र श्रीच राष्ट्रण वर्टर अवर देशल र डे,र्गेचित्रा श्रीवर्ष केता की प्रथित श्रेंबर्नेद्री रूट.के.र्यार. त्यु. भर.वी-विश्वता रूट. तील अहुट हिट. वील अंडेर विश्वता

- रूट. इं. मु. सूर वर वा श्वाकी रूट है कार्य पश्टर कूंब लाव। क. में व वा श्वावसूर भट कार यास्त्रा रदः द्यात्रवर्षः याद्रेशास्त्रवाः वशा वरः देशीः वर्षत्र्यायः स्त्रा स्वराधाः स्था विश्वक्तान्त्र । वर्षायति वर्षायति वर्षायत् वर्यत् वर्यत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् वर्षायत् पर्नण हे. दर हे मूर्र | रिवयर पार्यायवर्षे पा शहराय के के किया भवना मार्गरावि अर. त्राप्ति ह्यावेशा किरा त्रावि वार्गात्र वि वार्गात्र वि वार्गित वि वार्गित वि वार्गित वि वार्गित क्री ज्या.रेवाक्श्रिकार्यात्र्री रत्यारवशः केर.क्रीम्य्रीया प्रवेशातपुः के.स्था र्वा. के. वस्या वाय्यरदाधिके कुवा वारीमालूरी द्रायः वर्रेर केवाञ्च विक्रारणा हिट र् वेच चर्च में में का प्राप्त वा नियं में वे प्राप्त में के प्राप्त में के प्राप्त में के प्राप्त में वेच प्राप्त में वियं में प्राप्त में विवास में वि र्तेत्रात्रात्ते वाकुरात्यमभावकी देर। इवाएसिएड्स.इम.इम.कुणा देनपालम् वैर देवरत्ते वार्यासेवाकावतरद्वात्राता क्रियावाद्रत्वभवत्तात्वरत्तात्वा वाष्ट्रवाद्यात्रिकात्रेवत्ताता द्वात्वत हिर्म्य सामियात् वरता मान्या स्वित् रिवर मान्द्री वित्रमान राद्रमाने तर्गा है। वर्गा वर्गा यम्रदेशहर्त्त्र म्. नूरे.पा.वर्षिती अम्. पहूमा करणा कि.र. व.पा वाली पर्वेचा रूपे भूप र्र सेरेरेरे र्डरर्सिसहरम् रीकाम स्रेवाला चरतिर लाटलातपु धर्वाभाषात्रेला व्हणस्य स्रेत्रम् व वर्ग महमारी चर्चरर्थात्रदान सदायाद्यामा वर्दामावरामेवामा रहित्यराव्यातमा वर्देश्येत र्वेष्ट्रव्य ला.वे.राजायार्थरार्। वाचलातिवालव्हरमें बीटालकर। लाजा नाक्रमकी कुरातार विस्तार विभाग किर्याम् मार्थिता के प्राप्त के प क्टाकी वा सामा हिर्देश मेरी हिर्देशमार रमत्वर्रितर एहेरा श्रे हैं। श्रे हैं वा बहर पाने के में रेटी -द्यात्मु वस्त्र कुण यावतुका लयतित्वा तदि तद्ति विश्वसारी कार्यदासुका कदा देद द्या के कि कि कि कि कि कि म्याता वर्रेतितित्वित्ते क्षेत्रत्यगात्रकात्रात्री शर्यात्रत्यात्रात्र्यात्र्यात्रीया वर्त्यत्रे म्यावन क्वारालुद्री रत्त्रवृश्वाक्ट्रायातिकाम् नुर्। क्रूर्रवात्त्रः जैवारा अर्द्रता पुर्वेष त्रश्चिया त्वाताता च तो त्रीया त्या देव त्या व त्या के व ता त्या व त नाया रह के याग्र में में जा में जा थे। वे वर्ष म जीवा महति वर्ष में वि के वर्ष में वर्षेत्रयित्ता वेवातास्याकेक्षणात्यारा द स्वास्याकेक्ष्यक्रद्यारा वावसतास्य केरल केशली देत्रमुक लाजकार जारेदा श्रेस सूर में यूरा प्रमाण कार में बा के ब्रांज प्राथ प्राय पर त्या वर । र प्र किरकी ताप्त हैं तार्त र विश्व हैं वर्ष हैं वर्ष म्बेशली अवत्रात्मवात्रे.कु.च.ज.दी रमवार्त्त्व.क्र्यात्रम् व्यात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात् रिमर.पा.पा.मर.क्य.मुरी ज्या.की.की.काक्या.हिम.परिया.जुरी हैंट.की.का.काय.बीट.मेंबेनपा दर्भर अभयाकी वया अष्ट्रेर हैरी यर वी. श्रे. में हैं जा वर हैं में के के में में में पर वी रमग्रेद्वरेत्रे केर्यक्षान्य व्यास्ता सर्वा स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्वराह्या स्

्रण्यात्राध्वसीयालायम् दे। रनपापर विश्वत्याल्याल्या विश्वति देशक्रियाले देवाले में वाह्यावां वे ले हर श्री र मुत्रका । क्राया है मुत्रक्ता द्यान्त्रेरानुर द्यत्याम् अद्भार्य भी अद्भारा वान वान केर ने द्या हु में द्या हु में द्या हु में द्या है भी द्य रम्भारमान्त्रित् मिद्राया में स्थल हे हेर मेर तर अइ. व में भार में मुन्ति राय व में मार्थित सम्मानद्वा रेन। वकाशावयक्तिना वावितामाना मुन्दर्वातस्य मेरावदा महान्तिवाहवामान्तात्व का कर्म कार्य नाम करें वाला कार्य के कार्य कार् क्षेत्र वाखलाताला किवालहेबातिय क्रावरत्या वात्र वीर स्ववक्षितक्रादी यह क्रास्त्रादे गर्भः मर्काना द्वालाविक्वावयः वर्षेत्रः वर्षेत्रः क्रियः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षः भावतः द्वाक्षेत्रः वर्षः ट्रे.कुम.सूयारदाम्, हेवा. बुकर.ता. मुमाता. पश्या. कैया. किर. तर क्षेत्र. वी बि. कूर. व. कूषेता. टका. तै.लु ५.र करण शि. बर ५.ये. पर . की. पर . की. येड . की. येड . की. क्यानित्रीत्र है। या कालाकालीर मेरा कालालाकालालीर मेरा विरावित क्वर क्रियास्त्रेयात्रया त्रिमक्त्रा कर हिन्हिन्द्र प्रतासी वानवाति या रविवाया वायवाता वायव र्वायातित्रावयायव्यूप्त्रवित्राक्षी वर्षात्राचक्रियाक्षित्रक्षित्रक्षित्राच्यात्रा वरत्यात्रात्रात्रा जरूरतरम्ब्र । देवलरजायवक्षाता अयर्भक्षात्रम्भवाव। श्रीरत्नेवामब्रद्धक्षित्व र्टी र.रेट.ट.ट्.स.स्टारी केट.क्र्याताके.म.क.वट.री रेमूचा.यामें कीएतिय.पानमा भावपालक् एतिमाक् क्रूबालाई मा रामक्ष्याना नामा नियम् विकास ने मान पर्मात्रहाने लक्ष्या द्वार्ये क्रिया प्रतिकार क्ष्ये क्रिया हा त्वार हिन्द्र क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया लाना को लम्बी ता राष्ट्राय पर्द्वालाना देनत वर्द्धा ही देवा वेवता हीवा ववा पर 3 Langhas (के प्रकादकार्य) देनवार त्यावन हैं त्या के बेते के एवं के ते हैं। के व्यवस्थर पर र्यार.सर.स् । यादमामायूर्किरवाक्रिया क्रिमाक्रायमायूरमा भिमाक्रायमा यक्तामर्थःसर्वा वता सर्वास्त्रम् । वता सर्वास्त्रम् विस्तर्वा त्यास्त्र । द्यास्त्रम् वित्यवा स्त्रास्त्र वर्षक्राक्ष्म, भागक्षाक्षण्यात्या क्रमान्य प्राचन वर्षात्र भाग्य भी देशा भूमता शुर्भाव तर्षे सम्मान महा का नार्व प्रमा पर् नार्व महान प्रमा पर नार्व प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान म्म्यान द्वार्यात्मा वार्षा वा किर लारकार क्रिक्ट क्रिक्त विदेश विदेशका विदेश ्रकी भक्षाचरता अध्यात्रक्षया एह्रद्रवात्रवा श्रीत्राचात्रक्ष्या प्रचात्रात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्र । क्रि (अव) वर्षा (१ दि. ए अप. ८. अर्थातर केरी जया कु पर १ रू. है. रे. प्राची श्रीची ता चार्टर मु किया परी विद्या विवाल क्रियान्य दिवालय विद्यान्य में विद्यान्य में में में विद्यान्य में विद्यान मे क्र. में अता तीयार दरी इश्वा इर इर वर्ष पर केयर था भी र वर्ष ने बेता भागा भागा श्री त्यू वर्षर त्या त्या त्या । त्रिकर वश्या अप पटवा त्या वर्ष वर्षेत्रा त्या त्या त्या

म् व। यानावे हुर ताम व्यवतिय । हैं में बीट वा ही वा तात्री। द्वता वहर की दावा वहर की दावा वा क्री.मेलबेटणत्त्रं में में में हैं हैं। बीटत्यमर्ततप्तिरे क्येट में बेट में के व्यापन में यह में विवास वरता गार्थवयात्र मात्वस्थान्य । सार्थायु वर्षा देश के वा हेरा । तर् ता वाक्याया भरवः वला तिवामधूनरदायह्य हुना हुर। शुरमालकाई शुला हुर। हुमहो क्या महक्रमाला क्रार अव अन्तर्भ तायुक्त वायुक्ष व्यायुक्त द्वा मुद्दा मुद्दा मुद्दा के त्या क्षेत्र का में का में द्वा में का में न भारकाष्ट्र, दिया पालक्रावाता है। रेल्या करिया के रिल्या म् बिर. जर्मे विश्व रिश्व अत्र अत्। वर देश मालेय अ विश्व वाष्ट्र वा अत्य के विद्या में मंत्रामर के प्राप्त के में के किरामिय किरामिय के किराम मुन। मी.त.येषायकुर्विवात्त्ता पह्यायन जैवन सून कुरा पह्याय। देश्यापह्यावा रवालिश्रियदम्या अद्या श्रुकालर केटला मिर्द्रक्षम्यवया वाराता वर्द्व देशा र्यम् वयाक्राम्यावान्यत्रिता दराहरक्वाता त्ववायते द्या मात्रवास्याया क्रिक्ट्रात्रपु सरक्त्रापववर्षे लाग् वासतायक्र्रात्रेयात् के सर्रा रे से सर्रा रे से से क्रिक्र प्रतिस्था मुत्रा दे में द्रवाशायत वालपायपायण के कु कु में प्राया ए हें में जावा में दर में जिला मह्ताक्षित्री यामनावध्यम् वाक्ष्यक्षित्व क्ष्याक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य विद् मनीमास्त्र अलगुव देशाधीया देशीय दमारि हैं खुकार दे। के श्वायुकार परि में के से क्रक्राव्यात्मक्रः इसामेरी देवलक्षण्यात्मरक्ष्याम्भा मार्भरभाम् वर्षे रवद्या वर्त्री वर्ष्यात्रायात्यर तर्मात्री विविद्यात्यात्र र व्यवतात्रीत्। क्रेम्यायात्र भारत्या वर्ष र्माम् द्रमाधीया गाम्यादरर्भित्रिक्षण्या कीया स्दर्वेयायते लद्रके हिरी घ उर आई वर्षेट् प्यट ले हीला दब या हुर में दर गूल ला। वर्द हुन अपने एक द हुन ने क्षित्राश्रद्धर्वात्र्रा हिस्स्य मार्क्र मार्थ्य मार्थिय व्यवस्था व्यवस्थान्यका प्रमानिकार मर्रवनायत्त्रीये अभाक्षाक्ष्या प्राचित्रायर्थियायर्थियायाय वित्वायर त्वित् हिर्देश देश देश करणा कर बेद में दारा केरा लंदर मारे में में किर वे लूर बिर लूट दें में दे के ब्रेट दे में अप अप वा बेद केरे रिक्य से रिमया देगार मून्त्री मार्जूद आ समार्जिद आ मैंया विभय मार्जूद कूँच कूँच लायूटी ग्रायाः मान्याः व्याप्ताः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्राव्यक्षाः वर्षेत्रायः वर्षेत्रायः वर्षेत्रायः वर्षे कला ज्याहिस्ट्रिशी कियानासुरहरासुर वसूवर्शी क्रु. गरे. केर. बेर. वथा वीरात्यार वाता वाया विवा ग्रीय क्रे प्रेष्ट्र चार्य र द्या सु व्याच लर् बेर्पर्ये । ज्याप्तुवागुरा से स्थारेर प्रवेश श्राम्या नालर विर प्रवेश । प्रयाप्तिया गुमारहत्र दर तर्र एडिया चते श्रु ह्या तर्मा तर सुर्द र मार्ग चते स्थाय प्रमार्थर देव-अर-क्वर्यामाय केवर ब्रूट अर क्षर केव श्रे वा श्री वा श्री वा श्री वा श्री वा श्री नानग्रामालका रवाराम्ना पूर्ताहिकालहिकातपुः सेरर्वेषमानामावयात्वया रावाधुत्रद्वावाप्तेती वार बिर पर्र बिर कर्ता सर दे ख्वा अर वि खर मीमार्ड्रक्ट्री वयात्रामार्ट्रजा चीलपर्माया स्रेरप्टे म्यावियास्व पर्वापर्देशपर्द्रक्रिया

155 68. मित्रय. ण. भःकेपुः रवाक् सेर. त. ह्या क्षा क्षाया विवासे वी दराया राजा ह्या है। या से हिर सेव क्रिनेशल,रेश. चश्चाहिलात्मा किलात्पु क्रिक्न क्रिनरें रेंग लूरत्म में एट्ट है र उरम्यो। यी. जुन. त. हा. र्जून. ग्रेटवंश. जुने वीर. र्जून. महत. जा हात. जुनी रवा. पर्वेश माना ग्री. पर्वेश सरामात्वी वाला टाम् मी. वाला पर्वेश सरार्दरायी कुवा स्वितक्षेष्ठवा विद्वता पर्वे। टाम् न्त्रेय त्राहे में प्रिया प्राप्त प्रयोग या यह साह साह सामिया महिता महित रगर्यते नविद्यापेद। संस्टर्ट्याने अस्य नराम् भ्याम् भ्याम् स्टर्श्याम् अपेदर र्रझ्झितात्रका शुन्तरतिर्धात्रह्यात्रका व.वेत्र्यूट.श्रद्धत्यता स्व्तिरअर श्रुरीयाता केंडिए चलर श्रेयें उर्वर अवता परें हिए क्र रंग गरें र अवता श्रेमावर श्रेट हर प्रत्येदेला श्रामध्येद्रत्यः म् इंकियाः त्रा वावतः अधुःद्रम् व्यव्यान्तिः भ्राम् । म् व्यव्यान्तिः वावतः वाव म्रमागुक्त इकामान क्रिया हिला कर्षा है निष्ठ क्रिया है निष्ठ क्रिया तहार देश क्रिया में क्रिय में क् न्द्राय्यवार्थे दरायदाद्वास्त्रेवाश्चेवाश्चेत्रत्वार्थेवाश्चेत्रत् वर्ष्यायद्वास्त्रेवाश्चेवाश्य श्रम्भाया वास्त्राचार्या सरमा सरायात्रमाहिनास्य । मेर्स्यराम्या कक्ष्या मिलास्यास्या किलदावत्त्रिक्षाता रिम्माक्ष्यात्रमात्रक्षात्र्याः विकासर्विकासर्विकास्य वीराणावर्थः र्द्रश्रेटायदेव । एत्र्यः कृष्ट्रास्त्रेमः एह्रद्रस्ट्रा । देशचः वालवा संक्रुभक्षः वालवतः वृदः लदेव। दर्शक्र म्बालायावाक्रियरेर। एक्टिक्ष्मक्ष्यद्याक्षेत्रक्ष्यद्या दर्म्यूक्ष्यक्ष्यद्या र.पक्ष्यमास्. व्रि.पक्ष्यमान् पत्रमापर्य ।रमक्रि.मंग्रं रामान्याता नेया विदार्य पर्वेश मायाना वरा विस्तिवर्वरात्रमा वेरणा मुत्री वसमात्य त्येगात्मा माया माया (म्बर्स्स्ट्रेस्स्) द्याला सि.सी। कालाम्बर्स्स्बर्स् क्र. ठ. क्रीमानुकार् र । बर का क्षेत्रास्त्र में र क्री. ० वर तथा प्रदेश वा वे वर का क्षेत्र व क्षेत्र का प्रदेश र्रेट.भाष्ट्रभार्थ्या.व.तीया.तीया.लुरी यार्थेश्वर्त्यया.क्याया.क्याया. यूट. त्र्युट्युट्यू.ह्यूय. sharp विदेख जास् सिक्री यूरेत्ति वेजायायिव क्षिरी ररामा भाष्यिक कुर्या वित्र मेर्गा प्रवासित क्षिरी ररामा भाष्यिक कि क्रिया सियाअस्याःस्यायुराद्वादयायाद्दा सायति। सायति। सायाति। सायाद्वाद्वात्वावी सायाद्वाद्वात्वावी सायाद्वाद्वा 10 Thile भ्राम्ये र्वाक्ष्यर्थियायो याग्रानायः भ्राप्तायाः विस्त्रात्यः विस्त्रात्यः विस्त्रात्यः विस्त्रात्यः विस्त्रा मी.रमर.चानावाकिवारर.एरी कैवाररमधुःमक्ट्रतालिया। चानायात्रया केष्मा अधुव पात्रपात्रेची। प्रश्नित्वात् स्वात् स कर्किता राति रेटरेर प्रथिति हत्या त्राम्य सेन्य केन्या केता रात्र प्रकृत केता ही दक्ष विदेश हिता है।

गिल्रामा हार्मी में बारा माना -्यअक्ताया अर्थर्यते शुर्ति भूरत्रात्रा मार्थालासदी कालालां मार्गालां दर्शना वायल ही गर्या वर्षेत्र क्रियां मार्था मियल में म्तरमानप्रक्रामिका भ्रपर्वणक्रिच्युविर्वे विर्वाण से.वास्मारद्वा । मर्गार्दायम् र्गात्रेश्वात्रेश्वात्रम् स्थात्र स्थात्रिया । सार्थ्येत्रायाः मालाक्री केंद्रवामावरायाक्रायाक्षिता यारपार्रात्वेषाः क्रिअक्टर हेव। वेर् विश्ववान्त्राः एववः यते । विश्वाणाः वापार्गरः प्रकृषान्तरः वववः मतेथाता इंद्रवर्ष्यः इत्रावरसुवायाता वदः वरुद्रवर्ष्यकासते सुर्द्धः वर्षायः वरुद्दर्द्धः वर्षायः प्रदेशः विवाध म्यान्त्र हर्षात् स्रार्ग्स्या युवाना युवानास्य वात्र मुदा रास्त्र मुदा रास्त्र वात्र स्थात्र र्वाश्रद्धवारा वकुर्द्धा वार्षे वा श्रदा भेदा भेदा भेदा रे त्यादे त्याव र विषे प्रति हैं से वे हैं सा भेव। विभवन्त्राम्युस्यान्ते ताले तर्वद्वतामा श्रेप्त्वते वहुद्दुले स्ट्रियामा देवताही द्द्रार्थात्वत् द्राप्ति के ते इस्मा चीरार्त्र्रात्वरात्व्यात्व्यात्वेयात्वेयात्वा होत्यहरात्र्राचिरावरायमात्यात्वा वायावयात्वेत्रचेत्ररः उद्या विवासी विवास विद्याति के प्राप्ती मेर्ना विवास कर का विवास कर के का विवास कर कर के विवास कर कर के विवास कर कर के त्मा नीराद्याराम् ने वारक्षराक्षरादेश नीराद्यारम् के के वाक्ष्यान्य नीराक्ष्यायां के वाक्ष्यायां - म्योर्गर्भास्त्रेयक्षाम् दरस्ति सर्वा प्रवास स्टिश्या स्टिश्या स्टिश्या स्टिश्या स्टिश्या स्टिश्या शे ही दासेदारोस्या इ. तुस्यो तुस्य विसा विसा वास्त्या विकारी ती दे हुतेदस्य विकारो हें ने dancing इंद्रियंश्वर्रमात्त्रियंत्रात्त्र्य। संस्थायव्यवेशाय्यः हेदायात्मा सन्द्र्यात्म्यात्मात्यव्या डिर. हिर. हिर. जिर. किया त्या हिर. हैर. हैर. हैर. हिया त्या पर वार वरकर अपन वर देश। क्री अत्यवसायुक्त व्याप्तर ते वी वी दर्गार व स्वार में गरा पर देश। यद द गरा स्वार स् क्रिया के वास्त्रीय देश मार्थी वार्री वार्री वार्री के वास्त्रीय के वा . ध्र. त्या क्रिक्ट प्रज्ञेद त्या त्रा क्रिक क्र र्यत्वस्ति वियान्त्राव्यह्ताव्यव्याः । त्यानीर्ष्यानान्यानेना विषा क्रिक्यम् विषा १ क्रिक्यम डिलाक्षेत्रद्यु त्यामाण्य इर. भ्र. येमा रमया वि. यू. भर ग्रेग ग्रेग ग्रेग भ्रेग में वला हीया भ्रेग ये वला हीया किवायिकापर्याता, यीराता, हरी से युष्या मार्ग्य विकाल विकाल साम मार्ग्य दर संभयत्र वसमायाद्या द्वारा नामा स्वारामा स्वारामा समारामा सम 1 - प्रदेश क्षेत्रा श्री स्त्र हो च लाश्या के प्रच के के विषया के प्रमुख्य है। धते यर श्रीरामा द्वात वर्धिक केवा से रामा महर हैं वे वा तर रास्वा भा . मुंगमिर नवास्त्र शहरा यं संमयद्ये देश देश तहें। यं वात्रम वहंदी स्वावहंदी रे.च बेटा वानता. र्वाज्यां मुंचां मुं

UO 70 (अहणारेक्या) हूर.रट्डिलरट यु. मेंट. टे. लूट. । मुत्रलारेंग्ड.रे.व्यामाना केया.रे.व्यामा , र.म. प्तर्वशायदेवी, प्राक्त्य, वे.वायुका.प्रता जिलाकी, वा बेबाका कि.वि.हर, देर किरी सूर वचवात पार्टी. क्रि. व डेर. वर्. की वा वा धना वा वन का किर ही र. र. डे अवना । क्रा. मार्ड मेरे. हैं। ३०१ वास्ट्रसाराते मारे हार हरा हारा हारमे देशता है 2 कारायतः इक्सिर Start, र्चाय चे बालार्रात्य स्राप्त स्राप्त स्वापक्त वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र विवा प्रिया । द्वराष्ट्रवात (प्रकार क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्रमाण क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत् यात्रावर्त्रेद्रायदाका, लूदा केवातम्बित्रपु सेरदूर्त्रायदालूद्रवास्त्राच्यातेवात्वात्वात्वात्वा स्त्रेशः ए। 3 पर्यः ०। स्ट्रिमा हेरार्क्यावया त्यार्स्या द्राप्याहरा द्राप्याहरा क्षेत्र मार्ग्याहरा हेराया हिस्स्याहरी 4 दमकाहत्त्वते वदाद् श्री देश त्येता पाददा वा त्रुवाला व तरा वा त्रुवाला व तरा व व्यापा व तरा व व व व व व व व व १८.) क्ट्रिया अहमा अरे वामा प्रविधान हे . वि. परे . वे र वि द . वि र ते र वि द ते र वि द ते र वि द ते र वि द ते र water. क्रि.म.१ मीर.मी भीराजा प्राप्तराजा नुरा का.पी.जम्. जा.पुर. नुरा भी.जम्. वी.जम्म.वीर.क्रें रहेस्य र्गेट्यूनी यमान्त्री द्वायवीवायमा वाली, पर्वेद्यासे द्वायवीवाया कुवा सर्वेदार असूर्य मूद्रा द्वाय सर्वे र्वा. तपुः शहणाती याता दः रक्त्रः तपुः व स्रायः व इरापुना वाता द्रारः त्यापा सुनात्वरः यहेगाही महज्यान्त्र । हिर्डिर हिर्ज स्वाजिस क्ष्या के क्षेत्र के प्राचित के अहमान्द्री हर्डिरहराज्यान्यान्यान्या के मान्यान्या हिरामा प्रमान्त्र त्या त्या विकाश विकाश का विका विकाश का विकाश का विकाश का विकाश का विकाश का विकाश का विकाश क मक्द्रामाण्यियाः तक्या वदानी वदाक्ष वदार्थः वेदार्था । देवतास्यायायते विवास्य । विवास्य यातु. दक्षिणःत्रता अत्यादशाः क्षेत्रक्तिः द्वरत्यः कूर्। क्ष.क्षे.जियक्ष्यायाता कर केष्णा भारत्वे. 1 string of दर्व राष्ट्रिंदरा तरे लंदमवामायर्गे ये या के या देतप वर्ष स्वा के वस हो। है पारी १ प्रा इ. वहनार्त्रिकार. जा राज्यात के. जा इत्राव्यात ही द की सक्तरी इवार्त्र दे हैं से ने से वर्ष वहरी दर एक्रम् अन्तर्भात्रम् विद्यो श्रीर में त्यारायह्या श्रीर विद्यो प्रमाय विद्या से विद्या प्रमाय विद्या से वि श्री मार् वस्थाय से अस की चुर त्येत्र के कर तरे त्येते कुल तरे वा दुवर द्येत पति च्यार में ब. में ब. में व. प्रत्या में व. रामा व. प्रत्या रामा में व. में के व. र्वा र. व. इसका मस्रिकान वर ता तियत्रप्रत्री पर्ये वयम स्थान स्थान कर पा विद्यति रदारवदाग्रदी अर्थ्याद्यार क्रिया की वर्षाया प्रताप्ती क्रिया वर्षाया मार्थिया भी खेला वर्नित्रयुःसाता कूर्नुत्रानुसा सुरःसव मुरःनेस वर्सुर्यायद्री तासर्दिता सुर्था कीर्रार्थ है। र्व.चर्.श्रु.णम.पा.एप्रेर.इस.तरी सुनमास्य क्रि.मे.र्ट्यामध्यत्वी स्.मेनरे. पर्वेग:वराज्यस्त्रात्व ।र.प्रस्त्राक्षःक्षःक्षःक्षः वर्षःक्षः हुरःक्षःक्षःक्षः जिसायर्का यह हेर्की लाक्षरी यावकाम खेर वर्षेत्र देर यावकाली स्वास यह देयार

क्याश्वर्यात्राहरात्रे। केटाद्वामात्र्रम्यवन्त्रात्रक्षात्रेम्। देर्व्यद्वावतास्याः क्षाः व्यट्यत्वत् क्रवालव्यावित्ववत्यात्वायाव्यात्रेयव्यक्ता वदेवादेवाः वाह्यादेवा वद्वादेवा वाह्यात्वा व्यवस्थात्या संवयद्यः यह रदःस्थाना रहेन्त्रभाता श्रीटाप्नअदिश्विक्तान्द्रत्य्यावनमा द्वातव्याभेदावान्तराया लाव। कुंद्रक कुंतर वरकर अजा वर खूब । श्रीर मेर रेब्र अप वर खेब के अप वर कुर क्रिया त्यू भारत्य के प्राप्त के रक्ष देश वर वा में मान के प्राप्त र्वतः। त्रार्थः स्वार्थः वर्षात्रस्य वर्षा वर्षे रयवा हः सर्पात्रवा । त्रम्भात्रात्रः स्वार्थः स्वार्थः द्वार्थः द्वार्यः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्यः द्वार्यः द्वार्थः द्वार्यः द्वार्थः द्वार्यः द्वार्यः द्वार्यः द्वार्यः द्वार्यः द्वार्यः द्वार्थः द्वार्यः द्वार् म्यानप्रस्थान्याः स्थानस्थाः स्थानस्थाः स्थानस्थाः स्थानस्था । त्रम्भयाः कर्त्याः स्थानस्थाः रदाशहणाकी त्रांन्य का भारत्या में विदान के में में मान के में में मान के में में मान के मान क हिनाला नरस्वालन्यानुसाम्बद्धारात्तात्त्रीवाण्य्यानुसाम्बद्धाः यते तहत्ये खुराय दुः सर पहुन्देर नार्य रदददद्या भूगदद्वर लाभते अदद्या वित स्वदु एके र वर्त भे हेना तद्वभ म् यरे करकेमसंरववर्डरा देरेके खेंब ही रहिलासा खेंबरना रही केर पंचकर हेव ही द्विवलाभु वुद्रेते द्वीतायता कुद्रते भू दूरता सरायद् वते श्रुत्यो सुद्र रहेश अहर हरा वातु देला पड़ी वारे मिय है आक्रूर.र. वात्रवायाता केंचाना करा करा द्याना केंच्य दरा हणादेश देवार में देवया कर्य हैं वा - सर्विष्ठर। स्वार्युवारीयार्च्यावियावविवर्त्यास्यायित्राविया क्रियेरा क्रियेरा क्रियेरा गिक्रम्भिद्धान्ते। श्रीक्षणकातात्वरतास्त्रीत्राक्षान्ते। वादवा भारतर में रेदन्या मिनलक्स में ए यदम किस भेर व व दा में ए वर में में व वर में में में में में में में में रदा स्तान्त्रिरेग्राम्मुस्य सर्वेद्यं वस्ता श्रुव्या श्रुव्यावहे वस्त्वं वर्ष्यद्याता महिक्ता सेवास र्गर्यं क्रम्में विद्रारी वार्यातर्वकानायात्वेषात्वकान्त्री हिन्द्रवलकर्यात्वकायर क्रम्मेलम् ल्च्या दिस्मादमा अम्बन्धा सारदे साद त्या त्यानेता सर्वित विस्तर विश्वस्त्रीर के सकता स्यामार्वद्वाराव नीराष्ट्रिभावदेरा सेरासेरासेरासेरासेरास्यास्य क्रामते कार्यास्य केरादेश वस्तान्य केरादेश वी निया याष्ट्रविष्टुं तिया रियार् हर या याष्ट्र में यह वा में या में सम्मान महर कि में या यह वा में न्त्रात्यास्ताहीमात्रात्रमा द्वारक्राम्य स्वास्त्रमास्य राज्यास्य स्वास्त्रमास्य स्वास्त्रमास्य स्वास्त्रमान् द्यार्वास्त्राच्यावारमञ्जाला मार्गरमा अत्यारमा अत्यार वर्त्या वर्त्या हुर वर स्वायातिक प्रमाणा मुर्क्त्रामुं न्वराणमाना वरायमा म्रायम् वरात्राम् वरात्राम् वर्षात्रात्रा केर्जिस्य मुन्ना दर्जा वर्षा तर्रव्या पर दर्जाय रहिं मेर्डिं स्प्रेर क्रियत्री यरम मित्र क्रिया कार्या क्रिया कार्या क्रिया क्रि न्यर ता में व यति व सा तर् व द्या हे व सा व हे व सर मुन् व के दर या ते व स्थापिता र्वा.पर्पार्वप्त्र्युक्ष वार्वेश भारता वीता भरता केता महेता मुवा मुवा मुवा महेता पहिला देवा पा प्रमा विषय महिला मित्र मि रम्किल्द्रेयात्रात्त्र ए सूर्त्ता प्रवेशा पर् हिए वर् कालाय ग्रेग हि अत्ये प्रवेशायक्रीर। भूति विश्वासाय प्रवेशायात्रात्ता वाला सूर। वालीराम इंग्लिशायक्रिया प्रदेशायक्रिया विश्वास्त्र ।

マス 72. इंग्हेश दर. में हैं दर्भारदेशय नरेरे जा सक्तर हूर हैं है हो है या है या है या है या हो कार प्रहा है हरे। वर्टर इन्याम् न স্থা ব্যা 2 meg m म् ट्रायात्वर्वेष्रावयात्रा भेत्राचयात्रायः मध्याद्वर्षा वाद्वर्वाचित्रः श्रेत्या विवास उनव्येव र्त्यात्मर्थात्मिणावर सेट बिरिक्टा कार्या वियातियात् भीरामात्रवता इसक्ति स्ते में वी र्यात्रवता 4 Hite वकर। स्रीर रिय दूर की बीर अरेग्रेज्। स् सेना विश्व की विश्व सक्तरी स्रीर रेगर विश्व प्राणी का मुना श्ची त्रिकास मुद्राम लाया कि.स. लादा दराक्टर नाराज्या केंत्र मार्टर के वाक्र मृत्यां र र दि दर्भ व प्रदेश र्जनम्यान्यक्री मुनमाधुर्दर्द्रा एवंताचा ज्याना क्यान्य क्यान्य क्यान्य क्रियान्य र्भग्रार्ट्स्या.या.जलरत्यक्ता टर.क्यिर्वट्यलाच्याच्यात्रक्षात्राचा बरक्यात्रक्षात्राचा इरा द्वायवारक्ष्यमात्र्वे वर्षात्वर् देवायमा द्वायवारक्ष्यात्र्ये वर्षात्वरा द्वायवारक्षेत्र्यत्वर नेरी रदापत्रमाम् वार्यवेषात्रमातावी देशक्षत्रात्याति । प्रदाद्वाता भदादवीयाद्यात्रम् वार्यक्षत् ण शु. वर्त्र अ.वस्त्र भें स्ट्राय वर्त्र परमार्थियाक्ष्य मार्ज्य पर्धिय महाराष्ट्र मार्थिय वर्ष्ट्र मार्थिय वर्ष्ट्र किन्नुयु रबाजाइअक्ट्या किन्नु श्रीराजालूर रदानाक्षेत्रता क्षेत्रामानीक रेवात्र रेवा उत्ताम् र इ. व.म. मद्रात्र | द्राष्ट्र्या अभयात्रायातीया वरातीता लद्द्र्यात्रायात्रात्रात्रात्रेत्रा कृदः ह्रिया 7 माया क्षेत्रयार्थक्रमा मानुका । जन्माना मिन्द्रम् म्याना स्था मान्द्रा स्था भावता मान्द्रा स्था भावता स्था प्राची प्राच र्थावक्षरक्षरक्षरम् वयामा वयान्यायक्षातियाः वर्षर्वेद्वता क्षेत्रक्षर्वित्याः वर्ष्येद्वता 25年7 यः अर्थेयाया वर्ष्या के त्येया वर्ष्याय ह्यायायाय निया वर्ष्या वर्ष्या के त्याया वर्ष्या के त्याया वर्ष्या के त्याया वर्ष्या के वर्या के वर्या के वरा के वर्या के वर्या के वर्या के वरा के वर्ष्या के वर्या के वर्या के वर्या के वर्या के वर्या के वर्या के वरा के वर्या के वरा के वर्या के वर्या के वर्या के वर्या के वर्या के वर्या के वरा के वर्या के वरा के वर्या के वरा के वरा के वर्या के वरा के वर्या के वरा के वरा के वर्या के वरा के वर्या के वरा के वर्या के वरा क भुग्न'दर्शकी. र्भक्ष्याम् वार्षाम् वार्षाम् वार्षाम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम उद्देशचिरक्षितानान्त्रराष्ट्रवाद्या अविवासिकातान्त्रवाद्यात्राच्ये अवनद्विवातानीवानुवादे। र्मद्र क्र्या के मिया कूर नाए रेंगी वह्माय द्रिया दर क्र्या या द्र वधने दरद्र परीमा निक्य करणा में से बाज के किया की माना ली देर बहुत किया ये का वा वा ने दे। के लाव नव या वा ने देरे। शुर्देश्चिर्ध्वार्ष्य्वार्थित्र्या क्रि.देशवारशाय्द्राता वार्ट्री में वात्ता वार्टिशकी क्रियाव वार्टी रव.त.येव.क.वर्र.क.ररी इ.वलम.केव.भव्यामभ्येवश्रेरी व्यवतास्त्रीर.काम्रर.वर्गा क्षेत्रअध्यक्षव्द्र्यालाक्रःद्रवालाव। क्षेत्रमूत्रक्षिवालाद्रवालाल्यःद्रवालाव। द्वाचावतालेवात्रात्रवात्रवात् वनुदा । अप्याहे सेर है। वियाची सरका तथा श्री दे से र तेष अप में कर इरायदा वसवामम्क्रस्य मुर्द्रा कि निर्देश के निर्देश के निर्देश के स्थापन मार्ट्य देश चार्यात्राचार्यर दिन्तियात् म्राच्यात्रा म्राच्यात्रा म्राच्यात्रा म्राच्यात्रा स्थात्रा स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र पर्या उपमध्यायोदेनाता है. ये. पर् हिर बट्टा क्या विक्या है है हैं। ये बाता करार अ.भ. नुरी लाजा. मुराजा मार्था नर्वा मार्था मार्थे वा में में वा में में में मार्थे मार्थे मार्थे मार्थे में मार्थे वर्गरज्ञारदामावयात्रयुक्तमहर्त। क्रिक्शम्रदाक्तिक्तिक्तिक्तिक्षाम् विष्युक्तिक्षाम् विष्युक्ति अवयः वर्ग्नेद्रवार व्याप्तु अवता की वर्ष्या की वर्ष्या की वर्ष्या कि का वर्ष्या वर्या वर्ष्या वर्षा वर्या वर्या वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या वर्षा वर्या वर्य चावजालकात्रमा के त्रेचा चाव्य वेष्य पर श्रेच व्यक्ष में या वर्ष पास्य की मुनी वर्षा जा

क्रिया नधुक्तक्र मान्य देवववता अर्घट्वव से.ज.रदान ही। लाय द्या मिन्द्र हरी . पर्षे द्यातिश्वात्राह्माण्युरी देनुरावर्गाम्ब्रावरात्रदावर्गी रवाति हीवत्रात्मक्रदारविद्या सिया जीर नाए सिरामा वर्ड अलिमारेट। अर्चेत्र बामावा रेरामावर्ड रेवा वस्ता रेगरक् विलक्षिर वर्ष प्रवर्तर. वत्या सर्वत्रम् लेपाचिरवर्तावर्येत महत्रव्यात्रम् अवस्तिवार्यात्रम् विवासमञ्ज्यावर्षाम् श्यामार् सीतार्दाताक्वा वक्षामायतायहताका सिरात्त्री विद्यातिस्व सिर्या सामित्या वराह खा अर.संपुत्रम.त.मी व्य.संपुत्रम.त.च्यान्त्रमात्रा अवात्र र्यात्री व्यत्यात्रा व्यव्यत्याय विवर्षे ण इ.स. भूदः। बि. प्रदेशन सूपु वार्यहत्यात्री से मत्तर मार में माना मी हिर रेवा वार्यहत्यामें चान्। वन्त्रानित्वान्त्रातिवानान्तरर। रवायः स्त्रीदः लान्यावः देशक्। वस्त्रानितः क्वार्यान्त्रेरके णा ज्वाकित्र्यूणवाश्वावित्यात्र्यात्रित्यात्र्यात्र्यत्यात्र्यात्र्यात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रात् मुन्म्याद्वान्यादिवान्त्रे वर्गत्व्यास्यान्यान्यात्राम्। कृतायात्वर्भनुवाद्वाव्या स्वासान् वर्षेत्र णर्वेग्दरमाण्य रिवयत्त्र देशक्षेत्रित्यायम् शिक्ष्ण्यम् शिक्ष्ण्यास्य प्रदेशस्य विद्यादेशस्थित मिलात्या भूमाम् पर्वसानिरावम् वराष्ट्रिर। यविराम् दरमात्रि पर्वरपाता श्रेराम् रिवार् विष्यायस्त्रहेर। विष्येर यर वार्यक्षेत्री क्षित्र विषय विषय विषय र्रार्गराध्वा मठिवात्य। श्रुर्वाक्षवाक्षरी रेकात्य। श्रेवावाहर क्ष्यरायर्थर स्राहरा श्रुर्वाक्षयावत - र्वार्याश्वाश्वरात्रेर्। तदीत्रं वर्त्वाश्वर्तात्रेत्रात्रेत्वात्रेत्वात्रेत्वात्रेत्वात्रेत्वात्रेत्वात्रेत रखन्तर देव। मूर्व। मुहराया कुर्यायम् र्रा बिक्ष्य वायर हे क्र्यायावेया इवयम् पर्मे क्र. प्राचाला वित्रिर्धाः वीद् वी नाजे वाला महंशाती भाष्ट्रवा मीर प्राचान ने वाला महिता अहर मूनकिरमपु मूं मार्टा एवें अतप्रवास्त्रात्वें अत्वा मान्यहूरी देवाय वपु स्व व दर्वे राव विवा पहल्कीरक्षिणास्य निर्दर्भनामाहरी स्रिरवरणक्रा नेल्वारेटवर्भ क्षेत्रत्ये वर्रम्भहूरी पर्रात्मकारेरमानार केषणा कार्यमायामानुवा वापर र्वामानहूरी श्रम. क्रुया वार्येश वार्ट वर खी जाववृत्वायम तिवाय वर्ट देत थी दरेट कुलू दर्भ तार्त्र में श्रीवी. मार्स्मार्थेय स्वरंशे विद्रावित में अदार्श्व वात्यवेवता वातित्यावर्ष्माक्चि विद्री विद्रावित क्वात्वी वणायम म्याइरहरी रत्त्वत्त्र्रा नत्यायात् । मात्रा मात्रा मात्रा मात्रा वात्रा क्रिके वर केंग्याल्य्रकर्। सर्र्या महेर में खेग खेग हैं पर्रे हैं प्रवास्त्र रेस बैट में मेंदा शिर रेगर. रेमेंगे र्त्यम् क्षर्यत्वित्वित्व स्थान्य स्था श्रुव जमार्क्या रवातपु भूर देर अहणा वर सूर्वे । पह्मार्क्य हि में मु पुर विमानायी कुल देर > न्ये क्रीर प्रकुण वरम्ब्य । चारमार प्रवाही सेश क्रियमी वर्षेत्र मा पर्वण हर क्रियम द्वायमा श्रिमीर्वापत्रदेशस्त्रीर्तारत्वा । परारद्भ वाष्ट्रभावरात्री क्षेत्रवरावाराक्ष्याः महत्वराक्ष्य। कि.क्यु.यारीर.क्या.चणात्राहणाकी नारामर.देर्देशकणात्राम्य्यो द्वाक्षि,युक्षेयामात्रवेशी मेश्रिक्षिक्षान्त्रेयम् वाद्। पर्वेवत्त्रपुर्वित्तामाक्षिक्षामाह्त्र। कुरा इर.१८ म्

Je 74. भवतक्षत्र व्यक्षत्रात् स्वत्यत्यार् त्रिमस्या मर क्रिक् सम् वर्षः देवः वर्षः देवः अतः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः देश जन् रे. य कर दया महत्य हा या यी मा पर देर से र संदर्भा था। अतुरा १ रे रे रे प्राचित का अपना मेरी का मामा प्रदास का मामा मेरी से नवा माष्ट्र मेरिया प्रवस्तवर् म्यारवेटा मिन्तर विकास एक मार्थ में के कार्य में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में चीर्क्तित्र विवास। भाषपायम् रतपावः मे वर्दे १३वी भारामापातिसरे व्येष वर्षे १ वर्षे वासा सक्त्र शासिका श्री द्वा कर्ते । यामार में वर्षा द्वा रेरी दर्द्र द्वा केंग्रेश वह में वर्ष झे. त्या. राष्ट्र वेदः तेता राष्ट्र का के. तथा केटमा इरक्या वा कि. इर इरका अपन हरें। येदे इसटाता मुख्यालाला अक्षापक्ष में जुरी किर हैंगाला है के में में मान में कुर हैं र हैं जारा मक्र में हैं र जूरी रेसे के में मार्सिटा केरी माजारपा में तप रवर ना वर्तेरी खे में राष्ट्र की पार्व रहा रव में आकृष स्त्रेया मित्र श्री श्री स्वर्धि श्री स्वर्धिया स्वर्ये स्वर्धिया स्वर्ये स्वर्धिया स्वर्ये स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्व रित्रसियाक्ष्याची यहराधानयात्रमात्रस्त्रीया सीर्द्यमासी, याष्ट्रमासी वीपायपासी ्रिर. रूचना रेस्ट्र म्यू. धुरे शहरमहत्ता केल्यू. सरक्ष्यास सहत्य स्था के हिर हेर हेर हेर हेर हेय स्था मार्गरी रूत्मकितात्त्रं सिर्टिता पहुंचानेत्राय्त्रं निर्देशका पर्दे हैं दे हुते हुते हैं प्रवेश निर्देश हैं भुरदर्द्रः वृथिवः वे. योगान् वे वासरा विर्दर होता पान्देरः र्याकार्याचा ववपार्रः विष्यात्वीवात र्यायार्याया र्यात्रास्यास्यारात्रियारात्र्यायार्यात्रास्यारा वह्यात्रीरक्षायाः गर्यात्रास्या देवनारेत्रवाभयाक्ष्यमभारता जवभाराप्रत्याभाववरार्वेवनायरे. हुला दे.प्या. स्थाक्ष पहुंचामाता मैं रत्त्व लाकियाव रहा न्याप प्रेंच मित्र मित्री रहा weak. लाम्रद्रात्याताम् प्रदर्श क्रिंगान्द्राचन्त्रमाद्रायाया हर्व्यक्षास् उडेर. परे. हुआ हुआर की किरकर पर्द्र वासर कासा में वूट में किए किर वार्ष परी पर 8 3 लैंग. ये.पायमुत्रतातार। र.भग्रेसेसम्प्रारवताता वि.स्ट्रेसन्तर्धाताता लुमारकारमास्त्रा दर्गान्त्रीरक्षार्यात्रिक्षारा तर्क्रायकीवर्णामास्त्री भुक् अपाता वाद्य विका ।दे तर्या ही देव वाया के वाया हर व नव पा ही है दर। वाहवर् म् अभ्यान्यक्षाः भ्रीताः क्ष्या मिर्क्षा कित्रका क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या मुक्तः सर्वा १८४.५१ स्व वस्तुवासक्षिते ८ एत्व वश्वित स्वा वस्तुवा वस्तुवा अरद्वा वस्तुवा वस्तुवा वस्तुवा वस्तुवा यात्री रगायात्रार्प्रदेशयत्या वह्म्येट्स्यायात्र्रास्त्रेत्रा करवायते स्वत्रायात् पर्मरा क्षेत्रावर्वकाश्वाकरणिया रेपाणका क्षेत्रिर्श्वरकाका काममर्गा तर्मान्य लुका रक्तान्त्रियात्तिकात्तर्मकार्क्ता वस्त्रात्वव्यार्वर् केराल्यो क्षेत्रव्यक्षकार् सेर.वडर. केन्द्रप्र(१५०) जि. २, देल किया र मेर केन्क्र में केर कर कर वारा या अवन अवमान क्रि. यू.जा स्टेस्ड्रिव. क.व र्याय हरी क्रि. पर्याचा क्रि. प्याय यात्री वारवाय वर क्रिके व परंदर

किस्नुवास प्राम् वाश्वाहित्रीरति द्वाताम्। वाश्वाहित्य द्वाताम्। वाश्वाहित्य द्वाताम्वी वास्वाहित् मूर्त्वरेवाल,(धेवाल)वर्षवात्रलाती सैवत्तल,पावाईल,बीवत्यलातु। क्.जाकिक्शलातुत्र। वीराप्त. क्याम् परियास्वयास्त्री ब्रास्त्रम् क्या वस्त्रस्थात् स्थान्यास्य स्थान्यास्य स्थान्यास्य वयम्बन्धन्त्रम् व मिना त्रा वयम्बयद्वयावातात्वकी तर्वे वैवात्त्रद्वा की दीर देखर् द्रज्याम्भवर्षर्भरत्यक्ष्या रक्षेत्रेलेशर्यायम्ब्री र्यायद्रिक्षित्राक्ष्यायम् त्राभरम्भवायते विषायात् । देवियाक्षास्य देशक्षास्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य द्राम्य भाराक्र.वत्राक्रं तत्री रदर्भे यालप्रकर्वाहर द्यालय। देवामचर द्वितावर क्रिंट क्रिंकिर। पर्वर भरत्मताक्तिताक्व तावा देव व वनाय म्बन्धार्क्ष विवास व व वर्षित व वर्षित व र्भरत्युक्षलार्रात्रकेश क्रियार्यद्यात्रक्षणास्त्र र्भवसक्ति। भुगायम् विवर्तिक्षेत्रा अवेशार्थे अवेशाये अवेशाये अवेशाये अविवर्त्त अवेशाये विवर्तिक वनायते वेनावाने इनकीया वनक्रमा क्रमाय क्रमारी केराम्याम हर्दने वन्त्रम्य। ्च नम्यास्त्री स्थान त्या स्थान म्यामा स्थान द्वारा स्थान द्वारा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स यात्राक्षात्रात्मका हुः सर्वासत्विरावस्यात्र द्वास्यात्र विद्वा कून.वे.चाकुग्रालभ्रद्धलाचरद्वा के.क्षुन्यकिट्येट.व.साता द्यात्वसम्बद्धाराक्षिता श्रुवाहियाँ हैं। मैरवायर। जेंग अलक्तर्स्य जारा स्वार स्वार स्वार अक्षा रा देश पर सहस्य वर्ष देवत म् रत्तवाअरं व्यव्दर्भ स्वाडिरं त्रप्ते सेवयार्ने किस्ति से प्रत्या वायाता है व्यव्या कुर.सुवर्रद्व.वेव.कु. प्रदेशिमालर.सु.सर्वर.केम.हा ।र्वल जेवसर्पु. प्रमणता लद्रद्राल्य कुरा,रंभवी पर्द्र र वयमा ता.कुवी. सुपा,कु प्रयान क्या के प्रवास कुरा रहिरमा सी वर्षेवी. नमा बैद्याना बितान पत्राचना चू. एकपा वाद्या हि. व हरे रे । के रेमवा रे मार जिर दे का अवहूर्वे प्रमाम् मान्त्र स्वाया में यानेका के कुलारदद्वा किंद्र की का का अपने का मा में विक्र र्रम् श्रीर राज्या में अथा किर क्षेत्र विकासी वाला क्षेत्र वाला क्षेत्र । रदारम्याम् हिर्यास् श्रीयाय। प्राम् से हे ही रदा हिर्म स्थान के नियम रहा स्रित्मवारदासदावस्वत्यावातामद्वात्मात्राहु गुम्हेरायाद्वात्मात्र्वरद्वा नर. पर्वे. व. व्या केर. हर. र. कार. दर. रर. इ. श्रें श्रें श्रें श्रें श्रें श्रें श्रें र. प्रकार हेर. र के श्रे श्रे कर के बुद्ध न्यामान के म कियाम मुख्य भरत्यर पाय के म ररात्य राज्य पदमा द्याप मूनम्रद्रियातातिक्षात्तिकारात्त्रे वात्तिकारात्त्रे वात्तिकारात्त्रे वात्त्रे वात्त्रे वात्त्रे वात्त्रे वात्त्र दित्यरक्तरी र्केट्यक्षिक्षित्यात्यात्यात्यात्यहेर्द्रयूयत्त्यहेर्द्रवयम्तात्वेयात्यात्रम् र्रत्यत्वद्रम्भवात्वर्षात्यावात्राद्रात्यावाद्र्यात्रीतात्र्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्र्याः म्राहर्ष्या विश्वाहर्ये हैं। शिकालालाहराला मार्रद्र मा उरुक्तेर.धरमास्त्री

इत्याद्यतिरत्यम्त्यात्यात्रादेश सरद्रम्यते क्रम्याम्यत्याम्यत्याचात्राचात्र्याच्या /बाउदा कुर्यस्वता लट.उर्वेट्ररेय र.त्रामानामासे रेट्या १ वर् सूपु रचातासक्रेर रूपा अस्ट्री या व्हिस्ट्यावेसाव। व्हुराराष्ट्रकार्दराष्ट्रकारेदा रादरादादाक्रावा अवविताद्वापाष्ट् मा आवताना के लार्टी शहू कार्त्र वर्षि वर्षे वर्षे मार्थे मार्थे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मेयारर परी शैर वीर मुक्ता मायरी ये मुक्त मायर निय प्राय मियार में माय माय मियार में वमादरालड्। भीवाद्यनाक्तानु वर्तेभीवास्याच्या नात्रमायायाये पतिनावशास्याया देता बिटामायर कुरापरे वधु बि कियाजा वायू वास्तास्य मार्थित व्यव्हे। शुरा के प्रायम् विद्वारा विद्वार र्वार हीशा स्वार्वर या वा तर्वर विक्र का र्या रदा ता स्वर्य में वरे वरे वरे वरे वरे वरे नम्बार्कार्यात्रवार्यक्षा हिर्देवस्तर्वत्विक्षाता स्टार्ट्यस्याम्यद्वा भेर अब्द नेरक्रवाद देवत हैया अवविते दूर्य में में कुला या अम्या मुद्द त्यस भ्या वे र्थु शुक्र में। त्यार वस्यासम् देवकारी इसासा रदायेशस चुरक राष्ट्रिया थे रेदा हेदस केर रमार्पाय वर्षहैं स ब्रिंग त्यू। र्वे दरके वा त्यदेव त्यवस्थादा राष्ट्रका त्यक रेदा इस्ति त्वा क्षण वावारायां यादा वर्ष्यात्रां भर केवारा में मेरित केवा सेवा का मेरित के के केवा राम के केवा है राष्ट्रित 4 32 ब्रियेश्रेरी चाववालदार्जेट र्त्ये क्रियेश्रियात्रिया सर्वत्रे र.र. तत्तरमा मृथात्रास्य विवार्थार 5कोहा चलक्रा ह्वादेवायेवा हारे रे क्वाया स्ट्राया स्ट्राया व्याया स्ट्राया स्ट्राय स्ट्राया स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राया स्ट्राया स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय विवादितं भा उर्वे राममा भाषाम् (कार्य) हरेश देममा जार मित्र के जार के कार तर है देश हैर देश रहता वर्द्धम्भा अद्यक्तियाद्द्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र भूजा सार्वायर्व्यक्षिक्ष केव्या सक्ष्यक केव्या सक्ष्य केविया सार्वाय सार्वाय केव्या स्थापन क्ष्य केविया सार्वाय स्गलस्त्र हेर की यत्या सर्दरगतर तर्वित्र येवा नाम्याहर अर्थर वाते यत्या सर्दर गत्य पर्वत् के भूता का वावाय विवादी स्वयाया मूरी जातिर स्वाया पर्वता मर्दिवार स्वया नम्त्री श्रायक्रम् इत्यक्षर्यं म्यूरी वि.व्.अम्ब्रेम्भप्रमाणेवसामा पक्षम्बस्यर्वातिती यीदायर्पित्। की ग्रांत हरा कार ग्रांब हेवा प्यता दिर पति तून के वरि दुरा के मास्य सदार त्या ग्रांबहेंग ल्यर। क्री श्रमाञ्चलका करता क्षेत्र है है रेल्टर रे रहे वापति दुवा क्रिमति सक्स ता मुम्बली म्दा वर्ने त्या अवद्यामाना वर्ष्या किर्या देना मान्येवयर द्या अक्ट्यद्व अकेवा क्षेत्र द्वारा रेवक होरद्वार धर्मावर्विक दिलद्वाहम हो सद्वाहमा के सहि मेर् हैं। । डे अनेर विद्युका रेर वालेंग केव केदा सुर श्रेवाकेंग यरिय मेर यान्य विद्य व्या सिर्मा या नार रक्ष या हा आहीर अर रक्ष हरा यते अहर ही र द्या वर्ष र का विद्या मुख्य रे प्यर के बेरहेट। वसवायरामुबुदाबीद्याराम् ह्याददायामा ताल् वावादयाहराता हुक्ताससद्द्र्यात् एदमानेगाञ्चलायाद्यतम्बर्धराष्ट्रमानेतावाद्याना हैनास्त्र संस्थाद्रमानेतावर्थेगाञ्चरास्त्रमा कियान्त्रिक क्षित्रामा कूर्य दे के ता तरक केन मूर् करवहेव। दे हं अ वि बिद्या द श्र के व केर

वर्दितिकार्कि केर.सूत्रेशा मुन्ना नुन्ना प्रयम अवाम पर तर क्रीलार ताय दूशल प्रियम सूर्य सूत्रिक को क्रिक गिर्के महत्ति है। ब्रियागरीत्वृद्धीं पर् से र विरणस्य रामक्षात्रायात्रा त्येदरेता अपरीदासवात्यात्यात्यदरेत्वाया सुवर्षाकी तव्यादर्गे वसकेषा वैत्रातु रदा अविदासपुः कियाक् राष्ट्रका कर्णा वायकाकु पर्याक्त (८वन) ही कृतु वार्द्धवासिव विवासी वर्दर्वनार्यात्वरात्यरात्स्य । भारतारायते वर्षेत्रारायते वर्षेत्रायत् वर्षेत्रायते वीत्वर्यात्रात्त्व ।रेवा वर्रा वेदश्वद्रश्मके वर्षाहरी देवसार त्यावासव है त्या द्रयत वर्ष क्षेत्रा के मार्ग विकास वरवारक्या इसम्वितिस्र संस्थित्या विस्ट्रवास्थ्यात्थ्ये एवर त्याता अष्ट्रि केला सेवान मार्था स्वायम्बिता केर मेर मेर मेरा है। देव मार्थित कार्य में किया कार्य मार्थित क्ष्रकृर्यम्त.मी रक्षिरवर्ष्ट्रमत्त्रम्भाषक्ष्या देवशालदावतित्वाग्रुभाषाद्वे । क्रूटन वर्तित भ्रम्भर्यं म्रह्मिर्। म्रह्मियामम् म्रम्भावता स्मर्कित्रम् म्रम्भरम् देशान्त्रम् । देशाह्रद्रम्भर्यम् याग्रेमात्मामाग्रेद। रतात्मत्रक्षरः मृदास्यदे। देवस्वस्यातः मृत्यामाश्चेद। रदामम्पर्रापारः लवाचार्यवाचाता द्विताचार विद्रार र विवाय हैर। हिर शही छर दूर कर वर्षेता वर्षेर के बे व्यान्य ता मिक्द्रवीया देव उस प्राथित के वर्षद्र। रद्रमको वर्ष्ट्रम एक दर खेवला में ल यति वर्षे र जाएकरदर्ग र्राष्ट्रियाय. १४ की शायर अभू से रूपा किया गडर देवाता किये देशवी आक्षा देलार श्रेक्ट्री पर्देश लया अपायान्या । गुर्थ पानर्था प्रदेश महत्रा क्रिय कुराय द्वा मिंद्र मास्य सर्वे मासे में के क्षायां के कि दमिरमेरद्यात्रेशम्भाद्रत्वद विभाग्नाद्रत्वत विभाग्नाद्रत्वत् में त्यावया द्रत्यायाम् स्वर्ष् तिमान्तरक्षित्रम्यमानीत्रमा भुनुन्युं में पर्ननाता मेमनमरत्त् हैमामानान्त्र म क्रमाम्यात्र मेर मेर्द्र द्वास्तायन्त्र तहर दहराया कर मेर व्यान मेरामहर पर व्यान भक्रवार्यरास्यरास्य सिवरीयाताता इवर्रत्यवात्वराष्ट्रवार्य्या नवरंवर्ये ह्वार्या स्रीयवाता मैंगार्से आयवत्तर हरे मारी के तेव वर्षा अभर ग्रेथ परी में कृष्ट व प्रवस के मूरे ग्रेर थवात्तेत्य्र दः प्रवेश्वाता वर्गार श्रेव त्रेव भाव प्रमाय ग्रेव लेटा श्रिवा श्रिवा श्रिवा श्रिवा श्रिवा वर्षा वर्षा परी इंचारेकार चालीलर् का कार्याक्षरी प्राष्ट्रम मिन्द्र आ बार जायका जा रतवालम होर द्रार्याच्या निरतियोदात्रियाद्रभाष्ट्रवाद्वराद्या क्रिक्षर्य द्रात्रका क्षेत्ररावाद्या व्याप्ति क्ष्रिक्ष्या क्ष्रिक्ष्य क्ष्रिक्ष्या क्ष्रिक्ष्या क्ष्रिक्ष्या क्ष्रिक्ष्या क्ष्रिक्ष्य क्ष्रिक्ष्या क्ष्रिक्ष्य क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्ष्य क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्या क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्य क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष्रिक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र र्यात्मका प्रदेशम्य केंद्रशास्त्र केंद्र केंद्रशास्त्र केंद्रशास केंद्र केंद्रशास केंद्र केंद्रशास केंद्र केंद्रशास केंद्र केंद् ्रधर यद्भावमात्रा श्रद्धात्रेयर यहत क्षेत्रयम्भेता हत्व्वारा यत् वार वार्यम्भेता सर्विस्तान्त्रात्मान्यर्गार्वर्गा नानवाज्यातान्त्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मा क्रियाम् क्रियामये। मही इरामिया मेर्या इर सामित्र क्रियामर विवासर् क्रियास्त्राक्तारकेतारकेतारकेतार्थे महिलेदा वालेदकेव वॉट्यायेवकेता द्यारायवद्यात्व

ल्या वार्थायाला विरायन मालवाला विराय विराय मालवाला विराय विराय मालवाला विराय विराय मालवाला के मालवा

कारह जुन साम्या हु। वर्ष प्राज्य प्राप्त कार्य वर्षा वर्षा

/नर्देश्यकेश यम्। - ज्यादिवाल वाली दश्वान्तर वता हैरा पर्याम पर्वेश पर्वेश प्रवेश मान विद्याल मान स्रीर तील सर विश्वसाराक्ष्या र्ड्रानायावनुगायवेन्द्रकेतार्या द्यार्यस्ववेन्द्रव्यायार्या बर्द्धार्थेवविवरुक्ष्रवार्थित्। सुर्वरविवरुक्षिरेशाहेशाये दे। धीव इवक्रिक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष नारी सि.प्.यष्ट्रपदि,र्ज.स.पा सी.यादुल.स.स.स.स.स.स.स.स.म.स.स.इ. प्रूप्टर.वर्डर.जा क्र. के.र्त्य स्.र्वेश मुण.श्वी मिलकार्यारम्यु देश मेंताली के.यंप्यावंत्राप्रीय त्वीवा वयमाल्य्याचित्रार्थाय। द्वाराया द्वारायायायायायायायात्या स्टब्स्यम्बित्रया उद्देविद्यामात्रकामा ८र.इत्रेक्टिकपु.चालद्येद्रे विर्देशरूटराकात्रक्रेवामात्रकामा प्रयासम्बद्धाः क्षि. यद्भेयाता वर्षेत्रत् । श्वास्त्रेयातार्दः एक्ष्याला वात्रा स्टास्त्रा विवा भूद्र से.चाड्रल्यी. बाती.सेपु.अरंटलरंट.एक्सलंबलका अरंत्री.पवेशसेपावर्त्री बाद र्यात्रा रेक्ट्रासाइर प्रत्यंत्रामा परे. खाररेका पर्वे का प्रतिका प्राप्तिका प्राप्तिका प्रतिका विकास है दे दे से रहे वे अप अप क्रिमहियुत्ता ादु था इराइटाउने शक्ता पा पर्यो देर् या व पा बा किया की बा धन र मिर क्रिक्र अपारमान्दर वेद दि मानि हेवा। पर्व सियात क्रु बड्या क्रु माड्या देवका वि मानिस दि हैं मान का लहा भरताल बेरा भवर के बार र मरा में का क्षेर के के क्षेर के क्षेर के क्षेर का क्षेर का क्षेर का के का का का का मिन्द्रम्यासी ताम ह नत्रित्य वर्षा हर। वा स्वक्रिसक्षेत्रके हे द्वेता ही परिश्वी सरक्षा वर्षा व्यवस्त्रक्ष्यर्द्रम्द्रवीयायास्त्र। वस्तर्त्द्रवाववामासःइवाया क्षेवःवर्द्द्रक्रद्रस्वद्यावृद या है एकिटाया मुखा हेर के वेश से वस एड्झ हैर स्र र क्ये के या पूर है र तिया मूर से मा हैवा मही रियमा बेराश्कालदाग्रदात्री अरकारटा पासिका देश केट दे पिटता हे बूर प्रका कास्त्रा की से बाता दे केट कि कार नरकरेटा मान्नीय मिन्नीय रेरदाना गर्दे में बच्चा दे देशके मेंद्र में वर्ष देश में कर्ण विवयक्ति त्याकरमानवर्वे वार्ते वे विक्ति करा रक्षेत्री प्रमानिक नार त्यक्र कि नामपु श्रे र रूर्रिक्ष बैदकरश्चरत्रार्थात्रवाध्रात्स्वायाक्ष्यात् केवरा विकास स्वास्वित्या स्वास्त्वेर् पात्रास्त्र हेरा द्वारा वर्ष कृत्मार्थी केंद्र अत्याद्व कर्र व्याकास्य सें वी त्र क्षेत्र केंद्र केंद ता.श्रेरटाने वा तरा भूरता प्रवेशकीर वयता अंत वाजूररा ्ट कराल दर्ग प्रदेश वाक्पाकी सेवता ग्रें अत्याद्र सिंद त्रक्र ग्रें के देश हिंद । देश प्रदेश त्या त्र ग्रें मान त्र के देश स्था में देश स्था में इवर त्रीम्याधिका शुर्चरावका में अप कर्षा विकासी ववर ता में या भरी कोर ता वारे वा विकास दंरसुद्वत्यम्भिर्यास्त्रियास्त्रीराद्वारायते अद्वया बेवादेशारे अहद्देशका बेरावता ह्यालदे भूराद्वाता श्रर्द्धातकराताद्वारहात्र्वारतार्वार्त्। क्रामा हो चीर है। शु मा त्या हा ता मारा ता मेर के प्रात्मा ता मेर । द्वा पर क्या वर का प्रत्य वर्षे द्

अर्थेतार्त्रेचत्र्रं र्रायद्वम् वहं मूच अर्थि विरक्षित्र विरक्षित्र विष्टिम वि

मुख्यम् मित्र वार्ष्याः देवविवाला श्रेट ह्याना रहत्विवास हे भवाह्याला स्व ह्या नर्रद्र हिन हिन हेव

कर्रे स्रम्यवस्त्रीरविष्ण्या मदलर्गम्यवस्त्रियान्त्रेयस्तित्रा अक्षेत्रविष्णहर्षायति

या सर्वास्तरक्षरक्षरत्वयायते याला पर्यारक्ष्यानार्ट्यास्त्री स्तित्वास्त्रीयाना

विवास-स्थाना तार महत्वाता देशकेश कारा रिवाकिश कारा रिवाकिश कारा स्थान स् अर.जू. यी. भूष. देवा पडीर इरी टर्टर इ. अम्ब्र अ. ती बाली से मुख्य पट वर वर देवा की दाव देवा थीं शर देश पर्वेश प्रवेश मेर देश मेर केम मेर कर कर कार कार है। पर्वेश में मेर कर मेरी देश लंद. त्येयभाग्रद्विक्त्रान्त्। द्वेयन्त्वक्तिः तवनः स्ता वार्ट्यत्येवात्रः स्वीव्यास्या क्रियान्त्रामा धैंग.ज्.जर्र्ट(गर्रः)गुर्वेरी अत्तर्भाराविदेग्यामिकायर्थे । ग्राम्यान्तरः प्राम् वृग्भासकेरः राष्ट्रया । त्यार्ष्ट् (यम.वर्ष) हि. सेयार्तपान्त्र १.८६। या.वराक्षराद्र पार्देया अ.वी. क्र्याताना वातान्य्राच्या त्रमास्त्रात्म्यास्त्रात्मात्र्या ।स्व (रमवः) न्वरास्त्रात्मात्रात् यता रमान बरामा असून में बने पर ता मा अरमा वा कर देव दा दा ता वता तर हो का करा ता हा वा कुवानानुभातरुव । अहरस्य श्रीरर्भगरानानि रक्ती । क्वायरे श्रीरर्श हर्षिर्भराय। सुनाय अर्द्धवर्दः) यु.रेश.क्रेअक्त्र्व। एडेश.त.क्रेक्ष्वणर्या र.रेटः। कार्षेषुः वैदःहें याती.केया वदशी पह्सिचिर किया तथ्ये भेसाता पर्वास्त्रेर प्रदेश में से स्था साये प्रताय विवास से देश भरः अरं नाया विकास है। है। विकास है। विकास है। है। विकास है। स्यायते कुण य र्युर दर्भवता इकायते द्रभक्त को को को को को दर्श तह सायते का देव व व दर्भ द का तह कु.र्ज्यतवर.घर.जारी वार्ध्या.हे.(दे.) व्र.वेर.रवी.जा.जा.जा वाजमाहे.ह) वर्षेर.वि.रवे.न्यह.जारी नारार्य्यात्रारात्रेशापवेयात्राता वै.र्धि.वेश.ध.इंश.सेपार्डेरा क्रक्रेरक्ट्रेशरक्ट्रे.स सुद्रस्वा सुव वास्तव के सावरी बार देव रह वस बार वार वास है व तवे ता लवा पर तथा दे यक्षेट्रर्थार द्राय वर्दर देशवा इर्द्ध क्षर प्राप्तर द्राया क्षिय वर्ष प्राप्त क्षेत्र वर्ष र्टासर श्रीटाया क्रिया अरेजा अ भरप्ते अर्द्भ नर्द्र न्वर्य वार्ष्य । भर द्वाल अर लात वा किर वी का वार अर भर के वा के वा के वा के वा के वा के

यावियासने सूर यरिया तहुंभाउव। वर्ग या वरुदाया सर वर्ष दुया वरुदान्त्र तर्वा वर्दान्त्र तर्वा वरिदान्त्र द्राम

पह्माचीरक्षिणायावर्षेद्रमाति हैया हिलामा अवन्यविका अवन्या । विभक्षेत्रमा हिलामी ।

तपाक्षराम् राज्यात्राक्षितात्रे वात्राच्यात्रात्रात्रे राज्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र

चर्रवर:शर्रायतेषा दे.प्रार्थतयवर्री दे.प्रार्थपयवर्रिंद्राचिषायक्षा स्राम्परवावष्र्रात्याः कर्

कदा वर्षे त्यु त्यु त्यु त्यु व्याय व्यव दे हे ता प्यद् । व्याय वर्षे दे त्ये दे त्ये दे त्ये वर्षे वर

लुवासियानान्त्रसायात्रीतिकात्री न्देरक्षाव्यक्ष्यत्रा वर्दर्य्यात्राक्ष्यात्रात्रा

यान्यात्रात्त्रात्त्रान्येद्रिद्विद्)वनायदे। क्रम्याद्वीद्रम्यून्य्वाद्विद्रः। द्रदृद्धियद्रद्रयाययदे। श्रम्या

श्रम्भामरावीः द्योगा तव्यामते मुद्देशत्य्य या के देदेश य्यामा स्रमाना वरा त्यामा स्रमाना स्रमा

रे.र्ट.वाश्रम्क्रवार्क्ताव्याः बेटा शर.तेश्रास्ताव्याः वेषः तथाः पत्री विषास्तरी विषास्तरी विषास्तरी

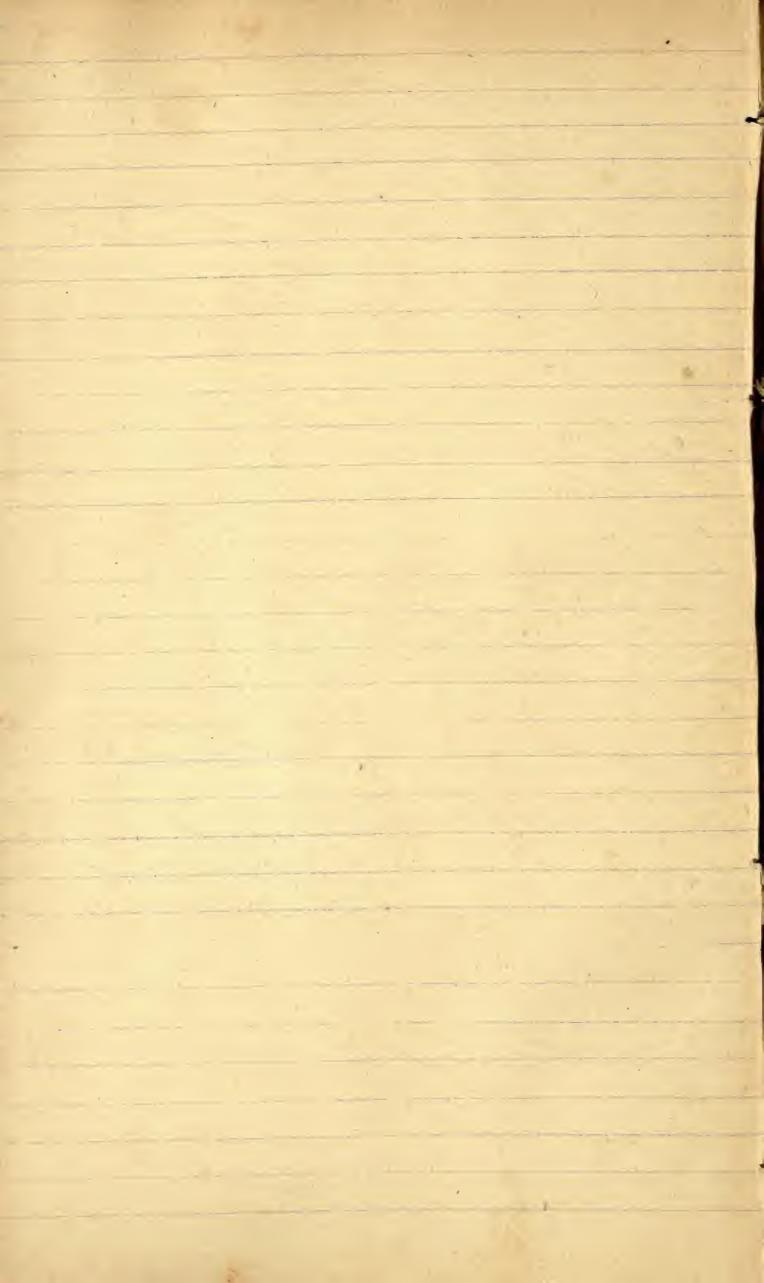
वाबा को रास्यान दासा हराके वसावा । यह द्वासा ही दार्गा दे हेरी बहा सामु तह के वासा दुरवद

र् अत्युत्रेक्ष्यभारस्य वरत्। यसके वर्षे वरमे वर्षे वर्

भारित्र क्षियां नार्यर तर्वे दरा दरम्बन्नतम् सुरिक्षेत्रके वर्षा श्रीर के सति तर्पातरे (१) र्गू धेन नेग्रची वत्वादर जाय में वाया माना शहर में या जाय भर में दे हिया। वह की या विष्ण में दे हैं या वह की या विष्ण में करा चायरात्रिवसायर्गात्रवायमात्रवायम् द्रान्त्रवायम् द्रान्त्रवायम् वर्ष्यायम् वर्षायम् वर्षायम् लगरी लद्रद्यूमान्त्रदाष्ट्रमान्त्रणा राज्ञमात्रदानी कामर्या विष्युत्र विषयम्भाता र में यात्र विश्व द्वार्थ में विष्य के विषय हर्षायर द्यमात्में हेर्य सुर्। र उद्यातम् वस्या यो र त्या से मुलायते सुन्। मुं असह द्राद्रिया बैका. वि. म. कि. में के वा के का माना की किरा का माना के का माना के का माना है अप माने माना के का माना है अप माने माना के का माना का माना के का माना का माना के का माना के का माना के का माना के का माना का माना का माना के का माना का हिया हिना हिना है केर सरकार्द्र विस्थार के व द्वार यर वर अहूदा वाद्या देश्च लव ला वे के ने विश्वाह ने हे में हैं हैं। वृषाचारिद्धूद्रधीद्रक्षित्रध्या अर्थाद्यस्यात्रत्रविवास्त्रक्ष्यस्य स्वर्धात्र्राच्य ्राय स्ट्रिक विश्व हैं वा स्ट्रिक विश्व के वा की मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य के द्याश्चिर्द्यात की है या ता वाबर या से देश करी के ता साम पर पाक की देश देश देश देश देश क्रिकार त्या निकार ्रितक्र र दे त्या वा ता तर विवाहिर तर्व । त्ये वर्षे ता दर दा ता वर विद्या वर वर्षे वर वर वर्षे वर वर्षे वर्षे मियह येर हैं। शुंश्याय तिरत्याया येदा अप्ताया मिया में रेंद्र वा या। कुन हे वा या ति विश्व के याअहूर। अरेथकरीरार्वाएक र्रेकियाअहूर। वि.र.र्थाएहरेश्व. मूपाप्यूमा केरार्व्यक्ष मिल्क्सला कर्मा क्या के दर्भ र त्या त्या भाग में हुंदर्भ वर्ग र दर्भ देवा से सम्भावन देवी मरलकुलपति तव्यव्यवस्त्वेव दिवस्य वास्यक्ष्या श्रीदर्गरस्थे सेर्नारस्थित मार्द्रम्भार्यर सेमायवे वाज्या चालक्षेत्रप्र देमक्साम् पर्यात्रे पर्यात्र मान्यात्र देना म् कु वा वा श्रिमा लूरी पर्वे वे कू था वर्ष रामा वर्ष ता की वरमारे वे भाक्ष्यान्त्रा ततुन्यम् अर्थाः व्याप्त्रात्याः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः वर्षः वर्षः व भव बुदक्या दक्रद्भं वा वेव वा वेश वर्षेत्र यो देश दर ये क्षेत्र की दुसक्दर या वेर सूरि गुव विषयं वर्षाया अके त्या वर वहर तर्वे अर्क्षय प्रदेश वनात त्ये र वर्ष प्रक्रियोग हिला शसाइसाई किहिर याला है सेरावेट देश वसाई र वर्डरा सीमासे र वर्षा र तावर में हैं वर्रान्यु कर्व कुण य देश तह सहीर ही मुंगर्दा लहुन । श्रे तर्वे अस्ता हिर्देश सम्बं देरी श्राचंपर द्रा. पा.चाश्चा. किराज्ञेरी अक्चियातीपा. पा.चाश्चारी के. वाचपारकीपाना ॥ पा. मीसी (व्यवंक्टरक्षा) वहेन्यभीर्ग्यायान्विनाकुरभेदा यादार्क्स्नित्रम् साम्युदारी उन्थानियते। विभावता मित्रीया देव। इत्यानीर वी स्वानीर व दिकेम्बार्टियास्य द्रात्मा द्रात्त्वर्ता द्रात्त्वर्ता द्रात्त्र्या द्रात्मा द्रात्म

क्रेगाच्यक्तरकार्मे केलर्रमहामहामान्या त्युगार्मे सुर्थाया विरम्धिया केलावी रिहरेश व मिराव पर किरान्त्री पार्स्या मिन्य रिरा के या, परी ररा है, प्रेंट की वार व में राज्य न र्णव । देव। पर्व व अला इ. सरत विवाल व. स्वा विदः कूर्य अभावा पर किया वह स्वार पर । रहा वर सा पर्वा विवास त कराजा वकावा हैं श्रेत्रसे शर्य विद्वार हैं वादा है में से स्वाया करें कर देश पर विसाय देश स र व्यक्ति। इथता वानण्यूर इशका राण्ड्य हिमाल्या। वर वैदायहण कू शरी वा विवास सहस्र. र्किट,लक्ष्यो विषायें आट्यामी ८४.८६.वे. तीया ह्या हिमालूद्र। सैर प्रमास में द्रवृष्टिण ह्या भूट देस. भ्रद्र १३१ रम्मा श्री द्राया श्री द्राया यहार द्राया त्राया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स पववयात्मात्मवाकेर.रे.वेरा) त्यापर.इग्न.पविवात्मर.पत्र। के.अक्पुत्र्र.वे.वग्न.वग्न.प र्रिक्षेत्र श्रद्धिशावविवास्त्रक्षात्रवास्त्र त्यास्त्र क्षेत्रक्ष स्त्रिक्ष स्त्र विभी रेर एकवा पार्तापावरेर बूबा पार्टिर। यी जान विभाय प्रवेश भूमा जाते। प्रवेश मूर्वर यालप्रक्षरदावान्त्रया । यवारातर्दादमः कृतान्त्रादराना केता वाह्रअत्तर्भे के त्वरादराना वर्गालर्द्र त्व्रामार व्यास्तर विवि देवि त्याद वी केंद्र वि केंद्र वि केंद्र वि 412:01

स्राम्या विष्या मिता



वन्ता रिन्यकार्यर मान्यान्यर मान्यान्या दियान में स्थान मान दर्भ देशक्ष अनुर श्रे का स्मार्थ के देशक के देश माल के मार्टर में के स्मार्थ म्नेन्द्रम् लायध्यत्यक्ता राल्ट्रमाल्येन्द्रम्याम्म्यून्त्रा त्येर्याः स्त्रेन्त्राः स्त्रेन्त्राः स्त्रेन्त्र स्यामवन्त्रमात्रा रहेयस्यान्त्रम् रेस्यस्यान्त्रम् रेस्यस्य सैत्रात्त्र केन्यास्त्र मास्त्र मास्त्र मास्य मास्य मास्य मास्य मास्य मास्य मास्य मास्य वार्येगाप्रवेशविश्वा वक्तान्त्र्यात्र्राचार्यात्राचार्या ब्रिर्ट्यूक्त क्या रूट्यूटलिय देश्वर कर्मा सेट विस्था रामा में नि ता. स.स्.मानद्देषः खंद्रमत्त्रात्ता क्रि.स्त्त्रस्मापदे म्यून्यान्तर्रा रशर् लया.सेत्रा.मा, कर झिताता वयाएं झेरे. दे दे या हीर हि रहर चे या सुवा मेर इत्यामार्ता द्यायास्त्रीय्रान्त्रा म्युवारान्यास्य ग्रेर.न.म.लमा अ. १०१५ । देशके रूपाता एई थे में में में हैं दी में में म्मार्क स्ट्री र्वट्यार्क र्राट्र के मार्चित्र मार्चित्र मार्चित्र स्थारी राष्ट्र मार्चित र्वेयक्षिता र्रेयक्षित्रकृष्ट्र विस्तान्त्र । क्षित्राच्या विस्तान्त्र । क्षित्र विस्तान्त्र विद्यान्त्र । क्षित्र विस्तान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त् कुया। वेबाञ्चयम् नरेर्द्रम्यार्न्द्रस्या कुर्मा कि. धराया नर्मे वाल्य र्वास्त्रहरू। यर्त्ररस्तुर्विर्ययात्रेत्रा खेर् स्रेत्र्रहरू स्वास्त्र क्या अवमानिर्स्त्रिं स्वर्तान्त्र राज्यान्य राज्यान्य स्वर्णाम्य स्वर्णाम्य राज्यान्य राज्यान्य राज्यान्य राज्या र्रेडिटर यस्त्रेत्यात्र्यंत्रियात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्र्यः न्यमा म्रे.र.ज्यमानियार्त्यराम्ब्रिया नर्भिरत्या नर्भिरत्यराम्ब्रियाः र्मिन्द्रा ररेटस्रेरम्बास्य करा एवेग्स्स्स्मास्य भीते। श्राम्याक्षेत्र । विकास्य प्रमान्य । विकास्य । विकास्य । विकासनामान्यान्त्रात्वा हिन्द्रवर्ता विकासनामान्या विकासनामा मारुवेमारुल रूर्त्य विसार रामार्जिमास्याप्ता गरित्य सहर्ता र्वेचन क्रमाम्यातम् । वर्षात्रम् । वर्षात्रम् स्त्रम् । वर्षात्रम् । वर्षात्रम् । यारह्मार्था क्षेत्राम्यास्यास्यास्य मान्यास्य स्थापार्यास्यास्य यस्त्रेस्त्रस्ता देवालवर्षात्रस्यातात्रस्या वासम्याच्या मंगामः सर्। र अप्रमामास्य पर्ता पारम् माना के वा मेर हर्ना माना

XX 84 अक्षात्र कर्त्य १०५८ मामुलीर स्ट्रास्त अस्ता स्ट्रास्त स्ट्रास स् श्चरमन्दरन्द्रभागेता तार्याहायात्र्यात्र्यात्र्यात्रेत्रम् स्ट्रन्द्रम् अति। रमूर्यात्रेम्यात्रेस्याता प्रयम्भरस्याययाः सेर्र्र्रात्रम्या नर्मात्रे र.अर्जे के ज्यार हे,रेज्यार र जार मारक्रेरी पर मारक्रिया हिरेरेर के प्राप्त प्राप्त हिर्मितार र स्वेप्तियास्त्रियास्त्रियास्त्रियास्यास्यास्त्रियाः उक्रेट्यत मर्मानम्मानार,र्मान्यर मिनामर्ट्य हर्मातर, मिनाम्य र्त्यालम् नेस्तित्व न्याद्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र द्रात्यात्रात्यात्र । व्यासायात्रात्यात्र । व्यासायात्र । व्यासायात्र । सर्गाना गर्गराम् स्रामते मिर्मानये मिर्मानया एड्ट.स्ने में लियं मर् मुलाक्षा र्वतालर्ज्याचालान्द्रका। रह्याचित्रम् स्ट्रिक् नर्मम्बर नार्ट्यस्य नार्ट्यस्य न्यान्त्रस्य न्यान्त्रस्य न्यान्त्रस्य र:रर.श्रर.केबा.एरंगाम्या सेवा.कार्यर.स्यु.इस.सेकार्ट्रा के.च.एरं प्ताम् अस्त्रास्त्रास्ता र्मात्रास्त्रास्ता र्मात्रास्ता द्रमात्रास्ता द्रमात्रास्ता द्रमात्रास्त्रास्त्रास्त 女子をかんと、一年し、新子とれ、かしているがかいこと、ころ、「ある、ちかしまし、 १म व= या अस्तर्रे त्रित् वर्षे पहें सामान्या ने ने त्रित्या में त्रित्या में पत्र मार्मेर्दरा शास्त्रीयुर्मा भेष्या क्रिस्मेत्युर्मेर्स्स् KWI -ति. बैचा चार्या सेर एकेर यूट्र में । सार्या सेर जिन कर यूट्र में । इंग्रेस ले.स्रेट्रेयंत्रसर्धित यलार्ड्यार्ट्रियाः स्रेट्रेयान्तर्धिता यरायाः अप म्बाक्ते कु स्ता हि.सुर्यायमात्यात्रात्यात्रीत्या विक्यायान्यात्रीत्र सेत्रायान्यात्रीत्र सेत्रायान्यात्रीत्र सेत्रायान्या क्षातिल्ल, अवेत्रार्थे अर्थर र देश र र देश या ने र खेर अरे र विस 55351 म्यानायुः व्यासमात्ता अस्मान्यास्या । विस् र्वेर्धकेर्नेरकरकर्री नेरकर्रस्य्यांसर्अव एसर्। वर्षाया यर्थात्ये रेयत्या खराक्षेत्रा खराक्षेत्रा खराक्षेत्रा खराक्षेत्रा खराक्षेत्रा त्या स्थान्त्रस्य स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्थान म् निर्मानम् कार्यान्ति । स्र नेम्यान्ति द्र द्रान्यान्ता है द्रान्यान्ति

क्वा वियत्त्रात्रकृतः र्ट्यक्यावस्यक्तास्या वर्ताः र्यराज्यात्रमा स्ट्राह्म्यास्य स्ट्राह्म्यास्य स्ट्राह्म्यास्य स्ट्राह्म्यास्य स्ट्राह्म्यास्य स्ट्राह्म्यास्य मा.एडिसा रे.रेस्एडेंगा.स्.सड्.एड्रा.ज्यसा र्मास्ट्रीसी स्त्रीया स्त्रीया स्त्री क्र,देर्द्रक,एक्सिकेस्वा वस्त्राव, हर्द्रत्या वस्तर्या वस्तर्या वस्तर्या र्यस्यात्मात्ममात्मम् या या स्वत्रात्मात्मात्मात्मात्मात्मात्मात्मा नायर्गातार्ग्ना वर्रास्त्रिकस्यर्ग्यये। वर्ष्यान्। वर्ष्यान्। नार्युद्धाः नार्युनात् एक्नेगामाप्त्रं स्वामानात् मान्युद्धाः मान्युद्धाः मान्युद्धाः मान्युन्द्धाः मान्युन्द् नयद्भा कें अत्यान्यक्यायव्यक्ति। क्रीयान्यस्य क्रियान्त्र्ये त्यावा प्रत्यान्न्यत्यान्त्र्यात्र्यात् क्रायान्यात्र्यात्र्यात्र्या गर्रास्त्रामा विकास देवार मान्या विकास देवार के मेर्ना देवार के ने यम्मा रेज्यासायहेर्न्यासायामा मार्स्येर्न्यस्यामा मार् र्द्रिस्मिश्चिताम् देवान्यसम् द्यात्मिर्द्रित्तिद्रित्तित्तिस्य याक्ष्यानेसार्द्रा अपास्र रेवे मेर म्हर्ते ला। व्यान मेर प्राप्त प्राप्त मार्थिय क्रियामा सर्दे स्त्रा स्त्रिया अवस्य द्वारा स्त्रा माना मान्य स्त्रेत समयात्यात्रम् द्राचे द्राचे मेर्मान्यक् द्राचे द्राच्या द्राच्या स्यान्त्रा त्या तहे द्वारा वहार से देते तहार प्राप्त ता के दार के से दान से दान है। पहुरम्। देर्वासम्रद्भाम् म्राम्यास्य स्वत्यद्भवत्या द्वत्यद्भव्यत्यद्भाम्यान् राष्ट्रस्य शुद्धत्येशास्त्रातिकातिका स्वत्या स्वत्यात्रा स्वत्यात्राच्या नस्वा रक्षिक्षान्त्रेत्रेत्रात्ता विद्यार्थारक्षरात्रेत्रा रवारः इर्यार्थर्रेत्रे र्याराधिकुः त्र्वेशिर्वार्थरा र्याय्येक्ष्रेत्र्यात्र्येक्षाः यर्रार्म्यालवस्त्रकी रेस्मालस्यालास्याला सर्देश्वास्त्रक्षा सर्देश्यायहरत्यस्त्रेर्धर्या सिक्रास्यायाः श्रेर्धरत्त्रा वासर्स्रातिसार्येत्रास्त्राक्ता न्यूर्यकार्या र्। क्षक्रमध्यानामस्यानिया क्षेत्रम् क्रम्यूक् मस्य हिन्ता यु.स्वे.श्रीर क्यान्त्री रर र्वे मार्थे स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थे भारता। यात्रवर्द्धत्यास्यायाया यात्रायदः वियातमात्रदेत्।

मुस्रीयावरा स्वास्त्रमार्नरतिता स्वर्राम्यस्यायः र्स्या लेखान्छर् रहेर्झाल्युक्तर्या रार्ट्सिस् सर्हे श्रेमार्य न्यान्या व्याप्ता व्याप्ता स्था स्था। मझ देशक्ष सार् मा करेर देवाल क्या अराय वर या देखार या या मा मा मा देस्तु क्या प्रस्तिरेशकेयत्रीरेश्येशा अज्ञातिर्ध्यप् सेर्येशिका मर्टर.एवेश.स.स्रित्रं ज्याचे ना वयसर्ट्ये लाह रसंत्रीत्या समस्य श्रेत्तर. 1 वे यानव का. के. एति विकाल के. क. ते. विकाल के. क. र्त्यातक्रात पहार्तिस्यात्त्रात्र्रम् व्याना रेटाएड्व. वर्सेस् एकेयान्त्री विश्वासित्राध्येत्र्यित्यत्त्रत्ता स्थित्त्राप्त्यात्र्यात्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् करा कुर्धकेया कर्रेकेक्व, सरीयका करीर प्रकार रेटेल के कहा करे रेटा त्रा भ्राम्बर्भे, प्रमास्य ता ल्या र्या र्या मार्ग स्था स्था चर्रेरेश्वरेशालायनुवर्रिधीया विसर्भनातेसार्च्याप्रह्र्यायात्रार्थात्रस्या इन्स्र रेशान्यत् स्यास्ति। इन्यन्तिसर्यात्र्या सर्यन्याता अम्मर्करा छहिन्मरास्त्रिणात्त्वा वर्षेत्रास्यायिणाः क्रियात्त्रेयः न्यमा एवे.कर.सेर्जान.रर.सेरेबात एमाएएवे.यर.स्प्रे.व्यानरी मुनामा वि.किर सेर्र अग्रा प्रमा प्रा स्त्रेरा अवतः सा विमा सर्व न से स्वर सा गर्ममान्त्रेर्यार न्युपुर्धिया नेया में पर्रास्त्रे में जिला में त्या में मार्थित ने प्रास्त्र । या, रिक्त निर्माता र्यायात्री मिन्सिर्यान्ता स्थापान्य लायाः इ. एड्रे. १८.१ देर्झ श्रास्तर में से स्वास्त्राया संत्रेरे स्वास्त्राया र्क्ट्री र्रास्त्रल्यार्र्स् क्र्रिया क्रियार्र्स्य क्रिया र्वयत्तराधिमाधिमाञ्चा एर्ज्या किरामाञ्चा प्राची श्रीमास्त्र मुस्तर्भिन्द्रा वर्षात्रेग्राभिन्यत्रेत्रेन्द्राभिन्ता वर्रासायुष्टा अर्रास्तार् はたれる あきしからなんとくともあるいし ナニノダと、それのまとれるヨー र्राट्याम्या अर्द्धात्रास्यात्यात्यात्यात्या स्रेर्ट्याच्यात्यात्यात्यात्या क्षा भर व.स.स्री अर त्ये नामकी ग्रम्मास्य हिराली ता ही है. कुना इस्तान्त्रान्त्रान्त्रात्त्राह्माह्माह्माह्माह्माह्माह्मा एर्जग्रम् श्रेत्रानर्रिर प्रेय तरपर्रा रेटलीय गर्वे वर्षे में के मार ही.र्जा के.य. ख्रांत्रेयाता. र वर्गायलेया के हे गायर ग्रेस र में से गायर.

ञ्जा एर्रेम.स.५२१ रमेरेरेस.सेम.रर.मे.लेम.रर. य.मरेस.म्. स्याक्षेत्रीयार् वर्षात्र्या र्वे वर्षात्र्या र्वे वर्षात्र्या र्वे वर्षात्र्या स्वर्षेत्रात्र्या स्वर्षेत्रात्र्या स्वर्षेत्रात्र्या स्वर्षेत्रात्र्या स्वर्षेत्रात्र्या स्वर्षेत्रात्र्या स्वर्षात्र्या स्वर्णात्र्या स्वर्षात्र्या स्वर्यात्र्या स्वर्षात्र्या स्वर्यात्र्या स्वर्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्य मार्च्यापद्मा कर्नामा कुर्मामा कुर्मान्यान्त्रमा स्वार्मान्यान्त्रमा क्सान्यमाल्रेजरक्र्यम्पा अवर्गात्माह्मा अवर्गात्मा अर्थातः २,इर्.श्रेर.धरातालूर्रा छ्य. इर्.छ्यालाका इर्ड्यूर्य रेस्ट्रूर्यार्यं द्रे प्याच्छेरथा १ व्याच्रेरिट्रम् स्थापायायायायायायात्रास्या स्था इससाम्याम्याम् म्याने विषया मिन्नि विषया मिन्नि विषया मिन्नि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स मूरामान्यसार्वार्के जुम्मतायायाच्या सक्तार्वित्रके नाममानाद्रीत्र मास्त्रेता राज्यसीद्रमानातम् स्यास्त्रमान्यात्रेयम् हिर्मान्यास्त्रीया श्रुट्रां वर् भूत्या स्थामा के लि मेल के जाता की देरेंगा के उप देश हुरे की पर् क्षर्यरक्षा विष्यव, नर्रेट्री विष्ये व अस्ति व कार्या व कार्य देर. वालामा कातितान्त्रान्त्रान्त्रम् देरेयेलमा प्रमास्त्रम् मार्त्रम् कार्त्रम् इस्त्या अक्त्यास्तेत्रेत्रे अस्ति हेत्र्यास्त्रेत्र वाद्यार् राह्रेर् र्यायति ध्रूर्धिस्मान्या। यात्रुर्यास्राज्यांस्रुक्षिर्देशवता गर्यार्यास्रित पर्यास्त्र के के कार्य का मान्य मान्य का मान्य के मान्य निवार हो न र्यन्त्रियानार्यरात्या रेस्यरायात्रिया स्रेर्यास्या म् नेता तर्तास्तर्रम्यातक नवा द्वासे वास्त्रम्य स्वापन रहेर शहरकाद्यानिकार, राष्ट्र गरी विकार में मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ विकार में ये अन्तर्द्रा भारता के अक्ति लावववा संयक्ति लावा दर से र ये. लुर्मानुद्रान्ता प्रतेन्यसायन्त्रमान्यान्त्रमान्यान्त्रमान्यान्त्रमा र्मूट्रास्ट्रमान् जास्त्रे देवर्र्याता वि.सर. र. ज्यासिता अस्ता स्वि.सप्यानेर. कुल अत्राय प्रवेद्र विकाल अत्या द्वीत वना कुर वर्षाया क्राय सर्व.४ चूर्यायद्रेर्ट्राट्रे, द्रेर्ट्राट्येरी वस्त्रार्ट्यायद्रात्याच्यार्वे स्वार्थाः देवन्यन्देन्याक्र्रेन्स्या न्यन्यावयन्त्रं न्यम्ब्रेवन्यमाना छ्रेनः शुर्द्र पर सिम्रेन्स्र र यर कुर्क्, । अल. कु. म्. अस् या स्त्राता सील नुर्मित्यात्रम्यात्रम्यात्रम्याता व्यवस्य द्वार्मा स्वरंत स्वरंत स्वरंत श्रद्धान्ति के स्वास्त्र १ के स्वास्त्र स्वास्त्र के स्वा मार्स्यन्ता विकार्याक्यमाना र्मार्स्या म्रास्यामाना स्थापहर

वे अब्रुक्तत्रक्षात्रक्षात्रक्षत्रमा विःवेशःस्तर् हिर्दिशम्त्रकात्रात्राच्यावा -कैसान्यक्रियाजान्यत्रात्र्रात्र्रा याय्याचाक्र्रीत्वेरवर्वर्वर्वत्रा क्-र-अधिव-रेन्न्य-र-अर्थ संस्थित्य्यार्थ-म्ब्रि-स्थित्यार्थ-म्ब्रि-स्थित्यार्थ-स्थितः एजाजाना क्षेत्राचरा वृद्धारम्योश्चर् ते हेर्द्धारात्राह्य । क्ष्यारात्राह्य ह्रेंबन्त्र द्राक्ष्य प्राप्तरा श्रिवः विराज्य से 10र विराज्या १०र विराज्य से अपा र्रा उर्वेग्स्यलीस्य निर्देश सार्थाता एक्ष्या संस्था स्थान अरस्यर्रेर्क्रियेश्वर्ष्य्रेर्क्य्यर्रा तिस्यस्यस्यर्भ्या रत्रर ने सूर्तिया कार्य हे स्थान सामा में स्थार भिन्ने र स्थान है स्थान है । र्वेशास्त्र रेन्ये स्वारम्यास्त्रात्या र्वार्यस्यास्यास्यास्यास्याः वार्यस्यास्याः गुरा गुरुश या अक्रमानि । त्युमाओ सीराया मनेर सर रहा। सेर हा सिंगि ए राष्ट्र व सेर हा स्युःयावसायाधिर्धियार्द्धा द्विस्यद्वा येवस्यावस्याधिर्वित्राद्वासाद्या यक्तः स्याल्यासाल्येन्ता में शिवस्याय म्हिस्स्रेन्ता र्वत्रस्यव्यास् कर् म् प्रह्मा र्यायामस्य भिन्न स्थार्याच्याच्या मे स्थिराज्य राजा. लवु.दे. कर्रेश्वरत्रर.म्.म् यप्रह्मर.न्रा क्षेत्र.धत्राम्ब्रियंक्य.एर्वेम.स्य एड्रे. पर्र. र्लेजअञ्चातर्भात्राम्याना महत्यात्रेरेल्ट्र्याताराज्य द्री कुर्ने कुर्ने प्रमुक्त के निया कि मार्थित कि कुर्ने कि कि कि कि कि र्रत्रामक्रर्यं वेद्रवर्त्ता त्याक्रेचे त्याक्रमे त्याक्र होस्तर्ी यासीक्रमाया. सप्सेर्यप्रात्त्रवे। क्रि.र्रास्वयारे सेर्यापर्गे सेर्र्या स्यास्यास्य रेरिटा सेर्तिमारात्यात्रस्यक्षेत्राचार्त्यात्रस्यात्रात्रात्र प्रत्यसास्त्री सर्यमास्त्राचास्त्रक्राचास्त्रमानास्या लुत्रेरी शुक्रिय, एक्नीय प्रदेश किर्मिरी रेम्स से साम्य देखा स्वास्त्रात. नि। यो न्यान्याया रर्जि द्वेरिक्टर क्रिया ग्रह्मार त्या यात्राया विश्व स्था है। . पर्यापर्येकार्यात्रेयात्राद्र्यात्रात्रेत्रविद्याः कार्येत्रेत्राच्यात्रेत्। मायकार् कु.लर्ब.ज.ज्ञ में अर्री वेलानुरायहर्शेर्रे हिरायर मार्ट रेड्स्य स्वेव. ?. वि. र र र अप. ल्या प्राचि र यो पर्य स्था स्था स्था हर् से या वित्र दे सिर त्येया... एश्याक्त,सिं.स्थानाबीर.यं.यंधिरी.एवेगा.सु.सु.स्था.क्या.सुस्.पा.यंहूर.रन्था.

जास्तालाना मिन्नातान्त्र स्वतंत्र में देवसालवा क्या जन्म न देना देना व

रानुरा अस्त्रियामहेर्त्रास्त्राचारम् अहूरा अरेर्ज्यार्यामारह्यासः

ल्ला। ।शुरुवाह्दा निर्द्धातात्रावराव्येषुविरायक्ष्यावया। वैदासी त्रायटम् स्रे छ होते। १९६६ होते देवाल ग्रे स्वायत् रायत् दे देव के देव के देव के देव के होते के स्वायत् होते क्रीयए की.स्या रेजेमा स्योक्तार में मार्जे स्था रेजेमा स्था रेजे क्रमिथरक्रेर्रा बराज्यक्रेर्वास्क्रियाक्ष्यं व्याप्त्राच्या वस्यार्राहरू रेबा-स्मयत्र प्रम्या कर्याम्या वर्षाम्या वर्षाम्या वर्षाम्या वर्षाम्या वर्षाम्या वर्नम्हर्ति। मन्तर्रत्यक्ता मन्तर्रत्यक्तिक्षेत्रम् एक्ट्र-न्यत्स्ता एक्त्र-र्यक्त्रिक्त्यक्त्र-न्यत्स्त्र-श्चित्रा ११ द्वाराम्यात्र । सिंसेया सम्मान्यात्रे राष्ट्रायात्रायः । विन्द्राय र्रप्यमानादास्यानायात्। यलवास्यान्त्र्राच्यात्र्रा शुर्गाम्यर्गात्र्रस्त्र रस्त्र रस्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र मार्थे र मार्थे मार्थे मार्थे र मार्थे र मार्थे र मार्थे म प्या क्रिस्ट्रेन्द्र-र्न्त्रामास्त्रेत्। सर्पर्रात्रान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्य प्या श्रिन्त्र्रश्चितार्तरत्या प्रदेश मान्या मानयात्ररा स्थाराम्य स्था स्यस्याक्षरा मालुर्याक्षेत्रक्रियक्षरास्य स्थान । व्यस्यस्य स्थान वास्यस्य रम्भाना मार् कर्मा मार्थिया स्थापहरा स्थापहरा स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत अअमेर्त्रेन्यां हुपूर्वी र्टिस्याल्ये। रस्य सेर्द्रेर्या सामा समा मार्गेन्र स्था से श्रीद्रश्चित्रात्र्यः स्ट्रीद्रश्चित्रात्रः स्ट्रीत्रात्र्यः स्ट्रीत्रात्रः स्ट्रीत्रात्रः स्ट्रीत्रः स्ट्रीते स्ट्रीत्रः स्ट्रीत्रः स्ट्रीते स्ट्रीत्रः स्ट्रीते स्ट्र नियात्मत्रास्त्रीत्यद्याः यात्रात्र्याः योद्धाय्याः योद्धायाः योद्धायः सार्वार्वसके कुछन्। श्रीरार्ध, सर्वा एईका सूर्यात्री अर्के का सर कुक्रप्ट. बेरप्ट्रमञ्जूनमार्वेरवेरपट्टा के.प्रधुस्ररेडियापवैयां मूर्प्ट्र व्यात्यात्रात्रवात्र्यः देश्वात्रा श्रीतारादगद्याद्रम्भत्रा सम्द्रम्भत्या एकिरमान्युर्मा लेखानास्ट्रीया लास्त्राच्या यतु-एस्कारी-सारा र्योष्डिए-इर.का.किर्रियार्येका र्योर्ट्रियार्ट्रिया त्रमास्त्रेत्रवन्त्रक्ता मान्येक्ट्रिट्टिस्यात्रमास्त्रेत्रवन्त्रमात्रात्रमा स्ट्रिस्य १६००। मान्येरिक्रमार्ज्या सहस्रात्रात्रमात्रमान्यात्रमान्यात्रमात्रमात्रमा कर्रित्यात्रमात्रम् । मूल्य्यम् क्रिय्यं मार्यात्रम् व्याद्रमात्रात्रम् व्याद्र चर्यात्रात्रात्रात्रे, एर्चे व.ल. स्रुट्र. में रे.इ.च्यादी वेश्वात्रात्रात्रात्र प्रचा. क्रियामार्थे स्थाने सामार्थित सर्वे स्थान स्थाने स्थान स्थाने स्थान विश्वास्त्र में त्या होते होते । नाववाराव न्या विश्वास्त्र मान्य स्त्र होते।

देशसूर् एकामार्थीर शकर लटा। हु डी.लूर्सिय लुट्या सूरी सूर. भटकी १९९६ में स्विधियामानार लूर्जिस्ती केस्तित्वारम् सेविस्स्तित्वारम् सेविस्स्तित्वारम् सेविस्स्ति। याववास्त्रवास् १९९६ वास्तित्वारम् स्त्रा। मित्रास्यित्। रत्स्रित्यात्माववःस्रिवःत्ता स्त्रित्यात्मवियाः प्रचा.एर्स्य संस्ट्री चयात्रास्य एक्स्य स्थित्य स्थित त्रव्यान रिक्टरें रेटरें श्रीमिलक्षेत्र अर्थत्यरें अयाता सर्या सेट्रिं राया वाधवाता स बर्दः भेरा रेखें यात्रक्री रस्यां सेर्ट्स स्ट्रिया तर्द्धा रहा याद्रा स्ट्रिया राज्या स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया यार् सरसासास्य । वस्त्रेर्या श्रेर्या स्थार्था । स्ट्रिया स्यार्था । स्ट्रिया स्थार्था । स्ट्रिया स्थार्था । स्थ्रेर्या स्थ्रा । स्थ्रेर्या स्थ्रेर्या स्थ्रेर्या । स्थ्रेर्या स्थ्रेर्या स्थ्रेर्या । स्थ्रेर्या स्थ्रेर्या स्थ्रेर्या । स्थ्रेर्या स्थ्रेया स्थ्रेर्या स्थ्रेया स्थ्येया स्थ्येया स्थ्येया स्थ्रेया स्थ्येया स्थ्येया स्थ्येया स्थ्येया स्थ्येया स्थ अहम्स्ता विक्षित्रक्षेत्रात्र्यास्य स्वास्त्रात्राचा गर्रात्राचित्रात्रात्रा र्यार मोरे हे में हिर्त मसीर में स्माहिर में हे र एट्टी रर एट्टी रर एट्टी र रा से माले र विजन्ता सरक्षित्रा हेन्या विज्ञा हेन्या विज्ञा हेन्द्र । अरस्य विज्ञा हैन्द्र विज्ञा हैन्द्र । अरस्य विज्ञा हैन्द्र विज्ञा हैन्द्र । विज्ञा हैन्द्र विज्ञा हैन्द्र । विज्ञा हैन् रुर्द्धरायुर्द्धर्मा अयर वर्ष्यरा राज्या स्त्रा 931 १० म्याद्रया चर्यस्त्रस्त्राच्यास्यास्यास्यास्यात्रस्याः स्त्रास्याः व्याद्रवास्याः व्याद्रयाः व्याद्रयाः व्याद्रयाः व्याद्याः व्याद्रयाः व्याद्याः व्याद्या एट्मा। सून्।एर्ड्, बर्नर्स्यायात्र्रात्रा रहार्ज्यायान्य्रात्र निस्या नर्ने स्थार्तिया नर्ने स्थार्तिया स्थार्तिया स्थार्ति स्थार्तिया स्थार्ति स्य स्त्राध्याः स्त्राध्याः श्रियाः म्साराक्षर्भवान्य में राज्या में राज्या में राज्याया में श्रेष्रः यरश्रसेरः १०१० । रेश्वार्श्वराश्चारम् द्र्यार्थः । रेश्वर्ष्यास्यः । वर्षा इस्पार्ट्रया द्याया द्याया द्याया द्याया द्याया द्याया स्थाया वर्षेत्र । वर्षेत्र द्र्या स्थाया वर्षेत्र प्रिक्षेत्रत्त्रा स्मामक्तरत्त्रत्य्य स्मान्त्रा वर्त्त्रमाहत् स्याःस्यान्यर्गातर्र्याः स्वान्त्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः । इत्य स्ट्रातहर्वक्रियदेशक्षयात्रद्वा द्वान्त्र्यायाक्ष्यातायक्रियाचायदेनवायदेन्त्र्या एयरथा.शु.क्रे.धा.चर्.सेर.ल्र्.एर्र.व्या इंस्थान्त्र्यु.च्यापस्याय.यव्यापः र्गुका अम्मन्त्रम् १३३ मुर्गुम् म्यान्तर्द्द्वा नम्द्रवामाक्षेत्रम् इयःनर-रेश्या। ड्रिट्स्ट्रेस्स्स्रे डिय-उस्वार्ट्रेट्रेक्या यूराट्टेश्याखाउ मर्भरत्र दरम् केंद्र साम्मूल। देला रूर में के के दर। व्यर दे में का केर र इ. ५ नेत्रा मेर्नुता र वर्ष्ण्या श्वर्षा मार्थिय स्त्रित स्त्रा स्वर्ष स्त्रित . र्यरम्भव्या रस्यस्यत्या रस्यस्यत्येत्रियास्यस्यास्या। यार्ट्रम्यर्वास्यः

ज्ञा। । साम्रायम् स्त्रो। तस्र रंक्रुवार्चित्यः मानविद्यः। । न्याः र्वास्त्रित्त्रुमाव्यक्षम्यायाय्वरमा। र्वास्त्रेर्त्यायात्याः वेदा दुर्गायक्षेत्रास्त्रेर्भः अर्देर्द्रा तर्स्यद्रयः येतारा ।वेसारा यवरा ।वेसार्यर रत्त्व येथाता एत्। कुत्रुक पाय येथाता क्या विक्रु के मान वर्षे से में प्रियास्त्रक्त से राम्र रामात्व केराप्त्रक्त का की स्त्र है से स्त्र का निर्मा दर के से से से श्रेमक्रित्रमम्भूनासित्रज्ञास्त्रमास्त्राम्यत्यास्त्रीत्रम्भन्यस्त्रे स्ट्रा जिर्देशस्यित्रेत्रात्र्रीयात्र्रीतास्यात्रेत्रेत्रेत्रस्य त्त्र्रेत्रे स्थात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्र म्मास्य नहीं है। श्रें अस्य अस्य । स्यास्य स्थास्य हैं स्यास्य स्थास्य हैं स्यास्य देराहर्ट्यक्रेर. के.स.इनायादेला। ध्रूर्याक्षेत्र, हाराजााला स्तेत्रा चावया देवाया रचात्रद वरवया। रेमानारीयास्यात्रात्रात्रात्रात्रा ग्रिसार्ट्य करहेव होर्थ देवाया हा। कें अरक्ता असेजनए सर्वास्त्रे में अंतिस्त्रामा सन्देश्वरेश्यमान क्रियान क्रिया अया अर्र न्यातस्य तर्वेद्र न्याया या पर्राय रात्र तियातिया विन्युत्तियात्त्र स्वर्त्त्र मेर्स्याता तीतीप्रतारह्ये सार्थना हुन्या लेस्य्वेटी परेसालरक्षक्रेमार्ट्स्वस्त्री स्त्रेर्ट्स्रिस्ट्रिस राम्यान्त्राम्यान्त्राम्याः स्वाप्त्राम्याः स्वाप्ताः स्वापताः स्वापतः स्वापताः स्वापताः स्वापतः स्वापताः स्वापताः स्वापतः स्वापत प्रत्यन्त्रम् स्ट्रान्यन्त्रम् स्ट्रान्यन्त्रम् । स्ट्रान्यन्त्रम् स्ट्रेड्र नार्यका। क्रमालरकोर्भारमान्यस्य राज्यार्ग क्रस्त्रिर्धरात्र्यस्य मार्था विस्तानुत्र्रं देशाः में मार्थे विस्ता के स्केट्र देया नार् सर्वर. यत्रम्ता वित्रवयाद्वाम्यायायायाः । द्यास्यात्मात्रायाः क्रिया र्राय अध्याला ता स्रेव व अरा अद्राय व स्तर र्राय में मार्स्याय था. लूच्या अंडिट.इस्रस्यर्थर.इस.दूब्रस्ट्रम्प्रियात्त्र्याः प्राप्तिस्यात्र्याः पर्यस्यदा क्र्याप्रद्यां सुरे क्रेयस एयस्य स्ट्रिय स्था यहिया यहिया । मस्साम्बद्धान्त्रम् । द्यार्स्सामात्रम् अत्यन्त्रम् वात्रम् क्रीनेवर्न्यक्रित्। श्रीत्र्यप्रसूर्यक्रियात्म्यक्रियात्म्। पर्वात्मश्रीकरः इ.स.स्याक्ष्यक्षित्। पर्वेश्वत्यत्विक्तित्त्रस्य स्थानेव्यत्यत्याः कुर्याध्यावज्ञात्या विस्तरक्ष्याक्रेत्याता इक्ताध्वाद्वेव सः बर्दर्र। एकरमात्राक्षरान्त्राक्षरमात्रात्र्रात्र्यात्र्रम्। रहेनावात्रर्म्

192 त्ता इ.स्ट्रस्य सन्यन्त्रि स्याप्ति । १०५ म् स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्य गर्नेक्र-र-रेक्तुनाम्रस्या वरम्रर-प्रहण-र्र्स्त्र्रीमान्द्री वस्रावतः हो। दर श्राचारम्, पुरस्ता इ.स.स्.इ.स. प्रस्ताकर्रमाता श्रीर इ.स.स्.स्.स.स. अर्थें अर्था इस् न्यम्बर्जान्त्रक्ता सेर्न्यद्रर्भन्य रस्यात्रक्त्यम्। क्रीक्रायास्य स्वत्रेत्र एकेयत्त्रत्। र्स्ट्रिट्यश्चातित्वश्चात्र्यत्यत्त्रत्या 231 रम्मार्च्यास्त्रातःमदम्भःते द्रमूलः मःस्ते । मेर्नमूलः नवायः कदः द्रमूलाये स्त्रातः उ वुःक्रा सस्र र. स्रुतः मूर्यः त्याता। विद्यानिमा सर्मा त्येत्र स्थान्ये त्यास्ता सर्मात्ये । मस्मिनेय श्रित्र श्रित्र । तर्म्यत्रित्र प्रत्ये अस्ति । स्रेन्य स्ति । स्रेन्य स्ति । स्रेन्य स्ति । मिनाल्ये। प्रश्करनेर केश उर्वेश खारी रू. डी. एकरेश लूर प्रमाया मायत नप म्याद्राम्याम् म्याद्रम् स्ता याम्यायाय वर्षते स्त्राप्ता व्यम्भासता र्श्वास्त्रस्यस्ता म्यार्श्वास्यस्यर्थाः स्त्रास्यस्य कृद्रकद्दरसद्धरम् मञ्जेषण सङ्ख् रू.मृ.ज्येशःमी यति सिंद्रियः वर्षेत्र प्रत्या स्त्रा स्वारक् वस्त्रीय खंद्र, यविद्र यथिता स् कॅपुरचर् सेर् स्थान् साम् । सामान्य सामान्य साहर सामान्य सामान्य । स्रीत्यह वर्षतर्वहर्षा नायुनायात्त्रता दस्तरावायद्दरत्यावेद्यात्त्रता दस्त्यात्वरात्रत्याः वर्षत्रत्यात्त्रत्याः वर्षत्यात्त्रत्याः वर्षत्यात्त्रत्यात्त्रत्याः वर्षत्यात्त्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्यात्रत्यात्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्यात्रत्यात्यात्रत्यात्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्यात्रत्यात्यात्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्यात्यात्रत्यात्रत्या महेराकारार्। रस्ररावारहेर्द्रेन्यानेकात्त्रा रक्षमा वित्वरायरेष्ट्रेन्द्रिया रेत्र्यं माष्ट्रता रेत्रप्रमार हरे आ मार्टे तता स्मा १ वर्ष मा १ वर्ष मार्टे रे रेरप्र स्मा स्त्रमास्त्रियात्रेयात्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् ख्रुम्मा,त्र अप. पर्रे. लर्. करे. लर्. स्रिमा स्रिमा स्रिमा स्रिमा स्रिमा स्रिमा मुर्देश्चरं मार्थायाता। दलाल्यर यामाना एक त्रिक्यले लेवा। लरेक्य तामाना 7लन्नेया प्राथित प्राचित्र विक्राम्य विक्राम् स्राप्त विक्राम्य स्राप्त विक्राम स्राप्त विक्र स्राप्त विक्राम स्राप्त विक्र स्राप्त विक्राम स्राप्त विक्र स्राप्त स्राप्त विक्र स्राप्त विक्र स रदानिया ज्याया लुखातालया सार्दर मसंस्थाय वस्त्री संस्थिया. १ ७१९। वर्षा है। या त्यावा अंदर्भे याव दर है लाहा। हिन्द्र है या वर्षे हर पर्देश दर्थ न्यतर् नेर्यं के त्रात्र्या के । क्रम्यत् क्रम्यत् स्वत् निर्मत् । क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या क्रम्या लयाक्चित्रर्। सुराक्षेत्राप्रकेशास्त्रेशास्त्रर्था रेटेलार्यराम्। सुरादरास्त्रामा र्रा स्मेर्रास्त्रास्यासा है. यायाता तावा। राजार् वत्याया ताया है। व्यक्तिर्धिर्धिर्मा रेरमाल्यास्यित्रास्यर्भे वृत्त्र्यात्यात्रास्य भंकुद मासी राजिर्द्र प्रचेता मार्थिया मार्थिय स्याद्वस्यावकाश्रहरेत्तावर्त्रेष्ट्रात्रात्र्रेष्ट्रा श्च.च.पा.च.पा.च.पा.पा.पा.पा.पा.पा.पा.च.च्या.च.प्या.च.च्या.पा.पा. हैंगारबान्। प्रचीमाना तिकाना रेटा। स्राचए रहिर्मार्चा स्रोहे स्थार देश

हे.स्रायट्यू.चेत्रत्रत्रा भूतु.चेर्न्स् नार्य्याच्यर् रायद्यासा यद्यार्यस्यावस्य

लुस्यान्त्रवाद्वस्या द्वान्त्रत्वत्त्रः स्ट्रान्त्रः । न्या द्वमावाय्याद्वः द्वान्त्रः

अरावराध्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्

क्रा। । वि. विस्तार्यर्यस्य द्या वर्षे वाववर्षे त्यवर्षः स्रोत्रा देदः वर्ष सुर्द्धान्त्रा स्ट्र्यूट्यान्त्र्यान्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्रात्त्र्याः स्ट्र्याः स्ट्रियाः स्ट्रियः स्ट्रियाः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रिय करा रसम्भागामानार्गर्यस्थित्या हास्यार्थर्र् हेनविन नामिक्नियार्थर् रहिण्ड्री क्र्यात्यः सर्वः तम्मूनः । वर्ष्यं स्त्रात्रे स्त्रिः भेसमाताय वद्गा विसायते वर्षे . राष्ट्रियः पर्वरस्त्र देशका में रे.रं.रं.तेवाचा नेमाप्यातामा नवरात्का नर्य मार् प्रमा अवस्तरत्तर्राष्ट्रस्य केत्राक्षिताक्षा १० दश्चिताकत्त्रस्य । १० दश्चिताकत्त्रस्य विद्यात् । १० दश्चिताकत्त्रस्य । १० दश्चिताकत्त्रस्य विद्यात् । त्त्रम् न्यास्त्रम् सस्य स्थान्य स्थान्य तिस्त्रा त्या राष्ट्री स्वय स्थ्री स्वय स्थ्री राष्ट्री । किर्यं वर्ष सबर सर्व बर के बर हर रे व बता ते के मार्च के मार्च में म इंग. तिस्तात्र असेवव् । कराएं के व्यक्ति के विकास के वितास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विका सर्दर्या वर्तन वद्। खेना स्त्रा देश रहे या अतर संस्था र्दा र ब्रेन्। विस्य स गर्ने गमते अहस्य अस्ति। अर्तहर्दे पराया अत्रहें अव। दे पराया गाया व व्यर न्याना स्थान सर्देश अवस्रिक्ष्येते स्ट्रिक्षा रहीर केर्देर स्ट्रिक्ट केर्द्र कार्येता रूपण है। ससरलवास्त्रास्त्राम् द्वारास्त्रिका म्रीत्रम्याम् द्वित्रास्या स्रीत्रस्य म् द्यान्त्रवाराष्ट्रा तर्का में मार्चर द्यार द्यार व्यापाय मेर्रा शार्ट से ज्यार तर र्इस्यामाववादारम्यर संयुर्भक्याताम् स्त्रिक्षेत्रे। यक्ष्यम् न्यर्वेद्रम्यर्वेत र्राज्यस्याताक्षेत्रायेता। वयास्यस्यात्रेशायात्रेतासक्रेराक्ष्रायात्रेयास्यर्भराज्याः हुद्राद्या मार्ग्नाटर्स् क्रिस्ट्यार्ट्रा मंद्रक्षित्र त्यार्थ्या म्यार्थित स्ति म्यार्थिया स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति यस्यान्यस्य जात्र्यस्य स्वत्यान्यस्य स्वत्यान्यस्य स्वत्यान्यस्य स्वत्यान्यस्य क्र्युन्दर्भी। श्रीनामान्ता कार्यानामान्ता व्यापते ल्यानेयासून्यते विषया इंगाचिते मान्येर स्वेमानो द्युता मान्या ने तमाचिते चर्षेत्रामा अर्थना हिंदी एत्रे. याच्या प्राप्त क्षेत्र में याच्या अर्ह्ने स्था वर्षेत्र में प्राप्त के क्षेत्र में याची र्यन्त्रभास्यमा स्राष्ट्रियानीयास्य स्राप्त्य स्राप्तियास्य स्राप्तियाः वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत यते मवया तरेर्या ११ वस्ति महत्त्र महत्या महत्या महिता से रे ति हिता यते. यदा रसर्वगादिगासक् एडिजानवा किवर्गर हैं ग्रीस संस्टेरी एर्रेड्यावन्यते मर्ट्यम् सर्द्या सर्द्यम् सर्द्रम् सर्द्रम् सर्द्रम् श्रास्त्रेय वरके वरदेश विदेश देश एवं स्थान प्राप्ता के किर की वी से वर्ष मन्या म्स्यास्त्रं सेमार्स् सन्यान्या होतान्यः स्यायान्यः स्ट्रिन्ट्रा

प्रवास्त्रके पर्यंत्रायात्मा श्रीयालर भ्रीयालर भ्रियंता राज्यात्मा प्रवास्त्र स्त्रीयालया ला स्राम्यरकी, बर बर्धरालवृता पर्यमञ्चन नावन सञ्चार है। बी पर्न पर्वे त इस्तिमार्चराइरा स्रियास्यार्धरात्रीयस्यात्रात्रास्या र हर हो। वसूर्या एर्क्यर्र्यर्र्यर्र्यः स्रेर्ट्रिंगः ख्रिया एर्क्यावरापर्वामान्दर्यात. नुराम्प्रा स्थानक्र्यानस्यानप्रात्रा त्यन्यस्यम् रज्ञेक्याता श्रीन 3 MEAN रेयर्विक्ष्युः यक्ष्या देल्य्रेरसप्रस्य रेर्न्या अहर्या रस्र्रेररः 4 धाला महर्मार्द्रस्तित्वा रयतः स्रेर्स्येकार्ययर् यहेवायार्द्रा सहरमास्रेर र्भे यक्। एलीयायकरत्याक्त्रीता रेज्येक्टरम् स्वयवद्रा एवकरवायकः एरेया.म्.एरेया। रेस्ट्र.सं.स्यूरेम्क्रेस्ट्रेक्ट्र.खं.लुकावेका लेकास्प्राक्रियामा. ब्यकेर्। मचरारविश्वीत्रिक्तीत्र्ये र्राम्प्रेत्रा क्रियानम् वित्रास्त्रेत्रा क्रिया ११० ज्यानात्रा 7/4.2 ब्रुंद्र मा नार्देरत्यमाल्या राजमास्ट्रेस्टर्ट्या हेर्ययमाल्ये। र्यत्रस्तर्भात्र गवन्त्र वर्षा गत्रियामान्याये द्वायाद्या गर्वेद्र स्थित रेगूस्तास्त्रेरेरा लामुध्नेसाम्ब्राच्यराक्षेत्रा रगायररक्षेरासाम्बर्दास्ते भवारिकः द्वारा श्रें देशक्त्यावयात्त्रः क्षेत्राच्यात्यात्। स्वार्थः व्यक्तः व्यक्तः व्यक्तः व्यक्तः व्यक्तः व १३ वहासमा हि १० र अस्ति। इंट अयल्ये स्ट्रिंस के वहूर र मूर्य स्ट्री र व के वारम. रयर्र्स्यानी व्यवस्थातिस्थितं वर्षात्रस्य स्थाति । वर्षात्रस्य स्थातिस्थाति । १२ प्रकाम्भा प्राया राष्ट्र हे त्या मार्ट्स मार्ट्स या या या स्था कर स्था मार्ट्स कर मार्ट्स म न्य स्थित्य स्थाना स्थापा रहेत्र स्थान स्थान स्थान स्थापा स्थान स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स 165 र्विश्वार्त्रात्राम्बर्द्रास्त्रास्त्रात्रा द्वारात्रह्र्याद्वार्त्त्रायान्। द्वारा रराजाक्रेरार्य्यात्रारा श्रेर्यं श्रेर्यं श्रेर्यं स्थान्यर्याः क्रेंगार्याल्या रे.क्.मेर्रियंत्रीयाताताय बेर्गा मालवे क्रिया मार मार्थितार्था लगार्थात्रम्भूर्षाम् १०४१ श्रमाय्त्रे । मेर्द्रायक्रमायः यारान्यास्त्रम् स्टान्यस्य स्यानस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्यानस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्टान्यस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्टान्यस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्य

र्भ वहें अप ११ लगा। विरायने मेस्वेममाय विनानियाले हा के नार्य से हिर्देश के यद्रमार्थुत्रःलुद्रा सर्वेश्चर्यस्यित्रम् मीत्रार्थत्रयात्रा गर्यक्रयः सर्वेगः क्रिक्र विदेश चारिमारियात्वर क्रिक्र माप्टीयात्री वार्वेगे ग्रेट्र नार्थ मार्क्र लाव स्यार्टा स्रिक्ष्यत्रेयामातार् किर्यप्यात प्रस्थिर्देशस्या होत सर्यस्य यात्रास्य स्त्रीतीय र न्यार्थी स्त्रीत्र स्त्रात्र स्त्रात्र स्थान्य रेक्स मं लर एक्से में में हैं हैं रे विक्स कर । सैरायमक सेर् केस मान्ये क्रिक्टिर्धर्यसम्बद्धाः। यूर्मातित्रसम्भरग्यानान्त्रुः। सरस्य क्षेत्रक्षेत्रकरा अन्यस्मेनक्षेत्रक्षेत् क्रमक्रियाद्रहर्दर्दर्द्याक्त्रक्षेत्रहेन्द्र्याक्षेत्रहेन्द्रिक्षात्र्यात्रे क्रिन्दर वर्वास्ट्रां विकायते रचा द्विर त्वेना स्ति त्रेर से नेपा वर्षा हो रखाया ब्रेर-यथमार्स्य रेप्येये प्रायायस्य रेस्य त्यार्था स्ट्रेर में या एते से हैं. के के दर्भित्य राज्य सार्थ एवं मार्थ यह यह या त्रामा न्यू र त्यू वे त्या त्यू र त्या प्रवेद स्मक्त्रियाच्याताप्तप्तर्थता हे.र्य्यस्यस्यान्यायायायायाच्यात्याप्तायाप्त्यात्र्याः। योज्ञाताञ्चाताताप्तर्थत्या व्याणीयाप्ताप्ताप्तायाप्तायाः क्रियास्याः स्र् क्रेड्रे. इयमे. दूस मिन मार्ट संयुता वंद्या मारे लाई न्यूड्रे से में मार्ड्य सर्र्यक्ष्युक्षेत्रस्य स्विक स्वर्गात् र्वे स्वर्गात्मा स्वर्णात्मा स्वर्णात् याञ्चरा क्यान्तरावान्त्रस्यात्रान्ता । तर्मान्यरास्यान्त्रान्त्रा क्ररमानपुर्यसम्भानपुर्यान्द्रर्रा बेरासराक्षेत्रपुत्र्र्रं रालव्यान्यः र्यःक्ष्यत्यस्यः यद्द्रयः सिन्ता पद्याश्चरक्षतः स्तुः स्त्रियाः स्त्रात्ते व्यक्षत्त्री सुन्युर्यात्राच्यात्रयाः स्या चर्डियात्र्रः र स्रेनात्रः स्था चर्तरः से स्वार य.भर्य.मत्मात्रेमा ४६.भ.में में मान्यर में में मान्यर में मान्यर विकास कराय मान्यर विकास विकास श्रित्स्या स्टायत्यम् स्टेन्न् श्रेमित्रा स्ट्रियार्यस्य स्ट्रियार्यस्य स्ट्रियार्यस्य मालामा केर विसा का प्रवेश माल्ये की मा हुन मानका अद्भूर मानिक की माल्य मुद्रेर दे। विमान दियामा मार्या प्राप्त मार्थित की मार्थ है में क्ष उ.स्तुता कार्य द्विता से प्रदेश अस्त क्रिय है। अस्त क्रिय है। ये प्रति क्रिय है। हैं देर ही हैं रे पर कि कार है, विकास है, विकास है के राज है है के राज है। का नाय रे के हो का कुलक्क कुत्रया अंतर अव्यास्य अराया ग्रेग्य पर्टेस्केश अव स्यार्थात्या स्योतिस्य स्वतः स्व सर्चरत्त्रीतुःस्त्यारः अत्स्या द्वात्वेत्स्रा द्वात्वेत्स्रा

क्षियात्रात्रा देर स्वरा होत्रास्तर त्यात्राद्रा स्वरा र्मस्यास्य मार्स्यर्ग्यामा। क्रिस्यस्य मार्थस्य स्वत्यत्याः । L'hame of her costle. यूर केश डिनेग स्थार के रू अर्ग केर सहस्य र स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्था स्था स्था स्था स्था स्थार स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थार स्था स्था स्था स्था स्था स्था एर्जे बाल्यु. त्रि. के न्या. अ. ए.से. स्या. ४ वी-गाय. २. वे न. श्रे वा.स्र. 3221 त्रसंदर्भेदर्भेद्रा देरसरद्याणेदर्याता विस्वर्भवन्तिताताता र्देस्र र.म. नते नद्वारमाता देखना नुस्ति। नहें वना नर्दि । नहें न एक्र्या-चंत्रप्, विरंत्र्यासा व्याप्याचे स्र अवे गरियाक्री र्र क्या त्रिय यारं लुरं त. युरं । लरःरम् त.एद्म.श्रेर्श्चणक्षे.ता क्रांटर्य स.स.स्म. एवमान्त्रेती हर्ममयान् अन्यम् रामेर्टा मेल् अहरेदेवर वहर नेता सर्वास्यादियाराया। चेत्वतिक्षयावित्वयावित्वता हिरास्यार सहेते द्वारात्या वसंते सह जया होर देव स्त्रीता दसर तस्य वाला सति वस्यहराया त्व्यासं स्वेत्याक्रेरादेव स्वेदा वाह्ये हुं त्येव त्याद्या स्वेदा श्चरश्चर्यात्यातः स्ट्राच्यरा वद्यायात्वत्यः स्वार्येत्याद्याः व्यद्न ह्वास्त्राः परेनायहैं। ग्रेन्गा स्रम्मत्त्रित्यरस्यास्यात्वेता हेवा चेत्रचेरहरेत्यात्त्रेत्त् र्रः अस्तर हराय र्वायाता स्र्रात्या स्र रायदेश या. रायदेश या. र्रस्यः लक्षा का.स्र्राया स्थान्ति र्राया स्थान्ति । स्थान्ति स्थान्ति । स्थान्ति । क् रहूर्र। चर्रात्रेर.कर्यास्यास्य कर्त्रास्य प्राप्तरा वर्त्रास्य प्राप्तरा वर्त्रास्य प्राप्तरा वर्षे मूमा-सहूर्। नर्गा-रद्धक्रा हेंग-सुमस्य स्व. इससा. सद्द्रा झर्य सह । एवंस र् स्रान्ताक्ता। वस्रावधासीलाक्र्यंत्रेया शिक्षेत्रात्त्रक्षेत्रवस्या। १ डिया. ग्र अ.स्रित्त्रं सर्वे अर्थे के के निर्मा करेर्द्र होर यते रचता स्क्रिय अहरा . र्ज. केंद्र, जि.स्रायरं मूर.संस्ता पार्यरं से ब्राये से के रेसवासी के बर्जा रेश स्यु: स्याः स्यूनः १० र् र् र् र् स्युः स्यून्यः स्यून्यः स्यून्यः स्यून्यः स्यून्यः स्यून्यः स्यून्यः स्यून्यः ज्ञतः नायायः वस्तायः । नार्याः दश्चातः क्रेस्यायः ता। द्वात्वात्रायः त्या रेर्ट्यें र.ग्रेस्वर मेग्रें एड्र्रा हिस्से रेर्ये विस्तर्रा ... रेश्रणात्रविचार्यम् स्ट्रियिक्षेत्रात्मा सर्वे त्याने यहिका कर्मरा देदवीर अर्डे.यर्स्त्र-योर्ज्यार्स्त्र्य.त्त्रुता होत्त्रत्रःर्स्त्रस्त्रुत् रस्त्रःयर्द्रः रर्भ्य देतर्भ्या लावा। सव प्रयान स्थाप्त में स्था है से स्था लावा। इसारा इस्रयाक्षेत्रकार्या इत्राचे दस्य के त्या स्वाय प्राय द्राय स्वाय प्राय द्राय स्वाय प्राय द्राय स्वाय प्राय द्राय स्वाय प्राय प इस्रम्भ्ये,लूटाविस्मालवुः। र्वेश्वर्रान्यर्नात्रवर्राहुणा बाध्यास्त्रवाह्र्याः ज्यास्य स्वाद्यास्य व्यवस्य स्वाद्यास्य स्वाद्यात्रेयः स्वाद्याः स्वाद्यात्र्यः स्वाद्यात्रः

त्रवा । इस्त्रायः द्वः द्वयः ब्रह्मः। क्रैरः बेरः एड्रामः या त्या से त्यं न यिलेया. वि.एड्रेच. ता. प्रे.लावी. तेलर. म. कूर्डीर बी.की. यवर. एड्र प्रवंद स्तित्र यहास्त्रमास्या सरलेबस्यर्त्त्र्तेत्यस्यायन्ते वसायःकर्वते श्रिम्यवरा वरातारह्मायत्रेय्तेत्वरावरा देवस्म्रम्येत्वरा चित्रामा ब्रैरामान्तरामेयार्थेयास्त्रा ब्रियार्ग्यास्त्राम्यार्थात्यामान्या र्स् के अरे वे तर् तर् देरा अप्रायम् अक्षेत्रके तर तर देरा र कर गरेता वे एरं एरं ता। नावत्र सुराहर सर स्मूलिया। नाला सुरावर ने हर एर्नेना स् एका यात्रम् हुनुक्र्यस्तर्रता क्षेत्रक्षाक्रस्यर्थात्रम् स्त्रेता रत्यद्रत्तेत्वेतित्ते स्वामा। ग्रंद्रस्य सम्यानाता के से से न रनप्तवकरकार्वू सहिरा रर्जिस्य स्त्राहर्ता स्वास्त्राक्ष्या वार्ष सर्वर्ट्या सर्वेद्या वार्या मुक्ता में स्ट्रिंग हिर्यस्था र्रक्त्या र्रक्त्या में स्थान के स्था के स्थान एपूर्राम् किर्यक्र स्थर्भवा में किया हर्र हर्र में हर्र में निया के निया के निया के ख्रेंच्या । वेचाना क्रियुत्रारं ए ये हे सक्षेत्र सक्षेत्र स्व देसारा निवास है निवास । यत्रा इ.सक्त्राक्रम्र क्रिक्ट् गर्य श्री संभान प्राक्तियस । इ. किर कि. ल, रनर स्. प्राक्त्र र स्रेत्र में न सूर्य न रसमाञ्जाकार्यमञ्जूनिस्यम् नर्बेन्यमे द्वारम् निरम् निरम् रें कुन्न न्यर्र रें कुरास्तर स्तर्रा से रें रास्तर से केरास सर्वे से रास १व.इम्बर्क.कर.एडंक.मूर.संस्का.गुर.सुर.संयुमर्जं प्रतिका.मूर्याचर.रर.सर.सर यानिक्रमयात्रद्वातिए। एडए एट्टा प्रत्या म्यूनिक्र कर है ब्रेम न प्रमे सुक्रान्तः इर्ट्स्ट्रे झ.स्.र्रा स्ट्रेश रवेशत्रा व.क्ट्रेस्सर्रा रगःगत्रत्र स्थाता मुणीव "सस्य समय क्रिया क्रिया देश है ते क्रिक व क्रिया देश है ते क्रिक व क्रिया वर्ष क्रिये व्यवस्था स्था । 12 कार् प्रस्तिमा स्ट्रिक किया हो यह वे स्थानिय र देरेया अया में या स्ट्रिक किया के रेटा इ.वि.इस्मर्स.स्यून्यरा एउंस.कर्यमार्च,क्रम्यस्यून्याःच्यां विक्रा च्यानाम्रक्रियात्यक्षियात्रम् स्थान्यात्रम् mame of cuy

इर्न्स्याम् म्यास्याम् म्यास्याम् स्यास्याम् रेतिन्त्राम् म्यास्या 2 gang श्राद्धेन्यस्य स्त्रेन्त्रम् नार्यः मित्रः क्षेत्र में वर्षः में मायम् मायम् मायः स्त्रिन्तरः म.श्रूर.याम्यालार्.योषा.एकाञ्च.य.ल्र्र.त.रूर.। श्रूजा.श्रू.पर.यू.चर.यामा श्रीर हित्र क्षेत्र त्या की केर रित्र दे दे ते कर यह से केर के सक का का का कि कि कुर्र से भू करे नरें परें सर्म रू. में अध्यान था भा कुर्व सूर्य से बालू खा । खिया से क्टरविषाकी रिकाधुराक्षेत्रकारात्रात्यरात्रात्यराच्याचीयात्रात्रक्षेत्रात्ते। चीरारक्षाः वेशवान्त्रेयात्रा स्याक्ताक्त्रात्रे नायमा व्याप्ते स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्र यालयासे याल्ये र सेयो यल्य सं यलमान से से प्राष्ट्र। वि.प्रमानयास. इर्र्यक्रें स्वरं अवसर्री अवस्त्रेर कार्याक्षेत्रका के विक्र में स्वरं स्वरं स्वरं यपुर्वमा लेलायार्ट्सिकास्, युर्याराजासाजाय्ये स्मित्रे स्टि लेशा ही हो बाला देर हैं एत दूर समा का ए ही र मूला है। कि द मिला ही जाता ही, र्यथा रतम् मे श्रिस्क लार्यस्र्राता एक्ट्रिस्य श्रीक क्रिक्रिया में -ग्रेट्स १३६१ स्थाता रसियं श्रेर्ट सिया असर सिया एक र व्याप र ग्रेट्स ग्रेट्र मुद्रेरीस्त्रात्रेस्यत्रत्रात्रीयुक्तर्र्त्रस्या देत्रधार्यर्रेर्र्यायस्त्रस्य 新的數學是是不是因其一個對於因如大學的為此之我也不知知可以與到人人 र्राज्या सम्मार में र में भाग है में में पर है हैं र में स्था में स्थान से हैं र क्रिमार्थे। लेबाक्र व.करत्वे.क्रेव् क्रिक्ताक्रा वायताक्ति.वर्रायवेबालायावाताला वका। द्वाकाला सावारायम् स्रोट्डाचाका। दिना द्रान्तायात्राच्यास्या स्रोट्टा नर्विमास्रास्यास्रेगात्वा। स्रात्वामास्रीत्र्रीत्र्रीक्षाम् वन्तारस्यूष म् अक्ष्मपति अधिका साम्राम् १९५ देवाना । तर देवाना मान्द्र मा साम्द्रमा सामद्रीया देवा म्याना द्वम्यासाम्यास्त्रियस्त्रियस्तित्रियस्तित्रियस्त्रियस्तित्रियस्त्रियस्तित्रियस्तित्रियस्तित्रियस्तित्रि क्ष भारतमार गर रहेर याते, रखीया रूपा रदर र र साम स्वा में मायदीती 5 रहेर् क्रेंड्र्स.देर रवात्रात्रावध्र्येषु श्रिरःअक्र्वात्ररा लगानेयात्रावध्रेतिसा नर्मान्यम्। के.च.पर्नुवल.बार्डिंड.एन्सर्,। के.चर्चात्राच्युक्तर्मा सक्षरं स्ट्रिस जिस जिस्का मित्र का स्ट्रिम जिस के अव स्ट्रिम जिस क एवस्य मार्थियात विवाल्य हर्। संस्थात विक्रा स्मान्य सामाया कर् र्त्रेश.अम.प्रस्म.स्रेर्क्सम्भेर.। यत्म्यूक्त्रंत्म.प्रमायाता। पड्या स्यापुट्रकार्दर एक् ग्रांका क्रिट्र के.एर्.क्रांकेर सावसाया वार्द्रस्यात्कर.

ल्ला। क्रिशंदर्श्येर. ग्रेस्। मास्यस्य प्राप्त मार्थस्या सेते से को देव त्युवादी देश कावाक द्रात्येव हो सेवा दे कावा व से को व दे तावा । वह अवीदा अरस्रा म्यान्सर्रमी असर्रा अस्र राया अस्र रेखीरके पर्शस्यान्त्रा श्रीत्राम् नाम्यू रस्तर्रात्युर्ते । इत्राम्या विश्वितात्यूरं स्वामास्तर् कृत्यत्यात्या गर्भरद्रते वर मीद्रद्वर परे । रह्यकते वर व कित्व परे हर कर मालेप म् स्र राष्ट्रेययो मार्ग्य रायम्यायायो स्रायम् रायम् र यत्री श्रेंद्रमातहायते हेत्रास्त्रीयायही श्रेंद्रमात्रा श्रुंद्रप्या श्रेंद्रमात्रा श्रेंद्रमात्रा श्रेंद्रमात्रा द्वत्रत्या विक्रिता संस्टित्र्र्यस्य देश्यालेश सनुतिये सहस्र सम्मानी। स्राम्न देवा स्राम्न स्राम्य स्राम स्राम्य स्राम्य स्राम स्राम स्राम्य स्राम स्रा त्रा यात्रावर् ताक्क् में में माना नर है गार्तिया में कियरेगा। रर है में देखा ब्रिक्टरा रद्रक्षित्रक्षां स्टर्स्य स्ट्रिस्य क्रीहरतस्यरा रहेमस्यरमहिरस्यरा रसरम्बद्धरातरा रेसरम्बद्धरातरा अन्दरक्ष हिंदासद्य देरदा चर्या यह दाय है सम्बा तर्गा तर्गा स्वा स्वा दिया यासीयववमा देखेरलेरको क्वयंता क्वयंत्राक्रीयको है सम्मारा यग्रेह्र्राक्कियावयुः ब्रह्मा यदातासाम्प्रदायहर्ना मेर्यये करायाः रेलर्श्यायन्त्रवर्रेर्रा श्रीरेकारेल्ब्रेर्से भेगका मान्या राष्ट्रा सन्त्रस्यार्सर लंड्रेक्टरलक्ष्यद्भित्रकेल्या स्ट्रिक्टर्स्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्टर्स्य स्ट्रिक्टर्स्य स्ट्रिक्टर्स्य स्ट्रिक्टर्स्य स्ट्रिक्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ट्य स्ट्रिक्य नर्भस्त्रम्भस्य स्ट्रिन्द्रम्। नर्भम् द्रिति द्रस्याम् केन्निन्द्रम्। वस्य क्रिक्ष्या नति हैंगाल तिर्देश लेविया हि तियो हैंदि वरिया तरे अति देशिया देशिया तर्भेर्द्धर्म् स्त्रेर्म् र्योत्स्र र्योत्स्य स्त्रेया स् र्रायतिष्ट्रीरार्तित्वात्रा स्ट्रीरायतिष्ट्री तर्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या मेंद्रचेते गर्दरायात्में यो स्वी सर्यार्गायात हिंदलीवसा संगादगरा बर्धितार बेबातार ग्रेमा के मास्य द्वार कुर महितायात हुए महितायात हुन स्था है। स्यान्त्रमा वरस्वन्त्रमा वरस्वन्त्रमा वरस्यान्या द्वाला द्वाले में द्वाना माना स्थाले सा व्यापन स्थाले सा व्यापन सा विकास सा त्या सा त्

इस्क्रिस्टानिक्किर्रायास्त्रीता श्रिस्यालेस्य स्थात्या वयार्येत द्रिरक्ष्मभाग्ने रामान्ता स्राहर्ताम्यान्तानानाना वरेत्यासी. लयान्त्रम्यातान्त्रवरा जासत्सेरस्यानात्रम्यात्रम्या सन्दर्भकाता। सन्दर्भकाता मायत्वास्त्रस्त्रम् रुद्रा र्र्स्यात्रपास्यात्रस्तात्रस्तात्रम् स्रोत्रा त्यान्य मीनिविव तर्वेन्या मानिवाय मानिवाय मेर्से ते हैत जारा केर वर्षेत्रासा। देसी र दूर केराया जा प्रतिर के कि जूर में र एक प्रायमिक र्जावर केल. सर असाता ये विवास प्रसा त्वा स्टेस्स्स्रा र्र र स्ट्रास्य स्र चारास्त्रेग्री वर्ता स्वर्त्त्र स्वर्त्त्र स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर रिस्ट्रिश्चरत्यं तिस्त्रर्भर्या क्रियं क्रिय ल्लास्त्रा है। हो स्राक्षास्त्रात्रार्भा रेस्स्रहर्षेत्रा ्यश्चानुन् सेर्त्रे इसर स्मर्स्य सेर्या संग्रहर म्यायस्य स्मायस्य स्मायस्य स्रीत्यर् त्रियात्रयात्रीत स्रीत्यत्रिकात्रात्ताः स्राम्यात्रात्ताः स्राम्यात्रात्ताः स्राम्यात्रात्ताः स्राम्य र स्राचीत्रा प्रचेद्रवर्ष्ट्रवृत्ताः द्रेश्वर्षः चात्रात्ताः च्रियात्रात्ताः च्रियात्रात्ताः स्राम्यात्रात्ताः च्रियात्रात्ताः च्रियात्रात्त्रात्ताः च्रियात्रात्ताः च्रियात्रात्रात्ताः च्रियात्रात्ताः च्रियात्रात्रात्ताः च्रियात्रात्ताः च्रियात्रात्रात्ताः चर्यात्रात्यात्रात्रात्ताः चर्यात्रात्ताः च्रियात्रात्ताः चर्यात्रात्ताः चर् र्वस्थातारेग्याता र्वाचाराम् स्वाराम् स्वाराम् स्वाराम् स्वाराम् स्वाराम् र्त्यास्तास्यास्त्रेयास्त्रेत्रास्त्यम्यात्या र्यः सर्मास्यास्या हमान्त्री 3son of beggar. र.इ.स.१०अ.व.) एड्सर्झेट्स्क्रेड्स्क्रेड्स्स्क्रेट्स् क्रेट्स्य क्रेट्स्य अप्यस्य र्टा ७८-मेर अर्थन्य स्या के लार्टी एड मधिर स्टेश सामा के ता साम के ता सामा के ता साम का ता सामा के ता साम के ता साम का ता सामा का त १ वर्षाक्यारम् यत्रमाना स्थाना न्याना स्थाना न्याना स्थाना स्यासिरायात्त्रायात्त्रा यात्रास्य यात्रास्या स्यास्या कुर्स्यात्वा वि.च्रेर्यामामार्थं चर्रुरेया। एके.पर्र्यायमार्थर्स् अत्यान रेट्राक्षेत्रप्रमध्निर्धान्यराता एड्राश्चर्म्यान्त्रात्से हैंगा. र्रा दक्त्यम् अर्गर्मार्स्य यात्री स्वात्रिक्ति विकारी। मानितास्य वालातामाहर्दे रे. यात्राता स्था करा वि.सू ए. यात्रात करता सर्वा नयु श्रि. यो र र प्रर र न क्या। यान्य मि खुर र यु ए त्रें या राष्ट्र थ र यूर्त वि किरा ग्र ुर्डिश्रिक्ट्र्र्यानुनान्धियमा धिन्द्रमारत्तुधुनालयात्त्रेन्यान्ता कर्त्र

क्का। रिस्टर्स्स्मार्स्स्यितिया इस्यारेस्त्यार् स्वाराभिया सि.येर्र्यर्स्यरस्तिमळ्य्येर्र्ता दिस्येष्ट्राव्यार्स्स्यः सप्तावमा स्रेर्स्ते क्ष्यद्भेगायाव्या। व्याप्रद्यर्थ्यद्भद्भाद्रा स्वर्ध्यात्र्ये द्रात्या। रसए.युए.से.प.रे.सेता.प.त्या। य. गर्न्यरं सूप्रकृत क्रियं दे। र्स्ट्र-पर्टर.हे.र्यरत्रमार्थियास्मर्टरा स्रेर्ट्रिएक्यर्षश्चारियाः विचार यान्त्रतः चयाः में यान्यः प्रच्याः दयर्त्यः प्रच्याः द्रात्याः द्रात्याः स्ट्रवः च्यः यालुयः तास्त्रेत्रा ता गर्ना रंगालं सार्प्यारस्त्रे सम्हर्मात्रार् रा रस्यर्भारमते केत्रियर ग्रस्युस्यते स्थान्यते । नायम् दिस्य रेतर स्यार्ता श्रीस्व्यात्मर्थात्र्यंतरा विस्यूर्ट्स विस्वायहरा र दिनास्यास्यवानी तर्ने त्यास्य वी। दर्यानी येर्यते रृतदेव की। नामा एकेर.जिंब.अपुरिसर.अपूर्यकुत्री र.वस.वीर.रेपु.रे.से.विरी वर्रेर.झं.रयर वर्षास्तरं चर्तिकारसः। सैर्रारपुराजनर्पात्रकार्युः क्यूरस्यना गर्रेर्रपुराचाप्र पर्वेदक्रीमामार्ग्ना र,यनार्थेमा र्याप्तार्थित्रार्थर्रात्या स्वारात्मा स्वारात्यात् म् विचार प्रान्तिक्या सम्पर्तरा क्यान्ति वना कारा क्यान स्थान चाल्युर्रेट्ट्रियःयां प्रें श्रीताता। प्रें गालसाल्यु र श्रीता नर्तिया नर के नर्ति स्मर्भित्राचानित्रा स्नीमार्ट्यम् वर्षान्यत्यात्राच्या स्याक्षास्यारः। नरमन्ति वस्यान्ता इतरस्य तात्ववर्द्यन्त्रन्त् वयान्त्र्या उरायात्वर्य प्रवाहर्ता क्ष्याहरा क्ष्याहरात्याहरा व्याहर्ता एक्. प्रेम्पायमा स्थान्य स्थान्त्र राज्यात्रामा स्थान्त्र मान्यात्राम् राज्यात्राम् स्थान्त्र स्थान्त्र राज्या ज्या स्वास्त्रः द्रायान्यात्यात्यात्यात्या स्वयात्रिकात्यात्यात्यात्यात्या वि.यू.प्रम्य नेर् एवं वार् सर्वार्था अवविवा स्मान्या वार् र तर्वे साम्र मैंगमान्तर एहरमार्या राजायात्रमा स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया क्रिंग्। नाधराधयाक्त्रीतायतात्वरत्रास्त्रात्या म्रार्क्र्यस्यत् स्त्रास्त्रात्या इन्द्रानुगयाः तृत्वात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र सर्एस् सर्रमीस्यार्देवस्याया। द्वीत्त्रितियात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्वस्यात्व सर्द्रिसर्द्रिसर्द्रिस्यान्हेता यात्रमाल्यार् सुन्त्राचामा र्गास्त्रे होता र्वेद्युक्त छेता मलम्माने ह्ये छर्त्ये स्थानस्था स्था एवं तर्वेक्षेत्रास्य हो ... र्कायर प्रक्रा १० ३८१३८ सेर्बाय सम्मान त्रमाक है। र दिरहरता। र्रास्तरका मान्यन्त् स्रान् इसमा असमा हरे स्रात्ना के वर्षेत्र सा सिन्दि स्राय

12 MSD 12 1 क्षाम्य स्मान्त्राचायायम्या विद्यास्यायस्य स्मान्त्रेत्रात्र्यस्य त्राक्तरा सरसरश्चित्रस्य र्रायस्य यास्त्रेया से स्वर्णास्य स्वराय ुर्ने। कुट कुर्जानियर किर मुर्टा प्राप्तका देवा। रिवास केर केर स्था येवा येवा रे वे लियानाम् नुर्यास् मार्टारार्ट्स्या क्यायमा स्थाप्ता स्थार्ट्स्य स्थार्ट्स्य भू भूगा है। देनून । रे.हेम-रेनाने सकी रेमार्नून समार हैन समार हैन समार हिस समार हिस समार हैन हैन रूट्केट्राचारटक्त्रेर्चाराद्वरात्र्यात्र्यात्र्यात्र्वाता द्वाता द्वाता द्वाता क्रिया क्रिया है। अत्र मार्थिक मार्थ सर्रोतरार्त्र साम्राज्य साम्यात्र त्रात्र देशकार्य स्थान सर्वायमा स्थर स्कर्मारात्रा करास्त्रिरकारेष्ट्रस्यात्रस्य स्वर्त्तात्रस्य राज्यात्रस्य स्वर् हि.र्ड्रेर्क्र स.स.स.स.स.स. है.स्व. देशवासीय की. देश ता हैर पर्युक्त प्रमा इ.स.यह मान्या सर्वे र ब्रिया हो र डेया र क्या हिसा हो । १० र १० र १० र पर,लय. हैर.रा. जमन्य सर्मिया हैता यात्र किया वर्ष सर्मित हैं। रर. मृ मन् स्या हिल्लाम् विकर्तः - रिस्मायावत्रः पर्स्य र यह स्वत्य स्वर् । यह स म् नद्रा रस्यार्ट्यं रुवारायायायाया म्यार्ट्यं स्वर्ट्यं अतितात् केर्ट्यं स्वर्ट्यं अर्ट्यं के. बाजा ने स्व असे में देर देर देश के प्राप्त किर कि स्व सार दे स्था में के प्र रे के प्रथा निर किर्जुम्मार्ट्रसर्रा महर्म्या केमिन् नुम्मार् मर्मा हिर 7035 21 चल्या इ.स्.स्टर्ड्य अस्त इत्या विद्या वस्त्र स्त्रा स्त्र स्तर्भा स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर अक्षत्रहत्मा क्षेत्रा द्वाना स्ट्रा द्वाना स्ट्राया स्ट्र याष्ट्रर्मात्यत्यास्त्रस्य स्ट्रिक्ट्रिस्य स्ट्रिक्ट्रिक्ट्रिस्य स्ट्रिक्ट्रिक्ट्रिस्य स्ट्रिक 9 05:01 सेयता र्वाचरास्त्रस्य सम्बद्धाः वात्राच्याः व्याप्त्रस्य व्यापाना विकाराः अरुअरस्रर्भरावालकाराक्त्यास्यार्र्भाक्तार्थःकेत्वर्र्भाजा र्मकेष्ट्रकातात्रे. छत्। कुल्ने.संकाल.रक्षेत्राक्षा र्या.स्या.संरायक्षेत्रता यल्रे.खंय. 10 अर्थेट्र प्रतिकास. एट्र. १ अर्ट्र. र्ट्रेस्स. छि. च्यक्टिर एट्र्स प्राचना चे. क्रेस्स स्वर छ्ये छेर. एर्ना। यन्ति संस्थाप्त रसे र.र्.र्भाय सेरस् हिर्यक स्ट्राइर्स्य लग्रेह्य.म् एक्यामास्त्रमात् चेर.र्.स.क्यालक्या व्रेट्रेस्यस्य अर्थात्मभूत्रत अर्थ्यावस्यातिभावत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्त्र र्भिन्द्रिन्द्रना मृजिलामाक्स्य सद्यायम् स्टेन्स् मापराक्षिरः श्रद्धा स्तू अधुन्तर् हैं। त्यु श्रे श्रे श्राकातार्द्र। व्यातात्त्रातार्द्र। व्यातात्त्रात्त्र लर.असूर.चूषक.इ.रचर.च्यू.असूर.। यर.असूर.चर.च्यू.असूर.। क्षेत्रस्थान्त्रात्त्रात्त्रे स्टब्स्केश्वर्त्त्व व्यक्षा वायाद्यात्यात्यात् याद्या क्षेत्रस्थान्त्रात्त्रात्या

१००१। । अर्मे असूर अन्तर सम्बद्ध सम्बद्ध अधिय ने में में भी अपने रात है। प्रायह्रविद्द्रा का.बर.स.स.इ.ह.स्व.ज.। सुस्रतंतितायका.स्याश्चर्या. इरा स्रीतीयात्रमालमालम् वर्षेत्र स्योदास्य स्टिमान्या स्थित । द्वारा स्थानिया अम्बिरा अम्बिराक्षेणे प्रदासमाता द्या के अन्य प्राप्त कार्ये विगार्नेस्यक्तियां भूत्रायाध्येत्ययाः स्यास्यक्ति। ह्यायाध्येत्यतः द्युद्रः दे उर्। युन्नेमान्त्रपुत्र नुत्र सुन्तु सुनुत्र अवार मी सुन्त्र । युन्न युन प्रश्नित्रेत्र्यात्रक्त्र्रात्र्यान्त्रत्यान् राज्यात्रात्र्यात्रात्र्या यात्र्या रस्केन्यनातस्वर्गा अर्वोत्तर्वास्यंत्रस्यंत्रस्यंत्रस्यंत्रस्या या तर्वेद्रा से व्यूर र्यात स्त्रेर्स् व्यूका हुर्। दे स्वार्श्वेद रूर स्वर्य स्त्री माय स्व इन्देर्नेश्चलंबर्द्रित्त्रेन्त्राच्यात्रेन्त्र नावस्यात्र्याः स्ट्रास्यात्रेन्त्रात्र्यात्रेन्त्रा अस्यार्था द्वितः स्व स्व अस्या देश दिश्यास्य स्थित स्व त्या त्या व स्व व स्था व लि रिर्म त्राहित विरादित । विवासिर विवासिर विवासिर विवासिर विवासिर ब्रुवाचा नार्ने तर्वन । श्रदावना स्राया स्राया स्राया तर्वन । त्या तर्वन वर्ष मलियावूसरीतावा हिरासीयातास्त्रीरा मेथ्यास्त्राचिता है। मेथ्यास्त्राच्या केल्या मार्था स्त्राच्या है। राज्या क्ष्या प्राचिता है। राज्या क्ष्या प्राचिता है। राज्या क्ष्या प्राचिता है। रश्नाम् नायर्गा द्वान न्यान त्यान त्यान स्थान स्था स्थान स्थ से. य. पू. मृ. मृत्याया विस्कृत्याया स्रोता स्रोता स्रोता स्राप्ता व्यापाती धर दुरेद्रचलाहू। दुर्कालय श्रेकात्र्य रंगा से अहिंद्र। सं लयं श्रेकात्र् ग्राहर्स्य विवा श्रियः विवादित्यरः विवादित्यर् निवादित्यरः विवादित्यरः म्रस् अस्त्र १.५०र. यदिया रर.चालचा इ.स.स्त्र स्ट्रें या विया यदिय माज्याना मान्यता मारहा महिंद्रा मारहा मार्चा मानवा मान स्यु-अत्मस्य कर्त्रा हत्रार्ष्ट्रस्य भियात्। लाबाक् स्वाकी सी लेगाली स्य सामा विरस्य त्येर ताल्येन। यहां य ररक्त याल्य त्ये त्ये य ररकेर १० थ त्यान्त्री त्यान्यात्र्या त्यात्रात्र्यात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र् इत्यर्क्र हर चेर्य के वाक्र केरा सम्माया न न न न न न न न न न

1 hame नम् वात्रमा स्रेट्स्पर्तात्यरसा त्वेत्रामा त्वेत्रामा स्राप्ति । स्राप्ति । स्राप्ति । प्रकार स्था स्था त्रा त्रा त्र त्र त्र प्रकार के प एरे.डे.। ज्यानेमाल्र्लेय मण्डेया वैयानायिययेयायेन केयान सर्वातस्या। त्ववायाचरारव्यास्या व्यवत्यास्याः श्चान्यरः। श्चारः वि.१४:पार्याप्येत्राः स्थ्राः यद्वार्येत्राः प्रदेशीयः पारः प्रवः यद्वार्थः पारः किर्स्थ्रमार्ट्राप्त्रम् अग्रहरा रस्रार्थमा एवं स. प्रमास्त्रमा विस्त 20187 नक्षेत्रा स्राम्ययम् तायायम् महेबाक्यरस्य अर्थान्यन्त्रास्याया - जोरेने यद्मेद्रा व्यवस्य जावद्यदे तद्वीव के जावदे का विद्वार्यहरे. 3,93 नःस्रीयान्त्रेन दयान्त्रेत्रात्मकान्त्राक्ष्यकान्त्रा स्रयरिः व्यवन्त्रम् स्रायः त्यायायः दर्। त्यवायति स्वा-स्नारः क्रिकाराता। इ. र्ट्स्स्क्रियाक, प्रयान, प्रदूर, र. एर्ट्सान, क्रियान, र्यान, र्यान, यान्यान, यान्यान चल-मसंसारह गर्भ सम्बद्ध है। श्रिके हो भिक्त हो चर्मारा स्थान सम्मान्य व. । यानवस्कर्यात्रम्भास्यास्य । भ्राद्यस्य प्राप्ताना द्राप्ट एर.ल्रुस्य.जंबाना.यावर.इन्सा वि.कर्का.या.याप्र,व्यन्त्रीत.जा. वा.क्. रीरास्ट्रेस्म् साम्द्री म्स्ट्रियात्रात्राह्रेत्रे म्याप्तात्रीत्रे म्याप्ता हिर्के स्मान सरस्यारी वस्य वहर त्येवर्ति तर्वे तर्वा वर्ग दस्या स्मेव गली. क्षेत्र्या मक्षेत्र में मिता त्राप्त होता होता कार्य स्था क्षेत्र क्रिमालामास्य । यूरास्रीर्यारायमानस्तिता। द्रायदास्यान्यरायोवसः अर्चर्। अर्चर्। त्रात्र्या रे.र्यायात्र्यात्र्यात्रयात्रयात्र्याः हारास्यायात्रास्याः रसेर्टरा क्रेरसारी स्थानिक स्थ を見る स्यानस्यान्ता स्राह्मात्त्वायान्यान्त्रायाञ्चारा स्मान्ययाय्याया क्रेनासिजारीता स्रसिरायरियास्यास्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः axe, गरलवुरु। अस्प्रर्स्यार्द्धारास्यान्यान्याः स्रमानस्यान्याः तालवान्तिः 6 म्य या या व ग्युरसा रेवसारम्बाक्त मुन्द्रा सुरावनास्य ग्रेतान्या । व.रंभशव द्या.पाया. ग्रेर.प्रा. प्रेर.द्या. लर्र व्यूक्त.का.प्रवास्ताता.स्या. इति सिन्ना के प्रत्ये सिना यह स्त्रेचा ता यि देखें या के या स्वर से से अर RECY स्त्रम् महिमा व्यवना दः द्वारे त्यवन्दे त्यद्वार्ग व्यव्यतः त्य्याः महत्त्रेयः र्। इर. प्रस्तर्भ श्रेट्ये, लेंदार्र क्राया संस्त्र विपार्य स्मायिक क्रिया

२०११ । ब्रिट्से त्वात रे दे र के र खरा खर ख्रिया त्यू वा स्था त्यू वा के विवादिये इसक्। सद्दस्यक्षात्मातर्क्त्राचेता देरस्यत्त्यकीत्वास्ता दर्मानीयनी सस्याश्चराते। वनायन्तरायार्वरायन्तराय्या वर्रास्त्रास्यार्थरा वर्रास्त्रास्यार्थ्याः 10.इ.चर्ट्रे.क.स्यामार्ट्रक्ष्यमा १६८.स्र र.जर्जा पर्ट्या वेरामार्ट्य स्तक्त्रीत नेक्तास्तिस्त्रस्तास्तित् स्त्रिक्त्यात्रात्ते स्त्रक्तिस्त्रात्ता ज्यक्षक्र स्ट्रिसम्। द्रा इत्राम् हेर्याम् हेर्या होत्य स्ट्रिस स्ट्रिस स्ट्रिस स्ट्रिस स्ट्रिस स्ट्रिस स्ट्रिस वश्चात्रात्त्रवा । एकं.एट्ट्रप्टबार्क्यात्रेयात्र्यात् त्वत्रा लट्ट्र्यूयत्त्रात्तात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त न्या किरजालचायरेक्र्रास्थायता याच्युक्रिकारम्यत्त्रात्त्रात्त्र्या लुप प्यायन्त्रप्रस्तिर्ध्यत् देनावयः छर्ष्याक्ष्यं वाल्या स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री सेर्यतेश्वर् रेर्येरा महत्या सर्वोत्तरेष्येयात्यकाराम्यात्रीया व्याप्तयान्ते कार्यकारा ब्रस्स्यर्ग र्ययःइसम्यत्रेयं के के समय क्रिंग के र्यंत्रे में त्रिक्ति के स्थान किर.यत्ते. क्री. ज्यापकीर. लुवं. र. जिया। दे.लुवं. यं क्रमा प्रायु. एत्रे में स्वामका इस्यास्यात्यात्यं व्याचात्राद्वार्यस्य त्रवेत्रात्र्यस्य त्रवेत्रात्यात्यः स्वाववः स्वविविविव सन्धर्यस्य साम्यान्त्रमान्त्रा व्याप्तरः व्याप्तातात्यातः व्यापः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः स्यानेश्वर्या तयावनायं त्रियं वेदार्या व्याप्ता हिर्द्या रक्षा स्थाने व्याप्ता विद्या या अल्पूर्यरल्यायायाल्यायाल्या शहेमत्रमा अपनि लाम् ग्रामिन स्वास्त्राम् । द्वेबकार्याम् वरम् क्रम् वर्षम् वर्षम् वर्षम् वर्षम् वर्षम् वर्षम् वर्षम् वर्षम् नम्पर्दिक्तिक्तिस्तित्तिः स्तर्ति देन्त्यातियात्रस्तित्त्रात्त्रस्ता हिरम् स्तर् रमयार्ग्यास्थानस्थितराद्रेसा हिर्द्यक्त्विस्ता वित्राच्या लाउटा उम्मार्थाला लाज्यका में या प्रमार्था के या प्रमार्थी के रत्त्रकेरः भूक्रम्भित्रक्षित्रक्षेत्राचित्रस्य स्त्रम् । इक्ष्ट्रस्य स्वर्धित स्त्रम् क्ष्याच्या स्त्रम् । इक्ष्या विक्षाचित्रा । विक्षय स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् । रेड्डि. प्रेयन्डर्। रेक्यर्रहर्या सेक्यर्यं स्थाने वासे वासे वासे वासे र्श्साररं यहार मार्थारं झे.लय.पा.पार्ये अर्रा १ विद्यायात्रायात्री अर्था लपुन सम्वेमान्यरमान्स्रेर्न्या व्यान्यर्त्तिमान्यर्तान्त्रे सूर्यास्य एकरसाक्तराज्य सुन्त्रेरता प्रत्यक्ति चया क्रेर्ट्र संस्था । याला कि स्यस्यात्रस्य तरे नेरास्य वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे लर निरं यो वस्तरि ताव रेरे रेरे बर बर बर में यह में यह में रेरे हैं रे बर में क्रांस्थ्रेनर्ड्स क्ये. या.स.पास.पास.पास.पास.पास.पास.पास.पास.र. (र्त्तवारका क्र. खेलर.काष्ट्रेय.कार्यकात्रावस्त्र. क्र. र्राट्याय.क्र. व्याप्ताया रिकरें मान्या मान्या है। या साम्या मान्या है। र या प्राप्त साम्या

र्वार्यकानराम्याक्षरात्वात हा.क्षराक्षष्ठभतकाराचनाक्रा। क्रत्रेर्वात्र्रेत र्स्ताल। क्ष्मान्य्यसा सार्यस्या विस्तान्या इत्तास्यस्ते मानमा द्वरापेता रेर्टरे.रे.स्यानुमान्त्रे यात्रमाहैर्य्योत्मास्त्रे। हिर्द्धयायति है। स्यानहीर मि.10्यास्त्रप्रदेशलाह्या सुर्युस्य अ.एत्र्र्यंत्रे मे.स्या.स.जन्ता हिरालाया... वेश। सस्तर्भियात्त्रेयात्त्र्या साज्यात्रियात्त्रीस्तात्यात्ता श्रीत्यात्राता शुर्लर्। द्रष्ट्र हो होर हो स्त्र हो लेट्टी स्राया सक्तरसर विर से कालर वियार यरिकर ने कि क्षेत्र ने सा क्षेत्र स्वर्त के के किया के में की की की की अयिए.सि.र्रस्या.इर्.। अर्था.धंबा.एडर्.श्रेचात्रे,स्रा.अर्.। सेचाला.याधे.थवा. क्षेत्रकार्ये व ग्राटक्रीमीरवेद्या अन्तर्भा म्याद्रातियात्यावरीत्रेत्रीत्रात्वप्रा र्वाच्या स्त्रास्त्र (58--१४र.मू.यालास्ता। याध्मान्तेयस्तास्त्रेरः सूत्रे यासमातर्रती श्रीन्तेवस्तापुः स्तेप्र. रगरामान्त्रेरा इरल्युक्यार्रात्त्र्रास्त्रा इरस्यान्यान्त्रिराज्यास्त्रा 4तह्या देश.जा १<u>अथ</u>ि, कर्तिवानमारीलर्जिना। के.स्स्मितालर्जिना। चगार्ट् रे.स.चणुन्यू 6 Trust रक्षराज्यात्री, क्षर्रास्त्री, क्षर्रास्त्री, क्षर्यात्रास्त्री, क्षर्यात्रास्त्री, क्षर्यात्री, क्षर्यात्री, क्षर् यद्भा भूमायार्द्रपुरविष्णातार्द्र्यात्यमा व्रेर्ष्याय्ये मेर्द्रपुर्या सम्बंद्धा उद्यक्तियान्त्रात्रम्यान्त्रात्रम्यन्त्रात्रम्यन्त्रात्रम्यान्त्रा इस्पेदी र्वसाल्य-१८८मम्बर्गाव्यामा ब्राह्मे व्यापक्रिम्बराह्मार्टरा यानुरा ब्रेतेत्द्रमञ्चराया एकात्वेतेन्वेत्रमेष्ठमेष्वेत्रद्रित्। सरावेनात्यावराव्यद्वेत्रपा र्वालगायाम् पुर्तरम्भद्या स्ट्लैगायम्यायस्यान्स्या एक्रेस्स्यूर् एक्ट्र-एक्ट्रामा दयरालयालक्षयावर्त्राच्येन्। दरास्त्रित्यद्भारान्य याता। यञ्चात्रास्त्रमात्त्रेयात्रस्य स्तर्रत्त्रम् स्रित्रस्य स्त्री यानिक्षित्रेर्द्रितार्द्रितात्रेर्त्यस्ता स्त्रेन्त्राचार्यात्राद्ध्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रा स्मान्त्री कर्ना वार्ष्या वार्ष्या मान्यून मान्यून वार्ष्या वार्या वार्ष्या वार्या वार्या वार्ष्या वार्या म. इत्राय के राजा हो से देरा के से वर्षे हे नाहिका से गीता में में पुर गर अम. पर्या। एक् प्राचन क्रिया कर्ति विद्या क्रिया निर्मात क्रिया निरम् मिलम्पर्मिन्या नर्भम्य विद्रम्य के मिला त्यंस्यमार्या स्ट्रम्य र्रास्तिमा वह्ममार्केर्र्यत्रिर्देश्यामा राज्यद्वरायार्ग्यामार्थाम्

स्त्रा म्यास्त्रमान्त्रमान्यात्यात्यात्या स्ट्रियान्यात्यात्यात् स्त्रम् । स्ट्रियान्यात्यात्यात् स्त्रम् । स् अरीक्ष्म मन्त्रमञ्जूर्यास्रर्भात्मा संस्थित्रर्भार्यम्यर्ग्याताः अर्थान रेजनावस्तर्वातस्यातस्त्रिया रे स्रक्षेत्रार्त्यर्त्वात्यस्य रेरेर-४व्याद्वा क्षेत्रिक्तिस्तर्यात्ता विकालर्ज्ञानारात्र्यार्थे क्रियार्ये व्याप्तर्वे यान्यू देशकास्त्रर्गा यथरास्यालासंत्राल्येर्यालास्त्रां यूर्त्याग्यूरे व्ह्या य अस्ति। वर्रेन्त क्र्यंस्वा बुवेबक्य सब्यारेता रकास्ति स्वा स्वर्थित प्रमान्यात्मात्मात्मात्मा अक्षेत्राद्रम्यदेश्यदेश्यदेश वर्षदेशाह्रद्रायात्यर् सर्था १,७९६मा बर्शनास्याम् । स्वास्यामा स्यास्यामा स्वास्यामा स्वा क्रियारी खर् शुर का त्रियारी त्यामानी पूर्ट्र के या करेंद्र मा स्वर्ध का क्रिया करेंद्र मा स्वर्ध के स्वर रम्यक्तिम्यकास्यर्भेरक्रास्यर्भेर्यास्यर्भकात्रेस्यः। विर्यवस्यर्थास्यर्थः। विर्यवस्यर्थः स्थात्यस्थात्रवास्र्रास्यास्र्रास्थात्रवार् द्रास्यात्रात्र्यात्रास्यास्यास्यास्य वस्य नाहिर्दर्रिश्चर्रश्चेत्रस्य नावन्यते स्रेनान्यहर्रास्टराह्रद्रस्य त्यार्ट्यर्र् श्रीर्भेरिक्तान्तान्त्रं प्रियार्थान्य मियार्थान्य स्थान्य स्थार्थित स्थार्थित । स्थार्थि नर्कुर्मिकी, मानुद्देर्य छ्रित्मा नम्बिता की, स्ट्रिंग मुस्मिक्षेर्य कर्ता के बार्य पिक्षेत्र न व्यास्ति स्त्र में देश ता का का रहे त्या स्ट्रिय हिंद स्त्र में प्रति हिंद है रहे रहे विकास की लिलाकति देखाया कोती देवसार् मुरातदाकी तहूनाया प्रस्तति हुए ता नेवा क्ति. अत्राधुराक्रा. पद्राधितरमाद्रारक्षित्र द्राह्म स्त्रेत्राच्या द्रम्य स्वास्त्र स्त्राच्या स्त्राच्या लालन्सिहेर्यं मन्याने नेतान ने स्विता वर सहिता वर सहिता रमर्भाविधानास्त्राचिता राज्यात्रम् स्वार्थान्यात्रम् स्वार्थान्यात्रम् स्वार्थान्यात्रम् स्वार्थाः यत्त्रमासत्त्रियः महिमा यात्रमा नाग्यायते स्माद्धाः सकत्यामानुयः सहिता। है। रे.स. लयं प्रार्ट्र अस्ट्रम्रा नार्ट्रमार्ट्स ग्रेम वियाना कराम स्थापना क्रिक्र रक्ष्यक्षा के यह मक्किला वा कार्य क्षेत्र क्षेत्र क्रमार्क्ता वित्वत्र्यास्यार्मित्रतेत्रक्षेत्रास्तार्

अविकारिक सार्व कर्ता कार्यान महिला विकास मार्थिक के मार्थिक महिला महिला कर के मार्थिक महिला के मार्थिक महिला के ररायद्वा अ.यूर्यत्यर.क्र.यान्यर. अत्रापट्वा त्यवन्यर्थर स्ट्राप्त्येता स्राप्ति मा बिका बदानी रोस्क्रेस्पेर प्येता इंटासरी बदानी स्थान स्थापिता प्येता द्यारा तिस्य सामा देश म्यापिकार्यात्रा मान्ये स्थाने स like as the grand shape. वर्रा केर्द्र तर्त्द्र तर्रे तर्रे रेर्ट्र केर्या रात्य हामा तो व्यर् देना कार्य रा र्यत्यक्ष्यावस्यादस्य दस्य स्त्रीत्। सर्वात्य मेवस्यते स्वाद्याद्ये वास्य हुमार्यास्त्रस्तान्त्रस्ता त्याराम्यस्यत्ति। स्राप्तास्त्रीयः विकास्तरः 2 राम्नाम्। 3 azza भन्तेते अर्ति । वंगातार्श्यातात्रियात्रेत्रात्रे अर्द्या अर्द्या व्या 动态不加 क्रेर्यं अर्। यालका जाश्यमात्तरं क्यात्रियं द्र समरद्रेयां वर्गा 1784 म अस. अर.। याल्याता श्रेया संप्रकृतार गर कर्तादरी में रामा करिया था रहेत. श्विव्या Plack से र अर्ग लेग में यूरी माले दूरा में पररी लग से रेंगा रात पर र अर्थ र bamboo. द्रमास्यायम् नात्रात्रे द्रम्यात्रे द्रम्यक्रमाना स्रोत्यम् क्राच्ये 6वर्ष एममन्नान्त्रत्येत्रा अर्गन्यम् निर्मान्यम् रमरस्टिरक्षित्यास्ता स्यास्त्रास्त्रम्भ्रितस्य व्यास्त्राक्ष 7 मु ह्या शुरु प्ट. जप्रतास्त्र वर्षः प्रेच. मा. लट्ट. ट्रेच्या. प्रेच. र्रेच्या. प्रेच्या. या. व्या. व्या विगारदा अत्रेक्षेत्र्राची तर्का त्येया क्षेत्रा देशका का गराया करितर स्तरा कार्यान मार्यान स्वास्त्र मान्य स्वा ज्यान स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स स्रासस्य रहारामा हिरातके सारक्षा सारक्ष्य स्थाप्त राज्य सारक्ष्य सारक्य सारक्ष्य सारक्य सारक्य सारक्ष्य सारक्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्ष्य सारक्य सार वाकारतको रवायते के दानके व्यक्ति वाका के दान मार्थित प्राप्ति र विकास के वा इ.च्रेर्। श्रेषास्त्रियार्ध्वेयःलय्युं इर। सःग्राम्यर्थः स्त्रेरा वर्भे वाम् स्यायम्भर्भरतास्य म्यायम् स्त्राचेरा र्यायान्यस्य । विस्यायन् चल्तार्थं चास्त्रेचाता। युवारक्त्यियातस्यस्यस्यस्यस्यस्य याली. (रेवेया कि रविता केता स्प्रांच प्रांच प्रांच प्रांच प्रांच वित्यंच प्रांच व अर्चार्म्भर्चार्भात्त्राम्भर्भरा र्मात्रमान्यन्त्राम्भर्मर्भराम्भरम् विमानहसाता। श्रवास्त्रात्मा स्वास्त्रात्मा स्वर्त्त्रात्मा स्वर्त्त्वात्मा स्वर्त्त्वात्मा स्वर्त्त्वात्मा स्वर् क्र.रथ्ये.। र, एरं.जर भ्येज्यस्म्यात्र्यंत्रात्रास्त्र्रीयास्त्र्यंत्रात्र्यंत्रा गुर्गे गुर्मेर्रा वर्षेरंकालकारियालीय अर्था क्रीक्रिक्सियावियाली... र्यस्मारापहरूर। स्वावकात्रात्रार्यस्यार्यस्यार्वया। स्वाववायस्य स.स्रेशस.प्त.पंरेयारे क्र.प्रमाय.द्र.रची.प्रा.परं.रं.पड्ड्य.र रचा.प्रमाय.द्र. ग्रमानाक्ति। मून्याना कावा रसवातमाता ने नूरात्ते सर्ग्या सर्ग्या प्रचार-र, मुन्ने में से पा लच्चा वाया खंदाया में या राज राज वाया था।

कार रिक्ट्यार्ट्या में त्यायाया सं व्याप्ये में यदेव यदेव व्येव स्यात्मात्वरतात्र्वात्मर्कार्यरा तहात्राश्चरात्मेवाक्ष्यायार्थरा (मर इस कार्य सेर्ट एस्ट्रें र प्रस्ता मियार में रेयार में रेयार में ये ये ये ये ये रे रे रे रे रे रे रे रे रे द्यासंतर्रा साव्यास्यात्मन्त्रीयात्रस्या रात्रारेस्यात्रास्यात्री पर्वे. श्रेस्ट्रेस्य तात्राता पर्वेया र्रेट्यहेयाक्षर्काताहिया। श्रीराद्यार र्मतः यर्रम्बर्गरहारे। सीक्रेर्माशास्त्राचेरमात्याता स्मानामाता सर्तान्य वर्षा सरकेत्रस्य स्वाया सर्वे । सर्वे स्तिरे या सरकेत्रके देलद्वीतातालाक्ष्याच्याच्याच्या दयताच्याक्षयावस्याद्वाताक्षाच्याद्वा अदतः यालवास्त्रम्यात्तित्या। विनन्दर्यात्रीलाच्यात्यते। सक्तेत्रम्यर्रम्यात्वाः क्रें र्यूरा स्यायाम् राज्यायान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रा स्यू.त्र्रेत्रक्षेत्रक्ष्यालका र्यस्यक्ष्यत्रक्ष्यत्रक्ष्यत्ता हिर्क्ष्यव्यक्षात्त्र्रेत् मिर्यादमा वित्रहंमात्वास्य सेह्यायाते। सीत्यान्यत्त्रिं वर्षे अवस्था गरमा श्रीयास्त्रां सर्वा १०२: होरा वगास्यास्यास्यास्या प्रदेशास्या लयुक्तर्यायस्य अर. रूरलेज्ञिकरक्षित्रात्ती प्रधासिद्यातियाताप्रय. पर्वाकोक्ता देवर्तियदासक्षेकार्यस्य क्रायायस्य वास्वातस्य । देर्दरम्मिक्किक्कित्यद्वर्ष्याचेत्रा अस्मान्यदात्याच्यादेवस्यास्यदा त्वद्रातिक् यरस्यान्यान्यासते। नामरस्यास्त्रेरान्त्रेरान्त्रेरान्त्रेरान्त्रेरान्त्रे नावमार्थात्म्रकेकेकेद्रम् स्वरावियम्ता नामक्षित्यं म्यूर्भरत्या लेगल चल्येन्स्नइत्रिर्ण्या ग्रायाख्यास्य स्थास्य स्थास्य स्थास्य अन्वार्विक्तरलूर्। क्रेंद्रपरक्ष्यकार्वप्रस्वयार्विवर्त्यक्ष्यालूर्त क्रियान्त्रस्य रभर मानिकाता। गार्वा में देर खिर्डिंग जेयर मिन से मानिकार . विकाल क्रिया व्याय प्रति । विद्यान वार्य सार् द्वारा वार्य निवा वार्य नि न्यायदास्त्रया मी.य.र.लाया र्यकार्यूर्तरासूत्र्याच्यापमा स्यास्त्र्येत्राया याश्रद्भ अस्मित्ये का स्यामा म्यामा म्यामा स्थित्ये स्थित्ये म्यामा स्थान इरा छर मायरवालाम्यास्यार्थात्याः व्यास्त्रीय्रम्यास्या स्माक्तियात्रे वर्षायात्र वर्षायात्रम् । देरद्रेत्यद्रम् सार्यायात्रा विरायाः लया.चर्राज्येरला। प्रक्रिंद्रिके व.चारत्यूलाख्रेरा। श्रार्ट्सेंद्रिके क्र्या. लझें हैरे। ब्रिस्सरका अधिकार्याता से सुरुष्टिक माला र अर अर भी।

[설리] A PARTY शुर्याल्यादरविका। सम्बद्धलायर्द्द्रिकेलास्त्रवता। यदस्यम्स् री अम्यापरे सुर सिर्मियमा याता ग्रेस्मर संयास किर ग्रुमा यह या। मलमलीयते स्वाया त्ये संस्त्र वर्षा महिरा द्रम् देव राष्ट्र से स्वते महिरा रगरस्ट,गएमस्युग्नियायसम्बद्धाः स्ट्रिस्यम् वर्गस्ट्रियास्य मलयास्यामित्रा विस्टात्यत्वियाः यत्वात्यात्यात्रात्रा द्यात्र्यार्यः लेका मेर्ड क्या कार्य वर्षात्रा कार्य वर्षात्राच्या मार्थ मार्थ कार्य का प्रमा श्रीया अवास्त्र मार्थिय मार्थिय मार्थिय मार्थित विद्यात तार्थित विद्यात तार्थित ग्रंभामक्षित्रमान्यातास्त्रम्यास्त्रास्त्राः। यत्रास्यायायात्रार्भागायायार्द्रामान्यात्रात्रात्या अज्ञात्र हर् केंद्र केंद्र नर ग्रेस ब्रेस्ट्री विस्तर के स्थार हरे । त्रीत्यासतीत्वात्वहर्मास्त्रहर्द्यस्त्रीता राजावस्यान्त्रद्राव्यास्त्रहर्त्यस्या इम्ट्रा मुक्तामन्त्रम् स्ट्रियानस्ति । इस्तर्त्त्रम् स्ट्रान्ति । वित्र रराज्यार्किताज्ञा श्रीद्रित्यम्भातावर्गत्रभूरास्त्रहर्गा हिर्द्र मूकायर, होर्. पुराय कुला कुला के रेंगरात एयर या हुर। जुर्थे अंगराय हिं बराराश्च्यात्रद्भविष्या स्रास्वायात्रक्षात्राच्यात्र्यात्रस्यात्र या ये या हर हो दे दे से देते विका अंता हरे ही दे ही दे ही दे हो दे हो दे हो है हो हो है हो है हो है है है है ह वर्षाताल, केंद्र त्यस्ता कुना व्यारे तर अनुरे वं याले किए वनवात्तर सन्दे नर् देना राष्ट्र याथ्या श्रेमाला द्वा टार्स्ट श्रेलाचे स्मानिक स्पृत्ये देने योका सामितायार सुर्मियुः मार्थु लार्नु हुद्। दुला इरक्ष्या स्वयः मार्थि मार्थित दुना निर्देश हो। केर्यमः में में या एर्रा गावरता होर हेलाही हर एए वार्य ता की वार्य में संस्था ही लुन्य के र कार रे यह के बालका कार् जाना कार के बार के अप अर हरे हैं, पर है हैं र श्रीसान्त्र स्तूत्रश्रीतर्देशी ह्यु. श्री. त्तान्त्रेत्रा सित्त्रके मुख्यामायस्य म्यान्यात्राच्या सित्त्रा स्थाने स्रत्य वर्तात्या। वर्षातिवार्त्यात्रात्रात्रात्यात्रवा । जन्मरसा स्थित्या विक्रम वद्य

नर-रव्यात सर-मिन्न क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त कर विकास क्रिक्त कर विकास क्रिक्त कर विकास

यायद्रमार्समाविकात्। यहताक्षासद्रिक्ष्येरादेद्र। क्र्यंदरहर्स्यावेल

स्। इत्रान्सर्वृत् वास्त्रक्त्रीयात् द्यात्व्रम्भदेशालुक्ष्यक्ष्यम्भूते

म्बा चालरलेष्यस्य प्रत्येत्रास्य निर्देश चलिष्टेचाम् इ.ल.ल्वर रे. त्या अर्मेत्रे स्मायकारमा वर्ष्यस्य त्यात्वात्यर्गा स्मार् स्वयम्भान्ता अस्तिस्वयानतेन्त्रियान्त्रा द्वान्यम् प्रेसित्ता एड्स्नेस्क्रिका ब्रेस्ट्रिया क्रिक्टर्स्य कार्या क्रिक्री वसमार्थे सर्मर्थे क्रिक्र श्रित्रा विस्तरम्द्रियास्यर्भा यद्भार्याच्यास्यास्यर्भात्रास्यर्भात्रास्य मुन्या क्रिकरचलिकिकहिर्यक्रित रनेरहिर्यक्ष्रास्त्रेता स्रेय्यानेर्द्यान्त्रम्यान्यायान्ता अस्यान्यान्त्रम्यात्रम्याः स्रेयाः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोत्याः इत्यान्त्रम्यान्यान्याः अस्यान्याः अस्यान्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रो वर्ष्यरत्वेर्क्षणामा क्रिंद्रियार्द्यवायापा सर्विवस्थित्वर वि क्रम्बास्या हर्ष्यास्य अध्यक्षित्र स्थान्य । नेर्ट्यास्य स्थान्य । नेर्ट्यास्य स्थान्य । क्रिक्य स्थान्य । नेर्ट्यास्य स्थान्य । क्रिक्य स्थान्य स्थान्य । क्रिक्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । कर्याक्ष भारत्य अवाद्यम् स्ट्रिंग वित्र हेर् क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रित्सायर्रेराव्यक्ता इरलक्तकरम्भेक्रायर्रे रे। इर्यन्तर्तार्यात्यार्थेन क्रियार्थ लुन्यु नुरा क्रूर्विसर्खे याविस्त्राक्ष्याक्ष्यात्र रात्रे हे। क्रूर्य क्र्यू सामा स्राम्यात्रे १९८ स यान्यासे के में से स्टब्स त्याया ताया रेटा। ब्रिट्स रेटी के स्थित के कि स्था के कि स्था के कि स्था के कि स्था के अल्लेसल्यूर्रेश्वास इंड्रेस्ट्रा इंश्वास्य संदेशास्त्र र स्थार मार्गिर माला सर्गि विश्व प्रमुद्धा वस्तुन्द्वास्त्रेवास्त्रवास्त्रवास्त्रवार गवनस्त्रेप्रतात्वाद्वारे र्रेस्नुरक्त्यात्रास्त्रेर्र्र्र्ड्री अस्तर्याद्र्य्यस्याद्र्यस्यात्रेत्रात्र्यात् वर्वाद्र्यस्य हमात्यक्कार्यरा राष्ट्रेरस्वरिमेक्किरतम क्रिकेम्रारस्वरम्बर्गवर्गा र्वत्रम्यानवार्ष्यं नार्यसरो। विवासिर्द्यं स्यान्सरित्रमा वर्षा ्यात्मर्म्यस्यात्म्याः केरा वात्मराप्येतास्यां व्यक्षः वात्मर्भः वात्मर्भः त्रम्याः कार्यः दिस्तृ वस्तान्वकाराते देना सीस्त्यात्वकास्त्रस्तितवात्ति। देवस्तर्भदेन कुष्टर्र्डरा झेंह्रेलक्ष्मक्षाक्रान्त्राता ब्रिट्मक्षाक्र्यात्राक्ष्यात्राह्मा हैं ज्यानाना द्विक्रतारम। दरके कामानाना मानाना दे ही 13 का हिंची एरंड्रा व्यानमान्द्रियान् रहितान्त्रात्रात्राहर्। ए.स्ट्रास्त्रात्रात्रात्रा क्रा स्रेर्डियाक्रियाचेता देशेत गत्रम्रदेशयास्यास्यरेग व्यवस्य रमामान्त्रस्तित्रेता र्यमान्त्रस्तर्भरत्यात्रमा ग्रम्स्रहेत्रम् इस्यालग्रास्ता क्राहेश्वास्यार्थायेत्रा वराय्येश्वरस्यतिहर्वाश्वरात्रा। सर्वस्तिते त्रित्ते त्रे त्रे त्रे त्रे त्रे त्रित्या हित्या स्ति वित्ते त्रे ते वित्ते वर्षे ते वर

स्ताना पर्रेत्राम् त्यानेयास्यात्रात्र्यं न्यान्या स्रित्यात्रेयात्रेयात्राम्यान्ते क्षिण हो इसर राष्ट्रका हो देशा वायक स्वयं के विकास कर के निर्धा द्वार के अन्त्रे। यहस्य रात्र्यास्त्रे स्वराता विक्रात्रवारावार्ये स्वरात्रया सरस्य इस्त्रमा न्रूर्ष्ठायक्रेरा छ्र्यक्रियास्यर्ग्यात्रम् स्थान्यत्रम् एर्ना। नमकेन्न्यायार्द्रायास्य स्वामहर्त्नापद्रायाय्येत् स्ता स्वा अकरा लहर्मा सर्वित्रम् । विनायात्रम् । विनेत्रात्रम् । त्रित्रम् । त्रित्रम्य सिंद्याला लुर्स संस्था द्र्या लुर्स तियाताता व्यास्थित रंग्या संस्थाता व्यास्थित राग्मर स्मित्रातम् रार्मर कर स्ट्रिंग्सर स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्मित्र 5 कर अ: क्रेंस् इंके. क्रिक्ट रूपास्त्र राज्या अन्त्रमा अन्त्रमा अन्त्र राज्या अन्तर स्थान ल्यास्त्रास्त्रात्मात् क्रियान्यात् क्रियान्यत्त्रात्मात्यात्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात् सुरा हर् से गायल हो रशवा पास्था र्यासे अप प्रियं स्था स्था स यस्तर्यान्त्रां स्त्रां त्यात्रां स्वात्रां स्वात्रां स्वात्रां स्वात्रां स्वात्रां स्वात्रां स्वात्रां स्वात्र ज्यस्या सार्यस्य स्त्रे महेरेरी ज्यान्तियास्य हेर्ने स्वास्य स्तर् पर्वेत्रात कार्यकार्यक्तर्र में करेशाला क्रियर्यत विकास करियर्थ वरि म् स्या सर्वा त्या स्था सर्वा सर्वा सर्वा में द्वारा में स्था। संस्थात व्या त्या ही ते हर द्वारा न्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रस्यात्रात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य रुलम् मेलास्य ना द्रम्मलास्य ह्यार्यार्यात्रहर्यात्रम् स्यू त्रात्रायाय्या यक्षेत्र। सूर्यालानायप्राज्ञीक्षान्त्रीता श्रीर्याधुत्यत्त्रीतर्वात्त्री। एक्ट्रा यथुर्नर्रवर्ष्ट्रकारो। एड्सर्स्येर्वेस्त्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य सन्धरमान्। त्यान्तर्भेत्रा त्यान्तर्भेत्रा त्यान्तर्भात्रान्त्रात्यान्तरम् लागुर्द्ररास्त शाल्यक्र्राम् वायम्भान्त्राम् स्यार्द्राम् वर्मक्रियम् कुर्यकालका वि.यू.प्रकुरी अर्था भूर्यकुर के,यया स्ट्राप्टूरी रेंग्ने प्राचित्र के प्राचित्र प्राचित्र विकास के क्षार् भे प्याप्त त्याप्त क्षेत्र स्थित द्यात वर्ष स्थित वर्ष स्थाप्त वर्ष स्थाप्त वर्ष स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त शास्त्रात्वनार्द्रत्यव्यास्त्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्तात्वेत्तात्वेत्तात्वेत्तात्वेत्त इर्ट्या म्या अव मं मुद्देर वर्षमार्गर्गराविषायास में मान्ये से मास्या वित्यात्त्र्रा ज्यात्मस्य के क्षेत्राता स्रीके संस्थाकी महेरायुनाया रमामा द्यां में त्यां में राष्ट्रियाया ता नाया नाया याया ता सर्वेया की राष्ट्रिर रहेरा सुयायिया अया कराया है। देरा क्रियाया है। अया विश्वास्त्र कराया सार बाबाक्त-स्वरःप्रकार्यकाकाकात्त्रेत्। र्यक्ष्यःयावेकात्रःपर्वितःपर्यात् श्रिक्वान रियसियाता । विवासिया के. वर्षियाता विकासियाता विकासियाता विकास क्षेत्र वर्षियाता विकासियाता विकासियाता

क्रा। मिर्नियर्ष्ट्रयाः स्त्रास्त्रा यरः क्यास्त्रास्त्रास्त्रेरः देवरः एदं । स १८.भारपालानु है। शुं कुर प्रादेशस्य साम्यान्त्रे । श्रीयान्या स्थिति क्रियानाल्या केंद्रश्रीश्यक्तमस्याना येत्रम्येत्स्य वित्रक्रीत्रेत्र न् छर ल्रह्मक् नर्दराना भूत्रामहरू में महत्या महत्या महत्या महत्या महत्या प्तास्थात्वतारस्या र्स्ट्रेस्ट्रिस्तास्थात्रे।क्ट्रिस्या क्रीव्यूक्रिस्तर्म्या स्थान अधुक्रेत्रेलक्षेत्रमाप्ता व्यक्षियाप्त्रित्त्रयान्यान्यात्यात्रात्या अव्यव्यत्यात् देवपत्रा अक्टून्यन्तर्रे। किर्द्रास्त्र्र्यान्त्रियात्मात्र्यात्मात्त्र्यात्मात्त्र्यात्मात्त्र्यात् नरेत करत्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र क्रम्मिक्र सुन्द्रसुद्धान्यकारा रर्द्यायन्तरार्त्या स्ट्रास्यायात्रात्रा ज्याकित्यकत्तस्यक्त्रक्ष्यक्तिका रतिरास्त्रस्य प्राचित्राक्षर्यस्य व्याप्ताक्षरः मार्थिताता जुर्यात्रापुर्वात्र्यात्र्येत्राम्यात्र्या म्रान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या ममन्द्रियाक्त्र्रास्त्र्र्याक्ष्र्र्रात् । व्यक्ष्य्याक्ष्रियात्रियाक्ष्रियात्र्याः व्यक्ष्यात्र्याः व्यक्ष्या ग्रेस्कि,लार्चेचनकारी ब्रिस्टरक्षकाराचा एर्स्ल्यूरा ब्रेस्क्र्र्डिक स्रोर्-क्षेत्राता का क्षेत्रकरी स्ट्रिया। यान्यता क्रिक्स अप्राचित्र व्यापा क्रिक्स स्ट्रिया। क्रिया। क्रिया। वान्यक्षा प्राच्या क्रिया। र्मा लर्थातिरामुका सि. एक्ट्रीरा । एका त्या त्या तु करा केटा करा मही। से या वि क्षिरे तह वस सार्थित स्कूर्य वार्थिय वार्थि क्रिया,पर्देश कोरक्ष्यक्रेर्यात्राप्त्यांत्रापर्देश कालायात्यात्राक्ष्यदेशवास्त्रात्रे रिक्यावा श्चरक्रार् राम्रास्त्रियाता। यान्यास्य वर्षात्रास्य वर्षात्रास्य वर्षात्रास्य स्यान्या असाविराम्यार्थात्राम्यार्थात्राम्या म्यान्यात्राम्यात्राम्या रवामसः अवत्रेश्वर अर्ग्युद्रेर्ट्यमास्त्रेर्। रदास्य ब्रियास्य स्थास्य स्थार्थर्यात्याः 4 Be. 34. म्र्रित्तर्मा नायमाम्रित्मास्यान्यस्यत्यस्यत्यस्यान्। रे.म्.यावस्यत्स्रित्मेरम् 要可からなま! 10 1 A 201 रेलए.यान्तरम् नेम् रेकर्यात्मात् । विस्तर्मर्युर्यर् देत्वात्मास्य वर्षात्मास्य वर्षात्मास्य इन्यिक्ट्येंत्रस्। इ.प्राम्बक्तिवयायंत्रस्थरःव्यत्। व्यत्यासव्यक्तियावेव. इस्यामाओ द् करल्हा स्टानमान्त्रेन्यास्त्रम्यहा स्थानमान्त्रा स्थानमान्त्रम्य स्थानमान्त्रम्य स्थान न्यानीयार्द्रा शुर्ताना स्थाना हिरसाय है स्यानेत्रा ल्यानेतासायत त्र्रेत्रेञ्च स्थाप्तरात्रेर्ता से से राष्ट्रेत्रे रूर स्थासात्रेत्र त्रा से से से स्थाप से व्यवे री वेस मिरस्रम्यवसास्त्रमार्थाः क्रियंद्रमार्थम्यस्य सार्थित्रार्थः क्रिकार्यक्रम्

Seconduame to Hoz असर्मालयारी अस्मार्तिमार्थराक्षाचित्रा वर्डमार्ट्यम् मुन्तिमा की म काराम्या सेटाक्ट्रेयान्य प्राप्तायो न्यास्ट्राया न्यास्ट्रायां यो प्राप्ताद्ये प्रापत्ताद्ये प्राप्ताद्ये प्रापताद्ये प्रापत्ताद्ये प्रापत्ताद्ये प्रापत्ये प्रापत्ताद्ये प्रापत्ताद्ये प्रापत्ताद्ये प्रापत्ये प्राप उर्वत्वावस देस्त्रमा महत्त्रमा महत्त्रमा स्ट्रामा त्रामा त्रामा निर्मा महत्त्रमा निर्मा हर्मा स्ट्रामा स्ट्राम AMM-200-201-25-1-25-1 大小的好好一点的一个一个一个 म्यानिक के मान्या कार्या कार्या के विकास के निक्त मान्या कर के के के कि कार्या कर के कि मे अन्यतिकात्मातिका सार्ययकाता कर्ष्या ही सहस्र से विका न्या से स्थाप सन्त्रित्यक्ता कावयत्त्रद्वात्वात्वाद्वाद्वात्वात्त्रात्त्रात्वात्त्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् उस्तर्भाग्ता मक्ष्मानगर्याकुमानत्याकुमानस्य स्वानगर्मा र्या द्रा द्रा द्रा द्रा स्वान्य स्वान्य मूर्र लड्युकाल् कुरायानी से हर्र एक्ट्रिकार्य है त्रिक्या है पर होता। एक्ट्र इत्स्यम् देस्याम्या त्या त्यार्यात्यात्यात्यात्यात्यात्या ययात्र के हुर्द्रा रियंत्रा भूषत्र कुर्यस्य यात्रया। युरायक्र र्रद्राया व्याक्षरा सर्ट्य हुन्ता स्थानका न्या प्राप्त । इ. १० दे से विकास के दे ना विदेश के ना विकास है सुरुष्याक्रियास्त्रम्। यालास्त्रम्यायस्यायस्यास्यास्यास्यास्याः रूरा र्म्यान्त्रमान्येन्ता हिर्द्याम्यान्यान्त्रमा मर्चित्राम् हुरे. र.प्राष्ट्रेचानायानि ही.सुचुना क्रिक्टा यर अर्ट अर्ट क्रुप्तामवा क्रि शुर्। कुमालवातका ये इंडियार सामिता इंडियार कार्य सामिता 4 8/34) मूरकिर्यन्तरात्राता मार्गक्रिक्यायकेर्त्रिक्यायकेर्यक्षात्रात्र्यंत्रर्थात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा ्बरश्चिक क्रियं स्त्रीय क्रियं यार्थे. इम. नद्रेश्वरं स्वतंत्रक्त. रक्तिया विद्या द्रां चयका याव द्रायत् भरे ये.रे. कर त्वरं प्रथ यार अन्तर्भित्र भित्र मिया वित्य प्रायति अवत्य प्रायति वित्य प्रायति वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य 新教子的不管我也是在是不是不是可以可以不是我的我的我也不是我的 631 रवर्नामावरामामान्यात्रामान्यात्राम् मान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्य यहरीयकर्रे में अपने कर्रा में से क्षेत्र के स्वापन ब्रिन्मिक्रियारिक्षात्रित्यार्वित्रित्यार्व्यात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र १ वर्ष १ वर्ष दियो। र या त्रा या या र र यह वर्ष वर्ष के र र र वर्ष वर्ष दिया 女子大学いか、またより大変から大生大力が大多大の大日本日、大田田田の大大日本日本日本日本日本 शुस्यामान्त्री देन् या गाने स्यामा स्टार कर त्या देवा या वा हित्या ने सार स्टार त्यार महित श्रेमलक्तर्रात्रक्त्यास्यम् । वित्यान्यान् वित्रक्ष्यान् वित्रक्ष्याः इ.स्.स. नर्त्रेरल्या न्यास्त्री मा। इ.डिराक्त. १.र.स. विकाल मा या रिक्टर रेट ए में में किया के या दे या के या मार्थ का में मार्थ में में के प्रति क

का। किह्निया देरद्वस्य द्रमेरे वर्वाववाक्ष्मा स्विकत्र र स्ट्रिंद्रके अस्कर्म्स्य वेरा त्वना ने स्राया विवादे के रखे का के के रामित के कार्य नसम्मायवरम् ते सक्तित्र तम् वर्षेत्र तम् वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत् मिनारियामासिस्य स्थानित्र क्रियास्य विस्तर्य स्थानियास्य स्थात्रीया र्भनारस्य्यानेसायायायायायायायायार् रहात्राप्रदानमा सम्मास्यामा रस्के सिंगमहत्र। संभवना वर्षे स्वार्मित्रे से राक्षे के के के के के तार ति वर्षे राक्षे म्मार्यस्यान्तरेन्त्रम्भ्रम्भ्रम् विवानस्य स्यान्यस्य स्यान्त्रम्भ्रम् स्यासिकासिद्राज्यामार्यद्रायास्त्रीता कराद्याक्ष्याद्रवाद्रियास्यास्यास्या श्रिम्यरा द्रम्लामक्ष्मरम्यर्गस्यर्भन्तिम्यर्भम्यास्य स्र रायकार राज्य सर्वा मेर्गर मेर्गर के मार्ट हे कुल मार्थ ने नाम कर । देर पर स्थाय करिय अर्ड्या अर्वाकारी सरमारे हैं देश स्त्रीय में लेकी से में में वाका से हरा थर. याली किस मिलाता। में ब्रिट्र प्रथम में रेम्प्रेट प्रथित में देश मार मुख्य मेर्च माराजे मुर्स्र्र्र्र्र्यात्र्र्यं न्यायक्ति विका न्यायत्रिक्ति। स्र्र्य्य्य्यस्य स्र स्रिकास्र र्देश्या क्रियं में यह देश ही त्या दे त्यूर देश में पा क्रियं में या ता क्रियं का राष्ट्र त्यसंस्था हर्म्यसंस्था क्रिया में देश में हर या तरी हे से देश मार कर में अप Whitein क्रेंच्या ताम्यका व्यापा वा विकार क्रिय वा मिराय क्रिय 新ためないからからないこれのはままれるとかいまましてあるでいる。あれるできるいい。 क्ष्यकररा देवा कुर चिरिष्ठ मायेका वार्या का प्राया कुका मायि है । विराह्म देवा है। ,याप्तरप्रामा,दुर्गत्यक्त्रि, थर्षायाक्त्रता। अध्याम् काम्म्याम् स्थापना परेरा कुर्मेन भुर्गायेय कुर्म्यास्ता यालर म्याया सामान्य रे यानुना सारद्वाराष्ट्राक्षाचा करामानुद्वत्रस्य अरद्गा सदरस्यामानुस्य स्तायक्रम् सुरक्षित्यप्रस्त्रित्यात्रेत्रा स्त्राक्षत्रात्रः स्तायम्यास्त्रेराक्षेत्रासः सुक्री क्ष्याचराक्षरक्रियाची में स्था क्रिया होरामक्ष्या ने में ने में ने में स्रेट्टित्र तर्यात्रा स्वामाने वार्य न्याय स्वामाने वार्य न्या न्याय स्मिल्येन। क्रिक्टार्ट्रान्यक्ष्यास्त्रित्रः। क्रमक्रस्त्याम्पर्वास्त्रम् मानिरम्यमामान्यामा काममम्बिकाना मान्यम् क्ता सम्बान्त्रेत्रायात्रात्रायात्रात्रायात्रात्रायात्र्यात्रात्रायात्रात्रायात्रात्रायात्रात्रात्रायात्रात्रा संस्कृतत्र राष्ट्रियक्ता रस्यान ते दुर् सुर्ग्य के विदेशा स्रोध के रामेर ता संदेश क्रीन्येत्र अस्त्याम्बर्गाम् वर्षेत्राम् स्तित्रित्रित्राम् स्तित्राम् यर्भेदराक्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्र्स्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्र

9/8

259501

3 wife

415.01

ই'ব

6 sparrow

अर्रेन्स्य स्थाति हुर। एक इर्न्स्य राम्य मार्थित हो नवा मेर्टिन्स्य स्थित त्या त्यावतिम् सम्मे केता सम्देश तह सार् देश के स्वास्त्र त्या देश था क्रियाना क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान यक्षर्यात्रा शक्षाण्याव्यातात्र्यात्यात्रात्रात्रेत्रा इस्कर्र्र्र्स्रायार्द्र्रायार्द्र्राय्या एक्स्ट्र्य्या हिन्द्र्रा यद्भयन्त्रात्त्रात्त्रात्त्रायात्राता क्षेत्रम् ता हर्षेत्रात्वात् वर्षा म्याम् वर्ष स्यास्त्रित्यरामक्षर्भ वार्यरत्यक्ष्यात्येत्र स्वास्त्रित्यक्ष्यात् स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व रमर हीर रे र क्या रे ए केंद्र छाए हैं या यह र लारे प्रयास लारी है कर सेर. अध्यम्यान्त्रम् विद्रा र्याल्याः श्रेमान्त्रहाः समाना अरावममा होरः यु.स्यर्भरम्भार्त्ते। त्याम्यरम् यात्राम्येकाम्यान्यरम् व्याद्वात्राम्याः क्रीकातम्यात्वर्याः। क्रीकान्त्रः क्रीकालकान्त्रः व्याप्तः क्रीक्ष्यः व्याप्तः क्रीक्ष्यः व्याप्तः क्रीक्षः व्य भवनाहः एर्त्रम् क्रीक्षः प्रतः। राष्ट्रमान्त्रम् प्रतः क्रीक्ष्यः स्थान्यः । क्रीक्ष्यः क्रिक्षः क्रीक्षः क्री रो। श्रीक्षः प्रतः म्याप्तः म्याप्तः क्रिक्षः क्रीक्षः क्रीक्षः क्रिक्षः क्रीक्षः क्रिक्षः क्रिक्षः क्रिक्षः इंचा क्ष्रियेणुकार्कारकार्यार्भिर्धिकर्। ध्रियररास्त्रम् स्थाविवारकार्जी द्रग्रीत्रमार्यः यात्रास्त्रास्त्राद्रा वादह्रमञ्जूत्रमात्रेयस्य के.ल.व.प.र्रेप्टर्ग्ये.र.। क्यंत्र्रेस्ट्रिस्ट्रेस्ट्रिस्ट्रिस्ट्रिस्ट्रेस् र्क.क.क.स्यू.सुमा क्रियरश्रद्भार सम्रह्म देवेशन स्थातिकर्ते वरदूर स्थर त्रमान्द्रस्तेनमान्यतात्म् म्यान्त्रम् नात्म् र्रात्मान्द्रस्तान्त्रमान्द्रस् सका-यिदियात्त्रत र्त्तर्रा इत्तर्रा हिस्सिन्यस्यात्मर्थरत राज्येत्रर्त्तरात्तराक्षरा त्त्री भरेर.श्रुप्रेस्से के कुर्युं ता.त्या संचातप्रकेतप्रका यूरान्य-एड्रिस्र हिल म्रेराज्याना होराटर्ड्रा योगास्कार्वका होरायर्वे या स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा न्यात्याक्षेत्रस्। अक्षेत्राच्यात्रित्यात्रहाता रत्यस्यस्यस्य र्याता स्त्राची स्थान द्वार स्थित दे हो। श्री द्वार स्था वित्र ते स्था हिन स्राह्मान्स्राह्मान्त्रा ठ्यान्त्रा र्यान्त्राह्मान्या कु. के अग्र के 2.यममाम्यूराम्याक्ष्याम्याद्वरामान्याम्यान्यान्यान्यान्त्राम्यान्यः। इ.यममाम्यूराम्याद्वराम्यान्यान्यान्यान्यान्यान्त्राम्यान्यान्यान्त्राम्यान्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्य य. छ्रास्ट्रेस् क्रिया हि. लुका छ्राय द्वार होर छ्राय स्थार स्थार स्थार होता हुत हो स्थार संसूर् से तार्त्र ते त्यारा रे र शका की देशका सुर बुर तार तार हिया का से सिर

क्वा। ।स्राप्तसम्बाध्याद्वरम्या दस्य वर्वर वर्षेत्रार्वेगावेगः र्केडियाडियाद्वारिया र्व्यायु जार्ये हिलीयात्य वर्षेट्र र जारा के अरुद्धिया। यालका यालका मान्यत्र मुक्त मुक्त मान्य मान्य मान्य रहेरे यर में यालक बालप्र प्रका भरत मेर सामिय के मार्च का प्राप्त प्राप्त राज्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त रा याली के सुवायकोर बी लुसाम मिर्साए थी. एड्डिटर रेच सुवार्ट्टर पा रेडप इस्र कर्जुराक्तम् कर्तर्भाता क्षुक्रम् यद्भा हु स्वराज्य कर्मा स्वराज्य स् सहस्य वर्षे सहस्य हेर्य हेर् हेर् हेर्य केर्य केर्य हेर्य हेर्य हेर्य मानुत्र। दुर्कान्या ना मानुस्य मानुस्य होता ना गर्या परिवासित मानुस्य मानुस्य महिना रेस्लिमार्डिमहर्मा नार्ड्सिमार्था विस्मार्थित है। भह्मर् हु द्रमाना के क्रिया विकास के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप कर स्वाप के स्वाप कर स इस्मारश्चीयनी द्यायायद्रायाद्र व्यादा श्चाद्रमाद्र कार्येक्षा व्यापालहेता अके. संस्थात्रा विक्रास्त्री कुणावस्याला स्रित्रे स्थित्या स्थार स्थार स्थार रिरेक् केंग्राय प्रत्यावरात्मा व्यापा यह काहि दर्यात्मार क्रांच वाया या याव माम्बिराम्येन्य्रत्त्रा दमतास्य माम्बर्गाम्यान्यान् योद्यामा रक्षेत्रग्रहा नावस्यातस्यासुस्योद्धरा स्रोटेस्रेर नेर्क्राट्स्योद्धेरी मग्राटिन मित्रा कार मित्रा द्रिया द्रिया मान्यकार निया कार निया खुन्तियान्त्रस्तित्री प्रयापत्राम्भ्यान्त्रान्त्रान्त्रस्यन्तान्त्रान् त्रीत्यस्य ल्युरा स्मृतर्य क्रिंग क्याल्य क्रिया क्रिया म्या क्रिया मार्थ ह क्रमायक्षरत्र अर्थान्य स्वान्य स्वान्य विस्वय व्यक्षित स्वीत्य कर्द्र की क्षाया र्गान्यकास्त्रका प्रमास्त्र राज्यात् राज्या द्रायाः स्वादर माला स्वादर । मास्त्रिका राज्या माल्युर्र। यंत्राक्ष्यामाक्ष्याम्बर्ग्यक्ष्रिर्रा रहर्र्य्येत्राच्याः महेर्यान्य्याला वृक्ष-एकर्भवेसकातात्वरात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्व क्रम्य.क्रप्त.स्यास्थात्त्रीया न्यत्यास्यास्यास्यास्यास्यास्याः वहुरम्मस्रा हुरहर्ष्ट्रक्रम्मस्याम्भाराक्ता इर्डरईर.जराजाक्या र्प्रकारकाम्येरम् नामाना हरमानाना हरमानाना हरमान

क्रियान क्रिया मित्रा हु या हुया। ही ते त्या मार्च द्राया या व्याप हो। ति ही क यम् हिरलेखानुवार सेकाप्राप्ताता सर्द्या स्ट्रीर काप्रात्ता कर्रा यान्यान्त्राम् र्वत्रम्योः यो द्वारान्त्रा यल्यान्या सहस्राता स्वर्धिया वर्षे ्रियत्रे म्यारम्याकाता। इरत्यात्रास्त्रीत्ये कार्यस्यात्रे स्वात्रे स्वात्रे स्वात्रे स्वात्रे स्वात्रे स्वात्य इर्. मुक्तरालयाक्षेत्रार एड्यार्च्याक्चरातास्त्रक्षेत्राचरा नेबाकायातुः क्रका त्यायाताता रूर न्यार क्रा त्याका क्रा त्याका स्था त्याका क्रा रहार है रहार है रहार है रहार है व्याप्तात्वर्ता इत्येत्रम् अस्यात्यायायाया विकायायायात्रा ्रेटलाव्रेन किरलियानाले.ली.च्यानक्रेन.वुन क्रिक्टियानार्त्यानार्मात्राक्ष्रिक्त शुर्द्रप्रश्चित्रस्यात्रयात्रात्रात्रा लीद्रम्यावयद्रस्यात्रेद्रस्यात्रेद्रस्यात् १० मध्यक्ते बिका स्ट्रास्ट्री से मेर्डे द्रियोगाकी। ये. लार्टिरे र्याया लार्था छारार थिये रिक्सार्थ। स्ट्रिया बुबा प्रासिद्धी रिस्ट्रेर्य कार्या साला लाई ता लाई। य्यात से संस्थेर अञ्चाराम् स्वितः। यात्रास्त्रवितः याद्वास्त्रास्त्रेत्रः माद्वास्त्रास्त्रः वाद्यः सार्वास्त्रः तुर-द्यानाः अह्तरः। यक्तः क्षेत्र-ययातः क्षेत्र-यारः कार्-द्री। संस्रदेश्यावयः नथाः छर्-इंग्रन्थरी यास्यार्थर्वरसातास्यात्रात्रात्रात्र्यात्रेर्धात्रेर्धि य. भक्त्या-यक्षेत्रा.क.। श्रीतः त्युक्रियाक्षः क्री-यक्र-र्त्यवियाक्ता विकाल-यार् あんない。安大山の、町、美型、東地流大の大型、原大のは、年日、日本社の、日本社会 क्र-अन्त्रातिकान्त्राचावयत्तातार्द्र्यं वरः त्रार्-रदेवद्रियाताः वर्षः । यथ्ने स्त्र मार्थ ने स्वया की हैं से स्वया मार्थ हैं से स्वया की ता की मार्थ की र्रेज्ञान्त्र्यान्त्र्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र कुर्-यानी.की.जा.त्यक्षिया.या.वर्त्यका.की.बी.वर्र्ड कीर.शर्या करायायर प्री क्रिक्षपुत्रपुत्र है। त्ये विकासकार्य त्या मान्द्रा अकुला क्रिक्त ता या न नुसूल्या या सुन्द्रन्त्या मान्या विस्त्या स्वापा सुन्द्रमा भंडे.स्र्याप्रदूर। अकूर्रियाश्रीत्रायार्ध्यर्थरायाः मितालेश्रस्था न.रेबा.ग्रु.से.। अक्टेरवुबा.विबानाक्ष्य,स्प्रेस.प्राचना। संस्थारक्षराताले वर्ष भ्यात्। केट्र अस्ति स्ट्रिस्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्रिस्ट्र स्ट्र स्ट रहित्यहरू अं भेलेया प्रस्था क्रिक्स स्थिय प्रिया या पर्वे छ नेया न्यस्यान्यत्रा स्रीस्ट्रेस्य स्रित्रेस्य स्रित्राच्या स्रेट्याक्षरे क्रियर ने प्रत्या मात्र हिर्द्ध स्रेट्य हेर्

3 मियम्बरी

ठगा १३६.मुल.स.स.स.। से.स.य.५८६१ योद.स.म.म.ल.५८१ यूट. कुण म.वचन वन्ता रगरलभगक्तरम्याद्वातका। देलकाल्या में सम्मित्रम् तीस्य कार्या में रा 2 計제 크피 र्वेषान्त्रात्मात्मात्मा व्यवस्थात्मावर्त्तर्द्रिराव्या म्यात्मस्यर् वार्देट बच्य पुंचूल उवासा गु.स.य.प्ता करास्यायलासम्बद्धासरहा अन्नुस्रक्रियक्ष्येस्ट्रियरहा 3545.201.10 मि.रंट.मा.चुडाके ज सारकास्यान्त्री वनात्त्रीयार्गा सर्वातिस्त्रीयार्गित्रात्रीयार्गित्रा र्रेर.क्रेश.हिराकावरी विक्कानिक्रके.ज.रवेशरवेशर्रेश र्रासेर हैंया क्षेत्र सर्सित्रेर्ति हिर्हिरलेक्ष्मक्ष्मकाल्यकाल्यान्त्रे इताकोक्त्रीया व्यवत्रविकत्त्वकात्रीक्ष्याक्षेत्रा इक्तर्वत्रीयत्त्रेत्वाक्षेत्र या. र राजासकावार्त्यावरातरातरात कार्रेड्रिय्योप्तरातरा र र्राट्ये कुराम् शेरद्र परंचा के के कुर्स र स्प्रप्ट करता। क्रिकर सूचा यवके वना इन्द्रिक्ट्र्यायेयावेशाहेंगी अ.स्.एक्ट्र्य्यास्त्राविमास्त्री अस्. माइए ... पहुराम्। रद्वेना मार्थिक मार्थ यातमार्केम स्था कुरा प्रत्यम् । कुर्मिय म्स्रेम्प्रम् प्रत्यम् प्रत्य वर्षा कर्मिया वर्षा क्रे के के करा रे वस्त व निरं के निरं के के के के के के के किए। स्मरत्यर्भर्भर के बाताला देन बीररभवाकेरका उर्देशका कर्ता में के का का के भण्यांचित्रक्रिया र स्रिलया योष्टितं स्रि. स्त्र, एवं रायसमा याले स्रिया एक् र्रेट्स्स्यू. भण्यां स्थित्रक्तिया र स्थाया र स्थाया र स्थार चक्ता यक्ता यक्तासर स्थित द्रिक्ति गेववाक्तासा व्राप्त स्थान्य स्था स्था विका कुमा यमम्बास्य स्वार्य स्थात्रे स्थात्र स्था। स्था मानिक स्थाने स्थान समाम्युर्क्त समाम्यान् देश्वरायात्रा स्वाहरस्य स्वाहरस्य स्वाहरस्य स्वाहरस्य स्वाहरस्य स्वाहरस्य स्वाहरस्य स्व श्रीर क्रेम् का स्मान मार प्राप्त का क्ष्रीर क्षेत्र क र्यात्कारा, राय्ता सम्प्रत्येत्यात्मात्यात्मात् । क्ष्यात्मात्रात्मात्यात्मात्मात्यात्मात्यात्मात्यात्मात्यात्मात्या म्स्रिकेस् । सर्वानामण्याक्षेत्रयेत्रे नात्रस्य स्रायमण्याकार्यात्रेत्रा वर्ततरामान्ति वेसातावा वाक्रास्थ्ये स्रोत्रे वाक्रिया स्रोत्रे विकास क्या अस्यक्षर्ष्त्रविष्ट्रिक्षर्त्या स्रम्यर्त्तिस्य स्रिकेष्यः। न्यायाक्ष्याव्येतः यारमार्थनाता। केल्यू केवानाक्रमायक्रेररियावेवाना। इना. अराष्ट्रियार् किरा. यदमारान्याली के क्या किरे क्या करा करा का एडर राज प्रायमित्र र ने निर्देश वर्षिया विश्व यहत्रक्रमभाक्तिरम् क्षेत्रस्ति द्रान्द्रा क्षेत्रकात्रेरस्य स्वास्त्रस्ति र्डे के अस्य असे स्वा त्या त्या है के कि कि के कि कि कि कि कि कि कि

12

अम्बिस्यापर् हिरायरकार्या व्याम्ययार्ये व्याम्ययार्थे मार् र्सा काल्युरातास्यातित्र्रात्रात्तास्य काल्यस्यित्ययस्य केत्रास्य म्येयानीसरीस्त्रीम्यान्त्रा वस्त्रहित्रवर्ष्यास्त्रा कायाना उर्द्यस्त्रेर्यास्त्रेर्भ्यास्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्तित्या स्वतिस्त्र स्वतिस्त्र स्तित्य सम्माना का मार्चाया तामा प्रचारा हा सामेर् प्राप्त प्रचार परिकार । चयुम्यल्त्रे.का.ता.। इत्यापर्याच्यात्रेरार्य्यात्रेरार्य्याः भारत्याः व्याच्यात्रेर्याः यार्थ्या मार्थ्यास्त्रयाः पर्देश्चित्राः स्त्रीयं व्यक्तिः । स्त्रीतः द्वार्षिः स्ट्रिक्टित्याः स्त्रीत्वायः म्प्री इंस्कर्क्षिक्ति, प्रज्ञास्त्राक्ता स्था से अवस्थायाया एक क्यून यह से स्था व 如一台等如子子的一种的知识 到了到美国教的一种大学的大学一种大型的一种 四部、高出南北海里出山、西北部的河南北、四、山村山山土土土山、南山山东东土面土。 対に対え、おきできょう。 とないとうないないないないないないないないというないないない यमार्थेद्रा स्त्राम् कार्यात्मर्थित्यत् वर्षाः क्षेत्राच्या अवस्य वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया क्रम्हन् इय्कर् मुस्यादरी द्यामकारात्मिक मुद्रा विकार्या मात्मार्य रेष्ट्रेश्य राष्ट्रया. मार्च्य रहे। इक्ट्रेस्ट्रियारम् राष्ट्रास्त्र स्ट्रियारम् अत्यविद्वास्य र्राय.एर्र.क्.स्र्र.क्.स्र्र.क्.स्र्र.क्.र्यात्राचा क्रिंड्याच्यात्राचात्रा ह्राय्यरात्रा पर्कायनामा म्यास्य स्पूर्विकासार स्ट्रिस्स्य म्यास्य मेर्या मेर्या स्थाप मेर्या स्थाप मेर्या स्थाप स्थाप स्थाप ल्यू-स-स्व. रा. र्व. र्व. र्व. र्व. रा. व्याचित्राका. । क्रिंट अवशालेराका रव्याच्या या केपाल्यायात्रासक्त्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् मार.लर्.रंक.। रेक.रंक.मधाम.य्.प्रंट्रिक.युक्त.व्या.प्रेट्ट्रिक. भग्रहार्यक्रात्राता गर्हे यहा राष्ट्रा भावदावद्वात्रा यादावर्ट्य देवते क्रियक्षेत्र अधार्यः ब्रेट्ट्रियाकारी स्थानेस्वानावासम्बद्धारान्याता क्रिक्रायस्वायते स्वानारी रत्। परस्क्षेत्रकारात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या वर्त्रत्वन्त्रक्षात्रेग्वा देश्वा रास्त्रेग्वाद्यास्यम् स्वा वार्ट्वा वार्ट्वा स्वर्ता स्वाद्यार उद्देश्यर एक्ट्रें अस्ता हुन अरे वहर देर अतु क्रिक्र मा मा क्रिक्स कर कर हैं यम्। तर्वामार्ने पूर्व हैं सेवाल्य तम् रेवास्य हुर केवास्य हें वेर वी हिव

100

2 Feath

3 मुंगरम

२०११ किर क्या हिर वि इस त्या मास समा स्था कर मात्र साथ प्राप्त के त्या वि मिला किर के कि कि कि कि कि कि कि कि कर्रा अत्यान्त्रेत्वस्यान्यत्यत्रस्यव्यास्यित्रस्यमान् व्यक्तस्यान्यस्य यार्र्यात्रार्भ्यास्त्रम् मास्त्रा सत्यात्रात्रास्य म्यूर्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रा र्तिनेक् मिलाश्रेम समकाकी यथाय में सामारी र में ररम मार्थिय में का लोगी मतिक्रवयार् देन् स्वरे वति वतातात्वाया क्रे क्रे क्यातह आवीर यो रहेत क्रियां व्यन्त्रीयात्रे क्रिकाकी हा तरे हिंदा हरिका करें क्रिका है के हिंदी क्रिका अलाकाता अलारे ता में नेर्र जा वा वा वा वारे वा में में नेर में वा वर्ष कि मुक्कियासरमा ए सिस्टिन के कार्या है नहीं से वार्या ने वार्या है नहीं में वार्या ने वार्या है है है। से .. सस्वर्वादेवत्रेत्रेर्द्रत्यर नेवास्या सर्वेत्रस्य स्वत्यत्यत्रितात्रेर्द्रस्य मार्रा श्रीमक्षेत्रकार्यं वीकाराक्षयाक्ष्यायात्रेत्रका क्षेत्रक्षत्रका विकास र्यरम्प्रियम् याष्ट्रिक्रेर्ट्रिक्र्र्राट्र्क्र्याचेव्ययम् प्रवृद्धयान्त्रसम्भात्त्वम् । यद्भान्त्रस्त्रस्त्रस्त्रस्त्रस्त्रस्य स्वास्त्रस्य । असः १००० । स्वास्त्रस्य स्व म्बेरेन्त्रान्त्रिक्तरेयत्र्र्यात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या नामनेयतिस्त्रेन्द्रन्द्रत्याय्तित्। य्रिश्चर्यातिद्वात्म्यान्यया। यज्ञेन्द्रति दीरिक्स अभावना नामाना द्रात करित्रावेदत्व्यान कामान् । क्रियावेद श्चाक्री,काक्रा भूरावडरारे वैकानाकरायकाश्चरत क्षेत्राचायु हिंदीली, म्बर्जना रकाकिर्युरम्भायाम्यास्य स्थान्यास्य स्थान्यास्य यामकाश्चर् संस्थाता रक्षाया मेर्ड्या माना कर्म स्थान स्थान स्थान वस्त्रस्यारे स्वागिरिता। देशतवाद्द्यार्यते स्राम्स्वा ररास्यारर्थे समार मुद्धर-मुद्धे हिर्दे रेटी अर्थे स्टिस्सेस्सिक्य है रेटा रेश राजनरी स्थान स्टिस्स थक्तर्रेद्रेप्यक्ष्याक्ष्या वर्रायाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या श्चार के तर्के के वित्रास्त्र वित्रास्त्र साम्यास्त्र वित्राम्यास्त्र में देन तर्वे स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति साम क्रुरं खरकार दुवक्तिदूषा चरका का युर्गा क्यार रक्षिके का युर्ध प्रस्ता म इसर दुवकाश्चिररेश्वरादकप्रदूरविश्वता कर्तकाश्चराक्षरास्थ्राश्चितकारही वरकार् देशक्षक्रिकाक्षका कार्या कार्या कार्या कर्या वर्षा वरकार करें रस्यर्के मस्यांक्रते खरातहरेषा छेरा। द्वारमय विदेशके वसार्वेदायाः लया जनामानाकारात्रामाना मान्यात्रामाना मान्यात्रामाना सुर्। अरकु अप्तर्मि छिर-र्यामास्रारा पर्यर्गे अर्थिता प्रमाणात्र र्याकाम्तरा अयारमराजयासिन् अयारास्मिति स्रास्त्रिया मारी रे.ड्रे अंदर्भर पर्मार प्रयासीय विस्त्रीयत्। अर्बेशाया क्रुर्भाया कार्स्सन् वर्ष्यम् वर्ष्यम् मान्यम् मान्यम् । वर्ष्यम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम्

191

म्रद्रम् स्वक्षकाञ्चेता कार्यमा राष्ट्रमाञ्चलाक्षमा विद्यास्या व्यद्रात गर्यस्य म् मान्यावस्य स्ट्रा स्रोतस्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य क्रे.र्जुर्युकर्रात्म्यात्रमका कर सुप्रस्तुयात्री। वराता क्रि. खरात्री.सुप्र मर्द्रत्त्वा अरस्यवद्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या र्वाद्रक्षियात्याः प्यान्यान्त्रेत्र वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् क्रिक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् यहा म्यार्थर वर्ष्य सर्वाता योद्र हे मेर् यो वास्यास हे नाद्या स्व भर्रः। कर्म्यायलिकिस्यायक्षर्रेर्द्र। श्रीट्रार्थरक्षर्णात्विद्रकः स्या र्योत्स्य स्थान्यास्य स्थान्यास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य कुमारी में मेर सर्वनाया यानेया में यार में यो रयो लाया हिंद वया महरी हिर्शिर्षेत्रियार्थात्रमा हिर्दर्ग वर्षियार्थे क्रायाविकासायात्रात्रात्रात्रात्रा हिर्देश्या क्रिक्टिक स्ट्रिंग्या रे.एथ.या. प्रिया स्ट्रिंग्या हिर्देश बिकाम्पुर्वेस्ताम्पुर्वेस्य महिनाम्पुर्वे कार्येद्र महिना देमसामाद्रद्रमान देशकीयाक्षेत्र देरदेशमानसमास्मित्रा मेर्द्रश्याद्रमान क्षेत्राकारस्य यामकार्ययात्रवायाम्यस्यूत्रात्राकारादेवाता रारस्यारका इ.लुक, ५ र्ष्ट्राम् में के से याल में स्थाप प्राप्त में या है या ह क्रिन्न्यानित्या कारा न्यायवर्त्ये स्थायान्त्रिया कार्यायिक रान्त्राया . भर्तेत्र भर्यत्य प्रत्य रे स्थार क्षेत्र सुना के प्रान्त्रा हुन वा खरा छा हो रा नर हुर हुर हुर का का कर देश दर वे पर देश हर रा --दुर्भारत्या, क्रा. निरं करते ही में देश किता से प्राया होया यो देश के ये ते से क्रिया देश न्म्यन्त्र निर्वासार्द्धा इरायार देव अर्ट्ट स्ट्रिय्य मेर् मिरार्ट्यास्त्रेर्द्रपद्याः स्विया कर्त्रास्त्रा क्रिया क्रिया क्रिया हिस्स्य रभगानम् म्राम्भ्रम् । निरम्प्रयानिरम् रायत्यम् सार्वास्य निरम् सरमराम् र लामा वारर में मेर हिर कार मात कर कर कर कार कार के किया है की कार स्तूर्यर् म्यूर्य के. त्यूर्य क्रि. स्तूर्य क्र स्तूर्य क्रि. स्तूर्य क्र स्तूर्य क्रि. स्तूर्य क्र あ、となれるとうととなって、大人とは、後、というないないないないないとうとからて、 女子的国生之子的一个国家。」 馬上少山人的女子的女子的人的人

र्देवरंक्त्।

135

विश्वित्राची द्वासार् द्वास्यारे विश्वा चिरामक्षेत्रभूक्ष्यालका केरानुस्य रार्दरा इ.स्यान्या विकास क्रिया साम्यास्या । (पार्यप्रदर्भपूष्टी) विभविषामा कुर्यसम्भिता सम्बन्धियारासा सम्बन्धा र स्वाक्त्रका देल्य्यस्य रित्रवाराका स्वर्वरे विवर्षर्थात्रा भरद्रस्यायवित्रस्यायायाता। रश्यात्रस्यास्यातात्रम्यायात्रीयवेग यक्षत्रस्त्रम् रेक्ट्रेस्सिला वर्रस्तेत्रस्य वर्रत्त्रम् वर्ष क्रुम्ने अर्दरम्भेरमा यल्याय्वेवायास्यात्रीय्रेर्रम् व्यक्तियान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र प्यान्त्रियो अवा राम्याति स्यामी वर्गाया वर्गाया स्थाप स्थाप लाम्न कर्रात्वान् मेर्न्या विनर्राधाना र्याक्रामाम्मना स्वाक्रामा र्वेश्वर्त्यास्य मन्दर्गायाक्षेया व्यवस्थित्यात्य मार्थे द्रात्यत्य विक्र लर अर-र शर.क.से. मेर्-मर्ल्यर प्रायमाना प्रमुल्या कर्रे चाली. छे. छ्य . यक्ष्यत्रेन क्रियानस्थात्र वित्तित्यात्र प्रत्येत् रेन्द्रस्थास्य विषय। सर्कियमता रमगर्यस्थान वर्षात्रम्यात्रम् द्रम् ररारशराज्यातया छिरावर्ग्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्रात्रात्रात्रा क्रियाद्यरा में विषयायेतिविर्याता द्यावे स्वित्रक्त्रेत्रा वर्ष त्रायात्रास्त्रेर्द्रत्य्येक्यस्यक्ता यदद्वित्राय्यद्वर्त्यास्यात्रे स्वाद्द्रय्ये -यायमान्यात्मान यात्रा सार्वे सार्वे स्थान निर्देशन के सार्वे स्थान स्थान सरक्रान्यात्रात्वरा रग्नामान्त्रीयरम्यीत्रेत्रात्त्रीत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र इस्रायमात्रमा के, व. यू. प्रत्या क्रे, वर्ष प्रत्या क्रे वर्ष क्रियमात्रमा प्रवास्त्रमा द्वार प्रत्या क्रियमा अस्तर्रा रमलकारायद्वास्त्रर्भिरक्षरक्षर्भ स्त्र्र्र्म स्त्र्र्भा य्यस्तरेन यात्रम् स्वात्रमास्यात्रम् इस्रियम् सं कार्यका व्यत् द्रायत्रिय रंचर्रा मार्ग्रेस्यर् रंसर्ग्रेस्यर् र्स्स्यूस्य वादम्स्ये व्यास्य कुम- अर-प्र- र- किंत्र-भिरमा र्ने राजानिकाय, यामाकारा का. या. या. प्रात्ते अर्थात कुर्मा। दूसायात्मायमात स्थित्यात्मान्। क्ष्यायसेरायात्मार रगए स्मिल्यका साम् द्रामारका सामारका सामारका स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स रत्री रामार्स्त्रें माला हो स्यानक्षर्ते । मानुरत्त्र से मानुस्य सुरा या.च.ण.च.त्राराता.स्.रुद्रा स्त.प्रे.प्राया.स्.स्.स्र.द्रायाल्य्या के.ल्या. के अधिराकाक,रत्यग्रेता सूर्क,वर्तित्रकीय,क्र.रर्वन्त्रात्यात यर अधिरावर. कुर्वास्त्री यानसम्बद्धियममाध्येत्रास्त्रात्या र्वस्याल्यान्त्रा

मल्त्रा मस्रिकामार्डकाम् स्राम्यात्रा द्राम्यम् स्राम्या यात्मः संत्र र र ग्रेका तः इत्या कर्ते । दर्गा विकासः। दर्गा विकासः। यावप्रसारम्यान्त्रा न्यालास्यान्त्रा क्रांच्यान्या क्रां लार यान की संस्थाली इसा गर्द या की सी सर लाई। अस्तर य्यासिक्तास्त्रेयाकलात्यंद्रम्त्रत् स्वत्यास्त्रास्त्रास्त्राक्तायास्त्रात्त्रात्तायास्त्रात्त्रात्तायास्त्रात् र्या बार्रायुक्त सार्थित हैं स्थान सिन्। जि विस्तर्भातान रेशियुक्तिया अस्ति या व्यासी व्यासी स्वासी स मर्वे स्थान के स्थित के स्थान के स्थान के साम का का का का कि साम के साम क्राइड्यान्ड्यान्या न्यायान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् रदेखा है। केंदर क्यूरी रयाने क्यूका प्रकाश है। इ. पर्ने प्रकाश है। बर्के करारे हे जारी हैं। दाकर क्वा कर्ज़र छेर छरे करें केरे करें सुक्राक्रीक्रियूरी स्वायद्वायस्य रायद्वात्या यर्रात्वारार्रा की वर्षे वर्षे विका अधारमा अधारमा अवार्ष्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ रदाका अनुसार रामा वा मिला में मिन्द्रस्यान्यान्याः। यास्यस्यान्यान्यान्यान्याः स्रिट्रस्यस् र्याताल, विकान्ता द्रायति हैं ये वार्याति हैं अयलर, यह है। द्रा द्रा हर है। एरोस हैं या यह स्था निया के यारेश या. एउमान्न नामान्य मानमान। के के के निया नामान्य । यावतः र्रेत्र.या.या.मार्या मार्थिया क्रिक क्रियाया विकास मिर्याया विकास मिर्याया से. शु.धुना. क्रींजा. य. दर्जात द्याल . यूर्त र दर्ज वरिया क्षेत्र पर्वेशह ला चाताक्षेत्रपुर्वेत्रम्रहेन्न्यान्त्री ।वियात्रहेन्न्य्रेरहेर्न्य्यक्षेत्रहेर्न् क्रिक्रिया गर्ना स्थारवयात्मा स्थारवरात्मा स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स लूर्र कर्नुरास्त्रेरास्त्रेरास्त्रेरास्त्रेरास्त्रेरा かかかし、至いしてはなるは、かららら、ころいろうかいないないが、またいのかなから वक्षा हैर से र मेर र है गहरे हैं। हिर रस र वर्र स्वाम हिर यात्रात रामानान्यत्रात्रे स्वत्यावित्रात्रे यात्रात्रे

/ वश्व]

बूबाका

33

लर. दुकारा. आदा विष्टे कारा भेषा की प्राप्त के की ति की प्राप्त की किया की किया की किया की किया की किया की किया शास्त्र कर विकास कार्या कार्य र्यहत्त्रमञ्जून्या तर्याः वेद्यदेशवार्याः स्थान्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः इं। चर्राक्षिकक्रात्यम्बर्ग्याम् स्थित्याम् निर्मात्याम् स्थित्याम् स्थान おから、少女とかれば、からればするからはあいまたいない、はから、はいか、かんかい डेंत्र. ए ब्रे. के लेव. के जा के यर का या तरी किरतर में मान एडे वर के हे. दर देरे.याले.के.रंड्यक्त.एक्स्यान्यंत्रीयालारः अत्रिरंड्यानारः स्रीतान्त्र सेर्दरक्षस्यावानस्य देखकेवस्य सर्दा देखकरात्रात्रे स्ट्रिंट्य सर्तर्स्त्रेरस्यजाः व्यद्यार्द्रको यहर्स्यो वयासी न्यान देते स्राम्स्रेन्य र त्यामासान्यवास्यवादर्ष्ष्ठियात्यासास्यामान्यवासान्यर्वासान्यर् रस्त्येल्युम्स्रीवेकारे सैरसेची त्यामारदर्म्यद्यास्य्यमान्द्रियम्बर् स्यारमामामान्या द्वाना स्रेमे स्यूर्ट स्यूर्टिस्य र स्यून्य स्थाना स्र देशकृत्यान्त्रिक्तान एक् राष्ट्रा पर्ट्रा यहर्ति यह द्राया वा प्रायम् स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान न्गराब्रेरा स्थानात्रहर्मकेन्यर्भात्रामान्यः विता द्रमाराक्षेत्रः कु भक्षा अध्या स्थान द्राया। द्रार्य मुस्य स्थान स्थान म.स्रेर्यंतु भगे लद्दंगा। या भगे थे, डिका क्रियंत्रे क्रियं डिया देश हो देश यमाराज्यमान्यस्वत्रः हुया चेर्षाः दे हिर धरस्या। स्यू सर्वे दर्भे है। अर्भावितः वावसः वे रगर्भे कावितः। वर्भवितं वर्शेवितं कावितः। मनंभित्रं भारा हे वया या सहिता न्या आता हो सार्थित स्वीत स्वानं यरीयमास्त्रम्यदेवासविवा द्वार्व्यास्यास्य स्वर्वते द्वार्यस्य वर्रा देवसार्वसारास्त्रप्रस्तर्देशके मार्चरा द्रस्या वर्षे मारास्त्र यलका सुक्र यलका का सुक्र को कि सूर्य स्वाद हुरु को सुद्र र्यस्स्रिस्स्रिस्त्रेश्वेत्रात्रास्यस्य स्थाप्ता यावत्रः यस्त्रीः ज्यास्यात्रीः। लुष्ट्राचित्रकात्रकार्यकार्यकार्यकार्यका स्ट्रम्स्येर द्याया को जाल द्वार्या

ब्री लग् सिनाल्य सिनानाल्य तासी तासी तासी सिन्या देवा राजा सिन्या स्वा अवस्ता अन्यति विवयात्रस्ती अनास्याम् मतिष्यस्ति। विवर्षस्य मर्दि। त्रमान्यमान्द्रा वर्षान्यमानीत्राम् न्यान्यमान्यम् जन्म ने रक्षेरकार्य स्पर्सर से स्पर्स के स्थार के रक्षेर के र से राजित के रिक्स के क मार्कुमारात्र-वर्षेत्रास-स्-मुन्ता द्राप्टलाच्याःस्युक्ताःस्याः वर्षात्रे वर्षात्रा 3 मानेरा राष्ट्रास्त्र मायाया देसे में स्त्रेन्यरें सुर्या प्राथित है से नेरायरें स्त्रीत्वाता। चर्रत्यर्त्यात्त्रीत्रात्त्रीत्वात्तात्त्रात्त्रीत्त्रात्तात्ता नर्यात्राच्याः च्यारक्षेत्रः दाववयत्राद्धाः ल्या वि.स्रार्थः चर्रास्त्रेतः विद्यालद्रा अत्रविवासार्यद्रयः केवलावस्त्रेत्वेद्र। द्रस्ताराकान्त्रेभम्भः इस्मिन्न वासामिता विकासित र्मिन विकासित म्यस्ति अवत्रेयः त्रेत्रा श्रीत्वार्यः स्ट्रियायः स्ट्रियंत्रात्राः न्ता देन्य देन्य के मारदादाताता स्वाय के नियम के तायहाता के र्म्याकारम्यात्त्रम् अर्थः अर्थः या यावस्याम् स्मरम् स्मरम् र इं. ध्याला स्र्रेट्रियाना। ट्रेस्मर्लर्स्य स्रिक्ट्रियाने स्रिक्ट्रियाने स्रिक्ट्रियाने कुस् में याका यह या। दिला में देव देव देव देव देव देव देव देव देव हैं । यह देव में में में में में में में में क्ष वित्यम् क्षेत्रक द्वार्यम् प्रथम् स्थान्त्र स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य おくれる、ふくかからがまなか、そくかか、ふくう、そうないないで、なら、てかいままるか ग्वरं अध्यास्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य सेक्स.रु.स.च्रांररं जर्मे क्षेत्रमा रार्ट हैर.स.र्.रु.स.स्रेर.स.यर्भागानार्भामा क्रि (वह्रमःस्वेदः। लेराम्, केंद्वित्यक्ष्यान्त्यम् अत्रत्यत्ते। क्षेत्रकार्त्रस्यान्यान्यान् यार्ट्रम् के के त्या क म्रसीर्यात्र्यात्र्यं महारामात्र्यं स्थितं कर्णात्र्रात्र्यं स्थितं स्थितं स्थितं स्थितं स्थितं स्थितं स्थितं एडेंच.स.रंजात.हेंप्र.रंजार्स्य जाराज्यास्था स्थाने कराके.प्रांजर प्रांचे र्यास्मान्त्रे अरस्तवस्मान्या द्वास्मान्या व्यास्मान्या । व्यास्मान्या व्यास्मान्या कामी होते हे सत्ते प्रस्था प्रस्था हिरामी कार्या हा स्थाप कार्य होते हिरामी कार्या है स्थाप कार्य है स्था है स्थाप कार्य है स्था ह म्यान्त्र्यस्य स्यान्यां स्यान्त्राम् स्रम्य स्यान्त्रात्य स्यान्त्रात्य स्यान्त्रात्य स्यान्त्रात्य स्यान्त्र

म्ल. में अक कर अर अर क पर दे वे के कि का कि कि में हैं में कर अर में अर कर कर कर कर कि यहरें में मुन्ने के मूल दे व हुया हरेया। दे हैं का सिर यह द हिया यी ति सिय एक्स् के खुना रहा रह सिराटर स्थान माना हो में बिराय है है राजे स्था रिया र्रम्हित्यम् वया स्वर्ता नेर्या नेर्या यात्र साम्या निर्मा नेर्या नेर्या यति.हो ८, १० मान्या क्रिस हित्यूर्र्र हो चुर्र्र देशकार्राय महाया महाया थे। मे.चर्र.श्री. विकाश्चरेत्रत्यारास्त्री र्.हेश्वरवेचासित्रीतियारवत्त्रीति र्भुवमा यहाया गरा त्यामा यह मात्रे स्था देन । क्षेत्र गरा देन मात्रे मात म्रेर्यस्यस्यस्य अत्रेश म्रेर्य मुम्या होत्र मुद्दारा एक रहा मुन्द्र मुन्द्र मुन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र क्रिया क्रेनेस्य मानेस्य मानेस्य मानेस्य क्रिकारिया क्रिया मान्य मानेस्य मानेस्य इ.स्.र्यर.भड्टामड्यार्थिक्रंड्यात्र्याः इत्रह्याः सर्द्याः सर्वारा क्रीत्र स्थानिया मित्र प्रतिया प्रत्या प्रत्या प्रतिया स्थानिया स्था स्थानिया स्या स्थानिया स क्रि. क्रमु. महें हैं। क्री. क्री. क्रा. क्रा. क्रा. क्रमें देश क्रमें र ही. महिप्तुं या देश इ. र. सें . वे सें राज्य के राज्य हो . वि से विष्ण : र.प्या.से.। र.रू. ७.८ड्स.यर्ष्ट्रस.य्यूय.स्या.महत्रा स.पर्.स.इ.स.पत् या बरायासी मेर्ट्यायाया बरायरा मेर्ड्यायासासाराया मेर्ड्या एड्याक्रे.र्र्डाकाक्र्रा इ.क्टेंच्याक्र्यिकाकार्ड्रा श्रीखरूरेक्ट्राक्ट्राक्ट्रा सर्दर्द्धमार्थमात्रा केर्यक्षिणमास्यस्यार्स्स्यार्म्यया लेवर्येष यं असी रेट्राया के असे रेट्रा अर्था रेट्राय के एक अरेट के रेट्राय के रेट्राय के प्राय के स्थाप के स्था राष्ट्रीत सामाना माने रामाने का मेर सामाने का निर्मा देश राज का रहे वा सुरी रेट के लवुरा जिलामा ब्रेसिन पुरस्य पर्ता विस्ति का के त्यार के बर्दर अम्रात्म में ये न्याद्र में मान्यर में । में यर ने या में मान में या ने या ने या मान या नद्मका सही स्थानका महिताकी का को स्थान 至今至如今大学之外一点的是一个一个一个一个一个一个一个一个 क्रिनार नर्भे अर्थन अल्यारित खेरता केंद्र रेना अर देना अर देना अर कर्मान्स्य क्षेत्र स्थानिस्य विकास स्थानिस्य स्यानिस्य स्थानिस्य स्यानिस्य स्थानिस्य स 中央工工工的文本

करा। रिक्सित असेरार्स्यका के अत्याखा राज्या राज्या यहरे र जन्। अग्रविकार दरमें स्वान्ते हो के न दाना के ने प्रकार है। दूरा दे अपोर दिल हैं से हेरा है रा दे जा ता ना या रात्रिकाः ११ रे. मध्येषारास्त्रे रत्यारास्त्रे रामहता नुरा स्लय स्वास नावर्तन्त्रे हेर्न । संहित्यत्रमा केलाल्यते। क्री बे वर्षिय वरादरा नाया 15001 सुयसंस्कृषेष्वयस्त्रस्य संस्थात्रस्य। बिटा इत् इत्यास्तर्द्र। भरमक्तिरी देनमें रक्षम्हरेतस्य काराने से हेरसमा समाया सर्वसा नेत्रानेत्रस्य नियम् में स्थापना में स्थापना स्थापना स्राम्यान्त्रेर्त्ता वर्षेत्राचिता वर्षेत्राचिता वर्षेत्राचिता हिस्टिल्या रक्षमार्ट्यन्यला छ इब्राम्यर्ट्यन यर्ट्यन्त्रमा यश्येन तर्रेन्थर्मित्रित्रित्र्वर्गा विस्थरम्यायाप्त्रात्रेत्रित्या निवर्दे स्थित एकारास्त्रास्त्रातात्र्रद्रातात्र्यात्रात्रात्र्यात्र्रत्रत्यात्र्यात्र्यत्रत्यात्र्यात्र्यः क्रि.भन्याद्रित्यत्रास्त्रित्विकारम्भा व्याप्तास्त्रात्ता व्याप्तास्त्रात्ता इयसदर भिर्म्य सम्मित्र स्वास्था रहेर स्वास्था रहेर स्वास्था स्वास्था कूर्न्ज्य स्थाता संस्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स्थात्या स क्षान्त्रा श्रास्त्र मान्यतस्य क्षाया के नात्री देशाति व्यामात्र कार्या देशा क्रीसर्वा व्ययम् में रायदी हो बार पर्याता ता होता है तर्रा हिस में मार्व पर्यात होता है। सर्वान स्रोदर्ग सोद्यास्य स्थान दस्याद्य सम्भित्त स्थान स्था स्यूक्टक्कुका। वियामास् सर्राक्तर्रा सर्गास्त्र स्र्राहर्ये स्त्रेका तरेलर्लर्वर्रास्ट्राइका रेक्रीनम्बर्स्त्रात्रक्ति। क्रमी र्र्याचीयारमार्या माराययारम्या स्थायकारम्या वर्षारम् तारास्त्रात्य सिन्द्रम्भार सिन्द्रम् स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त श्चीरा अलासीत्क्रमार्ड्यान्ड्यान्ड्यान्ड्यान्ड्यान्ड्यान्यान्या विस्तिमाद्यमान्यान्याः स्ति। द्रियक्ते स्क्राद्यारका क्रिके कारतिका ः तम्याः स्रितः देशक्षाः स्रितः यो स्रित्या स्रित्याः स्रित्याः स्रित्याः स्रित्याः स्रित्याः स्रित्याः स्रित्याः ब्र्रेट्रम् रहेन्मायकार्यः देशकार्यदेशका। त्यार्य्येट्रम् तह्या द्यार्थिया। श्रां हर् की लाई ए रेड हिंद ल्या र देन का का देन का की लाई मार के कार

द्वन

4 EU1)

२.न्यं यात्रात्रकार्य इ.स.स.स.हे.हि.स.स्यात्रात्रकार्य केलाकाः व्यापारात्रात्रात्रा ग्वेसर् स्थाना स्याना स्थाना स स्रेट्स्रिक्नियोत्रेत्रेत्। क्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रिक्स्रि अरमाराष्ट्रस्थित स्त्री केराम्बा सर्मा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त करास्त्रीयरीक्त्यावेत्रायावेत्रायदेत्रा अरक्षिरवर्त्यते र्योक्तायवारी राज्या いかから、あるとうとというできないかられている。からいうできるというできます。 स्रायम् अत्यास्य में वायाय्ये स्रायाय्ये स्रायाय्ये स्रायाय्ये स्रायाय्ये स्रायाय्ये स्रायाय्ये स्रायाय्ये स्र ल्येन। नेम सम्मावत्रायम् स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस स्ट्रिंस के के के श्रापरे द्वित्र स्वरमा क्ये स्वर्ति हैं। क्ये श्राचारा स्वर्ति राज्ये दे। कारमाना ती.र्रस्थरमा क्रिलम्मानेषुर्यायका न्यामान्यका क्रिया यर में मि के का मित्र के मित्र गए क्रम्माद्रा द्राता क्रोद्रा सक्षेत्रा हारा क्रम्माद्रा स्वाद्रा क्रम्माद्रा सक्षेत्रा होत्रा क्रम्माद्रा सक्षेत्रा क्रम्माद्रा क्रमाद्रा क्रमाद्र क्रमाद्रा क्रमाद्र क्रमाद्रा क्रमाद्रा क्रमाद्रा क्रमाद्र लुमा रमाधामु ए में यो मान्या वया मान्या किया दर ये दर में प्रका पर ली मान यदामाञ्चीत्याञ्च माञ्चारमण्यात्रा रङ्गायाः श्वरः क्रेस्यमः त्रेयः यथे १०१० यू.प्रश्रायद्वात्रद्वात्रकारायुति वताकाश्चर्वा कुरायत् श्वर्यात्रस्यात्र यालायाना देवात सरमान प्रमुक्ति एत्रें में के त्या के राम्या में रा क्षेत्राक, होता देरकश्चाकक, राजरारा मुक्तिर झाल महिला मुह्री. इस्ट्रिकेल्यहेयाले हिर्देश सम्मान्यकाली या देवकारिया सम्मान मा द्रिया स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वा छ्रेर्यानात्रात्रा क्रूक्रिरस्कीवनार्य्ता स्ट्रिकास्या हातार्व्या स्त नतुन्द्रम्त्रम् निक्तिन्त्रम् अम्स्रित्त्रेन्यराभाष्ट्रा सूराङ्ग्येत्रस्त्र्राच्यानूरः। केरावेस्यायानास्यास्यास्यास्यात्र्याः वर्षस्यात्रस्यान्त्रस् क्रियारोका। यु.श.सेर्यानेस.मैंद्रयार्र्र्राम्यार्थेयया उद्याप्तर्यात क्षेत्रा क्ष्रिया यरायरेयात नावस्त्रास्त्र्रेयास्यासम्भानम्बेष्यस्या र्वात्मास्यास्ये होर्डिंग पर्नात यानुसामाहास्यातस्य रेजस्यान्य प्राचित्रात्रा वित्रात्रा स्वात्रात्रा वित्रात्रा

न्य ।

24 मुख्य

त्री, यःकित्यम्भयुर् एक्टिल्याम् द्रियो प्रमान्त्री विकारम् स्थार्थ स

62907

انته

म निषेत्र ??

र तामुला

フ盤可

मार्थित स्त्रामा कारा तार देव वं वे मात्रा सक्षा के मात्रा वार्य नित्र वे वार्य नित्र वे वार्य नित्र वार्य नित्र वार्य नित्र वार्य वार वार्य वार र्में हैं अंदेर तो रब्रें रें। बाद में अंदेर बाद नवें कि को को बन राद संबंध अ रे विकाशा र्वास्तरिक्त स्कारिष्ट्र से हिरे त्यवास् व्यर्ग दर रव रायवर्षिक क्रम्यात्री स्राज्यास्य तर्रायम् क्रम्यं स्थाप्य क्रियात्र्या स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य रेट्रामश्चारमाल्या गावरमार्केयामस्यात्रमान्यात्रमा रेट्रामदार्व्यम् उद्दर्ग हरे। देसी न्स्र रात्र्या येन नमस्त्रार् क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया र्यः महत्त्वा हिस्यन्ता यावयः संस्थातस्य स्था हिस्या स्था नर-स्मादः हुन्। विमानातमः अर्कर हुर्गाद्विन। वि. ते महे से रे कर् नदेवः दर्यास्यार्थः स्ट्रिक्केयाः वसार्वेत इत्यास्याः सेर्वेत्यः दुंबेताः देन इत्राह्म । स्वास्त्राक्षात्राक्षात्र्याक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रात्रा र्रात्रेयास्यत्ता। य्यायकारयरात्र्यत्त्रेर् र्रे.स्रेर् द्रिया न्या त्रिया ने विद्या त्रिया ने विद्या ने विद्या ने विद्या ने विद्या ने विद्या ने विद्या ने अभास्त्रस्त्रास्त्रात्रेत्रस्त्रेत्रस्यात्रस्य स्थान्यस्य वावत्रस्त्रस्य न्मस्य संय स्वर्धिर कर के तहे नामा यही स्था होरा गुराय वे तर्र रहेर

्रमदर क्षित्तर ना मेन्द्री प्रमेशकूर प्राप्त करणा भक्षत्य क्षेत्र में मेन प्रमेद्र क्षेत्र में में में में में

स्यावसम्बद्धाः स्रोर्ड्ड्र राष्ट्र स्रेयमार्ड्डा विवासित्राताः के नर्ड्ड समा सर्। स्रोदर् नात्र्या कुळात्रा स्वाया प्रत्य हित्र के त्राया के क्षेत्रात्मा हेरात्म् मार्था वया व्याप द्यंत्रात्मा द्यंत्रात्मा हर्षे के वर्षे यामा स्रम् स्रम् । स्यामा द्वारा कारवादा या या ता ते स्रम् । द्वारा या तार का. किराना. हो. मार्ड में जाता में का में प्राप्त में में के किया है जा है よく、よろう、聖い、ようとは、は、明明、またのよいとは、日日のまして、ままでは、いましているというというというというといいましている。 यान्याम् स्वर्त्याय केर्या केर्यात विभावर न्याया विभाव म्याया विभावर न्याया विभावर न्याया विभावर न्याया विभावर य अर्था प्रे. में रे वेशन य क्षेत्र हु हो बी एड ही में खेर कारी क्षेत्र प्र हो हैं। करक्ष्यालरक्षेत्रा करक्ष्या वारक्ष्या イユンとおいかないかといれ、からから としてお子といれるというからいましょればのからも यर सेर्धालासासास स्ट्रिंस विस्तर्र्या मर्थार स्थान श्ची सर्मा स्टूर है जा सर्मा के नहें ने तार ना हूं ने स्टूर से का का सर देन स्टूर से का म् नह मुस्या राजा क्रा का मार्गिक मार् भारतात्त्रयात्यात्यात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रय क्रिंदर्शतः क्रिंगता क्रेर्य त्ये क्रिंग्य क्रिंग 4 Junisher लर.श्रुव.व.ब्र्रूर्ट्य क्रि.क्रे.क्रे.क्रे.क्रे.क्रे.क्रे.क्रेयाजेरक.एच्रेशाक्र्रूर्ट. लार सुवेद ब्रिट्टर तर एक ए ने देरा वकता ने न न न न न न न न नाकी खनाकार्यरेन रेक्किन रक्षेत्रमा के कार्यर में केर्यर नामिका कर. दे. में र.। संक्ष्यं संत्युक्त याचारा ही रहा। मुक्तया स्वया कराया याचा कार्रे.। ब्रिक्नामाना क्रिक्ना वाला क्रिक्ना वाला क्रिक्ना वाला क्रिक्ना बार्ता बार्र्स्स्यान्यस्यान्यान तर्वात्रास्यानस्यान्यस्यान्यस्यान का.भासेर.य.हो.स्र्रंट्या स्टियामाय अरार्ये रूपा रयता श्राम्य मांग्रेर्न्यर्रा वि.मुर्नेश्वाकायाव्यार्थ्यार्थ्या व.याव्याय्यार्भ्य यानात्मानान्त्रात्मा द्याया द्याया द्वाया यक्त्रेर्यात्रामा द्वरास्ट्रियमस्यास्यास्यास्य तरेत्यास्यास्य क्षत्रक्षरत्त्वरव स्वर्ग विवन्तियात्वरः तरस्र र द्रार वर्षेत्रका शेर्यायम्भारतस्य क्षियत्यत्यत्यत्यत्यायस्य

रका । यार्स्स्र तिस्तरत्यस्य स्वस्ता स्रम् स्वत्या रात्. केरबारिया रेरेरेरेर्जाकरक्षा वर्षेत्रपूर्या। यावकत्त्रपुरकर... हिमायद्वित्रायद्वा हित्रक्षा हित्रक्षा वित्रायक्षा के व्या होत्रा पर्या र् केलास्त्रकेल स्रुट्र क्रिया मिट्टिया करकार क्रिया। त्या क्रिस्ट्र हिमा युवा में स्रुट्टिया में कर में स्रुट्टिया में में स्रुट्टिया में इन्द्रकुरिस्न श्राप्त्र काला परे था। चलित्य चाली प्रका श्राप्ति हें के। ची कर में प्रकार एस्। भूगरप्रदेश्याप्रदेशाप्तियातार्। दश्रर्भरमण्यात्रां यात्राया बरायान केर केर्य वित्र रहे वसमा त्या के के किया मार कर रहे वा किया. चर्यर्सी स्रद्धिमार्द्धराम्भारकारद्विरी द्वीत्रकाक्षराम्भारकार्द्धरा इर्.कु.च.मानका मेर्द्र युग हैंगे हैंए में माना दे दे के दे रा हुई. माल्यु तर् हिराल्यु। वर्षे हिरार्यर स्वास हियार्। है। वि. लार वनाया (य. प्रास्तर । वरक्रियर स्ट्रां करमर्थर ने मार्थर संस्थार वसमा सम्मास लास्त्राह्म स्ट्रिक्ट्र स्ट्राह्म स्ट्रिक्टर स्ट्राह्म स्ट्रिक्टर स्ट्राह्म स्ट्रिक्टर स्ट्राह्म स्ट्राहम स्ट्राह चनार्ख्याम प्रदास्त्राचिरास्त्रीत वसायह मार्ल्याच्यास्य स्थाना स्थेत स्ट्रिस्सारामा हिसा इसाई सेहर विद्र हे ब्राइरा १० में सूर्य मारा ये.केम.भर्वेद्ध्य श्रिया.केस.येदल्य्यायात्रात्र विष क्रमाक्त्रक्रदा र्नेस्नेस्क्रेस्रावरात्तिस्वयरा शुर्रास्क्रेक्ष्यक्रिक् जयमाता। राम्ये द्यार्ड्र रार्ट्स द्रातरी माम्ये स्वी अद्भाम् रा स्वी रगर्डे वर्ण हमस्य वर्षा वो बेवस अस्य अस्य वर्षे वर्षे र रहे याच यः सम्बादसासारा स्वादा वादाया र वादाया वादाया स्वादाया सामा वादाया वादाया सामा वादाया ज्ञान्दर।वृद्धान्य रे.देशक्रिया के.द्राया क्री कर् कर्या क्री करे कृत्। कन्नमानिमालपुत्रात्मेत्रात्मेत्रा वृत्यात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात् क्षेत्राच्या स्ट्रिया स्ट्रिय यस्त्र वर्षेत्रात् तर्वेत्र स्थान्य स् यध्युःरम्याद्युः ब्रुक् छेर्.श्रुक्ट्रिंद्रस्य सद्यक्षः यः क्युत्रस्य स्ट्रहरः स्ट्रास्यः केंग्रज्ञ कें केंग्रज्य के. र इंग्रज्य है से स्वरुप्त में रित्या युक्तरित से मि.स.म.स.एर.स.पार्टरा या.पा.पा.

स्त्रीचलर्। की.बूटलीअबूरत तें बूटलीअबूरत तें बूटली

र्यास्त्रके ल्या हे केगडुग कर्ने)

क्रायान्त्रेयन्त्रात्राच्या स्याक्तित्रमात्रेत्रियमात्रेय्वीद्रक्षात्र्या नात्रमात्रेत्राया पर्वेशास्त्रित्र वर्त्रेराकरकामध्यवस्त्रियात्रात्रात्रका वर्ष्ठार्व्यक्तरः उत्ता द्वामान्त्रा । विकासामाना याने त्वास्त्रा स्ता या इसके. डिक्क द्रयान्तर १० या। शुक्र रर सियान एड्रिस न्यर १० या। ये प्राप्त स्मार्चेर्स्से वरावेषा व्यास्मात्रास्मात्रास्म्येर्द्यस्ति। देर्द्रास्मावेतिवारह्याः सहरूर देनलाले ने दर स्रद्भर संस्था सी दसर स्रद्भर माला के लिए अर.चार्यप्र.क्रीर.चार्यप्र.कर्यक्षणा रब्यायाय्याचर.क्री.विष्यायात्या क्रिय र.यम्मा.पर्वे अ.स. मा.कार्य रम्यार्व्य मियार्थ पर्दा पर्देश रेक्श पर्वेशक्रे. भुशाना वार वार्टिता ब्रिस हिराता ब्रिस है। रवार रे. यस प्राम्य क्रिया मुन्नमा व्यवस्थित्वीमहम्माव्यम् तरेन्नेमरीयमारायमार् अर. के प्रेयर मूर में र में यक कारात सायक र विया के का प्रया के या रक्ष्यामान्यामानाक्ष्या द्वामान्यस्य क्ष्यामान्यस्य न्त्रक्तर्री अर्थान्त्रिकाक्त्रिकाल्या स्यानिकार्वे राज्यात्ये सामित्रका जित्राता रे मेर् मेर ये त्या या ती ता इ. इ. १ इ. वे म स्प्रां प्रांच प्र इ.स्य.च्.डि.श्याकाकाविवका द्याकाकियाच्याका ह्याचिवका .-चल्तिस्य अरेगरा रेजालपुर अर्था सार्थ्या कर्ष स्थान स्थान यालेसा. धु.सा.स्रा. प्रत्याकार प्रचाया, हार्ट क्रिट्च, क्रीर ची.क्री चर्च के या स्रा र्रेन्येक.त.। काल अस. मर्बे र. यूर् क्षिता. रेवर. १ र यस. रेक्ट्र या बीका मार्वेव 風えてい、あという」といいてもする、これとうといいのとをといく、もこれがかかり र्रेर्ट्रिक्ट्रा प्रवेट्वर्वर क्षेत्रकार क्षेत्र करे के देर क्षेत्र प्रवेद के क्षेत्र के के र्दर्यक्रमाद्वर्र् छ्रद्रा द्रव्यमात्व्याक्षत् स्वाताद्वा । विकार् व्यत्र्याक्षात्मात्रेत्रमात्र्यात्मात्मा स्ट्रेड्स्ट्रिस्यात्र्याः कुरेक्केवर्ष्ट्रस्तरं बंबाका देर्द्राष्ट्रस्य क्रियाक्षरा केलावाकर रम् के यह स्टाइक के में देवका विषय है विका विषय स्टाइक के विकाल में क्रिक्त्रिकार् विवासिक्ति मित्रिकार्या प्रतिकार्या क्षेत्र क्ष 東、子、京、大学は、東大学のようないないない、大学の大きなないないないないないとうなっている て、本文土をよっなからないとないとうとうというのかっているというというできるとう (क्रीवायातिमावश्ववाव

1236 श्री विश्वार

त्यार क्यूप्रयुक्तम् कुर्य क्यूप्रकारम् नुद्रा कालाकात्. कास्त्रेर माने केर्या केर देवर केर देवर कार्य र कार्य माने माने र नाम माने र नाम माने र नाम माने र नाम माने र क्र.र इर्ट्स्यावसंत्रप्रदेशका श्रेम्य्रेस्रे सुर सुर सुर वर्षेत्र का स्थायात्र विका रेमका विस्रात्वियासार्येद्रा स्राम्याद्रिया से क्री मार्स मार्सी की वर्ष म्यूमार वर्ष मार्थ क्रिया करें मार्थ काराया हिणालात्रे अत्यात्र दशकार्ये हिकाराका सेरेका देश कालाका विस्थाना एर् १०द्रा स्ट्यों के राक्ष वाहर वार का छेर स्ट्रिक रे म्या का अस राहरे याक्षेत्र अयात्रयास्त्रेलका हित्यास्ताता याल्यास्त्रकारम्य्यास्तर्देवरास्त्रेत रो। तर्वेचास्थ्रकारम्प्रस्थितिकार्यस्य स्त्रिया यास्य स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्री इति पर्वेचास्थ्रकारम्प्रस्थितिकार्यस्य स्त्रीत्र । यास्य स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स् यदकर सुर्केश्वकाता। क्षकेष्याक्ष्र, कृष्याक्ष्म क्षित्र क्षित्र सुरक्षित्र सुरक्ष सुरक्य रेना अस्मान्य र स्वेरकार्य वाया क्रिया र द्वारी देवा देवार स्वेर क्रिके इत्रीन्द्रर्श्वलक्ष्यव्याव्याव्याव्याव्याव्याव्यात्र्रात्र्यात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या स्यत्वर्तम् त्रिके के अस्य । न्यूर्सिंग अवे त्रवायाय्य स्वा व

2. 元元·日·元· स्मास् 3 बागुला

atternal

वस्त्रीयः। पक्ष्मित्रा

का श्रीता मंत्रकाम् अर. रंडा वृष्यंता रक्षेत्र कार्यंत्र कार्य केरे विकास ग्रैस्यग्रिस द्वारा म्यूर्य म्यूर्य म्यूर्य म्यूर्य मार्थित मा म्यारार्ट्य क्रियास क्रियर्र = क्रास्ट्रिक्ट्रियर्र क्रिय सम्माना विराद्ध विराद्ध रेविया समार्थ मान्य मान्य विराद्ध क्रिकेट च्रम्बलाया कुर्यात्म क्रिया में याकारा यायवात्म त्या ए ह्या क्रा में र्यो प्राप्त में या विकार विकार क्रिया क्रिया विकार क्रिया क्रिया विकार क्रिया विकार क्रिया क्र र्कार्यक्रकेष्ट्रकारी याजपानर्युवाध्याद्वात्राक्ष्यक्ष्या याध्याका केंद्रास्त्रीरयाका रेक्ट्रापयाका डी. डेर.के कार्रा डिंड्स्याका सेर.

रवन्त्रेया तार्या केर्या शेल्या वित्या राज्या में खेल्या है। या क्या वार स्रोति

िशकक_र

१ वर्षाभी संयामकाराकाराकी । सिकामकाराकाराका । सिकामका वर्ष्ट्रास्ट्रह्री कुंग्यलुक्षक्रव्याक्रियद्वाक्रियव्याक्षा... येवना अस्ति। सन्वर्देनानसूर्रेतान्त्रेभारेत्राने से हेर्सित यावना म्यार्थित्रम्यम्यार्थित्यर्द्धित्रम्या लास्त्रास्त्रत्वि क्रियार्थित् साम्र किरक्रमणान्यानुना रिट्रिक्रम्यन्त्रित्या मार्यस्त्रित्या बार्यका। द्वार्यक्षेत्रदेश्विदेशिवावसम्बद्धाः द्वार्यकार्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्था कुंबितुकाव देवका मवेद्वित्रेर्। रक्षित्र वकारम्भरक्रिं। योधमाक्षि ज्याम्बर्ष्य विद्या अर्थरास्त्रा रेव्ये विद्याय मुक्ति स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स

साल्या अदलेत्रप्रें जलेश क्रेया त्रा क्रिया व्या क्रिया क्र क्रिया क्रिय क्रिय क्रा क्रिया क्रा क्रिया क्रा क्रिया क्रा क्रिया क्रा क देव, प्रदेश रहेर देर प्रत्याय हो संस्कृत का केर । इ. एवंदर क्रों माना करें रहे का न्या प्रदेश। ब्रेरी र्पट्सिक्टिंड्रिक्सिक्सिस्य प्रस्तित्वर्त्ति हिंदी स्ट्रिक्सिस्य कार्यक्र कर्म कर्म कर्म हें त्ये क्षार्य स्थान विकास क्षार्य स्थान मुक्तिमार्कम्रा सत्यात्म्रकार्ष्यकार्षाण्याः स्वर्णस्या कुलानुसार्या वार्यान्यर वारायर सामाना के देन दान्यर सीमार यदी स्रायम्बर्गार्क्र्यस्त्रायम् म्यायात्रस्त्रात्र्यम् यात्रस्त्रम् सुर्-स्याल्यान्त्रीरम्बिना ने-नेक्रेड्र्माणेया-क्यर्नेन्सा यरक्षेत्रे ब्राइतः श्रीतः वकारपद्रित दर्वतः वालेका वार्ष्ट्रवतः देन्यादेन एके व्यवा हिर्द्रद चरामास्त्रम् इस्ता बर्मिस्ते वरलहरी। रिसिट्टररस्य काल्यूरी अयात्री, इ.च.ता, एड्रेट्राठका अल.च.हेंचा का क्यांतिका इंडिका प्रदेश पर्वेशक्षेत्रीतिलाक्षक्र,चर्लर्चेक्रत्रीक्रिक्टर्री कुर्धिर्वरक्षित्रक्षित्रक्षित्रक्षि इ.च्रांचानामात्वरात्रीत्रा र.क.रर.ह्याचाराकाल्यरी चेकाल्यु सेवेध कार्यस्ता ब्रिन्दार्यालय्यस्यास्त्र्यन्ता यात्रसारक्रेत्राचार्यस्य श्रीत्रा ब्रिन्दर्द्रश्राक्तायक्षेत्रका देर्द्रकावयकास्या मुक्तारमतिस्दरियानवया नेदाता देसादिस्स्यायतिस्त्रियालादेश वकः केंद्रायमान्युन्य नर्येत्र एक्त्रक्तरा क्रिक्ट्यास्य राज्यत्य विकार्या इ-र्रेड्रिक्त स्र र्रेड्रिक स्र स्र मेर्ना व्यालिया इन्त्र स्थानिया है स्र न वाह्मराता दरका क्रिकें कुला काले के विकास सम्मित के के देश रे स्रीयात्यार्वितात्व्यायाद्र स्थावियायहर्यावात्यास्य व्यानियाया हुल. ड्रेड्स. इ. क्षेत्र इंटरअन एडेस. के. रेड के. वे. के. के. इ.किंग-सर्याम् अत्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्य वरार्केर्वात्रास्मार्वस्था रसित्रेन्स्मार्केत्र्वात्र्यास्त्रा देराहिर क्री स्मित्विव तर्वे वर्षा यर्द्य भर से द्वार वर ता वन्नव या दर व्युट या विश्वित रे विश्वित चवसास् रिसर् श्रित्रात्रायद्श्रश्चीरायद्श्रश्चे केतात्रा केत्रक्रित्वकताता से राव देवस्यति वि त्रकृति वस्त्री हर्कार्याक्षात् वस्त्राहराक्षात् वस्त्राहराक्ष्रात् वस्त्राहराक्ष्रात् ररेस.सी के.मा. मे.रर.र्था म.की.म.व चरातायहरा मून में मिया मर्था नामा नामा माना मिया गर्मी

335 न्त्रार्गरक्षिर् वर्ष्यत्व्रायात्र्र्रात्वेराविभावह्वाया सुन्त्रात्मराव्यवात्र्या शरीर.र्र. हुंबर्यर म्यामानामाना शरपर्र रे.स्बामानामाना के.स्वाह.ज्यम. प्यर्श्चिमावस्त्री नायर द्वाक्षेत्राप्र त्वेण वर्ष्ट्र नाया यहुव दुस्य के स्र प्र वर्षेत्र क्रेंट्य्यी यवेषात्री ये.पर् केरायदलाला । त्रास्त्रित्री इ.ज.च.मूर.ज.क्.रूटी का.ज.ज.जूट.र्ट ब.मी के.लर.मांड्ब.र्यर.म.उद्या. कुंटु.रवेश क्रूप. मानुद्र वी से रेग माया शे खें र्यारवरी वाहर व्यवसामह्री द्रार ख्रिया सुर्या वाव ही देवाला त्रात्यात्रे में रवयवित्रकाली र्ययः व्यावयः पर्यः क्रियः में द्वाया विवाया प्राथया विवाया विवाया विवाया विवाय विवाया विवाय विवाया विवाय विवाया विव र्व.पर्क्रूट्या ट्रेन्यरायात्रवाकुत्या वातरे वार्ययावेगावा पहेंबाह्यराप्तेते के वते निर् मिनवायन या मते वेवल्यायारेरी दत्रदर्दायावेयाची विभयाचा समासीर नहीं महा में वेश सं चन्यान्यान वरास्त्राचार स्वापन्या वसायरक्ता वर्षः क्षाचर द्वा द्वार स्वापन्या स्वापन्या स्वापन्या स्वापन्या क्षेयर्गाल। दशरावसलाडीरामुलय्यस्याङ्गलाड्या व्यवस्थान्त्रा वात्राम् नेरा के तरास् मेवल बेरी तिया वहूर्त नपुर्या स्रेमार्रिया स्रेमार्रिया स्रिमार्रिया स्रिमा निर्ने नेर्दर गुन्यार्क्षरतायायेव। दगर क्रिकारा क्रिकर तिवेवराक्षेत्रा दर हे व स्थाव वदा से प्राप्त उक्ता विवह्र राजन्य श्री व देश क्यार्येय। देश अहत हर प्राधिश वर्श कुंग व वर्ग पहुर देश वर् न वक्ताकर किया स्टार्या विवह्न स्रिरदर्य स्रिर्या व उदा व वर्या व द्वा प्रावत व वर्षा व व व व व व व व व व व व वित्रहेव:र्वास्य वित्रहेवें से वित्राचार यह से व्यायक्रिया यह त्या वह त्या श्रीरार्गराध्यर्भवातरी में संभवनाविवाहां के विदेश यहां के विदेश विदेश स्थित। श्रेक्ट्रस्थियास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य वा स्थान्य वा स्थान्य वा स्थान्य वा स्थान्य विकाल देशान्य वा स्थान विकाल रामरी मुस्याद्र करेंगातरम् कूल्रा मर्वा मर्वा मर्वा मक्त्रां मार्वा मर्वा मार्वा मार्व मार्वा मार्व मार्वा मार्व मार्वा मार्व मार्वा मार्व मार्वा मार कर्रतम्यवारमान्त्रया तायामह्यान्तर् कर्न्य म्यूर्म्य रात्त्रया सर्वि सर्वि म्यूर्वि म्यूर्व म्यूर्व म्यूर्व म्य रेब्र्यान्त्रेगान्त्र्राचनवापर्दा निदायान्त्रिकान्त्रेश विद्या वित्यान्त्रे अर्यः मृतः निवास्त्रत्र देर्दः विवास्त्रत्र । देर्दः विवास । व कराया। प्रचर पाने वाजरात्र पर्या प्रचेवा में रिया पाने वाले प्रचेता प्रचेता के वाले प्रचेता प्रचेता के विकास के वितास के विकास क व बुदालि के को दायते वर्षेत्र दुव बुदा . पूर्वा वा लेका ता तक्ष में देश तद्व । तर्वे वलका के के ले शु. बाट्टर.पर्वेच । उन्तर.वामा. बच्चा. तमु. के. पर्वे । अ.पर्द्राम. विद्रास. तम्म हार पर्वेच १ मा व्यम्वियान्त्रास्यात्रास्य त्यात्वर हिंद्वे यो क्षेत्रास्य विष्य क्षेत्र हिंद्ये विषय व्यत् देवा द्वित विषय तप्र विदापद्भवर व्यान वर्षेत्रमा श्रद्भाय स्ति । स्त्र वर्षेत्रमा स्त्र । स्त्र वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा स्त्र ।

सरावाया मेदाया वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा महामेद्र में मार में वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा में

1 Redish black. सर्डिर.कै.रहा अर्थ.एड्स.वारपाल्यर.व्ररंडिणरेटा कैर.कु ब्रिब.रेव.प्रेटप.क्र) र्जिटमु रेंग्रेप्टरमार्गमा स्ट्रे कि के अब्द सुप्रक्रिय प्रत्ये स्था में स्था स्था से स्था से स्था से ध्रेवसायावस्त्रिसासायर्थिता देवास्त्रे क्रान्स्त्रास्त्र साम्येवा । त्वनास्त्रित्याम् स्वास्त्र हिंदा हरा क्रान्स्य च्निर्धान्यराश्चर्यरदाहित । भूगःभया पहुंच धर्मिराने वाहिता हिल्। इरकेटाने अर्धिराने अर्थर स्टि मुन् म्रेर् (वर्) प्रचेव तपु पाता देव हिला र्र्या श्री मार् सर मेर ता पर वा मेर्ट राम मेरे के के मेरे हैं। म्रद्नारी श्रीम्रिक्षण्याप्तवराष्ट्राक्षण महाम् मिल्यायाया प्रवरासी पराधेत्यम् महिरस्रमाणी ह्रम्। श्चर्रम्भवाश्वास्त्रस्यक्षिवयाम् हुया हिर्श्चायह्वाक्ररम् त्रियाम् विवाद्यम् हुवायाम् नर्वेग रिन्न्यायर्द्रम्याद्भाक्षियाद्भा हिलाम्यास्य हिटास्य वर्ष्ट्रम् क्षेत्रक्षेत्रम् वर्ष्ट्रम् वर्ष्ट्रम् यावर(ब्रेट) वर किर.हे। रेथु-अर.के.बर.रे.अर्ब.व.जा.वार्यर.खे.अ.ब्रब्स्अ.रे। रीयामलायोत्त्र न्यादाय तेना की देनया देन्य में असत्तर । दे देश सु देनव क् यह त्यद के वा न्यू पूर्ट र् तह्माना परार्थर वातावध्यां र्रा देर गुवाद्यस्था स्यानु मुन्तु वर र प्य्याशु की.री.पा.जी.ला.पीरवर्षेत्रकित्वा रे.रुट.स्ररवर्र प्रक्रियान्या लाट्यापट्टूट. त्र्रता चा अभुक्त् से ते यो ममक्र रहा प्रीकृत वार्ष्या में से से में में ते वार्ष के वार्ष में में में में में मी वा विषय के प्रत्ये वा शा के वा कुवा सर शाकि के कि के वा कि वा क यात्रदाने वात्रया दवदाश्चरद्रायाद्यत्र केट्र वायुभाददा स्वान्य प्रकृतिक्रिक्षेत्रम् र्राजिस् में वर्षः रेवरः त्रेर्। अरंदला योजा वमा की में रेर्रे किया था। येराने मायपाम क्रिक् यायजान्यात्रमा में जियमें के न प्रवेशन देवदाव में में कूर भारा देव में में के देव यमें अथात्राक्ष्याः पर्ति में महिदा सूर्त्या यहूरे वस्त्रा मा में में में तरा वरता में में में गर्भा विकार क्रिंत दें सराम् दे। दवराम् देव विकास क्षित्र क्रिंग में वर स्वी मुन्यश्वाक्षाता यामक्ष्राम् वर्षाः केवली लजा. कुराश्रुक्तिर यात्रला से हूरी क्षेत्र में इ. ब्यूव अला. खा. मु. युरा है या है र वे में इ. वे क्यार वह ज्विया से है। यद श्वेद ब्या है अ अ वह आ वह आ वह श्वेत वह से वह से वह है से वह है में ने र्राच्याक्षि.म.४ ह्या में त्या क्रा केर विदायत कर में त्या क्षेत्र केर क्षेत्र विदायत केर क्षेत्र विदायत केर केर भैर्। रे.वर्बत्तराम् वर्षेदलार हर्षरायम् । द्रित्रार मान्या वर्षात्वा द्राप्तायम् । द्राप्तायम् द्राप्तायम् ।

र श्रेव।

रत्रमक्र.तपु.के। व्यावपु.रेया.थी.रतपा.केर.तुरी अव्यम्भक्ष्य.कुर.जूरेत.येथ.पुरा.त्री र.म र्द्रश्चिद्रत्यराजयात्रमयात्रमया में याममाय्यात्रात्रम्या बिद्रत्य्या वात्रमा वीर्द्यात्तर् रमरण:मदी. भरकुर मुन रिमवारत में रह महार प्रवास कर है। रह कर रे जिस है। रह कर रे जिस है। रह कर रे जिस है। क्रियारमयार्ज्यरे से राज्य विदाय में या सिराय में या सिरा यातर् नार्। देन्त्रवा हिरस्मा नाम ल्या पह्राक्षित्र माना वह नाम हिराया हिराया हिराया हिराया हिराया हिराया हिराया कुर्वास सैवान्त्ररहा विवानपुरक्षितास्त्रपुक्ष भर्दर् किया त्यापद्रम वादासरपा में विवाद्या स्त्री अ.क्टर्रची.केएर्रतिर.रर्क्वण अर्पर्रः मुख्याच्छ्या अर्थात्रका च्या क्षेत्रः भ्या विष्या रिनेदारी ह्या र्यास्ट्रकरास्यास्त्रियास्त्रीराम् है। येशास्त्रम् राप्तास्त्रीराम्या ्व.च्र.र्यार.वर्षर.स्य.रं.जा.डुयाड्या) र.ल.क्र्र.च्रीट.रेमच.उत्रर.प्राय्वी क्र्याच्यर.ब्रह् यी. दे. प्रेर यह प्रात्म देतप वर्दे विभग्न या भारत देवा प्र विश्व विभाग्य विभा तिर.चर्त्रेत्र.ज.रर.ता.मधेर.म्ररमा.नुन.तपु.सूत्रेत्र.र.र्र.प.इंस.ब्र.र्रमा.व.र्राजाता.क्रि.ब्र.व. रूटा भर.पर्वेशसे.रनाय. जंबेक्षे.पष्टा.मा. दलक्षेरीहल.लूरी च्रास्ट्रा रताय.वि.राजायाची देवाला.कु.लूर इर.श्र.द्द्याकदाम्हदाइर। देरश्रदायात्रभगत्मेयाश्वरत्यर। देवावेवासीदितातात्रेवा द्रायालद्र। क्षेत्रायाष्ट्रियादेवतपुः मुक्तायाष्ट्रियातपुः क्षेत्रयात। क्षिद्रयाष्ट्रभक्षियाक्षेत्रया तालय इरिट्र हिर छेए ज्याचय वायार विव वव सम्मेर हिर वया हिर दे अया वस व लाग इर. कट्र। रवापरवापड़िर.त.श्री अद्वापत्राम्त्रे,पाश्चि,संग्राक्तिमाक्तिमान्दर्भवापात्रवार्दराष्ट्रमानावार् कितात्या कुलाभवस्या तर रमया दतिर विया वर्षर वाका लाव वताना देश किया वता माना माना वर्षा व श्रीरक्षिरादेर स्थादायादायादात्ति स्थादाया स्थित त्यूर्या विवाधिराया। विर्दर देववर्गाण्या वर्षेत्र खेवा लम्सू पहुँची तमस्तरने पारी श्रीद्रां स्वा सिरारे अद्या स्वारे सिर् हेवा दे से हेवा है. यरीमाकी,यान्त्रा,प्राप्ता,याना,विनानीमानिद्धीराष्ट्रभान्त्रा,किटरेशयी,लूद्वापुरारा,वश्चिता देर र्हिटमु.र्रम्भाक्तियारे, यह स्थानमूर्व, सूर्याना रहारा पूर हु लूर नाए नेपान् वास्त्रा नार रिकृत. भरर्कुलरदरवयात्तर्वयावया बेदानयात्रमायात्रीरर्वमवात्रमयाववग्रवात्रम् एकर.व बेदर्दर. नूर. देतप. में. कूंदर्दर, दर्र की. कु. कु. की. की. हैं हैं प. केंबा के वा ने वादर मार्टर. क्रिन्युंस्वाल्युंग्रहरा र्इंग्रह्णाक्ष्यायात्रम्युं स्वाल्युंग्रहरा इंह्यार्थकार्यस्थाराःहैताःप्रदेतरःद्राःहैवाःहैवाःत्रायाःवरावरःद्वरः अर्वाह्बाःतायाः त्याञ्चा विषु-विर्-रिक्ट्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्य उनेगामि रतामात्मि रं लर्मा वर्षेत्रात्मि वर्रः देर। केंक्टरमा नयु पर्तेमा क्रिया वर्षा पर्ते रामित र्रस्त्रेहरामेनामा विभागर न्या मेल (क्या) मला विष्णेय वर्षेट तरी नलर साविभा हरार्भिय यथा। दे. मुत्रःरगरः अबूदः अह्याः ल्याः (प्वक्तः) वर्षता। वस्ताः वस्ताः विष्टरः वुदः क्या ताः वुदः नुषः ताः

करावराश्चा भुषालाष्ट्रास्तरायस्या स्वाप्ता स्वाप्त्या स्वाप्त्रा भिरत्या स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ता यद्रहरू.प.श्रद्धकीयानुद्रतिद्रम्यान्त्रिभान्त्रभानत्रभान्त्रभानत्यसभानत्रभानत् के. करं तार्य ग्रेश म्त्र दार् के अशास्त्र दाया अश्र र्या वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य णभन्तवयदेवा अभागतव वणमाम् ए दे स्थाकी देवा मानूर वर्ष्यकी । देवा श्रीका वर्षेत्र मिव वर्षेत्र ही। इभएकद्र्युक्त्वार्व्यक्षयात्र्र्यर्द्र्रावःक्षर्वरःज्याः लद्याता व्रिरद्रकी ब्रास्ट्रभाव वर्षा क्षित्रवर्ष्ट्र स्विव्यक्ष्या देव्यवर्ष्ट्र देवना मुस्यावन वर्ष्ट्र प्रवेद प्रमानिया वर्ष्ट्र प्रमानिया वर्ष प्रमानिया वर्ष्ट्र प्रमानिया वर्ष प्रमानिया वर्ष्ट्र प्रमानिया वर्ष प्रमानिया वर्य प्रमानिया वर्ष प्रमानिया वरम्य प्रमानिया वरम्य प्रमानिया वर्ष प्रमानिया वर्ष प्रमानिया वर्य इ.रम्याज्य स्रिर्म् क्रियाना एतर स्टल्य वित्र स्रिर्म् स्रिर्म् स्रित्मित्र स्रिर्म् चररेर. उर्वेश सेरित्य कार्या वेशास्त्र में हिंगेश वंशास्त्र ताला सेर वे वेदा तर्य आहेत. इव केर केट श्रम् र मिट्यायामवर् सूत्र। व्रात्रः यो रभवास्त्रात्म्यास्य स्याम्यास्य स्याम्यास्य स्याम्यास्य म्मलाह्नर,जर्भिर्वक्राक्षिताक्ष्याचलवारेर्यामास्त्रीत्रप्रवातात्वेतान्यान्या श्या स्रेरिश्चाक्रर मण्से स्रवयार्र श्रिंश्वायार् द्वाया है रचवा या है हर दे श्री दाद्वा वावता क्वा स्वात वा तर्या स्व श्ट्र बिट श्रेमध्या सद्धान्य प्रस्ति रहेट ब्रायदे से रविद्याला।

क्रिंग्रहिम्देर्से का यात्रात्रक्रात्रकात्रेरी कामित्रक्रात्राहर दर्भका मैंत्रिवर् यूक्तं कार्वे के प्रात्मिक कर्त्य कर्त्य कर्ता कर कार में कार के कार के मार के मिन कर कर कर कार के कार कर कर क रम्यत्यं ग्रेट् ग्रेग्यामहूरी अधर्भार्मिकारी केटजासेम्प्र्या केटजासेम्प्र्या च्याचा चरशातिकरेट कु.भन्दी रेत्रवाच् किला नेर्त्व क्षाच्या देत्रवेद नेर का क्राज्य. व्यक्ता भू वादीय भू मुम्दा के ने का क्या व्यक्ता विक रीव विक मुम्दा का क्या की रे क्रूर मेर मा कार्यी णा निरस्कि संते कुल संते कुट मिनारी अवगर्ति केट दु मवेंब केरी द स्थावविदे द्वें व मिना किया लुन। मिन्द्रवाधुराक्तिवराशक्तामा अब्दिव्यनामावप्रस्टिन्। यरामह्यातिबाराम्प्रस्टिन भुषा रू.रामका कैंगाना ऋरेरेयो अभूरी कै.शुः सरे देश्यो छिर ब्रोहेशका। रहिरकुर्वि अधुक्रि मिनका く) コンランダンのかいかいのくてらくし ロイをないないのではいいられているとはいるとはいい रवास्ट्रियासर्थितर्भाविस्तर्। द्रस्वाधवावीतवस्त्रिया द्वास्त्रियास्त्रिया म्बायाम्बस्य द्वार्थायात्वार्। क्षेत्रयान्त्रायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात् र्या स्वत्वर्त्ते वर्षः स्वान्वत्त्रम् वर्षः स्वत्या वर्षः दूरः त्रव्यात्त्रम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् राष्ट्रेरी रचे. पर्दे प्रस्वाहि अविद्वप्रेश नचेता के का राद्य न्ये स्मान के लगायर. रिपर मिलकारम्भला जार्द्वी.क्वत्शुद्र किर्देशी.क्वा र्काव्यू पर्दक्ट्र में बाजार का प्री विवास में में बाजिया का प्री विविधित के प्राचित्र है। ये वर्ष कार्ट्स्य में क्यूरे रही कर्र वर्ष प्रित्य किर वर्ष हैं भी वर्ष हैं ता आपरेबा क्ष्मिक रा.ची डिर्रेरच्याभाषतालाइणालाची र्र्र्रिं वर्षामाता पर्येव प्रियामाता व्यक्तिमं विष्यं में वर्ष में अपि ता हिर्द्याचप्यर वर्रे वर्ष्ट्रकेश्व। महिलक्ष्यक्षितात्रे वर्पर्याक्ष्य क्ष्याक्ष्य र्जर क्रिया वरेर अपूर वर्षिर हेर्। यो गरा है गर्म माला हो से माला कर के माला क्रिया के क्रिया माला कर के माला क द्र। दरायाः अर्थे अष्टा कार्यात्मेल प्रायाः हिर्दे त्रार्यारम् की के वर्षे कार्यातिकाली

クニス 142 वस्त्वक्तामा दरदर्वायवरत्वकाण्याचा दर्वादयाचादर्वाद्याचादर्वात्वर्वाक्ष्याचाद्रयाचादर्वात्वर्वा उर्भरत्र भेगा श्रीया की अम्दर्भ । अम्दर्भ एक्ट्रिया गर्मा भेगा विषय में प्राप्त में भेगा विषय में प्राप्त में प्रा उद्याद्मी स्थान्ति हिंगा दलक्षेत्र कुवायी कुवाया कुरावेश तर्र तर्र तर्या वाक्ष करता वाथा मेरदर द्रमेग्रह्नकी मिराकार्या खुवा तर्षा किंदक्षेत्र विताम प्याप्त वार्षा वार्ष्य वितास वार्ष्य वितास वितास वितास व क्तियात्त्रध्यमानामायत्वापूर क्रि. लाग वदावमान्यमान्य द्यूर (व्यूर) क्रि. लाग द्यु क्रि. व्यूर यागुरा.का.माता का.च.(१) भर्या श्रीर.म् है। दुशाक इंदिश्टाराया में र.सेर.सेर.हरा वि.मागव. रे. श्री. खुग. का. लूट. वयमा वर्षटी न का पर है। तै त्रात मंदर के यात मंदर पाट कुट पात पर देवता मध । क्रामार्ट मेर्ट्सी की बीहालहालट लक्षेत्र शुःतरे देन श्रद्धा मेली ह्यानीता पुर जाम र्ट्याना दीलार शहर याचन हार र रेगर है। याचन ही हैया ग्रीर जाय केरी वरमाध्यात्रकारकार । सिक्षा विकास के प्रतिकार । करमाध्या । करमाध्या । करमाध्या । करमाध्या । करमाध्या । करमाध्या ्रेंहर्ज्याया वर्त्त्रेया । इर्ट्र (ब्र.वर्)र्यात्रवाव्याव्याव्यात्रभारता श्रद्धियात्रीत्यात्र्यत्। त्यात्रीत्यात्रर्ध्या र्वारितर वर्षातार दिवाल मेरी में व्यासामग्री व राय मेर्योग लामहूर। यापर्या रूपा म्याप डराम मिश्रापुर्यायया मेर्टी टर्टरट्रमानेयाची इटलियामक्या र मियान्यया में है अस्म 6 में कारती किलार्र्स भूत्रकेरयास्त्रकी अर्थेयते का उडियासिर्काल स्पूर्ण क्षेत्र भर्ति पर्ने पर्नेत्रकृतिस्ति पर्नेत्रकृतिस्ति विस्तिक्षित्रकृत्या स्तित्र विस्तित्व विस्तिक्षित्र विस्तित्व विस्तित्व रुवःमा ८.८८.४२.४२.४५.५१ १.११ ८.जल.केयात्त्रात्र्यरेयालाम् । वै.श्.यर.वि.यावराया यालद्रस्थर अस्ति कार्याचार विद्रमेट्र केल मिन्या विद्रमेट्र केल मिन्या मिन्या मिन्या मिन्या मिन्या मिन्या मिन्य लहसूरी हुसकुर (इस) उन्नरक्षित्र प्राम्यायाच्यत्। कैर.एव.क.लेका. मुचकर.सुरी में कि.दर्स. र्चरम्। बर्मा देखा व्या क्रवाक्त्रःसुरी तमात्वादादातामात खेवावा वावादासेवाँसर. मुश्हरालट सुरी कैलावहिल र्वे क्षेत्र न्यूर न्यूर न्यूर प्यार सुर् हीर सार्यर क्ष्रेर अन्य न्यूर मिल्या न्यूर त्यार प्यार हिर् हिर् हिर हिर स्यार स्थर लट.सूरी अ.वधु.रत्त्व.त्.लूच्य.इ.र. श.र्यसल.र्थ.रे.रे.येयांत.राय.इर। श.रायकायाधुलाकुकुर्य १० प्रमामवैत्री फिटंडपा वेपानुवासपा ला हिर.जम.में ग्रामार्गर,र. मुरा ग्रेचस्त. स्याकूर, क्रिमार्फर. से या असी ग्रेचाया टर. ह्यांकूर हकर. सामार्ट्री रतायक्ष्याक्र. में सेवा वाल्याकार्त्ता रे. शुवारायाकारा वार्टिल्री राष्ट्रक संस्थित वर्षावर्षात्री वावावासिवीयात्त्रः स्वावतावास्त्र। शहरता शहरता सारक्रान्यात्त्री वावावासिवावात्त्रः (12 ZE) के. पत्तरामालक्रा हर्वाववात्त्वालवाक्विवनर्वरात्। वार्ट्ड बेबाव श्रेट कार्टरहिट विभा र्षार् रह श्रे अध्वार त्यार ता क्रिंट्र रर अक्टर श्रेर भ श्रे अथा विश्वावाक्र विश्वाति भ व्यार री यश्राम्भवाश्याताम् यहित्री श्रीदरवाताताम्द्राम्द्राम्द्राम् वर्षात्मभ्या श्राद्यदा रदासामा में वर्षि अहमार्वद्यारी कूर्तवसमा ह्याम्पु अम्राद्वदा यूर्यार्थमहूर पा.चार्ट्र . में दर(चरर) दर्द्र हार्ड्र . पा.मुखराइया क्या क्रिया मा.मूं मा.मूं मा.मूं मा.मूं मा इ.स्था(इय) प्रक्षिया इ.स्याउव। श्रद्भुविया द्युर्भिया इ.स्था वाया वाया व्याप्तिया

शरी ब्रिंग वर्र मा साम्राम का का के मा का के मार्थ है के मार्थ तह का का है। के मार्थ तह का का का का का का का का

wind

इ. शर्र १ के व के के प्र कि के का कि का कि का कि की कर की की का की की का की नात्री दमारवात्री।वेबातबेर,दरक्षेत्रपरी कान्द्र,क्रदश्चाद्रहरात्री श्रीरामब्रासिबक्यावरकार्यवा ल, इर.क्रेलालभु इर.यूवी कुल.इरवल.बी.चर्ष.खुर.एक्टरमा नामा ब्रि.बेरबी.शरंपलबावल. - ही सूर.श्रद्र.काषर.बीका(पत्सः)। र्द्रामिशासर.हे.प्रवीरी व्यापुर.हिर.श्रवी.ध्वा.केया.तथा गिक्यूना है नीर है। क्री. र्वी.इ.प.इ.पुर.पत्रा.पुर । क्र.प.प. लेब हेर वृत्याला म्र्रेट्स्या व्यक्तिमार्यात्रमार्यात्रमार्यात्रमार्यात्रम् द्वात्रमार्यात्रम् व्यक्तिमार्यात्रम् य. विश्वितामात्र्यात्रा है, पर्तिया लूट्यं खवलकुल हिंगाता रट क्रेंच. तप्रमृत प्रह्मा हूटी हुर। ल्लाक्तरमुक्तरह्यासम्बद्धाता द्वाद्द्य्भववाद्वाद्वर्रा भूवा भ्रम्भूवाद्वर्भववाद्वाद्वर् र्रा स्के में जालाइ इ.र्रा किटाउँगारी सार, लुप र्यालागरी वरेर एह्याया सीर. व. रदः पर्वेत्रःमाद्रिय। विःसिरः देशवीयः कारः राजाद्वित। दिरका श्वितः रताना श्वेताया रवर आद्वित। चाती.ला. म्याजा र्वेषच्या काइवा क. प्राची पार्विवात्या कोवी रे. र्टर का बिए र्येचा श्री रे महूरी यर्रेर.एकु:वर्वावान्ताना तावता (पत्रेता) र्वाराशहूरी माडि.वि.वि.वासीन्दे हूरी देवर्तवरेषु नैयातारूद्वापर्न्यापर्न्त्र। क्रियाकि लार्अन्त्रित्रकिया । रथात्वयाः क्ष्यं क्रुट्यान्यिक प्रियम् लूक (एक) इंग्ड्रिट्य र्थि शु. पबर में जिस्से ज्यूर अप क्या के ज्यूर अप के ज्यूर के ज्यूर अप के ज्यूर क पहुंब-र्याचलातर्थेव । पत्तरा चुर. धे. यास्या ताश्चितातर्थेव । पत्यव चुर. धे. विद्राव स्थान्त्रेर. परियो । जामानु पर्व निषय देशक्षेत्रे राज्यान्य राज्यान्य वर्षेय नेर देश केरा अह मग्नामा वर्रावयात्रापर्रद्रवाश्चातात्र्रीयात्राक्षात्राच्या इंदर्शार अ. हा. ह्या वार्षा दर्ज स्वायाय अक्टारा ता रेबी (इय) व बेटस्ट्रावया याटव में अपाक्षित्र स्था दे ह्या वात्यादे नार देत ए कार्य की से र.र. थेर वाय वा विर वा अपा विर क्रिंग्सर्ट्यस्य स्थाया मिं स्टिंश्यर हर हिरक्षेता प्रेयव्य भे दे हिराय वेर्षेत कियर हो। रिन्द्र तया तथा थे. य देर पर वार्ष शाही वाहे वा तम्य वा त्या वा विरमर क्रियाम् (क्रिक्) क्रियमहूर, रश्चर्ट्य सर.या इर.या. इर.या.या सर.र्ग्य हैर रहेश (इय) इर) में क्यांत्रमा ववानुद्र वर्तदेत्। त्वेया सेरियाता केयदे केया तर्दर मागर हर केया वर्ष देव। जग्रायाधेर् से अ.श्रर्राया जिंदा सहैव. सूर्येश सूर्ता वा छ. सुर्ते अर्थ व विवासमा श्री. गिश्र्में शहराहें। श्राम्यारायम बरबर पर सम्बद्धारमा पाण्टरम्द्रभ्याम्द्री व्यापस्याष्ट्रविव्यवस्य मार्थिव्याम् मार्थिव्याम् व्याप्ति यरअविष्यात्राक्षेत्रवात्राक्षेत्र स्वात्राक्षेत्रवात्राक्षेत्र विष्यात्राक्षेत्र देवतारायात्रवाक्षेत्रा

श्रर्भारत्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्या र्शियाका र्राची रहाता रिकार स्थित ए एएरी राज्य मार्टर कुष्या मूचालावा पर्टर सेरायट ए स्वास्ता श्वामद्भा विवाद्वाम्रद्भार्याम्यायाया यात्ववाभरत्म्युत्रवेश्वर्ष्ण भवात्वराक्ष्रदेश्वर भी सुर्ग। क्षेत्रकारकर एद्देवाला में अत्रार्थ एवं वासीयारकर लामाकी छेटा रार्ट्र मुख्य कर्ट्य प्राप्त में वास्त्र मुख्य कर्ट्य क्षेत्र कर्ट्य क्षेत्र कर्ट्य क्षेत्र क्षे च्यानक्रियह्रवारह्यवत। राजक्रमेंदरवधान्तराम्री र्जक्रमें क्रियालाम्रे र्याम्भूयारणक्रितवह्रवाह्रवाता अरम्ब्रायवा विरम्ब्रायवा विरम्ब्रायवा विरम्ब्राय उद्देश उद्देश वेला जरक्य हे वाल वर्ग में राजारी शर अर अर अर में से अर हो पर के में राजा र र के पर के क्षेत्रक्रक्ताः (रायक्ष्मभेत्रावर्ष्ण्यभावर्ष्ण्या हिर्पाहर्ष्ण्या द्रायाहर्षाया स्थानाया द्र हरवास्त्राकार्रास्य हो हर स्वानास्त्रस्यात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वार् अर्था.जब्दारबीलुना वर्गाकु शरिरणी जनारे अया ही (३) लूरिना जन्दे व रेरेट बीट ता है, रेड़ी गवमा शेर्नार्या राजा राजा देरिस्मरेण सुरावेर ज्या समहित। वर शेरव के साम हिर 4 मही १ र्मेणवर्षे १ प्रथम : भरेण मैं अबेर र्या अअहरी अव्यव वारा वया है मी दे रहा भरेण मैं अबेर र्या अवहरी दे हे. वीद्रद्रयास्याः व्यामावर्गा द्रयास्याहरम् महिवालह्या वश्चरत्र व्यवस्थित् अवस्थित् अवस्थित् अवस्थित् अवस्थित्। रे.क्वा ान्याववारवाव्युक्षवारात्रात्मा केटमालाल्याल्याय्यवारत्य्वा कि.इंगर्विद्रांत्रार्दिन 79527 कुला इराधुर अर्पालेबा श्रुर हिरावला रयपालक अर्थन्य सामिबाक हि हिर ही करन मा सेर हरा। अत्र भी व्यवस्य म्या मित्रक्र म्या क्रिया हेया मान्य म्या मान्य क्रिया हेटा र्रात्य त्या वा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया मान्य मान्य मान्य मान्य क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया ज्रिस्यवतः केवमाक्षितः में प्रक्रियः में प्रक्रियः हैं द्याराज्या माने के दर्शन्तर विवासना पर्या 9 Fal वगरारे हे करा खेरा या दर अदल हैवा खेरला या दर। किला के रहा की की अदिका व्यव वा की वा एक्वेश्यारात्रातर्व । व्यास्त्रार्विवात्राय्यायात्राम् । या क्वास्यार्वेश्वार्वेश्वार्वेश्वार्वेश्वार्वेश्वार् र्स्त्र प्रकृता है र। देर सेरदेशक र कर श्रे हैं र देश श्रि है वास नहर देवत तार तार देवर र्यभाष्ट्रसम्भा रदःस्र में रिव वार्या सरद्भाष्ट्रसम्भागा विश्व विश्व वार्य विदासं वाविदास्य लिर.क्या.केव। चरत्रेर.रनएएणशास्त्र्य.केचर्डियशास्त्रा अयू.रर.४से.रद्वशासाः सा मा अवर क्षा है । से देश वार दर्श से र. दे से दर्श में से देश से का से का से देश से देश से का से ब्र्व. वि. केंद्र हुं देन ब्रिट में स्थानिया मेंद्र ने (क्रेर) चए दर अभ से र के क्या में या के पार्टर. क्लावी कैट.तीपार्ट.द्वायाज्ञव्यत्व. में क्लावह क्रिवट क्री क्षेत्र ता वेशाला किए ताए क्रावेट वेशा चरलद्भु एसी जामन् इंगल्यवेर्स्स्र दरम्द क्षय वर्ष्या वर दुर्ग वर्षे वर्ग वर दुर्ग वर्षे रा देशरावर वेद्र वेद्र द्राया में रावर में राज देव। के में राय के राज देव अर रे के देव राज राज देव। वसमान्द्रमाद्रम् वर्वायम् अवयाद्रायाद्र सुर्वायायाद्रात्मा वसायाद्र हामा हैर्जा किल्लास्याकु नगप्यविद्यंश हिद्यास्थात्र क्रिंटर्रे देवस्था हैर्डर्

अक्तान्त्रराम् रक्षेत्राच्यात्रका व्यान्त्रता व्यान्त्रता व्यान्त्रता व्यान्त्रता व्यान्त्रता व्यान्त्रता व्या न्त्रिंग्यू हर्रा दर्शा तर्वा विवाया विवासिर्। वाववामा तवरवा तब्द्रेरा सुवर्वाया विवास में अपातातादा च यात में अने में भारा पूर्वाता भारत मारा में भारत ने पात कर प्रकार में दिया मूर्यात्रेशनाकुमा के वितास्त्र मार्थिक कर देर मिला मूर्य मिला मार्थिक के.च्याकिर.चक्यार.रेड्यार्वेग्याचिताकिर.चया कुल्यांके.वरदा **बिवारतिराके.वेर.रेज्यार्ल.** २ववया चालिकार्टा दे.प्रचान्त्र्रे देवचान्त्रुक्यान्त्रवात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्या मिन्ना हे में हैं। हो मिन्ना मिन्ना मेरी कारा पारीट अत्यत् व्यत्देव अहर् व वर्षा हिव वर हे राय है। या विका अविता आहरे हेव सेव ता अहरी सरसिव स्वानिक स्वानिक क्षा माने के वा माने वा माने वा माने कि है देर का स्वति रहित्वा वे वसहित्। र्वश्राद्या अवस्था हरहेर्त्य र्वत्य र्वत्य र्वत्य विषय । विषय विषय विषय । ह्मवादम्भावद्वती वाप्तात्म्यद्व मुद्दर्भावद्वति वद्द्वेन नावेला विदर्भावद्वति त्वूवा नाका वास्ता स्र.चा में ना राजा है। है। पर ने ना व्यापन पर है। है। कर मुख्य द्वादा प्रमाण पर है। है रक्षी, स्रित्यियावा(वयव) हिरानात्र् । स्रिन्सिया स्वाप्ति सस्ययापिर को व्यर्भियात्र्या न्तरभावत्त्रम्यरस्य भावत्या द्वार्यत्त्रम्य स्थारायत् द्वारायत् द् राष्ट्रायान्त्री रे. श्रुव.व. यें या शाला हि. वल. हो। वे. श्रुव. हे या तर देव बे. देवें ल. परें व । देव. राष्ट्राणुरा यहर्था यात्राय हैरारवर्त्य वितारवर्त्य वितारवर्त्य वितारवर्त्य वितारवर्त्य वितारवर्त्य वितारवर्त्य वर्तास्य की वर्षाता कावी र वादालदा स्था के वायवा से बात हो ता है। तार वात की वार दाना करी रे.शुन मार्म पहुंबान देवाया लद्दियां लद्दियां कर देवावा तर्वा का में देवता. श्रुरिय: र्वाराता श्रुश्चिरदिश्यावर हैट. वर्डिट पर्वर तालर कु के के मेरी के गर्म 1 रेगायू केरिशाणाश्यावाश्व । रत्तपात्रः रत्तपात्रः इवा किरवाश्वा अर्दिशाकेरिक्याकिरवासिना अ.उरेश.ज्जू.उर्वे.अध्यक्ति। केंद्रक्र्यानेशक्ति।अद्र द्राक्ता देशवाक्त्रं अद्र है याता. मिवाइमाक्किमा त्याम् विभाइमाक्कि स्त्रां क्षेत्र विभाइमाक्कि स्त्रां व वर्द्य त्यामिक स्वरं के स्वरं विभा अरवायात्रापु यादेर ख्वा क्षेरात्व्व। दमवा देत्व क्षेत्रव्य देतर र्वाया क्षेत्राता व्यव ।देवया वारकाकुः अद्भाव्यात्राद्र। त्रमारक्, मूर् त्रुक्षापुनायावी वः स्वा(श्वा) श्वरः वारीकारह्या एर्वासा सुर्व्छवरातामावरातार्वार्वाता र्वास्वात्मक्रास्या की इति वर्ष्यास्त्रीयात्रात्रे द्वाया विवाह्मस्त्रीयायव्यात्रवाराष्ट्याराष्ट्रवाराष्ट्रवाराष्ट्रवाराष्ट्रवाराष्ट्रवाराष्ट्रवाराष्ट्य

क्याश्चिताक्षा लेगसन संवर्ध तथर देशसा हे सन देश बदार में बदार

सिक्स्प्री हारे.श. भेग. द ग्रांच र ड

2 = S 146 यात्रा देशका देशका अपन्य अपन्य प्रमाणा देशका में देशका में देशका है के देश हैं के देश के वा के न्तर्रद्वा द्वार्य व्यादा वालाक हिर्देशका देत्व वालामा वाल वामेशामा दर्जन होया र्बंद्यपा का.यो.चव. थव.से.र.जा.वजा क्रिंग.ज्याजर नधु.जायाद्या अहूरी कुथा च्रत्याद्र सेर.तं.याचर. 3 Rolling Stone from mountains. क् इत देर कुण बर्या । यून कुरी है। र्चेव्यान्वयाक्ष्ठी यद्भी नेर् अद्यास्थितिक्षित्रात्मिक्षेत्रात्म्हरः। ए. देलर्क्यत्या यतरमात्रा द्वादी इरवालिंक कुणायविवादण इस्मा क्राट वृत्र हरा क्यात्र सेवया किर्याकेश्रक्षित्रके विवर्ति विवर्ति देवया पायक् सेवराश्च केश्ववद्त्र महिरावया राजमुक्ति वर्ष केट.हें) दुर्खेयकर.हा जाकाक्रीरनिरं ग्रेंशातावरी प्रकराव अराट्य कुणुवर्षे जार्थ्य देवात. क्यामाइन.लूट। शु. जनाहिद्युकाकाष्ठित्युक लूट्यममादुद्धिमाता प्रमेष्टिकास्मायाक्रम म वर्षाया रदा वर्षेत्रक्रासीयर्दायवद्याक्तिस्यामा आदर्यायत्रम्याश्चात्रावर्या स्रद्रामाक्रा लग्रियालायसूरी कर्दर्यातकाशुः जाताराई हैर हरा इर वट्ट ही पर् हैर द्यार्त हैर है. हैंग.च-च्या प्रक्रियं हैं जा देरवा है स्वयाव पर सद्री सद्री। बीचिल्याम् रेर् बीलालालाल्या र्रेट्से ली रेर खेर वर्षे व्यव वरा सेवा कुरान्तर क्षित्र विश्व प्रवासक । युरा महार हिर् कुरा वार्यात र तर्वता वावता मि. वारव विदी वावता लायात्रा र्यायात्राकार पर्या वर्ता वर्ता वीया रायात्रात्राक्त स्वा हिरायर कुरासेर.एकर.वरम्च्य । पूर्यामाराष्ट्रयासेर.एकर.वरम्च्य ।वर्षार्रास्त्र्यंर्वामान्त्रम् म्मला परमञ्च्यात्मेयातेष्वकातरात्वेच ।इत्रम्भत्राद्यानेकावर्वाताति। अकृता र. शैयारापु वर्षमाना यामी वामी पर्वेया पर्वेट हिंद र इंडे र कुर की स्वेट र वेश में प्रायूर पा के मा 三三三 के.रवर.श्र.म.इ. च्यावस्र वालर्रहरमा व्यवस्थात्य पर्वेग से.श्रेम से.म.म. प्रिया क्रुयायी पर्वता में यारा र वर्ष में विया विया हराया वियान क्रिया के पानक्री. यास्यास्त्र वास्त्ररहा दवास्त्र में केंद्रवरा है। केंगायर द्यार केंद्रवरा महत्या नुजरी श्रीमान्द्र हि. त. में या पार ह्या है। या विसाय हैं वक्ष्या ल से में से वर्दर विसाय हैं या मे से वर्दर विसाय हैं या में से वर्दर विसाय हैं से वि भूत ग्रेमा एक्रायवरमायरवर्षायरवर्षायरवर्षा भाग्रद्धाः म्यायवर्षा हीरही तरे त्यंत् खर देशवा तरी कर व व देश देश देश तर देश तक र (सर)। यद देश ता वासी सि. ब्र्याटकीर ज्यार देशरयातात्र भ्रायास्त्र । ए ग्रेसिन्स के त्रास्त्र दिल्या विश्विद्भितास्त्राम्यास्त्रा प्रविश्विद्रास्यास्त्रा र महत्वाद्रियास्त्र वक्ता अटबारायदूरत्वां तर्दे वक्तामायदूव । मेर्यं प्ययम् वर्षाक्रीक्वेव वयम। में चर्डर चर वि. हो रूपा चरामा सर ए में एकर किर कर किर कर। वराम मुका राष्ट्र वायावाना मान्यार। व्याच्यार्थायारमा व्याप्याप्ता व्याप्याप्तावाना व्याप्याप्ता

इ. मेर.अरेट. यानिकाश. पामर्टर। वडर.स्य. शुल्यभाई योश्वर। कैपार्थ्य व यार. ग्रीम.

विवायनवा प्रवेदक्षाम् तामायहास्त्रहरा प्रदूषम् मिर्मे मान्त्रे प्रमाने दर्गः

मर्ने अर्थ म्यान के माने के कार्य माने के अर्थ है है अर्थ के अ वाधितः श्री चन्नदम् क्रम्भवन्त्रास्य श्रीक्ष्मी श्रीट्रयम क्रिट्रयम क्रिट्रयम वाद्रमहर्याम क्रियादा वार्ष्य । र्रा. वार्ष्टर्या माना त्या त्या वार्ष्या । व्या वार व्या वार्ष्या वार्ष्या वार्ष्या णम् व तमा वर्षा वर्षा । य वर वासायविवा मुणा मही मावराष्ट्र सेट हिर व में। भारत्राम् त्राष्ट्रियाचात्रेय । दराभदेदस्त्रम् प्रत्यावात्र्या । वास्तव्यवात्र्या स्र. पवाम. हुन। वालया वस्र राजना वीमा ब्रिया परिष्ट्री पक्र ह्न देश वा पहिंदा वि रक्षे श. र्वाम र्वेश याना वाता वा क्या । दरा भरेट क्या एति र वा विदान किर व हिव। वाण्यत्येरायवायायायायाया श्रीरह्रा छेर्द्रायनवायाहर वही श्रद्भारह रिभर्वन्त्व प्रवास है के दिर अदेर में सकेद रासे वा विकल्प देश में त्वास हैंवा श्रिमक्त्रीलम्बार्यम् विमानप्रके मक्तारम् न्यात्म्य विमानम् विमानम् विमानम् ह्यास्त म्. ह्या एसंदर्यसम्बर्धितात्त्राश्च्या हितायमा मदाबातिया वालवाद्यश्चे । वितिद श्रियात। हैं।व्रियाधि चामान्यूर स्थापका सुवा क्वारू रवल वार्र रव ववस्य हर। व वर से नेर्व लया दवसरी भावरास्त्राधीस्तरासेश्रेश वाराम्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् स्रम् विर्धितम् अति । स्रायम् स्रित्वी वर्षित्वी वर्षित्वी वर्षित्व । त्रार्थ्य वर्षात्वा वर्षात् वर्षात्वा वर्षात् याम्या स्मान्य क्रिंट लेबवरा जिलक्षा व्यान्य विद्या है वा के विद्या के वा विद्या के विद्या के वा विद्य के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्य के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्य के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्य के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्य के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्य के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्या के वा विद्य र्रताश्ची वारणस्थितातात्रस्यश्ची श्चारतिर्देशवा देतास्थित्वर्देश्चार् <u> বিশ্বনিট্ন</u> यानामा अर्चन्या सेवा हो अरूर विट हैवा तथ प्रहेर विव र से थ रे हिं व रूप ता ही इति । गल्य अल श्रीट्री में देश श्रीवारी वरे बुट ए हिं वर्ष कि बेर ने वर्ष ने राम कि वर्ष में राम कि वर्ष में राम के ता.म् रवेदानी,वालीरपार्यद्यपृति वक्किर्धदम्भवस्यवातप्रवित्रप्रवित्रपा किवातपृतिहे. कोर्रवर्षी भरेक्षणार मूज्यूटमूक्ती उर्वाभान्तर मक्षिणा मार्था मेरा मार्थित देर विकास प्रकार नमर्ताम् । कि राजभाम्भाष्ट्रभाष्य पञ्चात्रम् । काष्ट्रप्तर्भर्भर्भर्भार्भाया विद्युर्भा प्रेरावेट मेंट वर्षाव बर्मिस्सर्म्य मक्र हेंबर्डिक कुरा प्रहणक्रियात्वा देताताता किरतीयमक्षारसियात्र ने विक्र रवए तेत द्वीय तप् ता. शुला ई.पू.शु. पात्राष्ट्र. परं. गुना ्या. वर्षित्र वायल, ग्रेयाला वर्ष्ट्र वृद्धा दं. पूर्य वंशाला न्यर. 13 स्थूना स्थित्रया किरलीयास्यामा स्रेक्ट्रियाया कियात्रात्तरप्र वद्यात्यात्य पर्दर प्रमा वर्षेत्रवर्षित र वर्षा विष्ट र् लर्युम्मेर्। दम्मार्क्यमयव्यात्रियस्य वितर्भागाः स्वर्भवारम्यात्रात्रात्रात्रात्रा नर्थःत्रकाविद्रके अव्वाध्रद्धाता चराष्ट्रभिक्षयाता विवाश्रद्धाता देव जवस्य श्रेम और त्मारद्वा विवास्त्रवनार स्वार्धेरदेश अहेदा वर्ष्ट्रकेर त्यराहिना नवर वर्ता अपनि मेर्द्र गिष्ठभाइरहर में जमार्डर के जारे हैं र सरकार्यों है र स्वास्थार है। भु अमिर वर्ष वर देरी शहर शाह तैंश हैं के पास्त में र भए हैं जिस हैं खे । वर्ष से न बुद्र। म् जन्दर्भत्तपु जैमार्यमाम्बूद्रप्रदेश विकासिट पर्द प्राप्त वाथना देतर दर माजिया

यदात्राद्धिर्द्धराहेवाराद्दात्राक्षेत्रवाराद्दावराक्षेत्रा छिटार्भवायान्त्रा (वर्षणा) स्वर्थाति छित्र द्वाश वेदार्भ कार्त्र द्वारक्षिर वाद्य राम। द्व क्यास्वयाद्वराववयार्थात्रमा द्वाप्त्रराह्मात्रम् द्वास्त्रम् द्वास्त्रम् ह्वास्त्रम् ह्वास्त्रम् मावधु वार्त्तिया दृद्श्यूट्यात्रयावायात्यात्यंत्याकुर्व्यायक्ता केदासधुत्रातेया.ये त्राहर्व रिक्नेश्रेर यह देशका प्रविधा का लाइका प्रही देश देह नाह लाखा है का के जा के का के का र्जां ज्या अवासक्सवाती कर्या वश्यात वश्यात कर्या में नव कार्य व वास्तर कर्या में में में इंतर देश देश र के र ला है स्वरकारों। मित्रामाश्चरात्र्यातातात्र्री कालीतात्र्रात्मात्र्रात्मा न्वरार्ट्ड्रह्म्येवल्यु रदा क्रि. स्वक्तर्या राजियाकपायम् रदा विवर्ति र्या या क्रियाकर प्रमू रदा हरा प्रवर्ति र्यामक्तिमिक्ष्यं रदा दविषालद्वमित्रर्था या मिलाम् प्रवेशः 2 Alue ही वर्ष:वर्ष्ट्रवाहितासा प्रकारानास्यारकारामुनारहेरावानुदा अस्त्रेम्सरेवस्य तःश्वाचित्रावय्वेत। याचायाद्मवाता हित्तितात्राश्चातात्त्र्) हैद्रश्चात्राक्षात्रः सहदः याचिता लालका वर्षेट्रामार्थित क्रुम्त्रेश्वावयी प्राथायाष्ट्राप्ते व्यास्त्राचिता हर्षा पत्रवात्रियायात्रियायाया यायुग्धियावियाव्या याय्राविश्वायायाया अरत्या श्राप्त्या मियायास्य मियाया हेरी सेयायायात्या स्वरास्य प्राप्त मिया भरमर् क्रान्नमाम्भीयमश् सीटानुद्वारमाद्र । तस्याक्ष्मित्रमाद्र । तस्याक्षित्रमाद्र । तस्याक्ष्मित्रमाद्र । तस्याक्षित्रमाद्र । तस्याक्षित्रमाद नवर्षा हो उर्बर लग् मेर वी जार की मार की लग हो जा की लग की प्रमा की प्रम की प्रमा की प्रम की प् रक्षाका एकराता सद्य क्रिया रेग्रेची पर्य अवस्थात मिता व्हेरी केला मुन्यर १ चरेत की रह वालाला पर् प्र.में विवास विवास विवास विवास विवास वाला में कहता में विवास विवास विवास विवास विवास ्या समा वह ज्यानायात् रद्भिवायाहिद्र। वडदारीयाहीयाहीयाहीत्राप्ता पर्याद्याताया पर्वक्षा वडर.व्याम्पर्वित्वहास्य म्यान्त्रीत द्वारहेशन्दर देववी वात्रात्र देवता पर नेत मदः तपु प्रत्यामा प्रवा कुर्या वा यत् त्रा प्रवा निया । देरदः द्रा ता पृष्टि । यते द्या वराभाग्रम् सरादवादवादवान्या मेरापर स्वास्वरास्वरारात द्या छ छेद सरम रवाराजा वकावधवावाधकाकुरारिशक्राजा श्रीयाशद्भक्षवामास्यक्रिक् चामावश् डियार्वायाश्रदी र्द्यामार में बाहित्र दुशा तर क्षेत्रा रामा वेत्रात्र हैयाला मर्द्यारीमा केदाव में मार्थिया मार अवास जाता मिरायी दे प्रविता सप् में प्रमाया वाया में भर्षात्रेत तर वर्षेत्र द्वाता मायदे। वर्षद्वात्रात्रेत्वा वर्षद्वात्त्रेत्वा वर्षद्वात्त्रेत्वा वर्षद्वात्त्रे स्थिटपातारी क्रिक्टिक्ट्रियम्ब्रियरी अकार् इस्से येकात्री कर्ट्राम्यारक्रिय म्लर्किताताला के.अहए,चारलर् .के.वही देत्व.काक्ता हेक्कूरे,कूंबाका वा.परी इंटरे. ध्रवलतारी के.बरझंदरायायद्यकातपुरे याजा भुरे क्रें शिक्या क्या प्र

मावर वर्षेद हूर के जा श्रव तारी के अब रवराज ग्रेट नधु देवाला भू है कि रहा थरी रवराश। वदवार्थर चेरी देवाला वाविश्वास महामार्थात्वा स्वित्तात्वी त्या वात्रा राष्ट्र कर्मा तात्वव नागु देशका देशका देशका देशका देश देश के का का देश हैं का का से का की का की का की का की का की की की का की की की क् वार्ट्राचला वार्ट्रा रच वार्षात्री आवरवातावाद्वरवर्षात्ता पर्वित वार्यास्याता वार्षात्राक्षेत्रवेता यादी दरायर अधिवास पारता किरादेशकार इसार क्रिया श्रीरादेश केराया अस्य गामक्र नपु में याता स्रेराधुर जिंदशुल जैया मर्। ज्येश सर्व ही सी असर वर में याता भावन्स्रिकेरकी मन्त्री मिद्रदर तर्मेका श्री श्री दिर भाव केर्द्र यह केर्द्र माना मान्यान्यान्या विकारी व्यापान्या विकारी व्यापान्यान्या विकारी विकार विवास विकार विका वादमार्गारम् अवराताके वर् वित्ति विद्युत्यवार्धदान्त्रिका वर्ध्वार्थिका वर्ष्युति विद्युत्यवार् यामायाक्र्यमायक्रमायक्रम्याक्षेत्रात्रेयात्रे श्रीद्रक्रियाय्यायम्यायम्यायाः देव। देवयात्रात्रे उन्मान्द्रा मेरलहरमें तर्मा हरमा मान्य कर्ष में याना चाल्य हिया अवस्था रें अने देरकरी श्चर्याद्वर प्रभात द्वारा प्रदेश देवराध्वर प्रभाव देवराध्वर पर्देश देवराध्वर पर्देश पाक्रमाना रवेमाना रवेमानामान्य स्वार् बिराक्ट वर्षेट एकेमानाम् राज्य र्वायास्त्र विक्रा में त्या हे के जन्तर हैं के जन्तर हैं के जन्म का में के का मार्थ के का मार्थ के के कि का कि वी. सेर इं मू पर्दरप्तरेत र जनमात्र कुल केंद्र वर्तत्रका पर विरत्वाम, पर्द्रमाता क्यानप्रदेश मेमक्षाम् करतिर केन अलाहियाल। मुर्दनाल नेया कर देवी केन कर हो। मुन्दरिय पद्रमात्मास्यात्मर्देशया कुत्रे वे.त.पहण्यात्मिरे.यूर् त्रिमारवे.तप्रियात्मर्वा किलानपुत्रियास्त्रास्यास्त्रीत। यात्रामास्त्रिरायास्त्रामात्रीता कर्णराद्वास्यादे रकर.भर.रक.मा.पर्वर.तप्र.मेर्था मु.पाम.मा.चाराह्याचाराह्या किरवत्रह्याच्या क्षेत्राक्षित्रक्रम्यक्षात्रमा स्तम्वर्षित्रात्रम् न्यम् वैषायामा क्रियां मात्री क्षेत्रवा पर्वेर ०९०। क्रियां मार्थ मार्थ वर्ष क्षेत्र केरम लर. में या केरा ने या त्युवा हिन्ने या ता द्यू लाग्रेदी दाल अतिर अहिया कूंच अर पही जी स्टूट. केपान्यर्थर्थरमा यथाने विस्म्र्यर्भ्यूर्भात्र्य । रिम्मेश्वर्भात्र्यः भिर्मेश्वर् कियारदाउपान्त्रा, जाक्ष्य मेया रि.जाक्रियात्त्रास्यायात्यारेट जक्ष्या । व्यून्त्रहत्ते स्री। दिल इर. धर. र. तेर. तेल. व्रर्थ भाषा व्यूका इठ था कि वि व उच कि शतिक रेट. किया साम् शत्म क्षेत्र शुंदेर शुंद किया होता सामा वामा यहा एकि महत्त है बाया उर्देश प्राया वर्दा

र्मेत्रायद्वेताता। हिर्नेश्चान्त्र्याच्यात्रम् वारम्प्त्रात्म् त्यात्म् व्यात्म् वितातात्मेत्

चारित्यावता चाराव क्यातामा हरेता प्रमान में मान में में मान में

कितान्त्रिक्तात्रात्ता क्रिन्त्रिक्ता हित्तितारी क्रिक्ता मुक्तिता में वित्रिक्ता

Form

152 1320l

लहार्यामा प्राया में वार्षा में कार में लैया गुरा तर् रहरक्टा । प्राचित्र तिवार् राजिया तिवार राजिया कि आव वरक्षी प्राण्ये । राजेरारम्य रत्त्र काराजारता देव्यवार्थावार्त्त्वकार्व्यकार्थारता देव्यवाची श्री वडरा हर्दिती रमप्तिवी राप्त्रीर देश्वरतात्रद्व केर रद्वर्यकाला स्रिया का देवाला देवाला प्राप्त स्राप्त हैं गक्रमाहित्रही। की शक्तिकारित्रदेवला भ णायासामान्यास्त्रा क्षेत्राष्ट्रभारत्यास्त्रा वरम्भिक्रात्रास्त्री अववर्णत्रार वयास्ति। हराराश्चार्यात्रित्यास्ति। वरावजावार्यार्यस्ति। अक्टरास्ट्रायार्यावारह्यास्ति। यास्त्राक्रियाक्री से एक्. मुद्दा मायद्वात द्वात्म्यात्रा क्विद्वात्मात त्विया ह्वाताता वर्षेत्र ह या मेर केश्चर देश र दर र द्याप्नेयाचा वासायववा वक्षर हे र वर वर्ष राजा कर या वर स्वापनात श्वाद्र कियार्त मियारवयार द्राता श्वाद्र वर्त श्वाद्र श्वाद्य श्वाद्य श्वाद्र श्वाद्र श्वाद्र श्वाद्र श्वाद्र क्रुंच्या केरम्रद्र। यह प्रेट्वं प्रायह प्रायः (पहणा क्रुंद्र) यह प्रहिरं (क्रुं) यह प्रायः विवास क्रिंवं वसा मिर.इर.भ्रया.श्रम.अबर.एमरी रर.रग.यामवन्त्र.कवन.मिम.बता थे.म.र.प्युपास. उक्हेंग। कामानुष्टिकारः र्भवारी र्वेश्वेश्वरकारात्त्रिंश वात्रिंश वात्रिंश र्वा रेटलदात्त्वाक् वादालात्त्रा र्वालावह्यां विद 聖いれまるか いかまずをくいればいのるろう あっくりまくかいのだいいある、よかいれれれ (१ हेडील) पर्वतक्षित्र, लूर् प्रवेश लूर व्याता हेंच पर्वता श्राष्ट्रका मुक्क ही र ने र ने प्राप्त र माना र माना ने यापरी भरवायारेयान कितारापुर्यातर रे.हिंदा कि. लूर.पर्कि.क्रांडी मुलवातमम. [12: 10g मास्रमातारदेश दिवरेरामाश्रमाप्रत्मेश क्रियामात्र्येतातमा सेपारी सेराया. अक्र की पर वधियालया के अप व इंग के अप व से विकार कि पर पर देतर भारत है। 6221 मुत्रामकामहरक्रिरद्वष्ट्रियाचा वातीयर्वेबार्व्यत्त्र्ये। यहेद्वातिवीयाना असेन वियाय। रिटररेशास्त्र तयाराम्याची स्थान्यास्य सार्तिरादरे स्थान स्थान सुवन र्श्वस्थित । र्वद्रत्येश्रेत्र्येत्व्यात्रस्यरात्त्र्या क्रियत्रमयः द्रम्यद्रद्रत्री स्ट्रम्यद्र्यः भवाक्षियर्। म्प्रभा म् दिरामसार्द्र विवाश्वावतामा सूरास्त्र गतमाड्डी देशवा वर्षाताद्री पातराम् मेतावविवाश्वयम्। कूब खरे भु ना विकाल, एरें वे रेट. रे रे वा वे कि वे ते ते पर वे वे ता की विकास कर वे इस कार हरें हों हो gan / श्चार्ष्या मानास्य मानाहर। पालर में में वाम्यका भरः। यह वामा वसमानी रवास में वसमाने 如何户 भ्रामितास्र देवता विवादिक स्वता देर दर किया के विवादिक र प्रति के विवादिक स्वता के विवादिक स्वता के विवादिक स 4型之到 इत्यम्यान्यान्यात्रात्र्यत्व। रयत्यक्ष्ट्रम्णात्यः हो यर्वालया न्यत्रिः वर्षात्र्यः 12 young. म् मियारियह्माती अक्यार्थर में भें अर्थ एहं माती व्राचन मिस्स्या एक रार्टी 1303 पार्यम्भात्राम्यम्भात्राम् । म्यान्याद्रम्य वत्राय्याद्रम्य । देन्नवायः तत्रायः वत्रायः वत्रायः वत्रायः वत्रायः क्याराश्वर नपु जाराश्चा हि हूर एहिना हे व क्या अगरार वर वहर राजी स्व करी व की रटा शुक्राकी मूर् जासिकारटा के कुमारेश तर उदिर विरम ज्याना शुक्र स्कृत का जा शुक्र के रद्वेश्यामवाक्रिश्याप्तात्रमात्र्वा र्वात्रमात्र्वा रे.वणमाक्षिणव्रेत्र विव श्राद्धित वर्त्ते दार्वात्यात्र वीर्देश्य रे

देश बेर बिर शुरे प्रस्व र वर्षा । अर्थ है पर दें।। र्इस्स्युष्टिर राजा. प्रेयाक्य सेव. क. र्यूटमा यम् वेम हारा क्रम व में मवर्वा विसर क्षेत्र केवारा के देशवा है भी की (क) विद्रास्त्र के ने वा दार माराया राष्ट्र विद्रास्त्र के वा मारा माराया कर विद्राली वा निवा म्,पविषाचिवनाम् । म्,वानम्,किरवर्ष्ट्रातम्,रवर्ष्ट्रा किराध्वाधमाना स्वरत्वम् वी रव. में वाचना प्रदेश्यमा इरहिट में वर होर में दिलासा। क्रिस्ट्री की बीराजाराजारी वित्याताला मार्ट्री वित्याताला मार्ट्र में के बीराजा मधिरक्षितास्त्रापान्य। । अभिष्येत्र सर्हित हिन दिन स्वार्षित प्रति । क्षित्र हिन प्रति । विष्येत स्वार्षित । नधुश्रद्रत्री |ररदर्द्रमानुसरी किरसतीरक्त्रमान्त्री निरमवर्द्रयाची निरमिन लूरी किर्यस्थित्याच्यानावधुम्रिक्षिताला । छिर्यूमालम्बर्यामुध्येति । मु.वि.बेम्रेर्टातापर्या चारमार्थामः बेरक्षिरम्बर्द्र) वास्तिरवास्त्रियास्त्रिक्ष्यक्ष्यक्षित्। ववदानद्वाविद्वातात्वावस्त्र अ.सेच.यु.यल.वि.चालाद्र। चालर.यद्भर.येत्रतत्त्रत्रायक्ष्यक्ता (येत्रेत्रेत्रेवालाव्येत्रायक्यात्त. यूर्यो परमाक्रिक्त्याम् हेराही प्राप्त क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा तंशुक्ती अस्त्रक्षित्रस्य अपूर्वत्यवाता अद्यक्षितात्रत्यक्ष्यक्षित् व्याजद्यद्वात्रे ग्रेट्री मर्द्रम्याभरद्वालाभाद्यालाम् स्वितार्गार्यात्यात्राह्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्रा क्व. शर. अलेक. एरेसी अर क्षेत्र. श्रुंट. वे वर्ते रहट. एरेस विका मिर के वर्ते रहट. एरेस विका मिर के वर्ते हैं र्कट स्तर्भर कटाइम्झाइमा । अ.व.च्यार्च्यारा व्याप्त इता द्वारा है। यह वर्ष चलकाक्तिक्तिवास्त्रास्त्रा श्रेट्वाइव।(वस्तवइवः) द्वाराईदेशदः त्यावस्त्री मिर्द्रः जन्तान्तर्वः क म्। ता.चतिभातिर.च। तीभावधाताताम्। वेभाभावपुः वैवाववाभाषपावमाः वर्षाः च्यावे, रचवापुः वर्षाम् यानीकार्त्ववात के. मेवारवित्यामवाता (मब्रेश्वर् हमाक) बाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या मुग्रद्भाराम्भाराम्। वहवेत्रियावयाम्प्रमान्। दर्भवायायाम् मिन्यो। दर्भवायायायाम् विवाया युम्किटकिटमपुः विद्यवामात्री कावःकृत्रमात्रम्थित्यात्यात् किटमिमसु के प्रमासूचानकृता म्बर्तान नामा सरावितार हो। महत्व मित्यावर् वित्यात्या मित्र महत्व महत्व महत्व (ब्रिट्) नपुः पान्यत्येवात्त्रह्ते। नाम्याः हिट्ट्रियावमात्र्यात्याः विद्यान्त्रात्यात्यात्त्र्याः वर्षाः मून् यानमन्त्रेगान्द्रर्द्वम् । यद्वत्युविवद्वणः वावालम् विवादत्यात्त्रद्रित्यात्वात्वात् प्र्रात्मित्र मित्र हिन् भित्र प्रमास्त्र सर्वात वर्षात्म् स्तर्मा स्तरमा स्तर्मा स्तरमा स् लूरी र्मावयार वर लय कर्री ब्रामब् पहुंच वर्म हैयालेंची हैयास ब्राम्य प्राण लूर. मार्थेदा मेंचार्सेचात्रेतिश्वात्रात्राद्दा ग्रद्धमात्रेतिः इंच पर्वत्यात्रेता देनपात्राद्दाद्वा ब्या बैरायातेन। स्टायाधन ब्रिटायायर बिराकदा। या मरामियुक्तिया ता दी है असीता अविकासक्या राज्येर दर्भ रद्या प्रदेश रद्या यह विकास के विकास के विकास कर में

900

हैर.अपु.पाअ.केंब्र.श.ज.रूर। पर्शाश्चर.कें.क्वाल.कव.त.पा) भु. ब्रे.ब्रे.कायुवारद.श्रुश्चरो सेर. तिवार्गात्तर रू अन्ति देव केप प्रवास्त्र व्याम क्षेत्र व्याम मेरा क्षेत्र व्याप्त मेरा क्षेत्र र्वायक्टर त.क्टर ज्ञारी वर्षात्रात्र्य हिंदे। एस् क्ट्रां अद्वा व्या क्ट्रां मान्या के. मू.र. रपार्वाता मुलाइएट्ट्ररी विवर्धियात्रारव्यस्यासियाक्य । शहिल्द्ररेत्रित्रार्ट्री विवरप्रकृत्यद्रव. श्चर म्यायकर वर्षार श्रेमकरमेया मिर मिर श्रेम वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित रंगर्यातात्राम् रदर्वेगम्यूनाविवात्रव्यात्राम्यात्राहर्त्यः। इर्वनम्भ्याम्यान्त्राम्या द्या वर शे. दे से रशिरणी यामत्र अत्र अवत्र अवर के मुवर वर मिलाकिया दे तेर किर अप किरा क्रियान वरार्र रेव किया तपु विवास क्रिया वर्षर विवास वर्षा प्रवस विवास वर्षा प्रवस विवास क्रिया वर्ष अवता प्रकेट,अहरतार. छ. सूर। केल. प्रकुत्रात्मा अत्याता, विर्ह्णात्मी श्रुवात्मी विवासी विवासी कुरायक्षेट्राज्य के यथित दे किये रे जा योहर्त हिर्माक्ष्य से ये सिक्य कर मिनिक का जारी येम हिर्द्धा मामरवत्त हिर्द्धा महिरायं वर्षे महिरायं में वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे महिरायं में रेमयात्वर्णात्रमा (ववस्र)कुर्तमपु विविद्यिराधराप्तु केर वरसाम्। क्रानाह नेर्से। तु श्रीत पुराविकास कार्या है। कार्या पुराविका समामाया माने वर्ष रहिरण देशवता महिवत्रेयमहार र्यात क्षेत्र केट्यो मरण प्रवेश वर्ष र या महिवत् वर्ष र या इ.स. रेशकायर् प्रारमान्यात्री किटलीयात्रक्तार सैयात्या चालायविवा स्पानायात्र त्येर सुरा प्रदेश त्वायता इर के आक्रेट तिवर्रेट | ट्रंट्ट्स इमानेकार्य श्रे प्रकेट के देलक देशवर्ट्य भागा में जन्मा अक्षत्र मेंद्रद्विताददा क्रांदेशत्मान्यक्ष्यां देवाददा चार्षण पक्षत्र नेवाचित्र व्या मेट्यूचल व स्वास्त्र हिन्द्र वाला सम्बन्ध कार्या व सम्बन्ध कार्य कार्य व स्वास्त्र व स्वास्त्र व स्वास्त्र व स उन्दर्भतिक्षामा वर्षान्यामा । १वर्षेता तर्वेतात्त्रं र्वामण्डवा रिवसत्तार्थः हैंता वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं र्ड्यालकी विभाषा, मार्ड्याक्षेद्रामहोदाक्ष्य । शादान्द्र देटा क्रियामहोद्रिय । मार्यक्षियोत्यामादास्य श्री मेरेडे । देविका हरा वधी कार्यात हरामरे देशिय मुख्या प्रीय मार्थ हैं मार्थ हैं मार्थ हैं मार्थ हैं मार्थ हैं रवात्रक्रद्वारे द्वातावश्चरा उत्तर्भारवाया द्वा ध्रियाताव विवास विवास तासक्ताकी, अरेरेश्व.दी संस्था, पूर्वाक्ष, प्राचिताली केमारक्ष मानदानी, वट. यु. प्रविधाल कुन्दन स्मान अल्या त्या त्या त्या कर स्वतारस्ट दे प्रदानी कर । इ. केशान हिंगा नह रहती वर्गा जिला अवासेवाक्तरवालक्रिक्ट्र केरी के. इ.रंभवा कुलार देवूदाता वेवान्यं विश्वक्रि के.व.रं याजरी प्रकट्र प्रथम कर्ट क्षेत्र में कर्ट क्षेत्र में कर्व क्षेत्र क्ष अर्रे देश्य भुश्यातानस्र कितान्युरक्ष्येत्र रहे शुर्थ्युर्भू वार्यातान्युर्थे Muck 1 म्राय्यिक्रिय्तावर्षाम्यात्वराम्या भिन्नरात्त्रा भिन्नियात्यात्त्रा

न्त्राम् क्रिस्मित्राम् । विरम्दः क्रिं हिर्दित्तिर हैया क्रिया के म्राविया तथा मुद्रम्भ मानेदा र्भराव्यात्रीद मिवारतिद्यूर्करा किरायष्ट्रभारतिद्युराश्चार द्रमाराग्नेरा श्रायमार सेटार्व भर्त क्रा प्रक्रियाता किट हे ता शुर्व वाद्या किट म्या हिता है। यह वाया वासी वाया का ति है। देवराक्षरकार्यात्रकु वास्त्रका । वर्षे में मुक्त में मुक्त पर । पास्त्रक सिर्वास्त्रकाराध्येत हैं वर्षेत्र र्भराम्यान्तरकाराक्तिया दरम्रहाम स्टान्याक्ता म्हान्यरे स्टान्यरे प्यूट.कट.श.हरण.वेल.मेल वि.लय.बट.ण.कट श्र.ह्यूजा कटलेट.अ.वे.टण. र्य. प्रेंग मुरुतिस्टालके खूबाक्या न्व.के.म.वे.रा.हेला.हेला दुवलदंशवासे ह्या.के.एवंदी सु देनेप वर्षात्रमा मर्डिया पटा वर्षात्रकार के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के र्वायानार र्वाया र्वा के विष्ट्र हरा हा कहवा है सामिता वा परन्त्र मा हेर हिर करें वार्या है। ब्र वर्रक्तिलहें भेनतरेव । क्रांत्रेरक्तिक क्रिक्टक में क्रांत्रे क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक इर.१.तर। । १९०१ इर.१८ मार् कर १८० मा। । वर्षा भारत में प्री र्। देश्यत्त्रत्त्रव्यान्त्र्व्यान्त्र्यान्त्रव्याः भरत्वयान्त्रत्वतः वक्ष्यान्त्रत्ते देरविक्रवान्त्रित्रत्यान्त्र इव। रिनय पुर्दितपत् व्या प्रकेरदे। मेन्द्रिक केट नेवा यह विवास्त्र । प्रमान्य प्रमान्य द्रदर: का किट अव वाक्रिक्त के वा कार्या निर्देश की वा कार्या निर्देश की राजा म्त्रेश्याक्ष्याम् म्यान्त्राम् स्थाने दरम् में लग्नाहर्ण विश्वस्त्रम् में स्थाने में स्थाने में स्थाने में स्थाने में स्थाने स् मक्त्रयात्रीरवशाणमादिविवयात्रद्भारता दियाद्त्रमाविद्भारता नेयात्रितात्र गुन्दर्भवार्यद्वर्भभावित्वराविवता वक्षद्वर्भवायते रवक्र्र्द्रभविवर्धराविवारान्त्र्री रैयामाध्याप्रमास्त्रामक्तामार्गः लचक्ष्यक्ष्ट्यामार्ग्यत् । यमानावपस्ति बद्धावापणाणा रद्धकुर्ते किए ग्रेराहिशाचेश के सै बाजकूर रद्द वदल पूर्ण मार्गर मुद्द शिर्य के प्राक्रांश है प्रेर हैं। हो से सामित्र क्र श्रापद्र क्षेत्र भिरम्भा इ.म. द्रा त्यातात्वात्रात्याया क्षेत्रक्षेत्रद्र्यम्भक्षावात्वा रगरः इंग्राक्तित्वयु के मेर देशना हैंग्रार्य राज्या राज्य राज्य हैं ग्राय वर्षेत् श्रायक्त 1300.00%(एत. तथ.परेरी एके.रियाशुक्रामाक्षेत्रकातात्रराजा केराई ए.से केरान र.र.) इंट्किंटी. पंत्राम् प्रामा हिर्गा वर्षेत्रात्त्राक्षेत्राच्या प्रमा वर्षेत्राच्या । र्वास्या । य.पर्यात्मानेमात्रा किंद्रशिर्वाध्यात् यासस्त्रीया कें प्रेर.श्रेमाविर.क्रियात्मा र्रट्र्याय्यात्र। येत्रात्रः मेयायात्रयः त्यात्रया र्वायः स्वस्यात्रं वरत्वे वायाव्या क्टलास्यार्यार्याः देदायी वर्षायामा (वर्षा) विरक्षित्ये वर्षार्थे वर्षा स्थाप्या स्थित है र है ह स्ट्रिं म्रह्मा तात्री तादार्वायम् शिदावम्या क्यार्वा वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् द्युः में काल्यी केर डियाकुवी तायमवा यातालात्री हिया हर्ति देश वश्या परीपार लागी श्रीट. नीता अहर सून किट की वाराती कु पूर् काराता कुटपह्त सून को की वार में कार में कर हैंग

Hoof 301

142

154

री.एववला मायावी सर्विद्वतामार्यात्री कू.किरावर्यात्त्वातर्वामाण्या के.व्. क्रम्भायः ते त्राह्म प्रतिक्षाका कर्ष विद्वालिय। सन्द्रात्या सन्द्रात्या स्वर्था स्वर्धा स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्धा स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्धा स्वर्या स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्या स्वर्धा स्वर्धा स्वर्या स्वर्या स्वर न्स्य? पर्भावूर। वार्णार्श्वेदाभूरतपु.के.विजान। शुर्द्राभवूर्त्रभूत्रक्रनावश्चेर। देश्यामेर विशेषामा

3.4M.

23

42:251

कुर्वाल्या वनस्य विषास्रव स्व स्व स्वास्त्र । इंस र्वास केवरर विष्य परिवा एकर मान्यर मा द्यारात्रपुः जाना उक्तापर्द्र करामान्याद्वार क्रिया । स्व यामिट र हर्दर दे अविवास्त्रे या । द्यां स्वरहर ह्या.सेल.केट.वरु.टेला अधिकाल.अ.७अ.च्याए.सेटल.इअप व्चिश्रमात्र्य.श्रमात्र्य.श्रमात्र्य.श्रमात्र्य.श्रमात्र्य. यत वस वायसवाइराय वसवासा दुवाचीदावा भुदोहीते कुळाता रोयसपूर पर्य अस् भे वे दुयसा रट.केथ.के.में जाजवाद्वर सेटला रमम में मूल वर्णमा वर्णमा वर्ण वर्ष केथ के मार्थ मार्थ राष्ट्रीया यात्यात्रियात्त्र्यात्र्यात्र्याया सार्यात्रक्ष्या सार्यात्रक्ष्या स्थात्रक्ष्या स्थात्रक्ष्या स्थात्रक्ष्या र्यःक्रियेर्यरताराज्यः महण्यर्र्या विषमत्त्रः क्रीन्षे च बराज्या मर्ग्या मर्ग्या मर्ग्या क्रम्मेश्रद्ता शरको क्षेत्र.क्रें ता रतिरत्वेया तप्रश्चिर दे सरवर वता क्या त्रा में नायू ता रत्ति विवता विवता क्षेत्र अयो. मुद्र मिर् हें में दे हें में दे हें में दे में में में मान किया ली मी में में में में में में में में में र्हर्या सहस्र के जार है। ये रेय रेया में मा परिया मा परिया मा में रे में में में मा मा मा में हैं या मिस्ट्रीय देशे दुवारक्वाधि वायानेका एकर हिंद्वर्शना खुवार् तहुना खवयाया कुवार्यो । इत्र विवाद स्था कु. केंगार्रेण पट हे.मु.तेमा र्व.१. प्राय प्राय प्राय मेंगा पर प्राय प्राय है। पर प्राय प्राय है। ब्रिंगान्वता ब्रिंदर्न्य विश्वेष्य देवया देवया भावी देवया क्रिक्रेया अहर्र अधि अभक्षिया है। स्रायामातास्त्रिवयर्ततास्यवतत्त्र्येत्स्य । अयामायास्त्रिवयर्तात्त्रेवयरा देवर्त्तायः क्टरात्तर.ववया भ्रिक्षात्ताभेष.हैक्टिकाह्यताताभेषा देवयात्रावरस्थात्यात्री ।इर.इक्षेत्र. विद्रात्रिक्यामा रदावा है. ल. यूटाइर . लूटा दे स्वाता हैं रे छेट . जाववया श्राया सेवारेश ता सेवारे पटेंचा.हरा.लुरी द्रं पर्वेट.इ.चीर.स्युश्चाला प्रतिन्या प्रतिस्यालीय तारा.वरुद्रवाला पर्वे रेच. वयान्त्रप्तिन्त्रावदायात्र। याद्याय्ये व्याद्यायात्र्यात्रात्यात्रात्र्याः व्याद्यात्र्याः विभागाः प्रचीच.हीय.ता.णर.हिश.अर। दक्ष के.रेए.श्रमता.ज.चरेरा देवसाराजन्रदा. कि.चे.लूरी प्रवास. वरं बार्डाता की दार के त्या के दार के ता की ता दाया है। की दे ते के दे ता वार वा विवास सरा विवास र्वास्त्राण हुन रेरा नेरा रवारे । रवारे पाक्षण रेरा विवास विवास हिर पर की मानी प्रतिहास्ताकर्त्वेषातामात्ववेषता स्रमाहत्त्र्ये स्रिक्तिकर्त्रेष्ट्रा यक्रद्रवास्त्रभ्यद्र। वर्षद्रद्रवराक्ष्यकार्यद्र। स्वत्यक्ष्यस्य याद्रप्रद्रा स्वत्यद्रवार राजाराक्तित्वराक्चेय । याद्यव्यद्वरात्र्यत्यात्यात् । यात्रव्यक्तित्यमः त्यादराक्चे या वर्षरा क्रियावरास्त्रीत्मी तार्गास्त्राक्रियाक्रियायां साधीता तार्गाम्यास्याक्रियारी यरमेवायां अ.प्र.पर.परे.ल्रे. सर्र. वर्षः चलल्कि. दि. प्रवेश निर. त. प्रेर. यता मार्

में चार्याय के दल तर् हैं स्रेशित्वर्या नारी के ही प्रवेश श्रामण के हैं। यो वार नार में के वार नार में वार नार

न न्याचारुकार्ता पर क्षेत्र खवा याद में कुला देव माई, जनवा नेव व्यक्ति विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास के त्या द्वेग्रव्याच्याच्यात् क्रिया द्वेया व्याच्यायाया क्रियाच्यायाया क्रियाच्यायायाच्याक्याच्यात् वर्षात्

यूटा देजवातात्राचाता(चन)मरी प्रथम केंद्रवाया केंद्रिया प्रदेश हेंचाकियात्रा बेट रव्याभारी क्रा.च्याभ्य स्ता. ए. र. द्यापायाय व्याप्ता वेदमर्यूट अवाराई में कुरा र्या है असे

प्रेचालकुलकूर। विवारमस्याम्बद्धव्यक्षियारायर्त्या मेलारमस्याक्षियावर्ष्यः । वाम्यक्षि

णालक्ष्याचालका लद्भावात्रक्षां म्यादेश म्याद्भावात् म्याद्भावात् व्याद्भावात् व्याद्भावात्य व्याद्भावात् व्या

देवपात्रात्र विधाना क्रायात्मात्मात् हिन्द्र हिन्द्र विद्यात्मात्मात्मात् । वापारान् वापवाने विद्र वार्ष

एके.पार्षके.पात्रावाष्ट्रवातात्रुद्ध। पार्ट.के.वात्रायः वाद्वातात्री वाद्वाताव्यत्रात्राव्यवातात्रात्र्या

कूट म्याश्चाक् परवासर्। क्रियानव्य म्यानव्य मान्य मान्य । पर्वत्य प्राप्त राम्य प्राप्त राम्य प्राप्त व्यापति

मिवाम्त्रीया के स्ट्रम् वर्षेट्रम् रेयर प्रयोग रेयर स्वयम्य प्रमास्य प्रमास ब्रि. ब्रि.क्याम् र देवेव विया अर् में मह्री र विश्व किर्या ती प्राप्त केया कर्म

क्रि खर्यात्रक्रें यात्रता वर्यादर है, जन्यायायायायायायायायायात्री देख्नेक्यायायुवियायाय्ये दुलम् मिर्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक

यादक्वर्ष्ट्रियाद्युः हेद्र.हे। देशप्यमेणात्रेशपाते काशत्रात्रे क्षेत्रप्रम्भागाति क्षेत्रप्रम्भागिक क्षेत्रप रिया किराम् अरक्ष्यक्ष क्षिया द्वीद्या देतप्रवर्षेण विश्व केरा क्ष्य क्ष्य हैं स्वेशक

र्व.रे.ज्यम् रेब्र्स.क्या.क्या.क्या.क्या.क्या गिक्स्अहिसीर ही।

मी काला का कर मार्ग मेरे। त्याला ला मेर के का का का का का की का की वा की का की का की का की का की का की का की का

क्रियाम्बर्धनाम् वर्षाम्यान्त्र वर्षाम्यान्त्र मित्रार क्रियार क्रियार क्रिया वर्षाम्यास्य वर्षाम्यास्य वर्षाम्य

भी स्त्रकारदेवल क्रिंद्रमा शार्रियो श्रेमारा है। श्रेमारा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा

या.चर्.कुन्नेलीलारी.पत्राती.रेट्या धीरवा.वहताक्रिक्यूप्रीरवया.पर्र. (वहेत्)। कुर्यत्राम् मूर्यत्री हे.वा पा

बिर्मुक्केश्रिर्श क्रिया क्रिय क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र

नेत्रास्टर(हिट) छ्रद्र। मास्ट्रियालयास्यित्र क्रियास्य स्थान्य म्यूर्वास्य म्यूर्वास्य

यूट्टात्राचानात्री नेवारूट रत्यत्र त्यूच त्यूच विरादर। मि.पार्ड विराहित (बुर्ड) ४ वैवावितारद्या में क्षेत्रा किता.

राक्ष्य वत्रता मिक्ष् य तमक्ष्या दार पा य वादी देवर व वद्या व वद्या मार्थित प्राप्त देव। के वर्देशकी में व व्या

यनीवत्या रत्तरम् कासैयाकै.सू.चन्ना का उप्तरंतरानामुन्ना वासन्तरंता वासन्तरंत्यपेत

र्ष्ट्रिया यास्रमाण्यरी प्रयोग क्ष्रीय या हित्या र्यामाय क्ष्रित प्रत्य स्था सम्प्रात्मे हिता

म्यामस्य हर। क्षेत्रम्भरणायर्गरम् । म्र्राम्याम् म्या हर्षाम्याम् ।

में अपाया में अपा के में में रेगर विवया पास्त्र मा में रेगर वर्ष पायर प्रमिता है। म्यूम् निमान्तिया है व तय वेस ही वस्त्री वा ल्व मेरी वा ना मेर हिवाल हिवाल हिवाल हिवाल है। वरि हिर हिर हिर इन्त्राहै।= दे सु श्रे अधुक्तर मेंद्राता किरोश है यह जा माया क्रिके प्रतासक के वाश्वर वास्ता करता वासर मिट सर्ट्या (क्वा भूग ब्रिया मिक्न में या किव हवा बाहरता में में प्रका किया में रे क्रेनेस्वरा चए विज्ञिम सक्षेत्र। देवानू सरिताल ग्रेमिया स्ट्रिकार में क्षेत्र प्रमान कर्मिया प्रमान कर्मिया स्ट्रिकार में रर्पाश्रीतववाकुमानेमाइरेच। वरविदाववैवाकुर्देद्सीता केवात्ताकाकिर मानातरे। उरसे. कुलदालातार्यात्यायिक्या । शुक्रेय क्रिया कार्य देवा मार्ग र मूद्रमात्या देव्दा मार्ग हैर। हिद्रमाय परेया केरिया अपूर्वा विश्व विश्व विश्व करे के किरिया कुर का निर्वा कर के किरिया किरिय उज्हान का रमवारम् मन्ने वार्षमा कु मेर्टा व्रामेर हीय जमा वर्षेता में या मेरा प्राप्त हैं में मेरा मेरा अवाक्तः व्यवकाराक्ष्याक्षित्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्ष्याक्ष्याताता । वृत्यः हिर्दात्राक्ष्येत्रक्षित्। अद्रद्रभात्रक्ष्येत्रवाक्ष्येत्र मी इरायान्यात्यात्यात्यात्यात्व्यक्षिणा व्यक्षरत्येव वी हे क्ष्यर्त्तिणा वहरत्येत्रत्या मुक्त द्यावा तर् क्रूरी त्राच्या र्राच्या विवास्तर्या केवास्तर्यात् विवास्तर्यात् विवास्तर्यात् विवास्तर्यात् विवास्तर्यात् विवास्तर्यात् विवास्तर्यात् विवास्तरात् विवास्य विवास्तरात् विव मैं में में भाषा जिंदा हुं प्राप्त (इंदर प्रवाद) वड भारी वपमाय वेव । यह मेर विकास देशकर है। मार्डिल। इ.र. १ तर तर वस्ता श्रमा के के मंदि वर्ष के प्रति देरियारवारा वर्षेता स्थान के बीटा देश्ये वर्द्या अस्त्रेत वर्द् (के) वि. व्यव द्या देश्ये विस्त्रे म्बेनपासेकारवासम्बद्धाः प्रवहता वार्षाः वार्षाः वार्षाः के दे कि दे विद्राह्म स्टब्स्यामा वार्षाः विद्यास्त्र रे.चड़ेर.का १ इसला ब्राज्यकाम्द्रतपुः परादेग्रियो राष्ट्रकार (१०९००) स्थ. क्रांत्र, वर्षेत्रदेश स्थान । श्चात्रम्या द्यावर्षदाह् केर) भरात्र प्राथितिया सिवा की. वधुत्ता विव केर (विर) पा क र्श्यमा दून क्रिंद्र क्रिंद्र नेवार रेत्र देनाता चित्रवयाक्ती विवाय तास्य केरियात केरिया केरियात केरिया केरि किह्यायात्रात्वा । मी क्षेत्रप्रकर, र्योप्चायप्याय्यार्थः र्यास्यायद्वापद्वाप्याय्यार्थः स्मरास्त्री द.श.कूर.रजाए.चर्डे लाजी.रजाया.चेताली पटारटाणार्रजाया.याराजूर.द्री वीरताबट्जीत.से.पटुरात्पर. करम्ब्र । हि न्द्रित मेवर्र र एक्री माराज्य । र र र क्र मा से में मा पा के प्राथ के प्राथ करे र भग्ने भवी रवत्वावश्वी रवे एकदामाइ वर्षः मेव अवैदातवी । विवार मर्या देवा या विवार मर्या स्वार प्राप्त प्राप्त र्वास्त्राक्ष्यास्त्रम्यास्यास्यात् वर्षास्त्रम्युः स्वास्त्रास्त्रात्रात्त्रात्याः स्वास्त्रम् स्वास् पर्करावेच व्यापारपट्टपट्टार्डिकेर. भरताया क्रामाड्ड मेर है। रमण्यम्भाक्तिमार्भित्रक्षित्रक्ष्याः कृत्रत्याः त्र्वेवान्तर् द्वान्तर् द्वान्तर् द्वान्तर् द्वान्तर् द्वान्तर मह्मक्षा के मार्ट य महामार्थ वार्व हैं वार्व ह उत्राम् विद्य रेकारे । मार्वेद्वपु रहान्त्रम् एक्ट्रिकाम् क्षाय प्राप्त रेक्षिय प्राप्त मार्थ मार्थित क्षिय प्राप्त मार्थ मार् र्वाएके। क्रिया महावश्वास्त्र खेवरायस्त्र द्वी हिलास्त्र स्वार्य वार्य वार्य वार्य

ग्रेर्न्डियम्प्रं केणाश्चार स्वास्त्रं स्वास्त्रं स्वास्त्रं राज्यर प्रतिकार्य मिरस्य प्रतिकार केरस्य मार्श्यम है मेर्द्रही। शुष्टालाहोम तार्थिय रेदा प्रात्मालाम त्यार देदा श्ववलवसुर्वमेदावर रा रमास्त्री व्यात्रपञ्चावरावस्थात्राच्यात्रा वहेवतप्रमामाश्वरक्ष्याः वत्र सेवयविकार तैरअहिद्धाक्षे रार्द्धा राष्ट्रवाराष्ट्रवाराषा व श्री द्या पर्देवता श्रीश्र वाला मृत्य वहीद है। दर् वा तरमुत्विर देव। त्रुप्रर व वर्षेत्रया विवाय विवाय विवाय प्रमुक् के विवा की या दाव विद्या ति प्राथित हैं वह के विषय से के के विषय के वह के लीपाउद्दूश्चीरारेवणा उत्तराकु वर्षास्त्राका रहतत्त्वली वर्षास्त्रकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकार निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार्यकारा निर्देशकार निर्वेशकारा निर्देशकारा निर्देशकारा निर्देशकारा निर्वेशकारा निर्देशकारा निर्वेशकारा निर्वेशकारा निर्वेशकारा निर्वेशकार निर्वेशकारा निर्वेशकार निर्वेशकार निर्वेशकारा निर्वेशकार निर देवयाती से बाजा क्या पार्टी वीर इक्टर कि वीर अवह से पार्टी अव विभाग पर के दवरा णवयात्यद्वी क्ट्यात्यद्वात्यत्यद्वात्यत्यद्वात्यत्यद्वात्यत्यद्वात्यत्यद्वा वरास्त्रद्वा वरास्त्रद्वा वरास्त्रद्वा नए म् नेट्रुट्री यावाधुकेरामाव्यवातातरी विद्वार प्रमुक्त्वविवातासीयापुरी ट्रायर्ट्र उद्युः गुरवर द्वा वादव को देवा वहेता वादव से वादव को वादव से व वलमा वर्षः वर्तः खेराता वलमहलय दरद्यार वर्षेद्रदेशहल। द्रभवविष्ट्रदेशहल। पर्) मुत्रवामामाम्रास्य वद्वता पह्यमान्वा वाच्यामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स् इंद्र.पात्रादेशयो.यनेश्राक्ष्येवदेशत्त्रात्रेता अयाश्रायकार वश्य क्रिरंत्रवत्त्रे दात्रात्रेत् मि.बेट.लुवा ल्य.परं.वधातात्रास्तरं.रू.मे.मरी काक्ष्वात्री.स्.स.प.लूटा स्रावपुरद्वकार्येया स्य.स्रा लावा देर.वर्ड. ददत्रप्रताला. जावा रेका प्रकार्का कर हिया ठाताली कर वह माने हैं कुल कर कर कर के रे.लूर्या कुर्याय समायित कि.कुर्याय सेवालुर्या स्वरक्ष किर किर किर किर किर किर रही पर्व स्वर पर्व र क्रे.रचन्त्रचारर। अलक्ष्यः सूर क्रिवरिरवश्या बारकेलत्त्रक्ष्यः त्रेष्ट्रवारी वस्त्रवर्त्ता विवस्त्रक्ष कुलकुलाररेव। ।यूर, हेंब. २८, याखुला का. खा. खर, खरी त्या. खना तपु व व द. है। रहा पट स्थान र्जाम्स् रिजामहर्यामर्गामव्यत्ता क्रिक्रामक्षात्त्व्यात्त्व्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र श. ज्यांच य. १ यात्रमारदेश. चरदा या. सुर. के. केंगालय तरदा रिट्या के स्वा अव में व रदा 'ইবাইবা रतए.क्रेर.केडम.एवरव्याचना इंद्रिक्यालक्षेत्रक्षात्रेत सि.प्रापक्षर्राप्त. hard strong. कूर.प्.र्.केका इट.प्र.य.वे.वियायका वाचा किटामक्राय, होपार् क्रवया कुर्यट पर बीट वीटलाइन लारी एवरला झे के वीटला शर्रारताए केलाड़ी रेशूलाई वर्रें से बाह्य नात्र पर्यें वा मुं मदुव केद्र सेर.ववला यालकुर्वाची वर्ष्ट्राती वर्ष्ट्रात्री में वालक के माना का प्रकार के नाम का प्रकार का नाम का प्रकार के नाम का प्रकार अर. क. थ वा स्वयः व्यू वा प्या व अव । अरेट. व. रव. रव. रव. रवेर. भें पार्थः मू वा परी। अकू व रूव मू में व्यू पववा अग्रेंश्रह विष्ट्य वार्ष्या त्या वार्ष्याता द्या ह्या या अवत्या अ रिमा खूंबामा सेपा में याश्या वर बिया या अध्वा वा या के या पा के वर पा के व

158

्रेश्नियः । म्यार्ग्नात्र्वात्र्रात्र्वात्यायात्र्र। इत्यवारवदवाश्वद्याः विक्रात्यात्र्या द्यात्रात्या सर्गाण व्रात्मरहरी केंद्र सहमानाल देशक श्रेम श्रेम सम्मान स्थान र पर्या देश देश सम्मान र्गरक्षेरीलायियना परे.भर.च.इ.१९.३र.ला.सेरी। क्रि.भ.६.मेरे.ही। त्या इरिट शिर्मे र मिरास्याता र्रा. इ. य र मा है क. ज. र्या र से मरे प्रमा शिर र मा वर्राक्रियाना डिवामा अरक्षित्वा तर्ने त्या प्रदेश विवा तक्ष्यर व्यावा वा डिवाम स्था की वर्र स्विवास के केटा है उतिभवीरमा अटक टाउड्रिया मा किर्यामा या है। यह मा किर है। यह मा क इ रक्त र क्या अप्रकार के किता मारा प्रथित कर कर कर का किता है के विशेष र प्रथित कर कर के विशेष र पर कर के वाताचालरक्ष्याल्येषायोता क्रि.चरति वस्त्राव इर.कुर्ग कुवातव सर्द्व देवा स्त्रे 多月 हित्त्रमाडी शिक्षत्रमा म्यान्या मान्या मित्रकेष हित्तमा मान्या मित्रकेष कि वितार मान्या मित्रमा मित्रमा मित्रमा गालाक देर हैं। धी.काशुर.वा.श्र.जाहर भूर.पर् जैर.वटल.वार्ष १ में कवर्यना रेटी ड्रंबल लाहर थे जा लाहर थे जा लाहर थे जा मा जा रही वावरा है है का रा द्रिश्रामास्यरातरायापात्वापद्रवता नापद्रविदास्यातावाश्यी तीपातासक्त्रास्रीद्रक्रिं ्रकट मन्ना म् अत्र भर्ता है सैनातप्रमेता तप्ति में भेरमे हि में मह अप्ति में है से हिन में अर्दर.च. के. बीबारा हुर। मुराषु के.बारामा वा.रेपूरी तीपार नेपाष्ट्र ने हिराण रेवर व मिरा वपी सि.वर्टरम् रव.राजाता नैद्वपुरी अवुर.रा.श्रवपुर्वर.रेप्र.श्रिश्चरा प्र.वर्ग्ने वर्ष्ट्यापूर्वरेता यरेट्ड्याहरा देवसेला छप्ट्रिया दहेवाया जनामान्यूरी खरामंत्रयाते सेट्ड्र प्रायण्ये ट.वर्रेट्ड्यूच्रेत्र.त्र्याय.वर्तात्र्यात्र.वाद्यत्या ग्रेवाज्ञ.वर्त्वाय्वे.तर.चर्वया.संदी सैवस.सेवा हिर. सुर.कुर.के त. म. महिता (भरता) ये वस्तुस्वय मेर.के में न्या परी तीरा बीर स्थार. क्रिन्द्रिशवेदशक्त्राम्य रे.बास्त्रंदर.बादविधरात्रेन्यात्राचीता भुदःचान र.चीवासभूद्रं क्रिं बुट्रचरपर्। रमग्निक्षेत्रके महारक्षेत्रम् रमार्टी रवेश्वरक्षिया रेख्या देख्या लारामाना के नामा कराहे। में नामान चति तहता सामार तहार हारा वहे प्रसामे दृष्टि तहत ्टे.अक्चा ता.लूट.र्वाय.मूरी रे.ह्न.र क्रेयात्राष्ट्रय.सीता.तप्ति कव.ह्व. भूप.मूर्या मु. पवर व पश्चित्र व के अक्ट पर्य विवाद अर में या के व विवाद अर में या के व विवाद अर में या के विवाद अर में या के व प्रमानका कुरमान्द्रिय मानुसामा अस्वर्रित्य सानुसामा अस्वर्रित्य स्वर्णा स्वर्णा स्वर्णा स्वर्णा क्रम्या विश्वर वास्वामार्थियार्थेया केविष्टाम् मेंद्रामार्थिया द्रामार्थियात्रेया केविष्ट्रामार्थिया र्रक्षम्रर्वर्ष्ट्रत्र्र्य्येक्ष्या वरङ्गङ्गक्या चर्ष्याङ्गक्या चर्ष्या इत्यान्या इत्यान्या हेव्या वसम् पर्रेड्ए.रद्या जूरासेट.प्रय.त.रदा र्रेट.इं.ध्रेत.पार्थे.पर्याण्येपात्र,व्यम्पा श्रुट.संर्थया (बार्धिकार्धरात्ररत्। द्रवदेरदेभवान्व. ज्ञाववा क्षेट्रदेश के वर्षेर्देश वी वि वर्षे पत्रविदाम हेववम प्रदान वस्त्री वै.शु.वर्षे मार्यु विद्वी वार्या में वर्षे वर विदान

यह्रिकी पर्दर्भ। रहर दूर काले रही रसर दर कसे अने पर्वेश करेर रक्ष र अरे (का) याहेरावक, पर्दाया रहरमें विषया प्रतितात कराव है। विषय के प्रति विषय के प्रति विषय के प्रति विषय के प्रति विषय पर्रेत्र) केट क्या केए व थन अर कियान्य पर द्याया राजवा वासाय क्या किर वार हे या द्या पर्रेश र्वास्य रूपाश्चित्राश्चिया यार्वाया तर् रूपाओर के ना इत्या स्वास्य के ना स्वास्य हिरादिव क्रियाम्बर्गाया हिवापह्यादेशका स्वामायक्षियारदूर्य केर्यूवर्मक्यालासक्रात्त्व म्रेट्रक्रा वद्याम भाउव भावदे मुद्दे हैव वद्द्व। क्याम्रिक्त वनार हिमल वद्दे धार्याया वर्षेत्रताप्रयावद्रात्र इ.स. ताप्रकृषात्रयाचारा यापरद्यूया कुल वर्षिर संदेश रद्या द्वियात्र स्वित्या क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क अमानम्द्रित्यकायर् अम् व्यापायर क्रमहर क्रायर क्रमहर क्रमहर क्रम् क्रिंगह रोट है। ही श्राष्ट्राया के श्राष्ट्राया के श्राप्ट के स्वा क्रें अब्रिक्त अव्यक्त हर देर विश्वति कार्य हरा। मान में दूर मान मिता माप नि वरकर नाम देर

भावपारवं भ मूट्रेड्रास्ट्रिं क्रिया क्रिया हेर् लट.पर्टिट.देयर.स्या.क्रेड्ड्य.क्रिप्ट्रियता भाष्येत्रह, याशायवीव तर्मात्येव जिप्पारेट्ड. व. घर स्त्रेच्या । छड दर स्रेंच पभड़वाल न्य्या । क्रक्रेय में रेगर म्रेंदर । कर रव्या पर्दे श्चरत्रका के किला वामन रदाय के दूरा वाला लादा विक् की देशवा वाने देदा शुरवश वाला महि में त्यां ता वह देवा ही अवागव शुंशिहर। दहता देवकी देशकूरेला दहता तील बीहरपार मान्त्री क्रिंट् के राज्यवरेवयाक्ष्रे । मान्ये नियक्ष्ये मान्ये के के वाक्ष्य मान्ये निरम् केलात्रिश्चार्यरात्रिया श्रेमकेराल्याकरात्रिक्षेत्र केलाच्यात्र भ्राम्यात्र केलाच्यात्र भ्राम्यात्र केलाच्या उठवासिट्यास् विश्वास्तिता कार्याष्ट्रस्थात्त्रात्त्रे कार्याद्वास्त्रात्त्रे कार्यात्त्रे कार्यात् ग्रहामा शक्यारीरतपुर्येयात्रहालाया संकृतायायहासपुर्यहामेला प्यायम् राम् क्रिला, मुभयादिर व क्रिया अर्थे पार रहा रदक्ष विविद्य भागा स्त्री देवा व वर्षे , प्राप्त रहा क्रिया व वर्षे , प्राप्त रहा विविध्य स्त्री है । व वर्षे , प्राप्त वर , प्राप्त वर्षे , प्राप्त वर , प्राप्त वर , वसेरी सर्धिरवर्सिर केलमालेय रिट्यूवियिमद्वद्यरास्ट्री क्रिंख्य्याधिरक्ष्यक्ष जन्मा निवाकि। वेद्रविश्वक्ष्या युमार्डला कुम्मयूर्याच्या क्रात्रेया क्रियारी। देश हरारा वेया तथा वर देर न्यूर, वर्षुर्द्विरकोश्यात्वर। म्यावस्थानिकानी वर्षे देवास्था वर्षेट्यां वाधायका स्वास्थाने रूट केवटा भीरामस्याक्षरा वरद्रान्त्र। अवारामायास्य स्मार्थायायाः इतामा राजस्यायाः अवारात्रस्य । अवारात्रस्य स्मार्थ म्किलालरमा ब्यावज्यत्भरत्पूरमाभरप्रेचा व्याज्य प्रवर्शित हैं पर्देश किरावेद - 3.यापाने यार्। सूर बीटायरण ब्रिशः वरर्ते वूरा राजा का प्राप्त के नाम ता का प्राप्त के वा वीया अर्थरतपृत्त्रीया र.रेट.प्र.मृ.मृ.चममासूरता के.एवेशार्थरनूपुरदामार् के.वेश्वयात्रास्त्र वरामा या. हेवा हीव. विद्रायत्वा दे। विद्रावर् वाद्रवाणां या सववतामा वासाय व्यास्त्र मेद

किरकारी वेश विष्ठ वहर का का त्या विषया के अर स्थान प्राप्त प्रवास है। अविदे वर्दरामा का. तत्रकाला भुः चेवत्रः स्वातात्त्र । वि. व्. हेया पा. त्या व्यवस्था नामा नामा विषय वर्षरं न. दे. जेरानु वर्षतः चीर रामवाक्षणाया तरी किला में के वर्षे ने के वर्षा के वर वर्षा के वर्षा के वर्षा के वर्षा के वर्षा के वर्षा के बिराधार्यारेट्। क्रांत्र क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया सहस्र-५८.वर्षी काक्ष्याष्ट्रस्यात्रम्री द्वभग्रक्ताः क्ष्याः कर्षाः कर्षाः वर्षाः क्ष्यः वर्षाः क्ष्यः वर्षाः वर्षेत्रकृतः देवाता वर: १८ गुण. वर: १८ में व देवा माना पर देवा माना है। वर्षेत्रक वर वर्षेत्रक व रद्धमिन्त्रमः के बर्दा र.हे. र र.हे. इ.इ. कि. के किया मार्च मार्गिन का के या प्रमानिया है। के.क्रें अरव केपार प्राच्येरी के रे या रक्षेत्र वा वा प्राच्ये प्रचाया में द्राया मा वरवा वा रेवा कि द्राये हो पात्रित्र पहिंगामेत्र भाकती है. रहरक्ता बैटल देवद वास्त्र है। अर् अर के के वास तय है। ये र.ज्यामार्ड.इ.ध्.स्ट्रि.क्) रत्तपत्तरम्, ज्यापत्र पर्वे ने स्वास्त्र हे. याच्या सं याच्या सं याच्या से वाल्या निवान्य्याः केवःकातम् । क्रीरत्वत्यः यानि विवानितः। विवानित्रं मूर्णः वावनित्रं विवानित्रं। वीत्रंवः र्डेग्रामपुर्मप्रतिराधिराधरी सरतिहीराताम्रर्डियाम्री रेम्ब्रम्ब्रम्ब्रम्ब्रम्ब्रम् रताय वरेर. वर् चेर. प्रायरवन्त्रीता करह्त्राका में प्रवेश में ता केला मा भिवध का प्रवेश पहिंगी पहिंगी वसम्मे तर्वा वर्व वा मा में वा विषय में में हुर या वसमावते के त्रिर के सम्मे क्षित्रहें प्रह्मात्त्रेर। वेचतप्र महामर्था माम्य व्यव । यामाय में या क्षेत्र मामा क्रिया कर्म क्षेत्र क्षेत्र रे.जड्रुव.ज.रूरी रहर.इव.पेर.जयर.श्रुव रियवार्त्त्व.अष्टुर.वाजेश.रवे.अथत.श्रुवा रे.ज्ये. या क्रांब्र रहेश रहासा क्रा रेट की रही रही वर वादव वस की वादव हो है। वर वादव वस के वादव हो है। ब्रेट्स्रेर्स्य स्था क्रामह यह है। ।द्यत्वह्रामाववयम् स्था द्रादर ला.वेश.चे अरपाताई ज्यापात्र व्रेपाल की व्याविकारि के प्राप्त देर प्रेश प्राप्त अपराद देश विकास रहारहा मेलायातवुट, केलात्पु यहरे. मेर में वेर काइर व वेश श्रेव के खेला प्राप्त करा य. थ्राक्रिंग. रक्तात्राव्यात्रायावतात्राताकीक्षणते. अहरततप्त्रा प्रेचा. यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र पामातामा स्वाकुर्वे व सरा र्यास्ति साम्या सामाना स्वाधिक वर्षेत्र वरार्वे र स्वास्ति वरार्वे र स्वास्ति वरात्र कुन्ध्ररक्रिक्त अक्षेत्र भाक्षित्र के प्रदेश दे व्यापित क्रिक्त माना है स्थानिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र परंत्रस्थान्त्रेयान्त्र्याः सक्ष्यान्त्रात्त्रः हिटा ह्य भारता वर्ष्या वर्षेत्रः विष्य भारते वर्षेत्रः देव देव वर्षेत्रस्य प्यापाला यर्षेत्रमण् यद्वाद्वविषा ।द्वास्त्रह्याद्वाद्वात्रम् इसम्बद्धाः देवन्याः इसम्बद्धाः स्वर्षेत्रम् विद्वात्याः स्वर् मियाती उद्दरमित्यारम् माराववयाती श्रेवयुद्द र् कर स्रावरेवा है र केर दाय की में अवेद र्वार्यायमा केक्ट्सतार्यार्वारम्य वित्रात्यारम्य वित्रात्यारम्य वर्षात्वे वाश्राम् देश्वा देर्द्रायम् इस्थार्थ्य अद्भार्थ्य विष्ट्राय्ये विष्ट्राये विष्ट्राय्ये विष्ट्राये विष्ट्रा वाष्ट्रः इर विश्व अद्दे वृष् (ग्रुम्) श्राष्ट्र पायर श्रुम् अवव । तर्वा पर देव । तर्वा पर देव । वर्षे वा पर देव

बिट्यर् सेर्बट्याया लिसीलान्तातात्त्रद्रत्यता भीत्रम्भीलव्ययत्त्रत्य क्रम्भावत्यत्त्रत्य क्रम्भावत्यत्त्रत्यत्त्रत्त् विवयःरेरी इ.स्मरतिवःचर्यःवरेरेरी इ.स्वयःप्वरःक्तिःग्रज्ञःपर्देरी रःदहःद्जाःच्याय वरेरः प्रद्रभेष: तप्रकृत्रः अहए व हे. हे. क. प्रद्रश्रद्रभा तववः मार्स्ट्रके वालदः र वता रवत्र ह्यानेया के स्व इरी शर्पकृत कर भागाना कर्ता है। येना या बहुर की द्वार दर अर्थर भागान इम्मा प्रदाविवाताक्ता क्रियाक्ष्यक्षिवारा स्थानिवारा दामक्री स्थानिवारा क्रियाक्ष्य दिन हिंदर वर्षे देहा लान्त्रामान्यात्रात्रेते सुर्दामान्या वलद्रक्र्यात्रमान्यत्वेत्रात्रमान्यत्वेत् नेरा के. अर.केल.चर्छ, वचाय.हेब.नेरा तिवाबेद.के.या.मा.लुब.कदा मदाबेदायकरायांचीदायाःलुबा क्यानुर्दरम्भाष्ट्रवाधारद्वमा देवमानुर्द्धारद्वार मुख्यानुर्द्धार्यक्षा द्वरापुर्द्धाः मुख्या क्षिया. क्षे. क्षे. वाडकाश्रदामा क्रायामया वर्त वर्त वस्त्री वस्त्र रापरेय ।रनपः भाषा भाषा वर्त हिर पर्रा त्वास्त्रीव्यास्त्रीवास्त्रीदावर्ष्ट्र दार्द्यावास्त्रास्त्रीत्रास्त्री देर्प्रत्यीदार्ग्यास्त्रीत्रास्त्रीत्र रदाप्तास्यास्यात्वेभारीयाः क्वाराद्यावाराष्ट्रभाद्र। यात्र देदयक्तायः कर्षेवादेश्येद। देशः यं. एक्ट. जेट. मेर. प्रेंग्या के. एड्रेंग्न प्रकृत्व हत्य व्या में एड्रेंग्न एकेट्रेंग्न विकास कि क्र. वाश्वा त्या (एरट. दा.श्रुव) कार्त्यार त्या है। या है न्यायद्वाम्ये। व उत्तर्भात्य विष्यात्या स्त्र । इत्या सह नायुवा देता विष्या विष्या । अवतःवार्रेगः यताक्वायाक्षेत्र। श्रीरर्गान्ययात्वरूषाः द्वार्थात्ये। रदार्वेन श्रीः व्वार्थावयात्व। रदक्षियाना साश्चा त्रा पर्ट वास्त्री दे ने दे हर पर्वेट प्याद में आदा पर पर पर विकास के कुला इर.इर.रवदकुन.अर्र.र र.र्ट.रतप्राच्छातावालवी वाद्यातर्थिके के कितर्रा वास्त्रः में प्रविद्याद्रः त्या को का अन्तरः स्वक्वाद्र रायुः वाष्ट्रवाद्र वार्षे वार् ही,रज्य, वा. प्राच्यायाता. ही हिंद म्यालय नता वडेर. देव बिवांगी से विवया वासा वाल्य परेवांसा ला वर्षेशी र्रायक्षेत्रर्त्वाको क्रिंदर्या क्रिंगाच्यामा क्रिंगाच्यामा क्रिंगाच्यामा द्रोक्षेत्रर्था क्रिंगाच्यामा मिलाक्त्रा हिरान्त्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्या कुवानान्द्रक्ष्याया में मान्द्रद्रया विकान्द्रद्रया मान्या विकान्द्रद्रया मान्या विकान्द्रया विकान्यया विकान्यया विकान्द्रया विकान्द्रया विकान्द्रया विकान्द्रया व स्वातर्भात्रात्रात्रवर्षात्रवर्षा न्यर्त्य क्षेत्रवर्षा न्यर्त्य क्षेत्रवर्षा बीदाता.वी.मा.बि.किमायाश्वेमी प्यानेश्, वराता किमायम्बत्या नेता है। देशया के वर्षे से दर वर्षा ्रवेर रेति हर हेर हेर हेर हेर हेर हेर हर हेर हेर वर हेर क्ट. व. चन्नाता व व प्राह्म हर। इंद्र र तप क्षेट कु पर्वा है। र वा प्रमुक कर रेदर अर्थर था र्वानायानानानेकाता हरासराखर। हार्नरक्ष्म् केल्लाक क्षेत्रस्था तर्त्वावर्षा पर्तिकावर्षा

इंडी 5 5 उम्बाल, देशुरम हु मेर्ड्स बरेट लेग

श्रद्भ बद्ध बद्ध वर्ष क्या के रहित है। है रहित है। है रहित । अर्थ कर मेर है। त। प्र. ४. दे र देत प्रमादेदः। देनप्र व देणा है (हैं) कुषा इर य वर्ष दे दे दे र देश देव पर वर्षा लार वयात्रात्री कर देवायादर मा पर्वरमित यभर वय देवाकित। यात्र सूची मा मुद्र कुरा कि किरा बूदे वया रतापाला अवदार्द्धर पर्दर्भिया तथा सेवा नर्द्र द्रायरा रवालर सेवा सेट सेवा सेव या पर्दर मर्.चएकुणाह्यातदर्। ययात्तवकुण्यदायाद्वात्तवाह्यायाद्वात्तव। किरायदावन्तिका सूचा । ट्युक्त.पर्य. वृत्र. दर्गाता वर्षेता वाष्ट्राय व्यापा वार है. दत्त्य कार्य वृत्र पर पर वी वृद्धारायवान्त्रद्वा अभिवेशवार्क्षात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र रेताय महिलाहिया हुरा। पर्वेटाईए परिवास है। वार्षा श्रीराच में माना में देन प्रसिर्द्धियातवा त्राम्यर सर्वमञ्जून । दे हुवाय नवान हैवाय वया अवाय द्रारा त्या ही त्यूर यह विषय विषय प्र शद्रश्याक्वित्रदर्। प्रत्यामध्रम् वाश्चित्रवरदेश पर्वदःस्वरशाव्यातरः मेश्चाक्ष्याश्चित्रमः हरक्र। र.वर्डरह्यानुर.के वावातावार वावायहर के अवेवातार प्राट.प्रदर्वे की वाका रेर किहर. मुरा.वी.वी.र्वाक्र्यास् र्वा म्यरः हानाक्ष्यास्यास्य वर्रधार्व्यास्यास्य कर् सम्बद्धाः हा स्वाप्ताः । क्राज्याह प्रदेशह हो। हो। स्वावः त्यावराहरदायः नेदी सामी, जा. जा. कुर जा श्री अंत्रिष्ट्य केदूर, व्य के बनता के या हे थे ते हैं जा मार्वणार्मेरमहूर। अरेब सेंद सुर्याक्षेणमूल महूर। क्यार्भ निवधारी वसी । श्. हैव.रेबी.व्रक्षेद्रकर्माता. ज्वा । यार्थ, याद्भावेदात्र) पर्वटमिरम्प्राच्या,कार. खवतात्ते। वश्चर्ने वेचारिक्यताला वित्राचीति रात्राचारित राज्याति राज्याति राज्याति वित्राची श्वाचाति वित्राचीति । प्रदर्ग एक्ट्ररेशन्तर्भात्भन्त्रा वहरा वहरा विकारक्ट्रा विकार क्रिया विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार न प्रतातिका पर्वा स्वास्त्रात्वा स्वास्त्रात्वात्री श्वार्वात्वात्री श्वार्वात्वया । मस्यात्रेया विकालिका विकालिका मिस्रेश्वर्षितास्यास्यास्य । वेचालबूट्यर्पात्रभवायर्थे यास्राक्त्यायास्य बिबाअका.परे.इरी रक्षामध्येष्ट्रिर्ध्यरतिपत्येष्ट्रियाच्या रदाक्षामध्ये रदाक्षात्रक्षेत्रे वया मूर्या मार्थ मार्थ है है तर ही दे के कि है र व्यादक मेरी कार्य मार्थ होता है। देवत त्विक्षित्व वर्षेता. थु (अभवक्ष) क्ष्यायातात्तर के. नूरी र्नुहासात्रेया क्षरेश्यात प्रेवी अभवत्र क्रित्तर भारत युद् रेईद्रक्षेट्यर्गत्मत्येर रेद्र अलद्दर्वाद्यर त्युवादाय विद्रात्या रेद्रिकी त्युवाप र्गातंभरन्त्र। एक्वालायर्रं वराषाद्वालावरः। रे.हर.श्राद्वार्गायःभरन्त्र। क्रार्भेर इर.शुभरज्ञारक्रेया । यूर.हवा.कूर.श्रवाकुर,श्रवाकुरा.व्हेता.कुरा क्यू.कूर्ड.दे.कुवया.तपु.रेया र्थर.त.वर्षे.म् यानरर्थर.का यात्र वैशासराम वर्ष्यामा स्त्री न्दर्द्द्या हराता । या तरा। यर र इश कर का कि लाई। वि. व. कर के इर का वि या तर है र का लाई। जाला । वारक्षणाना ने क्षणाना देनवा सक् क्षणान हैं । वारा प्रवास का देनवा वार्ष विकास विकास विकास विकास विकास व

चर्रमण.है। १शद.एक्पा.

2 में दिवा केउन

woran, x

लूर्व व्रव्यक्त मेरी वरेराव्या वशुवाक्त मंद्राला कुन् व्यवलावर स्रोता वीवलायरेवा । कुर्व. वार्टर.व काता झे देखे। वर र वेबाया करे कुं प्रस्तर वा । र अरक्षर कर [कि) वास्तर हो। या या वा मेद्रामभा वयवापरीय । का प्रियम् प्रायुक्त प्रत्मेन हिला म्हरमार्थ स्थित स्थारी दे दिला है. दल्टारीसूचा रिक्षे में करसूर जारताजाया एक्ट्रियानार्द्रवा के देवरेवा है। देहर स्व. के में जा अकृता दरीरेश्वरातिवा उत्रत्यत्वराहरी द्वान्त्राध्यत्वराहरी क्षान्त्राध्यत्वराहरा क्षरमञ्जूवानी स्रे ने या तर दूश के वा वा नुह : अरे प के इस मार अपना अरे प वा मार अरे अर मार अरे वा निय के वा निय में वित के व तमा पर्वेद्द्रस्थर्श्वा श्रेर.पा.चार्का इस्ट्रिटःर्कार विवादर क्रियात्मक्रियात्मा बेट क्रेंडेश के तर क्र हैं हिंद शुवान हेट मूरे न ए क्रिया कि. प्रयोग तथा वेट न ए व्याप तर. ला. के. इयातरामा संदश्चालक्षेत्रचात्रक्षेत्रात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्र - वेट.रट.ए ब्रेट.थ थून.क. कराण. केवाराजनरका। यवत्राञ्चन. प्रेट.रु. कुन.वि.ए वेट.कुन. र्रम्भारवर्द्धत्या गुराधारा मार्ग्या अर्था या द्वार्थरया परितर विवा में अया सहस्वत वरती वैदत्तवरत् । व्यक्तिकरदेर कर वह कार्य राष्ट्र कार्य । विकास विकास कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य ल्र्याश्राक्तियात्रमा क्रिक्षा क्रिक्षा

ीक्ष्मिह मेरे. ही हा. श्री. श् श्रा प्रेशकी मेंद्रताप्रत्यावसका विकालस्य । त्याता त्यात्या श्रिम सर्वेदरात्री से वर्ड्र द्भवामाञ्चावालात्पर्वेच । मापद्भार्यात्राम् स्वाची वद्भन् ने वर्षात्रार्यात्रार्यात्रा दर्दः र.र.अ.प्राजी क्री.याश्चेत्वस्वाता द्वेत्र.सूरी शि.वर्धशिर्वा स्वाची वसवत्तप्त स् यी. हर्जा हरी क्रियां में प्रतिकास में में में हरा। मर्था मार्थ पाय पर पाय प्रतिकास में दशकार्यर केंग्यर सार्वाया है। वर्ष हें हें व्यव कर तरहर दें राज्य हैं देर अरकार अर्थ करका रार.वटा च्या. व्या. व्या. स्या. स्रा. स्या. स्या कर्ताता श्री क्षेत्र वेश श्रेमताता विदेश में राष्ट्र के मानाता दे रह दश्राणमा ये या मानिया में राष्ट्र के मून म.प.स्रेयत्यक्त्रात्म.धेरा र.स्त्र्याय्यक्ष्यबूदः ख्रापा रत्त्राच्यायायहरः वा स् न्त्रे वर्ष्या हिरावर्षा हर। र.सरप्रदेशमा आग्रेरेश भी भी कामन वर्रेर.र इ.भी परी कामन स्र मिरमा स्रियान हिन्म हिन्म हिना पहिना पहिना है। वह नव पानर एता पाना स्था पर्या भरत्यः(ज्या)याविज्यात्राप्तर्यापर्देय । वृश्याव्यावत्यः वतः (२०) हैं नुरी दः सदस्र संयक्ताद्रवधः देश व्हें क्याल्य नार्किकाली पर् उर्धिक कर कर के वार्य के किया का के किया के इंद.क.जी चारण.लए.लेज.दे.बोराजा. गश्वा । है. दुल.दंग.डच.क्ट्र. एड्या.श्ये । भ. ग्रायार्थं में ग्रायायाया हिंदा हैं । वे हिंदा हैं अरारदेश में ग्राया है यो दे में देश हैं अरारदेश में में प्राया है यो रेडा म्रेरेत्यामानक्यातिर्यामान्या विश्वत्यूटान्यामान्या वर्षात्राम्य वन्तर वर्षात्ररी शृत्रण्याची मामहरते। चवात्रत्य वर्षः श्रृक्ष्टाला केटाश्रुश्यः एवंडाण्यार्द्रेश व्याव्याव्याय्वेदावविष्ट्राह्या न्वरंत्रम्वरंत्राव्याय्वेद्रविष्ट्रा

वर्ष अञ्चल

XELL

6 के क्या

四年

म् भरकाला मियात्ता केरदर्याकेवमेदाभएक्याया जनातमाविवाविवाप्ट्रीका र र्राण्यवस्व स्व के वार्त स्व वार्त स्व वार्त स्व वार्त वार वार्त वार वार्त वार बालयान्यान्तरतर्त्तर्भेद्युक्रम। मैद्रग्राजान्त्र्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा सरक्षातात्रात्राद्याद्यद्यात्राद्या देर्द्राण्ट्रवास्य स्वात्रवास्य स्वात्रवास्य स्वात्रवास्य स्वात्रवास्य स्व पह्यादेव के प्रविश्व या तेशकाता वन्त्र निर्धिया प्रवास्त्र भी में दिलाय प्रवास्त्र भी वर्षा है। मधिमण्यार्वेद्ववराष्ट्रद्विया केट ह्या भेष्य भारत्य वर्षेत्रया भूवाया वर्षेत्रया केवाया निर्देश ररदेरत्यत्याका भेग सेवा स्वयान्त्र मर पहुंत्र यानकृद्सिर कुवाताक्वियात्त्र प्राचकर दिस्वताया र् श्रात्रे भ्राम्या गार्कासहियोह हो। स्रो हा सामारीद की यात्री काजातातातात्रात्र्यंत्रवात्री यी.करक्षित्रकात्रावतः देरवर्षयी केंद्रवर्षः येदेश्ववा क्) क्रामावरदक्षामधरम् द्रमति । सर्विद्रमुक् वातुर वहस्या । इम्मायि स्मित्मिक विद्रमा एवारानग्रद्रम् किन्द्रेरक्णायाद्रवायात्रस्य सहर्। सीस्वादरमाकार वर्षायात्रस्य मरेंचवरीर अरथाके अर्केट्रमुश्जाहरी कि.मे.मुश्रायहरू ल्याच्या महिने क्या नारह अर्थान्य. क्षत्रम् वी एवंद्रप्तरम्भूष्ट्रपायक्षण्या वश्यः मृत्याद्रभाष्ट्रपायद्य इत्याबर प्रत्यमा देतएका के या प्राया वर्ष र के के या प्रतिया प्रति । यह ३६। के अर्थाता कुम क्रिरंड्रेर। रेज्यार ताबायन के ता कुंबा अर्थर वन्त्र ता कुं में कुन के से रविवास्थ्ये केट्ट. सूर्यार अर्थे हैं कियात कूला मुक्ता मुक्ता के का मुक्ता के मुल्ता के का मुल्ता के का मुल्ता के का मुल्ता के का मुल्त रव. त्रेंग्रायत्र. देक्त. हरी कुरव. त्रेंग्रायत्र. द्वगा. वरा देश्व. जनदे क्य. देश्व. जनदे क्य. देश्व. कर्ष्यात्रकृतात्ते देश हिलायतः भरवाद्रमातवात्ते नही स्वत्रक्षात्ते देश क्षा य क्षणाना प्रभावर अर प्रता क्षि. श्री. रे. वर प्रमान के वर प्रमान कर महिल्ला माना महिला कर महिला कर महिला कर म चावश्यायन्त्रं पार्ने नेहा वर्षाये वर्षाया भेरते महि त्याया मिर् चार्या दर.भूर.अक्षत्रमर.प्रम.श्रीमारदा ब्रिन्नव.क्षेयाम.र्वेश क्षेत्र. सरायह्यक्रीश्राक्त्या पर्वट्रिंदराववेटक्रियाल्या देवर्यायाक्त्राक्त्या इ.व. द्रमा भगमा द्रमार्था चर्या तारेरी र देररेर्व के माना में प्राप्त में प्रमान माने के प्राप्त में माने माने माने त् जरमात्र्री र.स्रह्ण मृताज्या के.स्व.रे.या. वरव्यात्री रिसर.भी प्रवराण

वस्रावस्त्रीरम्या क्रिक्षिवसास्त्राम् वानवानिवसाम्या व्यावत्त्री व्यावत्त्री व्यावत्त्री

न्त्र मृ.स.याववातयाज्ञेवा (पड्याज्ञ)। झ.स. म.स.या वचात्माम् इत। एड्र पर्यक्तात्मेयाञ्च रूरा वयात्यर एड्रिक्या जर्भना विरामानेकाम निर्मा कर्मा विराम स्त्री वर्ष वर्षा त्यारीहरी गरपात्रकालामा केन्द्रहरक्षेय विष्यंदरह्मता त्यार्त्या हिलाहाला मुक्तारा पर्वत्रहेक्य विन्तर्महरमहत्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्याः खा. चर्रा केंद्रा प्राची करा हे वार् इत्वरकी केंद्रा स्टारम्या कर्पण लीकारा केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र देन्द्रः वर्ष्यद्रक्रियेत्वतःद्वातःता वाञ्चवान्युवरावद्वीः स्वेवाराववाःवाद्वा वर्षुवाराव्यावाद्वा वर्षाक्राक्ष वादमाओर तार्व। देनेद त्वीवायक्षि भीर भिर नेदी व्यक्त यह अर तार केद ता वादव हुवा किव ,चार्काद्भाता. म्याना म वर्षः हे बोशा बूरत्याम्श्रीदः पात्रादेधबाष्ट्रवा किराकेषु (हे) अर्थेवा वापूरं तर्यः हे बोशा देवकार्यकार्याच्यात्वात् वर्षेट्रम्द्रभावत् वर्षेट्रम्यकार्यात्वेग ।दःमद्रप्पत्मात्रीःम्वानेवा क्षेत्रम्या वर्षेट्रा भरे तराप्यावना । से इरक्तिला इस इस भेवा कि बारेश क्वेंत्र भारत वात्र है। प्रवासिक क हिश्वशान्त्रता । कुरा, इर, सेवबा हा, ई.(m) बालवायर्व प्रात्व द्व विता वसा प्रवेट हे त्या वर प्रत्यक्षेत्रास्त्र क्षेत्रात्य । दर्या सर्वा विवा त्या विवा देव सम्बद्ध विवा । उत्तरमानमान्त्री वर विवा देत्रमात्रदेशकारमानमान्त्रीरामान्त्रवाश्वर में दर्भविष्णात्री। वर्त्र क्रिंद्रतेष्ठयात्रेष्ठात्रे क्रद्र क्षेत्रकात्रा देवात्वेवात्व्वावका हे. भ वदेवा क्रांत्रा क्रांत्रा म्यावसाम्कावद्व। दयायार्यदम्बावसाम्कावद्व। वद्वत्वस्वातिक्तः वित्वत्वस्वातिक्तः त्या शुर्रात्रमात्रु किंव क्रिया र त्रवा त्रिया त्रात्र । (य. पत्या) वर्षेत्र तथा तर्मा तर्मा तर्मा हिर पर्मित तया किर्च्यास्त्रावप्रत्वात्त्रात्त्र्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् च्रत्व्र । निर्दर्श्यादेश देश मेरे शुकाश्रवा द्या अपर के अपर के अश्रवा वा वा वा वा कर के र ने व हि.श्. वर्षः क्या अभागा दे रहत्यमा पर्नि वर्षमा स्थान र्टस्यायाविवाअकिर.वर्त्त्ववाअव्यव्यात्रव्यत्त्रत्यात्रव्यत्तिस्थात्वर्तित्रव्यवावश्वात्त्रत्। या श्राक्तिक के भेगदेशती द्यादेतए कर देवता कर के का देवा के निर्देश कर का देवा के निर्देश कर कर के कि ए.च.कार्य्येशका.ध्रेत्रत्र,देशचापर्तिशास्त्रिका.स्वेचकास्त्रत्ये ।वातिके.स्वापकिर.ववकास्रित्यूर. जार्री इरे.रर.येशक शूरकाशव्यकातकार दिनाकी केटश में र.र.म.केशहिरम.श्रामारकार रम्यामन्त्रात्रेत्रकृत्युर्यः वर्ष्यः द्वरात्रेत्रायाम् स्त्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या मूर्विक्तिः सूर्वित्वा देकिः हिन्द्वाः विवान्त्यः देत्रः त्वानः सूर्वे हत्। क्षे अर.वरेशमाराधःवी.पर् भेराशिदमा श्रीक्षणात्राम्याद्रकार्त्रेद्र। हामात्मात्रा पाम्यद्रक्षणात्र्री क्षेत्रमुन्त्रीत्रक्षकी वेश मावयः सुत्रक्त्री वावतालावता वावनाकार्ते राज्यत्रवितराय सूरी वर वेदः प्रत्यी

7166. र्र्जुण तक्रावम। वर्षा ते त्रावर द्रमें स्वाव मार्ग ने वा मार्ग करी मार्ग कर वर्षेत्रविष्या अल्देस्य द्स्यामेलया हिर्धिरम्वित्यित्राम्या द्रिरद्रम्भेलय र्तरातिना अक्तारा श्वी राज्या दिवा से वा दिवा है । ह्या ए हैर ही वो राष्ट्रिय वा प्राप्त वा राष्ट्री रेटा वेदमाल वर्षण या (क्य) वेसा जीमाल दूर देवी. जूरमा मेर एकता के के में मेर ये. व्याना स्थान स्थान व्यान्वराय म्यान्वराय म्यान्वराय म्यान्वराय वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर् क्रिंग्रहेश्री एर्डेंश्रेरे क्रिंग्यर् क्रिंग्यर क्रिंग्य क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्य क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर क्रिंग्यर 3/4.न। द.प.थं प्रक्रिंगा सार् प्रेंग्रेग्यात्य्यात्री प्रमं रदा हिंके पर्त परे परि पर वी वि व र्भवात्वेश्वात्वेश्वात्त्र्याः मेदा महास्त्रिय्के स्त्रीयायात्यायाः रहा मुभवात्वात्याः मार्थाः स्त्रात्यात्वा मर्यायास्त्रियः राज्यास्यरः नेया त्रिरम् वित्रात्रम् वित्रात्रम् वित्रात्रम् वित्रात्रम् वित्रात्रम् 44.51 यर्व इ.र्य. १८ र अर्र रर्य पार्चिया दर्र राज्यात विषय दर्र राज्यात विषय करवाय है। देवा कार्य विषय त्रमायाकारात्यात्रात्रेता दर्महत्रवत्त्रे,देगालिया. प्रत्या द्यातास्यात्रस्यात्रात्रात्रात्रात्या ण.एक्ट.एक्ट.लुवा चायुव.प.हेच.व.र ४.एथ.एडवा के.लू.हेचाया.घ.झूर.खूर.लुवा र.रर. बालीदार्या अरीय त्रेया (क्रा) पा वर्षे केट विर तथा क्रिरेटर रेव । कर प्यार क्रिंट क्रिंग्या वालीट । 5 Maj avande र्यात्र कार् वस्थाक्ष्य ता पर्वेश्व मेर मामायत्री रतत्यार्यक्ष्य माना करे मेरिया 6-050) वचरमार्यानाराष्ट्रदान्ता दक्षामार्थीते नामार्थ्या की दवाष्ट्रिमवदानी सर्वास्था तरेदार्थीः उर्देश्मीदायात्रक्ष्या दानासूदात् इरत्यातात्री के.दम्क्रीयात्रद्राम्म् 7 gural एकवाला द्वेर.शर.त्र.व. बर.व.प्या रि.प. व.स.(मह.स.) ब्रस्त्वालाही ब्रर. वरवाला है ये र्वा देवा के वार्यर मेर कर र्वा का के के किए मेर मेर के मेर कर के के यरे स्माउरामा स्माप्त वर्षेत्र चार्युल,चलेना.रे.करेर.व.वथाना सेर.राजा.र्टाला,र्येचेपपत्रकाता रे.प्र.र्पकिर.सु क्री.तप्री श्रर.देग्र.क्र्येताराक्ष्येवाअवलक्षा क्रेया.वे.क्.ल्री.केर्याक्षेत्राक्षा वात्र्य. ताला वैरात्मा केरात्मा सेराय सेराय करप्रह्रगया खुलर तक्रित भर दे सेराया हार्नर. भारेदावलवावान्य भारा तदार्वद्रतावार्वन्यताद्रवायताद्रवितादुवन्द्रा भोद्रवार्वावतानुस्य इल. इर. धीर, सेर. इर. हर, इर. बुर. रर. रर. यी अर. यह स्वायत मा स्वार प्राय के अरह. र.कवला विव.देशरकु.वेट.सेट,रेजल(वेज.) विवायःस्ट.रट.रट्य, मे.ज.यातवला जया. च.क्रे.र.क्.के.ब्रामा द्यामा सिराय में स्वया मिताय में स्वया स्वया हैया स्वया

क्रेर.क्रर.करा शुर.त.र्भायार्थाः ध्यावर्त्वेषत्रभावत्त्वरात्त्राक्ता वर्ता राज्या रेन्त्र क्यातिका चिवाला हर शे. वर्षेत्र काराहिता साराहिता सराहिता सराह रे.ब्रेर.ल्ट.व.र्षाता.हेव.रूव.हे.स्टल क्रिरेत्व.या.वृ.य्या.तता.सेवी यालप.र्-रह.स.लाया.श पर् त्राम स्राप्त स्राप्त क्षेत्र क्षे सूर.तज्ञवा वक्तमावयसूर.तशु.ज्य ही वक्तमावयम्बर.रवेशन्तर्भी वर.केरेश्व.वर्षेट एह्म्यी विषयः तप्रसिद्शाप्ते किल्येव केलिकेव्यत् हारात् की रद्धके किल्ये पर्यं अविधानपुर्धिद्वानुस्य कालायवावाताम् द्वाराष्ट्रमान्या द्वाराष्ट्रमान्या द्वाराष्ट्रभावे वात्रा भराखवलारेद। विद्यादादाकालेलाचा क्राक्किर्द्यक्षित्वाद्वात्रकारेदा श्रीत्वहात्रात्रकालेलाचा छात्रवी र्णान्त्रहेन्नेद्राहरी देन्नाश्चिद्रशाह्मात्रवात्वहूतात्वस्या स्थान्त्रवाह्मात्वस्यहेन्नाह्मात्रेन्। पर किह्नाका लहत्तियाला मुंअताश्रम्भेट्युव् स्रे.सूर्री मैंद्र वर्दर मुक्रेवणप्यीयप्रयोग्राही विभाग्यामान्द्रियाता स्वा(हर)व्यामा स्वा(हर)व्याचिमानुस्य स्वर्ष्या स्वर्ष्यास्य द्रं हेर् र वभावना पर पर नेर द्रा हार् के के के के के का किए की र राम र रचत वह द्रा का भा र्वे अर्र् रे. त. केंद्र वे बाक (१०) अअथाअर सिवायाम तंबवा मा हैया कुल पर्या स्मिवायी सिवायी इर्थ जलक्ष्येयात्त्वव्रर्द्धात्त्र्य किर्यर्द्धिराव.जित्त्वात्त्वे समा क्रियंद्रम् क्रिटायसम्बद्धाः क्रियास्य क्रियास्य वित्रायाः वित्रायाः वित्रायः वित्रायः विद्रायः विद्रायः विद्रायः विद्रायः तियासिया देवा बाद द्वारा द्वारा ना वास वासे वासे वासे प्रवासित वासियाद दे। एक द्वारा में वयूर्तपुरद्वधुवत्त्रुवा र.श्.क.क्षेत्रविववायात्रस्था वैद्वप्यवपुर्वायूर्यद्वाया पक्रमा वि.अ.इर.प्रेट्टेश. मुठलाची चयात.प्रेट्स्मिलाक्टल.इप. शुरी के.शुर.प्रेट्ट. इस्. इस. वर्षा त्र्वात्र्यात्रे स्र .ms. ठे. व. पर्डा क्याता र.मेट्टी ल्रू श्रुम्प्राप्ति । र.मेट्टी अपु. पर्वाहर 3 मूर् त्न त्रुशु पर्व हुं हुं वा सेता लूर हैं ता अवासव लूरव हैं वा उठा से वारत व अक्वार परल्य से र चार्वत्वचारिमाचवुवाकुमा चूराह्मर सवक्षारिमाचकुमाकुमा रेवास्यान प्रतिमान से बुरी रेजयार्रात्वेक्,यारीकार्यःयुः वर्दे यायावार्वे क्रिंत्रात्ये, क्रियो यायावार्वे क्रियो व्यवादात्ये क्रियो まる。ありしてがあれていまかからなく」をなかまままとってい、さまいぞくなるいからくなるい रदा हि.र.अ.च श्रिक्षक वक्तारे। वहत्वराष्ट्रर देनए एक हिर्द्यात्वरा देन्द्र स्त्री हिर्द्याता रें रे.र्ट.ज्रेर.किर.रेतपाज. वटाकानव् से. (सूर) व्यवप् वे.नाकुवान्यवाक्वा वित्वविधिव ब्रिकेश्री । युरावराश्चरिक्तास्य राज्यार नेत्रे ही। रवयाताना मिरारेगरा सार्। में केरार्टरार्ट्यर की केरार्टे खाने ने हिंदा खाने की में मिक्रारेश्वरहत्वत्वत्वत्वि रहाववर्गा पूरवर्गेयवर्ग्यव्यायक्षेत्रहत्वावर्थर्म्य गाया अधितर्धे का राजा राज्य रही はいいこので का.जा.काक्य. मुद्रश्रका वी.म.म्.क्य.विद्याक्यदे.जाद.मुद्री मु.म्.का.जाव.द्याव.क्यदेम्द्री सिद्रवे.

इ.क्टूक्ट्र चेर्रा लेच बर्द्र मामाना मार्चे मेरी दलक र्वारद व्यन्तिमार्के प्रमेरी वर्षे रेपाइमार्थन ह्रिंदिणरूरी रेवण्यूवर्टरावशत्त्वीलया राउद्देणद्रभन्नात्री युभाविरक्षित्राविषण्यत्री क्रांप्यूवर्षे वर्षे वर्गुम्भरेटी क्रिल्ट ब्रेट ब्रेट स्मान्त्रभरेटी केंक्ष्र रवाव विवासहेटी टर्ट दर्भाग्या मर निम्द्रिक्त्री क्रिया हु। क्रिया हु महिम्द्रिक्ष सहीत सहीत सहीत स्त्रिक स्वाय स्वय स्वाय स द्वाताव्रेय वन्त्रेव वन्त्रा ३६) देकर द्वारासरा में बाहराया है एकी की लाया निर्वासर लाया है। यट रुखवर ते थेव मुक्का थेव वह कारे के हरा या थेव वर्षर में कुर । के थेव में वर्ष कारे अ से हुट ।

2 NT. G.B.

प्ताहरकर्त्रात्र ह्या सेपाता विकास एवंत्र स्ट्रिय वायवात वाह्या ।दर सं सं रहीर प्यार वाह्या ।द इं वर्वस्यं सुरद्वे वाळवायं धेव ता वर्वेव वावसासुकार वहूर्यवा क्रेंद्वत्वा से र ततुद्वर्यस्य वा देव व केवल्याताः शेचेवते। चत्यत्रभः द्वायके वाते वर्षेर्यम् देवता श्री खेल्या दम्यत्राचीयम् जन्मरायाने एक्ट्रक्रियान्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्याने नामस्याने नामस्याने नामस्याने नामस्याने यासद्वास्त्र व्या द्राद्राहे स्थापता से वर्षे वर्षा व्यापता स्थापता स्थापता स्थापता दे स्थापता से स्यापता से स्थापता से स्थापता से स्थापता से स्थापता से स्थापता से स अअसारावर्षे रे.अरायहेट.के.सेर.क्.सेर.क्.सेर.के.सेर. कु.चलिंगाच्यां शहू.साहमार्तिराश्चे चात्राजा त्रिहर्त्यत्यात्राचारात्राचा प्रकारमधार्वेतु ब्रिक्परं लूरी उर्दुवल हिटात विश्वास् । ब्रिट्लास केपाल क्रिक्त क्रूरेका क्रिका स्थान सरामें वाम क्रिं र्यालाक्चरक्षात्रका विष्यवत्र क्रिक्षियात्रह्मा (महमा) त्रि हिरा) युरा विष्यात्र क्रियात्र क्रिया विषय रबि.ल, प्रद्रमा श्रीरेश लरे.दी ब्रिंड ल.लेर.बै.ल.लर ज्याल र अस.बा.ल.बर क्रिंस ब्रिंस वर राज्य प्र

उ वर्:श्रामह्य हेर.श्रम कि. रवधारार्थार सेव हरी है। है। रेश रेराम्र राज्याय माना केल वर होरावरे वर्ण ताए थी. हे Amend देर.येरण.या । म्याना हे. मेर. हें।।

स्रेड्ड्रम् भेर्ड्या मार्टिया मार्ट्या है स्थान मार्टिया मार्ट्या याता अर्थे व्या दशस्य दिवाप्तय केदिया अवस्य देन हेर हेर हेर केदिया मालक रहेर हेर ही वर केदिया

गित्युं मार्ट. दी. ही ह्या. श्री. श्रा. श् त्र. चक्कात्रः द्वार. म. र. द्वार. म. देवर का च्यतः क्या का स्ट्रा वर्षे वर्य रविष्ठः श्रेषाविषा रावः वरायं वरायह श्री रे.हर.रविरह्सः व्रद्वरायव ।रे.वराः व्यत्रदर्वेत्रारः कर. मुरा टर. मू. केयु. दरदर्श थाला दराया शुर र्वा कर हवा के रे रे ती हर खें बा व के सुवा कर विवास कर विवास कर लूर। सरराज्य अनुसान ना लूट हर लूर। चूर तूर, कूर्य क्यायावार या ता. शुने। कूर लूट र्रेन मर तर रामास्त्री हुर.वर्गःकिवाकुत्रःकुर्गास्त्राःकुरा अरक्षाःकुरा हुर्ग्गा प्रवासःकुरा प्रवास्त्राः श्चां तर्वा विश्व विश्व विश्व के विश्व अं.शूर.केवन्ध्रत्भुल्दारदा तर यायवान्य अवरित्रमिक्तारी - भुल्लाराक्ष्रित्र वायावयात्वरा

माधवात्रात्रे वर्षेत्रम् केटा टर्स्ट्रियात्मिरायायम् त्रेराया की वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षे विश्वास्त्रियाः विदिश्वः कृष्णे श्रक्ति क्षेत्रम् कित्रम् कित्या स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्र यास्ट्रिया वाहर र श्राध्यास्व कास्त्रिया हो त्याया त्याया त्याया विषय वाहर स्वर अधि में मेंदर्भर.च्रेर। तिरातात्रेथ.तपुःविवर्धार.वः वाय्वाक्ष्य.इ.र्,र्रतिदापश्चर.च्रर वाय्वाक्ष्य.इ.र् म् वार्यास्त्री स्राप्नेशिवाहित्त्रास्त्रे स्राप्नेशिवाहित्यास्त्रे वालामावित्यात्रे स्वास्त्रवाहित्या म् लार् हर्। बाल्यं वर्षे वर्षा तर्गवा वर्षा निवया वर्षे वा श्रिक्र वर्षा वर देवीया हर। क्षितवर्ष क्षर् तरे देर थेर थेवा र अस श्वर हर्म रगर मण्या हर रर वेर वेर देर रेर रेर र देर र व्यर यन प्रमा वास दरमञ्जूर। भुभन्ने अभन्ने अभन्ने अपनित्या में स्प्रकेट ह्रा की स्थार की स्थार हर कार में के वरी वालहर्यात्वेत्रान अभागतिया हिवन पर्रक्तिकाला भागात्मा सूर्य मान्येर हिन्ति केरिक ्रवाः ववाः हर्याः हरा हरा हरा दरायाया वे अवासा तस्य है। स्वास्य राद्या स्वास्य राद्या र्भावताम् मुक्ति है। हे विवा वर्षणक्रिक्ष राज्ये देन व्याना देन विवा वर्षण्या है राज्ये वर्ष देव्यः द्वर्रद्र। प्रत्याः स्रित्याः स्रित्यात्रेय। वर्रक्रिया प्रत्या वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्य र्अग. मेर्र्टर चर्चर देर् अस्त हिराल व्यूका वर्षा वर्षे प्र स्टर देश कुव क्रूर में भरी स्वाम याज्ञर.त. इंत्र.अध्योथा उपाद्यायवतामव्देश्वदारहेव दि. पा.व.ट. अव्द्वायाज्ञेदी सेवाद्द वर्डर वर्षे वि व्याष्ट्रण के से शक्ष के के व्या के के व्या के के व्या यरायालायरी यरावाच्यायावाद्वातायाहरावीय । इसावेश अस्त्रे सुराष्ट्रे वरायेर र्थायाविका दिन्तु स्राह्म का यहे वाहीट हे दें मेर्व वर्ष वर्ष वर्ष के वर्ष वर्ष के वर्ष वर्ष के वर्ष

स्ति। याण्य विधियाधियावेषुः दत्ता सुर्दार्गः अविद्यु कुत्रास्त्र मिन्ने याणविद्या याणविद्या विद्यु स्ति। याणविद्या याण्य विधियावाद्ये स्वित्या याण्य विध्या वाण्य विध्या वाण्य विध्या वाण्य वाण

अन्ति।

रसंज्या वर्गार सूत्र देवक सेट वि.दर्। बाद्रमुकेव स्रेर प्रदेश स्वार्टर र्मव स्वार्ट केवार्टर। यास्रेट्र. म्याहर की क्षत्र या वर्गा द्यत्यं दक्ष्र देर्ते या की दे के ब्रुवा अवार र हेर्। द स्ट हिर के कर्या की कुः देशक्षेत्र रातः भेट्यं कि तामिता दे दे र स्वरभित्य भागाना से हिंद के कार्र त्ये व हेर दे कार्य । रदार खा. पर्येगक्रद्रे चश्चा (च्यात्रभस्त्। द सूर क्रेंग जायायन या है। अर्थ हैं च डेग श मार्थ का अर्थ र है। र्ताय विद्याय वृद्याय सम्पर्दा चिद्रः कृष्यः यहार हु। यहार हु। यहार हु। यहार हु। रेव्रायानिकार्या विकार हो। देवार्ट्य विवार्ट्य विवार्ट्य विवार्थिया विवार्थिया विवार्थिया विवार्थिया विवार्थिया मेवसायदातायिवाश्चाल्या द्रांद्रास्य वियावताहरा रात्री क्रेवाक्ष्य प्रवसायवता द्राह्रा श्रात्वाल्यावसर्हाः द्विनश्च विवस्तिहानी स्वास्त्राची र्वास्यायात्वा र्वास्यायात्वा र्वे. ग्रा स्वयः तप्रक्रेर अवोर श्रेष्ट्रेय। रे. वंद श्रवा वी प्रक्रेर वर्ष हेरा हिन्दुर ग्रिय वनुर तर् हेर्। क्रे. नेर र्जेशालाभुत्रेर हेर्। योश्चा क्रियालार जात्या । जेशालाक्ष्य येर जातिया वरसामित्र र में सुद्धा । व्याच्या विदान में द्राने में द्राने में राम माया विषय माया विषय माया । व्याक्तर व्यावद्वर वर्षर समा रमण तमा स्वाप तमा क्षेत्र वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत माध्र-तर्वस्वस्वस्वस्त्रं रस्वाभे विरक्षेत्रम् स्वास्त्रं व्यास्त्रं व्यास्त्रं स्वास्त्रं व्यास्त्रं व्यास्त्रं श्रुः भर वर्षे देवर भर अर. भर क्षेत्र । प्रत्या अर्थन वर्षे सरकः प्रकार से पा स्वया या क्वांत्रस है। वे रही सर्वे स्वरंते दे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे केत्रायम्बर्धरवम्यासामा । १९२.५व्रंट,व्यत्वरम्भ,वेश्वराक्षरः वर्षरं वरावर्षे वरावर्षः पश्चित्य। रज्ञात्रात्र्विद्धः को वया अराद्वार्थे भेराया विदार् तर्हिणा कुरापते म्यावर परम्य 3/marment राष्ट्र केंब्र तर्द्र विदा हुद । ।देश व हीट दवाना वट दु . त्य हुदस य ति हे द ले व स्वा के दव के संपर्वत र्रा श्रीलवासाविस्कृत्र रहिद्रभवरम्येन। व्यष्ट्रस्तिरश्चरात्रे त्येत्रावसावी त्यान्यायात्यस्य मूर्विराभी लेक् की द्वारम् ता त्वीवारावर्वरावरावरात्वाता स्ताक्वेवावा वित्रेत् वित्र देवा वि णुवत्तास्याविष्रः मेद्रवयान्तव। साववाक्रिद्वयात्राः एवन्त्रः । द्वासाय्यः वृद्यवयात्रः मेद्रवयात्रः भेदः च्यालभवविद्यान्त्र वालवःदरः संक्ष्यः द्वा विषयः विक्षान्त्र विषयः विक्षान्त्र विषयः विक्षान्त्र विविद्यान्त्र र्ब्रियामहत्त्रीर वज्रुवानेक्यारेश वायाक व्यानि विकेश वारका त्या व्याप्त व्याप्त वार्षा रयतः अद्ययः यद्यः यः नदः वविवः नेद। सेवः ह्राकः न्वाः ह्याः विवादि । सक्वायः यितः कर्वायः यविवाः है। या मा हिवास स्ट्रिंग के न यह से ने दा का विति । द्वार मा में श्रुट या के दा या वितास मा में न याष्यात्वेरहारते. मु. लवमायदेय । रतः प्रत्यक्षात्र्यात् मियालयः है। याष्ट्रात्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष यर हर भी भी भाग नियं र तर्या । दिये र द ही दर्गार की दुवा तर्ये। के देन हे र के या था है वा भाग है वा भाग

र्वायाम् प्रत्यान्त्र रेडिशन्त्र। वाल्वास्वायर्वालवानी वाल्वालायार्थे। इ.सेठाक्त्रालक्ष्मा वार्वास्व र वरद्रेश्यमाक्ष्यं व्यदा देदर अवदिशेषि कुणावडी द्राह्मीर द्राह्मीर द्रार्थित हमा। 2 क्रिट्टिं अ.वर्दर्धरतिर.वर्ष्ट्र.देश्यरः। ततपःत्र.का.लेवाश्वीत्रात्ता अरवार्ष्ट्रवात्तप्रवातवा.वि.वश्वे । इवशक्षामा अर्थः भी भाषा देश हैं हुन हिमान क्षा है से हिमान स्वाप के साम है। हो हिमान स्वाप के साम है। कूंब है अ है र वे। अहरा का के के वे वे के वे वे वे वे वे वे वे वे वे यू.जा.पक्टिर्था.परी पात्रवाक्षेरत्वपात्यरपाश्टरक्रिया देशपारदरमें वा पत्रवापर पात्यरपा के वा र में वा सुर.धुर.ग्रेडिर.व.४६। ७.स्म.व मेत्र.त.रेरवधः में या कें.व में रेडस प्रथित वर्षे नर केंग्रस नि ल. होत्र होता तप देवाता है वाता है वाता है वाता है। वित्य होत वाता है वाता है वाता है वाता है वाता उत्तास मार्यक्षेत्र मार्यकरे में याया सहया सर्विर सेर्या या तरी रवा सहया से वा सहया से वा तरि हे वाया वि दिस्य रक्षित्या विद्यान्त्र । क्षेत्राम् अर्थाः वर्षेत्र वर्ष्याः वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र व रम्याक इराय वर्षेत्। हैव केव इराय प्राप्ति लेव। स्ट्राय लेव स्ट्राय लेव स्ट्राय लेव स्ट्राय लेव स्ट्राय लेव स् पर्मात्रात्रात्रात्यात्यात् त्वात् । विक्ट्रियंक्यात्वात्यात्याः व्याद्रात्यार्वेषाः व्याद्रात्यार्वेषाः लूटा कुर्च अ.सं. हे बेयलात बियाला १ ल. इम. बुर सिर्द्धित विरक्षा । स्थान है तेरे. हैं। इ.ध्रें १.११ मार.भ्र. येपरया वनपार्टर ७०० पर्देश पर्देश महर्। येपरये हैं के ये पार्थ स्ताहे. मुर्ग सताहेल. चला. १३' ला. विंड वारीरयाजा प्र. हा.स.रतराव.इ. ईर. हेव.यवेटा.कर.व अर.रत. परी कुर्वेयक् वित्रावनाया में अखिल के में का अहूरी अर्बेदर्वित अर अन्तर में द्वाम अरूरी वि में मुवायहुन मा अर्थित श्रीस्त्राया क्राया क्राया वदवा दरमा मुंदा हुना वार मार क्राया वर्षा पर विषय क्राया वर्षा र्वशानायान्य १८८ द्राताय द्वाता वाया विवाश हे अभित्र हु अभित्र विवास वाया विवास विव वर्षे वे. में बाबवा पादमा परे वामवी वारमा मार्थ के मान्ती वे प्राप्त कि नाय रहित के वर्ष । निर अदरमानग्वतान्त्रम्यस्वानविया वृषाअद्वाद्यन्त्रिया वरःस्यत्वतिरःद्वत्या यानेत्राक्ती क्ष्में के क्षेत्रा देवीवास वारीका रहेरातरा वारीका क्षित्र वार्षित क्ष्में वार्षित क्षेत्र वार्षि पर्वात्रे वह ने विकास के कि निया के कि निया के कि निया में की कि की कि की कि की मा राज्यातासाम्यवास्यात् वराने त्रद्राविका वराने त्रविका विवार निर्माणका वर्षा वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र यातु. मि.किता. विद्रारहिता यथुना क्रिया देवारा वास्ता देवा करा विद्रमें तर्दे वासे वासे वाहे वा

र्यतः व्यास्त्राम् वास्त्राम् अवि र्यवयात् कृत्या र्यतात्याया स्वतात्राम् विद्रमा रताय. प्रमाने में में की देव देव देव देव देव देव प्रमान के देव प्रमान के प्र 19天平河四 प्रवर्षाश्चित्रात्रात्र व्यापायर दियत्या पर्दा दियत्य र मेर्डी स्वर्षा हैर से हे मेर है ने हिंदी से मेर हैं। Ingar 1 उ प्रमारेश र अत्यायाम्। अतिक्र्यादितत्रत्यकिया वीरतप्रित्याविक्षीयम्भित्रे क्रिक्ष्यास्त्रक्ष्यास्य रदर्देश्यात्रात्रात्रात्रीत् वरक्रवर्द्रावर्द्द्रात्रात्रात्रात्रात्रा देश्यवर्द्द्रके अस्तित्रात्री अरेल्व्या नेशाउँदर्विदा देवलाहीरातार त्यताव हुण्यस्या राष्ट्रसायूरकी गाविद्रशिलाया रेपेटला यार्थेव क्षाण्यका क्षाण्य । यह स्वाय द्वाप्य देश के देश का के विश्व क्षाण्य के स्वाधित स्वाप्य के स्वाधित स्वाप्य के स श्रायत्र। यात्रायक्ष्यप्रदर्कित्रम् केर्री देश्याहर्त्तिस्माला येर्याव्याहर्षितमाला 4801 देवानिवाके मिलास्तानिव वित्ताम्त्रा वित्ताम्त्रा देताय हार्या के द्वा के दाने रमवार्यक्षेत्रक्षेत्रम्मक्षेत्रम् वार्ष्यक्षेत्रम् रवारवाक्षेत्र) सार्वत्य में विवास्था यातवावातिवावार वातर्मात्य में विवास्था सम्मानिक राज्य में विवास में व क्षाव्याम् व्यात्यात्। यात्यायापियात्रेयात्रेराः वर्षेराः वर्षेराः वर्षे वरे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व र्नासिका वैका (के) वा श्रेनर्क्षाश्चरर्दा केवान्द्रम्ट कर्राया विकान्द्रवाश्वरा लावर ही वर्षेर। श्रेश हे व हे देश राद व व सवा । ते वा विश्व है ति हो देश हो व से पार के देश ता की मिर्दर। र्वायप्रियमवता के र में रदा एवं अर्थाया के वाया प्राथित के वाया में वाया में वाया में वाया में वाया में श्रूरत्र.वसात्रा र.पराज्येकातपुरविक्तिका च्यूकालात्यावेकाव्यं दरा वयापर्ययक्षेत्रकासिराविद्रा वर्वभद्रभवावास्त्रीयात्र्यात्रायस्य । स्ट्याहरकुर्वराय्यात्रायवाया अविति द्वायात्रात्रायः पा। ग्रमापर्यात्मकास्मान्याः स्वारदा वीरायावुकात् स्वार्था त्युवार्यात्मात्रात्मा र्वास्थान्य विकासमान्त्र विकासमान्य विकासमान वाश्वाःश्रद्भवाताःवर्षेताश्वताया। सङ्द्रम्भः स्वाद्भः स्वाद्भः सा व्याधाः स्वाद्भः स्वादः रिया में श्रिम केल सक्षेत्र । वया में एक्स मक्षेत्र वस्ता योप्ने विवास में प्रदेश विवास में प्रदेश विवास में वयामा पर् छ वरप्रधिरर्भम है के बेंचन । पर्व विषय मान रर्भ के मा का पर्व विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के एर्वास्त्र । विकाशिक्ष्या । विकाशिक्ष्या । विकाशिक्षा विक्षा विकाशिक्षा विका विकाशिक्षा विका विका विकाशिक्षा विका विका वि क्षेत्रक रूपूर अविवानुहा, विमान्त्रामा व्यान्तरामा व्यान्तरामा विष्या विमान्त्राम् विमान्त्राम् विमान्त्राम् व वक्षा मुक्ष्वत्वस्क्रिक्षर् किरतेषयाः क्रित्रप्रत्रम् स्वत् वर्षात्रात्रात्रम् स्वतिष्य 7最加兴之前 र्व. है. चूचा इर. हूच लवता तेश विष्ट, रताय तुर. चूचा विव. हूचाया ते. चत्र वा प्राचित्र चूचा झें. ह्यानती. प्रतिक्यानकता का. जूट प्राव्यान स्ता भी में प्रति ने में प्रति के वर्षद्र हैं दे स्वा hell for house. क्रा. श्रद्भाव किंद्रमु. देनाम क्रिया में भारत स्वाय विद्या देना क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्र म्यास्यास्य क्रियाचेरता स्था खर्यायस्य तहा ताता हिरवर्या स्वालिया स्थारी म् लेर्यं र्स्वनाकी ख्वाख्या क्रिंगतह वाद्या के वित्ता है। यह वाद्या के वित्ता के वित् ब्रं श्रेट्रे ते क्रिय व नवाया या वीर रेग वा वें मार्क प्रायक्षित क्रिय क्रिय वा वें मार्क प्रायक्ष वा वें

वियावियाम्दरम्दर्याच्याम्बर्धामक्ष्यः भद्दे द्वेयम् देत्। श्रीटम् वक्ष्यम् स्वित्राच्याविदः क्षेत्र। स्व व्यस्ति। देशकावदः देश्यूर । दे इतायदः सैया से पे इवा के से दे हे देश कुरा में देश के दर्श है दर्श है दर्श है द सर. रूपायाक्रीमाया में त्रायक्ष र. इवरीट. । यस्या क्षिया क्षिया के वासाता त्रिवे माया वार्ट द्या या ता त्रिक्या हैं अला । वार ने कि हैं अला कार ने वार केर ने र ने कि र ने कि र में कि कि ने में कि कि र में कि कि र में कि र म जात्ते. मेरी का.जी.जा.चा.जा. रूर.ची बी.ज्या. त्याववा वेशः वार्वेश्वराधावी र्यारम् रवी.केषु रवेषकरमः प्रेट्री मुन्हित्रवान्त्राताल्या दवाववीवादा व रहा मुम्बिवावेवाया किरमाद्यासी प्रवादित्यात्री र्वारतिर वि.वे. श्रीण र्वापक्रिया कुवायह वसाहत्य प्रदेशमा है। यह विषय वर्षेत्र वर्ष रेवा के यह री स्री भर्वा रहेर पात्र पात्र विकास का विकास के वि किर्याता प्राप्ता प्रमाणिक का महिल्ला है। मेर सम्मार्ट, मार्ट्या मिया के प्रहेश मेर्टी कर से दाम महिल्ला है। उ दम्के.०४६८ व्यान्तिवाभक्षाव्याक्षाव्याक्षात्र्य। मे.दूर.सूर.कृष.राज्यात्रवा वर्तवर्यः दूषाः द्वान्यर्वते दुषा क्रियूट्मालुभ्रभार्णद्रप्रदेष्ता भर्मे.हे.एक्षेण.लूर्भ्याचिष्ताविष्तादेष्ता द्रम्पार्थ्य,दर्ज्य.तू.वानवा मा पर्यास्थान्त्रात्रा के अप्तर्भिक्ति के स्थान है से देश में में देश में में हैं से स्थान के हैं से स्थान क्षात्रात्ती श्रीरत्रात्मतुर्दा वृत्वास्त्रात्ता वित्रस्त्रात्या या देर् श्री सरापुरा वृत्या वृत्या वित्र वित्र शुर्चित्रकालया रदाला द्वाराम्य क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया क्षाया विकास र्याया क्षाया क्षाय क् लाइ.सूर्ट्रहे. क.जू.ज् अ.सूर्. क.सू. जूटका.लुडी क्यांचिरवा.सूंडे.डेंड्या.जुडी सूर.क्यांच्यांच्यां डेंट्यांड त्रविष्यात्रम्यात्रम्यावहूर्यात्री पत्तराकुराकेरकेर्या व न्व्याक्षणात्म वर्त्तवसार्यक्षात्मरात्मरात्मरा योष्त्रातिवासात्र्यात्यात्रात्ता द्वियात्रेशायदेशयक्तरात्रात्यात्या केलक्ष्यत्यात्यात्यात्या भुक्रत्निरःतमालाकविवाला यथुमान्त्रमूप्ते वर्ष्या परान्त्र । वर्ष्या वर्षा वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या वर्षा वर्या वर्षा इर.फ्रेस.जरूरी र,र्य.प्रतर,र्व. ज्यानाती जयरश्चायाताश्चित्रहार । याद्वेशयाव्ययर्रका कुत्र। देशवारस्त्रः गांवरं, क्रारंज्ञान्त्रे। बारेशार्रद्धवातेत्रं बेंद्रवाकार्वार्थः वेदवाकार्वेद्देवेत पत्राद्र,यिश्च,पर्वेयात्रात्वात पर्व्यात्त्वात्वात्वात्यात्वात्यात्यात्वा ह्रास्यायात्यात्यात्वा वर्रेर.कुंबर्धरात्त्र्र्विताब्धुला पर्वेश.स्रीतिकाजेव.स्रेर.त्यायेला जमत्राधाकेर.रर.वर्षेर्वे.कुला क् मक्ट्रा अट.या. र्र. मिर.हेट.। शुन्यहिर.पारय्या.इ.न्ट्री ख्रा.णुन.शुन्ति.हे.त्य.क्ट्री देन्द्र.युन्त्या देन्य अवस्ति शुक्षा श्रीरः सूर ररम् छर विश्व सूर्। रयत रसर विर शुर श्राम्ये के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के र्.क्षा.क्रेर.दर.व्यात्रा.सूत्र। र्.वया.वा.ए.पाइर.क्रुल.वेरी व्यावपात्रा.केर.क्रव.म्.वालवी यात्रेयायादा मार्क्तिक कार्या कार्या कार्या कार्या मार्थिया वार्या मार्थिया कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या इस्यूच । १व.व. मू. हे. हेर.पार.पोर.रर.। स्र.पर्वेरसू.पर्वेर.इर.पोर्यात. हुमा मू. हेर.वे.यश्चार्था क्षेत्रा प्रमानास्थास्थास्थास्थास्यास्यास्यास्यास्याः त्यास्यास्यास्यास्याः र्वाया क्षेत्रज्ञत्त्रक्ष्यक्ष्या क्ष्यक्ष्य क्ष्यक्षया व्यायक्ष्य व्यायक्षया । व्या च्रम्भद्रश्चरम् वरमः मा क्रिंभक्षे से हिंदी। विशेषात्र के स्टूर्म क्षेत्र के स्टूर्म के स्

विश्वाद्य महिमानी व्याप्त विश्वात विश्वाद्य विश्वाद वि र्वाष्ट्ररव्याची स्व द्वाश्वयातीस्यात्रवार्यवार्यात्रे के मुद्दर्वा के 19213! र्वर स्वा ब हुकारा तेवाराया स्वायति रवापादनु वा देवारा सहरा सेराया हुता ही वावपाय स्वा स्वावदवाक्रियायारवाद्यत्वद्वा देस्य क्रिकासायाक्ष्यदार्व्यावाह्द। देवायवायाः स्वात्वद्वाया Lorage गुवायाद्यतःवतर्द्याभुभाद्द देवभाववादराद्वाराच्यावा हिरादरावेरावेरादेरदर्दा वर्त वनायुवन्तर्यात्वाता व्रात्यात्वाद्वात्यायुविद्वावसायस्त्र । व्रिश्मर वेम वर्षेत्रया व्यवस्त्रायुक्ष योभागरायन्तरायन्तरायन्तरायोदा यदगलयति सदेवाराधेन सीमादेरायने परे दिल्ला र्यकारात्मयोक्रत्री सहस्वसम्भागायीया व्यापत्रवारोत्रातर्णेया रेत्रतेत्वायप्यवा श्वापे रेरा सकेररवारायम् रवायापरायेथावा हिरस्यस्यायाताये पर्व हिर्देश हैं। याम्याद्वात्रम् । वात्रात्रम् । द्यतःश्वेदः विद्वीकी दीयदे नेदः व्यत्यम् वतः की वार्वादः विवादार् विवादार् विवादार् स्वयित्याक्षणायान्त्र हिट्टेट् कुक्रिकेतिष्ट्रवायात्रेव। त्वयाक्षेत्रकेतिकीवार्वनाये व्यवद्य हुटाया कोन्न क्ष्मिस ह्वाकी दरांता वर्षेत्र द्या करेत्री वर्षित् वर्षेत्र देनवा क्षेत्र द्वारा वाया स्वाहर्यमारहेवासभीदवायाते। दभवारतादवायक्षाता वर्दरक्षवाभीदेवाहर्यस्य देश नुष्त्रः श्रम् हुं अर् यानाताता में केंद्रयान याते देशवास्त्रका। त्रिन केंत्रकें भ्रेत्रका त्रिन के विश्व केंत्रिया भरम्भाक्ते श्रदान्त्रम् । सदयः क्रिश्वावयाः स्वायाः वत्त्रम् । दर्वत्यमः त्याः स्वाद्रमः व म्बर्माला नदर्वण्ड्याला. वि. ब्रिटा प्रकृता । विराद्या मानकर प्रति व्यवस्थाना विराद्या । र्हिटलीयाजिल्ताविक्नातिकारी देरदक्षरक्षियाकुराक्वीकार्षा केलाकिरापह्याप्राप्ताकारी रमक्ष्यंत्रहरें शहर विवास्त्रेयाता केलासकरमार वास्ट्रहरें केरी विवास तत्र ताय नायस्वरम् भ्रावश्चा ब्रिट्मा स्वाब्धा व्याप्त स्वाब्धा विष्ट्रे वार तर्वाक्षा वाल्य वार्षे वार के विष्ट्र व्याप्त वाल व रुप्रद्रा क्ष्यात्मेन्द्र। या वाद्यतः मुकुत्वदुत्वदुत्वदुत्वद्वेद्वा क्ष्यत्वदुत्वदुत्वद्वा सुन्त्वद्वव्यव्यवस्तात्मे। सु वाम्भाष्यः त्र्रेशः त्र्यात्रः त्र्यात्रः व्यात्रः व्यात्यः व्यात्रः व्यात्र 7 Holding द्वरायसंपति हैया युवावगुवा या सूरा सुरायत विश्व करेंदर ता प्यायह तथा के बदाहर है तक तथा स्थाय विश्व क चर्'वर्यं अर्वे वात्रर्'यात्र् विरामवहुर्धिते विविवविव वहुर्श्ववविव वहुर्श्ववविराववायविहर्। ववुर्य वयाक्री क्रिक्सिक्षित्र त्या रेवलक्षिक्ष कार्य देवल रेवल रेवल देवल रेवल रेवल रेवल रेवल रेवल से क्षेत्र वद्रत्याः भरतः मह्याः तर्व। उत्तरः भाग्याः भरतः मह्याः प्रविषः मह्याः मह्याः मह्याः मह्याः मह्याः मह्याः मह्या

या विस्तर से स्ट्रा स्ट्रिंग स्ट्रिंग स्ट्रिंग वा विस्तर में के वा विषय वा विस्तर में के विस्तर में के विस्तर में

ेश्रह मेर् हें हें हा के अने मालेर अरेप हे मेरिया गया जें अप अरेप में बाहे हें जी कि मारे प्रमाण मेरियों क्लि.यावेश हुए. हिंदरकी गूंक वर्ति देवता वाह्यामार्ट्र क्रिंग किल किर पर्ट्या प्रतास ता संवाहर हिंद देश्च्यानेयु एश्चर व देर वर्षेर वर्षेर वर्षेर वर्षेर वर्षेर वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत मुला च्रिच व शुराप क्रेर वला स्वर म्राच्या वर्द्ध भारत्य विवाय प्राच्या प्रवाय प्राच्या म्याचित्र वर्षे ८८:वया.वया.म.स्या.क. इ.च्या.वया.या.व्या.या.केंड्यूटा वरा.तप्टराया.या.या.कें.यु.च्या.द्री कुवया. क्.इ.क.म्यूरायाद्यायात्र्यं वायां संत्रायत् स्वायायहर्त्वतावः वार्यायायाः वार्यायायाः म्पर्या में मार्थिया मार्थिया मार्थिया मार्थिय कि रहिट रहियानाता मध्येर में रह वर्षा सहिया है वार्थिया कर् न्युटर्। देरान्तरह्नेन्याण्यरायतेश्वीराद्यात्राह्मात्रात्रीरा वरादेर वृत्यायुनात्र्यात्रीतारे इट. क्रियात, क्रिया अराज्य प्रताहर हर। क्रिया मेर क्या पर क्रिया कर्या व नवर माया है था वाश्चाःकृतः महीलकृत्वाः महत्वनावाश्चरः द्वाः वनववयः मे राक्षेत्रः देवः कृत्वतः वर्षः वर्षः खुरा. इंतरमा प्रा. म्. मं. मं. मं. कारावा दिरायाहर राजा दे म. हे म. है म. हे म. है म. हे म. हो म. हो म. हो म. हो म. हो म. हे म. है म. हे म. हो म. हे म. हो म क्रिं अह. मेरे. ही। ह्ये. श्री. श्री संअक्रा भामवाकेणात्र्या, म्याचेरामक्री दरामवा इत्यासिवावरेशामक्री प्यास्वराष्ट्राम् द मश्चामक्री वनवामर सेंगमास्यक्षण त्रामकर। सेंद्रस्य पानापारिमक्र कर्त मार्थि । अन्तेलवा मु सु वरवी खरा हेरा हे वाह्यार लक्ष्या है ला चर्रा हे वा केर्र र लक्ष्य केरला । प्रमण्या हे. संबद्धाति । कर्ति काल्यात प्रति कर्ति काल्यात प्रति । क्रिक्त क् इस्कर्त्य पर्वाताताता श्री श्री न्यार्डियक्टरवन्तवत्त्राची कृषातप्रविधिवत्त्वतात्वेय । रर्मे कार्रवाक्री <u> विर.रे.तिवेच - । चाल्र्रःकें.कुचा.प.रचाएरवाए.कुला र.रेलालुवताए.रेकाक्र्याम सेर्याचलक्चाम्य</u> यमेलारम्अष्टःदेनद्रम्यातान्ति पह्याम्बद्धारम्बत्यात्रेनु स्ट्रिम्यान्। योवास्ववायान्त्रदान्ते। राज् । र्वेश्वराष्ट्रियर्थर्भः यं नामवस् । अवेषा अवेषा अवेषा सूर्यं केषा सूर्यं वेषा वर्षेषा सूर्यं विषा शरी चूरात. ब्रेंजाव. में अप्रायरेंग कि वियाश्वितावर कि रेंजार केंग्रें में अप्रायर में अप्राय तय हैंगा वृता अभवगात्कात्रम् द्वायावेता पद्भावताम्यात्र्वात्रम्यायद्वात्रम्यात्रम्। तद्वावतामात्र्यस्य द्रमया रे.भुन.ए.ये.ल.ल.र.र्यालभूरी जन्म सम्मानम् । रमाराज्याने वार्यात्म स्थाने वार्यात्म स्थाने वार्यात्म स्थाने वार्च्याक्षेत्र्यात्वा दरातितः तरा स्रदायार्टः वायात्व्वार्य्वरात्ते स्रदाया स्रदास्य इर.सर.क्ष.र.क्र.र.भ ग.इर.ला.या.चरुत्र.जा.वा । येवारंगर.पर्हेग.क्रेर.क्र.क्र.वा वजग.ध. व्यक्ष यित्राच्छित्यहियाद्वी श्रीताद्वी अत्राच्याच्याद्वी अत्राच्या अत्राच्या व्यवास्तित्या अत्राच्या अर्थ:रे. केया क्रिया है देहरा पाया हैं से देहरा के अरि तर्या के वार्य करिया के वार्य करिया करिया के वार्य करिया के वार्य करिया करिया

176 इवर् रेच यक्ष्या है वाया है। ये के रेम कर के पार्य मिं व्यवपास है में स्टर्स 1251 नेता द्रम्युः स्रित्वाति अदः चेदर्रा वर्ष्युक्ष्यारे सम्प्रात्रा द्रम्या केव वर्ष्युम् स्रिता वर्षे वहेल्द्रिंग्रास्य विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क ENI भ्राट्स कर अअक्वाया रदवा मार्थिया माराय की वायर की दे कि ए ह्याया तए वि अही र्रास्क्र धुना इतिहारी। इतिहर के वासे के प्रति के विकास है। विकास के वितास के विकास क जन्भवाक्ष्यान्य वर्ष्यवन्य न्या क्रास्त्री क्रास्त्री र्या देश वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क्या.स्रीर.क्रुमा कारण.खवलामा.परेमामा मार्चामार्चा क्रियंत्रामा मार्चामा क्रियंत्रामा विदानी मार्चामा मार्चामा स्वारी सेवार्यकुलार्याक्षात्रम् राज्येरी एवंद्रक्टार्यावस्वयात्रम्वारी रगराथावारमायाव्याप्रवार रके सरामायक विवड़ी रिकार माया के पारको सारको सार अवव। र्वट्रवीयाश्चेद्रमुवा निस्ताल्दा रे.जावनात्रावनावनाव्यात्रम्री सूरव्यूर्र्र्यात्रम्थात्रम् 3-र्ा=अर्ग व्या मार्थित विश्व याद्रभी मुद्र की तर्वायम् येथा के महिर का प्राप्त विद्रास्त । क्रि.म.ह.सेर.सी का धीरकतर प्रत्यकार के क्षान्य के क्षान्य हैं स्त्रा है स्त देवलारात्मात्रवाक्ता भागरेशार्वसम्बा द्वातरात्रेयाते कृत्यात्त्वा द्वात्मात्रवा र्जिटाक्रीकावन्त्र वाती. मुवधावंशा क्राद्र केंद्र केंद्र अश्वता में वान्वता के प्रवाधावंशा श्चिम् के हरवरवर्द् रामा क्वास्तारिए भिष्यिया से सामिता से सामिता से सामिता से सामिता से सामिता से सामिता से मानिता से सामिता सामिता से पहुर्द्रम् द्राधेव। म्र कुर वार्ष्वयारे । अर कुर वार्षेवया क्र द्रा क्रियाक्ष प्रदेश तह्र वार्षेवा रूं अर्थ स्वास्वातरी से वास्वार्थ राया रसुर ववा ने रा त्या का वास विवार गर्भी कर हुन कूंब:र्या:रीता:रीता:रेरा अर्वात्मक्रयति:र्यार्वारवारवी ती:रिर्वार्याःस्त्रीर:यवि:रेरा वाध्यात्मक्रम्। यति सवा ववा तदी हिंदिन हुना यति द्युद तब्द्वेर। तक्षेत्रहायात्वें वा विवावेद्र लादव ह्वाके द्रक्षकेत्र द्राति द्राति द्रात्र रामा गायवा। गायद गायद गायविक कि त्या खुरला वा वास्ति स्वरः की यादा बहुदा दरा दालक्षेद्रशा की दुनि दुना हुना की दानिका स्था प्रकृति हुन हुन की सामाने ध्येव। देन्देरद्यत्याह्मक्त्रं क्रिंदे। देन्द्रुभःभेद्र्यः न्युः प्रदा दर्ख्यः भेतववः न्याह्म । हिद्रः

यात्रभावातावाताय। क्वायुवायवाता क्वेत्रवाताता क्वेत्वाताता क्वेत्रवाताता क्वेत्रवाता क

प्रक्रिंद्र्यू अत्येत हिर्डिश शे. क. वर्षः वर्षः दे। दर्वा देशः सूरः वर्षः हि. प्रविश्वराधरी देर्द्रश्चरः

र्यक्षेत्रम् इत्यास्यः

वयु विभागाय पर्ने किवरवोश्रेर देशक्ष्या वारेशकाता द्रमणववारा र्यालकारा र्या विभाग विभाग वाअपवर वक्षेत्र। देवपासूबददद्वर म्याणवया कार्यक्षाक्षर के वासीपवेश क्षेत्रपुर सेर. क्रिया के केर लूदत र्यायत र्याय केर विराष्ट्र वर्ष महासे ता इक्ता वर यो गर्या मेता है। कु.चालत्र.लूर.त.र्व. ज.च क्रि.र. राजर.लाचारसर.जवर. जावचू. चुर। युर.सर. जकूर.के वायात्रायहूचा याकर. अया बाबाश्वरम् नेया श्रदासिवाशास्त्री दी सुन्तरिद्या पर्वरासिवा स्वीत्रामित्र वेता श्राद्य वेता श्राद्य विद्य विद्युत्यास्य दरायायरेव। याचेवात्रवायोते रस्य वस्य चेरा दरायेते दराये रहेवायाया व्यवायाञ्चेसम्प्रते वहेवयाधाञ्चेत्र। यह स्याह्मस्य हेवाया द्वाया द्वाया द्वाया हेर्सावयायेद्वाया क्रान्द्रभन्द्रयम्यानमा द्वलाव्याद्वरत्यात्त्व । तह्यव्यित्रद्वेवक्वतायाद्व स्वायवद्याद्वार त्युव्यात्वा वर् हिर्यायत्त हैरत्य वर्षा संवर्ष स्वायक्ष्य प्रति वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मुना में में अन्यम्बर्धियात् जा पर्वेषपद्धे सम्प्राप्त ज्या क्षेत्रपत्य सम्प्राप्त करें विकास में स्वाप्त करें वरे ग्राप्तः वाखिरामा सक्ष्या सेवा हीरया दे रहित्रीर भी वस्रदेशवा। श्रेमकेट क्यादा सहवाववावहरी यर् बर्ड इया अभग वया वस्ता वस्ता वस्ता वया वार्षा वर्षा वार्षे व्या के भवा कि वार्षे व्या विवादि वर्षे यान्त्रभात्त्रेराने त्याकाकात्रे वामयायान्त्रम्थायति विकास्यात्रे द्वास्यावनायते विकास्य म्या पक्ष्याम् त्याक्षाक्षाक्षात्रात्यात् वहवन्यान्वनाहेत् विमादरायर। वर्दरक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्ष भक्टरा रे.र्.इ. क्रिंग पर्वायम्याचे वायमाम्या राज्यस्य हेर् रावनायावार्वे स्व कुर्ण। वरम् व.म.न.म। र्रुट्यावर्गावर्गि। र्रुट्यावर्गावर्गिवरात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्रम् वर्गावहास्य। इ.स्ट.७वालावार्वणर्यायक्षा व.र.वालव.च.एड्.सि देर्दाववालावारदेवला स्वालक्षिता रेर्डर.श्रम्बातिव्याः क्री रेर्डर विराणायारेव यात्र्या राक्या में से बाया है। यात्रा र्भरास्त्रणभूकि भ्राता विकल्यका छात्यरहासाया। ॥डेवा इरहिर विकारा पार्वेत एकर.वड्डा.च्या सरवादुवा.पेटव्युका विस्तानेत्वातुवात्ये से काराव्य दिर व्यामका वस्त्र राम्ब्रावसायुरात्र्रायर् तर् द्रियरक्षायायाय्र्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र "अठलार्ना द्यातः तार्चे वायातः (!) रे. देराताकावान्य हर कु. कोराया विवास्वरायार व वनवः यति की. र वर्षे वा। 生、去ち、よくよくないい、コタロ、おはいると、まか、草山か、たい村はらない、村はかんい、草は、木子、ち、ちい रेशर. ग्र. निरंद माया इराष्ट्र यहंद सूर्या । यूने सेर हुरा पार्टर पर हुरा वर्षेत्र अ वरेट्वर विक्रिंट.री.अरेडव्यंबराश्चर वी.उर्. हेर.विरशास्त्री

गर्वे ।

देव्यान्वः दरः दगारः यं नायवया यायद्यात् वित्वरयाः गाइद्। केत्रद्वार्वा वी व्यवस्थाना वा त्तरादव कार्रका वी त्यूर तियायाता दूरम् अर्तत्त्र प्रदेश प्रदेश विकाल वार्ष्य त्यार्थ वार्ष्य तियायाता वर्गात्रग्रीताता हुरार्गाता हुरायाता वर्षात्रात्रा वराया हुराया हुराया हुराया हुराया हुराया वराया हुराया हु ववायं वर्रे की रता हैट रे। वालम् नह वर्ट ला उम्द्रा वालम् वर्ष वर्षा वालमा दवःयःश्रेवाःवीः स्वः श्रापःदे। वाडेवाः सद्यः वार्वेषः त्याः विवाः । देवतः त्वः दरः वाः दगरः वाध्या में हैं या वशक्वान्याया रवा ता वार्यान हर रद्येया दाता मेर यह अहेय केरा दाया वालम्(लम्न) यात्राहिवाक्तरम् री मेन्स्रेर्स्येर्यस्त्रेर्स्येर्राम्येर्त्या द्वालक्ष्मेर्र्या वालम् नुरस्या अर्वाअत्रायात्यस्याताता वार्वारं स्वःक्ष्मर्वर मेर् वरम् वार्वारं देवस्य र्वायामेर। अम् त्रवार की विकार्वाया। कुलायते विवयत्रवे व्यटक् मेरा वया मं जुर की अर स्वत्य। स्वापित कार्याताक वर्षक्रित्। यदम् यावित क्षेत्रं क्षाता या वेति वर्षाता वर्षेत्रं क्षाता वरवेत्रं क्षाता वर्षेत्रं क्षात्रं क्षाता वर्षेत्रं क्षात्रं वर्येत्रं क्षाता वरवेत्रं क्षाता वरवेत्रं क्षात्रं वर्येत्रं क्षात्रं वर्षेत्रं वरवेत र. १८.८ या काराक वार्षिक १९. राया स्थापन अयान वार्षिक वारायर दे। वार्षिक तारायर वार्षिक वार्ष्ठ वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्ष्ठ वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्ष्ठ वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्षिक वार्ष् इर्र र अध्यावरवर्ष्य दे न्यर है। इर्यर र वर्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य है। र श्रिट्रह्यः स्वरं बेचा परं वर्षे । रे.र्टर्स्य अप्राप्ति का नादाता स्वायः स्वायः स्वायः वर्षः रवा वर्षः वर्ष २०१९ वर्षायद्वायद्वाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया त्युवा श्वाय वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया horged कि. क्रमं प्रदान का जार के का कर के का कि का कि का का का का का का का लुल.प्रेरी अ.से.एवरप्रदासी.याल्या टे.प्रेट्यक्टेरेश्टर.से.से.से.से.याया वार्षात्रेयक्त. इंद्यम्य्यात्वर। ईवास्तर्वराङ्गाव्यवस्य। ईराव्यवस्य रहेर्पारायः गुर-र्म्गालयारम्क्न । यथमार्वे अवार्त्रः अवय राज्या । द्रामालयार्म्भा अन्यन्ता क्रियारही त्यारही त्यार्थान्य हित्रक्रवाया मुग्नेत्व वित्र देवता क्षान्त्र। त्रिशामा स्त्र्वा हर । विव क्षित्र स्त्रिया शास्त्र । । विश्व क्षित्र स्त्रिया स् यायादर,जयादरकुमाहवायदेव । इरायमवातालदम्बरहर,र. धुवार्षेवामावतातर,र्यापर

नेरी रेतपालाक्षणात्राचाराहर्म्याहरूका मेर्टिस्य मेर्टिस्य क्रिंग्रहेर्द्र हैं। हो शुंख ता श्राचिर ता श्राचेर ता श्राच ता श्राच ता ता ता हो। वा श्राच वा किताः चूरात्रा केवताः अव्याः भी वारीमा भी मान्या वरवा भी वरवा भी वर्षा भी व चार्यातायात्रेवता अक्याक्षत्रक्षेत्राच्याद्र्याच्याच्याद्र्याच्याच्याद्र्याच्या वयालेव। दर्दगराविवःदुक्तित्वरम् । क्रियःविवादम्यः यद्गारातिव। सुद र्थरःयविवःदुः यग्राविरं तोव। रमःर्थरःयविवदुः यायग्रायः है। यस्ये अहर्वयम्यः यः

शुरम्भवायविभे दुः स्वायविभे दस्यवायि दस्यवायि विभे द्वार्थिय स्वायाय विभागति । धी.लार किर किया वर्या असे. एन विषय देवा वर्त्या वर्त्या प्रवासी के किर किया वर्त्या वर्या वर्या वर्त्या वर्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्या में का पा हर या मिर का में देव पर देव पात्र किव मायरेव । में मा पान या मिर मारी देव न श्चित्रहेर्ष्ट्रवामंत्रायवेतापरिया व्याचारामान्यरक्रियात्रीयाची इत्ताहास्त्रिवरक्षात्रयात्रीया कुवा यामा में व्यापाता थे। द्रान्येव पाव कराने वा परिवा विपादरे मार्था ने माने पाव वा दे में देश वा प्रमा न्यु घर वास्त्रान्ता र र र र र ज्ञानेयाय। सराव अपादी र वा राष्ट्री ज्वा हर वा व्या यक्ष्रामान्त्र देवसाम्बर्धायावता सम्मेनक्ष्रियम्याचे भित्रवर्भात्र मित्रवर्भात्र मित्रवर्भाव मित्रवर्भात्र मित्रवर्भात्र मित्रवर्भात्र मित्रवर्भात्र मित्रवर्भाव मित्रवर्भात्र मित्रवर्भात्र मित्रवर्भाव मित्रवर्भात्र मित्रवर्भात्र मित्रवर्भाव म लेग्यान्त्र। रमप्तापुः लेक्षाप्तक्षेत्राक्षेत्राक्षाण्या रमस्वान्य्यास्त्रम्यवस्त्रे वि. मेन्ये त.पर्वाजाताम् र । र्.म्यम् वास्त्राहर्ष्यात्मात्राहराष्ट्रवास्त्राहर्ष्यात्मात्रा स्रेरः एकर ना मिनाक्षेत्र यात्र वीत्रारम् द्री दे दे द द्वा सद्या मा मुन्द वित व्यवस्त द्रिया के वित्र वित वित्र वित वित्र वित वित्र वित वित्र वित वित्र वित् तिथातर्त्वासूर्त्त्रासूर्त्त्राप्त्राच्या वाष्ट्रभूत्राच्या प्राचित्राच्या प्रत्याच्यात्याच्यात्याच्यात्याच्या देतपालातु केदालापर्वे प्रियासकेद। मह्त्वकेदमदेशम्भित्तर्रम् त्रात्मा मक्याद्रार्थित मितासेश्रासेश्री अर्एप्रकर्भाव एकरपासिकार, इ. ५र. शुवा वाध्येव वास्त्रव त्रीव तार्व वार्व के प्राची र.क. क्र.क. मून्या रामनार्गारामा मुक्तार्ग म्यान्ता मार. वे.ब्रि.स. इराज्याश्वा वियोष्टिक्त देश लाइर्या वाश्वा विया वाश्वा विश्वास्त्र स्था वाश्वा विश्वास्त्र स्था वाश्वा सरामानीरार्वे विकाल विका । या हिराद्याला भी विकाल विका यात्री वर्षाम्रेद्वाम् सर्देत्रभयके। एड्स्सीरसेटकेम्कुणाय दर्ग रेदवाद्यायक्राणायक्र में द्रा वर्ष्यत्रात्र व्यावरह्त्द्र द्राण्ट्र दे कान्ववायययाय द्वायत्र क्षेत्र ह्र दे क्षेत्र द्राण्या हित्य नरा नामार दें खिंगाली कुए तिमाली ने पर मूर्यरा सहित। हिरेटर में मधार वासे गरी वर्षा. वाज्ञचान्वेवयाचंद्राचरावाविवाव्या पर्वा कुंपाक्षे केंदर से दश्याक्षेरी कक्षेपा प्रवेशक्षेयी अदेखिकार् श्चिम् श्रेर अर्डामा प्रतिया प्रस्ता प्रहरात विष्या प्रस्ता विष्या । प्रमान विष्या । विष्या विष्या । विष्या । र्यत्व्राख्या के सेग्व्याद्वादित्र राष्ट्रक्य । साम्मेराक्षर पार्डीर पराइ। नेता अस्यावरव वराव्यी कि.स्यायाहार्त्रीर.रेट्या स्वेरकिण्याप्र.त्रमंत्रिययाईया व बेटा पात्रावम्बरेश्वरत्तरहिर्यक्षियार्थे

12541

बीचरः तात्रस्वा छेर वी । विवासं वी भावा वे वी भावा के वा स्वार्ति। देर विवार ता वा वा या था। र्.क्ष्मु.व। मे.फ.ह्रम.ज्य ग.श्रद्धीदार्भवात्त्री.श्रम्द्रम्द्रेशःभिटार्ग्यवाताता विवाभवाश्यास्याः

प्यान्धरवादवा देराव्यारवी श्रेयवरार्येत्रावयावरावा

देरवुरः क्वाया स्वर देवया दयतः त्यर त्यतः क्वा क्वर दे । इन्ह क स्वर विर विर हिर क्विया विर देव कि स्यामान्यान्य म्यान्य म्यान्य । स्थान्य । स्थाय्य । स्था अस्तिता र्रुट्ट वर्ट्टणुअर्ट्ट असहर् । इ.स. १ मेर्ड अवासर्ट्ट नेया केर्ट्ड व्यक्ति। केर्टि वास्त्र विवास केर् बार्ड्य वर्गवानुद्रस्थ । प्रवाध्ययम् क्रियम् । क्रियम् । क्रियम् । क्रियम् । क्रियम् । क्रियम् । क्रियम् ।

इरानराश्चारहे देन श्वरता मा। ॥ क्रांसह युर् हु॥ हो। श्वित्र.पा.स.प्र.स.पा.मंदी के. पारमाहेंव अवसहर परंत्र केंद्री ने पारमाहेंव अवसहर परंत्र कहेंवी वावभाग्नंद्रार्यारम् रद्यारम् हिरालक्ष्यास्र हिरालक्ष्यास्र हिरालक्ष्यास्र वरम्येवत्यान्य र्निटामका में कु. मुद्र वरायूच । अमाक्रिंग अत्र राय्यासी रिटार्कर राधुर केपान मात्र हरी पा पर्-लार्जानेशाची क्षे.पिर.धु.अध-किव.बाधर,दूरी द.रदार.टू.अम्बेशाची क्रैदालीकाअक्षण.र

स्वायंत्रत। वरहारमेर अतिवर वर्षाता दमत तिरद्यत के वास्त्र मेरा दे प्यद्वर की रेंद्रमाध्येव। रेंद्रमावरकी रेंकेथ्येव। श्रॉदिशवरकी रोमरोर्ध्येव। स्थम्ति वरमें थेमळेल्ये

क्पाकुव, वट्यु अपिक्शावेश रेतर. प्रमाणवेजियावयाल्यराम् नव। रेमया में दायः वर्षाविकः वर्सेर.वरा.क्रा.त्र.। रे.वय.येव.रंड.संर.क्षर.क्षरंक्ष । क्रिंड.रंड.रंड.व युवा.त्यरेश किर.क्रिंड्यरेय.

षि.क्य.बुर.जग्रामा वर्त्वर.र्ग. प्र.क्य.बुर.जग्रामा हिर.वर.जर्र. क्य.कुर.जग्रामा वर्षेत्रकर.

रद्यतामाअर्वे.सूर। ण.ववेव.यावगातियागाव इर.त्याची इर.क्ट्याचा स्वाक रहेन या परी सुर.

पर्दर्वावन त्यःक्रमात्मे वी र्यातः तर्दर्द्वाचः वाधवातः क्षेत्र। क्षेत्राः कुरान्त्रः कुरान्त्रः त्वाता जा इर.के.ह्य. प्रवस्तामामासीवा रमधारेत्रक्षक्षेत्रयोगमामा क्राक्षित जातामा मेर्टर दर

वर्षेट्.श.कशा शूर्वता मृत्वता मृत्या वायरस्था राष्ट्र। दे.लूर्.पर्ने.लूर्.वा विरावर विरावर विरावर विरावर विरावर

इर्रत्ये यं मेरीआणाशद्यातावराल्या जारात्वारात्वा केर्रत्ये राचेरात्या हर्र्ये अर्थित

र्था.ब्रेर.र्व.जरी त्रर.र्वे.पर्वे.पर्वे.पर्वे.वर्गाता क्रिंग्ये.पर्वे.व्या.व्या.वर.जरी विरामर्वेश

यादभाराते तर्ग्या अववन्तुर सहवन्त्र वार्षिया अववन्तुर सहवन्त्र वार्षिया विद्या विद्या

एष्राण म्क्वाक्चियायारहेवास्तरभेता वावभाक्षिवास्तरमित्यातामा निराक्षातित्यात्

म्रेटम्री अवग्रम्भार्म् रतिरम्द्राता विमास्त्रात्र्ये तर्मा व्यास्त्रात्र्ये तर्मा विमास्त्रात्र्या

न. पर्कर. रहताशुर्व । में श्रे ए. घर कृतः मुद्रः रह बाधुरा किंद्रतंत्रवा जाता कु. खेवा रह वारीश र्थतः वीटःदर् वार्वातः र्दावि। र्थतः तर् छ्या रं रं वार्षद्वरा धरः। वार्धरकेवः र्यारः धराने

म्. २०। म. ट्रमाप हूमतिया. मूरम्री. महीर कुर कुर कुर में मरति म. १०। मार्मा म. म. म. म.

यर्भेर्। यर्भक्रेगणावर्गमःश्चिमालस्यान्। यार्थ्यावरासक्रिमाणाध्ये। व्य

बिर्द्रतप्राधिर,यालूर ताष्ट्री अद्भाग्ययात्रे अद्भाग्ययात्रे । इत्रेयावहूण वर्षे स्थाप ।

30341

4REAL measure जिंदरपता कोर्।

तंश्व थ।

र्म्मारभरनी होरावनेता । व्रेर्डियानामानार व्यापनी । दे तम् त्रायाना नुस्ती क्व. कर देशका दे विष्ट्रीर किस्य दे किया । द क्रिया क्या क्या देश हो सामारी दे किया। र्वेयान सिट तार मुक्ती किया पर रामा तरी मही स्वार है। वही की नेर से या मारी नेर हैं वा याम्यास्याद्रवस्थ्यास्य वाद्वात्वेवात्रद्वा वाद्वान्युवस्थ्यास्य वात्रवाद्वात्वाद्वा भर्षामार्शितारी पर्यास्त्र मार्चेया महेवा त्यारमा वस्त्रामित भर्तित पर्राहर त्या । मार्खे येष्ठ्याक्ष्य वीवायास्य वाद्या प्रवेताया रक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विवास विद्या वाद्य वाद्य वाद्य वाद्य ग्रेर सूर र्यहार। वाल सूर वाक्स संदेश की राज्या नाल सर अव प्राप्त स्थर के बेर सरलाक्त्यात्राम्या मक्त्रायते तुरत्यावादेरत्यात्वेव | द्वारम्ययाययस्याप्याम् ॥ रद्भवरता सेरदेश तीयाता पत्र्यवा तथा वास्त्र में अथा महेर देर देवा से हुने बादा की अविवा सदिवस्था भ इंट्रिकेश्वरा वरदेर वे. त्र अव वा वर्डर विट सेट स्था सेर देव वा शिर दे स्था वि सेर दे सदयव व वा अव स्था विर द्वर युका द्वाकेन अदार नुला केदर दे तदु देवी देर अर विभाग नी द की अदार तरि ता वा क्षेत्री, श्राम्य क्षेत्र क्ष वर्षेद्रसूर्वाता व्राचितात्र्याः श्रीट्रायात्रायायायायात्रवाता असूर्द्रियासूर्वाश्रेयाद्वायायात्रवात्र क्रवाया वेरत्रवार्यते द्वु त्यं वा हरे मूं वाया सहरा अस्ति वा नवेता तर्र समाय स्वराय रमाक्रुवर्तपान् देवाक्षिताक्रों वृदवंबातायाताव पहुंबित्राहूरी यापर पाद्वानव्यावी वृद्ध सूबर. बी अरावक्याचेर। दरदाद द्यानेयाव। न्यर अप्यास्त्रीय की शक्त्री सेवा के पर्वे हूटवदावहर क्रियाववाबिरश्चम्याता हिनाहित्येश्वर्यद्वेशव्यूद्वर्या श्वरंगद्ववाक्रियात्राया अन्तिस्य म्यानि । अत्रिव्यावरातिया विष्या क्षेत्र विष्या विषया विष मरा रसवार्यस्थानुगानुगानुष्रार्था रोराष्ट्रसानुष्याच्याव्यावीता वरेस्रेके वरायानुस्य प्रस्ता अवग्रेरार्वेभय्निह्यावहार। श्रेट्युम्पार्गरार्वेद्रस्याहर। र.३८.र्पक्रवाहर मती वीरवरेदावकेवाना वरेतायुगानी वारणाया कर कि चूरवीरदा पह श्रीट के पार्तप्रविकामहिने णा अवरावाभारवायात्रादिवातात्ववात्र्यवात्र्यवात्र्यवात्र्यात्रे न्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र मानाव। सेट्युमान्मानाद्यातिद्रतिवाहिद्र। द्रद्राहर्श्याक्ष्यंत्राध्या प्रवासान्यात्राक्षात्राद्रा अरदशाला रेजए.वर्षेण.सूरक्चायारतिर.रेट.वर्षा वाअप.सूर.व्याजरपाजरेवी रे। क्रिट्युलअधिलद्विवेश्वरेशयी ह वस्त्यद्वा वस्त्र क्रिंश्वरहे।

दर्मर्स्य स्वीय प्रकाति है त्या के वाया के अक्ट्री विद्या अवता से त्या स्वा है । द्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व विस्वास्थायं स्थापनार्। केनरे हरकेरा राज्या श्रीर विरामिर गरमें वे राज्या ने देवा

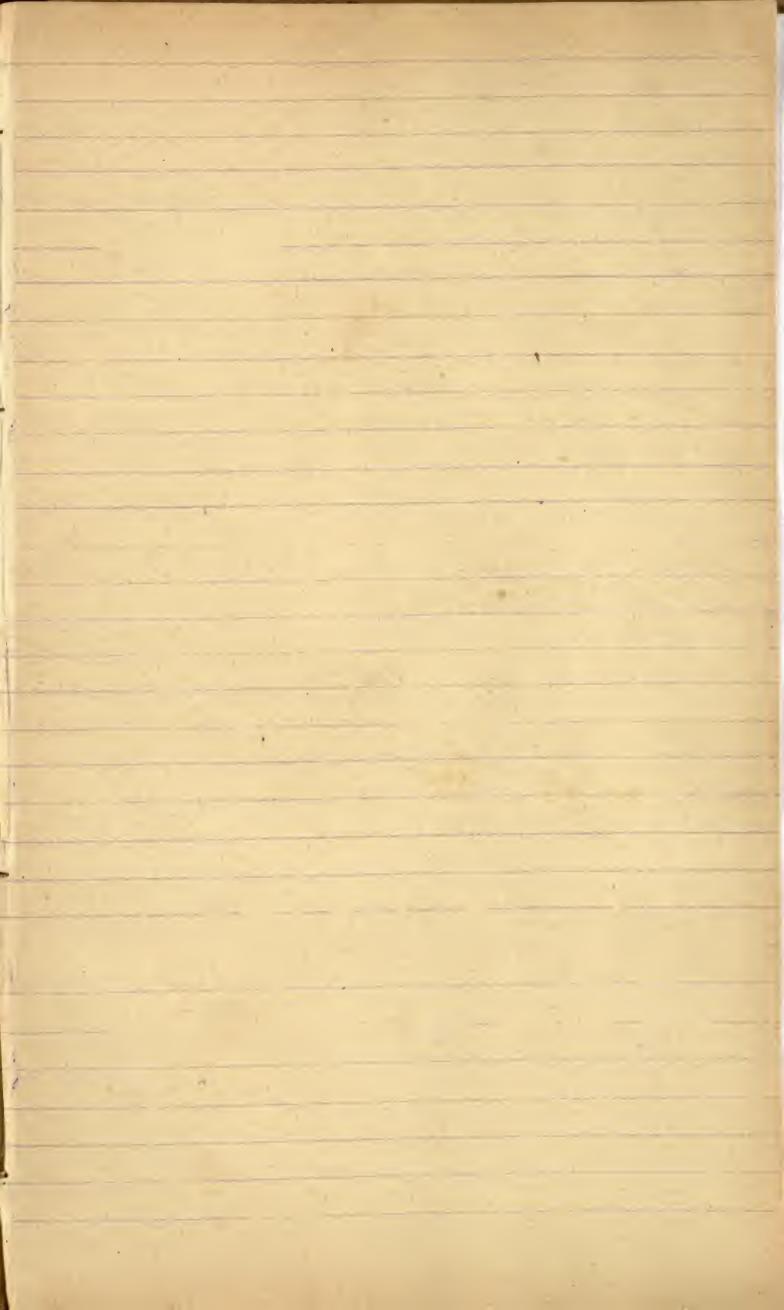
2 202.

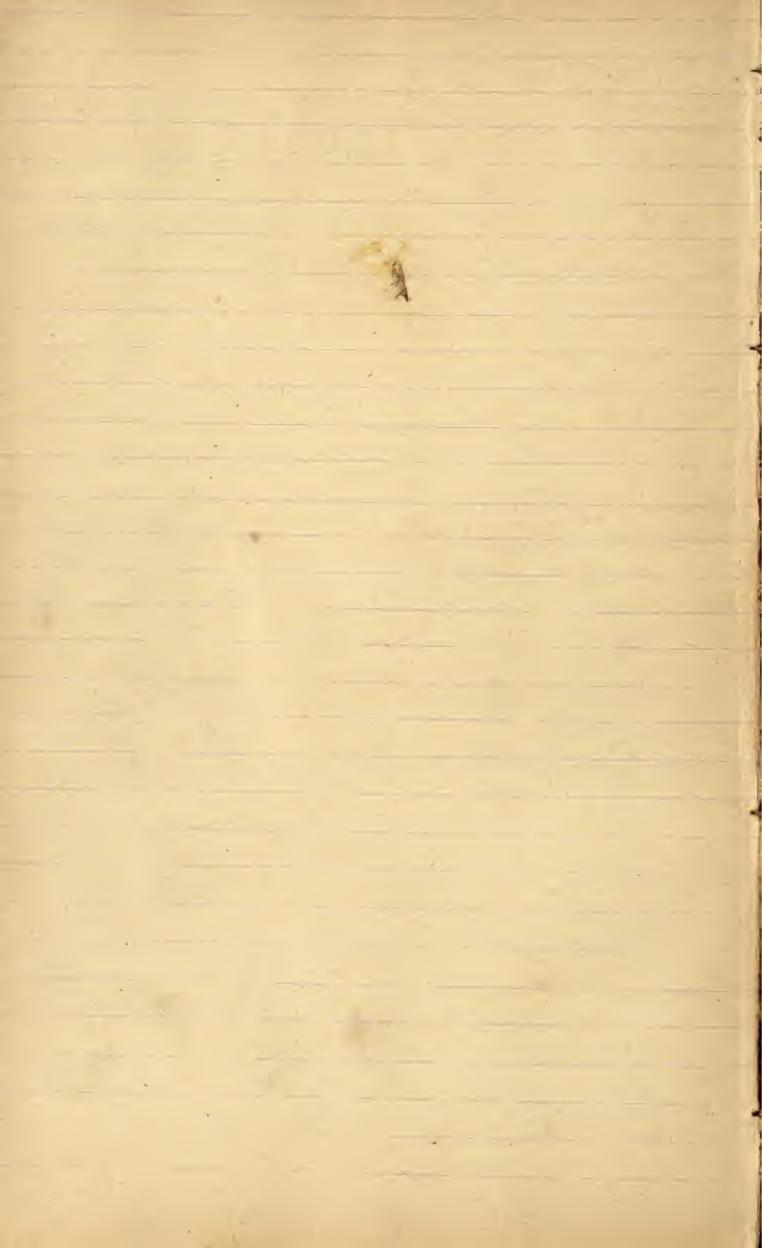
ガ・エー

मार्थरायिके के त्वमाद्रात्याद्रा स्वाच्याद्रात्या स्वाच्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र जाराज्य। चाराचाराजाक्रुचार्श्वविक्ताराष्ट्रचाराजा हिर्द्धवाराज्य पर्वार्थित विकासका स्या रे.र्र्ड्स्.अ.र्थ.पर्याता स्रायत वर्द्या डे.क्ट्रमा हिला स्रायाय प्राय वारदेश्वेवयते ह्वासाय वर्षे । इत्यद्वाश्चेद्यते क्वायाय वर्षे । हिद्रदेश्चेद्वदेश हीया दःहीः पात्र्यायारः नेवार्यायात्रादा । हिरारदःहः पात्रानेवाद्वायात्रेवा । दवानेवाद्वायात्रा याद्या. एड्रेच विभागपार, ह्यारेनर. एक या. एरे. हरी या मुगामेवमानद्वमा या हैया एरेची निवारिक्तरक्षर्थितविवातात्वेवातात्वेद्वा का. मुन्द्रस्तात्वा मुन्द्रम् वा विवार्ष्यात्वा वा विवार्ष्यात्वा वा वार्षेत्रदेश्याकुंगवराकुंगा एकद्वंद्वात्रक्ष्या प्रवास्त्रक्ष्या अद्वास्त्रक्ष्या तर्वेश.रेट्या इटरवर्षः स्याना मान्या । इया त्रा विरासदान हिनारणद्य रापाक्रका वर्षा रक्तिया । का खन म्याया वर्षाया के वरा में अरदर उन्दर् हैदा देराष्ट्र में ब्र्यावया नाव के पा पान नाव हर देरा पर्के पा प्रा विवक्तिमान्युः विद्यारा स्त्रीर देश स्त्रीर देश के देश र्यातः वर्षाः अक्ष्रं रे.रेगः इम्याः रदः रद्ये वर्ष्याः मक्रत्याः मक्राः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः क्रवादिणादिणा अवावरासुरानी न्वराया सूरा तत्वरा पर्वरायरा वस्या या वा त्वरा कुरास्तरिएकशर्द्यावयरा वह राजेर छेरहर । वव इंगा मुद्रे वा की वंग मा के वायवा होरा म् सरस्य मार्थियाचात्रमा थराक्रियाचा वित्रक्षात्राचा वित्रक्षात्रमा वित्रक्षात्रमा वित्रक्षात्रमा वित्रक्षात्रमा वह्रमान्त्रीदःश्रदःकेन्त्रम् त्यापान्यदःत्रीयाः स्ट्रायायुः य्यायान्त्रदः तार्पर्यायाः त्याया

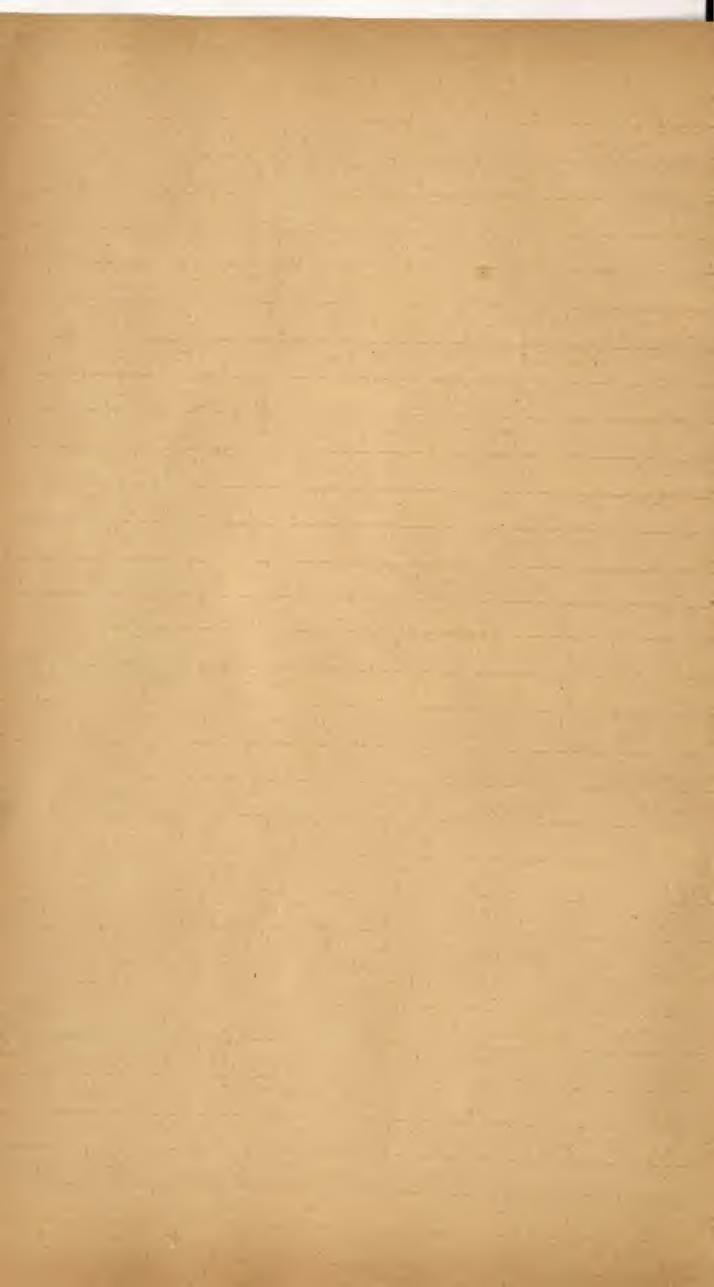
ज्यातान्त्रवार्ववाता देवन्त्रवात्वाक्ताक्ताक्ताक्षाक्षाक्षाक्षाक्षात्रवात्रवात्वा द्भायातः वेव.ये दे.क्र्यूराम्तर्त्रं ती.म.वेरत्येर्भरात्रः वेत्रात्रः वेत्रः वित्रः वेत्रः वेत्रः वेत्रः वेत्रः वेत्रः वेत्रः वेत्रः वित्रः वेत्रः वित्रः वि स्त्र स्त्र में नित्र में नित्र के मिरत्य Jellowist (त. रीजा चार्थ. र.कूर. एक्टिज. श.र. सेंड.सेंग.यु. बल्या. ग्रंड संपर्या रेड.त्. केंड्य केंग.सेंग.री मधीरी बर यह है वा वी स्वयं के वर में या। विव में या दे में या के विव कर के या विव में मुंद्र या विव में मुंद्र

म्माम् वते श्रीरविदे स्ट्रायते स्ट्रायते स्ट्रायते विद्या विद्या स्ट्रायते । नितात्रात्रेशकाताः के पर्तित्रेश्वरात्रेश्वरात्रेश्वरात्रेश्वरात्रे वितात्रात्रात्र्यात्रे नित्रे द्वरात्रे





मूर श्रीर तसुनाराज्यः



यूट विक्रेश आर. एर्ट्र देहत् के तथा वया हि. एर्च था राष्ट्री रेश राहित्य हेरा पर विवास म्न्या व्यास्त्र त्या स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्र

या तर हैर हैर भर क्रांसाहित्रहें के।। सुन्दायहार हार्सा कारायां त्या केरा देश का शुंबह से क्षेत्र अवया अवरि रहेटरा अधापना विद्वा अवरि विवास अधारी ते वृद्ध विद्या विद्या है देव विद्या विद्या के माज्याली चित्रदात्त्रवर्ष्ट्रम् वर्षेट्रम् वर्षात्वा वर्षेट्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् गहर । हार ता त्रे । ही त्रिया ता ता विद्युष्ट हान्या त्रे । ता कि वा हार देश ही त्रे वह वि द्वानहर्त्यात्रात्यात्रव। द्वानहराह्याहराह्यात्वातात्व। वरादवायत्वेत्राहराह्या हैर है अह रे या वह या नेदा देवरा वरवा देव हैं के वर है के वर्ष के वर्ष में वर्ष में वर्ष में वर्ष में वर्ष में कुला के के वार्षा निवर्ते के वे महिला महिला वास्त्र वारा वास्तर के देवता वारा हिला के के देवता वारा हिला के वारा के वा विद्या | द्याम्यते केटबरायम् व्यायका । वाक्यम्वयम् विवायते न्याम्यते । क्यायते व्यायका विवायते । वर्गन्ते त्वा के ता । विन्या अवद्द्विद्द्विवरीमा । विन्वाने उत्तर्भाववामा प्रति द्रम् अनिव इवासह्य मृगातहत्त्र्या। व्यवदानगर्यते दृष्टायायायव। विव्यवस्थित्वत्त्रिक्त्रात्वा । 2Hoar front शि वरवात्त्रः मर्यस्योभेरा तर्वे रिलेक्ष्यमार्थ्यर जाल्यी विश्वेर क्रिंद्राय्यक्षण जवाण विर्वे क्रियंत्र्य ए दर्श बीच ला अस्त्र । किंदा लेला संस्पृष्टिन दे अकुला । येला मए मेर ता विदा इरे वे। विद्या मेरा मेरा महिंगा। ्र मेटलायवा डिल्डियाराज्यव्याने |र्रायायक्षेत्राच्याव्यायाराज्या क्षिर्वराष्ट्रायाव्यायाराज्या विश्ववा | रर्द्वस्मरदेरद्दा | वाक्रिकेर्द्वर्दा । अरक्ष्मिर्दा । अरक्षम्भरक्षित्रः मरदेर वालवा । वर वर व्याज्याने व्याप्यक्रमाय। ।र्रे व्यारे स्टार्थिया राष्ट्री। विश्वे वार्वी विश्वे वार्वी विश्वे वार्वी चूक्क्या डि.लहर्ड्यात्वेतात्त्रवात्त्रात्त्रवा हिर्हहरूद्वत्त्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् मुश्हिता प्रमानविद्य। विषम्बन्धियानाया दे लेताम्या । व्यान्न महार लेतास्या । भूमा न्द्रभाक्षी। विषायतानान्द्रवायान्द्रवायान्त्रात्वेद्वमान्द्रवा विद्वायान्त्रवा कृता केव्यं नम्भर के खेवलायाता दे विवायर ह्या मु खेवला खेवर वी वरकी गुवादर अहर अहर भारत्यात्राक्ष्याः स्वयम्। नाजवाद्यात्रयः वालमाविदः वेदः यात्रे वारा स्वतायम। क्रित्यायात्रदः यः लुन्तुन्त्यार्, (पर्या) विनर्या रदःश्याता से.से.सं.याया याद्ये आक्षा पट विव महिना (हिना) अपेरी रहें या ने ने प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र र्यास्थान क्षिया मेटा क्राया मेटा स्थान माना माना त्राया स्था स्थान हेत् वर्ष वर्ष स्थान हेते हेते वर्ष क्षिया हमसरक्षेत्रसहेदर्स्य मध्येन मोमस्यस्य स्वास्त्रिय हारस्य के माने स्वास्त्रिय स्वास्त्रिय स्वास्त्रिय स्वास्त्र १२अक्ष्याम् द्विर्देश्क्रम् स्था कृष्य्येर म्या विष्युरे मस्य स्था म्या

つくこ 184 उगमिम्दर्दिकुक्त्रमान्निक्यमहक्त्रम्दर्म्द्रम्यक्ष्यक्ष्याकुरम् अमर्द्रमञ्चाक्रियात्त्रमञ्जातात्त्रमेत्रमञ्जूरम् मुक्तम् मुक्तम् मुक्तम् मुक्तम् मुक्तम् मुक्तम् मुक्तम् मुक्तम् वृद् अक्टरकूर्यन्तरक्तावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभ नात्राधुवा वर्त्यमान्यत्र वर्त्यवा महिनाक्त तर्त्य दे हेन वर्त्य वर्त्य वर्त्य वर्त्य वर्त्य हेन वर्त्य होन येमा स्पार्टिर अरक्रियक्र रहे मानुमास्य मानिर यमा यो समा एर मानिय प्राप्त मानिय मानिय मानिय प्राप्त मानिय मानिय प्राप्त मानिय मानिय प्राप्त मानिय मा न्नर्वर्थन्तरा एक्रस्यभान्तरक्रायम्ब्रीर्यस्त्रीर्यस्याक्रस्या संवयः क्रमन्येवज्ञातरक्ष्यासालेरक्रम्भातेरक्रम्भातेरक्रमान्या र भराया चत्रेत्वस्ते स्त्राम्यास्त्रम्यास्यास्य स्थान्यात्रम्यात्रम्यात्रम्य स्त्रम्याः स्त्रम्याः स्त्रम्याः स्त्रम्य ग्रेभःग्रंभःगरवञ्चभस्यवत्ग्राचे वेदव्यस्यस्य वेत्रस्यस्य वेत्रसः स्वानः द्वेत्रमः स्वेत्वद्वः स्वानः वेत्रसः गवमद्रम्भेहत्रकेत्र्या देवेत्यास्त्रिया देवेत्यास्त्रियास्तर् ।वेशस्यत्मासे सूर्यस्य स्त्रित्ते । वेर्केन्द्रदेश्वेश्वाचेत्राद्वात्यम्बर्वात्यम् वेर्वात्यम् विष्ट्रवात्यम् विष्ट्रवात्यम् विष्ट्रवात्यम् यगन्तुः यम्रह्मा देशवास्तर्त्यत् त्यवास्तर्वात्यवात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् नामिक्रमात्मान्त्रमाना स्वाप्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम क्तान् इन्द्रम्भार्त्यन्त्रम्भार्त्यन्त्रम्भान्यन्त्रम्भारम्भार्त्यन्त्रम्भारम्भार्त्यम्भारम्भारम्भारम्भारम्भारम् गरनमाध्यस्य स्वरक्षदेशरणेर्वे लेगदेशस्य स्वर्भन्तिर संदेशस्य स्वर्भन्ति । PEDS भगना रस्तभेभने कगरके एलपनमध्येता नते न ले मने रामित प्रमान हेरके गर श्रम्भित्रदर्भिरम्भेश्रम्भद्रयम्भवत्यास्य पदेन्यत्रम्भ्येते त्यास्य स्वार्थे । द्यार्भ्यते । " SIEUZI क्रिविश्यहणर्रियक्त्रमार्ग्यस्यात्त्र्रस्य। वक्त्यावमान्यर्तस्यर्तमा वर्त्राप्ट्रस्यीराविविश्वमा केंद्रनम्भद्भकरत्वे द्वेभक्षकरत्वे देभक्षकर्मा देभवरत्ये वे त्रम्भत्ते रहेरते रत्ये वन्नाविरक्तपर्यते सेर्र्याम्याये अस्य मर्द्रमः विम्यावर दर्गेत्र अर्देर्ध्य स्यास्य स्यापेत्र विद्याविम्दर् द्याम्ये सः ब्रेंद्रके रवा वर्षा हो र होंग मा सुर्येद्रवीत हो गहवा तर् छो स्पेर् । केंद्र हो र वो लहु मावावत हो सुन्य हो व द्वेष व्यादिन का या यार्थिय श्वाहित्छे स्वयंपेन याने वर्षे द्वावी । विश्व स्वते द्वावी यं रमः हर् स्थापत्रमा स्पर्मा स्परमा स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स लितर निरम्परक्ष की महस्ति। कुंबर मुकिम १६ र अम सबिव मिन मिन स्वित मिन ×श्वाली केनाञ्चितीः वाह्या तर्वेदात्रवा चेदा देवसदाचरक्तरा संदर्भ सामेदावस्य स्वत्रेदार्थेद स्वा सदासूद्रिक त्रां मेर बेरा देर बेत्येते बाय वर्ष स्त्रात् प्रति द्रित प्रत्य कार्य वर्ष कर क्षेत्र केर स्तर क लेग्देनेमनते अवस्थित स्त्रेन गानिया पर्वति परित्री तर् नित्ये । क्षेत्र हिन्दे । क्षेत्र वित्ये । क्षेत्र वि 6501

यत्रत्यस्त्राचेत्रा वात्यत्रः त्यत्रं देत्वय्या अव्यत्रे त्यत्यत्त्रे वार्ष्या क्षे

गर्गाने के ते नाम्यरं म्लंग्या ग्रम्यरे भेर की ग्रम्य देशा तर् त्वाये प्रमानित

श्रीमह्नमा स्रेर्म्भार्ये श्रीमम्स्राप्ता श्रीयाया स्राप्ता स्मान्याया

रर.धि.कि.लूर्। अयर् अर्थायेमारे। करर्र्य नतुःम् स्थाता अव्यक्तिमाक्ति वार्यस्थान्ता

. रर्रर्र् अन्नेमना सर्वे क्रिम्यस्यर्मर्मे देवेन स्त्रेन्या द्रेर् बेर्यात्राणान्याप्राया राष्ट्रमः त्रुज्ञात्मन्त्रत्यात्रात् रहिर्द्यायरत्यरस्रेयत्यास्त्रात् करास्त्रात्वात्रात्रा सेदा मरमाध्यावरेक्द्रमात्रमासेदा बरक्द्रायतेह्वायरह्वेत्वहरसेदा युवायर्केर्यते स्रात्यान्त्रेन्त्रेन्त्रा स्रीत्वरक्ष्यं र्योषाय्येवस्य केरत्वेवस्य वार्यस्यावस्य स्पर्धरात्वेतः श्रीया हिर्थासहित्यत्रेर्भयानप्रियानम् स्वापन्यर्द्वात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रा ब्रैट.के.मए.ए ड्राम.ए.ए डियमतमत्वरसा रहरे.युसमार्थे.के.ए.पे.मार्थेश रायमा. स्टूड्राकी क्य कृषस्रीकृत्मग्रमा सुर्दर्वात्तरम् अर्ह्जत्यत्मत्यक्षेत्रत्म। सेवाद्धराद्वामान्त्रत्तिः त्या क्रीसर् क्रिया स्ट्रिया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया त्तेज्देन्त्री दुन्न्याद्युः हुर्म् की त्तिज्ञेत् दुन्न्याद्युः सूर्याद्युः सूर्याद्युः मुन्द्याद्युः सूर्याद्युः महर्सेर्द्धर द्वरत्त्रा अञ्चनिरनी अर्करत्येदा अर्थे त्वनी गर्वे त्येत्रभा हीरने अर वर्रायुर खर्र भेरा केर गुर भेर शे एवं दवमा गर थेर दे। सरे वस्य होर भे मेर् न वस्ता क्तान्द्रंद्रकी सम्भूरा ह्रास्क्रिक स्वरंत्रम्भूरा द्वात त्वात्त्रम्भूरा द्वात त्वात्त्रम्भूरा वयसेरा नेहेगसारहियहार सेरहेवरी हार्यवासीर सर्वारेय स्वस्त्रीत रवस्त्रीर से स्यत्रेत्रहणाया त्यमात्रकेत्रीरमीयप्यायस्यातेमार्क्रापदस्या पेलाप्रतिवर्ष र्वगर्दर्तिगर्वगर्भात्यात्रमा द्रक्षत्रस्यायक्याद्रेर्द्रमा स्मादरत्यमार्केर्यायक्याः व्हेमसदेरा भेरवद्रभ्रमम्बर्भियाम् सार्वे सार वृक्तितासक्रवास्त्रीया वारवायातपुत्रीरात्त्रवाक्त्रीरा हिरार्थवास्त्र्रात्वास्त्री स्वा दरनाइयानादीयात्मास्यास्या नायवायात्रवार्यात्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत्यात्रात्यात्र्या जगर्मेलक्षा क्रिक्क्ल्रिया क्रिया मेर्टर के क्रिक्स क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् कु अर्थे करा जिर्दर्भे श्रेमा मेराहमा मराहमा अराहमा अर्थेर मुआर्थे कराहमा रेगः होर रगरा स्त्रेर्ग स्र देर हो रतामा शुर देतर में अ ने मा दे के रता मात्र हो हो दे पति गर्वे द्या इस्द्रंसर्गस्य मारमहेर्जगणेता सेर्यस्य प्राची हे लेगायता इर हेपायसक्स. नाम्यानाजेवा भेता धूरपर देर्चे के लगपरमावारी दसरकेव चेरिके र ब्रेल तम्बा प्यान र्रः वर्ष्ट्रम्य स्पर्धिय देश्वर विद्या महत्य अरस्त स्वार्थे देनदः व्यव देशवे निर्माणे स्वी णक्षेत्रास्यात्वरीस्यात्राच्या वात्रसायात्रस्यात्रेत्रात्रे त्रात्या त्रेयात्रात्र्यायाः री। देर.भर.पु.परव.भ.ठ्यरेक्किक्रा कररेंग.पु.ह्युक्ष्रुर.क्षेत्रमारे दर.भर.पु.पर्वमत्रे प्रवेश के भावा = करा करत्यते कर्ता विभान्ता - देर भरते अतु भूगों मेरमा दरेत्य के मान वर्षेत्र muddy,

245 186

यनम्या सरम्बर् हे कुमार्वित्या कक्ट्रयंत्रक्ष्यंत्रेयत्या स्ट्र्ये क्रांत्र्ये स्ट्राय्या स्ट्राय्या इस्कार्यकाला केर्यर रे.क्यू क्यार्य रेपरेल्या स्थर्क केट हेर्य कार मूंच आहेरी देश हेर लुरमहेखेर नतु श्रेर्फ्य अरमा क्षेत्रहेस् । हेर खेल ने स्वाम स्वाम की स्वास्त्र वार्य क्षेत्रकृति अरिश्वमा निरित्र क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय कु.वर.नरवर्षे अअत्मर्देशस्य होत्या हेर हो रत्वे की भी का इक्षेत्र प्रमुष्य क्रियं अपने विचानक्षात्वक्षेत्रम्यान्यात्रम्या द्वेत्या द्वेत्यते विषयववरदेत्त्यम् वेत्रम्यत्वात् धुरविमारिकारिकार्यात्रम् होराम् इतरम्प्या गर्ने स्थित्र स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थान त्त्रमुद्रः। व्यत्तात्वत्त्रत्यमुद्रद्वाया श्रीत्यत्तात्त्रवम्भूत्राश्चीद्वा क्रेर्ट्यत्याव्यास्य प्योगमारीमा विकालन्याम् साधास्यामा श्री महूर्यक्षियाला विवालमा विक्रिक्षे के से कि भर्दरा सेट्यहकरशक्रम्भेन्रा सम्बन्धनायम्भात्रम्भान्त्र देवलाम्यवद्रहेक्न क्षाका पह्मार्थरक्षेत्रक्षेत्रकार्भक्षात्रक्षात्रकार्भक्षात्रकार्थरक्षात्रकार्थर्भ क्षेत्रकार्थकार्भक्ष क्रीयाता वर्त्रक्षेत्रवरक्रत्रक्षा रक्ष्या रक्ष्यक्षेत्रक्ष्या वर्त्रहे.हे.पावर्वा चर्ट्र चर्ने अक्ति चर अक्ष्ममी क्रिंदररेय. के. अ. व्यक्ती क्री. क्रिंद्र के बादे दर अक्ट्रिंग क्रिंद नर्तिकार्तिका किंवा किंवा किंवा किंवा किंवा किंवा पर्तिया पर्तिया किंवा नार्तिया विवा नार्तिया विवा नार्तिया या.प्र्यान्त्रीका.र्त्तृत्य्रराज्यम्या अयात्राच्या क्यात्राच्या द्वरात्राच्या इसिक्स रेपर्द्रा किकार्य, रक्तिकारमान्यारकार कार कार माना कार कार के प्रतिकार के स्वास्था मुक्ति माना में कर्मेरदर भारत्य कार्यात्मा कार्यात्य कार्यात्य कार्यात्य कार्यात्य वित्र कार्यात्य कार्यात्य कार्यात्य वित्र कार्यात्य वित्र कार्यात्य वित्र कार्यात्य वित्र कार्यात्य वित्र कार्याय्य वित्र कार्याय वित्र कार्य कार्याय वित्र कार्य कार्याय वित्र कार्य कार्य कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्य कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्याय वित्र कार्य कार् क्रह्मेर्युरमारम्भूरा लर्द्यूमार्द्र्यरक्षम्यस्थिति कर्यार्द्र्या म् । वर्षत्रका क्ररावर्ष त्रात्र । क्रियम्य भरक्ष महास्त्र । व्याप्त क्रियम् मदेव क्या कर नदेव ए देवा लूरी ते कि रूप द्वा वि दे लूरी के नार्य र क्या के र नार्य र क्या के र नार्य र क्या के सिर्म्यु विस्त्रिक्ष क्षेत्र व्यापति विक्रम्य क्षेत्र मित्र क्षेत्र क् करर्वेरक्षण्याद्वायद्वायद्वायद्वायद्वात्याद्वर्थात्याद्वर्थात्याद्वर्थात्याद्वर्थात्याद्वर्था कान्ना कु.कं करेर के कि कर होता हैरेर कर होता हैरेर कर होता है ने कर होता है। कार्यरेत्रमा ध्रेमास्काप्रमाञ्चित्राता वाश्रमार्थेत्रस्याव्यास्याच्या ध्रमार्म्यत्रमा णकुमार्थिया हरा किररेट्यूर वार्युका कवा मुँचा विका मुका विकास हरिया पर्रेत प्राप्त की とおとめのかり からならなべるかががんはないなどしよいとないでいかかかってくをあり 単か変は、かけよ रिवृत्तीकूर दिलक्षेत्राक्ष्यकार्क्षित्र रिवृत्ता ठामार्थकार्मे क्षेत्र विकासकार्मे माध्ये विक とうがあいかなとかえた」のとこのないのしかのようがよいがよりとれているないとうしましまれていかい

अर्गिश्चेत्प

화, 논의

न द्वामा (अवा

चरित्रचिताता है.सीलकिलसीवु.लुवा डिस्रेर्निक्स्वस्थासिस्त्रीयु.लुवा क्रुयाकाक्ष्यसि रेरा कु.जबूर.जन्न.म.यु.जबूर.कूर.का. बिक.कू.यु.मु.डि.अकूबा.रे. रूव.युर.क्यू.चिंय.क. इरा र्लारकुर्रालकावाश्वादिया कर्त्राक्षात्रेरावार्त्या कुवकार् में कुट्यानेराला क्रूरा देलर.कु.सुर.पाम.श्रुवा.केर.। बालूबा.कु.सुर.दुर.जा वर्रेर.कु.रूपक्रीर-वि.सूर.लूर नुमारक्षेत्र्व्यविरामान्त्रेया क्रांत्र्यक्ष्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्र नायमार्देशस्तु प्रचीत्रिया श्रियावाराम् क्षेत्र भिष्मित्र क्षेत्र भिष्मित्र क्षेत्र भिष्मित्र भिष्मित्र भिष्म おか、それには、るからながしては、かからないないというとは、あいまとはとういってんがとせ भुणाक्षेत्रधादे क्षित्रिया मा किणा कुष्या कुषा हुत्र मा विषय का कुर दर विषय के स्वीत कि कि नाथकार्, कर्ष व कत्र देशी रे कर्ष क्रिकेश के का अंग प्रविश्वार नाती ती हा का की र क्या कर कर ज्रु.एरेब्र,इरक्र,र्जावार्वेर,वर्षेरायेका बिराधुवार्,वार्ट्र,क्रि.फर.वेमत्यम्भानीरवे विराये あか、からよいのきないののかのからそくまず」からは教生者とかのとのちはあるかのでから ये. १६ १. किर्मेरा चार्ते. की हुवा किर कुर्जिस किरा कुर पूर्व रह लिया में व्या मुख्य ता हुवा स्वा मार्थी. の名か、かいかいとくまれ、いろく、そうないないろれられていろうとうころとうというかいますい भुवाकार्टासीट्यूकासीकामा। एउसिक्ट्राकामान्ट्रिका अभागरामावा मुद्रसूरि मुरा दिर あれずかれずたれ、多大の変がかいまたこしよるあいまり、からないのできるとうとしまし कुश्क्रम.धुरेश्म.करा कर्रात्म.मैंका प्रथिश्चर क्रमेंक्र.णयाना क्यातार्श्या क्रिकुरारा रवाति.पश्चन्यपृद्धवितारपरस्यिति। वैराम्भूचनपृद्धविद्वावर्त्वती क्षेत्र. मक्रान्त्रहेश्रिक्तरात्रम्था लिक्कक्रान्त्रहेन्द्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्रान्त्रहेन्द्र いたべかははなくまとかあっからいまれるまといまれるがありかいかいますいかってくりままするから くるいのにいるまとうと、からないのからないというとうとくないのうないのうないというというというして कि. महिन्दीर दें।। ह्या श्री अका अक्षा का कार्य कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य अर.रि.सूर्य.ज्या = सूर्यर्थर्थर्थित्रात्रितिकाल्याकी प्रत्याभाषाकाल्याकात्रित्रेर्देश श्रीक्षेत्रकाभावत्रे बुर.मे.णुप्ता अ.क पुरु.पुर.मे.श्र.णुपक्की प्रतेशका कु. लुका त्रिका किरेनुरी मी.जुप. ता पह प.कूपे. र्जु में. कुर्ता कर्यास्य के के का मूलके देनेरी विकास कर के कि में भी का विकास कर के कु. गू. गू. अ. वर्षे ,परे, जा क्रि. युवा क्या की क्षेत्र का माने कर कर परे का नामर शुवाक्ष्यामा वालर.कवामात्रारत्रत्याचे वाल्या हिन्द्रा हिन्द्रा हिन्द्रा वाल्या व्या コロのまままあからからいりのとままならなるととなりなかからしてまままかから

त्रकालवा डि.हुम.सक.सु.सबा.क.। द्यार.कु.बर्द्यार.बुक्.से.०वना पर्लेर.से.फ.कूर. इर्टिंग्री राजन कुर्वा कर्त्वा मूर्टिंग्री प्रचा कुर्टिंग्री राजन मितार क्रियार हे. ह्रियान क्रिक्श रट अमारीय नाप यह मार्टिया क्रिक्या क्रिक्ट क्रा क्रिक्या की र्यात क्रिक्या लुचन्ना बिचन होते हिर से मार् निर्मा हैर निर्मा हिर से निर्मा हिर से निर्मा हिर से निर्मा हैर निर्मा हैर निर्मा हैर निर्मा है हैर निर्मा हैर निरम हैर निर्मा हैर निर्मा हैर निर्मा हैर निर्मा हैर निरम हैर निर्मा हैर निरम हैर निर्मा हैर निर्मा हैर निर्मा हैर निरम हैर नि वक्का कर्रेड्रके कुर नक्षकिकर्य परेग्री कर्यर क्षिय का श्रिक्ट्रस । क्रिक्ति । कडरत्यकिक प्रेर विवाल का क्रिया स्वर मिर्देश का क्रियों कर का विरक्त न्तुवेन्त्रशान्त्रम् प्रेवा। न्यर्त्या क्र्यान्य क्रियान्य क्रियान्य पर्दर विष्य क्रियान्य पर्दर विषय क्रिया मिर्मे के नाम ने विकास कि कार के कि कि कार्यकार के कार हैं के मार के मार के मार के कि मार के कि मार के कि कार के कि कार के कि कार के कि के कि कार के प्रमादिया देशा होत्रा के विद्या में किए के एक का मेरा में ये कार्र कुर् में किए मेरि किर कार कर के मेरिक कार कार के कार कार के कार कार के अनुन्य अभिणा विकास मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र विकास मिन्द्र विकास मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र बुग्. गर्रुर. गर् की ब्रास्टरिए हो में ग्रेंगारे ही किर्रेर हे अप्रिण कर की में ग्रेंगाय अप्रि न.धुन्नक्ष्यंक् विश्वाक्रुवा. नवना की मरामे ब्रुटिर्द्र के। तीलक्षेत्रक्तर वार्य वारम्य नत्ने इं कर्यक्तर्रा से त्या है कर है विक्रिया में कर है के कि के कर है के कि कर है के कि कर है के कि कर है के कि कर देशकारकार्क्यक्रमा खूकिरासाकार्व्यत्मात्री क्रांकिराक्षरकार्याक्षेत्राच्यात्रा प्रत्नेन द्वा देन द्वार हेन वर्षेया वर्येया वर्षेया वर्येया वर रर. भूर.री - चातित्रक.र्कर.कम.कम.इ.प्येश । मुके.कु.इस्.कम.कम.प्रचर क्रा.कम्.इ. उरेश । श्व.रव.यवाकाकी रकार कार है। एड्र्स से यो करणा कर्या इ.एरेश किए में से कार बीररेट कथिका श्रुव्यत्त्रेत्रात्र क्षेत्रकार माना कार्यात्र व्यात्र कार्यात्र कार्यात्र कार्यात्र कार्यात्र कार्यात्र श्रेव रश्रीरम् । विकासेर विराय विकास के विषय विराय विकास के वास स्थापित स्थापि भूभह मेर्यू । इत् नेर्वाया वेरे क्रेंग्यु व्याया वेरक तर्या व्याया क्रिया वर्षा क्रिया

1585

Lay way 4 वशुवा

निष्ण । रह्मे के दिरक कि मेर मेर मेर के प्रकार के कि के मेर कि मेर के कि के मेर के मेर के मेर के मेर के कि के अस्कर्भार्तिक्षिक्षेत्राक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष あるというとなるとなっているとうないというとからいいまかいとうちょうとうなんできるから 以のあるこれにいるいのが、そことがよりあるいとといるとはあるからあれるののある करि, तर दिर है, ने हुर देश के कि हैं। कि कि कि के कि まっから、いっちょすくしのいっちっかいいらっちとは、かしまりかりますいかしまり 発しるといるまとのます भीत्री केवात्रत्यकुर्वा भीत्रकृतिवाविका क्रियात्र मार्थित कार्वा मिल्या र्द्रकर में वार्षिय होता हैने विस्ता हैने विस्ता वि सन्त्वासा केन्द्रस्थाप्ता विकार्या । सर्ति प्रत्याक्ष्यास्या विकारत्या विकार अर्. जर्र के बार कार कार के नात पत्र वात पत्र वात पत्र वात पत्र वात प्राचित के प्राचित क कुर्वस्थानामा जारमाना किरवाव्यतेकारवृद्धाना प्रत्वावपाक्षेत्रम्भरत्या ल.ययना प्रयान हि. हे.स्या. त.पवरी रमर.मू.लुड.मकर्डा.अर.वरी कुर्जुर्जुर. रमान्या नेत्रात्त्र्या नेत्रात्त्र्यात्या मान्यात्या व्यवस्थात्यात्या भ्रम्या भ्रम्या भ्रम्या भ्रम्या भ्रम्या म्नार्या गेकिए र. न्या स्यास्त्रातीतिति त्र्या एकरत्यता का हिशास पर क्या रात्या। नवर रथकेल भूष मून्यक्रीय करी रेज्य बिन भीर क्राय करारी सेरमें दिया नार विश्व विकास चन्ना सर्जात्त्रेत्त्रव्यात्वर्त्तात्वर्ते कर्त्यात्यात्ररम्त्रात्ररम् भिर्मात्रा भेवात्राह्मेत्र क्र। क्रिन्नेश्चन वस्त्रमार्थर सरा प्रम्तान्ति प्रम्ति स्त्रे हेता वसर तकार्ये स्वार्थ जीया बार्यन ग्रामाक श्रमान विकास परिवा करा साल हीर सा की निर्वा मिने अर्भरत्वेन अर्भन्य वर्भरत्वा वर्भरत्या क्षेत्र द्या देवा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र करकुक्द्रन्त्रा कुक्र्यस्वमार्थ्यत्या यूक्तिकरणवसार्वस्व कूर्तर्रा क्रियरवात्रा. पर्राह्मानक्ष्रीत्रकामा पर्वत्यात्रित्यात्रित्यात्रेया वर्षे पर्वत्यात्रेया वर्षे पर्वत्यात्रेया कृति केल नुस् सेनसूरके अन्तर्रा मुब्तू हुन मिल के नररा मुक्ति कि मान्य मान्य के मान नामका कर् ने क्या तर्वा हरा देने स्वरक्षेत्र मने हिम्मत्ति क्षेत्र मते क्षेत्र मते क्षेत्र मते क्षेत्र मते क्ष ण.मुआवशासूरी पूर्वाकर.भूनेत्र नुममिणक्षिती रेटस.मुखा.मुम् वनसारी वैरासकीनपेट जासका रतर्भी रतर्भिकेशक्र कर्णत्याचार्युमा वस्रक्षानासाम् म्यान्यस्य । सरवज्ञा वित्रेनीमकर। मेर्नमप्त्राक्तरम्भित्रम् नार्वेद्रम् नार्वेद्रम् स्वरं भित्रम् वर्षेद्रमात्रम् न्त्रकात्रेत्र के क्ष्याद्र । क्ष्याद्र के क्ष्याद्र के क्ष्यात्र के क्ष्या क

190 लुक नरर के बाकि । इमानिरेशक के का का का का निर्मा के का है। मुंब नुरम्भू में 1321 इभामक्रेन्या क्षेत्रक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्या वर्षक्ष्या वर्षक्ष्या वर्षक्ष्या । स्थान निकार नाम के कार कि कि कि कि के निकार के नती वर्गक्रमार्थियो भेरेरे तर्ग विकारमें असे तर्म तर्ग विकारमें के का अरम्पुलेग्रक्तम्केत्राक्तम् नुत्रपूर्टियूर्टिय्ट्रम् देश देश देश देश देश देश मार्थिय के अबेर निरं मुर्देव ही हारे पूर यूना क्या है चेंद्र है। किए एके वर्षे ने निम्प्रस्की यासर कर चलिया रीयामाक्षीर्यास्मामान्द्रस्तात्वीयर्यास्मान्त्रीत्रायात्रमान्द्रश्चर्यात्या द्वीरा है बास जो प्रमाया हो से प्येर कुर देश वर्ग हो देश एकी पार्वी पार वहिर देवी सार्पेर्युत द्वाय इराइ। बेरयाइर वरे वर्र स्पर्युरा देनिर वी गूलाइव के वे करे के र वरे दे या ही है वा स्मार्थरा क्रीनानीनाकरानीक्रास्त्रिक्तराद्वीस्थात्या तेवास्त्रिक्त वेवास्त्रिक्त क्रियात्रिक्त क्रियात्रिक्त क्रियात्रिक क्रियेरा इराइ: बेर व हिर वार्वेर साहा पर वर्र राय वर्र राय वर्ष का कि वार्वर रेश रेश के विवा नालमान्यान्त्रेर्द्रिक्षात्र्रेश्चित्रम्यान्त्रिक्षात्र्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् देर हिन हेर हुए ही हैं कि एक कि का का का का का का किए कि का का का मुद्दा कि का का का मुद्दा कि भूतेन्याववात्रात्रात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् एड्ल की तियान् संस्थित मुस्य की भरान्व असी सिर्म्य प्राथ मिन्त का श्चित्रस्योक्षेत्रस्योक्षेत्राच्यायात्वरा द्वरह्यात्रिया द्वरह्यात्वर्णक्रम्येद्वर्णक्रम्येद्वर्णक्रम् मान्द्रस्त्रम् भक्तामाना देत्रमाह्यान्त्रमान्या विरामान्यान्यान्यान्या hummer. तक्रमा ल्राक्तिनारिकामानपृथिनामानिरियोगानाम् रिर्धियविर्यातप्राम्मानाम् । युक्तरद्रम्भक्तम्। स्वामानीमक्त्रम् निर्मानम् विस्तर्भात्मा देश्यान्य स्वामा ३०००००० वर्षेत्रास्त्र केत्र हत्या देर श्रेवक्षण महत्त्र स्था क्षेत्र स्था देर हत्या प्रत्य क्षेत्र स्था हत्य स्था स्था हत्य स्था हत्य स्था स्था हत्य स्था हत्य स्था हत्य स्था स्था हत्य स्था हत्य स्था स यानवश्रवस्थात्रीक्षे किरकरत्येय किरक्ष्येय विद्याने विद्य श्रीरम् निप्रमेन स्वार्मिया व्याप्ता देर् ग्रिम्य मेन क्रिया में क्रिया वर्षे र मेर् प्रमेर केर मेर पर प्रमेर भारत्रत्या अस्त्र म्हिन्या स्वारक्षेत्रका सैक्ष्या स्वारक्ष्या स्वारक्ष्य स्वारक्ष्य स्वारक्ष्य स्वारक्ष्य स्व न्त्रवा देर्रिल्रेनेकेक्रियोक्ष्या क्ष्रियरेर्ट्रिक्क्रक्षा क्ष्यरक्ष्य क्ष्रिकेक्ष्य क्ष्रिक्क्ष नर्वकी के नर्वकानाम्हर नेवर्ष अस्ति के निकान निकान के निक त्रूर्जी न्यूनाक्र्येराधुना प्रमाकिल्या क्रिंनात्रेनाक क्रिया क्रिंनात्रेना क्रिया क्रिया क्रिया

रत्युन

या विमा के राजपु अरेटर वचा र हर कर वाल्यक केरी र बीच बुचा किया अवश्राक्त मेला वी मह स्रिक् त्रे क्रीरी उर्म् रिस्ट्रेर्स र्यार केर क्रिंग सर्ज्य क्र क्र क्र क्रिक्स क्रिया में क्रिक्स क् मिन्न कपुन्नियामन्त्रिया स्तियासम्बद्धान्त्रियास्यास्यास्यास्या क्रमक्ष्याक्र. ह्रायाकाक्ष्या विस्वार्थरत्यर क्राये विस्वार्थर विस्वार क्राये क्राये विस्वार क्राय क्राये विस्वार क्राय क्राये विस्वार क्राये विस्वार क्राये विस्वार क्राये विस्वार क्राय क्राये क्राये विस्वार क्राये विस्वार क्राये विस्वार क्राये व भुक् किरण अरी यू किररेय कर्ने नर्भित क्षेत्री रक्षेत्र म्रेन्य में पर्मित क्षेत्र में पर्मित क्षेत्र में पर्मित るがとはかかいとないるなかなかり さとそ、はちいるないいとなり 1からまるかのけいからなるとうす अंश्रमाक्षा कियात्र महित्र प्रमाणा प्रमान त्रिया । विमाणा प्रमान महित्र मिन । भूका वशनस्यित्यत्यान्त्रे वर्षात्येता व्यान्त्रेता विकास्यान्त्रेता विकास्यान्त्रेता विकास्यान्त्रेता पत्रीमात्रमार्त्रा दलदमात्रेक्ट्रिट्टावा क्रामक्रेशक्षित्रक्षणः भूवर्ते । त्वामायभूद त्रमञ्जूष्ठीवयाम्यवेरी देवर्ष्ट्रिय्यूष्ट्रियामाण्यव्या सरव्हेर्ट्रह्रमानेणवी मेर म्यानिक क्षित्र के कित्य के कि स्रेक्शास्त्रक्षात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्र्यात्र्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्य क्राचेरा देखराहरअइ.ची.प्रशाचेराव्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र बाधुकार्तेन महद्रमात्राक्षाकाकावरपर्वेतुर्मेकात्रान्त्रित्रमान्यात्रेत्रम्नेकाक्ष्यक्षेत्रम् मुण्डित्यम् मान्यान् विकानिक व क्रिकान्त्र हिर्म् भूवक्ष्यम् मूर्रेत्या क्रिकान्त्र मेर्ट्यालय मीमानम्परम्या कामालक्षात्रात्मा माम्यानम् मान्या るはべいなが、あい、かままればきな、か、かいのます」などとうとかいいかかいいのから क्षा मन्त्र महिल्यो क्षिया विद्याला क्ष्या मित्र स्थान क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या व मियुवालवा वर्षेत्राक्षरावनामान्त्रात्वाक्ष्या क्रिक्ट्या क्रिक्ट्या वर्षेत्रात्वा वर्षेत्रात्वा वर्षेत्रात्वा वसिक म्यान्त्रेत्राम द्वार्य म्यान्त्राम देल का नाम मान्यान मा इरी पर्टर रर्वेषु डकालरकाल मार्थर अर्बेरी रिकप वर्षा कि.वे विकास में कार में कार कार रुमवार् श्रीरामव पाइरा सार्रामावत् वृति वारायुक्ता तहारहेत सुरायुक्ता तहारहेता जिंदु: मूनकि कत्त्रवरगा अस्ता पर पर्दर्शनामा का वार क्रिकान्द्री कुर्यात्वार स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व एकर हिन्द्र । इत्रेशन्त्रमा की विकास के निया के

णविशा एकर नार्वहूं वाका माना सेरमेरिक व्यास्त्रमा मुज्ञाय प्राप्ति कार देखरे. लुवा क्षेत्र्वामक्षरक्रेरक्रेरल्य मालुका क्षेत्र प्रकाररे तहत्मक्रवरने। सत्येरख्य याम्या वार्यवादेक्वियाते वर्षेत्र वरम्या वार्यया हे या के त्या के त्या के वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र म्रिक्त वार श्राप्त कर होता दर्श होत् मित्र म्रिक्त कर कर कर होते होता कर है। अर्वतर्मस्या दित्ररक्षः स्यानेश्वत्त्री स्रीर्थम् चतुस्य राज्यास्य विकासः स्वीर नकेर कर्ति हरूर कर मेर्टी के का की नकेटी रन एक देर देर अप में लेगा के हैं। इरा बाजरत्रक्षिए वैद्यामा दूर्विवामा भुक्तप्रस्तित्वेतु, वृद्येत्रद्र्या क्षित्रमान वृद्या क्षित्रमान विद्या विद्या क्षित्रमान विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद् प्रदेशकार्ता रधुक्रिरक्र्रालरता वृद्धाल्या विष्णात्वा विष्णानिस्मान्या में दिर विद्यालया मान्या है। क्रिक्टिक्रम् सर्वेदिके महावयक्षयक मार्नित्र एड्प प्रविधान्त्र क्षित्र क्षेत्र स्तर गरता देरक्रियम् केवलायम् द्वारायम् द्वारायम् निर्देशकार्ते लर.किर.लंगरे.मुक्तरश्रेक्मश्ररलूरेनमभ्येतन्त्रर.क्र्याक्ष्यं स्वार्थर में भर्गे लें में सेपालम्. लिया बर मूर्केरवका अर कें करी द्रुटिकण मूर्क क्षेत्रक मार्थका प्रवेष केर मार्थक कर मार्यक कर मार्थक कर मार्थक कर मार्थक कर मार्यक कर मार्यक कर मार्थक कर मार्यक कर मार प्रात्मिर्याभ्यान्त्रेत्रक्षे क्षेत्रस्य क्ष अद्भाक्त मार्थर मार्थ वार्थिया का पर्यात का मार्थित वर्षिया पर्वाय वर्ष मार्थ मार्थित के मार्थ नर। विश्नर्वक्षेत्रत्रक्ष्या । अञ्चलक्षेत्रविश्वत्रक्ष्या देवणचाम्यद्रित्तरक्ष्या क्रिंगा बालकार्वालक्ष्रकर्वक्षेत्राक्ष्रवंशा दिरभूराबाती.एवेबाएडिकानाता बाज्येनायु.गु.एवेदर. तिश्यनी श्रात्येशक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षा श्रीरतित्रव्या त्रित्रतित्रव्या त्रिश्चित्रकार्येत्रव्या अश्वरमेव्यायामा स्वान्या स्वान्यामा स्वान्यामा स्वान्यामा स्वान्यामा स्वान्यामा स्वान्यामा स्वान्यामा स्वान्यामा म् नर्भाति । योत्तर ब्रेट्सेश्रेश्रास्त्र वापात्रमा उपाप सूर्व तिवस सिर्वि वेश व्याप्त ह्या प्रत्मत पहूँ मता रमर्के सेर्रायम् वृथा रबर्ष्णिमाने मक्षेत्रका क्रेम् मर्द्रवस्त द्यार में केंबर अपने वर्षे देवर ता बर तो वर के किया की हो की को की कार्य वर्ष के किया क्राक्षा क्षेत्राद्रद्र्यक्ष्यां क्रियाम्भया वावयक्तरास्त्रः श्रीरामा से में ते द्रिवाका क्रिया देवा पत्रक्रिक्षण्याकर बरदरा क्रक्रियर्य में क्रिक्य यह क्रिक्य वर्ष क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य क्रिक्य अ.इ.केल.का रनए प्रत्येत्र केर में बार्य हैं। बाबाल बेबा इंब सेल हैर मेर्टा के लूर करे. रे.ब्रह्मीकारी क्षेत्रहर्मा अस्ति हत्या अना करा कर्त्य में का कर देवी के के कि का कर देवी का कर देवी का कर देवी के कि कर देवी के कि का कर देवी के कि कर देवी के कि का कर देवी के कि का कर करद्रअसिकाक्षीयाता अवदेश्तनपुद्देश्यम्भावता श्रेत्यारक्ष्यात्रीयान्त्रीत्यास् न्तर्वितुर्यात्र्यर्रक्षका कुर्यात्रचार्यकार्य्यात्रक्षात्री कुर्वेशहर्त्यत्रीत्रव्या क्यूत्र्याः लुभक्त्रेर कश्चा कुक्शाकररकी अस्थवत्रा अस्थरहरमान्त्रीरकवा स्थर क्रिक्स

Anda)

म्नेन्यामित्या केन्द्रस्तिताम्कालाही स्त्यास्तालाक्त्यत्रेत देवमक्तान्यक्ता इत्रा र्रेटन अर्ग्य हेपार्वकाला के किर्यम् व्रिक्तिया वार्म्यविद्धिर्द्धियान माक्रमर्दैवर्भेन्यम् अर्थर्रस्यक्त्रिक्त्रा क्रम्यर्थक्ष्यक्ष्या स्थान्त्रक्ष्यक्ष्या स्थान्त्रक्ष्यक्ष्या स्थान्त्रक्ष्यक्ष्या स्थान्त्रक्ष्यक्ष्या र्मत्वरित्रभ्रतिम्द्रम्या स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य द्रित्रम्य द्रित्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम खुर प्रेच बीम बीम की श्री प्रमाद न एवर्रिया बीम में मार रर रहा है ए कि नमात का की सर ए के सिम いっていかがかかり 単いたりとあたらないのがくなからないはいだいとうとといってきますが देर स्वरदर् येवश्या देर वह्या होर हेर की का केरवोश हर खेश दे विवर के केरवोश हर खेश दे विवर के केरवे

र्रेणान्या अवारमाद्वित्त्रम्त्रत्रित्स्रर्रेणास्या इहित्रुव्यित्तर्रेणास्या श्रीमिन्दे । स्र माना कार्या कारणा कारणा कारणा कारणा नेराना में माना में कारणा रत्यर्भाता अर्थे वृद्धिकेर उत्तर्भात्र द्वास्य में स्थान के विकास का ता विकास मेरिया नामवद्दाश्चीदद्वान द्यत्यद्दार्वणा त्रश्चीतक्षेत्रश्ची भवद्वारा राम्श्चीद्वारा दवर्षा यवदे क्राइंद्रालेबा पर्वेश्वभक्ती वाहेब्र्ये. हेब्रास्थारी रक्षास्थार मार्ग्येत नकाई देह्द वर्षेत्र क्रियान न्द्रियवश्वित्वित्वा देवनकर्त्रपुर्ध्व अत्राम्याम्या स्त्रिके भारत्यास्या नाद्रप्रत्रस्य श्रेमा रम्या च्या कर्ते क्षेत्र व्या क्षेत्र व्या व्या व्या व्या क्षेत्र क्षेत्र व त्वेद्रमुला मेशक्याचेभाक्षरेत्रलाल्येत्वामा द्राम्मे मेलक्ष्याच्याची हैर अन्तर्मा के मान्य में देश देश निर्देश करते कर के में देश के में देश के में देश के में के में के के में के किया पर्यास्त्रीत्रस्य मार्थाः विष्यां विष्यां के त्या के त्या मार्था के त्या मार्था के त्या मार्था के त्या मार्था के त्या र्चाक्तरक् पर्येच । य्रिकेशनपु यहिररे क्येयायेशक्ता प्रेशक प्रियम्तपुर्वाय वर्ष का कुर्रिमधं में लाया ने या मुध्तिमा पर दूर्य नाय प्रमुख लार मिंग दूर कुर कुर है। उर ने त्रैमाक्किलक्त्रात्र हेन्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक कुरिकरें क्रिक्त क्रिक्त कर सामुकतिका परत्य प्रतिया प्रकृतिया मक्रियान केरानेता स.एमर.स्याना अन्त्र में ने मार्ने कर्म में मार्मित में म्प्रिकर्तराजी खराक के किहरे भेरतर र्त्यर स्वादेर दिन गणना पान करेर पार वर्ष १ नहेरा म्मा देम्ने की अन्याक्षण के कि विकास मिन हैं विकास के मान कि मिन के कि कि मिन के कि कि मिन के कि कि मिन के कि मिन के कि कि मिन के कि मिन कि मिन के कि मिन कि मिन कि मिन कि मिन के कि मिन के कि मिन के कि मिन क चित्रः स्वित्रः क्रिक्या देववाची क्रिक्या निर्वेश क्रिक्या विद्या स्वित् क्रिक्या विद्या स्वित् क्रिक्या विद्या वर्षेत्रा वीतर्रायक्षत् युर्ते केराया द्राया द्राया न्याया वर्षेत्र वर्षेत्र केरा देव्यके कर्षेत्र काली क्रिक्ट्रत्याक्षीरद्वाद्वात्र्या देवन्याक्ष्यक्षित्रक्रदे। क्रियक्षेत्रक्रियक्ष स्रीर पर्नेन में का पर्ने । किरमेण जूप, मन्य नाम मुक्ता माने प्र में प्र करें में रिट्र मान

स्राम्भारम्बर्गित्वर्भाषा वर्षार्वाणक्रंत्यार्थेया विरहेर्द्रेर्यात्वेरपर्वे वर्षा स्वा अक् र क्रीनामुभनाद्र तर्मक्षा त्र में के वर्षेर् वस्त्र क्रिया में वर्षेर वस्त्र स्तर उर्यायमान्त्री मुद्रस्तामय्यावियम्भाक्त्री। देवनाव्यवीद्रियालस्या सेर्यायम् अप्रवाडुवकापरेवर्षा वर्रामार्थिक विकालिक विकालिक वर्षा वर्षामार्थिक विकालिक क्षेत्र के वर्षा र्रेडिरम्म्यूर्यक्रम्यमार्गि द्वारे क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र क्रिक्र मार्थे क्रिक्र मार्थे क्रिक्र शुपह्रम्दर्भ । क्रि. रि. रेम कार्मिय किराने किराने क्षेत्र के मार्मिक के किराने क्र नेत्र विद्रश्चिमा महिद्रश्चिमा क्षेत्र में क्षेत्र के महित्र के निक्ष कर् पर्गवस्त्रेर्वभनेमा पहणाहीर गुर्देश मेरेजा वर्तेहै है परिचायकर विशेषा संग्रायक र्रास्थातीलाकी र्यात्रीयाक करेर रक्षात्रियाकी विस्कृष्टियाका र्यात्री विस्कृष्टियाका र किर प्रेश में वि उ क्राम्य। क्रीसिटिनि । विभागते श्रदेशमासुर केर श्रमास्य क्राय स्थित केसा सम्बन्ध व्यक्ति स्था क्रिया स्था स् २०भा देवे द्वारा वरक्षेर के विषय विषय विषय के महाराज्य विषय के महिरदर पर की महाराज्य इंश्वेरक् कार्ये नेपालक के कार्र देय नेर हिरर् के नेर मेर नेर नेत्र नेर ने ने कार के कार् वर्वमार्थर नि. ग्रेम गर्मा रेविक करली में मिल हैं मिल हैं मिल हैं मिल हैं निर्देश में मिल हैं निर्देश में मिल हैं それ変型かまくし がくる、いかのはなかっち、ものから、そのうくっちにからいらにからいの変が対す लूरनेमा किए सूर्य देशकायांभवर्र देश कि. एवाए म् एर्वे वार्ट्सर वी. प्रेर मन रेवे रेक विवासन ヨイニを見ていまして、まっているといれるとないしていまして、これのことのことのことは、これにいいまして वर भारते में में माना पर्द के की भारता वा प्रदेश के प्रति की में माने के किया में माने प्रति के में माने श्चित्रेश्च त्यात्रेर नेता देश द्वाराक्षर क्रिन्द देश क्रिन्द कर कर स्थानेता क्यात्र सम्भेत्र ला भराए हुन लें यो भर्य कुरा हु अहुवा किए युव पाइर प्रया में वर्य प्रति कर रेस् माला. क.क.शृक्षिणा कावानु,पत्तरप्राप्टरत्वाकामेंद्री कीरवरेनप्रत्यर्रात्तर्वित रवे एकरकर वीदामूं वि चरिवारता अविकार्र्याक् में वर्षेवरता पर्पार्क्यर्थना पर्पार्क्यर्थना अविवार्थात्वी अविवार्थात्वी अविवार्थना एड्,वंश्वामा मानाधुपत्रेरंकारिर्जुमानमूरी की रवानररिवियामानुक्रिया प्रविद्रित्रियामानुक्रिया प्रविद्रित्रियामानुक्रिया कुलवर्सरा वडर.जूए.कूर्ररर.पुत्राचामरा वक्कावरापर्वावक्कातमाक्ष्या क्रूरतरापर्वावक्रूरात. त्त्रचा विक्तव्यव्यर्भेतातातात्रम्भा रवन्तर्भेर्ट्रेट्र भूता वर्ष्ट्रम्य विक्वरव्यवात्र वर्षेत्रम् र्द्धर्वरम्बन्नावर्द्धर्त् वर्द्धर्ता ।एक्वयावतिद्वर्णवर्द्ववेष्ठव्यद्वर्ष्यावर्ष्ट्रवा चर वर्रेररे नुवय र्थायावी के का अवर रथ त्याया में करी व्याप स्थाप के वर्ष णुः पर्यात्री श्राणवानाववत्रमान्य स्थानमा नायवनाववत्रम् नीया भारत्यात्रा मानवानावतः

237

南海

व्यक्त

म्रेट्र्यसद्पर्यर प्रमाणा नियर्यात्वरात्या नेपर्यात्वरात्या नेपर्यात्यात्वा निर्द्रात्यात्यात्वा निर्देशक का क्र्यंत्र क्रियंत्र बुनायकानपुर्वे से बाजिया विवास्त्र मुक्त में बाजिया में प्रति पर्दे पर्दे में प्रति प्रति में प्रति में प्रति में रमाग्रद्धमान्यात्रा रेश्रेरमद्द्रमान्य मान्याः मान्यद्वान्याः द्रम्य अले. हैं. श्र्वा किर युवा विदेशक वर्षाय मुत्र हरे किल अयुना त्वें असे देन ल र्जिय स्ट्रिं चम्ना रेचार्स्च करियामान कार है। राम प्रदर्भन पत्र ह्या करिया महिता महिता इर्गार्डिसी पारार्थावावातुः कूरावक्षेत्रक्षेत्र वर्मा नरम्रात्रीय नतुः क्रिस्से म्रीता क्रिस्से म्राम् श्रीतिकावेदा पर्वाचाकाके.लूद्रिकावावाकानुत्री रेवाक्षरेटार्क्षिणावधवाद्रभानुरा रत्नरका चर्चिश्राक्षिणाच्युं देशा एक्रेरे ता स्र्रेरे ता स्र्रेरे क्या तर त्यारे स्रेर्य क्या दर स्र्रेय स्थापन रक्षा द्वाहेश्यश्वरादे।व्यापेद्वीया द्यवाविषाः व्याप्त्याम्यद्याम् वर्षेद्रायदेरीयादेर वेवा न्त्री मही का त्या मही का का के द्वा दार देन दार में दान देन के देन के देन के ता हर ते के समा महिला के का लग्रहें अर्शुक्रिण गुरता व्यादाष्ट्रिय वर्र विकास्त्रिय वर्षे वास्त्रिय स्थाने मक्रान्यम् विम्भेगत्याद्वान्या चार्याद्वान्यम् क्रिय्युत्वान्या रमप्तराक्ता अधुवति,परेर बेराइ,ररारेया किंधे,अधुवि,क्षण्यर वरेवा कूनमित्यीवरका पहुंबाक सुर्व केरी कामर हुर बेकर नय कुरेश किकियरें या मुलेब की मिन होता हुरे ता हुवा था. नपु.की, में की की प्रत्रा विके केर त्या हे त्या हे त्या है त्य ते कि कि में विका कि कि कि कि र् अक्टरार्ट्र कर्रावर् क्रिया रिक्य वाक्व क्रियक क्रियक क्रियक क्रिया देश क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये क्रिक्टर। कुर्वकर्रहर्वक्रियाकुणा कुर्वरत्तरत्तर्वक्रियाता देक्रायुक्तरवाक् पर्वेश कु अन्वर्थिकरपूरे प्रधिकार्क्याका भिरत्तालयक्षेत्र पहुनी रब्जुल मरी देनुन चाती किया मुंबसूमा मुना केम होरे एस हर महत्य किया के महत्य के महत्य भूरम्भियातिक कर्यातिक कर्या भिरातिक क्षित्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र वेशक् वर्तामश्चीररमामाश्चीर्त्यविमाश्चराम्द्रास्तारा वृद्धविद्वार्यम् がありまかっととかまいがくのまれないなく これいしっつがのされからればらまいまとつかん वृत्रास्त्रस्य देरदेवयमाधुक्षानुविमापवीकार्यरा क्रिक्स्मरम् मेर्डिस्वायवम् अहरन्यु, गुरे के अध्या नप्ता मार्लेक्य देविश श्रुर्द्ध के किर ले जरे मित्र श्रुर्ध मित्र स्थित मेर् かるある」「あというび、当人人な」当者のあるから、我生からどから」とがある、私いをいかる。 एक्रेर्क, ये.अ.च्र्यक्रेर्य हरलीकर्यर्रे वर्त्या मार्थित क्रय्ये में भरिविणकुरा बाजक्ष्यकुवाहराका अहरिज्ञवात्वी वाजरस्यकानानाने होगा हर्य. 突回かけれ 生ない変えをまるふのなかのはかのなののいいながらいいまたからいちばままし すらかと

23

となる

मेसर

7037

शुर्राया मिर स्तिकर स्वया होरा करिया हेरे ता वर्षात्या राज्या राज्या करिया हो वा वर्षा होर ग्रेम्मारक्षणत्रेत्रवर्षा वरत्रेणकेहर। न्यवर्रे स्थानकात्रीरक्षणक्षेत्रामण्या मन्त्रे न्त्र्राया गाहेरका हूँ यामा मान्या यात्राया के त्युरा के त्युरा मान्या हार दे के का मान्या हिरमुर्वकारी वी वामिर नर जिला देरुरे व वका केरे या दे जिले के व स्था मार्था दे । व्राय देव की वका न न्तरमः नतुः न्यायकत्त्रया नरत्रेरम् न्यार्थित्यर्थिया पहरदः पूर्कि ग्रीः विभावित्य क्रिया खेर्यातात्राप्त्राप्त्राप्त्राप्त्राप्त्राच्या कि.संग्रहितापर्वेताश्चीमावसूरी स्थराक्र्यमार्म्त्राच्यात्राच्या रक्षासी रहरक कि देश क्रिया न न कर करेर के के लिए के लिए के के के कि का कर कर के न कि का कर कर के न कि का कि क पर्नित्रः भिर्मा क्षेत्र में हुत्या हित्रा हित्या विकाल हित्या में क्षेत्र के का के क्रमूत्रायकमाणात्री द्वामार्कत्वात्रक्रमा विद्यात्र मान्ये क्रमार्कतात्र मान्ये विकालक मान्ये क्रमार्थित क्रमा उन्त्रेयम्भारम् वर्षा इसम्पर्यं हित्युं क्षित्रे हित्युं क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित मार्ट्स मार्ट्स मार्ट्स मार्टी मार्थी किरमीया प्रमान्य वार्टि मार्ट्स कत्रमाना क्षेत्रवास्त्रमा नार्षरम् कृत्री दर्राक्ष्णित क्षेत्रमान् मुख्या स्तानिक मिराव्य मिराव्य मिराव्य मिराव्य 1 भागपान्त्रीतिकार्त्यत्यत्यत्यत्ति। नामवर्दात्यक्तानात्रीत्रा देवाकार्यद्वास्त्रेर्न्त्राक्ष्यास्त्रीत्राक्ष र्वे वार्या कर्ण मार् मित्र के मार्थ मित्र मार्थ मित्र के मार्थ मि युक्त यावन मृत्रद्वार कुला मिरहर १०. एवं वलकृती वृत्रत्यार त्या ये या युक्त मिला मि नैस्पनित्। भ्रिम्म्याविद्याः मार्गेद्रिया वित्तर्ति वित्तर्ति वित्तर्विद्याः वित्तर्याः वित्रयः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्रयः वित्तर्याः वित्रयः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्रयः वित्तर्याः वित्रयः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित्तर्याः वित् क्षरंभग्राप्वेमक्र्र्स्याद्भार्मा मिलाना गर्मात्रक्ष्या स्त्रेत्रात्मा स्त्रेत्रात्मा लगःदेरक्रवः चते की जास्या वर्षा स्वेर होर वोभवुवः भवोदा वयभद्दा के ब्रह्म द्वार के बर् भूमहाराष्ट्र यात्र र क्रिया कालकार त्रीत कराई वार्च क्रिया कराके प्रति त्र क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया मिणा अगान्यः में म्यान्या राज्या राज्या राज्या राज्या मान्या वार्षे मान्या वार्ये मान्या वार्षे मान्या वार्ये मान्या वार्षे मान्या वार्षे मान्या वार्ये मान्या वार्ये मान्या वार्ये मान्या वार्ये मान्या वार्ये मान्या वार्ये मान् र्जी. पर्यातिक प्र. प्र. प्रमास्त्रीस्य से वार्त्र्रत्र्रे स्त्री से वार्त्र्र स्त्री से वार्त्र प्रमाने विष्टि स्वापा क्र वार्ज्य से वार्त्र वर्स्रा र्वान्यायम् अनुर्द्धक्र्य । श्राम्यायम् द्रिया देलद्रिया देलद्राया । श्राम्यायम् । क्रक्रें दें अभाष्ट्रात्र हु. के. ब्राया में या मे यमार्थ्या न पुरिना करमहे हे में र्था. रू.। रुष . यम्पर पाक्षिय बर स्वीया हे पर वार मूर्वे वर्षे र. जनमा र्जा में अवार्य में में देव में ने विका में राज्या में में में की वार्य में में में में में में में में कु.नर.रेतर.फा अड्डार्याएत,अधिभाग्रीभाषाएड्रस्मय। वर्षेयावरियाण्येपाक्रीभा

बुक्यमेदा प्रदेक्त्मां अर्क्त्यां कर्त्रेत् । हेदा क्र्या क्रिया मार्थित्या देक्क्रिया मेर्थित्या देक्क्रिया मार्थित शुरक्षाम्भाम् वर्षात्रात्तात्त्रात्त्रात्त्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रा र्न्युक्तर्भात्रम्य क्ष्यात्रम्य क्ष्यात्रम्य म्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य .र्.इ.इ.इ.इ.इ.इ.इ.क.ची.क.की.परी.परी.परी.या १ क्या.मी.व.फ.व.पर.फ.मू.र्रा जा. त. ज. जुर. ज. मू.र्राया है. कर महत्र महत्र मार्म मुंग कर महिता कर महिता कर महिता कर महिता कर महिता कर महिता कर काइया याराकाइयः १ वार्षाका वार्षाका नेरा है नाया है वार्षा है वार्षा वार म्नेन्द्रतक्षरातकर्त्री विग्नुविश्वविद्यास्यात्रकात्रात्रेत्रा क्षेत्रत्यात्रम्यात्र्यात्र्यात्रम् क्रिस्याकर रे. वर्षेत्राका विकास क्रास्त्रार प्रायम्भित्ते या क्रिस्त वर्षेत्र प्रायम्भित्ते वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत त्रव.त.ए।क्र. दुष्टा, दूरा क्रूर.के.ह्य. लाव. हिर.क्र.वुका लार.र.क्र्य.क. क्रि.र.क्र.वु. त्रा क्रम्या. र्भराक्षराक्षेत्राद्यत्यातीया क्षेत्रवातरावीत्रवातरा वे हेराव्यात्रका क्रिक्ष वा विदर न्रत्यात्रम् क्रिया क्रियां में विश्व क्रियां क्रियं र्भग्यात्रु.लूर.लूर.ह्येचा.पर्तूचा ।लर.र्ज्यूम.क्रिक्यर्क्यूर् । किर.म.क्रिश्चा.कूर.क्रीया उक्करनर्रात्र्रम् वित्रात्रेया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् एह्यामान्त्रका रत्रमूर्विस्र्राचार्येत्रका राष्ट्रम्याच्या म्यान्त्रम्या राष्ट्रम्यान्या । रवः श्रीर्वासर्वा केर्याद्वाद्वा क्रास्त्रिय्ये के विकास विकास विकास विकास के क्रिया केर्या विकास केरिया त्रिणार्स्र मूर्त्या एमर्भगा विकाश्रिमार्थिक म्यान्या रक्षे सुर्भा विकास लिया द रूर विषय में के प्रतिकारण क्रिक त्या त्या कार्य कार कार्य का त्रम्यान्या विस्नेर वार्रे ग्रीस्था कार्य के विस्नेर के विस्नेत्र के विस्नेर वीयनेत्रस्थाने त्येवा याने सामा क्रिया के त्या क्रिया क्रि ज्युन्ति । त्याद्रिम् अवाद्रिम् व्याप्ति । याद्रिम् व्याप्ति । यद्रम् विष्ति । य क्रेडमाम् रियम् मेर्डिया मेर्डिया मेर्डियम् मार्डियमार्ड्यम् मेर्डियम् त्वक्तर पर्क्रिक मिन्य क्षेत्र तक्रणा के.ज.एव.कर.एक्.स्क.जुरा खें.खूर्य.तु.स्.क्र्याना.कुण.कर्स्या १५०.ड्र १५.घ.रू. क्रीयराभर्गाता मार्थिया ११ मार्थिया मार

अरक्र व्हार वेश्वीर त्यवा मेर्य यह क्राय वा के क्राय के ता के क्राय के वा के क्राय के वा के क्राय के वा के क्राय क्रियाणान्त्रकेमकेमान्यान्य व्याके सम्मान्य स्थाने स्थानित्र मान्य प्राची स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स कुरक्षाम्परपत्राचकुक्रिया छत्यस्याम्भूत्रात्राच्या नरद्रत्याश्रीक्षण क्षाम्यविष् न्त्राभवातकता देर्दरमञ्चालकर् श्रीरद्धात्रीतास्त्रात्राता देशक्रदास्य स्त्रात्रा रवेश्वी,वर नर अवधियाता श्रीर वी रक्षा क्षेत्रर दिन्दी स्वीर वर में बाका विवा का स्वा अदित विवाहरवं भेरते में माना माना विकास माना किए में देव में देव बात दरके का कर्म कर्म देव विभवार मेर्ना मार्म में विश्व के देवी कि की मार्म कि का मार्म के कि मार्म में की मार्म के कि कि मार्म में की मार्म के की मार्म में मार्म में की मार्म में की मार्म में मार्म मार्म में मार्म 1र्स् व या toreach. र्भायात्वीया यहत्यम् स्रित्रेमा स्रित्रेमाण स्यान्यात्वीया व्यान्य स्थानेत् स्थान्य स्थानेत्रात्य अर्मुए अभूम है है है ज्या ही ता ही ता है ता है ता है ता है यह सर्व के सर्म स्था में स्था में स्था में स्था में ज्युक्रियेर्द्रा कुर्य्याक्षर्याच्यात्र्याचित्रवा चर्या व्याच्यात्रम्य क्षेत्रक्षेत्र क्षेत्रक्षेत्र क्षेत्रक्ष राक्यकपर्न केर बीर अरक्ता र ला बीराक बीराव में देरा का का का कार्यर का कर् रे.एचीचा किर्धिककालारकातप्रमिरापक्र पर्मा केलवरियर मुर्गेचालही के मिलीरिक्व नमर्ड्रमान्यत्त्रमात्र्री भाषान्यत्यात्रमात्र्रमात्रमात्रमात्रमा न्यात्रमात्रमात्रमा कुका के मेर्टिश्वर्वे कर्ता प्रका करेरी देवकरक अवकेषा कर्य देक दूर में अव क् बर बुक्त कर्तिकर के के बर्दा रहेर रहे कर के अव। यवका के के वार्षे र कर करेरी स्वाय वेट ला गयमा के के देने देन। दुर के दून देने के पर कहेता स्र मा मा मा मा मा निकास निवास अपुरस्त विक्रायरक्षेत्र अवक्षायक्ष्यर विक्रम्भूत्र रि.स्वाक्षरणर्येयास्तरणर्विया। SET WEATHER हार शेवकार में हिंदा कर्रावनारे नक वह त्यों हैंदा रेवना वेंक पर क्या हिंदा हेव तवेतपद म् केशकातिशकाता रेनुर के स्रोत्याया या या या प्रत्यत्या ग्री महाया केर्रा कीरा कीरा कीरा भी वा प्रा ब्रुक्तिका कुँजन्दरस्थायुक्त्रेन्ता कामान्यत्यक्षिण्युक्तियात्वा May -द्री रार्जिस्तर्भा क्षेत्रका के विकास के वितास के विकास क 'ধ্ৰান্ত কুলান্ডা दी केश्रामानामान कार्यकेला कार्यक्रिय,रेंदर पूर्त्यादी स्वीतियक्र वर्ष्ट्रवर क्रुवा 6 5.44= किण्यू प्रसार क्षेत्र रच्याग्रेमा या क्रे में से रिंड र विस्मायाया। दे यामिया प्रमाय क्या कु.मृ.चन अर. अरूरा ररेरतर क्र्या अ. हे अमरवाला वया मूर् क्र्या मिला की. 745.00 र्कारक्री मू क्रि.क.लूरी विकेर जूरे पंतरिका क्रिया चीरतित्विचामा द्वात्रमा शत्रमा करदेश्यूरत्या गुर्द्दत्विका चीरतित्व्यी रत्तव्यू रत्ताल्येवाला पर्वेद्यिक

रै.अष्ट्रका वर्त्रेयान्य वर्त्रेयान्य ।र्याप्य ।र्याप्य वर्ष्ट्र्यान्य हिंगान्येय ।वर्ष्यायान्य

ज्मूरवक्रम्म रिक्षिक्षरकर्त्वा मान्या विक्षा विक्षा क्रिक्षा मिन् इंश. वर्द्रश्रदी कूर्य. कीरवडी बूर्य न तु वर्दी केरामा कार्य मार्थ मार्थ मार्थ हैं एक्ट्रिकेरवारव. की, विरागरा करें राजेर वर्कर । बावका बुड़ की राजवा में भाग पर्कर मूर्ट हैं राजु में भाव राजा । किणारा गर्व क्रिया वर्षेयात्तर क्षाचेद्री देर श्रीर तत्रिया क्षी पद्रे ही वर्षण श्रेर श्रे म्राया まちって、対かかくす、「動いの変」といい、のいか、はまる、しまにあか、利とくれいっていっていかいくかか र्यु . ज. च्रोर्टर. कूरका न पु. जर वर्षेत्र क्रिक्षिण रहा क. बु. बी. ये. देरे. पर्रिक र च्राका या कर बी. मूं. इं.इ.रबी.न.र्.धीरर्भग्या.लूर.सेग्य.अहूर.संग्यती.ज्याना.पत्तेपारं.ज्या.चू.पार्श्वा. मीर्वाक्षित्रम्भे क्रिया के विष्या का मेर्निय क्रिया के विषय का मार्चित क्रिया के व्याद्या त्या त्या त्या त्या मुद्रिक्षणका.का.मुद्रेशका श्रीवकाडश्रंश्चर्र्याच्याच्याच्याच्याचीत्रा शुक्ष्यंतिकाश्चित्रहरू. वर्षियारी द्या विषय का वर्ष हिन्न कर कर होता दिन के वर्ष कर कर के वर्ष कर कर के वर्ष कर कर कर के वर्ष कर कर कर कृषक्ष्याताती किलाइरि वह्मास्त्रित्विष्येष्या स्टिश्चिर्यस्याया यव। सिर्यात्रमावपुःम्। एक्रीर्यव। याग्रद्धमार्भ्य स्वाप्तरात्रा इसमार्म्य इसमार्थियो वर्षेत्रम् वर्षे र्वेशका किया करते मुकार मुंचा स्था करें हैं का कर के कर कर है। क्रिणक्री सामा रहेर्द्रियमान्त्र पहुर्गमान्त्र प्रमाना विमाना विस्तर द्रमान्त्र देण्यः अविणः मूर्द्रिरः जा ह्रेष्ट्रे किरः शुधुः वशूरे तरा रच्चा अति अति अति कि जा माना एकमः इरा देशवः श्रीरः देशवः त्यारः त्यार्थका विष्या श्राद्रिः एर्गाः एष्मारा वार्ष्यः द्वारा द रर.श्रेरेतुःग्रथाः क्र्रांणा ग्रंभात्रात्मात्मवास्यात्रा स्मार्ट्राक्षात्रात्से वराष्ट्रा चालवःभवःभ्रदरःपरं त्यं भवा मह्त्ये अत्रत्या त्यावा महत्ये अत्रवा त्यावा भ्राम्ये द्यात् स्वरं प्रदेश वस्ताना स्थायते स्थायते स्थात्या तर्वात्या तर्वात्या स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स ला. त्रि. भवे. पत्रेर. क्रेंच. ता. पर्वरमा वाग्रर. वार्यु. पवर. व खेव. रे. व क्रेंगा रक्षेम. व खेव. ल्र्यः चपुर्या च्राप्यः श्रीम्म् म्याः त्याः व्याः स्थाः सरमास्य स्थान । स्थान स् स्मार्था मेर.संग्रंजा.पववाक्रांचाश्री श्रीवाचित्रक्षेत्रचारात्वा महित व्यवस्था र्ते करित्र हैं कि कारी देवका के त्या है लूरी रेड कूरी रेड कूरी प्रहार हैं हैं ता का सैनावर रे.च्छेबाकुरलूरे। देपरे.काचधवाडिरामत्रेच किरपर्वे.क्रिक्टकाकरी ड्रेमक्रिय रर. में रूप. पर क्षिया महें यह रिनं र विस्त्रेय का की र में है। या एत के ए में र वह रही यह कर स्रेर्-कर्-स्रेर-ज्यान्त्रम् । येश-यास्यान्त्रम् । देश्यान्त्रम् स्रिक्तान्त्रम् स्रिक्तान्त्रम् स्रिक्तान्त्रम् चरिवारमें वे नरार्नार के दर में साचा ही भाग चन्ना की मार्गिय हो हो हो की की व्यापन करता क्रैरद्भवाद्दश्रःश्रेत्रवश्राद्वः स्थात्वात्रवाद्यात्रवाद्याः स्थात्वात्रवाद्याः स्थात्रवाद्याः स्याद्याः स्थात्रवाद्याः स्थात्याः स्थात्रवाद्याः स्थात्याः स्थात्रवाद्याः स्थात्याः स्यात्याः स्थात्याः स्थात्याः स्यात्याः स्यात्याः स्थात्याः स्यात्याः स्यात्याः स्थात्याः अर्ट क्रि. श्री १ दे हिंद श्री अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ के वित्र श्री कर किर श्री कर किर श्री कर के किर श्री कर किर श्री कर किर श्री कर किर श्री कर किर श्री के किर श्री कर किर श्री के किर श्री कर किर श्री के किर श्री कर किर श्री के किर श

200 200

श्रमहिन्द्रान्ते। । भीद् र्या.वा.पा.वा.प्रदेश का.पा.वा.प्रदेश का.पा.वा युवा वालीय कुँच कु वयना रिमर् सूर् भुष्टा प्रति कर्मा रवा नवा कु के साव कि वह कि कर्र । वास्त्री मकूर साव कि वार्ष कि वा म् त्रेश्वास्त्रीतिका रेनद्रम् एक्रिक्स्यक्षिणात्रीयम् नेता क्रिय्यम् नेता क्रिय्यम् लुवा अरश्याक्रियाक्री, दून की लुवा किरवरेर में जा क्रिये कर प्रतिर त्र्या लावी क्रि. दू ्रवित्रका श्रीरर्पररेरर्भकार्त्या वर्षा वर उद्देरश्राम्बायःभूच क्रिवःस्त्रश्रास्त्रव्यद्वयायाभूच हिःह्रेत्यभूच्यायाद्वेत्रात्त्रव्यद्वर्णाया हिरालिकर्वाक न्यारी दर्पर्रेश्चिरकेल्यियमाती वित्हें वामा सेर होने हिर्म हैरा कता दसराविका मुस्तिका क्षेत्रकी विकास महित्ति देशीय. नायुक्तवादिक्षायात्रात्रिक्षायात्रात्रा श्रीरार्थिरावार्ष्ट्रेवाकात्रात्रात्री क्रिया कार्यात्रात्रात्रात्री वया में वर्र दर क्षेत्रा या से वा सूर्या वर कर पर्य रह कर से पर्य देश हैं । द्या देश सिर्म या से वा से वा सिर्म ब्रिक्स्यभ्यवित्रित्वम्द्रात्याम् मान्यस्यत्यात्रात्यात्रात्याः वित्रहर्णे क्रि त्या लेयात्मर्श्वभवत्या वितरेष्ट्रस्यमाहिर्श्वस्यात्रेतायरत्यात्रर्भेर्वेषात्मर्थेर रुव्यस्तः यत्वारित्रमाह स्रात्वा देशकार द्वार द्वार वितरिक्षर त्रेर कार्यो क्षेत्र है यह स् किर्ने श्राचिताला तीरावा में देश काला लेक्षा के ताला से अर्थे हैं। वारीवा विश्वावर होते चे त्या क्रिया क्रिया म्यान निर्मा स्थान निर्मा क्रिया निर्मा कर्मित क्रिया क्रिया क्रिया सहिर्। हीर में अर द्वा तयर सर्वे वर्ता कर में त्या श्रुत्र यर क्रिन विक्र वे वर्ते दे क्षेत्रक्रिंग । अद्यायाय्वर्य्याय्वेगक्रियाक्ष्या । व्यायक्ष्यायायाय्वर्ष्येयाक्ष्याय्वर् विंग सिंत येते अर्गे से लिंदा अर्थे ना अर्थे ना की रहर हिर्थे ना शिर स्मृति हुस अर्थान्त्रेत्र । । अर्थित्र अर्थ्य के के ना विद्यम् मास्य स्वास्य विषय नर्धराणात्रमकामत्त्री भ्रम्त्र्रद्रातहरात्रमा द्रमत्येद्रावेद्रस्था यास्ता र्यराते स्वार्ति स्वार्ति द्यारा वित्रात्री प्राप्ता वित्रात्री स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स

रस्ति मारा स्था तर्रे केरले तर्वा हिरास्त्र हिरा सीर प्याप से प्रे के किरा

लेंब यं यं माली क्रामें क्रामें में यं में यं में में में यं में यं में यं में यं में में में में में में में

क्रियहें ते ब्रिया में के क्षेत्र के माता तर्केर भारती तर्केर में भारती हैं के क्षेत्र में भारती वर्ष हैं।

म्बर्भातिर ग्रीमाम्भरावमान्त्ररा द्वमानिमान्यात्मात्ररात्रर स्विमाणाः लिया मूर्या तह श्रीरम्भर

उन्ने निगर्भे।

यथात्रा वर्ष्यालक्षेत्रमधुक्षाम्यात्रा स्थानभ्यत्वेत्रक्षात्रा द्रमणायाः नियुर्गायास्त्रा कुःणानुर्म्या कुणानुर्मा कुगायानु मुगायानु मुगायानु म्यान्या मैग्रेर्। विकिताल्या वायवालरम्र्रात्वरभावाभागरम्। रगतल्यराष्ट्रभा सेर. केर. पर्वाश्वसा किर. लेप. क्र्रेर. प्रकेषे प्राप्ती लूर. प्रपुर्व वार् क्षेर्यात्री क्षेर चरक्रेंड्य नपुरे सर्वाची रेरेर से स्वर्रा कर राजा से से मेरेरी हिर्ग से वर्ष निर्म ने ना सन भुवी भारकरम्ब्यवायकियम्भुष्टा भाषिर्व्यम्भयक्तिन्त्रेश्वाक्ष्या म्त्री क्रीकर्त्रेकपुर्वप्रत्यात्री हत्यानाम्र्रित्तान्त्रीत्री त्यादरक्षिरक्षेत्रात्रात्रीत्री बरिर्द्रेर्केष्ट्रभू भेष्ट्रभूष्ट्रभाव अपि श्रद्धि के विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र न्त्र्व रिवार्ट्रेर देव क्रिका यभाष्ट्रामी वैरामाराज्या हर अर्परे वारा की भाष्ट्रा करे वारा के मी विराहर पात्र मान्या में या में दर कर में बार्स ने दे में में दे पर प्रवास में रहे ने कर कर में कर हैं कर में कर में कर हैं कर में कर हैं कर में कर में कर हैं कर में कर में कर हैं कर में कर लु. मू.से.रद्वरक्तस्यक्तस्यव्यक्तस्यक्तिकस्य क्रिक्तस्य क्रिक्तस्य क्रिक्तस्य क्रिक्तस्य र्जियकाता अवद्र वर्जूद्र पर क्रिक्ट कर क्रिक्ट क्रिक कर क्रिक कर कर कर विकास क्रिक कर रराक्तरमानमान्त्रस्तारम् स्वान्त्रस्तान्त्रस्त्रम् वित्रस्तान्त्रस्य स्वरम् वरम् वरम् वरम् वर्षान्यस् अस्त्रिक्तिक्षित्रक्ष्यात्त्र्यस्त्रीरद्यात्राद्वयात्र्यत्त्रियात्रहर्रद्रा वर्द्रवाते क्रांचायात्रात्र्यात् रंशर्यरहर्यानामवाम्द्री ग्रेट्ड्याल्ड्या रिस्ट्र्याच्या ग्रेक्ट्रश्लेक्टर्वात्। वार्ट्ट्रणितेक्ट्रश्लाक्ट्रश्लक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष क्रियामरवार्तिराम् मिणामवार्तरात्र्या राम्राप्त राम्राप्त्र निम्निम् वैवबदार्मिसे हेर्। दमत्रिद्वानाम् लेर्द्रमा क्रियमेत स्माना हरा हर त्या तर्रे । वर्ष्ट्रास्याम्यर्भावर्ष्ट्रा वर्णात्स्र्र्या वर्णात्स्र्र्यास्याम्या रनए.ज.श.केररधर.म्.म्यायेका स्रेपकेश्रुक्षेत्रम्यात्रक्षा कु.इ.ज.चर.इ.ज.ज्या ह्या श्रीका पर स्थान कर स्थान करता स्थान स्यान स्थान स बाल में बाल सूर्वा विल्ट में बाल में बाल प्रवास कर विल्य में कर में कर में कर में र्लास्त्रियक्षत्रक्षा १ क्षेत्रक्षा १ क्षेत्रक्षा क्षेत्रक्षा क्षेत्रक्षा । शड़िया वर शड़ियं वर हो हिता कर शड़ियं अर शड़ियं अहं वर्वा में शड़िया वर हो है वर्ष

202

1454

2 सरस्या

रगते सर्मेन। तर्ता देत्या रेत्या रेत्या रेत्या रेत्या स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा विं गर भेत गर गह वार महिला तरे कर वहरा वहेर भेर में त कुला भेर ता वा करेर मेरियु वर्ष ए। या विश्वासेर्यते सुर्वा सेह्मायेत विद्यार्थिय विद्यार्थिय विद्यार स्थित स्थाय स्थायित द्धरचर्य्य भेय हत्येया नीरेतिन्य स्ता के खुर होंगा के चेर हें या परी चेर नेवा इत स्मान धेते तर रेण वा येद यत चेर चते मधेर धे के। धेर्वर ख़र्बें लर्जेम तहता. नमयास्वार् में में प्रत्याते प्रवास्त्र विष्यु में नियं म वना वनात्र्वेत्रस्त्रस्त्रम् स्मर्वेद्वता क्षेरवरेस्यकेत्र्वेस्यक्ता सुर्येद्दास्विना विरम्पर्यत्यस्त्रम्पर्यूर्यम् मेर्पित्रम् केर्म्यत्यस्या नेरेक्तित्यम् स्रेत्वे रहे अते क्रिंग क्रें अने देश देश देश वितर् क्रिंग देश महिंदा देत्यात तथा वितर् वित्र वितर् ल्युवास्त्रवास्त्रम् न्यून्त्रम् नार्देरत्येत्यप्तित्यं विद्यान्त्रम् नार्वस्य नार्वस्य नार्वस्य नार्वस्य नार्वस्य चॅरीककर्त्रात्र्यीतार्योतात्र्यात्र्या क्षेत्रक्षात्रात्र्यात्रेक्ष्यात्र्यात्रेक्ष की बार्टर रवाका भारत्या वें ने रहर सुवा बोंदियार वाधवा विच्छारकु धे खु वस्तके तुरा भवा लेव. गरोर श्रेश्चराते हेतु व्याप्या स्रेरेर हा चेर ख्रा यर ख्रा यर वी सेयक ल से तरियदा वकिवीभावसर्व्वत्ययाञ्चरवाकी यो वा भायते की विवादेर् वर्भ केरावा वु सेर्र्या यादावावा वसर्भित्र प्रद्रम्भ श्री क्ष्र अहि देरे हैं। । भी श्रीकारक लुर करिर्दा काल लुर एक देरवा के दर्गत्यस्य मिरीव द्वयाया मात्रस्था मात्रस्थित व्यास्थित विष्यास्य विषया वादते। वादते वास्य देवा देवा स्थापा वादते। वादते वास्य अहूरी क्रान्टराइड्स के के अप अपूर्ण के क्रान्ट्र के क्रान चम्यान मैवयररे वलएहराल्या करत्वी इत्तर् केररे एक्षेत्रक्रा ह्या ह्या हित्याराम्यार चला किरमारी स्थानमाल असेर्या केंग्रियमाना निर्मा केंग्रियमाना निर्मा केंग्रियमाना र्यरम्याद्रिक्षे रक्षेर्यते रयत्रेत्येरे स्त्रित्याया त्यरक्रिक्ष्यात्रात्यात्र विश्वेर वि यु वर्षे देव वि वि से तहे वा तर् स्था तह वा तर तह वा मान तर वि वा वि वा वि वा लातहरान्यास्ता अर्वादराम् पुतायात्रीरताहिता द्यी क्रात्याद्वीता हिराणार्क्त्री मुर्द्रम्भ देरता अर्गे भेररे देश भारद्वा विकाय दुर भेर अत्दर्म हो भारदेश व्यवस्था 4 22 Mito लूर्यरक्षेत्र्य देश्चा चलुर्यर्यर्यर्या विदेशिका हिल अर्थे अर्थे मेरी चेर्या मेरी चेर्या मेरी चेर्या मेरी चेर्या मेरी कर्राने रेत्रा स्वानामरद्राय वश्यम् वत्राना रे विद्या सेवा वित्री सेवा वित्री सेवा वित्रा र्यो स्वर से रे ते रे रमार्त्रा केमत्मिरामाराया त्यालमार्वेरामपुरम्या स्वर्दा यालवेयाववेरामपुर्या र्यर अगुर्या वनअस्त्र अगुर्य है तहे अया सुर्व अर्थ त्या है निया वन्तर वन तर्य निया वन एसकर्भाष्ट्रायां कर्म कार्या वार्य केर्द्रायां नाया केर्द्राया वार्य केर्द्राय केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राया वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्द्राय वार्य केर्

क्रियाक्ष्रित्यस्व वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र णन्ने नवसामेत्री द्वार दर्श स्रियम मान्य मेर्न केर्या पर ने मान देव केर पर त्या मान देव केर पर त्या मान पर केर र्न न्र्याचिका की से हेर्न का कार कर हैं लिया निका विस्ते हीर में क्या पर्हेत ही कर पर देश राजित व. चि.मी. मेर्राची र. च्राचिका विकासिका वर्षात्रा कार्य कार्य कार्य कर्तर प्रति कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य व्यालात्यवितात्। क्रारालेशाला एक्रानुभाष्ट्रीय वरावेला प्रत्यात्यात्रा प्रात्तेयात्रात्रीय पर्डिणर्, लुरी । इर्रर्र रर्ग्या के मारी । वासे अर्थित र्मा लायरें । अर्थ परिवार् । क्षा श्रेगामरपरामाखे.परं.परं परं वा । भरारमामरपः भ्रेममंदर् दे। सूनमंदर् म्यापरापरं परं परं लर्रें व व्यानित्र में देरेर श्री देरेर श्री कर्ण कर्ण कर्ण हिंग कर्ण हैं। कर्ण हैं। रेगार्नेपारधर रूपु एह्पाध्यान्ती व्यर्त्यप्र रूप्तिपाध्याताष्या एक्ट्रा क्रिय क्रिय पत्रेवर्ज्ञामान्त्रीया दणः यतेर्थाना महित्यते विष्या वर्षेत्रात्या वर्षेत्रात्या वर्षेत्रात्या वर्षेत्रात्या नर्यः मर्द्रा कुम्मून कुम्मून्या मान्या विवास्य सम्बन्धित्या देन्द्राम्द्रित्व वार्यः सम्बन्धित्या में जिस्तीत्रात्रा वित्यामा वित्यामा क्रियामा क्रयामा क्रियामा क्रयामा क्रियामा क्रयाम क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रिया र्तेत्राक्ष्में भुनेता कुरे प्र. मुहर्ये वर्ष्य ए विराजना रत्यावरी असी त्यरेत्र मिया राजा स्वायर्य प्रवास है। या है। या है। या है। या है। या हो ता वार्य या या वार्य मार्थ है। देते वह के रहे. प्रतिष्ठी एक्या। रि.मर्थरम.प्रम.स.व.ज्ञ.म.स्.व.ज्ञ.प.र्यं न्यं ज्ञार र्या कार्रर्र हें प्रवक्ष केर्यं कर् १ वे.बू.चीर.श्रेप.के.ज.मूज.क्या.लय.त्यार्थर.दे.कर.नए. क्र्यंत्रक.क्या.सुज.क्या. त्यामान्यत्यान्तर्भित्रात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या माराम्या दिस्मालका त्वारावश्यात्वकाराव्यकाराम्यात्वराम्यात्वराम्यात्वराम्यात्वराम्यात्वराम्या रमा.न.र.।इस्ट्र.ह्र.क्रि.क्रिंश्य अत्राधितात्र्य, व्याप्तितात्र्य, व्याप्तितात्र्य, व्याप्तितात्र्य, ण्याने निया व्याप्त विकास विका तास्रियः त्री वार्त्र वार्त्र वहर्यत्र यस्य यस्य प्राप्त त्या व्या वार्त्य वार्त्य विकार व चरम्थत्यमाराक्ष्यत्तात्वर्तात्वरात्त्र्यत्यत्यम्भाक्ष्यत्यम्भाक्ष्यत्यम्भाक्ष्यात्रम्भावस्य क्रियान्यान्त्रियान्यान्याः वित्रास्यान्याः वित्रास्यान्याः वित्रास्याः वित्रास्याः वित्रास्याः ज्ञानात्र में देशकारा केर यह की सवा हिस्दिर करेंगा विविद्या में देश की प्रति वर्ष हैं है। नहराकी मालियासमाहेका। मेरावर्णावरेव रेस्यामाला एकेर्ट्याहर् केराका नुतेस हैं विकास है डिकासेरियातास्यातिर अर्रेरायायकात्रातिर विरायरियात्रायर दिए मार्थाययकार्यरा सैयायर रेप्ट्राय

नक्रीरेजमानमा देए परप्य किर्या सिर्या सिर्या सिर्या मिर्या निर्या न् मार्थिक के मार्थिक च्रिंचर के बर्द नेता वस च्रिंचर में विराधर त्यां संक्रिय के साम के वर्द र प्रवास के प्रति सम स्था है से प्रवास व्या २ वर्षे दः यस्तुः श्याष्ट्रिणय दर्या एक दर्श देश विदेश में दर्श देश द्वा द्वी देश दर्श व्या श्वा वा तर्श दर्श पार्शेरेरमध्ये। अभूम्भू क्षेत्रम्भू भाषाक्षेत्रक्ष्रम्भाष्या भवक्षेत्रक्षरम्भाष्याम्भू भाषा गुमन्त्रा प्राक्तेवावर्ष्य्वावर्ष्य्यात्या द्यार स्तुर् स्राद्राया वात्रव्या द्यारियायात्रायात्रायात्राया लीता दार्श्वेशानुरीती वसवासी त्यावाद्वा । स्रोदायर तर्वेती देव दे तर्केर रहे। स्ट्रास विश्व देरनित्वमार्थेरा अवारमारी शर्रायम् शर्रायम् स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप देशः भ्रत्यातहः त्याजेता होराञ्च श्रेष्ठ्राश्चराष्ट्रिका के त्यावत्या । द्याञ्चलः क्षाःजल। 3 ष्रश्चन्ता। क्रेर्डिक्ट्रिक्नेरिक्नेरिकार्ति कर्यात्रार्भर्भिकार्तित्यात्रार्थित्या विशेष्मर्भरत्यात्रेर्त्या र्जुचात्री बार्यक्त्रिक्त्रिक्त्रिक्त्ये रिकार्यक्ष्येत्वराक्ष्येत्वरात्रेव क्रीमाओर्सु एसमातुराहेरा हुर। द्याभाष्ट्रणक्ररायात्राह्मारेश रास्त्रेणच्छात्राह्मार्था व्याभाष्ट्राध्या वरा वक्रावर्तर्वेद्रस्यव्याविकार्णारद्या दियावस्य विकासक्या दास्री स्वाप्तर्वा वर्षे ब्रिया अरुषे सेरवसर्व भेरत्या । देश्वेत मुस्येत म्यान स्था वर्ष वर्ष केर् विग्रीरामा दिश्वेदव्यान हे त्वी या के व्युद्ध स्था स्था । सर्वे की होते के विश्वे का द्वादेश येवव विव ल्यान्त्रिक्षेत्रप्रदेश विवासरवर्षित त्ववस्य स्वत्रित देन्द्रेले व द्वारेले का बेका वा स्वार रिक्ट्रिक्ट र्गिर्निक केन्द्री वार अवन मेर्नित्तर त्यार त्यार विश्व के वार प्रति के तार स्टार में कार स्टार में में कार स्टार में कार स्टार में कार स्टार में कार स्टार में कार में कार स्टार में कार स्टार में कार स्टार में कार स्टार में कार में कार स्टार में कार स्टार में कार स्टार में कार में कार स्टार में कार र्मेत्राम् राम्यान्य वर्षेत्र वर्षेत्र देशान्य वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र व क्रक्री अरगरी नारमावस्रितिक्रिक्षान्य क्रिक्षान्य क्रिक्षान्य क्रिक्षान्य क्रिक्षान्य अर्थान्य क्रिक्षान्य क सुरिदेश्वर हारमार्भे क्या के महिन्द्री है। । । हो हारा वारोर ता में रेदा का ता तारेर ता में भूतरा अस्मग्रीतर्भार्याक्षित्रमान्त्रित्रमान्त्राहितराम्स्मान्त्राह्माक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्य इत्यारवा हरदे एसर्र बीयवनियन्त्या हरस्यरे सामेसवा सर् केत्र हर् ्त्रकारतः देवरानुरी टरएकपूर्वत्रेष्ट्रश्रम्भात्त्व्रि.क्.क्षा संर क्षावरत्यात्रेका तत्त्र्यी स्थानुवे क्षेत्रासी रिक्रम्मूर्ड्या रत्यी सेर्त्यूप्र. मृद्यामा नायमा मालवात । स्वाद्या द्वाद्या द्वाद्या द्वाद्या का

मल्याम् मेराध्याया स्मायवक्ष्यक्रिक्षाया यावणयाम् स्वित्वरायायाम् स्वित्वरायायाम्

वक्रद्रशीवत्वनायान्यत्याद्र। ययाम् नेर्यान्य मेर्ने नेर्या मेर्ने मेर्ने

(ARKUD 25.4.3) वर्षेत्यत्रा संदेशम्यूर्यत्वीयर्वे विद्यायतेत्वा वहेयद्विस्त्रेत्वे म्यूर्या भर्ग भिर्म्यार्थायद्वायद्वर्त्यात्रम् त्यामानप्रदेवामक्ष्यात्मामाक्ष्या विद्युद्धमाला गर्र गर्मसार्त्री क्षमर्र समर्र समर्र सामर्र मिलमर्रे गर्म कर में ते तम ले स्वाम मिल बुर्वित्रिद्धरमः वर्ष्यात्रवार्यवा। र्वा. व्या. ह्वामायर्थ्वात्रः वार्यमा राष्ट्रवाद्वार्यः एसरागर्यारराम्या हर्येत्रीयकारीमर्या न्यायान्या हेन्याम्यायर्परम्या देरत्त्यक्त्येत्वक्रम्यत्ते महेर्क्ष्णेवव वहरूत्व विचा । द्वातरे त्यर् त्यूर्वे वा चेरवा र्द्रस्याणत्वेणद्रमस्र दिसंदर्गरस्रेते संस्ति। सार्वे गर्भेत चेर्ने यहेर्ने मार्थे। क्रिक्रेगर्भर मुद्राच से दी मारामा गर्मन मुर्ग मुग्नेम मुग्नेम मुर्ग मार्थिक मार्थिक मार्थिक मिर्ग र विषये। श्री से वेदर्र की देशका वाक्ताता त्वा चंदी देश ए छेदर की मार्जे र दिसका वर्षेत्र के प्रती नेमा नेमध्य मूर्यात प्रमान के विद्या में के कि कि के कि कि कि कि कि कि कि क क्रम्यम् हेमा देत्रमा स्वत्या त्रात्र तर्वे क्रिया वार देते दूर त्यत्वे वते दूर्या केरणा हैं म्पुर्मेरे वर्षेट्रे लूरी इरे बेलेरक वर्ष्यरे क्षेत्रक वर्ष न हेला बेलर बेले सरक एके वत्रमा अवते स्र र्वेड् प्यर्ग हर्पके वत्रित्रक्ष सम्मान्त्रमा त्रामस्रते देता एग्नेनदेशा स्राम्भ्या तर्म्या स्राम्भ्या तर्म्या तर्म्या स्राम्या स्राम स्राम्या स्राम्या स्राम स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम् यक्षत्रीरात्मारक्ष्यतिस्या द्रास्यान्येयस्येगात्कित्केत्रेत् वेरास्यान्येवायवित्त्वर् वर्षात्र्या य स्था देत्रभावराय तर्शेषि देश हर्रा हर्रा हर्रा हरा हैरा हैन स्थान विवाद के नामाय स्था हर से धे सारायस्याता तेना ने हाथेय सुर्ग मासेरा रेके कुल चेते बनाम तिना त्रमार्थितमानमार्केण मूनाति देत्र, यानितातिरक्षेत्रामानमाराष्ट्रप्रपाटर प्रमारमार मार् =र अद्देर्र न्यर व्रेम के हेम ल क्याय पर हो या व्राय कर कर दे देर दे शर् कर लेता किर्जूर, बार्रररे, ब्राजा विरामा ए केरिक वर्षे प्राचित्रका विश्वास्ता कर्न से करामेर विराम चएरद्यम्। त्यारे मृत्यद्र संति तर्वा वर्षे वर्षे में में वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वस्तिर्यमाक्तार्यत्रेवामाप्यद्वरादिश्वाधवमासीर्वेद्वराद्व इत्राच्या इत्राचित्र द्रभेशन्या त्र्य बरलक्षेत्र सेरद्रोद्या व्याप्ति मानता स्राप्ति वार्येत वार्येत देस्यद्वकी त्यावर क्रिक्टर गनेतर्सेवामकी द्यर वर्मिक क्री मार्थ के दरत्मक वर्मिद्र उरितालग्रम्यालरवर्ष्याचालरम्या दर्रात्रीयाते मेर्द्राता देराचरक्ष्याया नर्दर्द्रा वाया पासद्भा धर्गर्यो द्वार्य स्रार्थ्य स्रित्यस्य स्रित्य विकार विकार वार्ष्य त्यार्य विकार विकार स्था किया विकार विका म् संस्थित प्रस्था परिवर्ति स्वार्थर स्त्राची कर्षा कर्षा करित्या दर साहत्वेदिस्वामा वारहेर् सुद्ध्या व्ह्वामा मेथिता स्वामा रायमही सेदिन से वे रामर सत्ता भेर से प्यूरी स्था म गाल्य शिक्षेर भेरता में या मान्य स्था में या मे में या इते गरमस्या के स्थाय में स्थाय के स्था के स्थाय के स्था के स्थाय क अवस्थाता द्वाच्यारक्ष्यकालस्या अराउम्माद्वरची स्राप्ति त्याते म्राप्ति वा

206

केतरा देरकंत्रदर्भावानामान्त्राची रसत्त्रप्रकृत्यक्त्राचीनामा सर्गामान्त्राचीनामा र्यसाल्या देशहरेत्वात्मरेरायेता देशवात्वात्मरे दुर्मर नेत्या स्ट्राम ह्या वार रामा Filmoon र्यम्बान्याप्रदर्भाषम् स्रोत्राच्या सर्वा वार्वा स्रोत्या विष्या स्रोत्या कृता स्राम्या स्राम्या स्राम्या यादा क्यानामारक्र माने विकास क्रिक्त क्षेत्र हो देन हो हे क्षेत्र क्षेत्र कर्म क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षत्रवाह्वाभार्त्त्र र्भारमास्त्रेवाभार्षण्या । होरद्भारद्रिने द्वासेर्वेभास्त्राहरू इ.स्र. त्वराखीका एवर तमा कर मुंकर कराये । प्रत्ये मेर मेर मेर मेर केर तमा के ला जरकेर क्षिर्त्यमाचतः मेने की बाधुन र देर की श्वावता ता सर्व क्या नर तु में बार्य र में वा वकाकर प्रस्ति के विक् करिया के प्रमान के किया के स्थान के स्था के स्थान के किता मूलर्र मूलर्र मूल्हेर् हिंश वर्षि मूल्या विवास विवास राष्ट्र विवास कर त्र के विवास कर त्र के विवास कर त्र मार्का म् त्र्रेताचा कुलायं केत्या स्वाम्येवस्त्रीरदे देवीसत्रे भी तक्ष्म स्वाम्येवस्त्रा भागा इरिनेश्वरणरात्स्वरायवार्यात्वेवारिक्यस्य यते अवसार्यस्य करिने देश वास्त्राया कृता चेत्री क्त अर्थेन रेगायु वर्भ अर्थे स्वेदन वित्व वित् वित्य वेद स्वित वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य वित्य रुप्ययम्बर्भरकीर्यरदरस्वेक्सन्स्क्रीरवीक्ष्रम्यायकीवर्दिस्पर्वन्या सद्यायदग्रम् देन्द्रद्रवेद्वाकीरा कदमायद्रम्य देने स्वाद्यात्वे । तयद्यत्यत्यहेर्द्रश्चायकेर श्वायावदेवते श्रेवरायुर्वसालेगदेशवरवल्यमा देरीवरतायुर्द्धार्यं संक्रिया वित्रमात्र्यं अरर वर्र वह रिक्स माववया संवास की सक्षेत्रमान्या वार्माण वहेत की स्पाकर किताहर दे सरके सीसर महरा देरका मेंब्र सेव्य वर्से देवरा द्वार वर्द् से पर केवल केर ही देवर वर्ष अर्द्र भेरू अर्द्र सर्दर त्युत्प वर्ष में अग्रेश वर्दे वरे वर्दे वर्ष वर्ष व्याप वर्षे दे दे व्यवस्थ यमत्र्रेद्रिके स्र्वास्त्र म्या क्रिया में स्राप्त के निर्देश में वसा तेर् रगर ये लेशा सूत्रील तस्य वते सू त्यान्त्र अंदे रगर लेगा लवस त्य से स्था सूर यक माने कहें द्रदरमासुद्रक्षद्रद्रसार सुद्रस्थार में द्रद्रस्थार में लासुद्रम्य सुन्दर्द्रस्थार में करे १इमे की में पर क्षेत्र प्रदेश का के का है नोए हैं। कि में में में माना माना मेरी का ता माना माना मेर वाकी शालिय मारा में ने केर मारा के ने वा वा में ना मारा की ना में दिन के ना दे के मार्स वा में दर्गित समेंवा रणात्म नेते रत्र र्य म्याम मुहेंवा सतरे महें तावेसता त्य प्राण्य तरे र्यातेसत्त वस्यरं ठ्याच्यक्तिलालीपरी दस्यरर्थारावक्षक्रेरक्ष्यावावा लेकन्त्रक्षेरीव्यावापूरर्येगे रक्षानेरा रसरर्रे व्यक्षेत्रवा नवअवेवेविहेर्पवरचेरा कृष्येरे सर्देश्वेवावावरर्रा के श्रेयदेश्वीर व्हरावस्था अग्मान्यत्यो सदेरांचा दहेत्रोरवीय यद्वत्यस्थारा स्वी वनाव वस्तात्मात्मार्थे प्रदेश वर्षकेदारे हिंदा में व्यवतक्तावस्त वर्षहेंद्र देश वर्षद्रश्चिति स्वाति दरभर्गास्त्रत्यक्ष्यासरेत्। गणस्यत्यमेर्वेद्वयेता नास्यक्ष्यम्यार्थेता गणत्वक्षर्यस्य गुलर के जा पर्वेशकी पुरवर्षेत्रकूर मूल्त्रा रअगार्वे क्ष्येत्र श्राम्यात प्रवास्याता विरत्यास्याता रारेल्री किस्रम् माइक्षकेण मृहिरी इरिरेश्ना पुक्ष प्रेश की अधिक देश रेडिल रेर हे के

क्राविय तर्बे

व वहने

ग्रंबेट्टा

इत्वर्ययम्या तमान्यात्रात्रम्य । हेत्यक्ष्या हर्षेत्र हर्षेत्र हर्षेत्र भरामर्द्र वाक्ष्यवाद्व विवादीर विका इस्तेन पर्देश्यवगावश्यापकेश्या गामस्य वृत्या स्त्रे मेर्ये वृत्ये वृत्ये वृत्ये वृत्ये वृत्ये वृत्ये वृत्ये व रभेतकीभवद्या सद्त्र वेर क्षाकेतकीभवद्या द्वासे दरके द्युत्व मस्यद्या द्वार के त्या के त्या स्वाग्यस्य राज्या सर्वाग्यस्य स्वार्त्त्र द्वा स्वाप्यार्ग्य नेत्र स्वाप्या केर् क्रें वाल्य स्वाप्य द्दित्याच्दी सर्गा नेसर्म्ह्ता दस्मान्त्रेया स्मान्यात्रेया स्मान्या स्मान्या स्मान्याया केप्परा गर्दरशुगतम्ह्रगत्रश्चरकामेरा द्या तहेत् कृप्वेत्रत्रहेत्रस्तरेरा देवेत्रकेप्परवेत वयान्त्र वार्षे वार्षे वार्षे क्षेत्रकेता क्षेत्रकार्या क्षेत्र व्यवस्थित क्षेत्र व्यवस्थित वार्षे वार्षेत्र मैनरह्णदेन धेनत्। सरश्चीरत्यम् अन्वरेम क्रियास्य स्थाप्य प्रत्य द्वारा प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत न्य भारत् स्वा तमसूर्शेरवो सम्दान्यवीक्षणकार्य वर्षे ग्रम्त्रम् कार्ये दे। सर्वे चर्रेगार्थापवर्षेमकर्वे वर्गमार्थं स्थान्ति भरकेरम्मा भरकेरक्ष्यकी स्वरवस्ता दवर क्रियम् विदा च्रित्रे स् स्थित्यायम् स्वासी च्रित्रे सर्वेद्रात्वा च्रित्रे स्वास्त्र विद्रात्वा स्वास्त्र स्थित र्श्वतम् तरिक्तम् म्याक्तरम् स्या तरावस्वानायत् से वातरवानात् हेर हितातरे स्थ मा लिया है यह में हैं। मा लिए हा इत्या करिया में देरा स्मारा त्या त्या त्या वात मा क्तर नधियाल नायक नता र्याय के सावत्ये वर्तर स्था दि विद्व कर महिना तमा भुक्तित्र अपने हित्र हित्र क्रमके। आवत्ये एवसहित्र क्रिक्ति वा स्वीत्र स्वीत्र क्रिक्ति विवास सत्रेमर्स्यक्षेस्रता एरणुललहलयसुगर्भेता द्रारर्रेस्रकेस्ता वैगुरसुत्रकृत्यरे इर् किल्क् रवीपरेलर्नायक्ररी किरम्रेरलविलक् हे स्वा वार्था प्रेव क्रिक्रिके एदेन गर्या विंद्वर केरिक विन्य में नहीं ये त्वता वेर्र र दे वर्ष देश वेर स देश केर स के के केरिय हर्र्यावेर् कू मूर्या ने अर उसे वर्ष केरिय कीरिय कीर तुर्व में मा विरत्य में की कीर की कार की लयान्या वर्रा वर्रा रम्ब्रेरक संवर्षी सम् बीलामकेष नार्यी याने के अपकी पहरंत्राम के मुना सेर सेर एक्ट्रिं देन लेन लेना नर्रे ने मून नियम कानमनी दूररे तर्रे की क्षित्र के परी विभर भरें रें रिका प्रति रिका में रिका में रिका मही किया म्या नायका कर्या मूल तर नम्बन्धा सर नुव से नामा नर नाय कर है। किर. नम्या श्रक्तिक स्रिक्तिया स्वास्तिक स्रिक्तिक स्रिक् श्रीत्रम्भेरत्याम् विस्थायम् द्वार्याद्वार्याद्वारम् विद्रम्याव्यात्याद्वारम् लुया मास्र रक्षिता सूर्यां रस्रेरिस्सा मारुमार्डरमानुसर्यसा मार्टिंग्योश सूर. वारेवा वार्यवत्यात्री वार्रे देशा द्रारेश कराये करणाती द्रावा वार्या से वार्येद स्तर्भित्रमा अस्तास्त्रस्यास्यास्या द्वाअक्तीवर्द्रात्यरदेवाधवा देवसवा इतिमेर्रात्या अरम् भूमा भरमा भूति वा भर्ते वायमान प्रमाणित्र कर्मा इ. वर्ष्यं वर्ष्यात्म्या दिन्ने वर्ष्या क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं

र्डर्या प्रेड् त्रा गर्द वरी ग्रेदायामा: क्रमान्द्र तहे वेटा दक्षिय रुभान्द्र हैला में भूते

204

र्वाञ्चला

भाषाना देरदेशर्म् सुर्फ्त स्वास्ति के स्वास्ति है एट स्वास्त्र एट स्वास्ति हिर्टर स्वास्त्र के स्वास्ति स्वास्ति हिर्टर स्वास्त्र के स्वास्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वासि स

23901

3 सेगल,

क्रि.शु ल्याराम् सुमा क्रिया तु पु वं योमाया क्रिया योष्या या यह या प्रयोग सुमा क्रिया क्रिय

द्रम्रास्थान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्राम् । क्राम्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा

शास्त्रेद्रा स्मातास्मातात्वरातास्त्रात्रेद्रा द्र्यामान्त्रात्वेद्राव्यस्त्रस्त्रा स्वान्त्रः मान्यायात्वरः

४८०० तम्

Tongs.

Tong of coral.

वयवत्रा द्वार्मित्रवर्षेत्रम् द्वार्मित्रवर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् रेरी क्रियमवतिरह्म क्रियम् क्रियम् क्रियम् क्रियम् तस्याम क्रिके स्वरत्यमा विद्यो प्रस्तित् ह्वस्य विराष्ट्र व्यास्ति विराधिक विष्ठि विष्ठ व दरम्या में रमित्रे ये भे यू रमामा सुद्दी देत्र हुद्द वस्तर सते स्मारा द्यारे प्रमान वर सर्वावता श्रीरहे तहेल से में द्रशा वर्षित्वी सरेल लेवा तवा में बान ने स्वान प्राप्त रामा दगर्भेत्रेस्य स्वायायात्वा त्रेम्यात्रात्र्या स्थायत्रत्यस्य स्वायायाः स्वायत्रात्र्यः इरमार हिंगमा देवसंद्रम्य क्रिंग्य हुत्रे द्रमेदमा सक्षे तर्मेत वन तर्दर करी देवसा है। वस्र व्यामाना त्या केमान्य क्ष्रां क्ष्रां क्ष्रां क्ष्रां में त्र महामान्य क्ष्राय ते त्या क्ष्राय के विकास रीमक्षेर्त्वा मरवार्षेत्रमा मेरकेर्द्र ताता विरक्षा तातमक स्वर्ग तातमहर्मा जास्त्र त्त्रक्रीण तात्मा वर्ते वर्षे मान्य देशमा वर्र रेत्र क्षर हित्ते वे वर्र हित स्रेन्द्रम्भवदे तिरसिरस्र द्येवमा देनपूर भर्षकृत्य ये देस्य विश्व विश्व वि सरस्वरः ह्रेत्रवेर्ष्या भाष्ट्रवारे स्थायमा वेर्ष्य मार्थित हर्ष्य स्था विद्यान कुल में तेन येस के द्वार के सिक्ष के क्षेत्र में के स्वार में के साम के दियात यारे कि माना क यात्राशेरी त्युर्वसूत्र श्रेमा सुरेर्ते र्यास्य स्वात्य देश दत्र में दूष श्रूण सर बेरा देश त सेत यं वेर्श्वतात्मर्श्वास्त्रेम् देश्वताद्येत्द्रास्येवसात्वद्रा व्यवसायदेत्यात्मावद्रदेला तद्वास्ते द्रमार्स्मायार्भेग । वेसवास्त्मायमास्त्रेत्येर्य्यार्थियाः सर्देर्द्रयास्त्रास्त्रेत त्ररवस्त्रवृद्येते देर्दा कुल चेरी जीतायमा लुया वुमाया किल चेरा माया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्वाया इरड्रेर कर महिल्ली कर दर्दे कर विकास के के मिर के म यहीरवीसासाईरा देनहीर यह सारी सार्य हारवी हार्र रे जो जिंद मुसी जीव यह ने ना कोह उन् वस्मास्त्र्वा यमार्थर्य रहरत्मा वर्षि को वर्षर नेर द्या वर्र से में अस्ता कुरा न्यत्रेयर्था वास्ता क्रीप्यविषास्या इत्स्रिय्र्या वास्तिक विवास देरीहरू रमनार्थार्थे। हर्य यस ने क्रिक्सिया रस्त्र मन्त्र मन्त्र स्वार्थियार्थे। विस्त द्वरहर ते हैं गमा द्रारह्म मा है है हु हु हु द्वा देश हु से से मार्थ है। के देश है के कि ता श्चेत्रकेरा त्रिमन्दरसदरत्तरम् स्वामावरद्वराष्ट्रम् द्वरास्यामहेवामक्रिवरीत्यक्ष किया विवादसार्धरावेष्टर् श्रीरद्यकी अर्र्वरक्ष विवादिकार मा हीर्ध्य स्थारे रेरिष्ट्र वी दग्र भें बालवार्वे सम्बद्धिया है संभेत्य तर् हेर हैर हो ल हो तरह सर्व प्रत्य प्रत्य र्गायम्भातगत्रात्रमा इत्त्रमा इत्या द्वार्य द्वार्य द्वार्य द्वार्य द्वार्य द्वार्य द्वार्य द्वार्य र्यर सक्तामा द्यत्ये द्रस्य याते मायत् समक्तामा स्वाद्यद्र या स्ट्रिसे मावतः याद्वरार्द्रेतर्वाद्वरमा देरार्था क्रियाकीमास्यक्षेत्रद्वराष्ट्रराथमा दरार्वर त्वास्यद्वर व्याद्वर

न्याया भूर

3 हुवेल खंदर ज. लुब्द्रा द्वत्यह्न'यर्ग

4年1

5 मेद्र।

60

विक्रिश्यार एके विस्तिम। रवा दिए के देवी मार्चिया विस्ति वा मिनाया करा कर विद्या क्षेत्रज्ञ प्रतियात्म क्षेत्रे यु करा क्षेत्र यह मुस्य यात्म स्थान पर प्रतियात्म क्षेत्र कर्त के स्थान यन्य चेर छेर यस महिनास सेर र र र तिर सुसमा विसे ये र मरह दगर नायवा हिर्दर रस्यानेसाम्भुद्रात्मा त्रेर्यात्मा व्यवस्थित्। व्यवस्थितः व्यवस्थितः एमा इरियर क्याया त्या मेर् के रिसर मा गाम्या मेर द्या गर्दे रियर मा मा हे क्या वकारितःक्री चपुः सवकार्वतेत्रका सिकानवित्यवा वार्यकाना गुनाकिन वालिसे वाल्य सिन्दिण द्वेलकार्दः यस्। स्थान्येराहेसार्यस्य महिरायमेरित हिरायमेरित स्थान्य वस्तरहं संवस्तर्वस्तर्वर्त्वस्तर्वर्त्वस्तर्वत्तर्वे वर्त्वर्त्तर्त्तर्त्वस्तर्वत्तर्वत्तर्वत्तर्वत्तर् श्री क्रियाम्या अर्त्य में श्रीमा मुद्दार स्था स्था मार्थि। वृत्ते ए ए के क्यी द्वार पर में मार्थर एकुल्स्या व्रिस्ट्रिं स्प्राचित्राच्या हिर एक्ट्रिक्ष होत्रास्ट्रिक्यात्यास्ट्रिक्रियात्यायायाः त्यामार्थरा रश्चावक्र्रमार्थाया स्थितक स्थिति स्थिति व्याप्ताया व्याप्ताया हर इराड्याना प्रस्ता होरा हर हर इत्या प्रारंभर से र्रेश्वर दिस्य के स्वरंभर से स्वरंभर से स्वरंभर से स्वरंभर से स म्पास्त्रियक्ष्रात्वेर्त्रद्रा क्ष्यास्त्रियः संग्येष्यास्य मान्यास्य तस्या राज्याहिर्द्राय्यस्य त्रक्षिर्ध्येत्र वायमानपु जेवा । वदाकाले माना क्रिवे वदरद्र जेद का मान्ये में में भूभ कर वर्षवित्रामह्यास्य स्राम् विद्यास्य म्यान्य विद्या वर्र्युस्स्यास्ये सेवस्य से स्र्रेस्य से स्र्रेस्य होर्य प्रेस स्राहर्य स्राहर्य स्राहर्य स्राहर्य क्रिया स्राहरी कुल से रिक्रु के मान त्म सद्देश्युत्पार्ये वात्रस्या वात्रसार्थे स्वाप्त्रस्य स्वाप्तित्व स्वापतित्व स्वापतित लर नायु में रर ल विका भूरा रें ने हरेर र ज नर का वाका मर र वर्श में का में मंत्री में में में यान्याद्रभाद्रभेद्धारे प्राथायाय्व सुर्वा द्वा का के विष्य के प्रायायाया के विष्य के विष्य विष्य विष्य विष्य विश्वरामेर्द्रभूष्यात्रार्भेर्य्यात्रार्भरावर्यात्र्वात्रात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र कुमाझ् वर्तावपान् मालादर वयमान्दर द्रा भूतान्दर द्रा भूतान्दर विता कुमान माला में वार्दर कि अने यो देवना लर देर स्वर लर दे दिरे स्वर हिर के स्वर के र दे ते के र विक कर दे हैं के सते र केर ग्रीस्ट्रेरर्शेवा गरेरान्यर्पत्यर मर्भेग हिर्देश्वा नेर हिंग में अरे हेर हेवर केवर अर्थे ला में वा ए हिर यो शुर्रर तथा की दूर के वा के का वसार हर र स्वा हिर दे सर से र से र से वि से के का अव सूर अत्येवकृते ध्येवक्ता की मानुरानुरातरे त्यर त्यर स्वर के व्यादे त्येत की । त्ये मानु मानु मानु मानु मानु मानु म लुर. छ. ज. नुरा का. ज. ज. र. ज. मू. नुरा दी. अ. तार आड़िन्य व्या में मारे में मारे में मारे में वर माड़िन नर.इ.चि.च. नर.मार्डव.भ.व्या.मू.र अ.एर्ड.भ.र्ड.भाष्मात्रेत. रू.प्रांक्षात्रेत.रू.मार्थात्रेत. स्रीर ने दास में जाय या मेरा स्वा ने देरार के अभाय करते । हरदा अवा के ने कर के ने न्दी क्रुट्टर द्राजिकारी व्यासिक्षात्र क्रिक्टर क्रिक्टर क्रिक्टर क्रिक्टर क्रिक्टर क्रिक्टर क्रिक्टर क्रिक्टर यरेगामात्री सेनारए तर यम् मिनामारी यह दूमा वित्र वित्र वित्र के मिनामी मिने हमा कर है।

च्रक्तिक्षित्रक्षेत्रेत्वा द्रद्रम्य ते त्राम्य त्राम्य त्राम्य त्राम्य त्राम्य विक्रित्य विद्र्यात्र त्राम्य क्ष तियानस्तर्की कुरी विक्रित्त्र कुर्रित प्रवृत्ति कुर्वा विक्रिक क्षेत्र विक्रिक क्षेत्र गिनम्ब्रिक्ष्याक्षेत्रम् व्याप्ति वित्रम्भार्षिक्षात्रम्भार्ष्ट्रम्भार्षेत्रम्भार्ष्ट्रम्भार्षेत्रम्भार्ष्ट्रम् द्रमें अद्रमें अप्रदेश द्रेरिक के अरे महर्गाया स्परे होदद्रमा अरक्र पदी मुस्तारवरा व अविद्वीण अद्रव्युरवयागरे सेवार त्वावाया स्केर्त्वत्र विवर्ष्ट्र विवर्ष्ट्र विवर्ष्ट्र श्चरण्ड्य विया खन्याण्यरद्वार श्वरतीय यहित तर्वन विद्वर विया विद्वर विद्यर विद्वर विद्वर विद्यर विद्य दलन्य संदेशका केमा केमारे न्या केमारे न्या के मारे न्या के नियं में के नियं में नियं स्मार्ह्य मूर्तित्रीर क्रिका कुत्रा र अव क्रिकरव्य वर्षिर करे देव दि में का वाष्ट्री वर्षा पर्ने . उच्चर र मारीया दम्पद्रभर मेरी स्र्रात्मक्रम् कार्येया के खेसु स्थित क्रिया तर् के वा निवाद्रभर विकार की अर्थ दे के मेर हिंद हैं का मुक्त हैं या की अरे मेर प्यास्था से मेरा विका श्रद्धार् देवर हेता काय काय कर वत् नाय कर करा देरनर होत के मा ने ने ना ने ने ना निया या नित्रिक्षम्वया महीता मेरित हरेत हरेत हारे ने मार्थिया के मार्थिय हिन्दा हिन्दा मार्थिया मूर्रा हीरर्भावीत्रात्रित्राक्षित्राक्षित्राक्षित्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्र ध्येत्र केता से देने ते माने का मानुद्राय स्वाद्याद्या दरा से देने दिने से देन ते माने का ता हमान खुर छ रचेन थीता म्लुत्र एमिर वानेश स्था भीत्र द्रामिन थित यान माहेन दिश्व महिन्दु अरत्रेद्वन्यरदेश येत वेर किए ये ग्रम्य म्यूद्रस्य देवर के देवर में वर्र त्येत यह वेद येद केर्यमा होरद्यमाईशस्त्रम्यकतामार्यदात्विर्यक्षम्यद्रायद्रायद्रम्भावताक्ष्रम्यद्रा र्ड्गार्म्द्रस्त्रिम्यूरस्या क्रिये वा वास्त्रस्य स्तर्र स्तर्र हर खु होव संर्वेर म् स्तर्भावता नरम्परमेद्यम्पर्शितम्पर्रात्मा न्याने नामक्ष्यात्रियात्रे द्रात्मा ह्या व्याप्त स्थान्या कित्रप्रार्दे में सरभ्याम सरमान पर्त्य मार्थे मार्थिय नियम में में मार्थिय में मार्थिय में मार्थिय में मार्थिय अवभवामान्यात्वयाद्रवाकेर यते वर्ष्विवामान्ये व्वाहर्वा वात्वे प्रमान्येद्रवा अक्षत्रमावरमावरमार्मेन देहेलक्ष्यक्षेत्रप्रवामानमर्रयव्याम् क्षेत्रम् देलक्रिमा दरमेर बुदबुद्गीयद्यत्व्ववयदर्भ त्या यद्द नेदेरत्स अयते यद्द लोग अभा अध्या अभि नार्रा ता क्वार्टर अहेव द्वार्म हो सेव मा तेव क्रार्म नियम में र्द्ध्या नमार्न्द्र संते द्वापार्वे समके रे व्यानेद्र सेव मान्य सुर्वा नमा वि जीमा भर देर नमा अरवरवरमा अर्थ सुनु स्यूना तर्र्या यते ब्रा सेना वका के स्थर में कुना निर वहर चाल्य्ने मेर् श्रेन्दर्र न्या का नामा विकानिय देवत् भरकारतः याद्या किया माना विकास है। यद्भाराम्बुरावेदहावान्ते त्यास्त्रेन्त्रवाकारायम् देन त्याना इलदेवत्रेत्रहेन्द्रीक्रया देश क्रेर्ने केर करवता श्रीरद्यत वर्रा वर्ग मेर संदे दे दे तर्ग क्रिय में ज्या क्रिय में कर में कर वाने सुनेरिक द्रभर ते मही मदरत्य सुनी देर हिदरदेर के तर्देर हें अर्थे मा गुम्स्य या में

1岁江州

2 श्रुव

3 नाइंस्के

रेजवन:

अत्रान्द्रश्रम् अभागत्भ्रत्यभन्त्रः भृते भ्रात्मः भ्रम् ने स्ति । क्रिया च्रति । क्रिया च्रति । स्ति । स्ति । कुर्द्रयार्जुं मासूची विरिधा चुर वर्षा दिने अस से मान मूर १ कु वन विवास मान देवा । मासूच न जूरा नमारिकारात्रे में में वर्त वर ही हीं सिरामर हिर नामा तर्या हिए में से राजवा ही हैरा ता ने रेरा करिया जीय अकर मेरिकी केष वर्ष कर्म कर्ने कर पर के ता खें कर पर न कर पर मेरिक के का कर के के के के नर्तर्वित्मत्रेश्वमत्त्रव्यात्रम् हेर् स्वमत्रेर्क्ताचेत्रकृत्यं स्वर्द्वस्थाल्या कृताच्यायाः स्वमानिता वार्रास्त्रियारायेवहास्यात्वानेम् स्वाप्त्रियावास्यात्वास्यात्वा क्रमारी स्णाम् मार्मिन स्मार्मिन स्मार्मिन स्मार्मिन स्मार्मिन मिन स्मार्मिन वसक्ताचेसामासुरसामा वुर्देदकादेदसमात्वेरकेमार्ग्यातस्य हिंगासूर्यामहिरकते। ह्यारी त्याद्रह्र पालियात्रे भेरायास्या विव्यत्रे स्विप्ये प्रित्ये विव्यत्रे प्राप्त विव्यत्या शुक्री होर मा हेरा द्यत्यहर्र मालवा मुख्या भरा विक्रमा केर मर क्रिया मार द्वा कर दे दि कर दे दि कर होर किरो मा वर्रादेश्येदायम्वर्भिति व्राष्ट्रित्यम् अर्द्धात्यम् अर्द्धात्यम् अर्द्धात्यम् पर्डमार्चे श्रेरके हेर्जर हर्र हर्रा हर हर हर हर ता वाहेरमा वर्षेत्र हरी हरी वार पर हेर्र वार पर हेर अम्बर्द्रश्चाराद्रहाने हेरा दे विं व्हर्त्वेम द्वां न त्यां न त्यां तात्यात्रात्ये व्यापारे केरा वेदस्य कर् स्था श्रीम स्वाम परिस्म मार्थर कर वाहर मार्थ के विवाद कर देव हैं निवाद कर देव है निवाद कर देव हैं निवाद हैं निवाद हैं निवाद हैं निवाद हैं स्क्रिंगार्केर्ध्वारा ब्यादी अवगार स्वरूपाल वस्यारा हे वस्या त्या वया प्राप्त स्वरूपाल वस्यारा हे वस्या वया प्राप्त स्वरूपाल विस्तर स्वरूपाल वस्यारा है वस्या वस्यारा स्वरूपाल वस्यारा है वस्यार स्वरूपाल वस्यार स्वरूपाल वस्यारा है वस्यार स्वरूपाल वस्यारा है वस्यार स्वरूपाल स्वरूप र्त्तातस्यायात्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष मर्गिरे तर्मित्रात्रेर हि ते ती गण्य दर्भेर्त्य हुती र्ग्रेर्ग सु दर्भे में वर्षेत्रम र्रियम् हारे वहा र्रियम् हेल सुर्दे रेटी स्वायम् रास्त्रे देति स्वायम् रास्त्रे चग्रामान्य वर्षे सेरत्ने द्या वर्ष मान्य सेराईराईगान्य हैगा देर्द्र कर्व द्या तास्या मान्य. के बासान्या दें दें यह कर बात्याय करेंग्रिया त्यायी वाहिर याद्या में तरी द्यान के ति रबाइगाएर्डरा द्वेरवेशनाज्य प्रवस्त्र्वास्री यथावरल्ये वस्त्रिव स्वरम् वस्त्रवेश शिंधाः या. में में भू राम हरी मानविष्ट में मारवाकर हिरालगा चाहरे वाव मार्ट है वा नहीं विष्ट हैं के अर. अंश बंद पर्या अइ, किया तृतु अबू पर क्रिया वार्टर क्रियंतर व क्षेत्र अवी चर पर विद्या रुक्त र्वाच तर्वा विरक्ष देत्रविक्किक्त्रवा कार्र हिर्देश कार्र करी कार्याधी पार्वे वर्ते. एक्र्राच्या विकार राहेर होम हो ता लाजें वा विवास विवास विवास वे वास वी खें वा से वा से वी खें वा से वा से वा से वा से वा स अवपत्रमार्वे वाचार्ये । विरामितास्ये निरामितास्य निरामे विश्व विश्व वाचार्यास्य करवर्गा भेना केर वहर त्वरा रेम्म क्रिया रेम में विराध कर के हिंदी वयावत के भेना वन वर वेरक्षा। नरक्रितरिक्षेत्रक्षर्यरविष्यं विष्या विषयित्तर्यस्य त्रित्रक्ष्यं विष्यर्यत्ते विष्यर्

ज्यानास्थान्द्रमा रत्यसते स्र्यं सेन्यं सेन्यं सेन्यं सेन्यं स्राप्ते स्रापते स्राप्ते स्रापते स्रापते स्रापते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्रापते स्रापते स्राप्ते स्रापते स्राप्ते स्रापते स्र नरमैरजनर्रेज क्रिया म्यान होता क्रिया मार् किर्या मार् क्रिया मार् क्रिया मार्थ क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्राय क्रिय क या वर श्रीण दूरद्यमाईसत्ह्रेमसूम । र्र्र्रत्रेत्रे वर्रेत्यापसे वर् वर्ष देख्यायरदरणस्यात्याहत्त्वयाध्येवास्वर्धेद्रात्र्वेव। द्रम्यादेश्यावेदावदेवात्येवा स्ने प्यरहक्षत्यार्थे। व्यव्यव्या तक्ष्यद्यप्रविरस्रे अर्थे वे वे वे वे वे वे वे वे मेंद्रभेरेक्सुमार्चे भेरविव्यवित्रावित्रावा त्येरतिया सेर्पेमार्क्ष्य वित्र सेर्पेमार्क्य सेर्पेमार्वेमार् नग्याकी सर्गा विस्तर्राक्षण्या वार्या वार्या विस्तराहर्त्ये प्राप्त विस्तराहर्त्ये वार्या उर्देर इर जमा रीर मईस की मार कैसानमा ये ये हैं सा यो ये ये विश्व की मार्थ र केर केरा विश्व कुलाये सेर य व की स य सुरस्य प्या दार कर केंद्र के दे में दे में राष्ट्र व सेरा दार के व्या मेंद्रा दार के वेल रनए इरेर. देरवा द्रेश्वर स्वर हो ग्रेश्वर स्वर हो रहेर र श्वर स्वर द्रिया द्रेश हो द्रेश हो स्वर भा श्रेरको यमन्या सुरमा दमलमा बिंद्यरवक्षपदरदर्शिहल्याम्बरकद्श्वरद्वर रु वेव वेग सुर मना वृद से वे महिल केन किन महिन करि कार व्यवस्तर में किन किन है वे लर.लरक्षेत्रधानमार्वेयत्मार्त्वा धीर.क्षेत्रवरत्मान्त्रीयः ताक्ष्यावीत्राक्षः वत्रत्मान्त्र रे. इति लूर्न तर्ति न परवरि देश किर भारति की की की की विविधि में रेर रेश कारियाय ने विधिया रर्रा इस क्रिस की न लेते वा न न किर के न न कर है। है कि क्रेर केर मेरा मा क्रिय मार्थ प्रमा शासदेरी स्माणाना करें हार होता है नावित्र के स्मार के हैं नावित्र कर के हैं नावित्र के समार है ने नावित्र कर क इ. एक्षा कर्वेरकाइंडी का तील वूरकर का सेर्ट्री ला किर कुर्यु हुरे हुरे हो रेनरा थ. बार केंद्र में के देते हैं हैं के बार के ता है। रमेंद्र के के के कि के के कि के के कि के के के के के के के के र्जिया वित्र देन के निक्ष के कि वित्र वित्र वित्र के निक्ष वित्र के कि वित्र के कि रर.प्र.चम.पर्रे.करा श्रीर.वर्ष्युत्रेत्रेत्रेत्राच्ये, श्रीमाश्रीता पर्येव.वश्च.पर्वेद.स्म.स्मर् त्ता वर्षात्त्र्यं स्ट्रीया सरत्त्रेया सर्दर्श्या दव्याय में स्ट्रीर्ट्य स्था त्र्या स्था अ. मु. किर मेग्रेश शुर्म्य मेरे अर्ग मुर्देश पत्ता शिव लग्ने भी दरद करेव. यारकरम् नेत्र दशका पर्वे क्र्या विकाल क्रिया हिया है या मार्थिय क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रि रर्गेश्चिम्भिरक्त्यक्ति विकास प्रति वात्रस्य म्या प्रति वात्रस्य विकास वितास विकास व रम्भा अभ्रत्मा अभ्रत्मा विस्थान में नात्रमा लिस महिरापित्र में नार्य भिर्म नधुक्ता यहेव का का की दूर नधवान भूरत पान प्रधान करा है वा क्राय की देर हर के की दूर

1 ज्वा

221221

W. Gur

5年到

क्षे विव विव

हिरा हीर स्वीर्य मर्द्रिय तर्वे वाम स्वी हिर्दिर भी मार्वा म्या म्या कर कर्ण वास्क इकारीय दिरद्शियाधीयद्वामां भी तार्वाकायार देवादेवाधीया वाह विवाली स्ट्राह्म सेवा युग्र के अंतर के में के कि के कि कि के का के कि कि का का के कि का का के कि का का के कि का का के कि का का का के ण भरदेरवेला श्री भव मह्मा खेत्र वाद्ये श्री भेता हे वाद्ये श्री वाद्ये हिंदा के वाद्ये स्था के व क्रियाली द्वेश्येष्ट्रीयास्वाद्या स्ट्रियेर्श्यानेश्वा रार्ट्रियालेश्वा रार्ट्रियास्यार्था बुक्र बेल के बुक्त में वा अध्यास प्रकार कर विस्त्री कालुयी कर्णत्या वा क्रांत्र वा वा क्रांत्र स्पर्वाण्यमास्त्राण्या नार्वादी तस्र रत्वत्यर्थत्ये व्यव वित्रम्पत्वे देश की अनेदात केंद्र अनेदा क्षेत्र वार्षेत्र मेंद्र विद्या अविकार महत्वे व अक्षा के दुरी लेश इंडर्यर कुर्यं कुर्यं मुक्किश्रदुरी र सरदेश बिर श्रुक्तिया किर अहे, जा राजारे माना क्रिया रिक्रमा विकार विकार मार मिर हीया यह का है। विकार है। क्रिया प्राप्त के मार क्रिया परिया के मार क्रिया के मार क्रिया क्रिया के मार क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क् ज्ञातास्त्रीयकारान्द्री क्रिया क्रिया क्रिया द्रायाद्वाररा वार्षेत्र अर्चे क्रिया क्रिया क्रियेंव रख्यात्रवर्षाक्षराची के हमारे। तक्याचेरात्री करावर्षका मार्ट्य रख्यात्रात्री रख्यात्रात्री रख्यात्रात्री रख्यात्रात्री या.मूरी सूर अवाद्यारमवारमाध्यात्र्या विरास्त्रात्तीकामार्था अरस्पूर स्र क्रिंग रत्या भेर बेरा क्रिंग मेरी सरक्रिय क्रिंग क्रिंग मेरी क्रिंग क्रंग क्रिंग क मावराणमा क्राया विस्तान विस्तान के विस्तान क च्या भर्म मार्थिय के का मियर मार्थिय मियर मार्थिय के मिया मिर में मिर में मिर मार्थियर मिया मिया भनुसन्त्र । किल की ख्यामत्त्री चालवाल द्रकाकि क्षेत्रला चानवरें ने नह की भरतन्त्री विकास्त स्विर्यक्ष्या वाल्यास्यक्ष्यक्ष्या वाल्यास्यक्ष्यक्ष्यायाः स्वित्या हित्ववापिरव्यारहेव वहरिते। देश देशकेर्यते क्रीर्युक्त द्वार देश देशके क्रीद्व कर्रिया केर्या कर्षा विकास के विकास केरिया यालक नुरा दुक् जिल मह में जन्दी मित्र कर एक मिर करें वरें दूवा मन्दी इंदर भी मार्थ में नरका विकार्रवर्षिक्रिक्ति वास्त्रक्षेत्रचेत्रक हिन्ते केवा क्रक्रिक्षिक्षेत्र पर्यात्मा सम्बद्धिक महिमार्स रक्षेता केया दरको त्र्याक्षेरके के संस्था द्या पर्यातिरम् स्थित्यात् र बिर तिय वर्षेत्र प्रम्यात्र्या र स्थात्रेयात् र स्थात्रेया लवा ने भार्नेर के र क्वा भारा भारतीर देन ते कर्रा में साम र में के निर्देश करें र वा कर्नेर न्द्रायक्रेद्राद्रमारक्र. व्यास्मान्या व्यासान्या व्यासामान्या व्यासान्या व्यासाय इ. त्यु. ब्रीमा रहन्त्र. क्षेत्रमार्टर एड्डर बेणा चार्य मंबिया नमा एक्टर बेणा क्रिंग परिए विद्या

यक्षाकरा स्रोतंक्षणयानुसात्कात्का सर्वा सामान्या स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्त विवात्तारक्र्यानमान्त्रद्रद्रमान्द्रमाद्र्याद्र्याद्र्याद्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र संभीद्रवायरप्रश्चीद्रवर्षु अर्थेरा वालुक्षेर्र्यायराविवा वववावयाविवाक्षियायर कियाला क्रिलीचरर्षिणाता प्रक्र्वाद्यर म्बिक्स्रर वार ब्रिक्स्य यहेव मन्स्र स्रित्रे वे व्यवस्थ म्रा अवस्तर्भन्तिण वृत्यारिकत्वरी वास्वायर्दे व्यव्या पर्दर्शका पर्दर्शना यम सरी रवप नीरिष्य भीरून चए से वकरून। किंद्रमुक्त की नाम स्थापर वक अक्ट्रमात्रमा ज्यान मान्या मान्या मान्या में जी देरदर मूर केर किर्देश्या कर विषय माना विषय वालवा. कुमार्या अस्ति के देश के मार्थ के पर के के मार्थ क्षेत्रियारी र्ह्याम्बर्धियार्थियात्राच्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या क्रेरमर यह राष्ट्रमा कर रही तार क्षेत्रमा भारत विवास मार्थित विवास मार्थित के प्राप्त के प्राप्त के विवास कर क म्यास्य प्रमान्त्र स्थान्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य विवासिया कुर ब्री क्ष्य म्यास्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष स्रिक्षकीर मर्जेश र्जेश क्रिया क्रिया होता है। यह क्षेत्र क्षे पर्तेष्रभ्यद्रक्ष्रिविका भी पर्यक्षा भी पर्वका भी द्रविका द्रमा द्रमा का कर बेटा की कर्र र ने वह देवरा य प्रयान्यात्रास्य स्वरा द्वाणालाद्य वेद्वाला यादीका वी तत्रयात्रात्र विदाने देवता सरकारवक्तर्भवाक्त्रेरवमाक्ष्या हिराभुवैशालक्षरविणार्राकार्णराच्ये भाष्ट्रायमा द्रमात्म्ब्रीमास्येत्रमान्यवित्रात्मेत्रम्भरह् र्र. द्रमात्वर्रद्रम्भावेत्रमात्मात्मा रमात्रकार्यत्याक्ष्रियाव्यव्यक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्राच्याक्ष्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या म्यावरा मर्बे मार्थे मार्थे मार्थे मार्थे हिर्यो किरमे द्वार मिर्थे के मार्थे में मार्थे मार्थे में उरतहरमाश्वा द्रभारे र्यायातहरा होरक्षेत्र के कुक्ता में विदा सुस्य प्रदार की ले क्रेन महत तर्ने दर्गे क्रोर्न्ते ते तुर क्रून य बतेन सूर स ई के स क्रून प्रति तुर्व के क्रिया यक सम्या हित्रिरा रथत स्र्राइसियाकुल मासीहायुला प्रतिरेशी के सेश विसाम र केश क्रिय्वस्तादेते स्रावेर्विकार्यस्ताविकार्यस्त्राविकार्याक्रियादरा दक्षेत्रस्त्राद्वात्रस्त्रायायविदः वित्रतायमा द्रमत्यूर्शवावव द्रभक्षक्र की मस्दर्यात्वे कर्ते मस्त्रा मान्ये किला में के रब्राका का बिराकर वर्षा देरक् बादिका क्राक्रिक्टर क्रीवेमा व्हरका तरे क्रिया पर करर केर प्रदास्य त्यार त्यार स्वार स्वार स्वार स्वार में या वर सा दे वर स्वार वर से वर्ष स्वार वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष लूर.इ. म्या भिल्लामा देवकाड़िर.इस.सूर्वदेवत् हिर मर्वकाल्यास्यामान लूरा अर्बेर.लर.श्रेंबेज्रर.श्रर.बर.तर्म्.अ.रघव.त.क्य.त.प.स.र्थावा.श.वच.वश्रेर्यायर् युरा किर्देशका कु के प्रतिक्षता का किर्देशका द्रिया के का कर्ति का कार्य के कार्य किर्य

पर्रामे व्यवस्था हमी सुराया क्ष्मर व्राप्ते के देवा देवा देवा की परावस ही रामे देवा के परावस्थित दुरा द्वायान्दर्वीरामाचार्यम्द्रिक्यं क्रियं र्भवाद्भक्ति वरत्रका वाष्ट्रता वाली विवयम्। श्रीरक्ष द्रमा कर्षेत्रका रक्ष्म इर वर्ष्ट्र विकार्यावरः बिलाला वार्य कर कर के वार्य कर कर के विषय में दिया की रहे के किया की रहे के किया की राजा की रा सं इर्विम क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् रमूर्यातात्त्रेवायातात्त्र्यंतमार्थ्येया एतेयावारवरेवातात्येतात्रेत्रेरान्त्रेव् कुरान्यास्त्रेत्रे केया स्त्रीत्र वर्रहिलक्रिक्रमेशना ध्रुरव्यामर्थेशन नेवास मुद्रित्य वर्षे । पर्मित्य यर्शित्य स्थान च्रित्रासे हीर य देश ता हरे के शा त्रिक लोड कर्रा देर ता व कर्र है कर्रे व कर्रे कर्ति कर किर्तर सरी प्रक्रिर एक्षारकर रम्प्रक्री दिवास्थान कर्म्य नर सर्वेश नर स्वरंग नर स्वरंग नर सिर्म वर्षिण जुरक्तित्र अर्ज्य कर्ण कर्ण जियात्र क्षेत्र क जन्मर मानी विद्यातिक एक्रेर्स्य कार्यात्म कर्वता क्षेत्र माने कार्यात्म कर्यात्म कर्यात्म कर्यात्म कर्यात्म कर् क्रिक्रिया विवासिवारिय काल्टिक्विती कर्त्र संस्थान मान्त्र स्था अवासिवारियः प्तक्रियक्त्राद्धिया क्रियारमार वाल्ये मेर्डिक्स क्रिक्स विक्री विक्रिक्ष विक्रिय केर परिस्था के अद्रत्यश्रुणा देवसावगार्द्वयवकद्द्रा हुरहोरयाकेरिस्देरास्त्री देखवाअद्वाअधेद्रश्यकेश केम बेर देर स्रद्रिवाकर सर्थर यह स्रद्र्य वर्द्र बार ही नार्द्रेश होर यह महत्त्वर द्र्य द्राय स्था के शुक्र वर्ष्ट्रियवक्ता देशरक्षण स्रवित्रवित्यवित्रा व्यवस्त्र स्रविवेश के का की वर्षेत्र 2र.एहए.पूर्तिकार ब्रिक्र, जुक्या किर्मुद्र, एतिरमुक् अ. क्रिक्ष वक्ष्ती क्रिक्टर क्रिति. रमगळेवक्कीसर्वत्यं तर्वेस्ता द्वायुत्यर केवलाकीरळरलायते केव्रादेस्ररदेखेतर्वात् विदयका स्रिव्यार्ग्रायम् रायमा क्रियम्प्रिकेस्वर् स्वयान्य स्थान्य स् यर तर्रिक्ष त्येर्य अस्रिक स्ट्रिक त्ये अस्ति अने मार्चित स्ट्रिक स्ट् ना ड्रिं.की.लुबेश्राप्रमाम्पायर्थातर्रमान्द्रक्षत्रत्रीतर्वेशानात्वामा क्रीत्रक्ष्यप्रप्रम्थिये द्वाप्तिव्यक्तित्वतामकेवस्याप्यत्तिवयात्। वेसात्मेवरे वद्गारम्साय्योतेर्त्यक्ति के न्यूर्युवन कुक्रकानपुरिदेश्यात्र्वेत्रेत्वेत्रत्वेत्रात्रमा निकक्रमात्रात्र्यमात्रेत्। संभाक्षित्राप्ताव्वेदवकाविकः रेकेरवस्य कें के छेर बरा दूररणर में रहे के का लिके के ने मुस्य माना दूर के के का इस कर देखें लगानि अर्थेदा दर्भर श्री श्रामकूर्य पर्देर कृषेत्र लगानि प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमानिकार प्रमानिकार विभागानिक नअक्तिर्दिशासीका विकास के प्रति की कुरियर तथा किर्यर देश भूरवेश एवं देश कर्तर नर्क्राच्याक्ष्याम् अस्ति विकालिक विका कीलातमार् में सेवन्यालरर्गन्याक्तरायाक्ष्यायामारा द्रस्त्र्रकेव्याद्रहित्ताव्यर्भरामार

/adal

squal to april

4 वलला

रणम् यला

6 AEOU

रेकुल स्

यह्मानर स्मायोधिरमाना रिनर् देमारी प्रायमा रिनया प्रेरामा क्रेरिक्। क्रियन

274

[Simmana]

किताककित्रकुर्या विवसाता प्रीति मुबाका वर्षात्र म्यानिय स्रीत का वर्षा का व्यवणात्र स्र चीव खेब वर्षे वापा तक्षिव से से से दे से वर्ष प्रवास मार्थे हैं। मेर क्रा मेर क्रा मेर कर केर जा बाजर कियाशरहाधुन्वहुन्वसून्या पहार्ष्ट्राहरूमाहिक्ताहरून द्वाया वृद्धि श्रेमा प्रवा माहक्य-शिरवक्षे यर लरमेरी यो तपु के मंगर बाकिरी वाम्य करु थे पत्रित्य को मेली कि किर्त्त्रेया र्यतिक्री दिक्षति, अविर्वत्यार्थक्षी सेवाक्ष्मप्रत्वित्रेत्रे लुवी क्राक्ष्मक्रिक्षिक्ष कें हिला क्तर के कर देर है के काला हिरक रंगवाई क्रिक्स क्रिसे हैं है है कर कर का की कार के कर विशेष कर के र्यार्षे किरेररराधुका केंग्यारामर केंद्र स्थितिकरियोगी विस्थितिक कि.ए कुरी सी वस्तर कुर त्रक्षक माने नेर् । केर् भे कर्र भे कर्र भी राय पर्दि में भी राय परि भी भी राय परि केर के निवान कर न्यवन महोत्र हो एवस विकार विकार से त्या विकार में त्या का में दिल का हर मा वह ता वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष यसक्षित्राक्त्र्यात्रीयात्रीयात्रीत विरसियात्रुत्र पड्डालाका इरिट्नपर्दर्भ मूड्डि इसि रे.कार्र श्चरत्वरत्वत्वद्वर्षा वाकावरे हेर्येद्वते हुए वा विकार के से में के देश का व्रदेशका मुक्ति क्रिक्री क्षिर्वर क्षेत्र मण्यान द्र्रायसम्बद्धा द्र्या मुंब्र तम्य द्र्या मुंब्र तम्य द्र्या मान्य तह्र ने के र्रेट्स्ट्रिंडियों इन्स् ररेट्रिक्स्ट्रिक्स करी श्रीरक्तिक्त करी के या में के के प्रकार ल्यानी यावर करी विरत्म पर्येर अभिका अवर कर काहरी कुल इर कुर खेरे किर मिर मिर भी रत्येत वर्रद्रमाता का विभागमिर मासेरा ब्राट मरवाय की का नामी क्र मामा ररपर वार्ष्या में वर्ष्य मूर् रिरर्भा वार्भ्य कर्त्र कर्त्य हुत वर् मूर्त व्या मुरा कर्ति किर व्या क्रिय के प्राप्त में किर्त वालक क्रिका स्वार मार्चियार द्वा । निर्माय ने कर से ववका सु रहे सम्बद्धा की क्षिय है से द

र वेदागा।

भर्षः भिर्मा कृति विक्रित्र क्रिया हिरक्ष क्रिया हैर महिरक्ष क्रिया हैर महिरक्ष क्रिया हैर क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिय है क्रिय है क्रिय है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिया है

3gganal

पक्षरग्रेकर्वा द्वा द्वा प्रमानिका द्वानिका मार्चिकर्षका प्राचिकर्षका प्राचिकर्षका विकास अर्था । इरी विया वर्षिक्षेत्र का अरा अरा अरा अरा अरा के इर के मान के विया कर रेश्न मिन में र्वेत हिर्दि दे मके वहीर वी मा देव दुर्व मुनेद्र पत्ये देवी के महेर कर हारे हम हरक कर बैंजरमर की संग्रकार में मार्टर प्रकार केंग्रक में मार्ट में मार्टर में मार्टर में मार्टर में मार्टर में मार्टर असूर्र अधूर्य कृरिकर्त्रा पर्य रिकार्त्रिया क्र. एवाका का वाक्षेत्र करिया क्रिया विस् रत्याके कि मिन्द्र हिंदरद्यात्या की नडिकापद के मुल्याद के महत्या के महत्या है। स्तर भी अला का अहर का मुद्दी स्थान कर का महत्त्र में अला मिला में का महिला में अहर में अला में अहर में अहर में कार्या पर्के के कर् जावी रह केरेर काम कर्त में राक्ष जाता के प्रकार में राज्य केर देवार में राज्य का करी येशास्त्रस्यारमार एवर् स्वामाह्री द्वमार्य्यद्रियामाह्री क्षेत्र किरमा इति प्रक्रिकामीकरी है. ड्रीट नकर्मा की कर की के का करती हिंदे की रायक की दर्भी राय कर मूर्ट दर्भ कर की त्रकारदेवा रसल्येयपहरमारेश्वकारुमाश्चिमाल्या होमाल्या होराक्त्रे स्वाकार्यहरी विद्यालया देवत येरायेरीत्रस्य बार्जना करकेदा याद्रविभाग्ने क्रिंद्र हर्षेत्रदा निया वर्षेत्रीदानी सक्त्या नी हेर संस्थात्वीक्रियेवा गृत्वीर एकुरव एकेवक्रियो अनेवर गेर्गरे येवा क्रिकेवरकी भूतित्वी अंत्राप्तित्वी केर्यर्द्वाली देरेपद्रेश्वाक नेर्यप्त्रीया गुन्यप्तिवाल न शिक्ष तार्हिक यहा की बारिक कर का बावा कार शिक्ष होर देन की कर हीर देन के देन के तारी लिया यास्यास्त्रीता तर्देशमा द्वीमा देश दिर यूर दार्थी में अस्तरियो तर्देश के मायता त्येल त्र्रियदे। त्याँ वक्रव्यक्षक्ष वार्षेद्रयानेश्वा वितात्वीलायक्ष्रे हेर त्येत्र स्वाद्यर स्वा स् क्षि पहुंच पहुंच प्यान कर्य प्रकार क्षेत्र कर्य में क्षेत्र के कि कर मेरी किर्णम्प्रवाद्वरकिर्माण्यास्य प्रमास्य । स्टर्मिनेरणकेरिने नगाना सिर्णेनेरे प्रमानिर नगुन अवत्यार्त्वेद्रद्रमी मेंवालक्दा देक्षेत्रयत्हेनायके सुर्यद्रकेता दते ग्रायकाणतद्वायते तह मार्टी भड़्त्रावर् रड्टिक लयमरममप्रिया के और संज्ञां के का वधवारा देशकास्ट्र यु अपूर्विया मूक्ता एहेवा क्र्यारकर्यार मूर्टिक कायकरम मतुर्वेता क्रार्थिक मुद्देवार में यो मूर् क्षार्याया देशक्ष्यं मर्द्रके यक्षापर्या वर्गक्षित्रक्षिणका क्षार्यात्या स्वान्त्र वर्गक्षेत्रा क्वाय क्षेत्रमा विभाद तह्या निर्मे स्वर्धित इत्य त्यूरा विद्या विद्या के के तार्विय ते दूर्य एक्स्क्रेस्क्री वर्द्र कर्वर एड्डिस के नेर केल कर केर केर किया मार्थर म्र्रियमरकानम् अवस्ववश्यम् क्रियाविक्र क्रि.जैन्यत्या रेशसेक.क्रिसेश्रे, र्वश्रेश्रित्यालय नर्वा मेरिए प्रत्यात्या यथित. टिक्रार्मिश्रीर पहुंशान्त्र। श्रीर के बत्र करिया कि जानूक के ला र्या ते बेबर कर्त स्था रतर त. यात्रकारातु संपर्वरात्रात्राचार्व्यकायाववस्त्रेवाराद्वेरा त्ववात्रात्त्री हरमास्तर्भन्ते त्या

नाल्य होया वर्षेत्रामा कूमा प्रवास विवास ना कर देश देश एक्स मार्थे मेरी लेव यादर की यो ब्राय या.पर्विश्वाका नवःस्विक् अव्यानवन्ताविकताकरःश्वास्याका विश्वातिशाकरः पहिस्यात्वरः सेन्यर्रर ठवेर नर्रा रेग्रेश रग्ना इंग्रेश इंग्रेश हेर् हैर होरा हेर्य नामा निर्माण रेग्रेश देव से अवाकार्यकरक्षिकानका उधवानका करारे ही.र्पकरकर ही ड्रिक्तिर नर मीता के बुद् कर्रि ट्यानी सेनामाद्र र क्रियाना द्यार्र ही क्रिय हाम क्रियों ते ते ते त्या कर ही र व्यार्थ क्रिया होता किंदमारामा मेर्निर्द्धारका करेरे विचित्तर दिनिया मार्गित के मार्गित कर के मार्गित कर मार 第四百万里をなるといませい、カカノ東南ノは近の重なます」かるよれからなおあるおかなるかられるい च्रिया हर्मिन्नेता वर्तावर त्यर तार्यर मी दशवा विर्देशिया यमने पार्टि विविद्रि व्यव वर्षिताय रथर क्षेत्री ररके नमा विकास र्रे न्ये क्षेर कर वर्रे न्ये क्षेर कर वर्षे कर भर विचार के मार्च का विवास के मार्च के ्ट. इत् ने ने ने विकास का दरम् अर्थ पर्वे की से कर हिला को का का देहिन अर्थ ए में प्रे के कि कर कर्य.

रदर र दे अपने अवा निरंश वर्षे र ही दर्भन अहर हैं दे विश्व अहर हैं दे विश्व के दे दे विश्व के का कर की त्रुपर्हेर स्ट्रिकाय त्रेयत्र द्रमा द्रमत्की त्रुपकी भी सुरायी वार द्रमत त्रेकी सुराद्रमा में के मा लक्टरकिटम्बाक्ष् अराक्ट्री देनक्टर्या अक्ट्रिक्र विकास केर् र्त्रेया दिवा । डि.पे.पी न्येमरच ने वर्षेत्र पहि ए ए डिरेस वर वरिष्ये मार्सर प्रविका का वर्षेत्र. म्यं की की मिलेर विध्याला भी सेश देतरमाला पर्यं माला संवादियर विषय विभिन्न है। मुद्रे स्वित्यक्ष्मक्ष्मक्ष्मक्ष्म रद्वित्यक्ष स्वत्याचे स्वत्याचे वेद्वत्यक्ष्मेत्र दिक्षिताता दिरामध्यापवावातात्रीरवकार्य र्यामभीरायात्राच्यात्राम्यात्रात्रा क्रमीक्री मरार्क्रमारायरायालाला हिर्नेनियरायकातान्त्राताक्षी रक्षान्त्रीयके कर्णा मेर्नेदरके कर्ण मर्दरायराजी मका मरमा बर्दे व्याचार ए यह व यह में क्षेत्र यह यह यह स्ति वह का है दर्द के वह का है दर्द के वह के मुन्य नार्या देश में महिराहर में र तर्री हिरामें र मिना में र महिराम है। वनर महिराहर मिन की र रहे नरद्रण हिर्दरदरश्चीकान्त्री न्यू क्षित्रकेशकीकीत्रीत्रीत्रीत्रीत्रीत्राद्री हे अक्रीकात्राच्यात्राच्या द्यात्रवात्त्री ग्वासवायत्त्रस्येदेश्यद्वा त्यक्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य द्वा इ सरम्दर रे. वर्षेत्रामा रक्षेत्रमेर क्रियाक्षेत्रमा महत्या मदत्यका मदत्यका महत्वा हु क. ही. रक्षा विकास माना टे.क. प्रत्वा कक्ष्यते क्रेर्टर विकास संग्रहीय क्रेर्टर मार्थ हरका सामित क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क रर.क.फ.पी. बी.कर्डर.परं त्युंबी अं कुवा.स्वा.वा.स्वारकर.कर.म.लूरी देशपरं बीव.रंगपा.क्षेत्र. 大型いかくしなか、多大多大、大大大、大大は一大いのはあるいっとはでかいまないまで、あるいまでは、あいますると、 いるいくた、こなかいいあ、するないると、後とかいます、まってくないいると、おうまていましてかるしました。

ड द्यायके

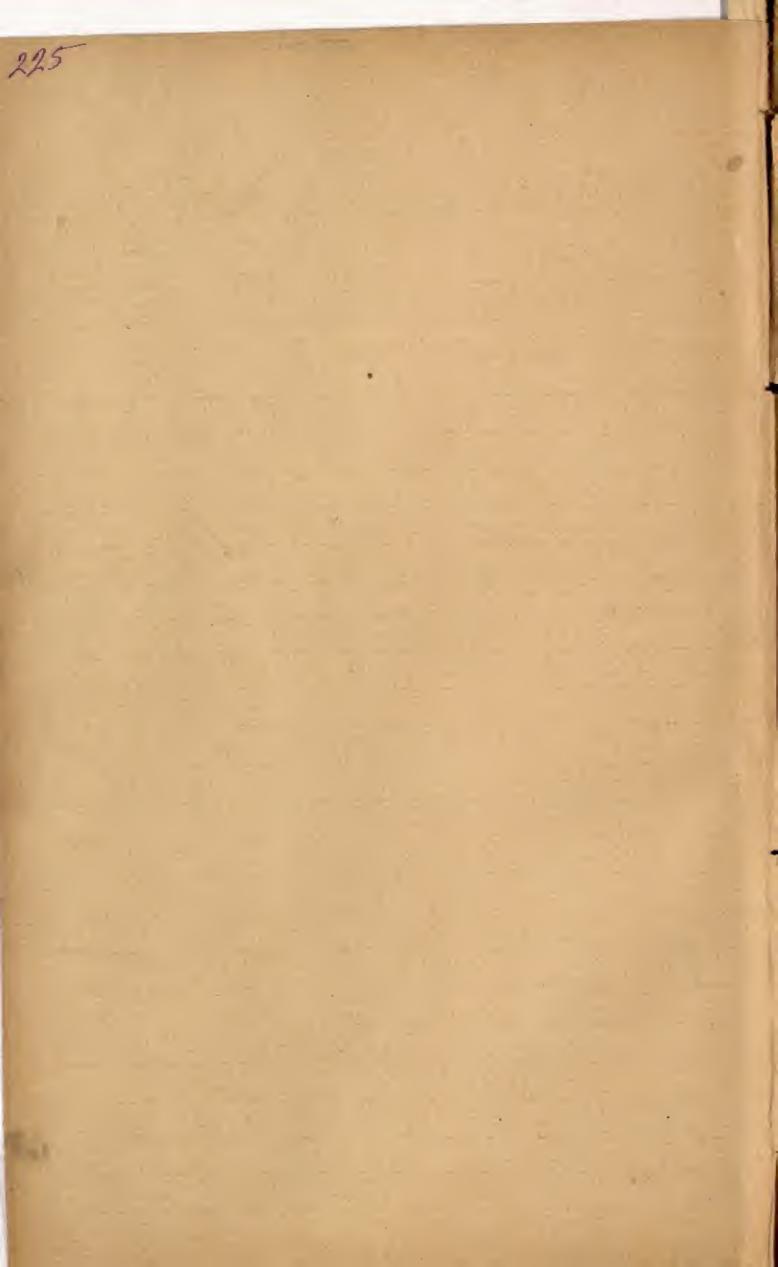
·女生」 ていいいがいいましままにもよったとうままか、はる、それのようとはないいいとははよってもから रिरमुद्रम्भ्येभाभित्रम्भ्येभाभाष्य राष्ट्ररहर्र्द्रम्भा देर्द्रस्थरम् दर्भेदम् वर्मेवस्य वर्मेवस्य पर्द्रप्यित्तर्म्य वर्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य हिर्देश भुर्थ के किर केर कार कर्र के बेरवमा केर कृत मार्थ कर देता करे विकास मार्थ के के कार कर केर के किया कर द्राल्यर केर्द्रपत्वाव करणका सुनिहेल देर यहर कर सुति हुए त्ये के महिन्द्र है। किर्मे हु प्यक्तिक स्त्रीता अप्यापार्थिता स्यापार्थित विवास मान्या में विवास मान्या में विवास मान्या में विवास मान्या में रीनर्ये काइवा उत्तरमार से वारिक्ष काइवा वार्य प्रत्या कार्य प्रत्या कार्य प्रत्या वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य चर्तिशावानी त्वेबा उद्दिर वर् भी क्षा इस इस मिर्टित स क्रेक्स के प्राप्त मिन मिन मिन मिन मिन माना पार्वेशनपुर्वी क्षाक्ष्र प्रत्येव पर्वेव दिने क्षेत्रक एता दिव विव विवासिका क्रियाक कार्यात् विवि विव म्पुत्रर्दर्द्ध्येश्वर्भरात्वा रहित् अवाजात्र देवर्षणा क्रिया का हिन्यर द्वर्गर क्रिया प्राप्त क्रिया र न्यवानार् स्वाक्त्रम् स्वर्षात्र्या दमतः स्वाक्ष्यात्रम् व्यक्ष्यात्रम् व्यक्ष्याः व्यव न भीररे क्यों रिनए मुरे कररेत ए करेरे का का का मान का मान कर मान मान करें र् म्प्रेश्वीर्पक्तकार्धित्या र्पायाक्र वर्त्र द्रियाकार्यका यतं सक्षेर्यत्येत समा 3 हि रा द्रतपक्तिमास्त्रुम् अवपः वर्षेत्रका देलात्वर्ष्य त्राम्यक्षेत्रमा वर्षेत्राच्या वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा शुभारत्येत्रकत् इर मेर मूर्त्र क्रिया क्रिया है का प्रकार क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया मर्फ्रिकालमरेरी शुर्रकाशक्रिताश्रीरकारेरी सम्द्रश्चास्त्रमात्र्यात्रमात्रा क्तरिक्तकु एम् करा में परेर कु अ परेर अधुकर मार्थित में यह वि परेश किये ही हैक ली मा क्रियाक्र त्र्राचित्र क्रियाक्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य वर्ष देश क्रियाक्ष प्राप्त वर्ष वर्ष टन्यन मक्ष्रिम् त्या मान्त्र केर्य क्ष्रिय केर्य क्ष्रिया विकासमानेता कूर्य वार्यका कर्त्य कार्त क्षेत्र कार्य वात्य क्षेत्र मान्त्र द्वाकेरा रतित्य सुगुरु ही सुनि वर होगानिर कुए ही गवर ते प्येवा देनेर प्येद्व सूची रेरा रकार्य नेर क्रिंकाता के नेर लेवा के मानेर कर मार्रिका होने के प्येर दे दे दे पर का लेवा य्रित्वर्णास्तर्वा मी के विविवस्ता मार्थित के मेरिक निर्मा किरक निर्मा कर्ति वार्षित के विविव निर्मा निर्मा के निर्मा कर्ति वार्षित के विविव निर्मा के निर्मा कर्ति वार्षित कर्ति के निर्मा कर्ति करिति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति कर्ति करिति कर्ति कर्ति कर्ति करिति करिति कर्ति करिति करित क्रिण इंदे खुर कर्तिना र वंदाना कर क्रिया क्रिया में एवा दि श्वे पार्वे का मुका क्रिया निर्यायमा बीक्स्या तर्मा यहतिसायमा हराने द्वाय मन्त्रा स्रित्ने हिराने द्वाय मन्त्रा मिराने । म्यास्यायमा विकास के स्टिने मेर निर्देश दिस्यर मेर की का कीर महिला मेर महिला मेर महिला मेर महिला मेर महिला मेर यात्वरमार् विश्वसामार्वेत्र के बुद्दा देवसालवाल्युणात्वर मार्थ्य सामा व्रद्धा स 田田か子出土大山着い大田里、日本日、四年四年月月夏七年、大大小子、山子い、日本、日本の大田は、日本に日本の日 कुक्रमद्भाक्रियात्र्राम्यद्भाम्यद्भाक्षा किए मुश्रुक्ष मार्थक्ष्रियात्राम्यद्भाद्भाद्भाव्यात्राम्यद्भाव पन्नकात्रया दुरद्वार्सित सेक्रीमहत्त्वर्त्व मेर्नेक्रमण्यतिक स्वायत्तरे देरस्य दिलद्व かとはあざれいからているいきないとあるがとからずいくいぞられるこのあいませいから

222 222 ्रवेबायल. र्टर्ट्डिल.मू.श्रु.स.बर्गुक.फ.केवाकतंत्रापत्र्रेत्वकात्ता यारत.फ्रांस.वरेबद्ध.तपु.वर्षात्रात्रे अप्रायहर करा करा हर। केक मुंग के का मुक्त के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार ुक्रमान्या र्रक्तर्त्रिय द्वार्या हेमार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य हेन्द्र वाय कार्य हेन्द्र वाय कार्य है उनम्बार्यः संपर्दे किएसीए श्रीयात्रेयात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र मध्यान्नात्रमा त्रीत्रकुण मिन्ना कर्ष्या मारान्य मारान्य मारान्य मारान्य मारान्य प्रमान्य प्र त्वव में द् कु.मू.जरफ.बेक.रेट्जु.बुंदुकु.क.फक.कु.एर्येग्री दिर.सफररा बेर.ही उपकारकर कुर.कुंक. क्यम हुन् मुक्त का भी के का मुक्त मार्थ के स्वति वार्थ हुन मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य क र्गव्याम्य र पर्देशया भु इतिमा कर्मन्यारेत्र्यात् में में के के के किया में करिया में किया में करिया में करिया में करिया में करिया में To Thrast र्रुगाओं क्रेंब お、生かからかいるとなく、また、また、まといれて、くれいってして、そうは、か、り、まかっなりまで、まずれいてくてくるしまいい क्रिक्र निम्म दिन के कि मिर्म के मिर्म का क्रिक्त के मिर्म कि के मिर्म कि के मिर्म के कि के मिर्म के कि के यते महना 多少 とうときかいい 童いからなるあればくらばいまえれらあるがもまいるからからしていままから इक्रमार्क्र कर्मा कर्मित्र विश्व हर् में में देन के त्रिये के किया करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र के कु भ्रामान अन्यान प्रामान के मान किया म RETM 91 विदेशम्भूत्रमात्रमात्रमा केरात्र्मायम्बर्गात्रमात्रमा देन्द्राकेर्यात्रम्थात्रदेशदेशक्रित्रेश हिर्देश र्यक्रम्यात्त्री का प्रमुद्रात्म्यात्त्रा व्यानिमा शहरका श्रीमा के मिल्या विश्व विश् 10 86.14 नार्त्रयात्म मानु विद्यति दुर्द् वर्ष्ट्र के वर्ष्य की क्षेत्रियात्म का के वा मेर्द्र वा देवर सुत्र दुर्वर कल के सुर क्रिंभक् रे रूर्र् रेलरावन क्रिंट क्रूर्तिरा अस्त्र सरकरत्वेन न हिर शहर विशेषा के खेर हर हर E.31 इस्यक्षाद्यार्। वर्षिण वयमा हिन्द्रिय के महारे हैं दर्म हर वया वर्षिण वर्ष कर है /2六五五 १३ र्नेहर्मार्द 大大文文大大の、古人、日か、白人、日かの東、明、美も、か、「大」を、は美い、おく、は美くい、おか、日本、日本の मुक्र या ब्रिट्रेर्न प्रमान्द्रिक्तिक्षेत्रम् अर्द्रात्र्रेत्रम् दरम् दम्मादमक्ष्रिकाम् द्रामाद्रिकार् क्षेत्रम् कर्मात्ता तर्देन की हा तरे दिन हरा स्थान मन निर्दे कि आहे होते हैं। जिले मा हा का का तरिया 李西河 मान्ता कालालान्य लाम्नान्ता द्वाक्त्राक्ष्यक्षाया मान्त्रमा मान्त्रमा मान्त्रमा मान्त्रमा मान्त्रमा मान्त्रमा देन्द्रदेशपद्भाष्ट्रीयार्ष्ट्रविक्रह्त्। दर्दरद्भाष्ट्रेशवा वर्द्दितिराभित्रभवात्त्राम् वर्षाः सी देशक कु. कूर्युट्या कुनुर्त्य इए मार्क्यवरवया रनपक्तिकास्यायिक, मुना क. रार्थ्ये वीरि. वीरि. できるいからいろいろとそれらいのましてくどろうなもまいったとしまましまましまり देनभा चित्रकेद्रमादी रमध्यात्रमास्वाधिका लुवा सेवाभावित्यवाचित्यवित्यद्रभा

वक्षकार मेरे कपु परक किरेटी काल पर्देश कपु मध्ये मध्येती करेंदिलू दे मध्ये दे दे भाग मिना मरामका में सूरापरेटरी कराता कर रामा रामा रामा रामा में मारा रामा निया है। जिर्द्र दर बेबालिहला का पहुंबाका की पान मुद्री रेम एक प्रेंबाक करिया दर्भ पर्में किर का का का का विवा र्मेग्नामत्रीय मेर हेरा नहें शिर क्रिय पेरे क्षेत्र के मेर के मान के मान के मान है नाया म्ब्रामिक में हिरामा कि निर्वासिक हिरामिक हिरामिक कि का कि में निर्वासिक कि में निर्वसिक कि में निर्वासिक कि में निर्वसिक कि में निर्वासिक कि विमानिकारिकारिकार् । हिर्मार्क्रियमानिकार्त्य क्रिक्रियमानेकार श्रमानार वहर वर्षेत्र कामेश्रक वित्तर्मा येश इर यह स्वर्थ केरण तथा हैन देटला सर्वन् शिख्याल विवादित्र मान्य विवादित्र मान्य विवादित्र विवादित्र विवादित्र विवादित्र विवादित्र विवादित्र य्मर्ति। देर हेर हे दे हे में बिरविरा म्येय रा बंगाए या का करता में मूर् देशक है यमश्चिरवरतरे स्था में मह में है। । । से ह हा त्या तिराय रेत काड़िया देन्द्रर इर खेरे करहे वाहेदा अक्टर करूर के के रामा के कर के के इर एवं क्रियरत्री वर्शक्त्रिकाएर्डेडिरायर्थी लीकराष्ट्रिकार्कर्त्रत्री वकाकारत्र र्राम्भागात्मा वन्त्रवावमान्त्रेत्राक्ष्या इक्षेत्रवामा इक्षेत्रामा इक्षेत्रवामा इक्षेत्रवाम इक्षेत्रवाम इक्षेत्रवाम इक्षेत्रवाम इक्षेत्रवाम इक्षेत् पर्वार्टिकोरी बिरका करिका करिका है। देन वा नि. में हिर ता का के की का विका रे क र्मित्रम्या अर वर क्रिके प्रमाणवादी वरक्र चुकालय तरका क्रिके क्रिके क्रिके अल्लीरभरत्यादी तर्हेर्स्स् भेरेत्राच्यानेर हिरी देराल एक्से मुख्य अल्ली अल्ली द्रस्थातीको व्यक्षेत्र्ये वा परेवा सर् ह परे वर वर्षेत्र स्टिन्द्र । वारणद्रात्रे अक्षेत्रेश्वी देनित्सूर्यित्येत् भी बन्नात्या । व्रेन्ये वार्यन्यु वार्वेन देनाया केता त्यान्यान्यान्युर्येकत् यते। त्रमानाकीमात्रमानोभार्त्रमान्यं माना होर्यस्थरहेर्द्वर्यकारी त्यमकेर्यक किलारी राम के ब्रेस हों का प्राम्न में ब्रेस होंवी देवका के में देवना का कर्र र क्षेत्र में पर तर्वेदिक इस । १९३६ रेकल रे के रवन । विक्वर नात्मकर तमके र दर्द कलाव वर के रेक केदमते झे रें हिंदा दल नमा सन्यद्भाद्दा मेद्र स्पूर्ता देने से त्ये विद्यात में मुक्त विद्या । उत्या

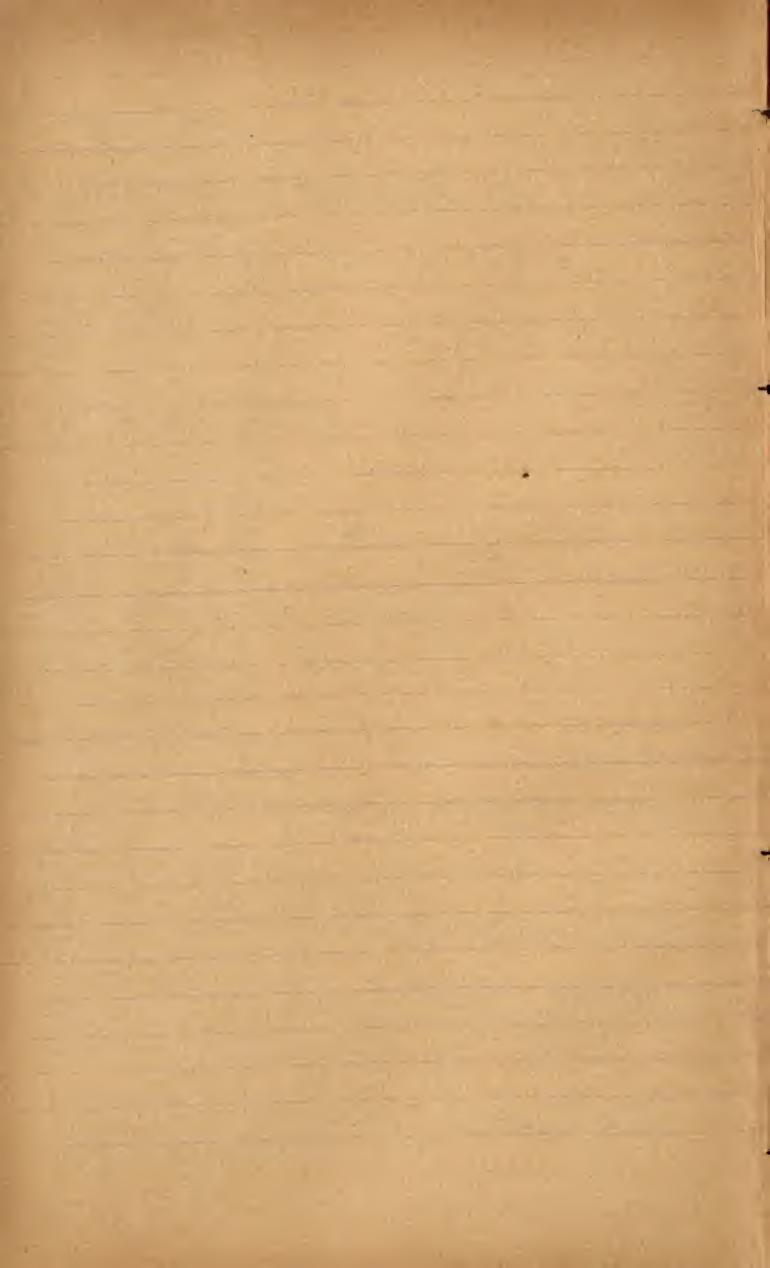
कुर्मग्रक्ताला श्रीत्रदेशम् विश्वाना पर्देशदर्शित्री वावश्वाद्वात्यम् पूर् एरिक्त विश्वाकत्त्री अज्ञेवश न्त्रापहें व विश्व कार्या व कार्य वा परिवास र व वा कर वे वि वे ति वि विश्व कार्य के वि विश्व के विश्व के विश्व पष्टर इर इर इरर किरें में कर्यों किर के हु वधुर कुम लासूब । कुम कुर कुर में का धररे एमर्कानमा रिक्त्यूपुष्टी कर्यूव विद्वी क्रियेशक कर्या में के कर्र नरी क्रिल्य विद्यम दनएरदर्रिष्ट्रभागुर्यकात्ररत्वरत्वराकुर्युक्तेवविष्ठराया विरामुद्रभाग्रीमार्यर्वा किर्त्यु इदित्ये अकेतर्धरेण केंग्र प्रतिराधे के हैरिंदे हुरा हिराम देन की विर्ध्य प्रति का परिराधित ज्राम्द्रकेर्यात्रेम्या सेद्रवाद्यत्याद्रद्रद्र्यायस्त्रीद्र्यायस्त्रीद्र्यात्रस्त्रात्र्या स्यास्त्रित्वस्तर्वर्वेयायया हैसारदेरवहरवस्य क्रियार क्रियार क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया कर्नरहेरा हे ये हे दिर्मे प्रमेरक्षर्वे वी प्रमेरक्षर्वे वी प्रमान में देवी देन द्रेति के के दिर स्रेरक्षर परास्ता हिरा भिरात्यां में अपास वर्ति प्रायुर्ति राया गुरुरा कुर सेवा विया प्रेया विया प्रायु निया विवासिका देश वासिकी रिमर्थान विकास है। विभिन्न मित्र के मित्र के मित्र त्मकारीया कार्मे देरी कार्तीया प्रतिकार हेर्द्र देर्द्र कार्म प्रकार के कार्म के कार्य के कार्म के कार्म के कार्य के कार्म के कार्म के कार्म के कार्म के कार्य के कार किए मू. दू. मु. या अर्थ देवा ता क्रिंड वर्षाय कुरावश माने वर्ण देवत क्रु मिल क्रें प्रमा कु पर्वेक विक रेट्डिंग्यधेनेन्यिया ररेट्ट्रिंगमेलनी रेनरलेल्डीर्ट्यर्गन्स्री मेन्ट्रिंगम्भान्त्री ब्रिस्थमा र्यामक् र्वेयाम्पुरमाराज्यकातमा काव्यवस्थात्व्यस्य र्याद्रम्या स्क्रिया उक्तरमा में लगा में लुए में रेन में रे क्रिकीलरर्डेबररी क्रबर्बर्जर्थरेयह्रवर्ष्ट्रवाह्रवाह्रवाचित्रवित्रवीत्रीयाज्ञीया पर्मावर् . मूर्तिय अवा रिक्तर त्या किया किया में भी री क्रिक का मूर्ति का मूर्ति का मूर्ति अवा कर्ति रे प्रमाण का मूर्ति नीत् अधूनाका वर्षा भारकार्त्रीर पर्नाका के पर देवा रूका तत् विदेश कावर वर काव नेर विकाल वर इका रनगण्ड्रा के नद्रमें नद्रमें मान के हिंदी मा सरमा नियम कि में है। ही रर्दे में से मान में मान म्मर क्षा के के प्राची र का का अवासे वाके वीका के कर र के का वाके वीका के र जिया र का का वाके वासे र र्वेषसम्ग्री एवंबा बुक्र हुर्न काम्री देन्द्र क्रिया व्यवस्था लुवा बर्जि वर्षेट्र संदर्भर काम्या वर्षे स्ति कार्रकारक में किया एकर न बर्गर्य के सिर अमार्क्षण कर्ण है किया के कार्य के मिर्मित इम्मा हो। होर अवर केरे नियम स्माह्मा हैं अने में अहम हे ने वियम हो केर केर में किर केर केर केर केर केर केर केर 明ないれ、それは、それいいかも」ないかくいくい、とはくか、あるとなってもかしますいあってままましてもなる द्रकारक्षरेत्वत्रक्षेत्रकाक्षर्रकत्वा ह्रीर्ड्यावरवाद्याकाद्रियाक्ष्यात्वात्वात्रक्रिया お考め、考と至して、おるなりますがらないのは、あかいのかあいまとうまして、あるいのか」をかし की काइक कर रेपार दे कि वर्ष किया। विश्वास त्वा कर स्था कर कर कर कर कर के का पा विविद्ध कर । क्षेत्रकरे

देन में ब्रोदन्य विवास न ब्रेक्स मूर्त्येश्रा में अर्थे में बेलूर्न मा विकार करियरिया क्रे में मिल सेव मिती ड्रिक्टिमर्गरायाधिकरद्याक्त्रान् का वाष्ट्रात्या उद्दूर्ण का वर्षे के विकास के वर्षे के वर्षे के वर्षे के र्वेरवक्रामुवा रक्तरर्वाकिरुर्वे प्रतस्य क्रिंट्सरे इंस्ट्रेर्टी इंस्ट्रियमूट्रे केंद्रियव वित्रवेका वाने. पर्तिवायवं की वर्वा कुता किर के किर पर्वे नप्ति ने नव पर्ते के में वावर की नणका ला का वार्य प्रमा नी तम्सर्ते के मूर्वे द्रियेन में त्व्वाक्षणे स्ट्रिय्या के त्या द्रिये के से त्या किलाले नाबेगला सहिद्भवर्याले सामेर ये मेरी ये क्रिक् रे विद्रात्या है। नामेर मेर रेति नवाक्याक्षेर्यकावयदी जमान्ना मुर्डियद्यानम्बर्ग विस्तर्भेशति में देवाला क्षेत्रामूर व्येत्वविवर्त्त्युरी द्यक्षिवाकात्वयावर्द्द्रवीता देवलात्विद्द्रप्त्रित्कत्त्वा ।विद्द्रद्द्रद्द्र्या म्त्री विग्रक्तिवानिकार्यात्रेयात्रेयात्रेत्रा विगातित्ररक्तिणस्तित्वा देश्वेत्वरेत्रेयेके मान्या हीरश्रीभावरश्रीभक्तरा सकेवारामार्गरणानेता नेरकेवारेक सरावर लेवा स्वर विकासन वस्याकेते पर्व्याण येवा व्यावस्थत वेती वे वत्ययेवा विद्येग्यवपूर्वीण वस्रक्य यवा द्र्या अकार्यने ने में हिर सुर के रवा रहता वित्र के रिया के रिया के रिया के रिया के रियो के राजा है प्ट्रियाने अक्षा पहें शिर को स्पन्न का चेने के पर्टर के सम्पर्व के मेरा की सर्वा के यते श्रामदेरा वरत्येत्राम्येती सार्वेते सार्वेते देश मावत्रेतिष्ट्रत्वी ताक्ता अरद्वेत स्रेरपदेते र् व.इ. क्षेर एनुवा यद्रतायु ब्रुव भू अक्षिक कपूरी की मूर्प भी ब्रुक में प्रांत कर में सिक्त कर यहमान्या महिता क्षेत्र क्षेत्र वात्र दर्भादेनीर में भरी भर्ता मा तहुं मेर सर्भन सुरम्भ सुरम्भे ने मा स्वर्भिय र मेर स्वर्भ से देन हो दे । यह लाख र्भर क्षेत्राप्यरण नपुण मुद्री किर में बार्स्का प्रकार प्रवासिका कर कुर नपूर्व के किए प्रवासिका कर किर के कि प हिर बंबारार्याका सेवबारी की दन्ने यहिवर वर्गे देमारावी हिर सेवा अप सव दे ते हैं हैं ने किया वर्ष वरमीर्गर्स् वर्गर्भर वर्गर्भर वर्गर्भर वर्गर्भ वर्गर्भ वर्ग वर्गर्भ वर्ग वर्गर्भ वर्ग वर्गर्भ वरम्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वरम्भ वरम्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वरम्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वर्गर्भ वरम्भ वरम् स्वामित्रकी विद्यात्रवा तहीं हीर कुल से तेवावर त्ये येवा के अदत स्वादत वार्विभागा लाया र्यातात्मरभवर्ष्यात्मर्यात्मर्या वाव्यात्मर्यात्म्यात्म्यात्मात्म्यात्मात्मा प्रकार मान्ये प्राप्त में में के कार्य में में के कार्य में में के कार्य में में के कार्य में में कि कार्य में कान्ता विभा वृद्ध्यद्वत्वाश्चारात्वरक्षयक्षात्रका वृत्तीव्दर्ष्विणद्वा क्ष्याश्चरक्ष्या क्ष्या इनम् अवरूर्न सेल मवर्गिति हे म्यान कर्मित्र में रेन में इंद्रश्रुद्रिल मेणम्ब द्वित्रे म्यल द्वार क्या देश में देश मे त्या क्या के वित्र है। देश



IV

हर:श्रेट:यहगर्<u>स</u>र



श्रुक्ट नवाश्रमाद्रमायाद्रम् वहीरकाक्षेत्रकाक्षेत्रमान्य मान्य मान्य मान्य विद्यक्रमा व्यवसामा विवादी विणाद्यम् त्यार्षित् केत्रक्षेत्र केत्र केत्र विष्याय वेदाय प्रविद्या प्रविद्या क्षेत्र विद्या विषय विषय विषय इंभ. एर्ट्र विरेट्य भ. याष्ट्र वे. मरेट बेट जय हुट हे यह जा वसूर बुट विया मनेया में हुया रहिये है गरेट। लुल्बारमालय् कुलद्रम्द्रत्तर् पत्तिल्दे विवाल्यास्त्रित्यात्रामा वन्वत्रत्युक्ति पात्रास्त्रव्यत्या वेर इग्रह्मान्यनवार्यन्त्रियात्वित्वात्यात्वे द्वायात्यम् वन्त्रयात्यम् वन्त्रयात्यम् वन्त्रयात्यम् रुट देवारुट के र के बारा प्राया करा बार्ड मार्ड के विदान मार्ड के विदान मार्ड मार्ड मार्ड पर है का मार्ट र के वा भारत क्षेत्र.तथा देश्वरदेनए.केर्बार्श्याकुक्रिया.भरक्षियाताया.श्वरहरा व्लर्डात्व.कु.द्र्य. लर.च्याहिट.चन्धर.त.दे.चारा.पा.चेर्क्चित्री रेथ्याहिटरंतपा.वरेर.व्यापा.ध्कर.श्रवक्ष्यात्रभेते. ता.रट.अर.बरेट्डेश.च्याता रंतप्रवर्रि.हिर्म्यर.वयुत्त्राक्षर.वरं वर्षेत्री वरं विपादी व्रट.टे. रिवाश्व वर्गान्ध्याच्या किर विर लारे तारी अपर ते जा हीरी व्हार हर हरव हरव हरव हर वर्ष र तथा बाबून ने जाना मुद्द वहरा। मुद्द माने भारत प्रविद्य की द्वार प्रमान के प्रति वहरी मुद्दे विद्या की विद्या क कुलार्या कूरान बद्धा हिरायवेत। हिरायवा सम्माकर स्रेर ज्या विराय सम्मित क्रियर स्तिन्त्राक्ति द्रमात्र्वर्ष्याद्रम्परवरद्र। वर्षेवाक्ष्यान्त्रम्पर्यम्भद्रमात्रम् । स्तिन्त्रम् । स्तिन्त्रमा क्यार्वायवर्रद्वात्ताता मदार् मदम् वर्षद्वातात्र्या सम्वतिवर्षा रवतवर्रद्वात्त्रम् वसाद्ववाद्वावार वर्षरी देर द्विद्रवावे व्याभागता वास्टर्भाग य. र से विव वर्षर नमा वर्षर रखेबे. प्र. इ. हे. हे. हे. हे. के किया है. के का किया के के किया के के किया है. हेर कर है के के बिकाबिका हैदा सद्याप्ट्सिक निकाल मान्या भी कड़वा हैते एवं के किया मादास्य हैद रताय बरेट जायर श्रिया ज्यात अहरा ट्रिट्रिंगम हेर्डी रवव बरेट्स व खरेड अप व ह्या पहिला राम्यार्ष्ट्रमा सूत्रः तात्विवः ताविवः राविवः रवातः स्रे। द्वे विवास्यः स्रेत्रः वताः ताव। दः कः वह वाविवा सः वः अड:कुन्र-रह्मी,यर्ट्ट.दे.कुक्व.वपु.सून्र.एका.पदेवला ने.यवेबाक्वाकी सी.यरेट्ट, हुक्यानेपुरास्. डेन्यानेपु अर हिला रे.क्टर इंडरवयार अर इंटर केर वर्षा स्थाय के से वर्ष अर हिर वर है. हैर हिस्से वर विन्यान्त्र विक्रित्त । क्षेर्वरेद्रास्य । क्षेर्वरेद्रास्य । क्षेर्वरेद्रास्य । क्षेर्वरेद्रास्य क्वान्यायात्रीयात्राह्रद्र। रवान्त्रान्य क्रंटवायला देशदिहद्यात्रा क्रंटिक्यपार क्र जार्नायात्व्या गांच्या वर्षेत्र रेट्डिंडा मात्रभयान्त्र क्रिया क्रिया के मार्चित वर्षेत्र रेटिं बुर.श्रु.धया.मुभ.भूर.गर.हमा चावंत्र.वसर.वसर.भर.क्रा.मुन.रेटा सर.म्.बर.मर.सं क्युन्दरी सेर.(वसर) करारमण अवस्तरहरू कुन सलास्य से लिर्टा वाल्यू र्वास्ति वार् मुक्ति करेशामका से या तारे याहीका न्यूर वक्ष के या वक्ष माइरी देया तर वर हिमार से रहिमार वरिका जमारीम् केवर है. विकास वारे अपना करेरे श्रुम है. रे. हर की केर का पा क्या मध् केर के विकास

क्राह्मा बिलारेटा र्वप्रसूचिताले वे चप्रह्मा वे वाह्मा क्राह्मा रापरे हे वे पण लूटल मुरी Enschotte श्रेड्ट्याच वेट किया प्रवेश के प्राप्त के प्रति क्षेत्र के प्रति के किया के किया के के किया के किया रिनेकारः वारावर्षे रिन्ते। प्रतामहत्ताना वार्तेत्वाना वार्त्तान्त्रीत्रात्। वार्त्यान्ति पवच तर्द्या दे.च्र. भूचे शुर् के मा (शुर्मा) श्री विवास मार मेर मेर मेर मेर के वा वर्ष तर्दि । शक्षात्रार्यवात्रीयम् वित्राचार्यद्वाया वर्ष्यवार्ष्यक्षात्रायः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः लुलामाविषामाद्वास्य मार्थास्य स्थान्य स्थान्य र्या देवामान्य देवामान्य र्ये विरायति 公号 क्यातिद्याम्रद्तारी विधाल्द्रियाल्द्रियाल्याच्याच्याच्द्रिक्तात्त्र्याच्याच्याच्या में व्यान हमा क्षेत्र तर्हे पहुरा वेरवरिष्ट्रिय हैरा वावन अवभाग के प्यट्ये वेर दुना के क्ष्य के विविध्य रें शुरसिरक्षप्रक्रम् स्ट्रामित्रम् निर्मा हेर्म्य वार्त्रम् मार्थित हिर्मा क्षेत्रम् निर्मा क्षेत्रम् -सर्सर्यातारमाश्टरम् मार्थियास् र हिरी नयां मार्थिर हर्रियात प्रदेश हरे देश पार्थित सम् शुभरपाम्यायान्द्रस्यद्वद्वद्वपाणद्यानुद्रः। र्भूम्यान्द्रेश्व मेर्द्रम्युद्रित्यान्द्रस्यायान्त्रः कें वरेवकुंग वरेवकुंग वरेवकुंग व्यक्ष केंद्र हैंव (वर्ष) वलवस्र वर्ष वर वर वल वर्ष रे राजा की र क्रिसेरे. किविधेयाता क्षेत्र किद्या त्रेशालाका सेरिटिएरेशान्ते हा हाकर सूबा अर्जिशामा पर्तेत तप दिवासी (12 निकट र्रम्मर्भिकाक्रियरमायम् तार्व्यास्य स्वितास्य द्रम्भरास्य पर्दे व चत्रेन् क्षेत्रक्षित् क्रियास्य विद्यास्य व लम्भुक्रेर.कड्टा व्यात्रत्यक्षता मात्र्यक्षता मात्र्यक्षता मात्र्यक्षता मात्र्यक्षेत्र वर्षेत्रचेश्वर्त्र वर्ष्ट्र क्रियाक्ष्रदर्द्ध वर्षियः वित्र स्ट्रिया दिवत्व्र प्रवासारा देवत्व्र प्रवासारा देवत्वर् म्यातक्ष्यद्वित्त्रिः वित्रात्त्रात्त्रात्त्र्येश्वर् भरक्षात्र्यः म्यावन्तरः मणः स्वतः मार्टः। स्वन्तरः मण १ नामा सिंद (अक्षा) राष्ट्र के. यु आर. यु र. तथा के या कि वा राष्ट्र वि वा प्रत्ये वा वि वा कि वा विवास वा वि वा विवास व क्षेत्रः वास्त्रः दत्तः वारेत्राच्याः स्वयाः वि.री. त्रारात्रः प्रायान्त्रः वि । इर्षेत्राकाः क्षियः वास्तरमा देवे यर् जयर्थाते अहण (पहण) वला बावयातर खें ब्राह्मा शिपद केर देनपासूत के बा सी खेब का 到一点。引 नेत्। काजीलाक् जापुर, मंद्रका टवालबीबामानपुर पर्योबामाक् वीत्रा एक्टरेन्ते। कुबार्सिक (मिरा)क्षापुर्वेदः(रहरः)प्रदश्चरप्रवर्षः(बरप्र) है। बूद्रमुवर्षःक्षेत्रावियःवर्षे इव्यक्षेत्रभवत्वे नपुष्ट्रार्त्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा भूपुर्धित्रुव्यी क्रारीयकित्स्त्रुवकिरःशि स्तरः वश्यः ववास्पुत्ररेरं र क्रेव्या क्रस्टिरं वाराव्यस श्चीर केर.है। जेमतर मृद्धारीर मर्देश कुणहैवार्विवा अवपरिट वर्धेत्रही क्रिरेश्वेशक्षर हैं देश र्वेचार्वेच.बुवः म्प्राक्चिव्वकार्त्री किंदाश्चार्तापवयुः पाचा.वि.चक्की काकदार्तापाल्यु र्रेचालवा न्री चिरात्रेर, य. तेराक्ष्य भारता अक्षार्यात्रार में यात्रा प्रम्ये मार्था वर्षेत्रा केर्यं केरा वर्षा अवता र यानी र्त्त्र्यात्वर्यायात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्ये हिट्सुर्वेयात्रीक्ष्यत्ये सूर्वेद्रस्यवात्रेत्

क्त्रे.का अके.लूर.य.जयात्मात्री वित्या. शर्यात्म्याता (स्वयता)यावता प्रत्यापार्दर्य कर. जयु देर के . परी टबा पर्रापर्रा प्रेट क्रिक्स किया कुबा बायण क्रुवा मात्रा किट किट । मात्रा देवा था. मध्यार्तितायः स्थानकर्ता पर्यास्त्रियः देशवाक्ष्याः सार्थी स्रित्यास्त्र द्राक्ति के भर्षात्रात्रात्रक्षेत्रे (अक्रा)कृष्टि देशरावश्यात्रीट्र अवश्राद्धा वा पक्षायार्थे देशियर तापा र्ह्रद्रतियायाताक्षेत्रम्याक्षिराववशा जयारेशया केट्रिट्वक्रिति क्षा रेशपा रेशपा वेश रेराकट क्षित्राती रिकार सुर . प्र. श्र. श्र. म्. र अ. का का ना ना के ना ने प्राचित (परेका) वा देवा प्राचित कर के र में र विकास ग्न्रहर्भाक्षान्या व्याहर्भा हेन्द्रा हेन्द्रा हेन्द्र वा हेन्द्र देश हे हेन्द्र देश हे में ले कावल पति सहते व शुन्द्रभात्रात्मावाक्ष्यात्त्रात्मद्रयात्त्री ह्रद्रद्रभागात्यम् व्यवस्थित्वात्त्रात्त्रम् व्यवस्थित् सहया त्राह्म होत्यो स्वर्धित वित्रा वर्षिता र्या वर्षिता राम वर्षिता राम वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे ड्याची हित्याचा में यह मूर्त र किंग्रेह्य माय बेर्डिया हित्य में हिया हीर रिवार प्राप्त है। रे.देर.इ. ७२. लूट.चथ. मूर। र्रेंट.कु.वेज अक्तुर्थ. रे. परेंग १ देश मार्थेड. रेज मार्थेड. रेज मार्थेड क्री.श्रा.सारक.री देवासेग्रेडे.श्रण.श्रण.रेटा रेतपणुटर्ततप.व्. ब्रब्धित.रेटा मृद्रतिसतेते. ब्बाक्षराच्छला रतिर.बूर.हरर.विग्जा अल.बिरा पहलाग्रुट.प्रत्युत्रसे.ववणाली अ.बूर.जि. श्चा (श्वरा) मित्रा भीता है। दरमा दूर् भीर भीर भाइमा रामेश दूर्य रामा भीता भारती श्रीटरेश थे. क्रिक्स के का प्राप्त रहा रहा में का का पहुंचा मा वा के का के के के का में का के का के का के का के का के का के वडद्रास्त्रात्म। यात्रेर्वे के व में या ता विका विका से व में के विका में रे व मा विका में दर् देशराविश्वश्रीरा विकासवाताहेशका हैतावहिता कि मद्रवस्थावते देवसा युव्याते महिन् क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त महिन्द्र नुन्ता न्द्रापुन्नर्तातालान्द्रते चुद्रापद्विद्यात्म्वी क्राप्त्राच्या यामदर्भार (अवा) है। युल्यदर्भारा महामान्त्री युलायदर्भा मुलायदर्भी विक्री महामान रिस्ट्रिट्यूवर्म्युवर्ष्याक्ष्याक्ष्याकार्याया के स्त्रेत्राचित्राच्यात् स्त्रिव्याम्य थवालूर्तातपुरवास्यात्रेत्र्वाराष्ट्रवाराष्ट्रवार्द्रकावववाद्यात्र। युन्तिदायल्यात्रेत्वस्राताताराचेदानुदा रदाल कार्ट्टर रेग्राल त्वर्त्त की किटर है. ख्रिट क सिट ल दे ताय के ब्रह्म ताय के का पा के का प्रकार के सम र्यु सद्भिताम्यु रेट दे. श्रूच त्र म्योशास्त्र असामाया हेर किया प्रमाय स्टिस सेवला हिट सम्री व्या स्रेत्राचानाम् । (वाम्या) देशता मृवनायु हा हा करा श्रे अभाषि वधु हर वता हिंदमध्ये थे वा प्रवे र्मियाक्रियान्त्रा रे देशास्टा स्पूर्र देशास्ट्रेया ग्राचिर (रामान्यर) र्मात्रास्ट्र किरामिता क्रयाव्येत स्थान र्शियाता देएार स्ट्राप्ति व.पा लडाई साम्याकित्याद्दी देर्या म्या मारा मारा शुक्राक्ट्र अध्यक्षिणा कुला श्रद्ध कुला क्रिया श्रद्ध केरा महा स्राक्टर वह रिजेश किला भूत होता अलाई किर वर्डेटा कुल इरबुटा भूत मार अला कटा किट मार किराई रहा. नुवा र.हे.(मेथ्) वर लहा भारे ववा ववर तारवा ए वर केंग्र कर वधा सेवला रेपु वेव का मरारे व

परेलयूर्तिर्धर के.बेरअबूर क.रंट.बूलक्वित्रटर व.व्याल्यर तपुत्री के.कुत्र क्रवतार्थर शक्तर् पार्टायम् वर्ष्यवर्ष्य वर्षा भारत्वे वर्षा श्रेष्ट्र प्रतिहास्य प्रत्ये प्रत्य मुर्वेद्वर्विर्ता । अदर्ववर्धेद्रत्येश्वरत्येश्वरत्येश्वरत्येश्वरत्यः वर्षेत्रः वर्ष्ववर्षाः सूत्रः म्मार्थायाः शुक्षाचावदः (बुद्धाकः) देव्यद्धाः वर्ष्यद्वाताद्वाः वर्षिद्वा विद्वावदः वर्षेत्रः व क्षेत्राम् । वस्त्राम् वस् शुक्तिर्यान्यान्वर्वा स्रेर्वर्द्रस्मित्र्यान्त्रान्त्रम् वाकारामा नुर्यान्यान्त्रम् स्रेन्यान्त्र ता झाड़ा की अत्वर्र कियं। वसकार बेवरें व ।रिकेश र्वेर एड्याल नूब । वब्रु अपर कि. भू पावी दास्त्र अविवाहतावरवर्म् (गर्र)वलवर्ट्न वलक्षात्रम् वलक्षात्रम् वलक्षात्रम् विवाहित्यात्रम् श्रीरहेश्चित्रवावम् वर्षे कुल्यित्यत्याक्ष्या वि.वेद्युश्यलात्यात्रीर्या त्र्रेलवं ताल्यायात्यात्रीर्वे प्रदायमात्रार मान्त् अर्वामाइर दाक्षितायदायम् अरावत्मार्थर्ये मेरावत्मार्थर्ये मेराव्यायद्रियात्मेरा रत्तरं र्याभी रेशाव दर्भाक्तरं या अव र्या भाव विवा कारा में दि सर र बता में विवा प्रमा में विवा पर विवा भाव विवा वन्त्रियात्यात्मा क्रान्यत्वत्यस्य में या प्रविद्यात्मा स्वित्यारहे में व द्या के द्या त्या ववत वर्ष स्वत्य र्वास्त्राध्यात्वा व्याप्तात्वा व्यापत्वा व्यापत मेर्न्री वाजमक्वत्विक्षम्भवत्विक्षम्भवत्यात्रीमा प्रदान्त्रम्भवत्व वाजन्ति क्रवामरायव्या जिल्ला विवास क्या तार् रेश वी अवत (अवता) व्राप्त मुस्त मुल्कि रहेर में राम विवास कर निर्देश म्रद्रित मिल् कुल् कुल् कुल् कुल्क रहेरी दाम बेट वर्षेत महत्वत्र कर्वा कर्वा वा कर्वा वा विष्या वा विष्या वा व अल करणीकुर माय वारे अपरिवासि में मिया नरे वास्त्री है। मिया नरे वास्त्री दश्च में निया में नि द्रमार्वायार्वाकृतिकार्काराक्ष्याकृताक्ष्याकृता द्रयावर्द्रवाववाक्षयात्री याद्रकृति व्यवस्थिय पात्रायवादाद्वती शृह् बुपुः भरेवर्रे हीति के वर्त्रेर्स्य अग्रयाक्ष्ये निर्देश होती देव कुर्वे 203/3/5/ म्बन होना अप्रकटात्रे बेटाता पार्श्वापर्वणा केला स्प्रदेश के अविकाय देश शहरे व अत्या रहते नेरा मूर्वे केवह्बाया हिदाश्चित्रश्चलत्रदाम्बत्तर्भि के अर्द्यम्भन्तवक्षित्वे हिता स्टिक्षित्वत्य के अ (BIVE) अणावाणुव। अभवाद्यां मारादे दरायद्र। दाका प्रभाव मार्थ वर्षे वर्षा केव प्रविद्या श्रीद 10 mpire find 3. ब्रिट्रेश में दर्श किया वर्ते का वाष्ट्रा रेगा है वारा वाष्ट्रवी 1 अ वृद्केर रिट केर केर वार्य अवस्तर रे. परे ठपुरेतपः दे बाया हुया बायिदयातय। व्रिक्टर्यायवया पर्वे अहिया व्रिया द्रायद्व विवाय द्रायद्व विवाय इर्डिशावधा प्रेरे केरामुवाव इर्रेर्ट विश्व महोत्र राज्य विश्व विश् श्याद्रमान्त्री व्यवत्रदराधविवात्मावयेवा(वयवा)कावेवात्मेवात्वेवात्वेवात्वेवात्वेवा मु सु र्वायर वा वी सेर र खेव। धर खेवाह त्यावाय व्यावा रेवत हुवता ववतावता हरगर चुंबरिअह्याता रेंटरर्धर नेद्रता परेंटो असि हैर्ज्य पर पार्वेच परी असे शेर्ज नेता वार्वे परी याच्यान मेरि वरमेरिक्ट पर त में जायन अक्षा मेरिकी ल वर यानि वर्षे मेरिक वर्षा अस्ति स्वराद्या कर्षा कर्षा स्वराद्या कर्षा स्वराद्या कर्षा स्वराद्या स्वरा

उत्तरक्षणात्रवादेश्वाक्रिया गार्यह क्रावेट्यानायाक्षेट्यक्षणाक्षेर । क्रावितास्त्रिक्ष काइ, अ. पुरायुक्त क्रियो देश हेर. परे बात्तप्रक. रे अया क्रियो जा बाधा नापुर्व कर्र बी का वाक्षित इति हैर। दैरर्गरवरवपुराश्चिताहरावहिताहिता हैर। दैरर्गरावर वर्णनामा देखे हित्रहेंर। कुवा जनताम् मृत्याक्तास्य देर् होता हुर। वाक्वाया वायक होर विवाल हिता कुर। वाक्र त्याव हर नार्गः (क्रेंक) वारातात्रात्रे विताक्त्रा वास्त्रा मार्गायात्र की हेदः विवातात्रे हिता क्रिंगा मार् वास्त्र वर्ष वक्रद्रिंदे हिल हुर। अहैं व स्वा स्रेति हैं ल स्र प्रेरव हिल हुर। व ग् न ब ब ब ब कर तर है। वावभाव्यक्षिया व्यस्ति हार ने भाग्रीका लूर पार्व विभाष्ट्रिया वावभाष्ट्र रागर यह वाक्षिय विभाष्ट्रिया य. इ. याप्ता इ. यथ्या मालवर् हीया हैरा र वे वाक्षा कुर वे पार्व हैता हैरे। केपा अप्यासका से खिवला पार्व हुए हैं हैं है है तह पर्व के हैं दे हैं तह के पार्व हैं तह के के के के के के के का का अभाव के म ण हिम क्रिं व्याय क्रियक्र विवास निया में निया में देव त्या देव त्या में वा विवास में विवास में वा विवास में विवास में वा विवास में विवास में वा विव वर्गरान्द्रविष्ट्रिया अम्बानिशापह्रिक्दिरप्राद्रेत् क्रियक्ति वादलक्रियात्वे अवस्थात्वर नु हिमा हैर। वर वेद पर्वेशतपु नियमकुन पर्वेश कुर पर्वेश केद पात्रात्र व्या रद वर्ष वर्षेद्र व इत् ब्रेर। शहरामधाक्रिकार्य्ये विकास्त्रे विकास्त्रेर। वर्ष्यात् भित्रात् भाष्यात् वर्षात् भाष्ये विकास्त्रेर। क्रेर गूका गर मायइमा गर दे हिला हिर। विलाहिर हिन्य में देर वा लेका पार् विता हिर। रह है सामवाया विकास न्तर वेटम्बामाहिमाहिंद। केलबान्यामायाकाक्रावहात्विताहिमाहिंद। अक्टाहेवावहात्वादा मुल्ट्विलक्री इरट्ट्यरवगावन्त्रभाभावक्रिया हैर द्यारवगावन्त्रभाम्द्रवृहिणक्रिया

त्रिक्ष श्रीयः तथः वर्षणा सेरं सेथं तथ्येट वर्षण्येत्र तक्त्र तक्त्र स्टिक्षण सेव वर्षप्रथा तथः वर्षण्या क्रा ति वृह्ण श्रीयः तथः वर्षणा सेरं सेथं तथ्ये वर्षण्य वर्षण्य वर्षण्य स्वाविक्षण स्वाविक

वशक्तिम् देशस्त्राक्ष्ये, वश्चान्त्राक्ष, वश्चान्त्राक्ष्ये विद्वान्त्रात्त्र विद्वान्त्रात्त्रात्त्र विद्वान्त र्भरावभवासीहरणान्युका र देन्नी, व अकुवासकिरकालरा भर्रायासमाम प्रायमानाम प्रायम अव एक्ट के के विवास में हैं। इस एकर एकर से के हैं हैं हैं हैं के के के के कि के कि रामान्यायमानियात्रेयात्रारः। इर्ष्युःक्र्यार्वियात्रायः म्र्राह्मिर्वयात्रायः। वाववायात्र्या क्रिन्तुक्षणा इसद्भयाग्युक्षणात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र नरंदर किट.शुर्देशभाचेशका कि.मुर्चे.ज.माअक्षेत्रेषेट.शुर्देर.जा.सेवणा(शुर्वेर्यमामासेवर्य)। काट. ब्रिक्ट्युर्मेण न.क्.येथ्य श्रेय रेट्ट्रिट्ट्रिय इ.चर.सेंपार्थ अ.च.च्ये येथ्य रेट्ट्रेट्. । इ.चर.सेंपान वार्श्वासार्काव बीवार्वेदा | र्यत्स्राद्वीवाराया व्याया र्योता। स्वीवन्त्रेदाता में दान्त्रा स्वादा स्वादा वर्णे (अय्.) रे वर्ष्ट्रेय थरानुर तथा केंद्रभुष्टेश अक्षित्र अक्षेत्र वर्ष्ट्र वर्ष वर्षेत्र रे तथा भ्राम रे ने लाद र्ह्म कुर कुर में के के किर मार हैं हैं हैं रेड के रिया मार हैं हैं किर मार हैं किर मार हैं किर मार हैं र्पु किन्द्रिया कुर्या कर्त्र हैं . एड् हिर ट्या हैं रेट सान्यूड जेगी

A agest

म्मार्थित क्रिसावप्रवर्षेत्रमें क्रिस्मावप्रवर्षेत्रमें क्रिस्मार्थित क र्मग्रेगानियाविस्तरियातिया रगाम्युक्तायवस्त्राम्द्री वार्गमियारायन्त्रावद्वी र्वार र्रोगर्के पर्ये प्रकृत वर पर्ट । महत्वे प्रकाशका के प्राप्त विवक्र का का की वा र्टी. पत्तरमा अर्घ तपु किया होरे। वचा हूं वा या वेषा राजा ही दव। क्षेत्र पर विद रे कु भाव विवास। कुर्या श्रीटार्याक्षियास्वार्यात्या क्राक्ष्यवर्यात्य व्याक्ष्यायर्थ्यात्र मार्थियात्र व्यावर्षा क्षित्रपुर्वदःर्तेविद्यात्विद्यात्वत्रत्र क्षित्रात्वेष्ठ्यात्वेष्यं विद्यात्वेष्यं प्रत्येत्वत्यात्वता प्रह्यात्रव्यात्वत्यः मार्चेन्त्री से द्वातायदाद्वा सर्वा मार्चेन विषय । मीरायदान । मीरायदान । ट.र्जिट.आ.डे.ज्. र्जे.ज्यु.सूची अ.बाबुबा.डि.बाबुबारेब्ट.तपु.सुट.। रे.वपत्रिवाज्ञासायाया म् इत्याम्बर्धास्त्रः कु नेन्द्र्य स्त्रिश्च किन्द्रया मुद्र दर्भात्रा भीता स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा या तर्या प्रमाना विवादियात के स्मिर्ता विवादा में देखा में के में में श्रियाता बदाकार अवित्वित्ति स्टार्चे । स्टालिका वरिका बेडिंड, रे श्रिका प्रस्व वर्षा वर्षेत्र । र्तिक्षात्माक्ष्यात्माक्ष्यात्मा काटवेरवटार्रियायात्मा स्वर वदर रेत्रवस र्यासहरी कैट केंग्रु क्रिर केंग्रे या मुका अन्या अलाहरी क्रिय से पर्ते अत्य किया मार्करी अट्य-ए आ सूर आ परिवास मा भक्तिकि.ण कियात्रपुरियातास्त्रीरात्रीयाता शुकार्त्रद्राक्त्रमे वयायेता विकास नुभाकित नुम् वार्वर मूबाका अहूरी भु केए. एक्. जेबाका जमक्यूर जा ब्राट अह रिकृता रें वार्षे बाका मूबाका अहूर। क्रिन्मक्ष्यमुद्रक्त्वालकान्त्र। क्रिन्मवाचरायाच्याराज्यान्त्र क्रिक्ष्यानाज्येत्र चीला रेचीर्षाचालिरत्त्वमाद्रत्यार्थेय ।ण्यक्रिक्षेत्रतालामक्र्यः युला लक्ष्रत्याक्ष्रेरविद्यक्षिर्द्रित

下号

चर्यः(चरपः) क्रियःम्द्रवेशवःश्चविष्यश्मात्। अग्राश्चरः वर्षः वर्षः वर्षः (वरपः) र ज्ञवः वि वर्षट्याद्वेचान कुनाचनिरमानुदावित्रदेनियतिता। धून्यकुनानिर्दिदानाकुर्धेन आचित्री क्राम्बर्धिर वर्षात्री ही. विराता क्रीर विरात्रा हुवाया द्वाया दर्। व्हर वर्षे यक्ति प्रवास माने दर र देवा री कुर्कित्रज्ञवरात्तराष्ट्री रे.शुर्विधात्त्र्यु,वार्तिक, व्यद्भावाद्यत्त्र्यं, प्रदेश्चित्रं, प्रवासक्षित्रं व्यद् विद मेशकाक्षे-क्षेत्राक्षराव्यात्रम् वर्त्याव्यात्रम् वर्त्याव्यात्रम् वर्षायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स इराम्रद्रात्त्रं ववाम् वर्ष्णकेट्वर्षावाता क्षेत्रीय। दण्याकूर्वत्याता द्वेत् व्यत्वाता द्वेत् व्यत्वाता द्वेत निवह है. कूर इया राजुर्कार) रे.वयासीहर अवाजूर ताअभा थे.वा. वायु वा.का.वा.वा.वा.पहे वा.सं. क् मेंद्र य अग्रदे वसेर बेवता होट व नवका हे जिटल र मेंदल र में ग्रास्ट कुरदेर जा सर्थ में अर्ट स्यामा है लड्डा करी देवप केर रड्डा वर्ष वर्ष में र मेर मेर व बेटाचे था. कूरे। ब्रूट्यूर. रेटा कर. एवेरेश टर्थ. दागु. ही पाये था है. पी. परे, वाल टाप्टिंगे। परेंगे। हिंदर रवादिवीलयाक्तरात्रेयात्रात्रात्रात्रात्रात्रेयात्रात्रात्रेयात्यात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्यात्रेयात्य पनिरंभाभाद्यम् में हिर्थ। कैश्यकिरिर्धिश्यानाम् वास्त्रियान्यान्त्रिया वर्षित मुस्तरालुन्न्याप्रमास्त्रेदास्कृदवास्त्रम। र.स्टालद्भुरीयास्त्राम्भूर। विराज्ञेदारम्भूर। विराज्ञेदारम्भूर। क्रियार्थियवर्षित्यो देवधाक्ष्यकाकुल्टा टक्षक्रवर्तिताचनाक्षेत्राण्येत्राण्येत्राच्या न्द्रे.बाक्षरक्षद्व.क्षरक्षरक्षरक्षरविद्याल्या वसूर्वाद्वरम्यावसूत्रक्षरावत्त्रे स्वतामा देतपत्त्र्यर लाइक्षर्यान्त्रान्त्रात्वेत विश्वहर्तरात्राचे विश्वहर्त्यात्राक्ष्येत्रात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या कुलद्रमास्त्र) श्रीट्रम्स्रायश्चित्रद्वर्त्वर्त्वर्त्वर्त्त्रस्य स्त्रायस्य स्त्रायस्य स्त्रायस्य स्त्रायस्य स् पालर देपतीयार्ये वाला है विश्वहर करी रेट्स कर के कर कि ली के बेर पाला पर्वण पह पर पर प्रवास ने बुवास ने तपु.के.स्यायुक्त.कर.केर्यूपु.बर्.दे.चयक्षट्टा विजायात्रर.पूर्दे.विक्वानुर.चयका रेर. क्रे.स.य्.य्यु.सर.रे.उहरत्वेशुन्संग्रा नेयाहरा रे.लर.क्ट्यत्यापु.संस्थित्वेषर्ये व्याम र्तिट्येद्रचार्युश्चर्चरेचरंचरात्राक्षक्यांच्यरं किरवृद्र। श्चामाकुणवेचायाः तरं वद्यापादरं ति वस्त्रे सेवराहरी कियात् अटउद्ये द्यार्थातर दिन है सा बायर के वर्ष में मी अटवरें विसास व्या विवास्तिवद्वद्वद्वद्वत्त्वाक्षे अस्त्यार्वे मान्याक्षेत्राक्षेत्रकात्वाक्षेत्रकात्वाक्षेत्रकात्वाक्षेत्र ब्रैट.जाजात्रावर.म. पर्यं डेग्रा.जाडेग्रा.जाडेग्रा.के.केट. रेट्य. लेग्रेट. तपुपई सेल्यान्ट्रेकट किलाकालाइमालावे वालहरानायः रेततः बर्दे विषयातालाकाला नायः देर ताक्ष्याः ही वाहिरे। किर भ्र इंशलल्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य

वि. शास्त्र के से के यो माया में अप से से हर देश में अपूर्व के के यो इर। र्.पर्स्था-भःभरात्वात्इर्.शुक्रुव्यियावर्गेन। वर्रद्राम्बर्धियात्व्यियाः वर्ष्याः यार्) यवकाष्ठ्यः शः द्वार्, ताः क्रियां क्रियां स्थार राटराटराया द्रेरायार्, ताटाका क्षेत्रारी, वाकरा क्रियां सेवशक्तान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्याक्षयात्त्र्यात्त्र्यादेन्यद्यायात्त्र्यायात्त्र्यायात्त्र्यायात्त्र्यायात् विकासम्दर्भ कर्या मार्थारम्य देशारा रेपारम्य देशार्थ प्रमानिक मान्य कर हिया वर्षे वाल हिया। यह वाल राम्या अटार्ट्ड विद्या केव (वक्र) यिक्षेत्र (वक्रें) माना विद्या विक्रा अवता विद्या विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा शुर्गायाक्त स्राम्याविवायाः अम्मराज्यायव्यमात्र्रात्र्यात्र्याः व्याप्तितात्र्याः व्याप्तितात्र्याः व ब्राज्यात्वात्वात्वात्वा क्रिक्टाल्यत्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात् 以、己、(のくか、)のところの 「よることはいるいのののはかのからからからはまましていること、まかいると、まかいる」 इंटर.मध्यान्त्रीय.नाग्रुवा १देर.क्या.म्या.क्याय.वाखि.कुट.रे.जरपत्वावतावयावयावयात्याता वर.वंडरेक्ट तपुः एहराय में यात्र मानवर्ग मेर्न यात्र कराये । राष्ट्र में (हरे.) में या में हरा रहे। या प्रताये क्रियामर्था सुरपाता के के अरे प्राप्त मिया या विता क्रिया या अवना यह । या प्रहण दे सेरे वरा स्ट्री (अरूर) धुट व से कु मुना खू व मा दिर दिन विर पिर देर कर । किर दिन व मा के प्र ह कि पिर है कि कि त्यात्र के विषा सेवयाक्त्रीत्राक्षर रवष्र्य दिर्दामधन्ति मधन्त्रे चन्नाक् देशर त्र बेबयात्र स्वर्धिन नधुनियाकी से का पहण स्विद्रात सर्थ खेया मुख्या या ता वि कि की यो दे साहर या ता थे . में . मर (४०१) च.च.तेश. क्रे.ज.इ.स. देश.हेश.व.च्.च.र्.र.र.णभ.रे.वेब.व्र. अवअस्प्रां अर्थ.रे. ल र. श्चाहरक्षात्रक्षात्रम् स्राच्या द्वारामा वित्ववावित्वत् वस्त्रम् राम्याया वारावत् स्त्रम् दे द्रावाया रे.क्ट्रा.नपु.एटए.रे.शु.वेद्वर.हीर.पू वे.रेश्य.प्राया.प्राया.कट.मेंया.वे.या.प्राया.प्राया.केय. याला वयता(ज्यवता) भट्यं त्रातिका (त्रेमा) है. येत्राह्म अवह हैंड. वृद्द्र हैं . वृद्ध्ये हैं देशया देश वार्ष्य धुरः। यथमात्रुपु क्र्यामानाद्मीवारा (वर्षमा)तमा मार्डिट वर्रा यक्षात्रुर् क्रियातरा वर्षेत्रः यी, चार्रेन आपार्थर श्रिया तर्धः क्रिया क्रिया क्रिया स्था त्या क्रिया है। स्था त्या विद्या क्रिया क्रिया विद्य में चाराविताकी तैयानकी रहियानाता वि. विरक्ष देयायेन किया क्रिया के प्राप्त के में में का या मिरला नेवा हिर वता हि सिरा दे पर हिरेश रेतर दे ब्रूट प्रेया (श्रेया) मुला हेरल हिर सिर सिर सिर पर पर देवता श्रीरक्षात्मा सरकार् क्रिक्त कर्म करा मार देवा पर व का भर व करा मास्र-नेट. टबाहि. टेव.ता रिराय:ग्रार: मुन्दे देहः पूरा असूर: कें सुन्द्र ! सू हिमा (बिस) मन । कार्य: मुन्दे सुर: कुरा वया. त्रेया.स्या.नग्रह, पा.लय। श्चरकाराम् द्रमाधिया ॥ इम्बद्धारेशासीहत्तास्यासीलास्यातास्याक्तात्रात्रा में कुर्य की प्रिया कर देर ने मारादेश स्र्या का विद्र दूर मार् में इंद का तर में में अवाव दे पहुंचा कर में की मारा में की र्जिटार्जियार्यु सिन्तरार्टे । ब्रिक्टाकुरियार्थु । के प्रवच्याता केर भाष्यत्य अस्ति । स्वत्यार्थित ।

क्रीराक्ष्मा शास्त्र वाश्यामा दवामरही ग्रहिट रिश्व यात्री ग्रामा हिट मेर दि हिता वायर याहे विदे

क्षिरात्ता हिर.शु.रम अ.कुमध्यत्रेर। रेणकुरवियासमाहितायाया वी एकरापरेशानम्दर या। एड्रवास्त्रस्ट सेट्ड्स् अर्वेशतर्द्र्य सेवार्त्रस्त्रे वा लेगा र्रे. वर्त्रिशक्ति स्ताक्रि वर्षे वेर्येश मारी नगर्नेद्रः दर विश्व के कि वर्षे वर्षे वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे व वयापर्वतातात्रात्रेन्द्रः। यूर्तप्टत्यवाधिविद्वद्यर्पवात्रात्यरेपी

लर्भावेच क्रिया में प्रारम् अविवा वर्भक्षेत्र वर्मे । वर्भक्षेत्र वर्मे । वर्भक्षेत्र वर्मे वर्भक्षेत्र वरम्भक्षेत्र वर्भक्षेत्र वरम्भक्षेत्र वर्भक्षेत्र वरम्भक्षेत्र वर्भक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भक्षेत्र वरम्भक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वर्भक्षेत्र वर्भक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्यवस्य वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम्भवक्षेत्र वरम प्राष्ट्रने वाचुवाला वर विधाला पहुने सहित के वया अवस्य विश्व स्थान के का कर अपूर्व किन्न व मा कुक्टारबेट्याराजूरपाजूर। देक्टारबेट्याराजूरपाजूर। प्रमाण्याच्या वस्ता प्रमाण्याचित्र। स्वर रीकार्याद्वात्वीत्रायाद्व्याति। सर्वायाप्रत्यावी वान्नत्रायात्व्या देत्रत्यावीस्त्र्राया वान्या उत्प्रेतिवाप्र इत्यर न्यू के से रही चन्त्र के त्या है। के से या देश के तिया है। विश्व के तिया है। व शुत्र:स्याभुत्रः भावध्यं गात्राम् । यहपायविवानास्यात् मुक्ता प्रदेशम् । स्ट्राम्या ज्यान्त्री याद्रेश्वास्त्रक्ष्यास्त्रक्ष्य वर्ष्ट्री स्त्रीयानग्राद्धिय स्त्रीया स्त्रिश्चिता स्त्री म्रेरी उपाप्रवाद्यान्त्रवान्त्यवान्त्रवान्यवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रव म्ब्रम् ना स्ट्रम् इत्राह्त्य । इत्राह्म विवासकी मेंवरा हर। नेतारवीरारेन्य ना व्यासी इर्। अल्यापयात्मक्षा कराम्या वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य लुर। शुक्रराजा हर्द्वतार् न्यर हरा का स्ट्रिकी रहात हैं या के मा क नार। इत्वियान में की मुलापर हिला नर्ष रिक्र्य का प्याच्यार (का प्रत्येर) पर हिला र्निट्कियुत्रदर्दे दिवायात्रुयाहेदः। कुलाबी दे हिराधदलाता। व्रिकेट्युपहिवालान्त्रेदः परेरत्याः विश्वाराद्यवस्या प्राप्टर्रः कुल्या वे स्वर्धेता क्षेत्र स्वराहेता क्षेत्राकेत्र क्षेत्र स्वराहेता क रेर्रेट वे न्यर सेव तह राध्याहर वेद्रवाहर का किया के अवस्था करें ने विश्व हर अवसर कर. ब. इर. १ वरामा थे. १। इ. इर. ध्रमार रेगर तामाता यहे. लुका हर क. हर हिल हरी कूर. कुरा क से साम का से मार्टी के मुरा प्राप्त में मार्टी मा मार्टिंग करा मार्टिंग कर मार्टिंग कि मार्टिंग कि मार्टिंग मार्टिंग कर मार्टिंग कर मार्टिंग मार क्षित्र देशकारदूखाकु आरंद्रस्य इस्मार्था किया क्षेत्र प्रवेशन्तालात्। पहाराश्चित् अदक्षत्रक्षत्रक्षत्यत्। क्रीन्यत्यत् क्रान्यत् क्रान्यत् क्रान्यत् रतप्रवर्शकर्तिकेर हो। र्व.रे.ह.जूर-क्राजमा.जूरा ही.रेन्य.लूर.कर.व.यू.चेवा रहाप.पा.

१० राष्ट्रा वर्षा बेडा ता राज्यध्य बेडा ता

गर्द्ध।

म्रद्रक्रद्वरुवासुराधी दास्यम् वायवर्ग्यक्रिया द्रम्यूर्यास्य विष्युर्ग

रकुलार् रहेबाल अबूट हरा रेलए वर्टर केमला बे केट शु हे लासी रेम वरेर (रामरेपणा) शु पर्यो. रवराज्ञरागरेता रासिपुत्मवाहिहाकदाह्याचा भुवाचा भुवाचा भूवाक्तरार्थित वाद्याकदा वह दूरला म् तिमात्ताक्त्रहर्द्रात्मालात् वर विधातत्रम्भन्तिक्ष्यत्यत् द्रात्रद्रक् हिविष्रदेतपः क्रम धेव चर्रेर.त्रेश्वारक्ष्या-च्याद्ध्याचारीद्या कितात्त्याच्येद्व इति व्याविव के क्या किया निया के क्या किया निया के है। जयर्या है। यु प्रवेश। एअविद्र्रियर सर सर। अधिर देर ता केंग्रेश देशका देशका श्चेनवरी वसवात्रवर्या वेराचा श्वेनर्राक्ति रयत्वाववर्याहे स्वावक्षाविका विवः श्र्वाददःरणात्वी वष्टवाशा प्रवृद्धा श्रिया वर्षेत्र विश्वा से से विवाशः कारास्य वावनः जराता करता देवी हीता। श्री जरात के प्रदार अववता का प्राप्त करा हर विदाय के पर के पर रेट. जेंग्रेश व-४४. त्या विकार्क्य कता रे. हं प. यू. यू. यू. यू. प. पक्टमा वेशा हिंद देश बार्ड विकारिय जूदलूद कार्य थे. है. रूपा पात्रा कुंत्र नरदा के सेर.हैं.रडिया न कि व.त. में के रूपा पात्रा पड्रें नप्पर रेना व्रिक्टनाम् लर्क्डिवर्रिक् वायातया रवप्तवर्रित्रक्षा अव्रद्वता व्रिक्टिकायातया रवप्तवर्रित्रक्षा वर्भानित्वियादरात्रायाद्या द्विता वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्ष गरे.सेवला रेनए.वरी.वरी.वरी.वरी.क्री.के.के.वर.त. कंट.भु.चेमा.एक्रे.वस.व्रे.वे. क्रिटट अला में दिवाल ने दिवाल ने दिवाल ने हा ते में भी कार दें भी भी भी भी भी है। रीर.क.र्येत्रायक्तर क्षेत्रायर्थास्य विराधिक हेर्यात्यास्य विराधिक विर वयर्री भु पवेशक्ष्या याम्रेस्टरा प्रमान कर्मर प्रमान माना दे यह या कि भी वयर्री उम्बर्धर्यात्र्रर दर्। रस्ति हर्रिया महिला का क्रिक्ष के दर स्ट्रिया करें र्णायवकाश्चितवर्त्रात्वर्र्त्र विश्वारद्द्रिया। वन्तरात्वरणक्षियंद्रिया नमान्त्रम् मानवामा त्याने नम्मम् नेवयर्। रमणान्द्रम् निरम् निरम् निरम् शरेटासूर्य अत्यादाका, यादा एक्स अर्थि, जिंदाम्, अंत्राति, यश्चिर्या व्यातिका वित्रातिका क्षित्रकामिकार्री वारात्री है। विश्वास्त्र है। विश्वास्त्र है। विश्वास्त्र है। श्रवाहिवानु मु. प्रतरप्रमाना रेतपातान्ता स्राप्तान्ता स्राप्तान्ता वन्त्रमावातामा मुन्दे मेरान्वा क्रेर्पर्म् । क्षित्त्रकुर्यायेनशार्र्द्रक्षिताम्। प्रथामान्यां मित्रकृत्ये क्षित्रकृति । क्षेत्रकृति । र्शामाम्बारावेयाताम्बारामामान्या विद्या प्राचित्य द्वातामान्यात्मान्य विद्याप्ता किटाब्र बेटब्र्यात्वावाता कुराविर कर्र सेर देश्रवता रिशाअव्हरण कर वर्ष देश वेबाब्रेट रात्रेशश्चिराद्विरावत। वैपार्चेश्वभाषद्वरात्त्रं भूशशास्त्रं विदा हत्यर सार्वार व्या णालारमार्चेर स्तर्देर देवर कुरा मारा दर मारा के का मारा महत्र महत्र में हा मिरा में मारा में मारा में मारा में

LAKE.

क्रियाइट्याक्रेट इट श्रद यावणा हिट ब्रेट्यवाद प्रकार कार्यादरा देरे वाद्माय क्रिये देट हैंग युवातित्रां (तिवान्) प्रेट्ड्र क्षेत्र. ट्रेप्ट्रिंड् ड्रिट्स क्षेत्रा द्रिया क्षेत्र हेर्द्या प्रदेश। रेश्चित्रका क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्षेत्र । देशका प्रवाद प्रवाद प्रवाद मार्थित देशका क्षेत्र विकास क्षेत्र व श्चीर अटकुर्जियात्या के.कुर्जिक्ट्रयातार्यात्यार्था चटार्य्यातात्यकेरायाणाकुर्याता चित्रात्म किल्यां केल्यां केल् माध्यालास्री म्राद्वेषुत्वरार्देश्वतास्त्री श्रामक्ष्यातार्थरत्यात्रास्यस्यात् में हिं स्वा निराक्त क्रिया हिर सेयुवार्ट दिला जुला हूरी देलपार्थे पा स्था पा प्रवास विभागास्तर-पूर.वेट.र्वामासी वि.चराविगाक्तिगारकुटानकूरक्षा मूर्वेर.देवट.बट.ह्र्येशता वनरी व। ७.२च.१.५.५.४ म्या क्रा क्रिया केलायर वस्त्र वास के वास क्रा है ते सरक वर्ष शर-९९क्ष्याक्षेत्राक्षित्वक्षित्वितक्ष्या हिर्देशस्य देशवीर देशवी वी च्या प्रक्रिय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र बर्बाल, पर्रेण वपु सेकाव मूर्तात सारा वरेर बेंगा रूर्तर रे रे कि मूर्व मुन्देर वर्ष मिला दे वर्ष मियारिया किर्देशयायात्रेचरत्रियाते रे.द्रर्द्रम्भग्रस्यायायाय्रेटरे. येयाराद्र्यावयाहरे. वकारा क्रियातराटरावपु क्रिया दे.सी.मा.सेट्या.सेट्या.सेट्या.सेट्या.सेट्या.सेट्या.से अरः। दर्जीरमणकर्वा विविध्यामान्य क्रियामान्य क्रियामान्य । इत्यान्य । इत्यान्य । गुजामशक्त्राभाशिकारेट हुड लूडशानशा श्रीट न देश भागितामहूट हुड देश पत्र स्वाता भा चित्रदर्भाता दे. ब्रे. श्रुरं बालवात द्रवाक्ष्यात्र अविदर्भ द्रभावर के विदर्भ या वर्षत् हर हर दे स्ट्रिंग क्षेत्र मेर्ने क्षेत्र हरेने व्यान क्षेत्र हर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में बाज्य प्रदेर बाजाया। मर्यात्र क्या त्रवा उत्तर क्या मान्य विषय । वाक्ष्य मर विषय क्या वे न क्षाये नियात्यक्ष्या अर्टेट.लूर.मेन्नात्रात्र.मुंडांग्रां वाहियाहिया ।रंगप.वर्रेर.मेन्नाअप्रमूच.म्बामा हरियार् हेरा सेवयारेर। हराक्षरेर ने वर्षे कवास्र ही त्यावादिर हराक्षा वाया रहे वर्षे विद्या अर्थकी. वे.जीया. एक्व. तथा. यु. शंता शरी. तर अकूट पार्था ध्रीट यादार तप्यापूर्वे. वक्रिरं अश्मिरं देवशानी प्राया । पर्यो वधु श्रेव दा विवान्तर्यन में प्राय श्रेरंशुर है वा कुम प्रायम त्राधाना वर्षीट में में एकरवर्ष बद्वा भार क्रियं देर ने मार्ग के में देर में दे में वर्ष के वर्ष के चनामित्र हें केट हा ता है हव है है देव भी वर मित है ता में वर देव के न्हेर्ने में के वाराक्षि सेर इंदर्य गा देशक हर है रह की शर्य है वारा है वारा है वारा है।

विश्वाह नेर्या था। । ये. हाल हात्र हाता में देश का प्राया मेरे में मा क्रें आइ अंत्र के अंत्र ही के अंतर का का का कर है। व्यान प्राप्त का कर के अहरी मक्रामित्रक्रियामम्बर्धन्यस्ति। रस्टर्ममाम्बर्धित्रे वित्रियाम। दर्भन्य स्थान्यस्ति। पर् प्रवेशकातिक मेंबालर। रेकार बरीका क्षित्र प्राप्तित प्रिया कराता थे. में मानारी वर्वाश्वासम्बद्धिः वर्ष्युवार्या तरे त्यात्रव्यात्रव्यात्रव्यात्रे वी के क्षेत्रयात्रे सम्बद्धाः परिपामका प्रदेशपर द्विपासर । के पर देर व लका वना पर्ये में माना वेट क बेर के देत किया कर हैं रहे क्षेत्रावर्षि प्रवासकत्रात्रका सवरदेश । भुक्षिकदित्र, परत्तादे। तीयाववद्वेत्राक्तिका सवरदेश स्ट बर्धियामाद्यादारा में रेट में माना माना करता है। दे में द्या नर परेंच नया र्चन हैशान्य वर्षणणण मंदर या वा कोर्य परि वुष्ण ना हे हा है रोक्ष ता ता वा कोर् रामियु बिराक्तियर विदा रेह्दारी अध्याप अर्दावा महावय ब्रीटर माना न्यूरी पुरवा ना प्रयामाश्चरत्रमा मार हो। के र्या मार्टर वार्टर मार्था दे पर हिर है मार्च वया कर। यामवा ? (2912) e) on c. g. v) = 2. v) = 4. v) = 4. v) = 3. v मास्टरा नामाना नेवा कित की में ना वेंगरी का क्रिके के विवाय मारी दे तर क्रिक मारा करेंग याल्य. बेर. राजवा. वी. लार. के. का कार्यर हेर्या स्वायवा का कारी रे. पर हर आ अ हर वी अर्थित्रीश्रमान्त्री याद्राम् त्या स्ट्राम् राम्यान्यायात्राम्या देत्रप्रम्यास्य [किय.मेर्थाका लान्ये जा भुत्रवाहे प्रया गलाव जारी र परे जारी हे छा करे हैं। र्या-यूका एड्व.की.रेडाका.रेजूड, केडाका व्यवमान उत्तर वात्र हा गायका पर्याप देवा व बादेशकाता रे.शुत्रज्ञ विदायमें माजरी दमारेबात्तवकारेंधादेह से. वि.माज्ञेश वारेबानेंद्र. म् अधिकार्यम् स्वामा स्राम्य द्वारा देवारा देवारा स्वाम्य स्वाम्य निर्देशने स्वामित्र देवारा स्वामित्र देवारा स्वामित्र देवारा स्वामित्र देवारा स्वामित्र हो। बीट्रिक्रम्यूर्वेशम्यर्थाताराज्याताताता हे.स्व.वी.मा.वेट्रविट्वी ज्राद्वित्याम्रम् विट्रक्रवामा रे.र्ट. मे.स्थर्राया रे.क्या रिका विका विवादित देवता सेवा है। में देश देश देश क्रवाक्वाक्षर्वादे देराहे। वलवरव (वरव) वायर से हिर्ण हैंर। श्वेवव कर होराहे राहे र्वेशर्ग भय् केर अवर अहर अहर मार्थर विव केरी रे. र र श केर के या प्रथा केर हैं। द्रभा केर हर के बिर दे रूप पारता हर दे किट ता पा की केर प्रवार भूव बिर सेवला वर हिला रटायक्तारमाश्चाक्ता का कर्त्र द्राया वाजार मेरक्क का हिर (रहर)कर मान

क्रिये। अद्दर्दरद्वा वामिकारद्वर, रेबा वीप्यव कार्ये वाका क्रियात कि. प्रविद्या विवा विवा व शुरायमानम् (यभ) रेर्ट्डिश्यक्तर्वियम् इत्राम् विवासिक्षाम् । श्रेष्ट्रं तर हे किटा तर्रे लागणवर्ष्ट पर र्या मार्ये राय हेर त्या में साम हिराय में साम हिराय में साम हिराय में अब्दर्शराष्ट्रं बुर वन्। नामतारे रेट हेर्ड्अर यति ताम विना धीव करा है हे कि स्वर आरंध विकाल तारवी पावा हिन्ते । रार्थ लाय के का प्राप्त के का मार्थ के दाक दा के का मार्थ के दाक दा के किए मार्थ के दाक दा मर्थान्य स्थान है स्थान द्रिया स्थान द्रिया स्थान द्रिया स्थान स्यान स्थान स्था स्थान स्था मि. लुत्रत्र या । विद्राक्षित्य जा। कुरेवा त्रुत्र पहिर्वे पहिर्वे प्रेश्न के नहीं हैं दर हैं। वित्र के ते ने क्वालक्वाहर। श्रीरामा स्राप्ट्रियार देशाहरा देशा केरामा केरामा केरामा केरामा केरामा केरामा केरामा केरामा केरामा इ.स्. पट.चुल.इर.व.केर. होत्राचाकाके पूर्त दरा ठडला तरा पठर (धूटा रूकाल पर (र्वाल) मिंश.एकूण.की, में वयादेर केंद्र त्या प्रकेर वाश्च केंद्र तथा. र.रेंद्र मेंद्र मा पर्देश मदकर य्यात्र श्रुप्त स्कूर्य मार्म हे विवायता श्रुप्त मार्म मार्थिय हे मार्थिय मार्थिय हे मार्थिय म हरभ्रम्भार क्रिया देन हर है दे ते हर के में है में हर के में है में हर के में हर के में हर के में है में में है में में में है में में है में में है में है में में है में में है वामान्या अन्यत्मारे स्वानियारे वामान्य प्रामा दिरावामान्य प्रामा स्वानिया स्वानिया स्वानिया स्वानिया स्वानिया स्रेत्रत्याम्याक्षित्यास्त्रत्यास्त्रात्याः कर्षात्याः स्रित्राः स्रित्राः स्रित्राः स्रित्राः स्रित्राः स्रित माना मानिया हैर है. जा प्रदर्भ भूता हैरा भूत के जा महार के महार के महत्य मान अर्थः(ज्यः) रे. ट्याप्टरमञ्जाभार्यात्रमानातात्वात् राटा हराद्रे हे. शुन्द्रात्र्रात्मायावयद्यायाः अदः वर्षद्वात्मरात्रद्वात्मर्थाः सद्द्रम् । वि. दरः वर्षद्वात्म लुअ:तका.देवेग्राजासः द्वा.पर्या.देवा.देर.) च.रेका.वेश्वा.प्र.प्रतं.पर्वे. वमा.शकू.पर्येशा.दे.परेका. म्। दिर हिर.भु प्रेयः एवेड वाष्ट्रायालया माना स्था है। देश हिरा वा वा स्था है। देश वा वार वेदबेत. 2 रद्रात्क्रान्यन्त्रन्त्रश्यात्वर्वात्यर्वात्वर्वात्यर्वात्यर्वात्यर्वात्यर्वात्यर्वात्यर्वात्यत्यत्यत्य कर. बर वर्षा विवाह । वाला प्रवाह । पर । प्रवाह । कीर पर प्रवाण वाला है। कीर पर प्रवाण विवाह । पर शुत्रान्त्रामूद्र। देलूपाकदार्तितक्षराइराताकदाइरावन्त्रान्त्राच्या देशुक्रावमः स्थार्गर कुटलाया से वु लिया हीट अर के खर नुष्य । वेते मेर दे बर मारे क्वालया करना त्रेश्रास्त्रात्मात्रेन्द्रात्मात्रेन्द्रियाक्षात्र्यात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मा रार्वर्वर्वता हरा हराहाश्वावत केर्रार्थर्वर्वर्वर केर्ने मेर् र्ह्रद्रअया.क्षेत्रया.क्षेत्रद्रअया.क्षेत्रया.कष्ट्रया.कष्ट्यया.कष्ट्रया.कष्ट्रया.कष्ट्रया.कष्ट्रया.कष्ट्रया.कष्ट्रया.कष्ट्रय लवा गलकारिं देशवाद्व में अर तार्व है शास हूर। दे रेड पर केर है वार हारे ग はくてきないないのからが、まま、あいっているという

। क्या हेर्दे हें हैं। को शुक्त शिराय मेरी काया मारीर पार्थ ने देवा थे। क्षेत्रात्रकाहेव जवसा हेर् गर्यं अहेव। वर्षकिव कर में जिल्लाहेव। सरकाहेव अहेव वर्षकिव म्बर्णा पर्वा वर्णायाधिवारी सम्मालाग्री हिरानवारिकारिती श्रीस [श्रीयामा] केरणाजारी कृरिशाक्तिकाराम्या विकार् विकार् विकार्त्य के ने इराय मानाय प्रायम पराम्य किया विकार विकार विकार विकार बटाना लासूबाक्षरातालूर्तापुर्वेश केपालूकाक्षरात्रकारिकालाक्षरात्रका केरान्य किरानिकालाक्षरात्रका केरान्य किरानिकालाक्षरात्रकालाक्षरात्रका राज्य विद्याना केरान्य किरानिकालाक्षरात्रकालाकष्ठ लाइवाझरललूर्त्या केलत्यावन्यावन्यात्वेवाता वर्त्यात्रहरहर्त्त्वा अक्षत्रत्वरावर्ष्ठियावालात्त्रं वद्या इस्वात्त्वर्णावर्ष्ट्रद्री वाववर्णत्वर् इरव। ध्रिज्ञान्तरप्रक्रियर्र। वार्तावविवावश्यालर,रतातररात्रवेशत। विराम्यातर व्यान्व्यास्यास्याः स्ट्रिंग्यगःहः प्यर्षः हिनकदः। केवात्राः सम्बन्धरः अवीवावदः विद्याता र लत्र्वाद्वारायथाव्यव स्थित्यात्वद्व विद्यात्वद्व विद्यात्वद्व विद्यात्व विद्यात्व विद्यात्व विद्यात्व विद्यात्व मुलायवाद्याद्रमात्रहेवा.विवाकित्रक्षेत्रा क्रायर विवास मान्या क्रायर विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास स्यात्री: व्यक्ष्य्व्यात्त्र । ५.रेएकर.सर.संदर्भात्र। सरस्रित्यास्तिक्ष्यः क्रीर.सं लूर्। वृ बाक्रत्यात्रम् हार्य दाहरी अहार मिर्गाया से सिहरी कार्ने रेटिंड क्ये. के हथा ताजा. मिटलानपु में देवारी या देशक्र रेंबरे के कर ने मार करा था तर कर है। रेंब्रिंग रैलाग्रद्र अ. एक्ट्र कुर्के र है. चर्ष स्वरायक्या क्या क्या क्या कुर्या कर वेदर वेया प्या है र र्सर्ज्याम् वर्षा भरत्वेत्र । संवर्ष्यत्वाकाकाकाकाव्या देवपश्चाराष्ट्रवेद्यदात्र र्याह्मणानीवारात्वर्रात्वर्। याह्मलाक्षित्राक्ष्याव्यत्वर्षेय । सामूद्रक्षित्राक्ष्याहे च बर्दर हिया करतीय पर चर्छ केर देवा क्षाता विकायक्षा केर ने में के विका क्षेत्रस्त्र्वयाञ्चलक्ष्या ॥ दुलक्षीर् केर.धरण राजकाण. नर्वात्रियाक्ताक्ताक्ताक्ता रद्धाक्षर्कितिक्तित्वत्त्राक्ताक्तात्वात्त्राक्ष्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा त्रचायत्री चाल्यावाज्य क्रिस्ट्रेट दे ताका केता तकता क्रिया क्रिया वार्ट्य वार्ट्य देवता शक्ति, यूवे देशक्रिक्षाम् म्याना तत्विका तप्रदेश द्वार राज्य ने वर्ष राष्ट्र मेर तुर ज्यार का मिन

वस्त्रयश्चारहरे। हिर्यश्चार्त्र्यः मर्त्रराष्ट्री क्रियद्वर्ष्णेट्य्यः गारदः सूरी क्रिट्यः अवटः

3

433

5

वचानी अन्त्र । अन्त्रवारामान्य विद्यान चर्सर.य.च्यात्रया वृरम्वयाक्यावर्थरवर्षः विषये विरयमा विरयमा विरामिताकी. देवा मा स्वासक्ति । देतपत्व दे देव सम्मा मेर (स्वर सम्मा) में मारदा किया तर क्या मार्थ में में प्राप्त में स्व न्तर वीदार्श्वरकेत की साय है साय के पद वावास परि खराय की कास परि देवास ता सह देवास ता सह वावास परि खराय की कास स्वारा.शु. हेर.या.शर. लुत्र.परेंच विमान्तेवा.बु.हैस.ता.बुट्जाहर.प्र.व.कुंकरा विमान समा) तप् वयमार्थन्य नात्र दरा निया मार्गी नेया ता (प्रमान)। मायर्था मित्र मार्था मियववेश क्रियात स्वीक्षित वर्त त्या वर्त्त क्षित्र के क्षित्र ड़िरंत्रेशमान्त्रयामान्तरायाच्यामा ड्रिंदरमान्द्रयान्य अभाक्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त प्रच । दश्यववदश्यक्षेत्र श्री द स्वर दु के अनुवर्षभा दु ह नाश श्रव देश हैं ना श्रव श्रव स्वर ना स्वर मा स्वर मा इत्राम् मार्थे स्थान्य देवा ताय वर्षा प्रमाय विष्य मार्थे वर्षा के वर्षा मार्थे रकारास्वक्षवारम्भानाने वास्त्रवास्त्राम् वास्त्रवास्त्राम् वास्त्रवास्त् रमग्रम्भराक्तिम् न्यूरार्श्येव। याम्यायार्थरम्याय्यस्याय्यम् वर्ष्याराष्ट्रभाष्यम् वर्ष्या बियानेश. वन्ना १३८. देचापत. रंट. मूर. नरं. नरं. करं. की वाचना। देतेत्र्यः होदः सदः युर्वालारमाश्रक्षण्या देरा में स्त्रा मित्रा न.र्व.बैव.रगर.जू.।ब्रेर.र्.व्यात्राक्तिर.तुर.व क्र्य.ब्र.परावमेथ.यम्भासी.पहुंत.रवर.जूमाय वनुरहिरवस्त्रम् अर्थर्क्ते मानताता मुद्रवस्त्र वास्त्र वहरा वि वरि वर्षे वर्षे मान के वर्षे वर्ष र हे ना अ की शे अ अ ता हिंद अति वि के दिन के ना हो रदर दर तहे ता वित्य सि अ वि के ना हो रवर में ति के न र् यर्रमार्रा दें हर वहाय या या वर्र भ्राया केर करेंग देर। र्यतः महुद्दे द्वात्रस्य अवतः वह स्थादेशः भेव। दः सुद्देशः कर्यक्षेत्रः परि दवः स्वाराक्षेत्रवद ल्स्सर्येत् अहि या स्ता मद्रभाशा द्रा पर्या मद्रभावद्या ता वर्षा वर्षा सुवासी द्रा स्था स्वा स्व ब्रिक्नेवा देश् ग्रहेर । ब्रिक्ट प्रकेर पर्वेद । दहर एह्य क्रिक्ने वया वाहेर अख्य । दे श्रेव । मुग्नवसंभर्ययार्याचेनायाः स्वाराः स्रित्रः सुर्द्धः वर्ष्याः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः । रेतिः तर वीर रचतः वर्दर दे दवा क्राया केवारा केद वा यो वा वा विद्या यो विद्या यो कितान्त्री रायाति प्रमा पर्षेष्ठ १ रहिर प्राप्त्र विश्व प्रमान विश्व प र्ट. में यश-प्या विभवत्रत्रत्यतः वर्षः देत्र देवा में अभी कावःक्रवः श्रद्भातात्यमः ग्रद्भा

प्रस्कित्यक्षेत्रक्षायक्षरत्यक्षरम् व्यास्त्रकाराजदूरक्षात्रविद्याराविद्यान्त्र द्यार्क्षकार्यद् में दिल्ल की की एहेंबे देहा। रेकाराविका का ही र देशर हो र एहुवारी। वा श्रेर कु वा का हू वा कू ला पा हिर सा की मा पत्रमानिक क्षेत्रका तारहित्र मात्रका विद्यास्त्रिया क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका शुर्वर्वि.रे.रेरेप्राप्तर्वे । स्वत्वाश्रम्थि.रस्त्यर्वर्वर्वरेषे। स्वरंशिकासिका रे. परेप्रमुक्तमा क्रिंट हैं हैं है के प्रायमित। रे. के राष्ट्र थे, शु.मा चार् र आ मृतिया पर्विता परे । कि वर्ष इस्क अमार्शिहरमालूर वर् द्रिय है एक हर था राम र के बार र प्रमें के वर्ष कर कर के प्रमा अभारत्यार्वर्यात्वर्रात्याय्वर्रात्येया क्रियह्याश्चर्वरे हमार्थर्वर । राम्द्रमा तहुता वा वड्र होद। बीट्रद्रमत वर्ड्, बाबारा नाभमना में तर्षेत्र। क्रांकासक्र में हे के वा ता रेग. (एक्षण) व लक्षया र्र. हता रवर्षाता रे, क्या राज्य राज्य व्याच्या राज्य व्याच्या उर्ते,शु.पर्वेव.परेवा रि.प्र. के.मु.प्रेर्टिं मु.पर्टिंग, मि.पर्टिंग, मि.पर्टि रुमक्ति स्थाकराम् म्यान्यामात्रे। यात्राम्यान्यामात्राम्यान्याम् राष्ट्राम्यान्या उष्णाक्तिकार्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्या खिए कार्ट्रेन्ड वेन तकरे हैं। देन्द्र देश अभाव। व्यव वा हर (केंद्र) हैं क्रेंट इस देहा में त देल श्रेबत् किरंजिशकूर प्राज्य हूरी खुर या अदशा (रंभरण) प्राचा वर् प्रचाप विचा वा शा से बार्टर रेम अ.स. चर्डा (c) ब्रिक्ताला सेवाचारवाचाच्याचारवाचाचान्याचाला स्टर्ट्सिक्साल क्रांचान्याच्याच्या द्याम्बादम्बन्दिःक्रिकान्तिद्वदेवदेव। बालमाला हार्द्वत्देवालाक्ष्यः। वालित्रदेवताला स्रित् (वर्वेव व्यस्ति। वर्गर विव्वत्वर वर्गना रार्वे वाका ह्रित। सिद्या शिका व्यापा वर्गर मिला। देर दिक् मैंगकिर मरेट जारेट जाराहर गाय हैर वही। सह किर रेगर के मा प्रमा जा Sperich निया(श्रम) एवर हो। विव श्रम के अपने के वर्ष के वर्ष में राष्ट्र के के के के के किया है। वर्ष रम्द्राम् अवा.ज.अवा.जहर्त्वकर् चवना क्षेत्राक्षम् निवद्यात् रवी रवी:क्ष्वं रवी:क्रु व्यविश्वत्रीरेनपः देशायाहेरी काविष्कुरात्रान्ते सेरेवर्डिता विषान्त्र शिरवारम्या मिं बदरे के ता राष्ट्र वारी र दे किर वर दे अहर में दे हैं में दे हैं अहरा के विवर वार वे ता वर विवर वार वे ता व 19 है। यर्ट्टिं में महाराहा कार्यालया दियवाल्य हैया रवाराधुनारेंद में वेन या कर्यार र्गर विशानिद तर्देशाना वर्ष दह वता के क्रे राजवाकी वा शह देन वाहर देन वाहर वा में राज विवास है। फक्षर बिरव का मेंव ज्या मार्क रहा केर हैंव रेश हिर रेग में र रहा। इस प्राप्त सर लु अ. कट. कि. ची-चूबा शिवादेट देवा की. शिवादित की. व. जू की देव अप पर मूरी देव अप की. बहेर आ.

क्रियास्त्राक्षे देवयारश्चित्राचनवर्गाताम् नववाताम् नववातामा विवासिता

बारीहाला प्रायद्वा अधाम् हर बारे अर्ड है में मूर्य कुर्ण हैं जहां किया वर्द दे में भार भारते हैं में

म् सिट्डा एल्बायाक् देवायास्त्रास्त्र (एड्डाक्ट्रा क्रम केट एडेव) विश्नर्गर हु एडेडाक्रीया विस र्म. पेर.म. केर.म. केर.म. कार्य. दे.लूर. व. केल.मूल बाजार. पेर. रेव.ज. प्रायद्वरमा जारे बाजा हु थ.ज. हैश। देश्वरंत्वः मद्द्वः मद्द्वः स्ट्रिंग्यरः काम्या क्रें व कुनास्य स्ट्रिंग म्याद्द्वः स्ट्रिंग्यः विक्रिंग रमेंच्याच रेचायाची, एका भीचारा द्रिंदेशीय, यूर्येत्याची, केर. युत्रा आर्तारा चरेद्र एचा ए विचा स्वत्य इ. यर्ट्रर्पे भरे क्ये भी कार्र्पे वार्त्य क्षेत्रा कर्ति विवास क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र र्बर्क स्रुवर्ग बीय: बार्य रूपार्य हर अहर कार्य प्राचित । प्राचित । पर्या की किट किट एक प्राचित । प्राचित • क्रेंत.परे. धुराहिता.सी.ची चालप. बीरा.सी.र. इरवप्र. या.स्रेंत्र इर्षेत्र क्रिंत्य प्रात्य प्रात्य प्रात्य प्र क्रिं. श्रिका. लूरी इ.स्ट. इर. इर. क्रिंग श्राचरें व वर्षे वरे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर् गरं वर्रेटः। स्वाभूरं दें पूरं वर्टरं रहणाशुः ज्यामा राष्ट्रिका केव द्याणा स्वरं रामा द्याराम् कृषा , ब्रेटी क्षेट्रवर्ष्ण्या. श्रित्रहर्ः) जित्रहर्ते अत्राधः क्षेत्रवर्ष्ण्या श्रित्रवर्ष्ण्या श्रित्रवर्ण्या श्रित्रवर्ष्ण्या श्रित्रवर्षेण्या श्रित्रवर्या श्रित्रवर्या श्रित्रवर्या श्रित्रवर्षेण्या श्रित्रवर्षेण्या श्रित्रवर्षेण्या श्रित्रवर्षेण्या श्रित्रवर्या श्रित्रवर्या श्रित्रवर्या श्रित्या श्रित्रवर्या श्रित्या श्रित्या श्रित्या श्रित्या देरधरग्रा। नुर्। ह्मापी.जा.श्र.जा.श्रट्रदेशला श्री.लार.श्रष्ट्रद्रव्य.की.यथ्यं त्र.यथ्यं त्रं व्यारतं द्रव्यालव्येरे रतिर.एक्ना मानए.ग्रह्मातिर.रेट.पर्व्याताताती ह्र्यातासी. प्रमूच, पर्व्याताताताता रहते. रवात्ताकुवत्त्री मैलसे मूर्क्षणा कामका मान्या है देर मेर वहर यो लाकुरा। या यहिंद्र र्येत्र याति द्वर राति क्षेत्र हिंदिया क्षेत्र हिंद्र क्षेत्र एकोबालाजा ह्रबारदःश्रन्त्वानाहर्त्ता हःकुर्द्धः बान्वान्त्वान्त्वान्ता हःलक्षान्तान्त्रान्त्रा र्मा भत्त्विश्वरस्म में स्थाता के क्षेत्र में राम में स्थात में त्र में राम में स्थात में स्था में स्थात में स्था में स्थात में स्था में स्थात में स्थात में स्थात में स्थात में स्थात में स्थात मे करा र्युयार्थातिस्त्रित्वरात्र्यात्रार्था श्रीरार्ग्यर्था श्रीरार्ग्यर्थात्र्यर्थात्र्यर्थात्र्यर्थाः श्चित्रास्याः स्ट्रा र्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः । विद्यस्ययः स्वयः व्ययः स्व च्यानितर्दे स्थित्राच्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् चलद्द्रा श्रीम्थाभुष्रः में ज्या पर्वे । भ्रा में भ्रा में विवा । भ्रा में भ्रा मे भ्रा में भ मायापरीया विमा में अस्ते अस्ते में मायापरीया विद्याप्तिया क्षेत्र वायापरीया विस्त्रिया मैला र्वेड केए. शुर वरे बाया हार इ. अक्टा का का जाता सामक में जा पाता प्रकृता वहना हेवे. यथ्वद्वेष्टानगामक्षा के.शुक्क,वर्षेट्रामामकूषा ट्रेग्नामपुरा देवामास्यूषामा कुला दबालीलाशाच्यालाक्ष्यालालाज्य। भाषात्रेयालास्य ।दबालीद्वालास्य चर्रात्म्यार्वात्वात्या सेवाचर्यात्यात्ये केवाया वास्त्रावाताया केवाया पहें

द्रियाकी ह्रियाता स्वर् १९८० व्याप्त स्वर् १९८० व्याप्त स्वर् १८० व्याप्त स्वर १८० व्याप्त स्वर् १८० व्याप्त स्वर् १८० व्याप्त स्वर् १८० व्याप्त स्वर १

बाह्र मार्था का वर्रा वा वा बोरा द्वा (भव्) रवी में वर्ष केरा कर ना की वा मार्थ है वा मार

बियाद्वरा द्वारा देया क्षेत्रका कि क्षेत्र क्षेत्र हे. हे. दे. बियादे. ए क्राया कु हार ह्या कुरा प्राया क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र क्

क्षणारी वयाताता। वयात्र र्राट्यू र्राट्यू र प्रदेश र पर्या व र पर्या व

द्रात्त्रक्षे प्रदार्भात्त्र व्याम् वरम् मेलादे क्रादाभावदे काल हार्मित्र अवा देशहरा में दे दे स्वरंभर

इट. य. दे. दे. (परे.) ध्रिया सि. श. श. श. श. ये ये ही दरके तायु अधिता रेश तायु अंश लाद्र अभाग.

यमायी वर्ष व्याप्त में विवापवया माययम वर्ष देश यम विभारभम स्था मर्थर

तरंशिताक्रें किया क्षेत्रेर ता केरात्रात्र स्र रहे कर्त्रे कर हे र अवर्गे वारा से पर

रिट्यामाम्बर्ग रेपुर्यार में वर्ष त्या वर स्वा त्या स्व क्षा मान वर स्व वर्ष । वर्ष (स्व क्षा मान स्व वर्ष । वर

यामानामान्त्रम् स्त्रीय विद्या त्यामाना विद्या

कीर.वर.श्रूट्यंश.श्रेषा.एक्.ण.कीर्य्यतार्विष्यंतार्विष्यंतार्वेष्ठाभाक्षरं.एट्रिंशंभाक्षरं.पटेंब कालाक्षरंतु.वर.देव.

य् अत्रात्ताक क्ष्यं व्याचित्र व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच

र.से.(र.से.) बिट.क्.र.प्.न्री मूर.त.र.द.श्राम्प्र. एकिलाकृ थं.कारे. परं.व. मार.प्रवासा केला.

री भारति रेट मियार्ट एवर ने तारार्थ का निया के स्वार्थ है। दाई हता व रवा के सह स्वार्थ

कुरान्त्री भूत. त्रान्त्रमुराकुरान्त्रेशाकुरान्त्रहे (१६) इ. ह्यात्रात्रेश स्थात्रात्र्ये। क्रियां त्रात्रात्र्ये।

यभारतः वार्त्य वाक्रद्रभः पर्वे वाक्षद्रभः पर्वे वाक्षद्रभः विद्यं क्ष्यः विद्यस्य वाक्ष्यः वाक्षयः वावक्षयः वाक्षयः वाक्षय

पर्यानाश्चित्यात्र त्यात्र त्यात्र प्रतिवा दिए वरास्त्र देवम श्चित्र श्चित्य वाद्य स्वत्य प्रतिवास रे

न्यस्य स्था

43:39

57 Come

इरेड्ट गुरापर देर (देर) सेवला शिरान इश्राही हिंदि श्री में देर श्राही देश हैं देश में देश इ.बैज.वर.पुण.वट.कश्रा.वट.रेगए.वट्र.तिम.श्रामा.वट्र.वर.(वम) विव.तर.कर.वट.। क्रीर. नपुः श्रीस्टित र्वाएवरा में कैवारास्त्र वर्ष रेरायस्य क्षेत्र स्वारास्त्र वर्षात्यक्षर् इलाच्या म्रिस्तायार नाच्या (गवर) वर्षेर्ड्टर इत्यात वर्षे वे स्वास व्राह्म क्रिया म्र ग्रद्भिरामावदः द्वर। अवयर्रः द्वारावे क्र्यां स्था र् उटाया वान्य स्था द्वारा वान्य स्था हिटा स्थार श्वरीम्बाराम् र.मूर.इस्टर्टर्ज्ञात्रक्षा.रवट्राव्व.पामानुवर्षा १९६८.शु.म्बार्वर्ष प्रिल.कुभ.अदेव.अ.चूट.दे.दे.ला.शद्यशालूरी रे.कुम.जय.वि.कुम.ज्य देशव.यम् यगार्त्रश्चार्यर। प्राट्चिवविश्ववत्त्रम् मुख्या द्रद्रद्र्याया द्रम्यात्रम् वार्यद्रेन्ययाद्र्यया क्रिड्ट. रे. प्रमे में स्थापत्र प्रमान । प्रमान । प्रमान । प्रमेश में प्रमेश में प्रमान । वसामावनम्भानेद। देशनः तक्ष्टायम् राम्चेनारान्यसमा देशमासुरादेते राद्रसम् वतः रम्यानाम् वास्त्रभाषायायात्र । त्राव्यम् में व्याव्य । वर्षाः वर् वर्डर:अमा किंद्र.क्षेत्र.पयात्र.दे.हेद्रव.देद्र। किंद्रशु.र्थेशभाक्तु.शु.लुश्चादलुर्थ। देतव.वरेदे. पर् देशभाश्चाच्याद्वीत्रं वर्गावसाहि वरस्थितिया व्यवस्था संक्रास्तर्या पर्माद्वी रीयोत्राचेराकुवाकुवात्यरायरायुर्दु केरा अवरार्द्राचेराव तरिया एकेराव स्राम्ये मधी वार्क्तावर ता स्रितेर र्द्राधिराधिकभार्यमाः १००१ वृत्वभारवेशाः वर्षेट्राः यत्र द्वितः वर्ष्ट्राः वर्ष्ट्राः वर्षाः वर्षाः वर्षेट्राः व नभर्दरत्या हेर्यके न ह्या त्या स्थित हेर किया में या हिर (सहर त्या) या वर देवा सहय ब्रुर्व्यातान्त्रीयान्त्रात्र्यान्त्रात्र्यान्त्रात्र्यान्त्रात्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान् क्रमायबरादवादरामामा समाया के व्यर देवरायो के स्वर्ण विवास क्षेत्र है वर्ण विवास के व याज्य व्याच्या स्वाक्त करा मेर वेरवेश मेर सार् वरवेश मेर सार वर्ष देश में वर्ष वर्ष में वर्ष वर्ष वर्ष १.(१.) श्रु वक् र्शन्तर्भा सव स्वार्थ वर्रिया हिर से र वर्ष प्रवेश कीर र का तिर बीर प्रकेर वर्ष क्षीं वास्त्रास्त्रास्त्रात्रेयन्वर्वावयः स्ट्रायः स्ट्रायः विद्यान्यः) फ्रां यातेर्द्र है। जी। वरे के व वितः के व वितः के वर वित्यामि । पर्वेशक्र गमा दक्रमा अहर स्राम्याद्यम् हेर्या तर्रात्वाया । त्रकारा मान्या निर्देश कीत स्रात् वर्षेता वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत पर्द्रमं (वर्द्रमं) विभागनेवाराधेरववर्षा वेर विभागवर्षा श्रीयास्वारमा प्रदेश क्षर स्वानुदाय श्रुकेवा विकारुक्ता के अधिवया के वा वर स्वर त्य सामा न्या कर का नापात्रवा स्वाया भेवाया भेवाया रेवायारी रेवायारी सेवाया रेवाया सेवाया सेवायारी

2CN 245

ग्रह्र से हुवा श्रुवता सुदी अरंत्र हेर ता वेवाया के वी एवार अंक्षा में व सुव ता सुदी लरावशल इटल ग्वालके व टाव्यत्मन्त्रास्त्रर स्वत्स्त्रेर के द्वारा विवास मन्त्रेर स्वत्स्त्रेर के द्वारा मन्त्रेर विवास मन्त्रेर स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्रेर विवास मन्त्रेर स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्र स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्र स्वत्स्त्रेर स्वत्स्त्र स्वत्य स्वत्स्त्र स्वत्स्त्र स्वत्य किंग्ली अराम्यात्राक्रिव.लूर.र्वाया.मुरी इ.स.च्या.वार्या.पैवाया.रं.केर.लूवी इ.वंपावायते. रदाविक् परेवा विकास वर राजरे व की वर्षा आ (म्.) है। अब्र प्रिश वेष तर् केष वर दर र में र्वेगानीर (प्राचगा तिया अररा) वैराव क्रांत में असे तिया (तिया) की शुं भिया अर्थ र ते हिंदी हैं। हुने जूरी यह अ. रिंदा थी या अ. श्री यो प्रांत हैं। अव दे स्पूर्ण या अव व कुवा बारिया र्वेश्वा अक्षुवात हैय। याव्ये या अयो द्वात हैय। यव या वि वेश यह त्या वि वेश विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा दे.जायकद्यायदूर्व्या श्रुचित्रम् स्ट्राइस्यायभेरायदूर्व्ये र्व.इप.ध्र. त्रुच्याच्येर.तर् र्डरद्वीष:अश्रुम्भक्ति,स्वूंत्रा प्रवाति व्रुप्ति व्रुपति व्रुप्ति व्रियं व्रिप्ति व्रियं विष्ति व्रियं विष्ति व्रियं व् र्भरत्युःक्षा अभगश्रद्भावताला महर्गताला रहता (म्) पर्तर व कहता क्ष्में व हर मैं यारेरेन्ना प्रत्मकु जिंदा हैं हैं हैं ये हैं की कि जिंदा हैं। या हैं (क) है। रेयर प्रमुख वह में के कि रम्द्रम् वर्षेत्र वहरम् । वहर्षेत्र साम्भाक्तियात्ताता म् स्थात् हर्रम्भारम्यमा स्थात्त्र विद्यात्त्र विद्यात्त्र स्थात् । स्थात् हर्षा स्थात् । रस्यार्थार्थार्थार्थाः विष्या । विष्यार्थः देशाय्या देर्वार्थाः देवार्थाः विषयां विषया के. बाग्रुमामरेथामाभगवी वहुमा उद्दर्भी दूर प्रदाष्ट्री पात्र रहा शहर मा शहर मा शहर का के पात्र वा ग्री रशासुका के अभाने का पर हिला हिंदाशा वरेर से का करेर स्वरदा शिट दे मेर रेताए वरेर केर खेर केर केर केर केर केर के यर्भागविष्य्यायम्दार्भ्या हिरामात्राः ह्याक्षाः स्वाद्धाः दःस्रामाय अत्राद्धाः विष्या स्वाद्धाः विष्या स्वाद्धाः एयाजायीवरात्माका, परे. हुल। रहर योगेनाकर क्रियंत्रापादद प्रयोगाना कृ हेब परव अपुर में दर्भी. चन्ना चात्रवर्षेत्राचात्रात्राप्तराह्मराह्मरायम्भेषा पर्वे.क्र.क्र.क्ष्य.क्षा.क्षा भिर्मेत पर्वेशमा पर्वसारदावर में बाख्र पहुंचारदा में वर्षेश (क्षेत्र) मूद्र वे. ब्रे ब्रा वर्ष प्रा क्षेत्र के व्याप्त में वर्ष प्राप्त में वर्ष में वर्य में वर्ष में वर्य में वर्ष में वर्ष में वर में वर्ष में वर्ष में वर्ष में वर में वर कुर्धा बेर्ह्मणाता भुर्ने र्यारक्ष्या तरित्र रे. वेष्ठा रवार तर्यः (वर्षः) म्राम्यर हिर्तिष्ट्रिया ड्यार्स्र चड्याडेव.लट.पाडिमा दुमझरहरशिर हेर देर प्राप्ता गर्जा हरीर है। हुम र्जिटः शार्त्राचा वार्षा वेषाया,पाइ या तर वर्षेत्राता (परेश्या) भ्राय्या (र्यूया) म्यूया र्यूया विश्वा र्रिट. श.क्र श.क्रें अंद्र हिंग शामा वरेष. इंश.क्रें अरेष. अरेष. अर्थ. मुक्ते हुं अरेष. मुक्ते हुं हुं हैं वर्षे कर.भरेव.अ.ड्रग.इर.ब्र.४.४६व्य.७.लुर.त.म.र्त.ह्, म.मंद्रा.म.म.म.मंद्रेव.अ.ब्रेच.व्य.हर.व.द्रा. ण. मेंबाक्के. मेर. एत्रेज. दे. पूर. र. इर. वए. जव.रर. हे. इर. हे वा राष्ट्र जवाहें वा वार्ट वा हार.

न गलुमा

र्वाटल में वो एतं वर्रका माव अपने वाला किर विवाल माक वर्ण से वे माला है। विशे हिं के अव म्रद्रार्थक्षक्रद्रम्बाद्या त्यक्रत्वरेषात्रवात्रवेषात्रेषात्रा देलवर्त्रक्षात्रवात्रवेश इलागलद्रहर्द्याम् के हेवा ही द्रवर्ग द्रवर्ग हे तर् सूत्र शहरास्या

गार्खात्याहेर्युत्त्री। खोड् वर्कवात्यात्रात्वेवासद्वा हेर्हे. र्याश्राक्तिकावतःप्रम् दरा कूराधराता १ में राधराता १ में राधिता क्रिया में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत पर्वे.रदा द्रेच.तए. वे.व.वार्ट्र.अह्र्या रहें. र्चाटाक्रिआवर प्रवेर्दा श्रिवर क्या मेर क्यासद्दायते तामक्षेत्रमान्त्रियायतः तर्वे महत्या क्षेत्रवा कुर्वते महत्व विष्वता रार्टरार स्थाने वा वा स्टारा मुक्त मिन (र्यं वा) वर्ष वा र्यं वा विवा वर्ष वा विवा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष र्रा कॅराववरवराक्याक्रवाक्रवाक्रातारेर्। भीकेवक्रवायंतिस्य सामायीवा सराववतिसर्वा निरंशाला निरंदित्य केवनारी निरंदर केवनारी निरंदर निरंदित कावरा लेकी निरंदिर निरंदित का देवाता अर्वत्रत्वर्षिदर्श्वेष ।देवलाग्यवर्दर्ष्ट्रिकात्र्व ।त्यूर्योरःर्वेदेक्ताः व्या र्गानवार्या नार्या महारायाची ववास्तारी सूरासुक्तारी क्रियारी क्रियारी क्रियारी क्रियारी र्भिश्चिक्तिः केत्रः म्या वर्षाव्यक्ति वर्षाव्यक्ति नेता वर्षा नेता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा विमेरी बारेनक्षित्रक्षित्रक्षित्रमान्त्रकाराम्या रदःस्त्राची वरःस्त्राची वर्षः रदानाद्रपात्मा संस्थेदः स्वयंगार्यः देवायात्रादा सार्यात्रक्षात्र्यात्रस्या स्वयंत्राता स्वयंत्रात्रस्य विराज्यार्यात्रस्य विराज्या व्याकेवारीयारी प्राचाया गुर्दर्शिताराष्ट्रगता वरावाकुर वर्षवाकी नेवासवा वनार्यस्त्ररम्भिः विनायवे। निः नि। कुवे चुर्येया (वे) ये । दर्यवाया नुरस्व या वुर्वेव या वुर वस्यायात्रा विवास्त्रसाम् । विवास्त्रसाम् अतुवारक्तां (क्षा) साम्या । विवास्त्रमा विवास्त्रमा विवास्त्रमा । मन् वस्रा र रर्देशक्रिक्षियाती से हे या अ विद्राया से राह्ने या से विद्राया से विद्राया से विद्राया से विद्राया अक्टबर्ग श्रेत्रिराधार्थेत्रम्बरावर्षा सेर्वर्रिर्वाधराणाण्या विस्तर् महर्र) मेग्राना हुन्या भारत हिवाल तहिता तरि क्या वसम्बर्गा वार्वा वह तरि हर ्रेन्द्रा तह्मार्श्वरकुलायां केरवन्दर। के वहने दयत वर्दरके द्या वस्ता वर्षा तर्वा तर्वा इर. है. श. लुड. प्रवाश तिय. प्रवेता वा वेता. है. हो. देरा देश वे वर्षे वर्षे प्रदेश हैं पर्देश वरवार स्व.कथ.यर नद्याचीया चेया बनाकर या नेवा या नेवा या या । उद्देशायातात्रीर। भुष्यविक्तित्वित्विक्षां (क्रेंब्रा) प्राथन्त्री शुः लूदः प्राथातात्वे विद्वार्यातात्री शर्वा अंत्राचार विया वर्षा वरव व चार वार्ण मं के वार्ष भार्षे वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष के वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष माना माना महत्र में महत्र मान्या पर गाया माना विका विका वर्ष स्त्र किर वर्षा माना न्यात्रमा कुरावरा यूनावराश सर्वास्य मार्ववकुरो के प्यर हनाया नारावराये वर्षे वर्षे माध्येवास्त्रात्रवास्त्रा छार्दर(देर) सेरवक्तिवसमायाव वस्त्रीर।। इल. श्र. देन प्रमायद्या तला कार वचए एवं का सिर्देश वला मन र र प्रदा्य का स्थार वर्ष

वयासिक। एत्यक्षत्रत्यः(गणन्दर) जैदः यादि। वरात्रात्रात्रात्रिद्दावर्त्ते वरात्रात्रात्रात्रात्र्ये वर्षात्रात्रा अर.व उप. ए वेवा क्षेर. या व. वा देश पर्रेर. ये वा गा. त. व पत्र. प्रांत्रीय। के. वा ये पा व्यक्ताया. छा छा दार वर्षामा शुन्दर के हिर (शुक्र वर हिर) हा ए विरया वर्षामा र उद्या प्राप्त पर्वी

चर-क्षत्रं वर्ष्ट्र, ख्रावंद्रवंश केंद्रक्ट्रिया-क्शानंव, क्षावंद, ख्रेया रक्षाः अहर स्रापः नरक्षेत्र, व्रत्युद्धः ख्रीवट्खरः वर्द्धः क्षाः स्टर्शः स्थाः या हो सम्भा हे अव। पर पर विवासर यर मारा का पर विवास की पर मारा के पर मारा के पर मारा की श्रम्भानाना या द्वीरवर् किरिक्षेर्रद्र पासेरवन वा.(०३)। युत्रीर्थर (चर)इरियप्टरपार्कर स्रित्रे अध्रित्रा तेव (क्व)देश हरी क्रिये अपन्य वहत्व मार्डिया वरेरे वर्षा सा उपन ज्ञान्तर्वात्रक्षात्रात्रात्र्व वर्षात्रवर्ष्ट्रिक्तित्रहेर्क्ष्यात्र क्षात्रवर्ष्ट्रत्यात्रक्ष्याः वर्षात्रक्ष कुर्यासिवायवधुरुष्टारः (अरव)रेडा रेंग्यायात्रिराय्यात्रस्रेराय्यास्यरः विदा अध्यवात्रयात्रयात्रियात्त्रः चलास्वा कुस्यां श्रुराधार प्रवास प्राप्ता स्रित्या स्रिटा स्थान स्था है वासर पह्राधुर्येद्राधिव (राज्ये (राज्ये)) र्दर्रियावर्रेट्रियायाव्यात्रे राज्येयायायाया のり あっていられいとならずしてらいかまで、立いらいかいかいかんなんなん वकारी र जिल्ला प्रवहतार्यार प्रत्ये शव न्यार्या द ता हैया । न्यार व अस्य प्रत्ये । बिलाला किंद्र. अध्वयूरक्ट सेर. व. व) खालका व्यवना अपूर्ण गरा मेरे रे शहर रेगर. रत्य वर्रेर मृत्रेष्ठ्या भर्यक्ष्यामक्ष्याप्रवेषात्रक्ष्र । क्षेत्र क्षेत्र भये वर्षे उद्भाश्चर अर प्रमेश्चितात्री चवल रहारे प्रसेश हुईर कर। यामार प्रमार प्रमार प्रमार । एककराम् के प्रविधारा पड़ी का मिर स्वायक वच्चा (इर)रेपरेश देन्या मिर पानपामाम् सेर्। एह्बाड्रेन्बाइरास्प्राचाबेटबाहेनाता सी.र.प्रेट्यतस्य सातामा कर्यार. येश्वातका यक्तितारेश मिता है। मेदानपु प्रयोक्ति देवायाता वामा मेदार में भूता है। ताही

क्षिर्भिर अपास्त्र एवव एक्ष्र वा अदिश्वास्त्र मान्य द्र्या से में त्राववास्त्र में हिरक्षा भुर्कपु वर्ष ववपारमामा मरी अह अहिरार्थिया रेभए में मान कर कर है। रह द्वाकार्थरायते वाववाद्वादेश रे:देशकी अधिवदेश (बहुए) बाहात्मा की तक्षात्वाहराये दर्वारीयान्वेव । हीर हवाक्षेर वासकर्था देया हर तर हुट हवा कर ते सहर दः रदः अरं वचर क्या छ। दे अस्ति रद्या है। यद राहे। भी के प्रदे दे । अस्याया वराभवरा भर लेथीत। में वर्षत उम्हों बद देगमें दे। हे अब वर्ष अवस में दे ले की के कर बद की वाडियशानम्बद्ध। का.एकर.वकावात्रश्रद्भागात्री ह्याकाव्यवात्राक्षर.वडेपः लूदः पाड़ी बर्धिका (पर्वामा) हिर्वणका यह एक राज्य देवता है देवता है देवता है विवास

त्रेयाता स्ट्री स्वर्थ त्राच्या स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर

न्वनाम् हें हे अल्लात्यां स्वामित्र के के निष्या में निष्या मे निष्या में निष एक्या इटरेशालयाक्तियायात्वाला द्वारातविःश्वरात्वाक्ति हेवाशविर्वाश्वरा क्रमकुल करा हार राम र तर्र वर्र किर्ड के कर मान में के वर्ष मान्या अर.व अर. देर. र. रेग्यर्ग्या अर। य. म्र. रचार. श्रेर. दे. तर्या है। व है। श्रेर ख्रा लर्ता मेरा विवारमामा स्था हर्ष वर्ष वा तर् (श्रूर्य)रे। वक्ष भेरा मुक्या पर ते मेरा इर.रद.भर.वर्धातावक्षेतारी द्या.क्षेत्रावि.लोग.लाय.क्षेर.यी धाराजारापुक्र्या.जा. वन हम हिरा रहता यानियार मार्थी केरा भाषा ने भार ही ने भार हिर यान्द्रः(महरः)वयास्तर। देः यहास्त्रामन्त्रमान्त्रास्त्रामन्त्रास्त्रामन्त्रा न्याहर्रो त्यास्ट्रास्याहर्रा हरा हरा हरा है। यर विवानम्बन्धरायम् वर्णायवी यात्रायां ब्रीटः अपावक्वारायुर्या है। के तर्दर्ग मुम्यकियानवाये स्थार्य क्रायानवाये स्थार्य र् भरार्येशक्षक्षक्षा दर्वतातावा वर्षः या द्वारा द्वारा वितात्वा वर्षः या वितर्वा वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः हेट(बहुट) ववातक्री अम्वस्तित्वात्मिक्षाः काराववात्त्वाः वर्षाः वलम्बन् है। मुन्नहर्म्महर्मात्वरात्वाहमासर। वरुवामा(तरुवामा)तर्मरावामी र् दुर क्षेत्र व द्वार व राक्ष अव अत्। की (हरा) क्षर व दुव (क्ष दुव का) द्वारा हे ते व । क्षर व र गम्भारीयाः वहरामा वहराम वायुक्त । हा. लूर. म. र. व वर्ष प्रवाहित वक्त । वीट र दर ही ब्रिश हो वशही वि खरी गेट. र्वे व व व नारा रे या व वा हिट के किया गार्थ हैया दे या त की वा मारा की मारा की गुर.श.च्या. त्या श्री द्वारा गुर. वृत्र । त्र राय वर्षेत् (ब्रुर्) । रगर । भवा गर सर्द

चार्तित्रास्त्रः। चात्रे केंत्रवादश्यः सद्देश अहूरे। दे त्राष्ट्र संदर्शक्य विद्यो हिला श्चित्रया चारपार्याराज्या अवेशवेश पार्ट्य र खानेश विष् (वाष) केवेशवा इ. इ. हिंद्र श्रे के हा है। र अपर में या र अर श्रे हरा हिंदा में से अस स्वेच हैं में ता है। के हिर पड़िला देश हेबार्गी देश बाद हिर वे लिर बुशाल हरे। दे वास ने में बा श्चिरायुरायहरी अभग तियोश क्रुंड अंदर अयूर जा देश रिशर विश्व सामित्र मार्थ न र्रिटा) कियाद्राकुर्(अकुर) बाधुरायर प्रदेशा अब्यापह्रवास्त्रके सिर्याशाव करा। देजाराज्य वार्षेद्र रामा आहेद। श्रे द्रवारा साम्या के ताता केंद्र (वार्ट्र) देवसावदेव ता (परेवका) का ना र है। श्रीरारमार रहाए बरेर किया वी बार्गर मार् छ परे अर्थर में उन्तिर्द्यात्रार्था अ.मिर.र्वक्षा रा.मिर.र्वक्षा रेर.पि.वा प्रका रेर.रे.मिवर्त्रार्वियो चमार मिन् केने व्याप्ता प्रमुक्त के में प्रमुक्त के प् श्चिर्द्रायाया मार्थिया हिर्मा वर्षार तार क्ष्म शिवित्र । विदेश किर कर वर्ष उत्राचिर्त्वातिमा द्रेचित्र ह्वारायह्याचारा प्रविद्या सार्व्याता सार्वेर रे.लेजा र्रेट्यूट्यार्थ्याकु.अ.क.रे रे.वय.क्.रवयान्येया.राप्.वरी वास्ता. वार्वानविनात्याकी हेदाराती केत्रक्ष्याद्रात्याह्रवाल्याह्रवाल्या ।देख्रावाल्याह्रवा ल्याती मार्डिद्यरेशजल्याते देख्न्यर्भवयात्री प्रमानवप्रविधियालयंदरी प्रमा कित्वेरातातात्त्रा र देवान्त्रा प्रवासिरात्रात्रेरात्रेर्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् (जापन) मिछारी दुलाश्चार करास्ट्रास्ट्रा देश। अर्वास्त्रेर्द्राधीक्ष्रद्रित्रद्रायाच्याम् र्वेद्र्याम् । यहेर् इरा किर्हेश्क्यार्ररव्याशुक्रक्तिंशर् इर्द्धारेशरेर्द्रात्राधार्थरेरे मेरी । यार वडार, पडिंग हिर कि देश ताता र है। (देश) अरेडेअ कि किर किर रेग पड़िंग है। रेग है परेंची रिनए वर्देरेंद्रया क्रिया प्रदेश वर्षे के माया का पार्य ता नेदा कर है। वर्दे मक्यारमञ्ज्ञासम्भाषान्यरवरिवर्वि(वर्वि) येद। देवरारमम्भारायम् रातिवारम्यारा प्राम्बर्द्रम् राज्यान्त्राच। द्रारम् क्रिंट्रिके में मर्म्द्रकेन दे तावद्वामा मर्पद्रमू गरा त्रक्टरार्थाह्नर हे व्यायायनगत में या यह तरे हे र की माया कर्यार्थ वियान्त्रात्त्र नेर में यालवावरा रेत्रव यान्या वेशवा वेर क्या त्या विर सर रे. ज्यातार्थः। र्यायम्द्राम्भाक्षाम् वार्ष्यः विष्यः र्गरेर्द्रम् लादा अर्वत्रता तर् हरा अर् नादा माववारा मकेर हेवा मार्द्रमा राषा हरे. क्रिंगार अहिर नेर रें। दिर अर्थन गर्मा इस्स कर स्मार्थन रेते व्य क्य वंदावता रेजवा केंचा (रवाय केंचा) कुचाता (येय कदा आहर) केवा त्या रेंदारी वेचाता । इम. मिलारेटा एक्पारेशम. एम. मेला यूप्त. दे. ये. त. ये वि. ये वि.

नार्देश थ

पर्वाधितः विवादा वर्षात्राक्षिणक्षिणाष्ट्राय। हे नार्ववाक्षिणाया केवाया तानाता र क्तात्वरीतिवयातातात्वरात्त्ररात्र्री किंदापक्ष्यात्रप्तिक्रिव्यवपार्यव्यवपाल्या विवन्त्र्यंत्रभारादा अद्भेतातक्षाक्षित्व्रेतात्री क्रुगावबदाहातुः सेवानाप्रत्रेत क्रिया सम्भित्यातान्त्रीतासते वर्षायाते । क्रामा वर्षायान्त्रामा वर्षाया र्जा मर्प्सि (वहरादे कार्ये द्वा क्रिन्द) हिं के व्यक्त मान्य विकास स्वर क्रिने का प्रवर स पर्-डिशक्ति विपासंस्थानं नावरः। इं र पडिपायतः व वर् देव विवाधः द्वारायहर्। बिजान अमिक न्यूमान् का. व. माना त्वार दवर हिर हिर्दे ने प्रथा प्रया वर्षे वी कर हरी गर नधु श्राचारीशाल्य र हीर ना पर में अला मूर जिर हैं जिया अली में रवानर जाने (अव)(यत्त्रद्रात्त्र) वाक्ष्र्यः द्राप्त्रेर्द्रः (इ)वे कृष्ट्रात्यः अवः स्वाप्तः वर्षाः स्वा म् स्वराक्तियास्य स्वराहर्ष्य स्वराहर्ष्य । वार्ष्य स्वराहर्ष्य । वार्ष्य स्वराहर्ष क्रिकान्त्रा वर् यानावनाका कार मेंत्राचार करिया प्रकार केंत्राचार होता वर विवास करिया वर्ष क्रविवाज्यात्र त्रश्चारदेव किंत्रमान्द्रक्षित्वच्रदेवविष्ठं विष्यात्रव्यात्राद्ध्ये द्रे द्र पार्वद्वताम् वारायक्रवास्वयास्य । व्याप्त्रम् क्रियाम् वाराष्ट्रस्य । व अप. ए वेशाक्रीरर र विकास प्र सर . जब क्रिंग जा कि वा विवास में किया गया के या गया के विवास में विवास में विवास के विवा या देन्द्र-श्रेमहरूदे-त्यवत्यम्यात्वम्यात्वन् ।द्र-स्ट श्रू श्रव्यायदि (दि) देवते अर्थे विश्व संस्था होना देवला देवलादेर की देवलाव जाता संवल देव करे। तक्षेत्र स्ववश्यक्षस्य । के. बवल क्षरं तर र. देव के. र्वा क्षरं तर देव के र्वा क्षरं तर देव के र्वा के र्वा के र्वा के र रेमरा.यूड.रे.क्यात्या. वालर्याता. लेरी प्रत्य मरा. पर्ट ताम्या. मुपा.क्रि. हे. च.लद.व. प्रयोश (वंश) श्रुक्रेयाश्रद्धः प्रक्रार्थंतर द्रावर वेता यार्गर के वद्या रमवारम्बन मन्त्रका कि गर्द्रमा दे.प्रमालग्रह्त.मिना सेमार्ट् कार्म्मा द्वाकी वारीयायत्या वा विवासके अववाता मदामहा की ता वा भवाने दे । वीदा दावा । क्यानिश्चित्वि विदावता श्रीदान, त्रेशानिदाश महत्विदाश, या नवाविदवेत्रेर. (इर) विभग्न वर पर्केट (धे.श्रट.श्रट, विद्या विषय विषय मान्य स्टर्भ वर्ग

& wary

त्तर्नियर्टर् में बेंब खर्वा वा वा या यो वे दे हह अवाउद अदत सूद (क्षर्द) की वा दे दे अदत क् (क्) माला त्रिवातर माला है। वास्वयाकी देवन के बनाया वर्ष हिटा हार हैर राजा कर ने मान वर्ष होता देवन देवरण व्यात्त्रिः स्वायाक्तिः प्रायदः विवेशः द्वस्य न निर्वायत्यः द्याः द्याः वर्षः देश द्वाः वर्षः देशः रद्या है. यानव. ये. केव. यर्दर प्रयोगात है। ता पर्या देश र देश व र देश हैं । योतिमाक्ति,यार्ट्टा वतान्त्र त्वापान्त्र वाण्यान्त्र स्टिंद्र प्रकृत्या मता स्टिंदा स्थापार्त्ये ग ्यवन्त्रता श्रीटार्टाय वर्दा वस्ता देर वं वेतावता यह देर क्रिट श्रे वेश ता वर वर देत क्रिया वर क्रिया वर क्रिया उरायसाइवार्वरा कारे थी त्वालायार रहिकालायला केरे रेरार्वेव (स्वा) रेटातववा त्यास्यास्य सेवयास्य विश्वतास्य विश्वतास्य व्याप्त विश्वतास्य विश् पार्नार वर्रार्रात्वा व्यापार्रा व्यापायया हिराभ्येत्राया हिराभ्येत्राया हिराभ्येत्राया हिराभ्येत्राया हिराभ्ये मेर.रूपा श्रदात.येशवाक्त.कदा(लदा) इपा.पर्देश हेर.वर.वयत्रात्रादेश देनपात्रायोश्चेता इसातात्रका.लद्ता किदारवायात्रवायात्रवायात्रका में व्यान्यदायक्षात्रया क्रियाक्त्रे नेवाया वराय-नवःगर्नः वर् देहर्वया वा वर्षा अत्रश्चेवरायार्गम्यायाया क्रिनेर्ड्याद्वेत्र्वात्वेत्र्या द लासह यूर्क्ता । लीह बर.बर.पर्वेतर.धरण.गा संनामकेव वायमा है। र रेगर से। वर महिव वर है। र नि से। वर महिव वर है। र वयास्त्रा दे देर र ये ये वा तह वा वह दे वह दे दर र र वा ने वा वा हर से प म् मार्थित प्रमा वर्षा वर्षा देशर है। एड्रियावर वर्षेराला पर्षला देशर देशक के में ना इ। नापन सुरप्र नियं हुं थिन। सुर्द्ध केन हुं र की भेन। मुंदिर हुं सुराकी भेन। 4-1150 गलम्भन्यर्थात्र्रात्राची हराह्मण्यात्रेभार्ये न्त्राम्या तर्दरक्षेत्राक्ष्यं थाकर्षीया र्यात्वरक्षित्रीत्यात्या तर्द्याद्वाक्षयाकर्थे यर् श्रिकामा प्राप्ता दरायर के महरकी वर्ष करा करा करा करा वर वर्ष वालवासवाती ता वर्षे तर्षे दे। दर्शित वितात के देवा मार्गरी श्रुद्ध वर्षा वाहि वहिर वहिर इ.मर इर.य.वमाराम.य.व.व.इर.जा(३९.०) स्रमान हैर.क. येर.क. रे.र. यूर्द्धः यूप्ट्डपा बर्द्धः यूर्वः यूप्या व्यावन द्वाकः स्ता यूप्रवितः (सप्यावतः)

वत् वास्ति। अवशाबीववी महारामाभेद। रेप्टरकी अप्रवादुर (अदुर) वार त्या हिर्दर दर्भ के साम हिर हिर हिर प्रायद्वर पर हेर । स्रायह दर्भ के स्वार्थ । स इरडरवरडे.शर्टावाजर। ट्रेट्स्क्रेडरायव्यात्रक्रा चे.वस्यकार्वियात्रेयर नाममान्यास्त्रा वरमञ्ज्यवराष्ट्रायास्त्री सरमान्यास्य सरमान्यास्य सरमान्यास्य र्त्रे वाश्राद्धिः क्राक्ति व न्यवास्त्राद्धाराताः अव्यवसद्ति वाववाय स्तरद्वारा (वर्षा)याः र्यात्र रहाराथा र्या र्याया करायी कराने रापरी विवास राया विवास विव चीर.रेड.डी.क्रुंअर्ड.केवका(क्रेवका) नेरी त्वारंट-वेवाजात्रात्व केवधारेर) वारपारंटमुरे अर्थ यवरारेता श्रीटर्टर्य मन्यायार्थे येवराधिता द्वानुसामेर द्यानुसामेर वीताल्या रामेरा रे.व.भ. ग्रेंब.दंद.र्भम. म.च.लावा एक्पार्थमांक्रम क्रियाची वर्षेत्रहेश क्रियाची नवित् (महित्) १५ वित् व ननवासए गर्ड ता कर के मार्री कर के गुण्टरवारव ररी वक्षार्भमात्रुद्वी (वील) के राक्नु रेदा द्या वे रवा या) यते बेहर के का मुख्य रेदा वीदाद्य वा र्हर.पाशद्यायात्र्री यी.एम.ह्यात्रे हर.या.देव रिमर.प्रमाचीर.पायवयाता.पर्या यन्क्यान्त्रमुक्या अकुरम्यास्म वर्षेत्रत्या वर्षेत्रत्यास्म वर्षेत्रत्यास्म वर्षेत्रत्यास्म वर्षेत्रत्यास्म वर्षे में बाजार सेट. रें जटवाया जा जाव। वाड्या केट आव बेबा एवं शुरी के तेया खेट दें ये ने लेवा के लेका द्वाद्वाक्ष्वाया माराम्या कृषा यह हा दुवाले वासालेका रोहाना प्राप्ता त्या वास्त्रा म्यार्थराकरान्यात्राची हरान्त्रं स्क्रं सर्ता कायाक्रवास्त स्वास्त्र सामानास्त्रा र्रेडर्ड.४रे. र्या. तर. त्रा. हा. वर. हे लाया शु. वर. हेवा ही (के.र्) वही यात्रभास्ताकुर्भ् मुख्या द्यायवारायम् याद्यम् क्रियायाकुर् मुं भेव। दंभरं कुर वि ता के तवरं वे तर् विर्मा सुवा स्वा है र हो में पुरा य:इ:४८:इंड अवात्तवः अद्याद्वः स्ट्रिक्टराः अदुरः। दे:द्रदः अक्तिः वाववाः हैं " क्रियानम्प्राक्तिकी,यी,पर्ी वेत्रावापप्रदेश्याचनात्री पर्वयात्री अव्यक्तित् के राष्ट्रपानिक्षे मुन्यानाहर। मेद्रक्षित्रात्वानाह याववन्त्रियायि विनाताहर (ह्राम्यवेष)। 1210元の一気にいまし ॥द्याः त्रेरः द्रेरः मृत्येः दे त्यु त्रमाण्डमा तक्षारभरादेशरादेशरावी वरावेट हैंद्र वहरी दे तह मेंद्र तक्षेत्र के न्यवामयाक्षेत्री केवयातारद व्यापारदा । प्राम्म में र्डिया प्राप्ति विया कुटा के यह भारत

वर्द्रहट्यातात्र्रः। देराक्यवायात्राक्षित्व्यात्राक्ष्वित्वात्रात्र्वेष् वरास्याम्बर्धान्यस्य दिश्वेद्रस्याय। क्र.स.स.देश्वेद्रावस्य देश्वेद्रावस्य देश्वेद्रावस्य देश्वेद्रावस्य देश्वे अर्थात (क्र.) वाद्यका रवन वता वन दान रहेगा त्या मान मान कर कर विरा के का (क्रेंग) वाता चर्टरात्वास्ट चारीकारेनाएवर्टर खूर टे.बे.केंब (बर्च) त्राप्य कट्याता रेंब मार्ट है बारा रू.यर्ट्सिया हिट क्रिया गर्ह्य क्रिया गर्ह्य क्रिया गर्ह्य क्रिया है । यह स्था है त्रानुवाक्य द्रान्त्री प्रकासका क्षेत्रका में द्रान्त र वर्षा (अभिदेशकार वर्षा) विश्वाल वर्षेद वर्षे हैते नामिनकि बिवाहरा केंबाहरी केंबाहर प्राप्त केंद्र कार्य केंद्र केंद्र केंद्र कार्य केंद्र त्राचररा देवारार्ट्र, मिल्डिरान राकार्याची प्रेयमप्रदेशताता मित्रिक्रा वर्गायक्षेत्र म् अनियासस्य में अन्ता किंद्राकी भरार्त्य केंग्रामा कार्य में अन्य केंग्राम केंग्राम केंग्राम केंग्राम केंग्राम मिरयाधर केंद्र्। तैयारा द्रेत्ते यथा (१४) अर तर अक्ट केंग्र केंग्र (वर्ष) वर वर्ष ब्रिट्री जनमार कियानि प्रत्रहर राज्ये दर्भर क्रिये हे हे के कार में (इंग्रह) वर्षेत्रा भिग्यः। रेप्तिरम्भिगान्येवन्त्रा अदिवशस्त्रह्मेयस्या केवास्ट्र्र्यं मेवास्त्र्या भर्गातकरेर् में प्रसित्त्र माराम्या । रे.स्ट.प्रमामा भी वेदावयामा है एक सम्मिन स्र-रायर रायर मान्या मा (पहेंद्र) रदाम बिवा तथा रदम्र अवार्ट्ड देश श्रेरवरेश सेवा राष्ट्र केंद्रश्या वर्डेट हर किर. क्षेत्रार्शिका मान्य क्षेत्रवर्शका का का मान्या स्वास्थ्य स्वास्य स्वास्थ्य स्वास्य स् त्रमास्ट्रहरा देवाध्यासिकंद्रग्रह्णादेशस्यादेशस्य व सेवकाष्ट्रदान वर्षणव्हरणयहर् क्रिन्यारवार स्रमान्द्र सेवारद्र। न्यारवार्ष्यक्षियाय क्रिक्षिय गुरुवा दरावार्य प्राप्ता शहर। रू.केट्रहर्राकुक्तिरावर्गारकेवास्रहितास्र सेवराहरी वनवन्यारकर या चरी वार्य हा र है यारा हार वार्य ता ता वार्य हार दे दे त्या में बर ता सा वरत मीता हर वसर् (वसर् रे) वर्षियादर रामया ता हिया में ता विकास रे दे हिया मन्द्र स्थात है। लारम्य (स्रेय) कर इवाधार के पर की में दर्श कर ता की रात्र ता लेंग रेता है। इवा यक सा है दर्श. पविद्रायम् अस्य द्रमात्म द्रमा मुम्मद्र क्रियार्थ क्रियाय्य क्रियाय्य क्रिया गरीयारीरमायार्यार्यत्यारीत्वाराभरत्विन। चरानुवाताया वानुहान्यारी वा क्री के.क्ष्यं अर्थारे के.क्षां में ता तक्ष्या मार्था में दाव का मीव त्येव ने क्षेत्र कर कर कर कर कर र्.लड.क्षर.क्षेत्राक्षेत्रा केणात्त्वातिहारः रे.प्टामप्रकाप्या.प्र.रेतपावदेर.देवातास्तान्त्र.

रशयास्त्रस्थान्यस्थान्त्रस्य । अदेशः में वरा हा क्ये ने स्वरायम् वरायम् वरा स्वरा हिला त्राया र विवाश्याया वार्षद्वा वार्षद्वा वार्षद्वा वार्ष्य र वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्य वार्य वार्ष वार्ष वार्य वार्य वार्य वार्ष वार्य वा न.रंड.प्रमश्चित्राच्यड्ड.पा.चार्टर.ना.णव.मण। दव.एव्युए.ठेव.वर्षण.संड्या.वर्. त्र् अवं देश की त्राक्षां वर परत्र हर ने स्वर्ध कर वर्ष वर वर्ष में अभाक्ति वह में के वह मा विषय वह के वह के किया। केंद्र के के का त्या के देहर के यारेवाको अर्वात्वाष्ट्रस्टर द्राक्राक्ष्यर् क्रिय्वराक्ष्यर क्रियाका स्टर् रेमाना महास्त्र नेया दाला हैया हिर हिर की के हिर मा (वावर मा) हरी देर हिर की स्वा श्रीर: रहाय-भवः यानाश्रीलाकी वार्यनातानाश्रीलान्य। मेर यति हार दहार्यताम ह्यारेवः लर. अर. इ. जैर. कड. इ. र्डर इट. र्डर रेड. केंग्रिंग लंग्रिंग ख्रांच्या शु. च थ्रिंग रेव. तर. चश्ची. पर्याश्वर स्वाभित्या अर्थ स्वा (वर्ष) यर्द सं अर्थ वर्ष वर्ष वर्षे वर्ष टे.इम.विण.वर्जा हे.स्ट.को केट.जा.जा-वर्जिशाच. जा.कम.वे.सी.म.(अन्यरण)क्री. इट.दे.विवेशश्राम्यो। । किट.म.वर्जा चेत्रश्राम्य दे.स्ट.म.वर्जा चेत्राः विवक्तिःदन्तः क्षेत्रः क्षान्यादर्। केदवदेशलयद्दः दं यथुलायान्याः यया वाष्ट्रान्यन्तः यातर्व ।रे.स्ट.क्.स्ट.रे.परे.वर्गायटम्पर. अस.स्वराम् रे.स. दवाक् रद.रे.वावरा र्रेस्स्ट्रिट.त. में अथा की त्रा प्राप्त र नेटः प्राप्ति नेवा में या र के वा ने वर में वर में वर में वर में वर एकेट खुवानु या चुटाव। दे देट की कंवराक्षर द्वावाकी दे खेंग क्षा तरुवा । दे हैं दवा के दे। अद्देशतंत्रं में में में त्या ने के देश हैं में हैं के ते हैं वद्गाम्, के मुभाता होता, कुर्वमा आयाचामा नेहा। वार्षातावव प्रेचामा भारत मित्र हाता व अहर: व्यास्वर्क्ते वर्द्र र तर्वे दव्या र मिवाया वर्षा मारक्षे मारक विवाय वा दर् दिन वडगायस्यार् ख्रा ता विद्वा स्वार् सित्र से व्या तर्केट वस् र वाट द्वा देवा ने वा निवा अहरनेरा अरवनतर्रक्ष्यर्वाराम्भीका वहता मुंची मान्तराम्भरम् यशक्त्रात्मा र्ह्नाम् अर्ड्ड्ट्र्या स्ट्रिया के से व रेन्ट्र आट हीट दव यह ताह ताह ताह विगानियावमा देश्वातिमावक्तिम् स्टार्वरामात्रेर्दे वयात्रा क्रायात्रात्रात्रा गम्भात्मवात्रात्म्यात्रात्मवात्रात्मवात्रात्मवात्रात्मवात्र्याः देर्पर्यत्रात्मवात्मवात्मवात्मवात्मवात्मवात्मव

रिट. अक्था क्रेंचे आव दर शुर व बेंड के आरे इकड जूट अ केंद्र देव ए वर्ड र के वंश नाय वरे रे.म्र. व अपक्ष व, व अर. श्रेश्ट्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्य के न विषय । व के न म्यून व अपकार व के म्यून मृत्या मृत्या कर के म्यून मृत्या कर के मृत्या कर के म्यून मृत्या कर के म्यून मृत्या कर के म्यून मृत्या कर के म्यून मृत्या कर के मृ BEN'NI है त्यू अडुक्ट्रेट्टी । त्या है विदयात रगर ये हैं भी हैं है वह वाराजर वायव के हैं। वार्ष वार्ष में में के वार्ष के नियर भूया बी था राथा क्रिया एक्षा जा । रेगराजा काय क्रिक्य क्रिया क्रिया विवास क्रिय विवास क्रिय विवास क्रिय विवास क्रिय विवास र्देश्या ।ववास्त्राधिकेव रे मारी । रामस्याधिकिवास्त्रायः तदेवसा ।वासम्बद्धः वन हमाना हमाता क्षेत्र वर्षर वर्षर (महर्) । यो ने वा मानव तर्षेत्र स्वा धर स्वा वा वह्तार्धिर प्रेच ता कवारा तथी । पर्य प्र मिर ध्रीर किया देश (देश) वा श्रिष्टेश सद्वेश. कुवानमा किरालाशहरी । अमरेर पहला श्रेमापर माने । के पहला बीर देर कार्यें तराहै। डि.म.तियाक्षेत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्राहित्याक्षी ।वैवत्वीवास्यावाद्वारात्वी लिलाएक्षणान्तर्द्वानिवान्तर्द्वान्तर्द्वान्तर्वान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान् हैं अ. राष्ट्र केर एकता में अ. या हरी । लंड था के. मुच का पा अहरे . राम ही । रे. म. अहरीतिमार्थित हिस्स्ती । तियात्वर्णामायर्थितात्रीयराप्ता । विवासमाहरू लंग्राम्याख्रात्वा । अक्रार्थाया । अक्रार्थाया । अक्राय्याया । अर्थाया । अर्थाया । अर्थाया । कीलहारक अहमान। किन्छ शर्म देशकिर जार कार कार कार निर्धित है। मेट.युक्त.इर। ।यारे अन्तर्भित्रमध्येवकाष्ट्राच्यात्राच्या ।त्रीकास्त्रिरात्रात्तरात्र् क्रमा हिर्। हिरा हिराही श्रामहब्सा अधि (Toirt tagetter) व। रियाना क्रिका किराही व क्षित्र विकास के प्रमान के श्र दे. ख्रेंक्याता मुना (श्रे व्याप्ता) परे. य तेया । पाना भ्र पर्दे श्रे अवा पाना र हर परेंच ष.यह.स्ट.अय.चितर्याहै। ष्रि.पत्रवास्त्रियातस्याता। स्टिर्यास्याद्वाता रवर वर्षेर्दर। । इ.सीट.मे.याल्या.मे.वर्षेशदेश्रात्यातरः। रिन्त्रेशदेश्यात्यातरः। क्षार्यः) विक्रायम् दे विक्रायम् । विक्रायम् । विक्रायम् अद्यामाना विकाल वरमा विदेवादेशायरिअद्वाका हेर् के दाव । दर्व महीराद्व रायदा कारा कारा कारा मा चित्रकार्यात्यात्रकाताः क्षेत्रात्र हरा। विकारियात्र मियायात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्याः विश्वारमा कर्या हैया । रे.हिर.हिर.धर.था वरे (के.) वार्या । वार्य कर स्थार स्थार क्यार प्रह्मा विकारम्याव र रसर क्राय क्षा भाषत रद के में मार्च क्षा विदय

करायक्या (क्या) अहर वर्ष किराशर्य वर्ष वर्ष अर्थ के ब्रिंग्सर अहर अ

श्चर्रम्मनातकरवर्षेत्रम् द्रायद्रभेत्रहाराष्ट्रस्टरम् वस्वत्रम्भावत्रम् । विरः)। यवः

कुवारु समामा तार्यरार्थरका हिलाक्चियमार् केवालक्ष्य स्थिरायार्था अद्वास हित्या

ता.श.चर्रा.हुला । यो देश.चल आअव्वस्त्रेर.जा.उड्श.इर.ही। दुल.डी.दे.जैर.घटला।

11 किरालपुत्रियाताता अरवचपायहेपुत्राप्ते अविशेषिकेरे वन्त्रे व में पर्यक्षितालयाम् केरी रेपदास्य वर्षेत्रत्तप्र वाध्याद्वी वाहरत्ये स्वर्थन्य का भागायुर्द्रक्ताम् मुन्। । गुम्राम्बन्यानुस्यानुस्वायते केना ववदादे तद्ती दे तु प्रकारकार्या माराहे। या व्याप्तेवराष्ट्रिया प्रवेश के द्वारा वा वा निकार के वा व

मालक्षा हरा। विक्वायाये मार्विया याते हा तर मुद्दा का

रे श्रीशिष्टिर्ने से । वाषणकूरारहिरमान्येष्ट्रेयोगानायमा । कालावाराज्ये प्रका प्रकू के बार है. या रिनाम हैं महिने में देश हैं का निरं मा विद्या मार्थ मार्थ के प्रकृति मार्थ हैं म इंसर्डरश | वरवादरायम् देवा कामात्रवादम्भवमा । वर्तात्रका वर्तात्रका । यातरे लंदलीयामविश्वती । मेर्तार म्रेचे द्वारम् मेर्य में मेर्य में मेर्य मेर्य मेर्य मेर्य मेर्य मेर्य मेर्य मेर्य तप्रमावेश । अस्य क्रिया क्रिया वर्ष त्राता । क्रियह अस्य के वर्षा निर्देश क्रिया ग्रेमरार्म् क्षेत्रे स्वाविष्यर्गमा विष्यं में सेवाले द्वेश प्राविष्यं विष्यं विष्यं रेगमर्मर वर्षास्थ्रिक्त्रेराहरा विवादक्त्राकुत्वातवर्त्त्वराहरा । दारद्वाद्वरासून्यासून्या तक्रविक्तान्त्रम् व्यान्स्तिविद्या । देवत्वान्यावा देदवार् व वत्यात्वा अरुवायाध्यास्य वार्ष्या । अवस्य वाह्यार्व वाह्यार्व वाह्याया । विस्थायायास्य वि अस्याद्वा दिल्या द्वाक्ष्यक्त्र कर कर हिर हर हुन की स्थान के स्था रम्प्यम्यं तर् । हिर्प्वहर् कृत्यं के म्याते वार्या तर् । वम्या प्रमानिका क्रिक्षरः परी कि. मुश्रिवाली प्राचान के सार्चा । दानदा होदा सारी करा के के दान होता । हिंदा बीदवारिया इसम् हे वस्तर्र । किया वर्गाय वर्गाय वर्गाय वर्गाय हे दर दे परिवर्गा वर्गाय पर्मा इ.रेका प्रस्थादम् स्थिति के प्रस्रेरमेवला । अ.राज्य श्रुवालियात्त्र रेया रेक्य रेक्ट्र वियामान्त्रवाराष्ट्रीट या अरापाटरी वित्र वाम्यव्याया अत्रवायाना स्वास्त्री रिट्सीर एक्सरा (अक्सरा) राष्ट्रिय यात्री विकाणार्या राष्ट्रायां के राष्ट्रया विकास हुन वा इर व बोबावाक्या नेदा । जिंदर देवा मूर या श्री दावा वर्ष ते विद हे. देवा वर्ष देवे के द र.अधेम) किर्अर्वेदिशंदार्थाया क्षित्रक्षेत्राता क्षित्रक्षेत्र । विष्ठिशंद्र विष्ठेत्रा त्वावारात्वात्री किर.ज्यकारपृथ् के श्रेजीविर.रहा । श्रीरार्ग्यत्ये वर्षेत्र. वर्षेत्र

भवविष्या भवविष्या

वक्ष्यं विश्व । क्ष्रिमयारवद्येयात्रात्राचारे व्यवतात्रात्रा । एत्त्रात्व व्यवतात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा चुला १२.६.अ.इ.१८. तर्मेनवयाचेला चिटारिए महायाद्वरहिला कूर. रेडा किंद्रमुर्वेच बिकान्त्र केवल कार्य । विकार अराजर वर्षर की तिल बिका विकार विकार किया र्ट्राया क्रियामायात्वरकात्रायात् । म्रायामायते वित्रायात्राया चूर्र र अग्र हिंदा तीया एक ए वर्ष हैया । बि. य विपाद दय क्राइवश्य कुर् कुर . या। विद्व कि वार्षेत्र लग्द्रवा निवर्द्रियायाया । त्यार्द्रद्रात्रायदे देलाल्या । किवर्द्रद्रात्यायदा र्भायत्मित्रवाद्रभावत्रम् द्रभाष्ट्रभावत् । वातिर द्रिष्ठवा म्यान्या प्रदेशकार । क्रिया क्रूरेट्व (कर्रकारकर वर्षका प्रकार कार्य क्रियं के किर्म क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं क्रियं के क् म् वर्गाणवर्षः ब्र्वाः हे वर्षः लिलालाकुलाकुरी । देशरालाकिराजातकप्रमेवलाकी। मिक्रियालाक्ष्येराकोर्ट्याल रा.पर् अर्डेअ.ता.श्रिकीराज्येश विविद्य बदा इर. राष्ट्र कर्मेर रूरी विद्यानित वर्षा नार्थे इक्स्यान्ता अक्रियन क्रियम्बयावया विषट्स्य हरित हेवा सार्ष्य बिरारामान्य केर राजान्य द्वापात्र। । नामान्य के नामेशात्रवा नामान्य (क्रांट) वर्षक् न्यर प्रदेश प्रदेश मात्र । । यह सामा देश विषा केरा दा पर्या । के के पर्य केर वर्ष वर्गास्त्रवाराश्वा । यत्विद्यतिमाह्यायान्यकर्त्विवया । द्ये यञ्चलक्ष श्ची वार्वाश देवारा पर्या विद्र (वार्ट्ट) वर्ण के की वर्र श्वीता विद्र शिला विद्र ता गुर्वा द्वारि ख्रिंशक्ष्या वार्द्र। वि:दव:यरि:वाइवायवां रहिंथकि:वर्ष) द्ये:विद्वी:दवा ह्यां वस्त्राच्या । प्रतिता सदा स्वा स्वा हर (पहर)के। क्रिर्ट तास्व विवा इस्युंसर्द् विक्तास्त्र विक्तार्तित्या वित्र प्रमास्त्र वार्ष्ट्य विक्तास्त्र वलम्युं महत्र महत्र । । मात्रेर न महामन् न नामा विराहकर। । १मे रहता रगम्भेष्मराख्यायात्रा विभवातकम्बर्धराख्यारादेवसवाधावी कितरेवा गुन्क वर्षेद्रुद्व वर् । या वर्ष (अवत) अहा वा न्या वर्ष द्वा वर्ष यरक्रां में रायरि व ववायिव। विदे वाहर ये रायरि केर तिक्रां विद्राता । के तिरे ता त्या कर चारेशारविशे | रे.डिर.ज.विरामालुव.हे | किंद्रमेंद.हिंगावे.एडेर.श्राम्पा । इंक्से प्रवास्याञ्चल। देला चरहरश्चारे स्ट्रेस्स्टल। विवादिता । बीटामरेश्राम् हर्तातारम्बयवाद्याति म्याद्रिक्षात्रम् । व्यवने व्यव्यान्याम् । व्यवने व्यव्यान्या श्चिद्विर्वित्रित्रित्रित्राम्यद्वामधीः सद्त्र्यः अटाडी (ह) ड्रिश्चिद्यः मृतित्वाम् एत्या स्यामका

"चिष्या मू.म.य वर्ष्ट्रमान (कुण) स.च प्रत्रे मेर किर अला चारीरणता हैर. कुड़र खुर रेश जवा है अरेता किंद से क्रें अर अर अर अर अर के वास के ताता सेर के नवा. केणाज्ञ चर.रे. क्रे.जूब.बर.याजेश वंशवावरकुन्वराक्षर्यकार्वर द्वीरारं र.सीरारं स्थानर चर्या व (वर्णानेशव) । अर्वेषं अतिराभावेशास्त्रद्वा अत्याद्वा अत्याद्वा अत्याद्वा वाद्वा वाद्व वाद्वा वाद्व वाद्वा लवा ीचर्च इसालम हिंदियुट अरेंचे अ. छ. म्य वी. वर् हेर सर स्था इ। क्रिया हे सुरा हो। हो इ हा सामा तीर तो में सामा तीर रेड मा कर बार्टर सावर जा है। । या बाब का पर्वीत बाब की राज्या । बीतर या तर्मा स्वीत की राज्या । बीतर या तर्मा स्वीत की राज्या । बीतर या पर्वा स्वीत स म्बर्स्य ने व्या । वार्व र्यं स्वक्र ने का स्वर्ध स्वरं का स्वरं वार्य । विद्या का स्वरं का स्वरं वार्य । वार्व र्यं स्वरं वार्य र वार्य । वार्व र वार्य र वार्य र वार्य वार्य र वार्य वार्य वार्य र वार्य वार वार्य र.धुरेशमाधाकाता.धुर.धु.धता । अरेप.कुरामास्त्राकातवदास्त्रम् । च्येयेलाक्ष्यमाने च्यालाचा प्रदूरहे तिस्द्रहेयां म्यूचरा क्रियालाचा चेदारा विस्तेरी विशिष्ट मेलानप्रस्य। किरग्रेन के.जबेबायर्श्वाराष्ट्रमा विभवर्ट किराशस्य में यान्यानी विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्यात्री विभवर्षियात्रीया र्यूरणज्ञियात्रेयात्रेयात्रेयाय्येयाया दिर्ध्येटानाक्रियात्रेराणायही किर्णु सेयाण पत्राचित्रकी विरामप्राप्ताचिक्की विवाध्यानिष्ठित्रकात्रा विराम यानारक्षणन्त्र्वी रियातास्त्रेवश्वातातात्वी विद्वप्रह्मार्थन्त्राची किर्या. क्राक्त मेवश्राहर। । रिवाल से निया न मेर जा मार मेर जा हो न क्रा ही टक्स की वरे हैं या जा लर.पा.ख्या.पर्र.भुड्र.जहा विम्यायांब्र.क्र्याम् मेणाता द्रियामिकालद्वप्रदेव. श्रेरी किंद्रधिरमध्येत्राजारक्त्री रिवरे किंद्रप्राप्तिक्त्रा हिमा दिवस्व विदेश क्रिस्या(हेरमह्य)क्री क्रिस्सेट.श्रूषकार्यराशक्री रिअस.ध्रमास्यात्रीराश्रूमात्रा गड्याना बैद्रकेश एवं वाक्राक्षा । बरेंचे अध्यामक्य किर्तिर था। बी वार्य तर में वह केवता अन्त्रा कियात्राक्षेत्राह्म स्वराह्म स्वराह्म क्षेत्रा विद्या (राह्म क्षेत्रा) में स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म केवगारदाशदास्त्र ही (वरेर) केव गाइरी । शुना शिवा सेरामा गीमा । वनामावतमहा पास्त्री (अग्रभ) दुःकेवरम वित्रदर्भक्षेत्रा द्वान्यम्याःकी वास्या । रूप्यातः वर्ते स्वर्भः (अध्या)क्रिया.इर। । याता.रट.ह.२.मेनुसा.(मूर्यान्येता.) यातिशा । रशव.स.मूप् जियातात्राध्या केवपान्त्री रिन्दर्द्वरद्वरत्वरा(पर्वण) वाता श्रिमाध्यमा श्रीदरद्वरा स्थानिद्र। सामिता (स्ता) व बर यते अहुक अस्ता का केवरा हेरे। विवेद विवेद र तृश्वेद त्या विकास विष जर्भेर हर जन्मा । अलवा जन हरा हर हर हर हर । अलवा क्या मार्थि है सेवा । लका अ अक्षा देवाया (वर्ष रक्षण) वाद्य : लूद । । आ एक अ वर्षेत्र आ (अर्थ अ) प्रेक्टी में ता

WE!

प्रचारकारा एक्ट्राच एक्ट्र शंकारा राम्यारा (अलक) म्वरा रेश्वा । राजन में श्राम्य में स्वादा श्राम्य अस्ता । विस्ता । वि

यातिनान्तर्तान्तर्यं यात्रानर् विकार् योत्रदेश्य विकास करिया विकास

दे ।स्यात्र हेर् ही। ह्या दे नारवाया स्राप्त प्रत्यायायया स इ.इ.कावण वर्चे रेगरंभूधक्ता विदेशवायूक्तवक्त्रक्तायाका में देंद्या विवर्धे यित्राम्बद्धी त् वंद्रवया । व्यायाद्याक्यायावत्यक्त्यावाद्यायाच्यावत्या में में मार्गरे की गया पर पर्वका । पर किए वर वास्व वास्व वि अपाम प्राथन (8.क. प्रेंस) 18. श्रेंस न्यू के प्राप्त के यारेशास्त्र से त्या गुरा ता श हिंद्र है। किया भागाने भाने वर्षा ता भा विद् सिद्र द्या भव प्रअभित्यम् वर्ष्या । व्यक्ष्यम् वर्ष्या वर्ष्यम् मिन्या वर्ष्यम् । वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् यात्रहरते। जिल्लाच्या जनार्ये त्येर वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर् विश्व क्षित्र (देवा) भावान्त्र वे त्या । विश्व द्वारा भावे (भवता) क्षेत्र । वे वार देति द्वारा (भवता) यान्त्रिरम्भत्र। । र्यायम् अक्ष्याः भेरक्षात्रा । वायायान्त्रवास्त्राक्षाः क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां नाम्यानम् नाम्यान्यान्यान्यान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्राम्यान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त् हिलाग्रहावत्। दिल्येक्ट्राक्षेत्राक्षहणस्य न्त्रा । विष्ट्रिक्षेत्राक्ष्यातान्त्रातान्त्रातान्त्रातान्त्रातान र्भव। भिर्ने त्यात्वराव (वर्षावर्ष) श्री भवा चरा वर्षे (वर्षे) भवा चर्रा (वर्षे भाषां वर्षे वर्षे भाषां वर्षे करा विश्वामणक्षित्वार्यन्त्रित्वार्यन्त्रित्वार्यात्वार्यः विश्वत्यात्मार्वित्रे वहत्वत्यात्मार्विते वहत्वत्यात्मार्वेते म्यात्रकाराक्ति मार्चिता दित्वीरामाधारेरवर्ग्या विद्वारमाधार्म्य या श्रु विराधकार्यद्वम्यायात्त्र विद्यायुर्वे विद्यायुर्वे विद्यायुर्वे बुद्रकेण द्रापु र बेद्रक्ष्य अ.च.प.मूद्र। किया में च.कद्र स्था मध्य प्रवित क्षेत्र मध्य

् दिर्श्वरायदेशत्र हर्र्येण स्रा । है नाश्यापरेशासी लाद्य असा । रार्थर्थरेया लर् एक सम् । वर्ष स्त्रीय के स्त्री । यार स्वास्त्र के ने ए वर्ष कर स्वास्त्र । के नियम वर्ष । वर्ष महत्र हर् कुर् (ब्रह्म) री । अन्तर्भार्य वर्षे वार्षि वर्षे वार्षिता । वर्षे वार्षिता । वर्षे वार्षिता । वर्षे वार्षिता । मालकार्यास्थार्यास्य विषयर्भार्यस्य विषयर्भायावनिषयम्। विर्मेराष्ट्ररमास्यायरास्य विद् पदी रिवर्श्यारिकदेवाता(परेवका)भीदिवा को दी विषयानार वर के वा दिवा) राष्ट्र पारे प्रदेश देश विकार्विद्धारायकारायिववायावितारहता । त्यारे हवाया (यर) सुद्धारा विकार्षा । र्वेश्वर्वित्वर्ताक्षेत्रम्वविवारात्मवद्या ।देलद्रक्षित्वरावाद्ववरात्मवद्वर। ।वक्षा यान्य स्तित्त्रीट वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर सेवसायवेतावयुः हेकद्रायाया । सिवायक्यां रदः रदक्षरायाया ॥ गुम्ब (म्ब) तकेर द्वारा द्वारा द्वारा त्वार वा त्वार वा द्वार वा द्वार वा द्वार वा द्वार वा द्वार वा । गुं अर्थ तार तर्वता कर्ने अर यर वर्षेत्। विर तर् वराम तर के पेश रें आस हर कर वर्ष्या व्यानारीयाच्यातर्वात्रात्रहेत्यात्रहेत्यात्राहेत्यात् व्यानायात्रात्रा विश्वद्यात्रे (वर्ष) वस्रवाया । विवासिय वर्षे वर्षे वर्षे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र क्ष विर्धिद्रअधिवादेशक्षेत्रके केंद्रला । विर्धित्यर्भित्यर्भित्यर्भित्य बिराम्याम् । दिस्मिन्यति द्वात्मम्यात्रे । द्वाद्यामस्यात्र्यात्रम् रस्यात्र्येयात्रा ब्रिस्टर्स्नाइस्थान्त्रेन्थाता। निर्द्धाः देव विका देव विकानी विचर्मात् वाद्यायात्रे वाद्यात् वाद्यायात्र हिला किर्डिश किर श्रुक्तिर किर श्रुक्ति किर श्रुक्तिर के प्राप्ते विर श्रुक्ति किर श्रुक्ति के प्राप्ति के प्राप्त (नग्नडिटके.क्रिनेशकर) किर्दर्शकारी किर्दर्शकानिका केरमाउदे क्रा । चित्र(वित्र) रदस्यिक क्रिका पर् हुमा विदयत्र द्राह्म केवरापर हुमा हिंद ह्रीर कर्र भारति कर हिमासह दी विस्तर हिंदी ल्यु (वर्षेत्रव्यु) क्रेंचका प्रचा हैर जा विचा कर वरा हर वा में मानवा माता (में) मार्च । प्रच्या रिट्यु प्रेर्टिण वसा विवास्त्रेत्वरा मिट्या म्याया कर्ता कार्त्रेत विवासिका क्रिया विवासिक्त (राद्रग्रास्ति वाक्षेत्र त्रक्षा वार्त् वाक्षा वार्त् वाक्षा वार्त्य वार्ष्य वाक्ष्य वाक्ष्य वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्य वार वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्य वार्य वार्ष वार्य वार्य वार वित्रवेद्ये विकासार्वन में दर्भा हेरी विष्ठाश्चित्र में प्रतिकारात्वीय वर्ष्ट्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ष (बाराक् के पुना के मा। । वाववः महाक्षेत्रवा दावश्वावित्रा मार्थके पात्राहत्वा वर्गा रिटाराष्ट्रपा. सेंबे. के. के बाका का नहें नह मा अरेबे आ ला बे ही दे वा चा चा चा चा चा है. (ज्यान में आ बेवा तप थ्या थवा की इं जिस श्री कार ब्रांका र ब्रांच्या हुट श्री वा प्रांच निर्देश मा अविद्यं विवा है वा वा विद्या वा (यूरा अर. मूर्याम् मानिद् में वर्षे मान्ये र वर्षे द्या प्रदेश हैं के वापात के कुरा वा स्वाम उरें अ. (परें अ.स.) हार्येग तथा आर्थ न सेर इरें १ इर सिंद सिंद सिंद मिर सिं इ खोदाहिस्देश्या की। इ निर्हेश्यामार्थियात्रात्री । श्रुवर्वादगर्भते हैं। चर्राख्यांत्र दहा । हैं देशकेश देवारा वे कि) अखराय क्री की नामकर विमाने हैं हैं को राज्या

「大きない」

हर। विशेशक्षेत्रकार्यक्षित्रक्षित्

(ग्रेंग)शरायाताता । भ्र.यावयक्ताताहिरा.भाषाकृता.विदा । विदेशन.विदाना.क्याकृत किर्क, हिर्गद्वन्त्रमाशिभक्ति। । शर्मा. एह्र्य. दार्श्विक्चिता.तायाज्ञर। । किर्द्धः प्रिय्यापार दूरा. जयात्रादा । त्रीताक्षेट.भु. के.शर्थात्रादा । विश्वयत्त्रदेश द्वाप्तायात्रम् । विश्वयद्विद्यायाय्या

देहरकी अध्यादाराता किर बीर शुक्त लाइ बेट हार है। । र किर अध्ये अव प्राप्त है अव अधि । । वा प्रेश वा प्राप्त है वा प्राप्त है । वा प्रेश वा प्राप्त वा प्राप्त है । वा प्राप्त व

यार्था । भारा दे या (वहेंस) शिया मेट मिरासिया । भारत प्रत्या से से वी वा दार्टा । भारत

चर्छ। जिस्त्रेर्द्रम् स्वरायक्ष्या महर्षास्य विद्याद्वी । यह स्वरायक्ष्याय द्वा । यह मान्येर्द्रम् स्वर्धिया

याच्या वित्र वित्र

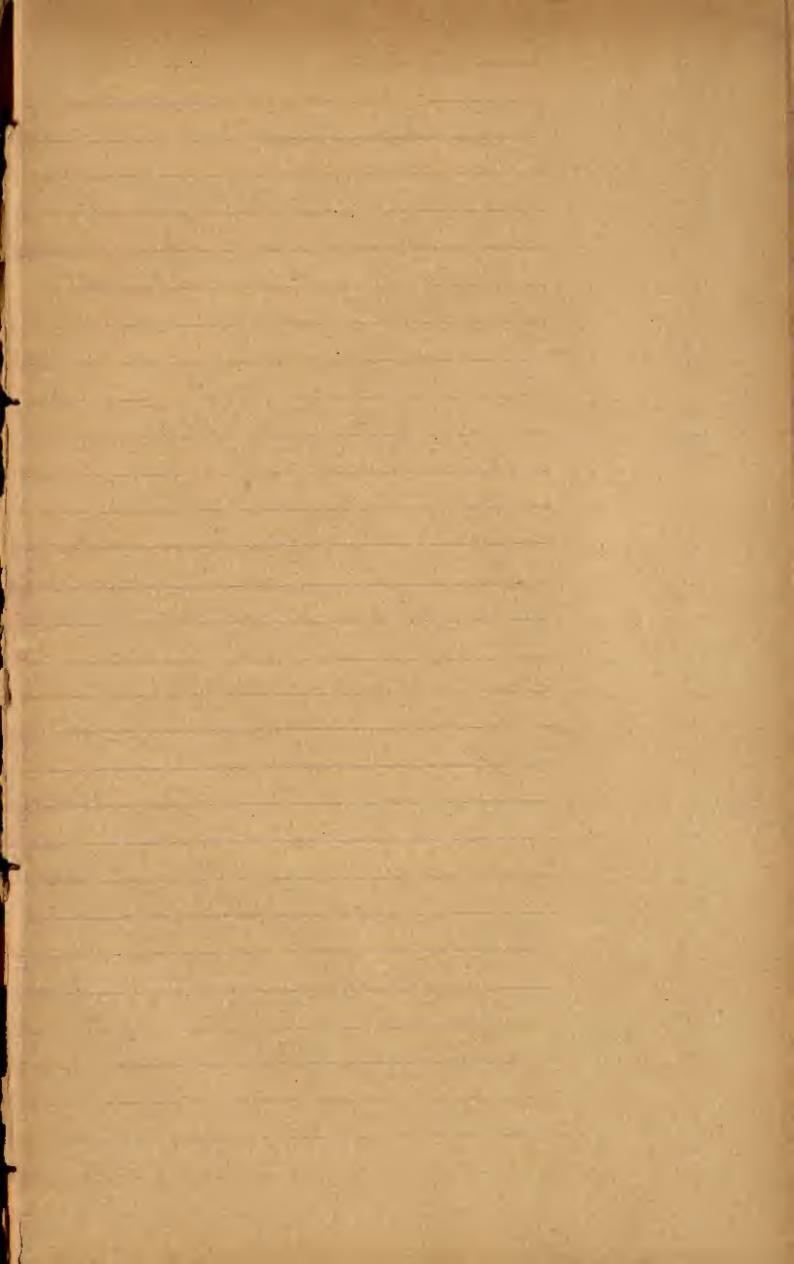
वादार सरिवान्ववार रस्व शिर द्वा वादिया । त्या रखे दे सरिक्ष वादिवा विदेश

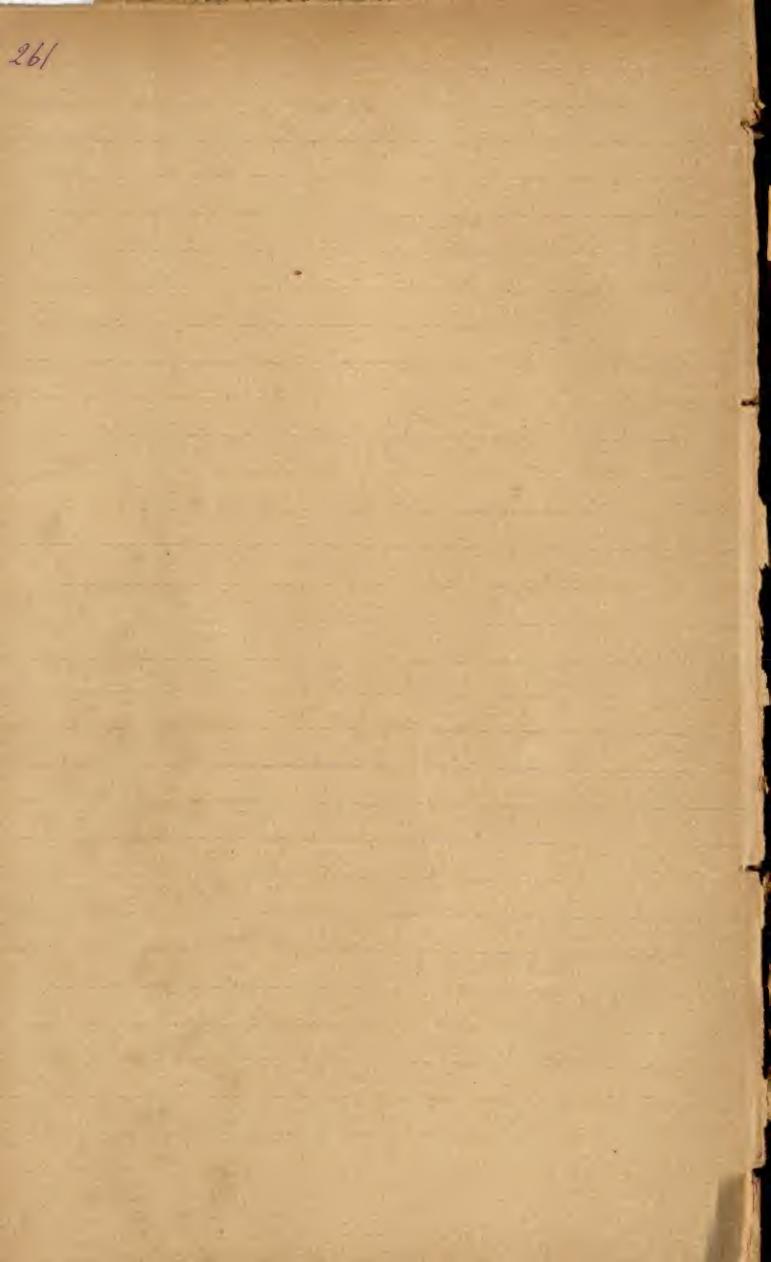
क्तिकाराद्दा विराष्ट्र रूट्यूव क्षेत्र क्षेत्र । । प्रवाविक्षेत्र का विराधित के विषय । दे देर है।

में अश्यामेश | द्रम्ह में असे मन्त्रमा ।द्रम्द्रवेद्यं के मत्रवावावम् । त्रम्यदेवः

न रहेरी

华平河

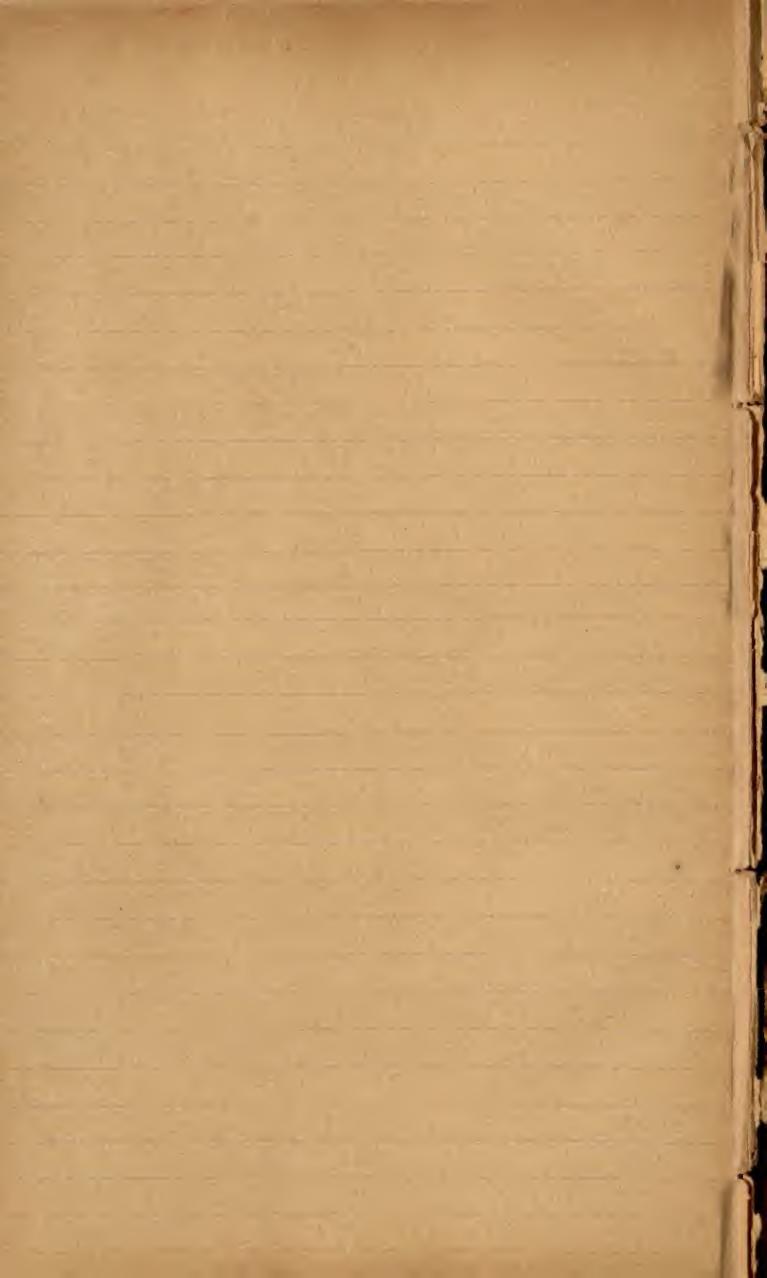




॥हिट्युर.प्रदेशअसूर्याविश्रास्त्री।

12

I



श्चरायाम् कार्याक्ति कार्यहरका विम्निक्ति कार्याच्याम् विम्निक्ति क. वर्षेट्या, मिट्या) मधु प्रभागा (म) रेटवर्ड्या केटन्या अवरवाता | रू.जेर्-किर्यावावीर् नातिर शह का वर्षा करें वरा करें वरा के वर्षा करें वर्षे करें वर्षे करें वर्षे करें वर्षे करें वर्षे करें वर्षे करें र ज्युरमा(अर्द्धरमा)चीर या देशमा पर पर पर की है ता की वा में दि है ते वा के वा मारि हैं है। हिंद सार्याम्याण्या म्याराक्ष्याक्ष्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान र्वेद्रभाष्ट्रभारतः रद्ये हे. पाष्ट्रवाशास्त्र दे किया मृत्ये दे किया माना है न स्थित की स्र १ वर देश र वच ए दर से कार्य की दर की दर ता या लगा की या हुदा। शिट ता स्थापास्थापास्थित हैंग क्रद्रमानुकाक्षित्रद्रम् अर्वात्रद्रम् अर्वात्रिक्षाः वाहिकाक्षित्रका व्यव्यान्त्रम् वाद्रभावत्रम् वाद्रभावत्र क्षा क्रियाने हरा व क्रिया इर.न्यु.पहेका. १.८वाए.त. त्राजातातातीर्द्याता । प्रायद्यत्यत्य व्यवत्यक्ष्टातास्त्रद्रितः वर्ष्त्रभामाम्यक्त्रियाद्या १.नद्यम्यत्रतः गुर्म्यत्रयात्यायः यद्यासायदा तर् हर्त्वा वाहर्त्त्य थर्म् के यर्भर रात्रियायती तहर् वर्ष्मरहर्य प्राञ्च दर:रेबापा(र्व) तपा पर्वेवर्व्या सपी श्रेटक बादविया मान्या वरावा या मार्टित क्यां वे ने अवाराक देवारा कार्यमें में कार कार कर कार कर देवार कर देवार कर है । यास्टरात्तरं वर्षातरं त्वा कितास्वा करास्वा स्थान स्था बिटायुटा रेपुरेवायाक्ष्यक्षियाके ततावायात्रात्यायायायात्रा पर्या राज्यायाया अन्त्रान्यस्य देश हिरदेशवाया विद्वेषण पक्षेत्र देश प्रदेशका वर्षा वर्षा वर्षा प्रभरक्षित्र देश्व। विवानुन अवाराय ह्या स्वार्यन। स्वार्यन स्वार्यन स्वार्यन स्वार्यन णाः इति देवा हीत् तवराव वर्षवाका रात्रे वाव वात्राववा क्षेत्राह्म द्राह्म द्राह्म वात्रावक्षा मै.चर्नेश्चर्येदः। क्षेत्रभाराषिपर्वेद्येष्ट्रयः प्रहिपादारं वाषि नवेदशः दे वदेव। रिपात्ते क्षेत्र्यः दर्भात्रा दे वहनामा दे देर राज्यारदायायाम् इता विना छेद छेर। दर राज्या शुट्रवाम् क्रियारास्य ने वारास्य देन स्ट्रवर्ग सिट्य स्थानिय क्रियाम्य स्थान व् बेट्यु से यो अट मेट्सु देववारामयता विवा सिवास् रहिटा से बारार वेबारार वेबाराय मुन

माणवा सेना द्यार वर्द स्थार की देश निवा सर अवला सुनास है ही दर स्थानी त्वास है.

श्रीयःश्रद्धः श्री (यद् भ्रिम् श्रीटका सम् वर्षाः (यद्षः) क्रांस हमेर है। है। है अध्याम हिंब नावशह रियार है। विरास हिंब वर्ष है। यर्भाष्ट्रवाराक्षेत्रवाराक्षित्। सिर्मे देवात्रे स्वायक्षेत्र । अष्ट्रवायक्षेत्र । अष्ट्रवायक्षेत्रवात्रेयात्र सहूरी किथलाई विष्यायहर्षात्रहरी शि.मीर.मुर.नाथ.बिर.नापरी शि.रेन.रेन.वपु.प्राथ एकार.पा. (पारेशपा) का.विद्र.(गर्थर) हैं का.शुर्क स्रेट.क. वसेने । अरा कूष्रां शुक्के वी.वि.वि.क. क्ष्यर्त्यक्ष्रभाषास्त्र स्मित्या । में स्थाना हैना वस्ति। । में स्थाना हैने क्या का यात्रेयसामा मात्र्यसाच द्राया सम्बन्धा माराया । इरारवा व सम्बन्धा त्या ल्या । रादरर र अपनेताय। । इ.श्रुर अव यति अवर द्वीवता । विवाववायका में त्र इर्ल्य्यावर्गा किवरात्र्यात्रात्रवात्रात्रवा विद्याद्रात्रद्रात्रद्र्यात्र्या । व्यवक्ष उवाराष्ट्र (रबर) रायरा । प्रवाराय (अवार्ष्य) के से खेवारायया । अवारायवादक हे दूर Panghing चर्दरात। । प्रकुन्द्रक्षियाराष्ट्रवयादान्त्र । वि.इ.साम्भाक्तियादाद्र्या । दल्लाचप्रमास्य place. रिक्रायात्मान् मार्गायात्मान । या श्रीवातात्मान निर्देशने क्षेत्र मेर्गायता सर्वे मेर्गायता सर सरकर सेव (वरेक) नए दनए अर्वास्त्र । इंका स्वरंत्र सर्मार ता । हर में दे अर में सर दर हैं व श्चरम् अर्थात्रित्यात्रात्रा । श्विद्यात्रेत्रात्यस्य वर्ष्ट्रात्रा । रे देर् हे अर्थ अर्द्ध्यात्रा न्द्ररायक्षेत्र (वक्ष)वर्षेत्र (व्ह्र) पानक्ष) श्रीट वस्ति (हि.से.) श्री व व श्रीवासी (रूट नेवासी) द्वाम् अववन । विश्वरावार्दाया विश्वरायार्वे । द्वाराया थिया सुदार विदार । विश्वराधिया क्.के.ला क्रिक्ट, लुवंब-क्रक्तावा दि.के.क्रद्वव्लानक्य वि.प्रवेश क्रद्व यहरास्य । दिवातिवार्यप्रयार्वार्यप्रया । श्रिक्त्यर्वात्या । व्यक्तर्वाता । व्यक्तर्वात्या स्रार्थः ल्ट्राच्यर्थार्थे । विवायरल्यर्थावयात हिवाया । हे का ल्ट्राच्या । हिर्द्रेय न्तर्वत्तरक्षर्म। १८.के.क.क्र्रक्ष्यक्षत्त्व । श्वातिक्रदःन्तर्व । क्रारक्ष उद्यक्तान्त्र वर् न्यूरा क्रिट्रवाचा कान्द्र (राज्य) कान्या क्रिया क्रिया वर्षे रावक्रिया क्रिया या कारा देंडिया किट के पार्च के देश प्रवृद्धित वसका है। वामा प्रविद्या के वेश प्रकृद का दे यात्रभादसीयकारकीर,रेर.भागमा । क्य. बार्टर.क्रीरंश्चेशकारेबा.का । व्रमेशकारीकारकार वालाजा विका अवेद (उद्दर) रेनाउत् र र ही जा विकलरेशर कर है जा है। श्रात्रकास्वार्यते वार्यते दर्भाता । स्वाराद्दे क्वायते विद्याते विद्यात् स्वारायाः र्वेचरात्राक्षा विश्वर देशवात्तिव से विश्वराचनरा । श्रेष्ट्रशायहेबारात्तात्त्रार देशवारी रमण्यूर्वार्ति ह्वाता-पूर्व विक्वित्वयाता है बिक्या अवी वि देवारा दूर मुक्ता वरालरी पिष्ठवासालर्बर केसूब रि.श्रुवाखवाक्रिररियेचारुरालवा रिवर्श्वयाता. क्र वासार्थाया । या तक्र सम्मिन के वा मिन दवा हिर्। डेसा हेर ही अवातस्य सर्यःसर् तरता र्यात्वा कुराता दर्भा कुराया दर्भा के विष्टुराय कुराय के विष्टुराय कुराय कुराय कुराय कुराय कुराय

हर हर दवन हरतम् त्या त्या त्या प्रमाण्यार न्दा रित निवान को तर्म द्रा रित निवान को तर्म द्रा रित निवान को तर्म

वलका तप्रकारवा वा केवा स्त्रेर से बर स्था सम्बन्धि (व इका) की सर तर त बना व कवा व सक्स नरं वर्ष् (बर्षः) रेर.केवःअलाक्षं व वामपार्धित्यार्रतपायर्थः वर्षाः वर्षेतावर्षाः क्रि.पाता सम्ति वास्त्वाद्या वा वेवारा (वडवाया) द्रान्द्राप्तर देवाता ता ता वा वार स्वतं क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र नदीर अध्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्रास्त्रा (दरस्या गल्यते) द्वरासाय गायते स्वरा (स) स्वेत त्वरा त्यासा न्तर्भेद्रः। दश्चित्रवन्त्रिणदावक्रिद्दिद्दात्रव्याक्ष्यां कृत्रदार्श्वात्रां वादर्त्तावे द्वादात्वा क्षेत्र यमः ८८ वधः ८८ वधः में में वा वा यह था से देर वा देर वा वा वा सह स्थान वा की दा वे वा वह ते से वा वा

र्यु बार्ट जुन देर अर्थ केट हुआ के स्था की कह सेर बटला हु। म् अन्देर् है। भे व शक्ता में इं शक्ति या में हैं दे दे दे दे दे राज राजिया विकास दे से दे से दे राज दे दे हैं न्तरका वर्षेत्। । द्यायवीवायाका करा व दावमया पा प्रवीवाया । त्या द्याप्यति व्याप्य प्रमाध्या |देवपार्थनेदरक्षितारार्ड्।हरी क्षित्रदाक्षिते क्षित्रक्षेत्रहे । दिलपारदेदावा वया शहरा | इम्पर्वा महत्त्व क्रिक्ट क्रिक मिला हो । पह वाता पर्देश का वाम होता वा क्षेत्र होता । यारेशाल्यास्तरेता । कार्यकालारकरात्रा कार्यकाला वार्षात्या कार्यात्रा । विश्व प्राचिति हें विश्व रद्यी अर्वा रेशियर। विषयेष्ये तथा कदात्र प्रायोदी । रद्ये वाया रेशियर विषये विषये । रमायप्रदेशम्हर्गालयाः । वार्षेत्राभवास्याः प्रथान्य । वार्षेत्राभवास्य । विद्यदेशदेशः वर्षर श्री किरलेल सरमा वर्षेत्र (अवरात) रात्री किरले रात्र के प्रत्या वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षे वयर अध्याक्त प्रयाण हिंदा । वालाग में रेशवी ही आदा ही जा । हिंस के रेशव में योग में भेटमराज्यारे । हारे का किरायार का प्राप्त । किरायार खेरा की की से से किरायार की की की की की की की क्याक्रिया अवरवा एक्षा वर मेरा (वस्ते) विश्व विश्व हर सेवा हरे सेवा हरे महा द्वासद्यत्य वास्त्रकार्या वाद्या वाद्या । वाद्या वाद्या निर्मेश्वर वाद्या । विष्णे व्य याकाम् मुख्या । दिवास्त्रका स्मितुःकालाकालाद्या । द्यवातीर द्यवाकाम् मिना विरादर । विरा त्रेश देश हुन वह मा विदः एक मारीयाता हु आह्य देश हुन के पाय हुन । द्यार्दर्। क्रि.हीराजवयासीक्षातालवा क्रिये.क्रेश्चूर्ररेय तिववता क्रिर्दर, नक्रेट्रे. विचारा हिर (हिर) । रि. देश क्रेड्रिश श्रुव्या रिट्या होर प्रिया । र्रेट्रद्रथात्मात्मेर्मिया। विस्वार्यापाववावता ववतात्मेत्रा । त्यवाविष्यर्रात्मार्यः दर्धरा । एकुन्नरकान्त्रिक्षानमान्द्र। । क्षेत्राकार्यकान्द्र। । इर्क्ष्यरमा में इ.बाह्या, माझराडे। । एक्रेर तार्राचीया थ्रापा लागा । एक्रेर दे क्षेत्रा खनासायान्त्रीय। विवात्ताक्ष्यम्। खनारात्याः भव। दि हरकी अध्यद्दरः (अदूरः) वारः ता हर दिया को अवाद अति का विषा के श्री (कार्य हैं) के बुर (क्षेत्र) हव सुर व) । या दे मा हिश्र ही (श्रेर) पर्वा भारते (रेर) । हिर भारवा न व व व व ले के हिला क्या

नार देवा (वेक) ग्रेर व। शिरहे स्वातदुराधारे सुद्द हु त्वा । दस्वक्रीया तद्वति विवता उर्वेश्हर। । अर्रायम्भन्यम् स्वायास्य स्वायाः । अर्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः पष्ट्रवः (अष्ट्रवर्षः) भागक्षेत्रं विद्यायास्य करा। विष्ट्रविद्यारा (अष्ट्रवार्गः) व स्वरायाः १वः 11 16W डेल हेर्डिस अद्रत्यु अह्र न रास्यादु राषे थीदुरा खरीं दिन्देशम्पतिकार्य हेत्या है। (सेराम्हि) हे रहेता पूर एकम् निवासार स्वर्धिया सारा भी क्षेयान् किथानि, दे केथान् जयाना जार्य निर्धा क्षेत्र कुट इस्त्र हैं अर्प हि (गर्हें) जाया सम्ब्रहा है अम्ब्र सम् । अर्प केर अर्प प्रमेश इर.प्ट्अ.हट.व.पत्रका.हे.पक्रद्यात्रमा । यू.म.मेंद्रका(रवेरका) यामकाल प्रमेर अर्थार् वर्वास्ट्रा अर्थः इत्राक्ति वर्षात्वा क्रान्य (रहरका)यालयात्राम् डेम.रे.अरेप.रे.चर्चयात्र्या पक्रक्टिका क्षेत्रामाक्र यत्रश्क्षित्रभाष्ट्रम्। म्याम्यद्वेस्यात्रभाद्वः भाषाद्वेस्यात्रभाद्वः। यन्त्रभाव्याः विद्रः। वद्याः विद्रः। वद्याः वद्या ने ग्रा (ब्या) गर। विश्वासा यदायदा विद्या श्रेट्रा यस हैन के देन सु । हरना हैन क्षेत्रहरारिर की यम्बा केर राज्य सुरहा । श्रीर द्यार वहुद स्मरा एक सम्द्राया अवारार्द्रेशाराक्तरास्त्रम् अराष्ट्रवर्षावता वाक्रवारह्ट्युवावन्तर। वस्त्रम् राष्ट्रवर इ. ज. शूर. म. लुब. तथा. रेना ए। व. इ. श. हू थे. हैं लू द परेंगे। इरें 9 द रेट रेंग ए. कूर. रेट केंग भाविश परे.हरी कैपाम साम्मकी देर हिन मेर परे हिना की विपा के से बा बाद बा कर करें हर्रदर्भावाद्यायात्राचात्राच्यायात्राच्यायात्राच्यायात्राच्यायात्राच्यायात्राच्या भिन्द्र हेन एक हे हैं त्या के हैं के का कर कर के लिए हैं के का के हैं के का के हैं के का कर हैं के र्ग्युक्तिम् भी मान्या विद्यात्र मान्या करात्र मान्या मान् र्शित्। (रत्रद्र) दर्जा क्यूर्य। देवशाक्ष्यकाक् इति करित्रित्रे में हिंदारेशया एई. में वर्ष में वर्षे देवह मीट्रंदेशबाबा म्यापाव विषयात्र स्थाप्त स्थाप्त हेर्ति ताप्त हेर्ति कारा हेर्ते । व्यापार स्थाप रवर्यनावस्यान्द्रियान्द्रियानान्त्रियानान्त्रियान्त्रियान्त्रियाः जाम्द्रामाष्ट्रस्याहीलाववराव्याख्याकाकाकाकाकाकाकाकाका रेशवास्त्रवाश्रीशायत्या विद्ञ्चारायराया वेवासर्था अवासर्था से रेशवा सूर्वार्थशास्त्रया नरस्वारा व्याचान्वारा स्थात व्याचारा स्थात स्था स्थात एकर्यायार राधु खेत स्थाय स्था वार्म हिराशहर माण ही या पावस्था मा र्थार्येश्वान् श्रीटायात्यात्यात्या राजात्यात्यात्यात्यात्यात्या रे रुट्रेड्रिट्रमम् हत्या राष्ट्रहराद्रेर्याद्र द्वाद्र द्वाद्र द्वाद्र द्वाद्र व्याप्त वर्ष र्या.र्या.(र्याया) रहासी.पात्रा अवेषता विट.र्या वदाशकररटाता पष्टियाश्वर

Seat

क्षेत्रदर्श अक्र राष्ट्र विवश हे के स्वार्टर कर्षेत्र वीव लावस्त्रे के विव क्षेत्र कर्षेत्र वीव लावस्त्रे के विव बुकेवते त्या दुवा हे दर खर यम श्रीरद्रा मक्षे वक्षेत्र या की वसंम हेर धरि हैत पड़े पार के वा में के के वा देश में देश में देश में देश में हैं के के वा के किंते (क्रि.) उर्वेशकितारेटा तर्रा सर्वाता मेरा वर्ष क्षेत्राता प्रार्थ वर्ष क्षेत्राता प्रार्थ वर्ष क्षेत्राता प्रार्थ वर्ष क्षेत्राता प्राप्त वर्ष क्षेत्राता वर्ष क्षेत्राता प्राप्त वर्ष क्षेत्राता वर्ष क्षेत्र क दुर.श्र.वर्ष. ८ट.च्या. पत्रवा श्र. मे.व. वर्षर नमारारदाय में वटावा वावनमारी वाद न्याद्रे प्रवेट हिम् रार्था द्यारक द्यारक द्यारक विभागा है। विभागा है। यायायक्षेत्रिशराद्रद्या द्यत्याद्रश्यायाद्याक्षाक्ष्याक्ष्या कुर्यातरायम् स्वावर्यातः (स्वार्यायः) यात्रदात्रम्भरा स्वास्त्रः। याक्राः चेशरांशर्, (रेशता) क्या उक्शराहार वियाताया उरे वा सूर, हैय आवाद्यूर. कर अर्भे अर्था स्वर् ने मेरा स्वर् में मेरा (क्वरा) बेरा ता ल्या कर प्राप्त कर। कर तर ग्रह्मेर्य वात ही (के)द्रास्त्र स्राप्त स्राध्याय ध्रीव्यस्य तर्मे स्राधित प्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्र किलान्युन्यायात्त्रिं लान्युः अर्त्यान् देत्रिश्यः किलान्युः न्यायाद्वारायात् जिर जाया प्रचार वा (रेवार का) किर नर मार्थि वा अध्या मारा वडवा है का मेर रेवार आ चक्कि.चस्रेर.र्जिटाक्र्या.श.क्ष्यशावक्षिर.चुर.चकारात्ररक्ष्या.क्रियाक्षर.रटार्टर.क् उत्तान हरान्तर विवासी। दुसार मिर्द्र स्थान सामिर्द्र सामिर्द्र सामिर्द्र सामिर्द्र स्थान सामिर्द्र सामिर्द वाश्रीशार्द्र खवा मेर् छट एकेट हो नियं वाह वा ला वाह वा दर वर खवा खेर र वावा सेर या रामा वर्षा करा में वर्गा वर्षा वसद्भेश्यानानादाता भटाई वर्षेत्रस्था यर गर्याय रात्रा रिया मेर रहे वर्षेत्रस्था वयाक्रियातरीत् मेंद्र(रक्षेत्र) यी,वरंक्र, मर्तिर में श्रेट से रक्षियाक्रप्रणी हुनवया र्यतः यहर म्या क्रियाय गाय सहरे हर मु राति मु मु सु मा (हुन) यहरे में श्री अर्थान नार्दर वासे से हे दे सम हमा हमें है से वा (वहवानिया व विवादा राम वहता (वरता)। र्यु विवा केषुच्या कर्ता कार्या रात्रा रात्रा रात्रा रात्रा हे. ये रात्रा मार्थिव रात्रा कि से विवा क्र्यागारदायव्या त्रित्रं दर्भ ख्वणलेश जरवम्ब्रेश्चारात क्र्यायदे केर्याय र्या चर्या (चर्या) । निर्द्या (यद) की की आसमें (कर्रे) त्या विविव्यत (विवर्ष) व द्वारा (वाद्वारा) तर्कट वर्षेर क्या । वट विद दवेव स्था सहित्वा । तादर्वाद त्रमाक्षे हारकाता । एक्पार्यमार्यय राष्ट्र होरार्टा । एक्राम्या मर्) वर्ष्याचनातः स्वार्यः । । वार्यन्त्रः वायावयास्य । । विश्वेषः

र्वेशासनगर पत्रद्धाः भारः अव्यव्यवि Bull

numer

西河

उन्नाम्य स्वासर स्वास्त्र मानवा मिट्सं महिरायिशायर रात्यार स्वामायर । इनिययवि र व श्रुट्य प्यर्वास (इनसविक्षित्र वर्षास) वर्षेत्र देश होत्र । यदः देवास वास र धरिते । SEXTES. द्रा रिनेशायर देवाती हैं के ताला वितार्या में कर के हैं ते वा मारी रिनेशा 2 देश य ना नाजादर मा कल येव। क्रिक्रियास्यास्य स्टिस्क्रिक्ति। विस्ति क्रिक्रियां विस्ति करालाय। १ व्यास्टियंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयंत्रेयं श्रीटर्सकावर्दिता हेर. की वावश्रमाधा मी का जदका की जा का का ना मार (ता) मे श्रद्धिद देववर्ग. तिरत्नेत्रेत्रावातर्र्रियावर्र्यात्रात्रेत्र अर्थेत्र अर्थेत्र अर्थेत्र विष्येत्र विष्येत्र विष्येत्र विष्येत् यते नास्य व्यद्भार हुद्। रे (र्) महीरायसाधी व्यद्भित रहेव (यहेवा)। रवान त्रा यात्रास्त्रा (रव्यस्या उद्देष्ण) अविद्यंत्रे मेरायु हिटायू मेटायू मेटायू मेटायू मेरायू से रात्पराभित् वर्ग द्वार्वेशकास्रुरसाय। देवदेव। स्ववतित्वित्तरध्येद। व्यवस् में बन्द्र मा साम्याराद्र दवाद्रदेवतए वाध्याताराम्याद्वेष विरायत्रमा कर्षाया क्षयः वर्षात्रभागव रावविष्यं र्यविष्यं स्वायाः त्रियार्थायाः र्यात्रम् । त्रियाः वर्षः । त्रियाः । त्रियाः वर्षः । त्रियाः । त्रियः । त्र वर्ष्या (बर्वे का विकास मेरा मिं बर की श्री की र्यं के के के के किया रहे अर्थ. पर्याद्रभादमा केर्व अरक्षर क्रम यह स्रवसात् क्रव्यात क्रवाद व्याव द्रवाद व्याव क्रिया है। नेशातर्म । तम्मार्थे संदर्द महुम्यारद्या व्यट सेने वा संदर्द क्रिमा स्टर्स शुर्दियास्त्रमा करास्त्रा करास्त्रा करास्त्रा करास्त्रा करास्त्रा करास्त्र यह रह तार्वास यर्श्य कर की हैं (के हैं) वराश ख्याने राहे। रस वार्य राज वार्य बिरायेश्वान्दराम् रेन् म्यायावरप्रविद्याः म्याया म्याया मिराया ३८। देते सरास्या वरासेराष्ट्रया वहवार्या द्यावा वाया वाया सामा स्वासा स्वासा द्यारा ता वयवत्त्रत्वराद्वराद्वर्वात्त्र्यात्र्यात्वर्वात्र्य्त्रत्यात्वर्वात्त्र्यात्त्र्यात्त्रत्या म्बर्गाम्यान्त्र । स्वर्गित्राम्यान्त्र राज्यान्त्र म्यान्त्रेयान्त्र वेश. पर्ने श्वासित हैरा अल्यासेर मा सिराम् । या अराधा भारता र वर पर्य । या देव पार्न्स्वासाधीत्रात्रेवात्रात्र्यास्त्रम्यात्र्वात्रात्र्यात्रम्याः क्राचरद्वरावसावद्वः र्दर्यावार्यरास्त्रेटः। हिरायायुर्केशस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस्त्रेभ्रस् यद्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्षे वर्ष्यम् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व नाम्याः वेशराधिवः श्रदः । क्ष्टः श्रदः वर्षश्चित्रः वर्षः वराः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

सरम्बर्भाया दिद्श्वमा कुराक्षित्रका कुराकरा वर्ष मित्र मुत्र प्रतास्य वर्षे वर्षे मूर्चातरमा रिट्यर्त्वचम्त्रचाम्याचेश्राताम् सेवाइर विवादर विवादर विवाद क्षेत्राह्मस्त्रीर वीरा वर्षेत्राह्मर क्षेत्रात्राह्म क्षेत्राह्म क्षेत्र अर्थेत्राचरेत्रवया.रवायाक्ष्या.रवा. हि.रेटपा.शुट्यी.एर्.क्रेर.टवा. मे.रेवाए.स्राट.रैवाएक्रेर. रहे विवर्ध यात्र गर्य। गर्जीबर्दे स्ट्रून छोड़ भरत्या त्यार्था विद्यात्रात्या हुरायं तवर्षित्रात्रा विस्तात्वर् वरिष्टिक्षेटवया । अञ्चनयाहे खेला अक्षेत्र भे कि नहेन भेर्य कराया राष्ट्र ता वर्ष न्द्रम्याञ्चर्याचेद्रद्रमार मून्द्रक्रियादुः वार्याया । या वर्द्रभारं एका एका ने या । याद भूर (कतार में हें हैं) एक लागर (एक लार) में या ग्रेंग रि.रंट हें अन्व वा प्रमाण द्यः देवा अर्ए दर वर्षे । क्रि. इर स्थात्र प्राप्त स्था दर दक्षेत्। दिर प्राप्त प्रवर्गः दरदेवी क्रि.चर.सेवास्या, मुधारदद्वी विश्वह्यास्यानेयाराचाया मि.प्रपु राट समाय में मार्थ । मिरिटर मिरिय प्राया । यर मार्थर देया रहिर मेर क्र-य विया नेया ता (pose) क्रिया विवाद विद्या पाता (श्रेया आ) देग रेया प्राप्त श्रेया था. नाया मिला केवराय में प्राचित्राया मेरा मिला मेरा मिला पर लि पर पर पर पर पर पर पर साता.हैंद्र.देशर.एक्ट्री डिंगलम.डेर.जाता.पडेव.वोबाला । स्रद्राक्षेत्रा.वर्षेत्रा.वर्षेत्रा.वर्षेत्रा.वर्षेत्र व्यात्रकारा। विद्वायता हिन्द्राच्या दिनास्कारा विद्वायता सर सव रावव के रें में कुरा विश्व में अकर में यह रहा रहा हिर के रहिता किए (है) ग्र. हे ग.री । अह्र र्मियायायुवाकी भरदवालयान्य । विदेव सेंड या विश्वकी र में जुनी गर देश हैं ए वेश हो हेव देश विवास एकता रहेस (रहस) के वेह - मेट । हैं है था र्देश्चिम्मालासेव। किंग्निक्तिकार्क्त्रिकार्कित्यास्विन्द्रिकार्कित्यास्विन्द्रिका र्वेक्कालका । वारापार्वावारीयकार्यात्वावारीयकारा । व्यव्यव्यक्तिराज्ञा यदा विद्वायरे रोमराम्ये नेतार्थं दये। । महामे मे मेरा नावरा रहना मेरी दे अया राजरूर हिं के तर्या विदे मार किर स्वा के रेक्टिया वी वित के या अव यहर वैचए(१.वए) ग्र.कर्दिएक पात्रा । या त्रिंग्ना विश्वे दे । या त्रा । व्यवस्ता । क्रि.ए वरि.मे.एरेवा रि.मे.ही.म.ममेन.यन किर्मे क्रि.में इ. प्रिवेश में प्राथित करेत्री श्चमार्जुयात्यात्यात्या । वाद्यां में (रे.) कूंब हा. वर्भ देश्वर रहा । वाद्यां में (रे.) पत्तिया मेर्न्य होर्न्य होर्न्य विष्या विष्य होर्न्य होर्म्य होर्न्य होर्म्य होर्म होर्य होर्म रा. ७९१ अ अ.शे विम्तु. श्रु. वेश वारामाता वा कार. देव प्रविशाता वार्ट पर्वेदिवा

शिर्प्युश इंगर्स्य नर्द्र। सिव्यान्य केर्डि थवा ववाता । नद्र प्रदिराहिति हित्) एवं ग Trans श. पर्रेग. द. पर्रेश. इंट्रिंग वि.श. व्रंडिंग वा धें अरहा. जा विर्वेश. ल. इंस् प्राप्ट का कि जा UBOM BULLIS, UB, ON # GL 12, UES M. UES ARD, BOLLISON 1000 A.D. typer लामा नाया साम्र मेरी । एकवा एकिया मिट श्रीट प्रीय प्राक्षिता । विकास में मिए प्रदेश प्राक्षिता र में हे लंद की नेशवताया । वावहर पर्वेश में राज्य ता लेवा । शहर में में प्र रप्र-त. प्रचे (रवाप्र) रदा । है. र्य चिवारा राष्ट्र कुराया व.र) । वाहण (प्रहण) देवा रा चिदार क्षित्राकारी दिवर्षेद्रवसमात्रात्रद्रवात्रम् भवी । कर् वर्ष वर्षे महें मा (पर्षेत्र) भा लाद वर्षमा रवाया सं. मु. मु. क्यां मं (मे) विश्वायम्य प्रमान मं प्रमान में विश्वायमा प्रमान देशर वंता किटत विवादी मायात (मायात) ता दिशक्ष वा विवेश स्थारी क्रियाता विश्व तर्मे ने विश्व विश्व में में में विश्व प्राद्भर्थं । इरथालामहैल र्भित्या । तर्मर सर्वे अस्त मुन्दे र्वश्वाद्भार्थर विवास्त्र (क) प्रमुक्त हैं । द्रान्य के के स्वाद्भार के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्ध के स्व रेवराजाहेबार्यार्या रे । शिर्द्यार थाया है श्रीव वेखवा । इंसर्ट्य है सार वेबस्य कोव द्वारा कि.जावए ए प्रेश में गान्ते। किटल किया केंद्र यह के प्रिक्ष का ने हा किया उवरार् भेराकार वादर भिवासारमार हेराई हेवरकारा । तरे वा महार्थे र तार्थ नाता कि. परंशामु में भारति विश्वासम्बद्धी दिलाता ताता में में विश्वासम्बद्धी ह अर्र्स्ट.कर विवयाला रिवायक्र वार्त्राक्षित्रास्था किंद्राध्यारतिया र्याप्टराम् हैं भी 4 Bark याम्याप्टर्र्यम्हर्स्यविद्या । इन्विवायाक्तायरक्षणक्षा । विद्यं स्विवस्वायाय वडराकुरा ।द्यार्थेरेक्संकर्या वर्षेक्राक्षेक्ष्रां वर्षेक्ष्यां वर्षेक्ष्यां वर्षे 3-01 इन्हा व. प्राचर्वित्र रेवाता किट्यूर याता हे अर्थे हैं या (हैता) त्या के (क्रिये) ह देशर (अर र्भरक्ष्यार देश विष्य के न्या के निया के निया के विषय हत्यवर्गा वरा विव । के गरीम ही वर्गा करा करा हिला । इन (इनवी) त्य मासुमा हिला अर् ख्वाम खरी त्यार वार्या कर्मा । अक्र गर्गर्वा क्षेत्र केराय कर्मा क्रिक्री ररेजाअपूर्वके करणाइसेशा विरंत्र तेत्र देतर दरार वरेशा किर सारी क्रि भ्रांग्यक्षेत्र्य । विद्युष्य अक्षित्र विद्युष्य । वि हीर से वे असे असे का हरी । अरें व अ बिवह किया हे या असे र के आ आरेडशा कुने कुरे ही रहा रिटेल है व कुने में जुर कुन कुरे। देशर्य रेल कमराप्य मिलिरें।

्रेणक्षिवाक्षर्द्धत्यम् । (मेण) हर (बर्द) उत्रद्धवातिम् । वह हर्द्धवातम् अह हर्द्धवात र्टा (गर्दा) परित्रा । प्रतिमित्र कि से गरि देश हैं के पारि परित्र के महि । शक्तर्दा मित्रक्ष है. रेप्ट्रिय विश्व विश् क्ता । र्व. (यात्रकारः) देशरः र्वरः वरः वरः वे ववा भाष्यं अरद्धा विदः दाकुवा ही विह्या हि कर्ष्य रि.व अंशार्दिर शक्षवश्वाज्ञ वस्त्रेर ॥ १९४१ व शहरा शहरा हर से र हिस्सी । विद्रास क्रम से वार्क से बार ता व में बार प्राय में आई पार्थीर र्वहरक्षे थ्यर। विदेवका का इंडिक् इंडिक कुम्पाने विष्यापन दे में वा प्राप्त सैमारवियाज्ञानेरी सिंचाक्तिमा सेवाक्तिमा सेवाक्तिमा सिंवाक्तिमा - 18. खेबा किया की की बार्म का विश्व की विश्व की का कारता । वादारानुद्र, दवा में जा में वा मिंदर देर, (मुद्रतर) रेटल में मिंतर है में मिंदर हैं में मिंदर हैं में गास्त्राक्षा हे । हे ने मास्त्रा क्यरेश्टरग्रन्थका । महावैद्याश्चित्रक्षेण्यद्रमान् । विक्र्यप्रद्वद्वस्त अब्द्रवर्यानेश्वराद्रा दिवसावारावत्रति विक्तारावारावत्रके र्रतिहास प्राम्यका ह्याकर्णा |यह देश प्रविद्या मिन्द्र मान्तरे । मिता भर्या मान्त्रि र्रियातर (पर्य) (अ. बेर्बार प्रि.रे. बेर्बार प्रति । वि.रे.ते या (रवेस) वर कि यो कार कुवारी। कर म) बार्श काजा होता । बारे अधिद्रक्ष्याका हार्र र स्था। रिस सह स्था सेवा मधाना। मित्वरान्वावनम् अस्ति। रिन्नाभराद्यात्रान्यर्थे। अहरास्वादरान्वराम एकेम्द्रेय विद्वान्त्रम्त्राच्यात्रम् वर्षात्रम् । रियम् यारायद्वान्य । रवस्त्रम् मुन्यायाम् वान् भिरस्त्रार् निरम्पत्रा । हिर्द्धः देवितिका मेर्नार्। । यहारा वियादद्वराभारक्षेत्रत्य । मिद्द्वावभावित्या विवय । तद्वक्रावाववर्षे तद्वा (ज्बर्) र्वाशरी विवास एक्ट्रार विशास्त्र में के के के विश्व सरम्भूयात म्याक विश्व हरा। ज्ञान्त्र मुख्याकावा । ह्रिकान्त्र वालवाक्यात्रेव द्वाक्ष्री। विद्यमार्थाद्यायपुरा म् १९६१ । रद्भेश्वारामा वसायक्रिक्टा । वरामा द्रम् हिंदिन मायाहियाचा । वर्षाम् १८६० मपुड वाववाद्याः तर्वेत्(वक्र) र्वासेर्। विदेवास्त्रं वक्षवाः तर्मः क्षियः विद्यान्यम् श्चर्रा । वर्षश्चिम् स्रेर्भकार्तिका विराधर्य । विराधनेश्वर्र्भे स्राधिका

हर अ इरवरामा । मर्का वर्षेत् क्रवंदे कथाए। परी । का लवा परिवाल के वार्षा के वार्षा

रे भिन्न वर्षेत्र (पर्वे मा) हर इरवा विरम्भिन्य न्या करित्र वर्षा वर्षेत्र(वर्षेत्र)ये। विद्वश्चर्यायायायात्राचित्रवेशान्त्री विक्रिक्षेत्र(क्रिक्षेत्र) दत्त्वायिवातः लाकवारात्रहाला । तारे वार्य राज्य राज्य राज्य राज्य राज्य वार्य । तार्य सेवा (वाइवेंसव) वर्ष देशका いえがく」「たとせるんのいいはれよりのかのあいの」「かかいん」とと子音はあると वार्ष्यक्षान्त्रवाराष्ट्रम्युष्यार्थित्र । द्वारी स्वामव्यव्यव्यव्यव्यव्यव देनाल्यान्त्रक्वनात्र्यार्। दियोव्कर्यत्वेनान्त्र्यात् । ततुनास्तर्यान संभारत् वाश्व । दिरक्षावक्षण्य (केलक) शर्ररा नार्था । दिवासवाके दे राजा मुण. (यर्टेर.सेंग.सेंदेश्यामुण.)यामिता । यह सेंत्रा.सेंदेश्या क्रिय. विया विवा र्णदः(देवए:शुद्र)देतपः मृत्रम् क्रिं।क्रिं। क्रिं।क्रिं। विद्रम् विदे क्रिंग्ले क्रिंग्ले। एकरलामाना किर्वासहन्त्र । विराधनामा विराधनामान केराने विराधनामान कराने विराधनामान विराधनामामान विराधनामान विरा (तहना) सर्केना (२) । वित्री दावायां से तहर वित्रा । व्यवदेन स्वरा तिर्देश स्वरा द्यार नारीका । कार्वास्ट्रीहि लाग्युका पत्री । केर्य वर्षे केरा केरा केरा कार्य पत्री । हा द्रवास्ट्रेशकाश्च्याद्व । केंद्र एहरा वा तर्हे दे हैं राष्ट्री । अन्त्वार्य या पर अवारा । किर.त्रीय.त्री.तर्थ, रे.प्रेंट. (तरः) क्षेत्रा । विट्रेटर्थर. विवायवविव हिट हें में क्या हुने ब सूर्व हरा। । तीयाश हिर इस कुर तिया थी वादे प्राप्त । पर् हर हैं रे हैं थे | र्वा रा (मा) आगत त्यू ते इस्ता (इस) है ता है (रे) | किरम से वर्ष रेवा (१) वाववायरी । श्रेवाया अअवद्यारा सम्बन्धा । राष्ट्रा वार्डवा सेरा (बेरा) वार्डवा एक्नेश्वी । में इर् श्रीट में प्राचा हैं जूरा । में इर प्रविधालय स्था सर्वे न से मा। डेलाबाद ब्रेम देवाला तरि हेवाला वरि ह्या दे देन देरला हो।

पर्यास्तित्याता हिद्दारात्र अदेव (अदेवना) शुहर द्रात्मवन्त्रमा वर्ष्ट्रम देव. के. विश्ना राव वार वारे आता पर अनुविद्वीता है. यह विद्या वारा प्रश्न हुवात विवास विद्या मुलाइ रब्रिश्मित्र। किंदाला हरकी वारेशा के आवया जा किंत कर वा जेरा के पर वा जेरा का हर हथा। सीटायाक्ष्याला या द्वार से व ला के दे द खेट तर देता व विव व स आवार प्राया सामा व से में व या विद

र्वास्थाकर्वा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा

क्षान् हार् हैं। क्या । क्या हत (क्या हैंका) क्वा मर्थ केंद्रावद वया । बिवयह प्रकृत श्रीतात्रहरूका विष्यात्रावहरूवतास्त्रिता स्ट्रा स्वि श्रीता श्रीता स्ट्रा ख्रीता स्ट्रा ख्री स्ट्रा ख्रीता स्ट्रा ख्रीता स्ट्रा ख्रीता स्ट्रा ख्रीता स्ट्रा र्वायदेशक्यान्त्रियात्रात्व्य । किंदलात्र्यात्वायहः त्राक्षः । श्रीर.व उदः प्रतः मेनायवेश ग्रह्मा रियासिक्त महा मेरवर्ष में विश्वेष प्राप्त प्रमा विश्वेष प्राप्त ।

ेदामाक्या में के नियम विद्या में के नियम कि नियम में क (पहला) । अयोबक्रमाक्टरहुकाला । विष्यर्थाक्टर (धर्थर) नेता तो बार क्रद्रात्तर्भात्त्रम् विश्वित्। क्रियाववद्रयेथववद्गावियाम् । यद्भेव वाववावित्क्रया (क्या)क्रियंत्री । नार्व मित्व मित्व मित्व विकास । विकास र मिता विकास र मिता विकास र मिता विकास र मिता विकास र र्रा श्रि.र्ग्रामारा सेर.अग्रामाया वास्त्रीत्या । दाकारा सामाया क्षेत्र । विदर्भायामारा म्राज्य विवाद हिला विराधा अर्थ विवि वासुका (ex=>>) #वर्ष वारी विक्ता विक्ता अवर तक्त्रावर तर्वे । हिट (वहर) त्रवाक अक्तर वर्षे । हिट वर हिन वर्षे वर वर्षे - 18.8 वा. इ.क. वास्त्रसेषड्या । ट्यातपु. केट्सेट्येपाडेर । शिर्द्धार्म्यद्भेषाडेर श्राली । याभवात्। (ध्रमात) देशन् । प्राचनित्रात्रात्री । श्रुवादेशन् । याभवात्। र्हर अधु प्रचा ता (का) अंड्रेट्ड्रेच । युत्र कट वार्ष ता अवारा अहूर (वहूर) ता थे। किया कुलालायचर विवादरी मिन्नचनाक्रम् लातचुना छान्नचार। किर्याची रेमालायचर यवन (वावन) पर्। क्रिकार (क्रिका) कार्य र विवास र विवास र विवास र विवास र विवास विवास र विवास विव वादःला छिदःद वार्वश्यान्यस्त्राद्वात्यद्वात्यः व्यात्वात्यः क्षेत्रः वाद्वात्यः विद्वात्यः विद्वात् इर.ना । ट.लचा ह्रदेशक्र ररेची जा हिरा । रेगर गुए अव ए हैं बाता । जाकर जिर वरे हरे बरेरे। केवर् १ वर् हे द याता । राज्य र देगर्य तिराव राज्य केवा विस्तर है वर है साथ स्मेववीया यार् कसूरा ी-युरास काउर वैद्या कावा जा नावी हिष्ट हा की पूर्य है। जा विद्या हा की विद्या है। २व.क्.स.व रि.च्युरेश सिलायए एट ए.स्ट्रेर.वा.परे.लूरा रि.चयाक्ट्रा. वक्षर.विरागकिया स्वता विवास स्वता विरागिता क्षेत्र सिलाय स्वता विरागिता क्षेत्र सिलाय स्वता विरागिता क्षेत्र सिलाय स्वता विरागिता क्षेत्र सिलाय सिला रेशवारद्वर अञ्चाक्षिया योष्ट्र मिया योषा । किला स. स. म. चया प्राप्त स्वर्धः । । जास स्वर्धः कुलासद्यकाला जारी किंद्रश्चित्रधारेशवासीट्याति। विद्रावर्षशासीला देवाला किंद्रावर्षणा किंद्रावर्षणा किंद्रावर्षणा माइदिवशम्भाष्यं वर्षेत्र। निदक्षितामाइदिन्यवातात्वेता दिन्यावाधुरान्तद्याता वस्त्रकार्या । विद्धित्वर्गिरम् रित्यित्वर्गिरम् रित्यार्थरम् र्ह्नरक्त्रान्त्र्यानाम्यान्त्रा । क्रिन्नेस्य (क्रिया) नद्वानी मृत्या क्षेत्रा । क्रिया प्रति । क्रिया प्रति । छा श्रीवायमायाया वहन के नेदा विहराके के विद्या में विद्या के के विद्या के कि विद्या कि विद्या के कि विद्या कि विद्या के कि विद्या के कि विद्या कि विद्या कि विद्या कि विद्या क वद्या । प्रविधास्त्र भ्राप्ते भ्राप्त क्षेत्र । र्द्यक्ष क्षेत्र मान्य क्षेत्र । क्षेत्र क्षेत क्या या देशर अयो पहूं अत्या (पहूं आहुन) केया | देशयति के वा मारा नाम द भीवा । शिक्षे उत्रव्यामारकरात्रीया । वर्षेद्रायक्षात्रायमार्थियात्रायम् । विद्रात्मारक्ष्ये रेटा । कुणात्राञ्चेक्यूचना चारल्य्यं केमणा । मश्रारात्रदाक्य हित्र हे स्व हर बिरायरा। । रि.पेटा

अवार

35191

युःगरीशर्दे व्राक्षेत्। व्रिं वे क्वारक्षेट रेट विव (१११व) तर् । व्युर्गरग्यायातकार्यातातकार्यातात्व रैंग्रान्धराज्यात्रयात्राक्षयाः वाष्ट्रं । निर्देश्वालयात् केवालया । निर्देशालया केवि न्वट्दी शिल्रटवलअत्त्वरविष्ट्व किल्र्यट्रिट्रलिट्सर्यात्म्वाद्विक क्रिकेट्रिक्रके केट.(शुर्त्राक्र.त) एवेचाक्रियारेटा किंग्नेट.मूटक्.रेशम.एवाचाकुरा अम्भुवायावारें विर इत्व। विद्युत्रीरवीवराव वराय वराय । विद्रात्य वराय वराय । चार्यश्चित्रं मुकाश (ग्रंबंग)र्। रिटार् बैवक्कर हिटके श्रेव। निर्देशका निर्देश लाया विस्तरहान्त्री हित्तुक्ता वित्राम् क्यारायर ता विर्त्यामा प्रवास विवास वर। विरक्षिरद्वा यूपाराष्ट्र एक्वा विरक्षिणाश्च कूर्या किवराष्ट्र अवप्रवास्त रामालाय। किर्केश्याजायवयार्त्यम्। जिस्त्यु देतरम् अक्रिये। निमाला क्षिरायाद्यात्मा । विद्यायात्मीदायाः (भरवायाः)व। विद्यायात्मात्मात्मा णयर्थिया किर्डियाणयर किरावावूच रि.इ.र.वे.रे.रे.रे.रे.रे.यूरा कि.मर.रेर.क्रे.रे 2(2)। विटलर्ट्युड्युक्तिमारम् विष्युवारम् । विध्यस्य हुरात्मिक्षात्मिक्षात्मिक्षा र्द्राति राजा अवका प्रचाराजी। जिर्मा क्रा प्रमाण क्रिका प्रचारा क्रिका विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व 2 43:4 र्व.श्रुव:अहर। किरंबुद:वर्सिरंपर्वेद:इस:अहर। हि.हे (वक्षाकर)हराज्यहन क्रिंग च शद्भुद्द वावन भद्द क्रिंद अर्थे (वक्रूर क्) मेल (जान) है। व क्रिंट. धिवाया (जक्र दान देवा) क्रिंपरा मेंद्र व। । क्रिंट (जक्र दे) अ शक्ष विभागाय अधिया । विभाग 42571 (यात्र ही.) पर्यार्ट्यरेयो जयक्रे में (क्रें) जयामद्य वर् ताय्र्यमा (मर्मेम) भु व्यवर लाक क्षेत्र वर्षः ववराज्ञद्वात्राद्वात् वद्वात् वद्वात् । विद्यास्त्र क्षेत्रक्षेत् विराज्य हिर हीर होर तवरा सर्या हैर है तविराज्य हैर है तविराज्य हैर पर हैर पर ही हैर पर है त.श्रु.भवत्र,क्र क् कूर्क क प्रश्नर एति प्रमिन्न हैं नियं में देश में दर्भा के में हिट्टर मान किए में हैं प्रमित्र में कि realed. यार्विश्वास्त्रम् । स्वार्ये देवार्वस्य द्यार्थित्यार्थित्यार्थित्याः स्वार्थित्याः स्वार्थित्याः स्वार्थित्या क्षिणाया की द्वेशा आक्रूबेश मार्थ कर कार्य भाग पर कर हा कार भी वास मार्थ के का स्वर में कि का कि मि.मर्रेर्यद्रश्वयाश्चित्र। एव.श्रर.क्षेत्रायवैवात्राःह्रेर्। स्त्रियाःत्रार्यस्यास्यास्याः अञ्चल देशम् हेड् (बहुद) वेशव बेड् ला.ज क्रिया देशम्ब वास केवा माल किरी । येत्र कि या भाव बिराहिता । दरद्रार दे अरा या कारा याती । तर्व (वर्व) काइया तर्व क्वें क्वें वर्व भीव वर्ष महास्तरिकाता हरायाया सहित मार्थर हर ही तर केर विद्याला क्रांसहस्रहे के के द्वांश्वेयंत्रहेंद्रशासंसद्या । स्थांक्षंत्रवाम्या हिश्म। विवयरार्टे र व्रिट व्यादि या ह्या शावना विवयर से हे हे स्वया या तीया चावश्चर्यात्रात्मार्यायति स्व वद्वरावता । साम्यायायत्यावतः तम् स्व विक्रवाता । राज्येक प्रवणम् प्रहेटमान्याः हेत्राहिमान्या । नावराः त्रवादाः प्रवादक्षाः द्वाराणा । देवसा

Bencock: वारावरदाष्ट्रक्टिं परिवा विदाय वटासदिम् वाराविया विदार गर्म के शिया देन विदार

यासेट श्रेया तर हुवा रूरा । स्रिलास र अम्सूल इस सेला रूरा विस्था बीट स्था की प्रसाम कि कार्तिवार्यमः न्युः विवालानुर। । क्षेत्रवालानुर। । क्षेत्रवालानुर। विवालानुरान्त्रवालान्त्रानुरा ज्रान्त्र। विरादशक्तिशास्त्रात्त्रं विवायराम्यादे। विवादि (विवे) हराक्ति भक्ति । क्रियाम र्यान्यत् व्यास्ताते। त्याकवारार्वेशयाव्यात्रात्रा । ट्रह्यास्यात्या । ट्रह्याया वाष्ट्रम्भूर क्रिकाशास्त्रभवता रिकामूए केयाप्यिरशास्त्र क्रिका राज्य में वार्षा अध्येयशतका सि.ए में . यद् . वर् . अव्यात्मेर तृत्र कुरा । ट. केवा. सिट. दर आ पर्देश ताता । सिट. श्रद्धारम्बद्धाः विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् । विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त -र्सिश्चरता,परतदवाकात्री कि.च.चन्तर,अकु,धरे,सरी ।अवेदा.के.च हमाच्चा,परे.सरी ।म्परंत्रप म्.म. (ज्यद्वपुः श्रे.म. क्याद्वता विद्यत्य्यम् (श्रे.म.) मुस्याद्या विद्याम् एत्रिस्याम् र बरामानेशाती। रिट्यामानेशात्र मान्यान्त्र । विद्यानात्र भी राष्ट्र । विद्याना वरामान्त्रभाव। । म्ह्मिरामान्य सामान्य । । वर्षायाववना श्रेराक्री वरामामान्त्री य रेट्झिट अवारा खेट आ (खेट प्रांका) य से रेवी । रह स्वे वर्गा श्रवे ता श्रवे हर एग थावी । एवेवा म्यान्य के निर्माता हेते हिंदिन का निर्मात है दिन के निर्मात के नि महभायत्रदः त्याहेवाहेवारा नेदा । इसाराक्ष्याक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थापेदा । । अस्तेदार व्याप्ति वाब्तम्। । हिट्युर्युर्युर्युर्येर्यायार्थाः वी । हिट्युम्। अधु वचना देवरे. लूराता र । क्रियर विषय हैरा है कि जूरका हैरा । रिज्ञा हिर ही दावर विषय विषय विषय विषय विषय विषय पार्निता (रक्ता)शरी किट अश्वि में अष्ट्या से ता (मुद्रम्) रे । विद्यार्म्ट में ट हैं अप ट हैंग अक्राधिव। (ल्बेन्स्सर्थानुवर्षार्थानेव) ।हीर रमस्सर्थन्थे १६८ नेर् । १६८ यास्यायम् देवायाः सेटः (रसरः) स्रेरः रे । शिरः रग्नर्गे क्रिंद्रः वायवेषः प्रदेव। । र्वाः यमवस्रि हिर्मु रेशे मेरी विदर्भन्ति रेसेर मेरेसेर मेरेसे रेसेर मेरेसे रेसे क्र्यात्रका मिट्यादेश । । तथार् श्रियात्रका अवश्यक्ष सक्र हिट प्यर । तिस्मिरी मेर् (उद्मार्थाद्यां वलवाकी द्वारा) महत्यत्याम् यान्त्र। विद्याकी द्वारा दहराद्याम्याराद्येत्। र.स्ट.प्रविधाञ्चर बार्धिक है। विश्वक्य (इसक्य) क्षेत्राच्या देश मेरा । वा करामक्री क्रिक्ते। किर श्रीर रेप हैं शक्ति हैं राजे रेप विरमें। किरमें। किरमें। किरमें। नहिर्या । त्यानायार द्यानमारायम् नवरायम् । वितर्द्यके देवे हर वहिर्वर्द्या चालवाक्रवास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रार्गार् । विस्तिदःयति नदः(दवः) वश्च वःते नदे। । विदः वर्वेश्राज्याः रहाक्राच्याद्याः मही विराधावहंत्रत्यः श्रद्धिताः वर्वेश्राज्याः वर्वेश्राण्याः वरेश्राण्याः वरेश्राण ्यम् वाक्राक्रियाम् के मेराव। । दरद्रामायारे क्रियामुकाका । दर्गमास्रवाकरम् की पहेंचा ते। विश्वकारा वह वस स्टाय नेता विवस्तर्र महिर्द्या मेर्या

क्ष्याक्षेत्रायाव वह्याची र लेट के में वारा मिया गराये व मिया में रे विकास में रे विकास प्राप्त र्म्या वटाश्राभये वस्ते । सिंदिर संकित्र रात्राम्या । शिवावर। रद्याप्रेयापाइवाप्रभादी सहरःअर अरा क्षेत्रं वाहर वाका वर्द्धरे। । राष्ट्रवाध्वा मुन वाका मुक वाका मुन वाका मुक वाका मुन वाका मुन वाका मुन वाका मुन वाका मुक वाका म स्वालक्र मुम्पर् भूम हेरा छिरलबुका गरिन स्वाम मिन स्वाम हेना निर्मेद से तर्भाराचिराय। किर्कुएस्नाम्राज्या किर्यायस्यान्त्रा (महर्) । छिरतरे व देश(वरेव देश) अद्वाया अन्दर्शा । अद्देशव व व समार्थर मना रेटा किवाअद्यामञ्जासम्बद्धाः स्वारम्परानेटा विक्रवद्धश्राद्धाः वाष्ट्रद्धाः विस्वरावद्वयः (भरुवाया) इरायरि दवारायाया । (यव कट पड्या कारा वास्टरा दे। । वाववायवारि र्ट्युट्ये तर् । र्वायायावतत्वति श्रीट्यक्वायसा । स्वाया र्वाय्यति स्वायापा छ्टे.रट.टम्प्रेभरा उर्जेम.(एकार) बिर्के. । किटमप्रम्थएइम. बेटम्याब्दे। रिके. हिर्धिराधिवार्यार्। प्राचितास्त्रिक्किक्यात्तिका रेपार्। रिपर् भेरत्या होत् (हेय्) क्या ह्या ह्या विवाह्या । विक्रिक्ष ह्या विवाह्या । विक्रिक्ष विवाह्या विवाह्या । विक्रिक्ष विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या विवाह्या । विवाह्या द्वारान्त्राक्ति। विश्ववार्वारेष्ठवारायद्वद्वारा। देशात्रम्भेटावाम्भक्तात्रः नावनः यद्वामा दर्द्रात्रा वार्मान वार्मा सर्बद्या माश्चमात्रक्षात्तात्मे,वैषु परविवाञ्चाक्राक्रद्राभिवात्रक्षित्ता वि.मेप.क्रि.पन्नद्रा मी.पण (स्थानेया) श्वारा वावर वरा ता वा ता किया है सह वा व वर्ष र वस वर्ष है वर वर्ष चा. तीजार इ. च ३४१. ५ वैवाक्र र इ. बीट. वी. मरेंबे अ. हैर शु. वेश शकर ज्या में इस्मारहाय. याम्यात्रेश्वरात्त्रात्यात्रमात्र्यात्रात्रा । दिसारं द्रशत्रात्रात्रायाः कूष्टे में यान्याः (वर्ष्या) यति श्विवाश के वादे पदन नेता । शिर क्षेत्र करा केंत्र दर वार्ध शर्म अद्भागते करंत्र्यालकावला । विद्रामितारी सेरावध्वाकर मेरावध्वाकर मेराविता स्था (क्षावित्र) शा चावशा । किंदर्शन्या चेशका किंदर्भ करे वर्ष केंग्रा का पाक्रे में (का क्रम) केंग्रा मेंग्रा そことなくらんに、「まく、ナモ、CM、あく、そと、およっないは、当かいからいが、女子のおかいいがあ

358/

हला बेरार्गी।

2004

passing

bridge.

अवरार्रा श्रीटा या इस का की देश। (मेंता) त्या दे कि कि मेंटा राज या के या प्री वेर हे लिया चालका. रिट.सेट्.प्रट. सि. ह, पालाट्रा. बीर. शु. राडा. वीर. शु. राडा. (रवरपान्ती.राजा) कैंचारा है. द्याक्षा त्रवेदाः वर्णायः क्षा वात्राद्र क्षात्रात्र वर्णात्र वर्णात्य वर्णात्र वर्णात्य वर्णात्र वर्ण

तया) उद्गुरार्अराक्त्र क्रिया व्रद्ध क्रिया द्रा (ब्रुक्ष) स्वा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्

गाओं यह यह है। छै। है १६ अविवन् वर्षेट्रं न्वववार् स्रा विद्रद्यवयति द्वातत्र होवात्वर्षेट्र । स्थानकर् वर्षेट्रे. बर. में हैं। । श्रिय: प्रथा श्रिय: वरा में वरा है वरा में वरा है। वरा में वरा है। वरा में वर में वरा में वर में वरा में वर में वर में वर में वरा में वरा में वरा में वरा में वरा में वरा मे - वर्षेट्रंड्अम्ब्रद्ध। विवद्यात्री के.वर्ष स्ट्रिट् विद्रेश वह्नियायम्भूका । श्रुप्ते द्वालकुत्र शुर्यका.है। रिकारविशाविशःक्षया.पान्वहूर्त्यवायात्रहूर्। किरश्च्यूर्हित्रित्रिक्ते,यु. रक्षियान्य। । नाममान्यविश्वासानान्यम् स्राद्येन। । चुट्दुविश्वार्यावर्ष्वियात्येन। रे.अर्थ्य अ. में ग. अपु. ८ र. ग्रे ग आ. बेंगा । वा. जार. केंद्र प्राप्ट र. श्रेष व. थ प्राप्ट र. । वा. कदानक्रम् के. क बाता किर प्रकृतामहामा केत्र करे मेर्ट्र । किम्द्रिया राद्र द्राक्ष तर् परेश क्रियर त्रधान्त्र में रर्गान्त्र। क्रियन विषयित राट देशकारी रिकाय प्रहरे. (अहर) अधु-अअधान् क्रियाज्ञ) विकास्त्र (यवअन्त्रेय) यथ्वे दे राह्दिशास्त्री । विन्दे वर्णा त्यंता र पु. मृत्येया। द्वा पहंत्रधीर ग्रें र वावात प्राचा । बेट बावा प्राचित्र ज्ञकालात्रे। विरक्षित्रकारा कार्याक्ष्मान्त्र। रिवालिकालान्त्रकारात्रा विरुवालान्त्र डिल. (डिलल.) प्रत्यार हा खलाई। रिकार्टर शर विदेश्येट (पर्राप्तर) श्रीट्या वर्षा । वर्षा वर्षा अब्दः इर्वा अक्टरा । किंग केर् लगाया काया विका केर्दर निर्देश विका विका केर्दर निर्देश आहे। र व्यापाय वत्रम । विद्रम् अम्। विद्रम् अम्। विद्रम् विद्राति । विद्रम् यं श्रेमणातात्रीत् भी वा क्या मिन्द्र ता की वार्ट्य भारति में द्या की मायुर बर्ड्ड) । प्रदः क्रिय वाया द सेर क्षाया है। । रेया देर अदः श्रुवाया सामा के देव। । रा. केंगा. थे. हे में र. एकर. थे. जा. (के. इर. एकरक्ष. थेत.)। । प्र. हे र. केंथ. हे जा वर र सवासवारी। र्यहर्तार राज्याला नेवाह वनवा । श्रीट दवाया वाहर वाहर वाहर के वाहर के र् द्वार्ष्ट्र नाय्रद्शा मिं पर्पेयरि (अस्वरे) देयात्र हिंदर्शा । यह हिरद्गार हिर रदा है अथूर हथा । तिया ना ता दर्भ में है एकर जा क्या (वर्षरता) हथा। रिनेट सूर, र्षेत्रः पावश्यारे । दिया हे प्राया में देश्या वडर व्या हिटा । स्रमाय डर अदेशता चार्मार्री थिसपा (है) यमपाद्वीर छा ल्यूर वसमा विश्वास् कर मिर्दास शु.चार्यगाउदैचा किंद्र.सेट्,प्रदिस्ति, स्व्यावता विर्यतिया हि.हि. एरवेद्र प्रचार.

र् लर् । नियम् मात्रा नर् तिया दर के वा ता श्वर (क्रिर) । ता प्रतिर (विदः)

अस्तिक्त देवार्श्य कु. प्रद्यालया (तयता) ता विद्यत्या प्रिटार्व्य वर्णा प्रवित्व वर्णा विद्यत्या विद्यत्य विद्यत्य विद्यत्य विद्यत्या विद्यत्य विद्यत ह्राद्वातात्रया (वक्रम्) करावर्ता । वरावर्त्वातिका करातात्वाता । व्यापनिविधि र्वाराया (र्वाराया) येदा विवाय हर रेर त्या तकते रेवा खा खेरा विवेद खटायराया चाड्रम.क्रीजर। विश्वसी, रेट्याजवए विश्वापर्या पर्याता विष्या, विश्वापत्र स्थित, वर्षा मेरार्वा गरी । येशकावितः शराता जदमारदायमित । मेर्याता अराजरात देवारेदा या ग्रेमा एक वर्देशक वर्द्धर र र वामिया। विर के मेर मिर पराया तथा ने दी हिर्दर में अर अट्टर:वार:पा अरक्षिक स्टिन श्री वारायान्त्र । दिवालस्वरेष्येशानास्त्रेत्रेति विवर्दा विद्रित्याकोश्चर्वेश्चर्याच्याद्रा विद्याद्रा विद्याद्र राट्यवे.वस्तु.वरा.कूरे. प्रति हेरा विरायक्रे ते र ते हेरी विरायक्षेत्रकर विरायक्य (वायवायर) पर्वाचारहरा वायवायह्या (म्बारा) द्वा अर्थे त्या अर्थे । विकार देव मिटशुरुराभगायायस्त्र ॥ तुशा शारे केर धरवाराया वर्षितात्रभ्रह्मरप्रह्मेतायबर्भिता अवर्भित्य अर्भवर् देनक्षायातालकान्द्र। यद्याने रोयता स्वायाध्ये। दिवस्त्रिम्द्री खनावस रार्वार्नेन। हिंद्रश्चार्थन्न हिंद्रस्थार्थन्त हिंद्रश्चित्रस्थार्थन्त हिंद्रश्चार्थन्त इर। अिट्रियान्द्रियान्द्रियान्य भारत्या मितान्त्र मितान्त्र मितान्त्र मितान्त्र मितान्त्र मितान्त्र मितान्त्र यारपूर्व । रे.चथासीट मेनशासी मंजर है.किथा ता श्रदाय के दे.किट से बीम मार्चेट व में व शून की बर दें विध्वाना सेवला क्षेत्रक कर कर नार्या रे कि हे के दे गर के वर्षा कर मर्थिक्षेत्रमानायाः हो असे एहए एट एडिया यात्राय केराहिना वसा तर्वेत्रमाय क्ष्या.रे.(ये.) इर.त. वर.व. वर्ष वर्ष स्त्रीर क्षियं प्रियोग्ये प्राथित । । भ्यात्राहर्मा मा। स्वर्थान्यास्यास्या

असिपक्षियात्वा ।रवात्त्वरक्षियाय्याव्यहेवता ।वहत्यम्यायक्ष्यावः द्वावा इ.जा विश्वास्त्राक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्वित्यातावदेर.(परेरे.) विषयाविक्षायात्रम्य वर्ष्याचे क्ट्यायार्गरायाः केर। वित्रम्गरायति वटावस्तरे। विद्याशिक्त्यायां अवहः वेल मुअ.अ.अरवकेश्वालाकुरा.जूरा ।यात्रमा.कंद्या.राज्यी ।शुर्द्रभयकु(श्र) र्वेट. विशासारी रि.के.चथाअता.पर्वीवद्यालावी विश्वअत्वरक्त्वाता.का.काची र्वे निर्मा कार्या मार्था है रेगोर तार रेगेर ही। रेज्य राज्य रेट लो एक्ट्रिस्य हैं रे लो एक्ट्रिस्य हैं

वि.च.र.व.सी विश्व क्षेत्रकारी विश्व क्षेत्र हैं त्यावर वर्ग स्तरी क्षित विश्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

विर्वास्त्र। विस्तर्वायामान्यायास्त्रवायाः तास्त्रवायाः वास्त्रवायाः वास्त्रवायायः वास्त्रवायायः वास्त्रवायायः वास्त्रवायायः वास्त्रवायः वास्त्रवायायः वास्त्रवायः वास्त्रवायः वास्त्रवायः वास्त्रवायः वास्त्रवायः वास्त्रवायः वास धी.वार्क्त्यां रेटरे.वर्डर:अय.जूरी । प्रियाकेट.क्रिट.यी.वर्डर.व.केरी वि.च्.वयावा रदर्वदः क्वाला अव। । द्यानः यति स्वालायस्वद्दराः क्षव। विवालत्यवदुद्दराः पट्रायाद्रमात्रीय। रिवायक्तिताक्त्रमात्रात्रपुति। द्रिवयात्रेवद्रिविष्ट्रिव ।या वना में देश से रेवेश वर्ष वर्ष वर्ष रेवर रेववर रेववर के परियो विश्वर से रेववर किया के वादवायम् तह्नवायित्री वित्रा त्वीवाये । क्रियायम् तह्नवायित्री विश्वी विश्वायाय विश्वायाय विश्वायाय विश्वायाय विश्वायाय विश्वायाय विश्वाययाय विश्वायय वकाक्तिक विदेश है। विद्राय प्राया प्रमाण प्रमाण प्राया । की प्राया प्राया विद्राय । की प्राया विद्राय । वि न्यर। विक्र. (क्र.) जन्म हारा, जरहरणलुवा डिक्यालडा बार्टका (रेस्टलक्र.) वेश्र. याव विवा राष्ट्रवाया व्यरहेशा किर्येश विषा सामे रेटरें । विक्रिकारा में प्रश्नेर्द्रित्। ।रक्षित्यर्भित्रहें विक्रिका । एकत्यर्भन्त्रम् क्षेत्रक्षा । ब्रेलगुष्य प्राम्पद्भत्य। विषवित्रम्य कर्ष्य प्रदेशमान्। रिस्प्रिक्षाक् तानिवाला न्यदी अवूत्रका के एकु भरेद पूर पार्से दी वि जुन में मेरे हिंद प्रवाह है। मार्य के मर्य टर.ज.अ.५८.४। विषयमध्येशकरतिराक्तरा । यु.पत्रमान्द्रीया । अय्येत्या.सेएक्स्अरेट.प्रट.पा.सेया । रियामुच्येश.स्या.किस.प्रा । अव्यत्से अर्थात रदर्याम्ब्रेन्त्र (मापरेक्ने) । यावित्रमन्त्रियाकरः विवासाम्यान् । यूनिक्षमाष्ट्रदर्य क्रि. त्राचा शिव्यव्यत्वातिषुः क्र भटेर. प्रद्राताः श्रीय। क्रियः वाष्ट्रात्याः वाष्ट्रात्याः वाष्ट्रात्याः व कुष् वर्गया था सम्बद्धा वर्गर महित्य। विषयमा वर्गर महित्य। वि. से र वर्ग्यर ८.वे.की. लुन। वियून. रंग. त्रिपुक्र मर्देर. प्रदर का श्रेता वियामु कारकेर जि. के विस्त क्षेत्रकुत्रदर्भास्य रेट्न । विविध्यवस्थराक्षर विवास्थय। रिन्धामा द्रार्द्ध में मिली अय्यत्ता सिंध कु अर्दा प्रदाता स्वा । वारा मं सद्या या प्राप्त स्वा । विवया विव रेबा एक्ट्रिट के से द आत्राव शाव । विस् कुनि श्वी शाव हिन्त का हो । विस् अपाय हर दि से वा स्के लुवा वित्र्वत्याद्वत्याद्वराष्ट्रात्र्याः मुवा विक्रेगर् स्वार्थः स्वार्थाः विवारात्वे नियाक्तर विकास कर्ता । राष्ट्र राजारी । राष्ट्र राजार विकास कर्ति । विकास कर्ति । विकास करिया । विकास करिया । मुद्रतायहरत्त्रमा मेर्या राजार। विज्ञानम् स्वराह्मार । यह क्षेत्रमणात् मेर्या । यह क्षेत्रमणात् मेर्या । विद् प्रदेशक्राण (सेपा)गरी विजयत्र सेर.अर.सर.स्रीर.कोर्हरताथी पिर.धुक्कणत्र वियोषा रारी विश्वात्तिक के मिलक करा (देव) किया किर सेवा के मिर क्षेत्र मेर केवरी विश्व क्षेत्रदेशुः दर, जाअबीटः (देर)व। विषव अव तथा करबेदात्रासर। दितरस्र र. प्रदः रदा विभागता वर्षातियात्रेत्या क्षेत्र क्षेत्र

यरा. कट्डियलाइरी । अ. ब्रिट. (श्रेट.) रेन्य रटा बे बि. रूरी । अ ब्रेयर रेंगे. के प्र कु मरेर. क्टरतास्त्रेत्र। । ब्राक्टरंश्चरंत्रक्तार्धिः क्रा । अर्टेटःय्टेशंट्यः पात्रादेदधात्र। । वाधवात्रव्या करम्बर्भाग्रही किरादेनएक देनमे पासियाके सूची । माया नरे के एक मरे देवरात सूची ज्ञान वारें वारें वार्या वेता हो कि के पान क्षेत्र के वार्या विश्व के वार्या व क्रियाराष्ट्र। क्रि.टच.फटचयाक्रवेशि.लुडा । श्रि.फक्रस्यातयाव क्रि.स.चे.लुडा । अक्रूचूर दी. उन्दरम्बला प्रक्रियावए हर दिने । किवाअयत प्रापाइर क्रिकार्यताकी विम्यवायाम् वारामार्थर दर दर वदका। रिन्नवर्गाल्याः वेदवद्वेषाः एक् क्रिनेरा । क्रिंदः वर्षेत्रः । अस्ति देने अस्ति देने स्क्रिका । दिद्या ग्रे. जिलर्भा महिलारी । रेट्या करिया विवास होता । विवास हा मेर जिल क्रिये वर्षे इया दिनमञ्ज्ञायनायनिद्यालेन। जिस्ताहर्मनाम् द्रमान्ति। भिरामानम् ग्राजयान्तर। मि.पा.क्रा.एक्रोपा.(वक्रीपा)रतर.में अ.लूर) रिगए. युक्तिर. यह देवाली शत्याक्ष्यक्षेत्रं ताक्ष्यायद्वात्राच्या । वाक्ष्यक्ष्यायत्वेत्।। कुल अर्मिश्वर प्रतिर वर्षेत्रकी की बीरे किंदे अर्थर त्रंश्वर अप्यापा पा इत्या। कितानम्त्रेत्रात्वेवारात्वाराद्वाराद्वाराद्वाराद्वात्राद्वात्रीरात्वात्रीरात्वात्रीरात्वात्वात्वात्वात्वात्वात् रंडाएकरेर.र.रेग.त्रेश्रात्रेश्चरारे.येम.रे.एडेला (वर्तेया) स्टा क्ट्राजाए पाड.वर्तेत्रविद्यं श्चीरक्षान् ने ने ने त्या था में खेवा के लाग राधार है से ता ही देवा देश मा कर है। के अर्दर मा ने देश श्र.मे.ती.रेजव. वी. जरंदरा.सूव.रंबे किए.क्रु.व सेर.दे.वंब. राए वायर बी.एर्व विकंतानर. महत्।॥ गाजीय है युंड है। हो। स्नानीनीत्यत्त्रत्यात्र्। । नीनीत्राधायत्र्यायेव। । त्यत्याद्राधायवा मु.इस. (मू.) रवए.इए. केंद्रम् वाराजीव। मिर.मुर.सेपाक्रवावेग. नए.देशा । प्रवाभित क्याक्त म्यावरावरा। दियायस्थाक्ताक्तायक्त्र अक्ट. स्थाया । द्यारकारा मायवा स्यावास रहरकाकी वि.कर.क्राधारावनाएवस्यायही विद्रमावतात्वे वसुरक्षात्वस्य रे.र्र.श्रम्भाराख्येर्वेषाख्ये विष्यासीत्राच्यासीत्राचाराया । देशवरीकास्यात्यः म्रामा निर्देश वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्र मियानामान्त्रदरामित्रियामानामान्त्रेत्। विभागतामान्त्रेत्राम्यान्त्रा विभाग । के के र में के प्राप्त के र के र में या के र के र म रार्टर:त.म्.चार:चन्ना विशवररःक्रुचारार्ट्नायवेरान्त्री क्रिक्नेनःक्रदशःत. रगर्याकरः। भिर्मान्त्रं रगर्मं रगर्मेकःरगर। स्थियसःरगरंकसंदगरंकसिर्द्धवाः द्यार। रियर र देवार्ग संक्षेत्रवरारे। रिक्ष सिर्देवपासिरकेवप्रदेश। कि उद्देश्वराभग्नाचिवास्यद्वासदा । यात्रभाक्षित्यं वित्राध्येत्राध्येत्राध्येत्राध्येत्रा र्वाः अवत्यम् देवाः वार्षदः। विदः द्वानः द्वारः वदुरं वकुर मुने। । द्वाः युराकु (क्रम्) क्रेट्रश्राधान्यात्रेत | द्वाहरुपाणकारुपान्नामहात्त्रेत्रेत्र । हिस्सानमाक्रियाकी

इ.शून्वास्था। विर्वेद्यूरातिरार्थे (तिवायक्ता) शारवाल्यी। रिकिरशुपुरेवरार्थ्येवेये नाजर। । रार.धुन.धुन.धुन.चर.जा। श्रीर.है.हैए.है.रेजया.झर.कुन.वरी। श्रिर.कु परेवशास्ट्रहर्भवावम्भवस्यान्ति। दिद्वाद्वत्वद्रम्मेरा। दिवानेमेयहरः मियान्यराकान्त्रीय। विश्वतार्वार्यस्य मान्यस्थात् । विश्रवार्वास्य मित्रवार्यः मार्ग राद्रामादुर्किट.एह्र्ट्र्ट्र्य्यातास्त्री । ह्या भारते र्राट्रामा । याव्ये से स्ट्राह्म जयार्ट्या विकार सहस्था हैया हैया होता विचार है अद्वासे अद्वासे होता हैया है। न्या-भूमाच्याक्तिरं व्या श्चिवःक्रवः द्ववनः विवश्चिः श्वा विभरतः यवाः तवः व्याप्तायाः वर्षरक्षिण कें धेवाब्न के अपने दुरदी विस्तार अपर की शक्दर सामारी किंगा के राजर में के प्राची किया -कुन. जन्मायाद्यूर, काल्यूर. केंगा | टिकाम, कर कर जिसे प्रा | रिनयाया केंद्र दिस्से का कि लागा है चक्रुअंदर्भाताका.एक्ट्रकूरा विश्वराहेर्द्यवंद्राचानात्ववववी विरुद्धवंद्वात्वात्वि मुरी सिन्धन, माख्रि, रेट से वार्के कुरी किंद्रा प्रथम् र क्षिया करा विकास कर ववाय-५८। । स्ट्स्व वेरस्याक्षेटकेव वार्षणा । यह किव द्वरस्ट ह्यायाय वेदा विक्रिय वार के वार द्वा ब्रेंब है ता । किरश्च के कि केर कु बर्टा । ब्रेंट्र के वा बेंद्र के उभारति द्यान दर स्वास्त क्षेत्रा क्षिया स्वास्त्र है र र अक्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र है लि स्वास्त्र के क्षेत्र वर्ष द्वेश । इंट्यान्यायायर क्रेस्ट्र्टर । विभग्नायायायय विग्रात्यायायाय । इंद्या र्त्वरद्भविक्ष्मित्व। किर्यक्षिक्षित्वर्ष्णिक्ष्मित्वर्ष्णिक्ष्मित्वर्ष्णिक्ष्मित्वर्ष्णिक्षि वि. व् । रिक्ताक्राक्रिरदि श्रिक्षिक्ष भेषे । अरेट ज्ञार श्रिक्ष भाष्ट्र देया । रिक्ष का प्रकार क्षेत्र । की । मुलायरीरी त्युर (अमेर वधु) वादेर ता वायर। । येवाण यहे अहा कु कुनू व वाहरी। म् जिया देरेशका शर्टा पर्वेश अहूरे। रितंश श्राधवाचितारा पूर्व वितर्वशास्त्र श्राह्म के राजा रिवाटरेटातिवाया. हे. रेब्राया र. रेका (र. रह्याया) - जुला छिर त्रेज्यात्राज्याता देकारे.

६.८ वाचानु, क्ये. स्ट्रा क्रिक्ट्रेय गाउमा ने प्रमान पुर्व प्रविभादता विभावे पुर्द नाय मुद्र अस्त म्यान विभावे प्रमान क्रिक्ट्रेय गाउमा ने प्रमान क्रिक्ट्रेय गाउमा क्रिक्ट्रेय जिस्क्ट्रेय गाउमा क्रिक्ट्रेय जिस्क्ट्रेय जिस्क्ट्रेय

47.2421

232.2 Sley.

बार्युकाला मेर्नावाका वस्त्रेम्त्व। विक्रम्यावसका श्रीर दरा श्री रदा के रवदे वा के ता ख्. ब्रट. यन था. प्र. देशवा. यु. वर्षेत्रत। इट. क्र्यावान्त्र देतप्रात्र नवः वा देतप्र वर्षाता है रेशवीयी वर्षे रेश रेशवी रेर्या ही उत्याही (रवेश से) पहें मधीर के ला राप है। वारित्वियाकी शिरादा हे हे विधियानहर। रदार्म स्वर क्रियान वरा क्रियान हरा में कुना शुरंत्रलाई किर्योगानुर क्राच करवाकु क्रियानाता र ईकार वा क्षेत्रक्तार, कर स् ताक्ति पर्वातास्त्र । १०२ क्रिया सामानिया पर्वाता क्रिक्रिया सम्मित्र वार्त्व अवस्था मी देवायहवासकेवरावाक्रात्र हिंदानेवादे विदेशहर हैं केवाताता दि है या में देशहर हैं के वाताता । दे हैं या में देशहर हैं र्थार शर दे अद केव ला कुर्यार कूंब या गर्याय विद्वा वा यता हे लाखार वा की के प्रदेशिक कु उत्ताक्षा हैं क्रियान में एडियान एतेया । विवक्तियान क्षेत्र दे निस्तिया यह विवस्त दे.चल्राक्किकी स्तुरा पाचनवा पद्दिक्ट क्वियाताता इंसासी में हिर देव क्रिये दे । अर् य अर् र र अर्थ मार्या मार्या श्रेट क्रिका र। र हिसार स्टिकार स्ट्रिका की र की व्यास स्ट्रिक अल्यान्त्र । विद्धान्य । विद्धान अत्यान । विद्धान अत्यान । विद्धान में दें आ इस केट प्रदाना (प्रत्या नप्र) एकिया गार्य प्रदार है वे आ तारका माने के में के श्रम्भुक्षा दे ने श्रीदारा पर्वेद्राया (पर्वेद्राया) देद परेदेर रा मर्थर या स्थान समा क्रिक्र की क्रियारा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् द्रावार्च्यायारे हेरा सा त्यावट दुष्ट्रदन्ती तदेयाया समावत्रदेशत व स्था। मालेंबे'बें.बार्डेद्रहेद्राराचा रेट्रेर्याचार्यम् यहिन्हे त्रवया विष्णे क्रिया क्रिया

प्रामाह में हुन हो। हो। हो त्रवामान होने क्ष्या होने । सिर हून क्ष्या हारा । पद्धमान हो तरि देन सिर सिर सिर सिर सिर सिर सिर सिर होने क्ष्या हो। र्म. सेंद्र श्री. श्री. श्री. अंश. पर्याचार. वा हेर्या व्हारा है। श्री. अंग मा इंचा श्राप्त हैर्य वरायेव। यहरामहार्थकी येवकी मिट्नहीयाद्वावाहरासम्बद्धा रार्थर राज्यानेश्व । विद्भवान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रान्त्रा । यात्रास्त्रान्त्रा नेत्। क्ट्रिंट्ट्ट्रंश्चेर्यंत्र। वर्ष्ट्रं स्वायातीयव्या नित्रहेट्रेश्चेय्वा अधिक्यार्याया (यूका) ररः। विराम्याम् मित्राम्याम् । विष्या एकिम किराम् यालाया द्वरही हिंद्शा रखेरा प्रवेशा तरान्त्र (नेता हेर्रा र्या विस्ता विस् वुःलवाद्भरः त्रेर। वाववःव्यवः व्यः दरः तर् त्ये वाव। विकादेशविक्यतिः व्यक्षः वावः वावः क्षेत्र, यूप्ट. के. अर. पठ्ठा रा. राजा । किर्य केशक. हेड (गड्ड) प्रथा र में या अरा प्राप्त राजा । सेया

रारम्य (म्) त्यनाव द्वर तर्व (गर्र) की छोव। । अहं वार रार्श रामे होर रार्श रहे। विर अर्हेरवाधारतार्म (वर्म)अराधीव। विदायहेंवायति हाष्ट्रास्ट्रतथुम वर्दे। नेशीरा अञ्चरका-स्वानिकानीकानीकानी । किटकी श्रीडान्द्रश्चिरका श्रीद्रवादीका। विवासी-सान वर्ष में अर आर। शिर दर एर वर में में स्था । रिकार क्षेत्र मान्ये केर । वर्षेत्र श्रेट स्वायारा रा (पवरमे सेट मेंग प्रमा) याता । श्रिमा पर्देश विकास के श्रिम रा प्रविद्याल हिंदी । इ.शु-प्रशास्त्र में प्रविद्यास हिंदी । शुन्तर हैंदाया प्रविद्या है। । दर्शक्र विश्वराष्ट्रां तर्वे अर। विश्वराम् तर्वे लारहेव तहेव है। विश्वरम् तर्वेट लारके देवा विश्व लाक्ष्रवाह्मराक्षेत्राह्मराक्ष्यात्री। भाक्ष्यात्रात्यात्राक्ष्याक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्याक्ष्यात्रा राष्ट्रवाश्वरः वर्ष्वरवर्ष्वर वर्षे रवर्षे रवर्षा । रिर्श्वाकी पार्र्वा व्यवस्थित विषयि । कियार्ष्य राष्ट्रवाकी र। प्राथम्य छ। त्रारा केमावसमा । राम्यामा । अन्दर्श्वेश्वर्ध्वरः। । वाववार्याविर्दान्मः त्य्वाराज्ये। । वारवःकरञ्चयाः च्याःवाको वयर्षेत्रभा इता कर रास्त्राक्ते । रिकार प्रभार में रे से वा मिर्टी । विस्वाहर विरक्ता प्रवासी विकटववहवारायते मेर्स्से विवास्त्रित हरवे का तर्वासा विद्रार्थ रदाविकार्याने। श्रिकेतिवराकी क्षेत्रद्वानेश कि क्रम्बर्धराधिकाराद्वानेश |दिकापका य. पर्वाथित के वा स्वयंत्री । स्वरंद्वात स्वाधित स्वाधित स्वरंदि स्वरंगा । स्वाधित स्वरंगा । स्वरंपा स्वरंपा स अर्थः दर्। । रशः स्वाराश्रदः दार त्रष्ठ्या अर्थः ध्वा । विस्ट व्या स्वि हे वे वास्तरे ध्वा । याल्यान्य में इत्र व्याप्तान्य । मिन्नियन क्यूर स्वाप केयम्। विभवतियर्भ संसर्भायाहरा (वर्षायहरा) भेव। भिरस्काक्षेत्रा तहे व्युरामेदा दिर्देश्यातहेतु द्यातक्षर्मेरी विक्षित्वाक्षक्षर्याम्यत्यस्य। विक्षिर्यास्यवाय्याः वकर वर्डर वर्ड हा कर कर हो। विदेश हैं के किया है के किया है के किया है। विकास कर विदेश हैं के किया है। रा स्टा । इन्यायर राज्य महन तान्त्र । वरम् अन्त्रा निरम् राज्य । वरम् अन्त्रा । वरम् अन्त्रा । देशक्रेरहरअर्वर्शिरहरवरा। भी प्रवेशकी सीपायस्वाहर वार्गर विव देश छट्टी फान्यरा यार्म्यकर वरीर वर्डे इंग्रेग्रेष्य के असे पास्त्रे असे हिंदा श्रित्येश. की विवायाता के प्रत्या तर हार क्षेत्र के अरत क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के रार किराज्य ना योषट वर्ष के अर्थ का बाता नार नर वाक्ष्य वा कि हेट हैं व विवा वर्ग कार पार्य कि गिल्याह के ही छो। वर्शिकापर् केर.धरकाश्रा। यी अपूर्वी केंच्या वर्षा । प्रताय ते ती के प्रचारा अपूर। रिवार अपूर्वा प्रमुखेर क्रिक्राक्षता विकासी मुक्स्पराअक्षरी विष्ट्रेस्यान वरामान वर्षा या थय देने या देशया या देश देश अपूर्त । या कूर हुया न्यू ता ही कि राजद अर्ग । रेडा ए अर पूर कुरिया या अक्रा | रे. रेड. र्या खेर. (ब्वार) अर वशक्री । र रट र र अन्वश्वा । वह्या श्रीर वर क्रियास्त्रवा । श्रद्भा वार स्मार्केश्वेश्वेतारे कार्या । वार्यर विकाश्वेदर प्रेशिवा । वार्य

क्षेत्र. चश्चा (२) ब्राट्टिया । दशकारिक्ट कर् त्रायक वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र । क्षेट्रवरः कर. या अम्ब्याम् वर्णाव । विषा के दिल्या भारत में देशवा दे प्रवास में वर्ण वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा व वर्गर्दी शिरेनायु वादकार जनायु वर्ग्या दियात्रा नामा झर खेलहे। विकर सुषा छ. चरा शक्ता (वर्षेत्रात्रवायद्वा रहरवाद्ववा म्यन) कमार। श्रिटारवावा प्रवर्ष हेव कर (क)र। ।वारोर न्य नेयात्यक्षिक्षक्ष्यत्। किटन्दर्वाक्षात्वाराज्यूचाति। दिश्चर्वेत्वित्) वर्ष्यवित् वर्गरा । में केट (विक्रिक्ट्रि श्रीरक्षभाष्ट्रा विद्यालयार्ट्य । या विश्वास्तित्वात्माराम् क्रियात्त्र वर्ष्ट्रावत्तरेवता ।त्यायाम्यरमाहि में याहेर.इ राज्येया कर्यक्षात्र दुर्द्य द्वार केवला कि पट तवर में खरत हमदल धीम । द्वारा मधी कुलक्षारमासारे । विरायवार्यय वर्षा (वर्षाता निर्मेश वर्षात्र) । राज्य (रेप्ट) कुमिर्ल. काला किट्ट्वाचार्रिक वरेवात्रे । अम. पंदरम् कृष्टिमा वर्षेत्र के वर्षे वार्धिद्रकाचित्र विभारताकाकिद्धिका (च्या)तासहा विभागताकाकद्धिवयातासहा विवा बिए दिरदाम मिना वरामा वरामा हरें दें दें विवन मिना वर्ष पा व रेट में में परियासनी हिर स्वरायक्तित्वीरा कर्तिर देव। १८ व्या यह कि. या य विष्ट्रे वा खरी। विका की खर या वा राय. मूरमा(कूरमा) | वारान कुलाय वायवहारो धीव। |रे.र्.श. १ श. १ श्रेम १ रे.र्. १ श. १ श्रेम १ रे.र्. यक्षिश्च एक्षिक्य स्वार्थन देश लाएक्षिण (पक्षाण प्रहण)। रिक्षिक मेवास रहाए क्षेत्री याद्वश्चात्वराचावभाषात्व्रवारा (वनभाष्ट्रवारा) के त्यं क्ष्य र (क्ष्य)। विदेशके तावाद्वर हिराया वर्तेर. (वर्टर.)। व्हिंदिशकाशायावर (वर्वावराया)माविषास (वापसेपास) रिवास्तरम् वार वाक्या (ह्यारा)यार्या प्राप्ता । एकर व बेर केर के वारेव ही वाक्र दें (वर्ष)। शर्पाम् के के (के वा क्र) मिता प्रारा किंदा गा (क्रिया) मार्स केंद्र। दे वा के प्रदेश मार्थित । यकात्रावर् पर्वेशक्षर क्षेत्र । यात्र दुर्द्याम क्षारी । वाक्षेत्र पर्वेशक्ष मार्थित क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र द्रभावाश्वर द्वरवादय द्ववास्य द्वर श्वर विशाव का विश्वर द्वीता द्वर विवास विशाव

चण्टःशुटःश्चेधाः वाध्यः १ विरावः (हिर्द्वः) देशयः रुभान्तरः व्यक्तान्त्रः स्विकः । दिवश्चः । दिवश्चः । देवश्चः स्वतः स

कुवाया किंकित

क्रीं मार्ड देन हैं। हों। ब्राने ने की त्येन मार्थर ने ना नित्र मान्य कर मार्थ ने ना किर व्हर्मा कर्ना है। ते वा वर्रा वर्षा वरिभन्त्वरानेद। ।८.८६.६.६.छा.चेराव। ।यक्षतारभन्दाव.ग्र.७न्द्रेश.चन। ।यम्.सिर. सिवाद्यार्ज्ञ । विद्वयुर्व्य (त्) से.म.मह्यामायर् । वि. एक्य त्राच्यामायम् । यहास्त्रित्राह्ना । व.वा.लावा.क्ट.दे.या.जा.(स. ४वालवाक्ट्रा. पायवा) । केवार्यात राप्त्यार्ट्ट दुन्यायादा । ख्रिंश्रीट सुनाक्षरक्ट्या पद्दिया। । दावस्याद्वार्यहरू दुन्तिया यादा । क्रि. यदा बदा देविया धीवादा नेदा । त्या द्वा यसा देदावे धीवादा नेदा । दा तकत्या रमर.विधः क्रियः क्रियाची । रवाश्वास्य क्षारा प्रवेदास्य भागी । यो वास्य स्थाप्तास्य स्था श्चरश्चा भवा दिनप्रकेटाअए.शुम्त. अ.शु.णा किवारशर कावा द्राक्ष्यायेशायर वर्रे कावी वाल्य म् रमवाका भर है। भवा दिन्य क्षेत्र रह र नाम है। । ख्रिर रह ते शु वा के राय है। क्षेत्राचरिवाकाकु.एक्रियात्त्र्या । रदात्त्राच्यात्रम् व्यास्वयारपाण्या । शिवासिवालक्ष्याप्यस्व छर। स्य सन्दर्भन्दक्षद्भवादेर्वायस्य । देवरायद्वस्यद्वायद्वा । युन्दन्न्रम्याद्वायस्वीयार्विया इर। दिन्नस्कूनम् तः अक्ष्मात्म। । निवद्दान्नवभावनः । मेर् हर। । मेर या का देर देन्नसम्बन्धा वानाविद्वीर देशम देशए वर्दे देशा | रेग् कम प्रवेदक्षेत्र प्राचा वाना वि मेर् त्राक्षेत्रवात । व्याद्वाव वर (५वर) रगमः क्षेत्राय। । एक के राय वाया वर न्वरः यात्रदा अवे.र्ट्यं देश्याता.प्रवे (जवरा)। विदाक्षात्रः र्वाद्रविद्ववर्गे वा.पा.चवरा।

के थार सर सुराकेरहार में हिर्। | दर्भ भरत सेवाके विकेश के विवादिव। । विवादमर्पर वयार् हेर् (बर्र) केलर हर। । कुलकाक्तियाव कर अर वार्टा । वद देश केलाह मुन्दिर छ रहे। रिकार मेर्डा वर्ष यो वर्ष यो प्रकार हरा क्षेत्र। विकार मेर सिन्देर, पाया दर. = २०। अस्ति देयु त्या अभावस्था वर्षा त्या । स्थित । स्था दे । ता दे दे । ता दे दे । वर्षा वर्षे । वर्षा वर्षे री.वधुश्वदत्वद्वदाश्चाः पर्द्रत्य । व्यवार्वार्याः क्रियार् व्यव्यवनाता ।वाष्ट्रियम्बर्धाः (ह्याला) राष्ट्रात् द्यार त्यूर्या । अर अक्या (ह्याला) यह वर्या त्रक्ता । एक्ट वर्षेट. वर हे। व देश हैं ता विदेश हैं। देश के के व देश विदेश विदेश में के देश हैं।

देव विद्युद्विकातिका विद्या प्रमान्त्रका दिया प्रदेश महस्त्री वा व्यव यनम्यका

॥ द्वा चेरहर अर्व द्वा मिरसया । प्रार्व से प्राप्त में के भी कुर्याता. बिया. हार्यास्था (रैवंधें देशा १८८) हार. हार. सेवया । विव सेर. झर. (सर्गे कु. एक्नाया रिअर्तारक्षावरा। वर रिक्रवार्य, रेस मेंद्र के रास से से मेंद्र में मार्ग रिक्रो मूर्य निवार विका मूर्य भरतः भ्रान्य क्षान्य द्रमा अद्रार्थ देश खना क्षान्य विकाल क्षान्य खना क्षान्य विकाल क् नाराश्ची मा अपारा वे राजार विराजार वाराजार वाराजा वाराजा है। देशवा वा मा क्षेत्र के मा क्षेत्र वा के मा विराजा यादयः क्रिटः वसायक्षवं यति क्री दिवाक्षव। क्री यहराक्षा (बर्ववक्षा) द्रष्ट्रवाक्षा क्री विवाक्षिव।

निश्चिर्द्रमाम् मान्याम् स्राह्मान्याम् स्राह्मा

गाक्राक्ष हे रेहे हैं। हो। इर्गवेशक्य नंबिकाल ने व्यवस्था । इव क्ष्याना हेराय वर्षेत्र हुनाया। । रहता शुवा कर्रा क्षेत्र कर्या वर्षा । देवा भार्षा जन्मकर् मावरावराद्या । दर्दर र कार्यरावा ।द्यम् धारा देवामा धाराके व विद्यम् वसा विद्यार्गम्भेयाक्षेत्रक्रां हेन्या दिस्त्रहेन्या दिस्त्रहेन्या क्षेत्रेन्त्र्या नववया क्षियेयह्बातियाक्यात्र्या । याद्रक्ष्यक्षणावर्थात ता । जिस्सानाहर कर्ने वर्धना । में भ्राविद्यासक्षेत्रा । साम्यान्त्रीयात्रादः र्शात्वारार्श्योवः(क्री)वरावद्यरात्। विष्वायति द्वाः क्षेत्रंकुताः देन। विषयः तति दुवाः वयादरायाक्ष्यरवा । शिवह श्र.र.जम्काना । रवाहिए के श्रीर्थ ने मेरा के अधानम् वर्षः मि वार्षेवाधाद् । । यहवास्त्राद्याः क्रान्यत्वाता । यदः आसद्वादाः क्रिक् इरेश्रेडी रिक्कि.के.क्ए.के.वर्रहता रिनयवदेर.सेर.क्यायाता रिक्टकेर. श्री काश्री । पर में हिट खेबार अरहा बालवा । प्रहारी केट अंग या थे श विव तर् । विकासिक द्वित विकासिक विकासिक देन । व्य देवा त्या पर ने वा विकासिक अक्ष्यायातात्राम्यात्र्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः म् वर्त्राच्यारक्षेत्राचे म्राह्माकाया । यूचारदाक्ष्यातार्वेशास्त्रा । मीरद्रायात

15.81

स्वास्त्र अंतर (वर्ट्ट) की कार्बेट्ट | |र्मण जूर मानुर रामण मिना केर क्षेत्र (वर्ट्ट) की कार्बेट्ट | |र्मण जूर मानुर रामण मिना केर क्षेत्र (वर्ट्ट) की कार्बेट्ट | |रमण जूर मानुर रामण | कि. जूर मानुर प्रियम केर के अपने के

मलाएक्पारंशर,क्रिन्यू-दर्भवात् नामायरं वीपात्रभावत् रूप्ति है। देशवाद्भावात् भावत् । एक्ट्यान्त्रम् त्री, प्राप्ति देशविष्ट्या नामायः भावत् । विष्यत् वीद्भावत् क्रियः विष्यत् विष्यत् विष्याः विषयः विष्याः विष्याः विष्याः विषयः विषयः

स्वरार्त्र स्वरायक्ष्य यर्थिया है। विकास के सर्वे स्वरायक्ष्य के स्वरायक्ष्य विकास स्वरायक्ष्य विकास स्वरायक्ष

स्वाक्ष्याः श्री वाक्ष्यः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्व स्वाक्ष्यः दे वालवः श्रद्धः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्व स्वाक्षयः दे वालवः श्रद्धः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्वाक्षयः स्व

भवानुहर्द अवास्तिवान्त्री न्यान्यित्यान्त्री न्यान्त्रित्याः स्वास्त्रित्याः स्वास्त्र व्याप्त्र विद्यान्त्र स् अञ्चलक्ष्मित्र स्वास्त्र स्वास्त १, प्रदेशकार क्रिया क्रया क्रिया क्र

वं पर स्वात है ला ले जर हेर है र हु प्रति से प्रति से प्रति से प्रति ।। क्रांसहित्रहें। क्री है । हैं भर अद्वित्ववभाष्ट्र र रगर है। । वर्षे हें वर्षे र वि रहेर गरी है। जिड़ेबर्टर अहरर राम में अह अहमार हे वनाहे है। विनेश र अवर्र र में नि अहरी स्रिर्मित वित्याद्रमण अर्वेशसहरी रि. दर र द अर्थेश कि श्रीर अवस्ति भावन रवीता क्रिश्टरश्राभवर सेन्क्र्यालका रिश्चानिक प्राच्याविक्रम् विवडके हि)। विद्र देव पर्वेष हो। विवाभ शक्रिया हो हो। विवाभ प्राप्त के वा महिला के हो हो। वास्त्रास्त्र । र्यातारहरवर्ष्यक्षिया । वार्षेत्रायार्थायार्थायाः वार्षेत्रायाः वार्षेत्रायाः रा राजाना क्षेत्र । कि. च्ट्रक्र पाखेवप्रकृति । जिस्स्मितार्थे । स्त्रिया वा मार्थित । स्त्रिया वार्श्ववान्त्रं म्यान्त्रे । वितरहर्षवाश्चा सक्दर्वत् । वित्रक्षकान्त्रं स्वर्ष्णे । विदायक्ष्यं । विद्याक्ष्यं । विदायक्ष्यं । विद्याक्ष्यं । विदायक्ष्यं । विद्याक्ष्यं । विद्याक्षयं । चरात्रायवरायाया विवाधद्वरायक्षेत्राये | द्यातामः करावादेवः या (इ.स.) याव । वि.र. श्रीट स्वर्गर्गर या । विकासर यह मेर मेर देश भेवा । र मे नासर पर सक्षिण के रेप्टराधित। हिसाकेवाभादेवाहेवाहेवा (वर्तवा) कट्यादा । रवाचा देवावाहिवासा (वाहेवा) विद्युराधा स्यास्त्र तह्या स्वारिकारी । श्रीराणवर्षे वर्षः खार्षे । वर्षे दादवस्य तावापः म्.म. (मुका) र गुरा | रहा करेका रे ने ने सार में मा किर यह भेरा महरा है सूर्य (क्व) । स्टार्क क्षेत्रकट कूर (मा) पा । श्रिका कर (श्रुष्टर) केट र र में केवा माना बिकानिकारणायम् । रि.रेट.प्रेर.क्रेर.कर.कर.वरी विष्ट्रकार क्रि. क्रि.क्रेर.क्र म् वचतः (वचता धरा में केते करा । किर हीर द्वा मर्थर वर्ष्ट्र के मकरावी । श्री दावता सर तात्रक्ष्याच्या दिवसद्भीद्रीद्रिक्षेत्र्याद्रम्याध्याक्ष्याः। वित्रक्षेत्रद्रवाहे

(दे)) दिर्दरकी अदिअदुरवार ता दि हरादे ताव दे अहता (वहवा) देने विदेश

र् (युक्) नेर वरिन त्येव हैं न (वाहेवा)। विदरे देन वराद यरि सदराव विहेश। वि

द्रेर्युकाराधिर्वात्मेव (अक्) वा युका |र्क्षक्रिक्विक श्रीवर्वाक्षरा । ।भरामवावर्षः

र्गरह्यायलयवन (भवनः)। । यदमन्त्र ने स्टास्या त्या ने ता विकार ने व

र्याम् । अवास्यास्यम् रेष्ट्रास्य । व्याप्तास्य । व्याप्तास्य । व्याप्तास्य । व्याप्तास्य । व्याप्तास्य । व्याप्तास्य ।

(गुर्) ग्राबद्धियत्र्याता महूर्। रिवा क्षेत्रः कित्रेत्र हे रुटा महूर। अपना महर्ति हेन

याम् अतास्र यास्य विद्यां । दार्वा क्षेत्राया महत्त्र (क्रिया) वाह्य देश दर्दात

रेन्द्रसहर। बिर्ख्याधीरगरहरगराहर। विवादिविवाकीला ब्रेन् तर्किवा।

राश्यात्राच् । वर.अ.सेट.अम्सेटलाश्यर। ।विराधिहरःह्याःश्रःशायाःशर। मि.अ.श. सूब गुरल राजेर। । अरतः कृदः तथे व हेर्थः र नर्गा वे व व नव राजेर प्राप्ति र प्राप्ति ।

या गरिया । अर्थर यह महिमार्थर।

देश इं रेडर की केंब्र में की में का का की कार र प्रकर प्रकर हर हर दिर प्राय कर के का का की की लार.सुर. यमाराष्ट्र १ वर तर दर्री रताय. जातु सिर.र. माथूब केव कुर कुरा मायू स्था. श्चा वा म्यू मेर देव देव। (सेवा) भाषाकर, प्र. के कि देर ता प्रि. पर्देव। कूर प्राथा व विषयाना भाषा नाइकादरावार्यिदेशके तथा ददयताचारी ह्यातासुरात्वे में तेवा हेर विद्यासिर बहुत (बहुत) ीक्र अष्ट नेर्ड है। है। ई स्क्रिने ने के लेव नाकेर नेता हिने वाह्य हारक र व्याद नेता किरवाहकर वाकन सुनेता

विवादारदानुस्य वर्षाः शुःदेश । दर्दद्द्याने राज । दर्गाराधावाद्यार स्थिता वर्षा गण्यास्यास्य द्वार्यायात्। । उद्वेत्यवाराक्षेत्रात्। । में भारावारास्य द्वार्याः यह। विन सुरम्बा यति वाधालहुनाता । दर सुर शुर् वावार देवायह। । यवसूर वाहित क्रियाअर्था । भारक्रम्स्यर्थरमायायवस्य । भारक्रम्यरायाया श्रीरयादा । भ्री प्रहासीर्या अस्ति। विद्वभागावताम् निर्वेशता विव्यक्षाति । श्रीय:रेबा.र्। रिरंशतापाय:श्राचियातात्रर्देशश्री। रि.स्ट्रेट.र्टर वर सैट.प्टर-विवासाया। इका न सूत्र (वर्ष) शुर्थार भार पर क्या । अक्ष्य मेयके र वार् व नवर वी ता । जिरवहर (क्षक्र हेर्.) शुर्वाताता दार कार्या । ब्रिट देवाशु सर्वेदाती वी. ब्रिट देर अधियादेद की त्याकेट हिर्। किश्र हा का त्या है अप किर हैं वा की से अवा र से ह चेर है। विमे र्गर्स्तरायक्षायते द्या । विरादान्द्रशायक्षिणायक्षिताया क्रि. पर्यातात्रद्र। । क्रि. देवात्रप्र (क्रुण) क्रि. पर्ये प्राचादम् व ह्या । देवात्र ने देव देव द वाह्यानेद। विश्ववाष्ट्रमञ्ज्ञान्द्रान्त्रमञ्जून विश्ववाद्यान्यानेद्रा विश्ववीता

लाह्या । हीरकी नेर्दे ह्वा ने व्लाबिरतर्या । इन्हें निरत्य अवहर हीरा। । रवा अया अवदायल ही रक्षेत्राहेर। विश्वरम् मुन्यर प्रात्य प्रवास (देवाल) रेर। |र्यार वर्दर्दरं वर्षः ह्यां वर्द्वार्थरेवास (इट) रूट्। व्हर्राश्चित्राकुरामकुमारा प्रदालवास्त्रा । व्हरः सम्बद्धा दमानः क्षत्रस्त्रः द्राताननका। विद्वस्त्रः त्रवानद्रः त्रवानद्रः त्रवातद्राता । तर्वात्यरः द्रवित्त्वन शर्यत्वाम्या ।रेरेर्यावया ।रेरेर्यावयारार्ये के । र्यत्वाम्यात्याम्यात्यान्याः केरावेरावयाविवयाय

र्रर्वर अध्यक्तर्ता विर्ययमात्र स्वाप्तिका तहिमात्रा । विरायमात्रिमात्र यार्र्याच्याक्षा ।र्यायवद्गाक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्रेयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या

पर्चेश.पर्चेश.केश । धिर्दश्रम्था.पर्देश.सेबो (पर्द्रभासेबो) अष्ट्रात्रकृत विद्रा

रत्यः जयाष्ट्रया अवश्वरः की क्षेत्रक्ष्वः दे दिव्य श्वरः वाश्वरः त्या श्वरः श्वरः वाश्वरः व

इंशराक्षित्रविशक्षियाराम् (म.मे.) रेन रेनाराम् राम् रेने रेनियामात्राम् रेन्सेर स्त्रिया वर्दा क्रिया पर्देश (अरेट.र्सेशा अरेट.स्या वर्दा है) दे प्रयाचे प्रदेश है से देहर ही मून (बड्न) वरा हैर वरा ही पा हैर्य मा महंद वरा कर हैर देश कर हो देश कर है। | व. भू. धार्या तामा . ब्री दर वय राजा साख्या हु। है। है। । व्या का विष्या वया किया वया किया वया किया वया किया अवादरासुर्दरक्रम्यायानीता(वर्षता)र्वदाम् हर्वार्यतासूरादा रेन हर है। य अरके वर की सूब (व हुब) दश ने न हुर वर्ग रयत शर की (की की प्रदास हैव. सर संग्रे (स्व) हर वा छ हैर है भरत है वा वाववा वस व छ वा सामा मिलाई भी के अत्यर्भ वाइमात्या है के दे यह अहर हुर हुर हो अदत दे तथर राजा वि की वर्रियार् तर्यार्थर के व क्रियाय्या के दर्दर हैं व क्रियाय्या उर्वेण (वर्वेण) श्रद्धरमाया । विद्युमा इसरा वर्वात में की मार्के वा (ग.ज.१५.५.५व.वरा.चंद.व.(क्ट.व्ह.) ज्रादाला की सेवराहरी बालवारा (बलवा) वायार वाववले क्. मर र्र्ट्रर्र्टा विभवाया वार्वभ्याचा वार्ट्र ए वार्धिया र र्राच्या में स्थानव र देव। वार्य र र रेशानी प्रकरी वर हैंदा अर्द हिंदा अर्द हिंदा वर्ग सिक्ट देन के के निर्मा कि प्रकार हिंदा है। हिंदन मा क्रिवाहिरा तस्य यन अहरे हर दर या की रहना वा बरे करि अदूरहे वहरी देन कार्य क्रां ही रहेबारा तराव मेर वर्ड हुए हा खर के बिर वरा कि हा में वाना में बाना है। देर वार्थर छ दे होर हिवाय हर वा हेवा त्या ००१ । हिवाया यादर ही तह व हर संग्रामहर न्याम्बाक्षेत्राम्यास्याम् वार्षान्याम्यावास्याम्यान्यास्यान्यास्य क्रा. री. र डियान तता. तमार वियान वियान हैंगा रेप) चन्नवा मान माने माने न दे र प्रति र स्थार ्रियार् स्थाव वनवाय र्थार्थ र्राया मा वा करेता ह्यां केट दर या बादत तर्वे (तक्व) क्रिया कर हेर के मा (रह रहे न न कर तर्वे कर) १ निया द्वान्यास्ट्राह्रेन (वहांने) हरा १८ देशे हा अध्यामन सम्मान महत्या देशे हरे मेर म च बेड्यू इ. हे.रेशर केड्यू केड्यू केर्या त्या केर्यू (व्या) य. केर्यू करा करा करा करा पर्राथा स्मानिक हर अया त्राय के वर्षे के वर्षे ारके बर् द्वाराहर ब्रम्थासं (व्यासं) रे हीर र्भवादी सेता राष्ट्री वरिशे रण रहेर्ये में रह हिम्सेर प्राप्त इरास् केंप्र(बर्ध) वया देवा वा तया त्या तया विवादा (व्यादा) केरान हर तया अहा रेडिं। रमए के दूर, वार्षेद्र हमला हरे हैं केंगा (र्केश) राया, वृष्ट मा पर की वृष्ट प्रापद ब्रिया (क्रि.) इटार् विटाकर त्या का क्रिया मिरि टराविशान में मन महत्र (कारता) । त्यावा यगतः ह्रवादेर कुलाया रायका की खूलाया रे हुमा केरा वादता तरे विष्टे रे र सदरातरे व (वर्षात्र) की तहरात हरे हैं या देर है या उने ही (हैया) सर्दर वरा र वरा इटावा कैलाम्यक्षम् स्टायन्यवर (वराक) वार्याण्य (करा) वार्र यस्य हरातहर या श्रेमका द्रा के दर वता राव में व में दे ने का करा (पर पर मह नका) मा मा महिता पा हर

2.91

दर्भा अर्थरावर यदा द्वीरा वृद्धीर रा यर द्वीर रा स्याद्वालाक्षेत्रक्षात्रे स्थादे स्थाद्वात्राद्वात्याद्वात्याद्वात्याद्वात्याद्वात्याद्वात्याद्वात्याद्वात्या कुर। उरे हिला है (कुला) एक पारेश राष्ट्रिक के पारेश अर्था के मारे या अर्थ देश अर्थ के पारेश के पार र सेंच. (वरेन) वस, एकर. खंटा में यार्गर स्ट्रिकिट खंटा प्रतियाता. नाव वरेवला केंग्रा मन्त्रमा असर्ग्यास्ति हेयाताता क्रव्य हैया श्री तर्पा क्रव्य हैया हिला स्ति व सिर्धि व सिर्ध व सिर्धि व सिर्धि व सिर्धि व सिर्धि व सिर्ध रे.र्ट. एकव. आडियाकिट प्र. कारवर कटा महत्या ना र श्वा (यवा,) शु. व.च रिहर है। वर्क्त्यायाच्यर् द्वाद्या क्रियाद्वाद्यायाच्याच्याच्याच्याचा मान्या हर (व्राप्ता) क्रेम्अहर्दाता वित्रारम्क्रास्यात्रात्र मान्यात्रात्रा इ.र. हा स्वाया सेर विकास केर केर के से किर है। दे के किर के किर के किर के किर के त्रिया श्रद्भातर केया (व्या) नया श्रद्भावर्दिश्वात्र वित्रक्षात्र वित्रक्षात्र वित्र र्वः के था (रक्ष से हा बिदद्वा क्षां शास्त्र वा क्षां हिनः करे वा बिनः के कारा वा कि कर्षि वा वा नर ने नर वनका राज्य हुल यन व्यापाल का कुन वर कर कर कर कार हो। रेर. शहर या देवा से मार् पर्या ने मार् पर्या ने मार्थिया वा मार्थिया निकास के विद्या में मार्थिया निकास के मार्थिया निका इभगत्रद्र विकास्त्रहरा अदेव दे हा अर पर मार्ने दे अपासर पर है वारा स्टर पर द्गर्द्र न्तरं (न) द्यर्के क्राम्ब्रथा खुवास्था खुवास्था क्राय्या तर्द्र द्युराद्य राय्या क्षात्यर मार्थेदरदर भग्रमानाते हर वेश हैं वे वेश भारत दे देवा के मार्थ के मार्थ के विशेष ग्रेर्क्टा पर्हें हर तर्ह हराके महत्र के महत्र के महत्र के महत्य के महत्य के महत्य वासार्यस्तर्वर्र्त्रव्यान्यर्थाः वर्षाः वर्षः नर जार ता तर्व यति के व के का कि । ही जिल के वा ने में के हा ही हर हर तरी सेर.धरकारार.धरेता गिडिंग्स्ट्रेस्ट्रेस्ट्री केगा श्चित्राक्ष्याचात्राच्या ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा ।श्चित्रवा भूद। र्या.पर्येवामात्राचानता.पत्रेचात्रेदाता.पर्येवामा विद्रदेशवा.व.च्.व्रिक्तर्या र:र्ट्रंट्रं अम्मेशव। विद्यामार्थिके विवादिक्षेत्रे विद्वादे । वास्ति द्वादे विद्वादे । श्रभारक्ष्मानेक्या सेवानान्ते। सिरामारक्षमाना मारामारक्षमानेता । दरामारक्षमा रीष्टास्वार्वरारे । र्यातात्वरावात्वरावात्वरारे । वाक्वतार्वावात्वर्षात्वरारे मायवर्रस्थित्रमान्त्रे वे देशता । क्षेत्रं यह द्या (द्यापा) क्रिन्य प्राप्ते वे देश । दिन्दिर ही अधुअद्देश्यद्वा । श्री ने देनते में द्वावया हुद। |द्वाव वस्ता (देशक) श्रेन अक्षेत्र. चलकार्याक्षरा विषाला विदाला देवए वर्डे देवया । देवए प्राय देव केरे लाखिया हैर।

525.751

pasie

का.खयु.क्.क्.क्.क.त्र १८८१ । ८.४८.भाषां विष्टुराया ।दे.हर.दसप.मेथा (मेबाया)शुपरेया म्। रिनयः वहेबारा देवारा देवारा देवा हिंदा है। रिनय में रिनय के रिवयं राजवार करा रेश्रवास्त्राम्द्रथतवद्र्व्यभा विश्वायावदास्त्रम् त्रद्रावविष्यव। स्रायति पक्षात्रात्रात्रात्रात्राचात्वात्वात्वात्वा । नामपाविद्यह्यायक्षे वादे। दिवामध्ये क्यानी त्वारा । वाल्यव तामाने स्थाना तर्वा । रगम्बिरकम्परे हारा है। । वा कार्या खित तुराय राय राय रेपा । के विश्वरकेव अवात्मा नित्ते । विस्ते त्या हिन्दे । द्वारी । र्राद्याम् श्रुद्र राष्ट्र । विभयायवाक्य क्षेत्र कार्ट स्ट्रिं । वर्षेत्र भर्त्र वर्षे वर्षे वर्षे वहुन हिनायते साथाद्ये वल्नाव। हिराविर यहवायति देव (देव) दे। दिरादेव र्थताता शे शुरानेता । दुवा शे शक्रदासर्वातावा तत्वा । असे विरातस्य वर्षे तय स्ट्री । असे यहें बहुर असे मायहें क्रीकेंग मेरी अधियां विश्व क्षियां त्या वहें विश्व हर सम्बद्ध के सेवारी चर्वारेशास्त्रमा श्रुटाष्ट्र मेर्। विगानिशास्त्र श्रुर्वास्त्र स्वापात्र वा विरावत्य रायति वर्षे तर्वार्। दिर्देशस्यत्यत्यात्यात्रा विद्यस्यावित्यम् तवातर्व । विविद्यदावता (माउरवर्ष) माध्यातिहर्दे। विदेशदेशक्वानाउद्वन्ववाराद्वा विश्वर्ष्यवार्षिक हैरी। रियत वर्षेत्रारा (पवाभन्नेन देन रहा विदाय त्या विदाय वरि शे मुन्दा विदाय देवी भ महित्रम् १९३३ ह्रम्या । वर्षवाधीर् वर्षवाताक्ष्याता तर्वा तिवस्य मिन्ना वर्षे रदा । तर् व्यामेर्यते मेर यह । निरद्या क्षेत्रवा मन्दा । क्षेत्रवा मुर् पर्वेशन्त्र। रि.शुक्तिश्वात्रत्त्वरत्वराविदा रिर्द्धिशावविद्यात्राह्मात्राता हिक्दा मूल 型上山里山(大)(南山山)(西山山)

किया बेर हिर हिर हिर हर था राया के तार्य राट उब के राजा तह वार्य वा सहरी नाववाभारयातः वर्द्द्वसान् व्यट्भे नारान्। द्वातः वे न्यायातातात्वास्ताय। विवास्त्रात् इर्यक्षा अवर्रद्रायायवनुराष्ट्रवर्षा । वहरायद्राद्रद्रवर्षायं वर्षा तथद्र क्षेत्रम्भार्यः। देन्दराम्बद्धः वर्षानुष्टिः दुर्गाद्वान्यम् । द्यायदुर् वया। त्या कर में क्षेत्राद्द्या श्रद्ध मर्द्रमाया यह का मर्द्रमाया यह ता मर्द्रमाया स्थान स्था मरीद्रावक्ष्राविदा) हे त्र्वाश्वभवत्वद्वत् भ्रद्ववाश्वरायताता यावयाला। व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् व्यान्त्राम् उर्वाहरम्बाराहरम् वर्षा (वर्षेत्रारा) नपुत्री द्वाहि द्वाहि क्षेत्राराहर वर्षाहरम् वर्षा भावेशकास्त्राक्षात्रद, किलात्यं, सैंशिक्तावर्षात्रहार दे प्रत्रीत्रका दशकी रदावि स्वार्थित क्रीया प्रकार्यक्रम्य प्रवासानिय । स्वर्गानिय । स्वर्गानिय । स्वर्गानिय । स्वर्गानिय । स्वर्गानिय । कोर्नु ह्याक्षम् स्राम्। र्वत्वाद्याया वित्वाद्याया वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वि

今日1日本

213

गार्की करहे में हुत है। होगा **स्ट्रिश्या** शु लेव यते अने के के मेरदे । विनावनुन्य यते में के द्वा अने दे । किनाव मुख्ते क्रिंद्र वास्त्रास्त्र । वि. त्रांत्र गांचेद्र (क्रांक्रेद्र) न्युवादायम्बर । दिश्य वाद्यायते म्राह्मारे। रिविषम्परिशरवरम्भेतास्टरम्भवरूम। विषवर्रद्भा । शुर देनकाश्रीय तेना देनका गूर। डिल न्यूर स्वा रुवा हीता हिरा । हिर ताता छै वादे सवा स्ता । स्त्राप्त स्वापक्ता द्राया हरा हरा । १ उट्डा दरा येवर ने मा । अववन में दर्भ (山多く)いまり して、み、いまらか、むこういんべし しかっているかく、ない、くるから、 सः सर्वायम् त्यम् त्यम् त्येव (येव) । हित्य वे सर्वे सर्वे । हिर्म्य वे सर्वे । वेला । अन्तित्वेयर्थते स्ति स्ति । द्रार्थित्यते स्ति । व्यापाति । व्यापाति । क्र श्चर हर । हिर्छ दयनसर वरणररे । एसक (वाप्सक) देश पार्श्व वर्षा लड्ड्यूडाक्ट्राक्ट्राक्ट्राक्ट्राक्ट्राच्या । एकुभराक्षेयाराट्रेंचयाराट्रेंह्रा । दश्यारत्ये याराट्रें गुन्द्रायदारा विम्युराष्ट्रियास्य साम्युरास्य मुन्द्रा विकास्य साम्यास्य स्थान्या । क्यायाः हिवायाः सुर्। हार् कारा तर्वा । मिह्न अमुता क्षेत्र क्षेत्र । विदे । विवेशना पर वेर क्षियाने व्यापन्ता । रहा हैया या वायसम्बर्धियान । रहा दिस्तर स्वरायस रहा। रक्ताराक्षाविवार्यायात्र्वा । अवावराह्या खुक्ते वावर्वा । क्षेत्राक्तायारा अवस्त्रे यात्वाञ्चलाम् शर्मम् विशासनात्मात्मर्था वर्षान्यम् । रसार्थरम् स्वान रेशवासेर रेट वर्षेट वर्षे अंशरवादाह्या विश्वति । वासे भेर्षे । (स्वा) सेरे रेटा विश्वति । विश्वत शे द्वा इंद्रवा शुभ केंद्र है। दिने के दें हैं भारत हैंदें हैं भारत हैंदें हैं भारत हैंदें हैं भारत हैंदें क्या शिकुशक्तक्ष्रेयावयादरावया । रदावक्ष्यायहराया अहर्द्दाव्या। अवे क्यातर्कातहरा निकासकार्याता । रिकासिकाराका यहरा तावास। । रिकासिकाराका हरहरा। हिर्द्रार्थमत्यदुर्द्धक्रिया । यरक्वमदत्ये (श्रेरा) श्रेक्ष्रिया क्रार्डियावयक्तिश्राप्टियाविका पर्वेच मिरायप्रायाक्रियाक मिया जिरुक्य रामा ल्यातात्मित्रयात्मे । द्वा तक्ष्य भादवास्य वाराक्ता वाराक्ता देते। युराक्षे कुर्याद्वा वाराक्ता र्यालविद्या रि.चलशाक्षिका प्रदेशकितारा प्रवासा विद्यारेश के विद्या मृ स्वाभास्य विषया वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य । वर्षाम्य वर्षाम्य । वर्षाम्य वर्षाम्य । वर्षाम्य वर्षाम्य । द्यार्वानत्त्रम् द्वार्थात्येद्र । तिर्वानेत्र्यात्रम् क्रियाच्यात्वेद् क्राज्यक्ष्यक्ष्यात् क्ष्यात्रद्रात्मक्ष्यक्ष्याद्रद्रात्मद्र्यात् क्षेत्रत्यात् क्ष्यत् व्याप्त्यत् व्याप्त्य

यथ्यास्य (देवत्त्रमा हेदत्त्रमा) विवाद्य दिवसाया वास्य ब्रिट दवरायाचात्ता कविताद्द मु.हर.तपु.पराहे सकुरक्रियार हर पर्यात्र हर पर्यात्र मुहरासर्ये परिश्वेषास्य मेर रार्यस्था मेर् मेर्ला वर्वाव द्रायर र म्याला र ले रवात्म मेर्र रामि वा केर रवात्म मेर रा.प्रवेशनान्त्र से.कुराकुरा विवादमा प्रवेशनविकात्रविकात्र विकास विवास रभर्षेण हैला हैला हैला हैरहर हैं वा स्वाह्म वह रहिला हर वर्ष है। या वाह वाही हैं र रअवार् देव. र्रह्माला भेषार् द्राया विराया परर के मिर्द्राया में अवार्त्त निवार्ट्ड महार्यान् सामान्यान्त्रा राम्ने समान्यान्त्रा राम्ने समान्यान्त्रा मान्यान्त्रा । द्वाने ह्याना हर ने वार्ष हर दर्वा वर दे दे विवास मिन दे वर दे हैं में में में में कार कर दे के वार्ष वडर:बुटः राट:शुक्रकेण:रूपार्चातवास्य स्मित्रकेष्ठिण:कुरदार्दे वावरास्य। दिश्मदः र्वाचर के पार्य प्राच्या है। है। हत की पर पायक्षा यह र मार्थित के प्राचित की प्राचित की किया है। से.ज.रर.कूत्रकुत्रिंदरमुवामतः (स्वक्र) अरद्याम्यादे यास्ता रवे.ज.अरदे से दर से. रुवारार्यार मूल (मूल) मैवा. अरेर. रु. अस्री स्वा.वारेव. खवशास्त्रें वारेव. थंगरा कुन्(वकुन्) मेर द्वायते भुन्। विरायता भुन्। विरायता स्वायत्वा स्वायत्वा स्वायत्वा सीट. ता. केशभाषा। श्रीर है. विषाय हरे. (विषाय हरें) की साम में से दा प्राच से माना पर वह देश किर.पारासिक्ष देवा अरहिर शिपर लेर शिराश्वरणान्या।

स्कार्त्य स्वार्थ स्वार्थ विद्या स्वार्थ स्वर्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार

मिल्यराता जियाक्षात्रवर्षायां अववर्षायां विष्ट्रात्यात्रव विष्ट्रात्यात्र म् दे रेंद्र्युराष्ट्रवचनतायद्वात्। विश्वेद्रः हरायद्वात्रवन्त्रवन्ता । त्यावक्षदं वहत्त्वत् स्वायावयात्या । द्वार्थायात्यक्ष (या स्वायातात्रेत्। । मान्यास्य ह्या स्त्री यम र् वेदा (ब्दा) प्रभाग निर्देश (ब्दा) । विदेश नक्ष्य में वाया की रवड तर्व रिक् यकार्ने वी खेरा (ख्या) कि ता एकर। कि पहुँ ता केरे के खेरा केरे के खेरा केरे के बाइवाहरकारदे। विदेशकार्याहरणाचरणाचरणावरणाविकाणा । व्यरम्भवन्त्रम् थीवाता। विक्रिये तर्ति नाइट (नर्ट) ता श्रुवाक्ता। विद्वा तराष्ट्रा पर एवं पर दिन र कि प्रत्यम्य ह्यान म्यानेता । की यर बेंदा यके में या विकाय अने देन में दिला या या नेद देन दिला है। न्दरा मिर्ग्रस्य (वर्गर्य) बुर लर्ग्र (वर्गर) लेन्द्र। । द्रग्रस्वरा वर्गन्द्र। रास्ट्रिट द्राम्याहर सूबवा दिनवा से में में रामाता मुख्या प्राप्त स्थार सुवा नरियरमञ्जासारी । तरि के देन नेरावलका हीरानगर है। रेडिरह्मवला त्यर की लाके पर्यासे। पिक्षेत्रया ग-पुत्र हें श्रव हिरक्ता। श्रिक्य प्रत्य के प्रवास्त्र रेश प्रवास रेश प्रवास्त्र रेश प्रवास्त रेश प्रवास्त रेश प्रवास्त रेश प्रवास्त रे (वर्षाम्) द्वाया ।का.प्रिक्त व्यर्गरक्व द्वा । द्वारक्षाविक्षेत्रव्या । वर्षेत्रायद्वित्या के.स.के.ज.८८. । वायान्त्रायः यु. एवेम.८४.थी.८८। विम.वेप.रताप श्रद्धः विम.वेपरासम्पर्वताः युर रह) विल्या वाल्या क्रिया है वर्षा यह ता है व्यावका त्या । या सम्प्र के वह देश देश देश र्भे व सी द्राया का र यद दे। विर श्रे का हेर व वार देवत है या विराध का वर वार व र्माभेर। । विवाद्यम्बर वरम्यते स्वयास्त्रित्र स्मान्या वार प्रे. वाषा दारा वारिर्याता । विद्र वि विद्राय प्राप्त वार्य के वा (धेव)। विद्र अवशक्त वार्ष् शायनीया। विध्वारात्राहराहराष्ट्रियान्त्रवाराष्ट्रवाराहराष्ट्रियान्त्रवार्भियान्त्रवार्भराष्ट्रवार्भराष्ट्रवार्भ रात्वाकरात्रमाञ्चा दिवक्षयायीवाकरास्त्री विम्द्रायीवाकरास्त्र। चर्ड (ड्रे.) बीटा ता रेट कि. (रटकेर्) हटा या तार्थी । ते ब्राट्य पाय मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र रेत्रे कें. हा मस्तिवा । पहुरवेश विव ता लर्ड्या होरी । वार्य सेव (सेवया) हार्येश. कर्राद्वाभरा वर्षे (हे) श्रीरयति रयतावरुरमे मे ता निवानं सति श्रीताता स्पर्देवा गरी विस्मार्भिट्यिता. त. स. स्ट्रेश्या वितर्शा पर्वेर में ग्रेश शाहर वी वित्र क्षेत्र. पर्या मर्दर ह्या हर बेरवा | त्या आहेव कर याड्या कर हुत हेव देव कर । १ इ वर्ष हर है। पासेंगा दिस्रिक इत्या के प्रतास मिन्न हिरा हिरा करा साम हात हिरा करा हिरा करा द्यं स्रेर.क्रेब्र.लट. ब्रिवालायहेवालायहें स्टब्ब्रलावालिडलाया देवह.वर्देश्चेशलावलवे. अर्गास्ट्रिश्टर ही बिटाबिट तर्रिया वाया वाया वर्षेत्र (अवेवे) दरस हे व विशासन वर्षे ।।शुक्रास्थ्रं श्रम् रिट नेर।।शु (गडवं)) ण्यामा केट क्षेत्र त्रेत्र त्र

, बाउँ। यर.सद्धानमान्त्रात्व | यर.सद्भारताना.एडम.तप्रधी ।श.एव.त.स.यांवुपुर्वर. वरास्त्र। रि.च वे. ये. के. वर्षे वरमे वर्षे वर्ष र्दर्र गरि करितरम्य यह मि । श्रिक्ष मिन रहिन परि हिन परिवादा । कि अहरा के मैं ने स्वार्थार्य। विविश्वायरकी र यह। विश्वार्थिर यह वारवारी वारवार्य रहा। याक्षा । तस्यासीटक्यायायायावी । वाष्ट्रवायावी । वास्वायाविकार्यद्रवायदा । द्रास्याक्षायी स. ब्रिट्रा । शिट्रांश ब्रूट्र व. येत्र श्रूद्र। । रेश क्षेत्रा गर्या स. त्या स. राज्य अरमा । सर यामात्रवाक्तियमात्रविद्रद्र। । अरद्रात्मा धीर्षर। । र्यमाह्मामहेशकी संविभाग (म्.अम.) परी । रद. मेर्डे के प. व. (र.के प.) मारा व.हा । रड. वया चरे के पर कर का विदेश. ववातिकेश्वात्वम्याद्वातःहर। । यास्रीयद्वातक्रिंयार्केटाशे । त्यास्रीयात्वा हर्श्वार्टा । अवतः (अवनः) रार्यक्याय प्रवासारह्या क्षेत्रा । रायकः मृत्यवाया पर वरामभेदा । १४ व. हे. हर तर हुन मा । रेग्र. मु. मे. मे. मे. मा । याम हिमा ने मा हि. प्रे ता. प्रा. मूर पर्यं विषया किया किया परिवा पर्या परिवा विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया नवमन्त्रमाथ्यर: या श्रेथ: थर (श्रेथ: धराय) यहा ।दे श्रीर: दुरे हुरा यहा श्रेषा श्रेषा (श्रेषे । नाराता इ.इ.त.रूरी रिकार कार अहे. जार मार कार निया है वार आहे. जार कार निया के के कार जा है की निया है की वी विष्ट्र-शराय देश रहा भेराने । विराधकार वर्षाय प्राधित हैया प्रवार वहुवा विरा क्लार्यहान्द्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्तान्त्रा । त्राह्रान्त्रान्त्रान्ता । त्राह्रान्त्रान्ता द्राः ताक्षत्रेता त्रुता ।द्रश्या ।द्रश्या वात्रः वात्रः वात्रः वात्रः वात्रः वात्रः यंक्रांकना शियाशिया व्या । वा विति द्यवया क्रिंड्राया । वदे (वे) नानकाराकेवः बिर्यवाराधीवाद्माराधीवाद्मारा। । तर्वारा (देशा) यथाकाकर पर देव देवावीर। । रेववा क्तित्रार् तर्ने न्त्र पर नेरी रिकाचा रे में हु ग्रार रे चिता वा में वा में दे वा मारे का में में राश्राहरा विद्यालिकारमात्। होवंदियरहराश्रमहत्या क्रियंतरप्रदाहरामा मडल खुन प्रभार हैं ते । अद्भेव नियम हैं को खून हैं । यस ते नियस प्रभार प कैट.रे.इ.स.त.र्थ.मुक्ट. विजासदम्यवरायवर्दिःमुच्च विषयायत् स्ट्रियः साम्बर रे.चलम. ब्रुल.त.च.इ.ल.८३ हिर.४८.४९.१३ हेरा. हे) ब्रुल रड.महास्व व्याहेश व्याहेश द्या याल्य में वर्षा देश | दिन्न के प्रकाशक विषय । वर्षा के त्या के वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा 如(1885年)日至于江村大村 (1867年)日本江西村(1884)日本江西村(1887年)日本(1887年)日(1887年)日本(1887年)日本(1887年)日本(1887年)日本(1887年)日年)日本(मार्व यविवा दुराना हैया हिं वव मार इंद दुरा वह वा हैया । रिना के दे के प्राचित विवा इसला श्रिवार्गर.क्लान्यहार.वर्षाःला रर.सीर्गराय्याम् सेवार्टा मूर्स्सेमाणा

एव्रि.च्.च्रहर घडला हे.प्र.च्रव. १५.५ होता विचक्रवावयावयाचा ह्या.

जिनाविया। 1991

明天理二十

श्चि त्ये अस्तर्था याद्वा विद्या सम्द्रवद्या स्वर्था विद्या वर्ष्या । से.ज.च.ध्र.त्र.भट्टर,(अट्टर.)। रित्रं अ.जी.तपु. से.बैरा, यमेश्र.तर् अट्टर। विचानवरता. यी.क्या.वर्षेयांताह्म.असूरी विरंशहर्या नार्त्या क्रिया.वसूरी रित्रार्टर प्राप्ता यान्त्र। विक्रास्त्रकेत् प्रत्वाप्त्रक्ष्यः प्रदेश्यः विक्राप्त्रक्षः । विक्राप्तिकः । विक्रा वर्गवार्टक्र केवा से हे स्थान । विदर्य व सं ने से में में में में ने में का केवा हैं दर्से में इस्ता । सामाद स्वामित मानावा । सामक्र र तामाद है ता है) । वर तात्वत स्त्रित्यते वाथा त्युवा या । वा विते र्यवा या स्त्रित द्रा । वा त्या स्वा स्वा स्वति त्या अर्भेद्र । त्रात्यकारायतिद्यत्यदे । अववितिद्यवयाति बुरमेद् । विवरासूना सूनात म्यायाष्ट्राचेर । म्ब्रीट नुति वट कीरा (वी) याद कीर (हिंद) द्या । द्यतः वरुद ह्वा की दम् क्रिंड् (क्षक्) । प्रिवंट्य सुना में द र विक्या मेरा । स्टर्ज्य केरे व में द स्वर्थ र विश्वा राभारात्वहर्द्यरः यं तम्यान्ववातदुन । भाराभववादयवाद्येवाद्येत क्रिया देश देश । भारा यावावात्रं व्यूपः क्रान्ता । यादावावावान्त्रीर याप्राववायान्त्रा । वदाके त्याक्री व्यूप्ति लालहुन विकेलन्त्रिरः भूर सुनाललहुन विकार्य न्या विकार न्या विकार। हिर्यात्वशक्तात्त्रं गर्यत्वर्यत्वत् । मान्याप्यत्ते दर्या मिन्द्रम् । मिन्द्रम् वेमता ।श्रामार्गिकरमायामान्त्रम् करा ।श्रामान्त्रम् ।श्रीदादातान्त्री ।श्रीदादातान्त्रहाहिता क्रिअनुराम्। ।वरक्रियतिवयरातरेवाकासक्तास्य (सक्ता)। द्रिमाना (स)वर्षिवियानी यादवारा कि.या.व.या.वेर.वारीवा(क्यावायादेर.या.वायका)। विक्व इति विवा(प्रवायाः) पा.वार.

द्वेदराप्त्। क्रिन्न्नामवराअवानवराष्ट्रत्निका व्यवः अर्थः वर्षात्वराचन नेद। । व्याद्यत्त्ववायते को तक्षेत्रद्र। । व्याद्या व्यत्याव विवास व्यादा । देनी विन त्राक्ष्या है हर स्वर्थ स्वर्थ हैने हेने किया अदिस्त्र स्वर्थ के के किया किया है के किया किया के किया किया के किया किया के किया किया के क लद्ध्यात्र्यात्र्यात्र्य । तह्याहीद्यार्थ्यायाःता हिन्द्येत्राभ्यायाः दे र्रायेश्वर्त्वर्ति स्वर्ति । जायकर्त्या श्रीटर्ग्रार्थित्वर्त्त्वरात्वर्ति व्या या. र.स.संद्राया । वालिट क्षेत्रवाकियात्रा हो वराशाता । र.स्वेशवराशाया वर्षेत्रवर्षा वर्षेत्रवर्षा वर्षेत्रवर्षा न्त्रे यदाश्चीदानुरि दुरायायवाया । नेवाया कट्कायाये हित्रु हुर् (शुर्) हु ववाया । दे ने दे र के हुर एकट् (अक्ट)द्राजीय। शि. (श्रुट) र्थ. यड्या क्रिया से राजी र व्यवभाषा यक्षेत्र. (वरेश)-मुक्तिश्व। । एह्दालिकामा दुर्ध्या दिर्द्धा । दिश्वभाष्ट्र कवर्ष्या नि रश् स्राप्ता सर्भास्वः दुः १८८२। । याम्याण्यां योवायाने यावयायायाः। । यामायावस्य अट्टरवरा.लूटा किथावत की. सुराराचिवा रिअवा.तु. वसूर.वक्टर्यीकास्त्रीवा राभवात्त्र सम्बन्धियाक्षेत्राक्षेत्र । विद्वाम्याक्षेत्र व्यवस्थान् व्यवस्थान् व्यवस्थान् व्यवस्था बिराश हैश। विविध्येश अस्तर तारर के त्यर । निर्वशान अतर विवाश हैया। विव वस्त्रः(ग्वास्त्रं)रादरःश्रीरा संदूरः(स्वास्त्रः) ।वरः । अस्याद्यारः वात्र्यः स्त्रः । विवः र्यात्र के वाद्र द्वारता के किया । कियार गर र र र र र र र र र र र र विया विया । असर्दरद्वानामा । भारतिकार्ज्या होते होते हेता हुन्या । दिह्या हास स्वास निर्मा स्वास निर्मा हिन्दरा हास हिन्दरा हिन्दर हिन्दरा हिन्दरा हिन्दर हिन् र्वाअविष्ठात्वेश (ब्राक्रिकारायमा श्विम देशर वर दर्वेश्वर माहिरी रिकार् रेर. यक्षेत्र के देवरा はの、また、ない、と、まて、まといれているい क्षेत्रात्रं दर्श्वी शावसेंद्रवर्गा काष्ट्रद्रक्र्रां गण सेवराद्र शास्त्रवाक्तां दे वर्द्र देवीव. नुवारास्त्राक्षे वारार् हेवा वर्ष्याया मुवारा मुवारायारे त्वा गुर स्तावाया वापायायायाया खिराइर तर एके हैया हाम होर प्रमान है से हिर हो हर हो से से हिर हो हर है। किया 打型、からからのなから、とは、そのとのでいることは、(な)ないがら、は、その人は大きなの रायान्यास्त्रम्याः हिन्द्याः राध्येव। दिद्द्ये हुन्नहितायदे खुताया (के.का) वर्ष्ट्रद्द्यास्य है は、君は、とか、事と、よと、其かれ、え、くずとか、か、かかずと、日本、およ、かか、かとかとかか केट मन्त्र। मिल्याम् केट यर महिर मिलट्या क्रवरा मिया प्रवास में हार दे दर श्रेट क्रया में दे में क्षित्र मार्थित क्षित्र मार्थित होता (क्ष्र) हिरा हिरा वर्षे क्षेत्र मार्थिक विषय प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य मार्थित हर्ष्ठयम् श्रद्भारायार प्राटलक् त्या मार्च रहिरक्षाया क्र राम्यावर्तायर दित्यो देशराया राम्या मियत मिया मिया मिरामि मिरामि चाववाक्ती सिकास वर्षा सुर्वास्था सेवेशास्था करा कर कर वर्षा सेविशा रेग्नाहास द्वरात के विवया करा (हर करमा) विवादाक्र के मान्य वर्षाता से राजवानिया कि ज्याराया अवशाह स्वाहम अक्षात दा अक्ष देश त्याया दे श्रेय हर। च्रावम स्वावम

2 में हा

म्यायतियान्तर वीरा (वी) कुंवा द्वा ववत्या वा ववत्ये ये न्यर त्यं कुरायन दर्वत्या क्ष्रिंद्र : इराय राज्य प्राप्त (स्रेय) श्रद्ध कराय दर हर् हर हर हर क्षेत्र राज्य राज्य वा असे राज्य राज्य राज्य रे.स्वया। विमागहर् हर् मुरा. क्यालाव विष्या प्राया प्राया प्राया हर सेवी व्यापना अस्रदेशवे.दे.द्रि.श.वे.क्.परे.या अवाया अह्या तर विकाय प्राचि वेशा रार सेव र्या कु अरेर.कु. (वरेरक्), रे. एका राक्तिम्यवरवरदा ताराविकाक कर दे रह के रह के प्रतास्य स्वारा क्षेत्रे। रिश ध्रिने थार वी तर्वा मरा द्वारा से कार है वार है व हिर (रहर) वे.वाट्यंश कट्युशासहर (हर)। अंद्धर्भवंद्र भारक्षर सारका भरा इ.क्ट्रा.रे.जूर.सेवल) च.लर.बेल.इ.श्रेस्वश्रुस.ध.बेल.चैंदा कुवल.बेद्र्यरंड्रवेश किन्वरमार्था मुस्याम्यायम्याय वार्यय दे वर्षा वात्वाया म्यान् वात्वास्त्र वात्वास्त्र वात्वास्त्र वात्वास्त्र सरस्या विवर्शियादेक्श्रीना लिना हास्या वाल्या सामा निर्मा नीक्षा सामा स्था वरार् वर्ववा किताराष्ट्रवर स्वाराष्ट्रियार के वर्ष स्वाराष्ट्र में देश वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष रास्यवार्याम् मुत्यावरात्वरास्य द्वरास्य स्टूटिन क्रियायर त्वरा द्वरा स्वरा द्वया देलदुराखवरा है इवादवादरायविक्व। के स्रव (देशक) दे देण र खेंगराय दे वात वरि (वर्ष) रे द्वार्भ दिशक्ति है र दिला मा प्राप्त पर के विश्व का मा प्राप्त पर के विश्व के विश राशाक्री थे अं (अक्टरेअअ) ही अन् अराज्य अराज्य अराज्य अराज्य अराज्य अराज्य कि हार ही में विरा पात्रक्षाता । वर्षारद्द्रेवरावरा,मैट.वे.इ.क्याहर,वरेट.रेए।क्या तर वासराहर -श्रा अर. मेर. देर देर के थाए के में के बर्टा कर हा अर्ट में में कर (मिया) प्रेश के ब्रिया) वर्ष के किया त्र त्वार र मुन्ति वर्ष वर्षे व्हिर्वक्षर) मर.पादकामर.पक्रिया. रेडियाकामुन्त्रा, में क्रियाक्षेया क्रिया क्रिया कर निर्मा इक् हे व मिला ही (हिमा) से वा (विवयाने पार हिंदा मिरिया देत) मिला वर ही करिने पार है हर हो । द्रअत्यूचा अध्यानित्व विद्राचारमा श्रुटः। श्रुटः क्रेंच मानी श्रुचा सेवा हैवा मानीवा म वार्टरतासंदेवरतास्यात्रा मेचलार्टर। मेचीर्यलक्षरार्थरत्यात्रम् बुलाली देरहर्ष्ववलानुवलुकाद्रदेराध्यराह्मारा वहलानिरामके यानवराहु वाहरू くと、そ、ひ立く、也か、(あ) ダ、くか、いか、(いる**) そのよ、白か、(とか) あく、まか、これが、のと、から、いかい क्षेत्रवरादर विष्यवया वाष्ट्रकेश्वायत सेवा रहिष्ट रहेरमण कुण करे। दर रहेरम ममलास्र सर्कराद्वास्य त्यात विवात विवातिय सर्म स्राम्य स्रम् स्रम् कियार वर्गद्रदर्ष्ट्रवाववराक्षेत्रीलाहुष्ट्रा तवातत्रेयात्रह्रव्यात्र्वराय्येर सुलाद्राप्ट्रारा क्या श्रेव वर्गाता तर बर्ग वर्गा वर्गाता दादव या केड्र (मकेड्) देवें का श्रेत था देवें दा

दवायात ताबुवादर इक्केट्सवायाय दिन्द्र हीता हर के महिराहर का (सक्षेत्रा) वरकाहरी नाष्ट्रभा शर्यश्रात्राधः स्वाद्वराचीया (वी) वर्षाया दे श्रियामार्यः। विद्या देशस्त्रिशः अत्रह्मः केर्या क्र होत्र दर हें अन्तर विताय दर्भ की दर्भ देवार सिट्डर हिट वित्र अधिका अधिका वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र नल में चर श्रेच मारेद जादल (जूद) जियामा त्यीं यह वर्षा में माकद में दिनदें) में माना। युवाचर स्वातवारवार्या साचा को चालवा चाला (क) मद्र सिवास, पाच देसाव वा प्रवासिवार्य रद का लार शर हर हैं हैं हैं हैं के कर विश्व मेर हरें। विस्व मेश हैं के हर हैं हैं हवा की भी वा ह्मिन्द्रम्थान्दरायहर्षायाः ह्मान्स्न्। द्वायहत्वमार्थातः मह्यान्त्रः व द्वरायत् यो नादरा |म्यामप्रेश्नेटः। इक्षिताम्। वदायक् एववार्वत्यान्यान्यात्रात्। वर्षे हदादरः वर् विषये भाग्यायूटा तीलबुर क्लेब वल बिट प्रशास्त्र वर वर दिया है। रक्ष केंद्र (बर्ब) जिराक्षाक्रमा क्षेत्र रेत्र स्वाना अविदर्भ में या अवर ली. मुर्ग मित्र होता है वा रेत्र में स्वान र मार्त। भून मं न निया तर् हेर येर सर मारामा सर महिया राष्ट्रिया प्रति (वते) मार्टर वन रेर.केबाल.इ.रदाबालर.केबाबुश.कैदल.बेबालकेलाव. च्याववलापरेकेरी च्राक्षित. दे. प्रत्यत्यी में बार्यस्य हिर लेट दे बालवा बालवा वालवा रामायामर क्या वाजा विवास स्ट्रिंग दिस इ.स्ट्राच . चिता हा सु हत्र व. क ह. से बादा से ह त्रा झे पात्रकार प्राची विश्व विश्व करना अद्भारवार्य ने विश्व के व भिक्षात्रात्र विवास महत्त्र क्षेत्र क् रार्ट्र क्रम्या कुरुरार्ट्र रेंग् क्षित्र म् अवशास्ट्र हैंया रा.च-ने यानानेट रंट यर वियया क्रियास्त्रेत्रात्याः अरक्षित्रार्यावर्षेत्रायः यास्त्रार्यास्यात्यात्यात्यात्यात्याः केन बादाराते श्रीर हे किद्बाद गुरला नेरवयामायत है। दुर तहेव के रह दु अदस्याव करा। के वहरक्ष्णाटा हो देश अर्थ देश र र मर खेर से वस के र के र र ये र में र में

लिट्या निया अक् रेश की विद्या प्रवासित पर्ति एक एक मार्थ की मार्य की मार्थ क्रेर्ज्यार वार्ट्ड में क्रिका मेर क्रिका मे

न्रस्थाद्राक्तार्त्याक्तार् राया मान्यान्त्र मान्यान्त्र मान्यान्त्र स्थान्यान्त्र । स्थान्यान्त्र । अवना इस राष्ट्रे सेर्थ्य मार्म्य के इस्त्रा के इस्त्रा केर्र्य दे व्यवस्ति मार्थिक राष्ट्रिय है।

रणाने एहें द्राराजा ही याचेदाशक्र हैवा शक्र बंदारें श्रिश भाषात्रा हैदा कराई। या क्या

क्षेत्राहुइ,इसर.ह्मा.चुइ,इ.वार्ग्रस्ट्रेड, क्राइब्स्ट्राह्माड्याव्याह्माव्याह्मा

अक्ट हार्य । दिवाल रहाराज्य वर्ष द्वीर हे । क्षित्र कर के के वा विकास कर हा है है । क्षित्र कर हा है है । क्षित्र कर है ह स्वासित्यवारास्टि(लट)दुरायेद्। यात्रादेवायरी (व्वेवावते)वद्व म्हद्दिरायद्वाये । हर अ. ८ चू राष्ट्र से से वा जा । । खे. ८ दे अभागत दे दे वा है। अहर अहरा जा से वा

(35,51) Fottetoh

्रश्चात्रम्। इसद्याचारा

रतर महिला विवासहेट्या १ १ ६ हेला

ल्यर्रवास्त्री । देवार्चर्याः वर्षाः पद्याः पद्याः । र्यवः श्वाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वक्षा । श्रीरव:देशंक्ष प्रमाद्धर । विकारव:एकाराश्चर । विकारवरदेशरः लाख्रा । अयम् अदस्ती भरामना । दे देर ने अते अदूर पराया । दे स्पर्ध अद्दर्भना दसर्थादा विद्यत्वाव त्वाद्यासक्षेत्र क्षित्र विद्यत्व विद्यत्व विद्यत्व विद्यत्व विद्यत्व अर. एक्ट्री में हेट (को हैर) वेश करें। किंवा हो वार्य पर वर्ष हो का हे जरा दिते हो है ए खेता कुर्केण तूर्र । चित्रेर देव रेट एर में हुराजा कि चारवरा में विषया पर रेट रेट रेट रेट यश्चावारित्कर मुन्तिर प्राचारित्या । रिप्र केशपार्य शुन्ति वरेश (बरेश) निप्रा नवस्य । हर यह रहे नहर नहर नहर नहर के बेरा । वारवलने नहर तर हरा हरा । - क्रान्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राम्यास्य । क्रान्यास्य । क्रान्यास्य । विस्त्रास्य क्रिया क्रिंट क्रांच् (क्रां हे) मी रार्भ वर्षर हा वा वार्ट हर भागरे वर्षा कर् पन्ने याना हता कि त्यार व वर दिया के त्या व कर र व व का कि व न्यू का र दिया अके दिया में हैं एकीयता । क्यू मूर अरे देश चर्या म्या मा अर्थ में मारा में माने का मुना है न यावनायति हर (नहर) तार्यदारे । विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या अव भारतर रा (रवर रा) वर्ग वी लासर । विश्व पर्देश वर्दर वर्ग हरे। इ कं छर्थर वर् माहर । विष्वेष कुभर्यर भ्रद्भा । विष्ठ माहर के विष्ट्र रक्षवार्न्द्रक्ष्यं क्ष्राचार्म्य क्ष्रिया हि.चेत्र (एववर्र) विचालवास्त्र वलवर् राष्ट्र रत्तरह्माक्तरात्रात्रह्मार्क्तरात्र्ये । व्यक्तरावर्क्तात्मा । वर्तरार्वरात्र्ये पहर भी देर रवार प्राचित्र पर्वार के प्राचित्र विश्व का मार में का देवा के राज्य में ने के रेट वर्ष्य (वर्ष्य) या छर या उत्राह्य । विर श्वा कृति श्री र हुना यो ही । वर्ष्य (वर्ष्य) याव वर (सर) यम्दर् वर्षितास्य । श्रिवन (स्रेप्त्रेन पर्वायर्ष) ही वातर्वाया डेलान्नरास्ट्रहराकुतार्यास्ट्रकार्यस्ट्रकी नुवा अके रिवर रिन्य अवस्ति हेरा ॥ च बेट.शुट.दर्री बारा, तथा के था.त्र कुरे.(त्र) कुष्या. पात्रा, वय्यादा. के र. अइ.र. तथा ष्यायाम् व्यावसास्यित्वद् त्वदः तहेदार्दाता स्वास्यात्या द्वा अक्टार्ति त वा वा द्वा वे वे वर् रूर्याद्राक्षात्र्वात्र्यात्र्वात्र्यात्र्वात्र्यात्र्वात्र्यात्र् बद्र। किराज्यकीतात्वर्द्रात्वेत्र(२व) नया पर्नेतेन। किर्दर्यातकिराविक्या वसा विरेट.क्ट्रल.तारम्यारमञ्जूकान्वन। रिक्राड्याना में आरक्षान्यता है द्र मुरावित ग्रामारायाङ्गा । अर्थात्य (त्रा) या संवद्वता । त्रा केव द्वाकेवा हुन अस् कितास्त्र। | द्वारशायानामु अरकारो भेता | रे.मेर क्रेश पुरे व्वारा ताह्य। र्ग्.रदा । एड.र्चा.श्रदावर्द र्वेव.म.रदा किवालर्वाया मंत्रद्या वे एक् वहरा।

रे. इर. मिल बेड ब्रेच पाल कूरी रिया शु मितक माल प्रदेश में में भी भी में में

कुला(क्) अबेशाष्ट्रा पर्याताहरा विल्याचा अम्बी बी बार्य आप्राम्या सम्प्राम् दुर। विमार में रे वेच सेच नर हैं या हरे। किर अस्म रेंचे में हो है र नरासा माल अध्यद्भास्या है। हिंद अवास विवाह्मण द्वा द्वा है। देव ता विवाह्मण देव ता विवाहमा उद्यात्मा । वाष्ट्र अक्तरात्मा प्रमुदायकाको व्यद्त्य। मिन्द्रदरदर्दर्का व्यद्त्य। मिन्द्रवर्भावा मिन्द्रवर्भभावा । म्ब्र । श्री. म. र्याचार्ट. रहिवालात्व्य । दे. अश्रेश प्रमेर तर्रे पर्यं पर्ये । श्रुषा हीवा वी माम माम का अर्थर (इंदा गहर) वहुका । वा सुद्र हेर ही (क्रे) क्षेत्र अ स्रे यह मेर रे तिराम् वर्षेया पर्या वर्षेया भाषा वर्षेया मार्था राम्या मार्थित वर्षेया मार्थित स्थान मार्थित स्थान वहर्ष्णा लाभाक्ष्यात्रभावमा सर्वा विवा विवा हिराधाया देवाराया व विश्वेष के विवाहित सर्भे मेरा केताराया के के स्वर्धिय त्या संस्था है स्वर्धिय निया में प्रति में मेरा मेरे मेरे म्या (क) मेरार् रक्त्या वि.स.र् रेच्या अद्धार वरार् स्मा वरार् करा क्रियाचर मुख्य र अट राद्य अव्दा क्रिया अव्या क्रिया अव्या क्रिया मुद्र प्रमा क्रिया मुद्र प्रमा क्रिया मुद्र पर य्यार्वाकी वार्यत्रप्राप्तवा जन्मा रेनप्रणाचन्यविता मूर्वर्ध्यामार् はたい、(のだい) 手はる、おかいなく、かかいとうなりなく、くろだって、ちゃいい、これの、あるいとはいい रमयाश्च मम्माक्ष्या करावश्वरायाम्यायार्थया मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा ्रमालकार्वाक्तास्त्राम् केतामान्यामान्यामान्यामान्यामान्याम् । वित्राम् स्वामान्यामान्याम् । विद्राम् स्वामान्य (अध्या)हर द्राह्म हर हर हिला हर ही अया तर महा है। कार्य महा हर है। 原之的、生みからあいないない、かん、はく、かんはく、かいるが、くが、ラヨナ、ロの、くれ、いるようなはのの -पुरावसकाउरास्त्र गुराक्षिया (क्र) वराद् तहिया नामकार्वा ग्राम दराना दराना दराना वराना अदेशका क्व.वाका ब्रें.वाका ब्रें.वाकार अंत्रेश्वर हे.एहे.इट. हे.कड.र दानाकर पर्वेर प्राप्तिक वस्रात्रेश स्थान्यास्यास्य रात्र हरा है दे नप्ति क्षेत्र प्राप्ति वर्षे दे वर्षे पर्वी (अवी) यए स्वयाशायक्री र के शर के के आता किंदा का करिया किंदर वर्षाता. यहता गरेंद्र इरहर कर्त्य वारा राहित्र दे वारा मार्थ वारा हिर की देश र्णाक्षेत्र द्वारा कर में तहर दे तहर दे तहर दे तहर के तहर के वर तहर है तहर के तहर के तहर के तहर के तहर के तहर है. या गरा में, जा या गरा से अव होड़े दें ये आ विश्व के र दें ते विश्व हैं, जा से अव विश्व के र विश

तर्भट्ट.चुरा गुअराख्यं जयकुर्टा हिट.हाराजहार हें हाराजहार है। र्य ५ (यथ) अडराविशक्त विषेत्रात्मे अराविश्वरात्मे अराविश्वरात्मे अराविश्वरात्मे अराविश्वरात्मे इर.श्रुव.त्रज्ञित्ववदार्दद्वण.र्ब्रूट्याक्री.द्रव.क्रे.र्व.क्राजाह्दत्तर.केथपार्ट्र्देत्वप्र.क्रे. वार्यातातात्वात्रद्याय। र छ्रापर र व्यवनाय्याक्षेत्रक्षेत्रात्यात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वा विवरानु देवानु व्यूद्व अह्दत्यम् हि। देशम्बन्ध विवर्षानु स्दर दु हु । सुर विवर्ष देश हु । बीडाला अ बार्य प्रदेश वर्षा ने ज्या ला खेड देश करते हैं तह का का वर्षेत्र मुद्रे तपु क्राया पड्डिसे र विषा हे त्रवा मा से स्ट्री र क्राया प्राया से साम से प्राया पर के से से से साम र्द्रणास्त्रवाशाक्त्रे, ची, त्यापद्रम् क्यापविवास विद्यास्त्रा में खिवास विद्यासाय र्वीतरक्षात्रायरं दुःयव ।देन अरवासार्टः द्वाया द्रा तरे हैं साक्षे वर्षे व न्त्रणता क्रेन्या प्रहेरी रे.ड्रिया क्रेन्ट्र है. बार सिया है. हो हो या प्राप्त हो। वार्य है। श्रिक्ट्रास्त्र में नेता देर पर कार्या मार्था मार्था मार्था में कार्या हर कर के रहित होने र्रात्र्यम् छेर। यरश्चरायाम् वर्षेत्र (गुड्रा) यर् वा वर्रे देशामहर्मे वर्षे क्राम्यः स्टास्ट्रस्यः स्ट्रास्ट्रस्यः स्ट्रास्य स्ट्रास नर हे १ र छ है। विर अहे व अहे र विष्यु है। विर है व कर है व कर है अहे व एक्टें अन्यासर् स्रायाः । श्रिर्यं नायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः वि.म्रेन्द्री रिजारवेण वरायक्यूर जारेरा दिवाराष्ट्रयाववान्त्य अरदशक्षेत्रवी अहरा स्वावारत्यार्थे ते नेदा सिवासावव स्वायि हुन हरने। विश्व स्वावार लावर्गर्यादेश |दूर यत वन स्वास्व स्वास्व व वि । व रमावार लावनार लादेश । लना गिष्ठि से गरा वे वा एकिया हो । से अक्टर चर पा वर्षे देशा हरी । अक्टर (क्टर) व हिंग व विवय न स्वाय हें है। किल से वावका कार है हैं दे अया। विश्व के हैं के स्वाय हैं। राष्ट्रवाराम् अवसिराह्मापुराह्मा ।राष्ट्रेगाहेवाराक्षा ।र्यववरावाणवारा पर्वेश विराम्हरमाथात्रेचारम्भनी विराम महर्षामहर्षात्रे हेराता पर्वे विराम त्वेत्र मेर् (त्वन अभर) कुल यह ते वह र । अयह ते मुदे मार्वर विदा मिनेत हिरास्यान्यान्त्र्रात्त्रः (क्रा) क्रिर्म्या हर स्रम्या रेट्। स्रिर्म्या हर वि बिरामान्य व्यवद्वर । । यदविवद्यक्ष विद्यक्ष विद्या । विद्यमान्य विवास विद्यासम्बद्धा इर पर लाग्र मा वर वर्ष महर। विकेश राम्ये में मुन्ने | र्वाय अवत तर्मती म्राथियरत्वर। दिलक्षेत्रवर्त्तर्भावत्वरत्वर्त्तर्भावत्वर्त्तर्भावत्वर्

ता विद्यायायम्द्रम्यायायम्द्र ।द्रायायायम्द्रवेशायायम्द्र। ।यायायायम् 为宝宝! अर खेबायाया मूर्। शि. प्रूर्टर रच राध राष्ट्र राष्ट्र के राष्ट्र राष्ट्र विकार के राष्ट्र व

बरनारर् । मुड्रिरंद्यंत्रार्थः वयराक्तिवव्यात् । रिम्यार्द्यात् स्वराद्यातः बूर्वायमार्वामा ताता सर बुरा । उर्बे व्यम् के विष्य मिरा भिरा भूकरी । विव स्याचारीया तेयारा र्यास्या किराराप्त हैयारा के वबरार वहें वह या है। या के मान नश्चितात्व। जिलाक्तिसाम्बर्टा दरार्गरान्त्रवाक्टराक्षेत्र विराज्या

ट्या.क्षेत्राहियाचातर.उद्यर (क्षेत्राइरक्)रटा । क्रुट.र्या.ताक्रेख्णा. इंद्या हि वेट एटटर श. ए क्रि. १ क्रि. १ क्रूर श. क्रूर श. क्रूर श. व क्रि. व क्रि. व क्रूर श. क्रूर श. व क्रू

महेता (कड़ता) मतदूर व्यूर शुः थटके प्रदः । तक्य तर्दे । विकेश के के विष्टे । विकेश विकेश विकेश विकेश विकेश विकेश

ब्रायात्ते महत्तुवाराहे। दिश्यायाते येवा(द्वेवरा) तम्मायारायाचाद। क्रिक्र्यायाते वाद्रला स्वार्टरा । क्षेत्रीराजवा जहार देशका ला। । राजपारवा मध्य वसेराववा जवा

प्याहेंये। रेवा (यहवा त्र वयशत यहर) हैया विया करायां प्रवास के में प्रीतियां के

एकडरा असे (असे) विव | अरथित सेर के विकासर दर। | वार्ववा असतवारी पार्टेवा

र्गास्थरम् मुक्तिरार्। रिक् मिर्णुक्तिम् एका मिर्जुक्ता रिक् में मिर्जि स्थाप वर्षे एक्ट्रेंड्र स्वायर्ववायः । विश्वर्ष्य क्षित्र स्वाय हिल्ली विष्य में ते विष्य के के क्राका विद्यात छ । हे शे द्वा हा । दिया हु ल वा हे हु र मा लका । देव ता करें

इवासाता हीत (हीव) दा कोट्ट) दि तह सा तह याद तह ताद ति ता होता कुर.क.ज.दूर्या । नावकुन.स.चमकेण.त.रूपी किम्प्रूपी विम्प्रूपी वर्षित्रहें।

क्या विकास मार्व हैया विवाद कार्य विकास के कार करें। विकेश के कार करें।

इंजयान्तान । १८ मानाविशास्त्रातान। कि.यमक्षाक्तितामान्या । धे.यो.

श्रवक्क र्य. म. वंद्य. (रेक) रि. प्रहार्थी. पात्र प्रस्तर, तर हुया

म्यान्तर केर में का केर के में का पर में का रहा में का है हो का कर में के केर हैं के का है की किया है। लिया में वाया वाया वार लार मिट कार प्रकेर कार राम दे वस्ता में दे वस्ता में दे वस्ता में दे वस्ता में दे वस्ता राद्यः) अहर्षिवरद्वे सम्बर्धस्य स्थान्य स्थान्य विष्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य यास्या नागर में दर से या गर्र नार्या है। द्रा (ग्रा) महाये ही। वर्षेर हैं यार ता वर्षे त्यं के सार्ति वेव मरमर देवी अवमा ता तरी हा वरी है। ये विष्य रामायक सा स्पर्वेश त्या विष्य याका वाता है। दर हिर प्राष्ट्र प्राष्ट्रिय वाह्य प्राष्ट्र र (करहे) वया त्र वेच प्राथ देव व प्राय प्राय प (माम्य) प्रमण्डी न्यूर, माजार देरा देश मुर्चा क्षेत्र मुर्चा (शुर मुर मध्या) की स्वाअप प्रदेश स (प्रहेश)-र्वह उद्दर्शत्वर, दृद् वरारद्य श्रम्भायाका था न्यू र क्रियाने द्या प्रमाया

क्षेच्यार्ट्यान्वयाययायायायायायायायायाया देशव्यान्याया वार्टारु तहारा हुवा वहवर्षट प्यरावरी बुद स्थाहा बीर के वार्कवादारे वा ने क्या बेट राम के प्रमाण के प्रमाण वर के निर्मा के प्रमाण के प्रम क्रियालर् दातर से राम

क्रिया हर्देश्वी विशेष केरमक्रा में महराकेम केर वहरा हिंदिनीयन रद्रश्चीन चार्टर अहर तथ् । काषण पर्च प्रयेश के स्वाया कीया कि चारु वाला पर श्राया क्रि.चाम्पादायदेवमा विद्यमार्द्रमार्द्रमार्थियाववाचाव्यापद्रेतावी विद्यमावयापाद्रधः मा श्री दिशापदेश विश्वास्ति वावटा दिया वावटा दिया वावटा दिया वावटा दिया । त्या देश वाक्षा दिया । क्रियादेगम् केषरा । अक्षेत्राराद्यकी मध्यत्याद्या । मैनकेमद्रारा क्रिये विवाद स्टार्स नाभरक्षाश्तरात्तरात्र्वत्वप्रस्ता विद्भाग्रेयास्तरा वर्षेत्र तर्यात्र अदरस्वाला हुनारा से तार्के सा । दुस्कृत दुनारा के वात्या स्वाला स या एवरा में या । इति सा कारता से में की रवट में मर्केट (मूर) । ये में प्रमाणिया । स् किलायहरा हो दा पर्याहिकारी |र के किलाजूरा केंद्र इसा लावा किंद्र सा समाकेवा भूत में प्रात्ता विनव विकास करा करा करा करा करा विकास करा है देश। नशरास्तरम्ब्राम् नामायवनम्भा (८,के,४अइ,ह्रद्भा) किंताम्प्राम्द्रदेषद्भार. श्चार्यात्मा नेवान्त्रयात् । वर्षास्याद्वास्य स्वास्यात्मात् । विदादगार् ह्यायानावद् द्राभित्। । साद्रशक्ति व वृत्रया दर्भिता द्राभित्। वे वारावराया रेशाया वाराय सहरायम्। द्वितवस्य के हर वार् । कि गरियाया के वसकियाया प्राथित । की हीट से वारा राज्य है। विकास र में दे हैं है राज्य है। या में वार्ष वा से वार्ष में वार्ष में हैं है। वारीय। विक् सक्र के वह वार्य वर्ते रवराहर। विवास्त्र कारा पराय पराय पराय र्। वारोम् सति द्यवद्द तुवा दृति दु। वक्क वक्क (क्क) वार्ववादी वस्त्र स्वर हर। श्चारीयाभा में वन्तरवाता। विषयमानुवाहरयम् सेरा दिवसम् र त्यास्य र. अश्चाद्य, श्रेमाल । अर. पर्मान्यान्यान्यान्या । हिंद (ब्रह्) पांश्ह्याद्यान्यान्य यालद्राम् इव (क्षिया), प्रतिभाष् । जारा हरा हिर्मेद्र (हिर्मेद्र क्षिया) पर्मेह्र सीर्ट मर्टेटा रिकरी रराजाका स्थाने विषयि मिलाय में कारा में रायके स्ट्रिक्त ता सुका सुकारे। विद्यापित स्राया नेरिया भीता विवास विकास करा सिका राजार। विकास हर लाई वादया अव। विकास वाद्या ना वाद्या वाद्या सामा प्राप्त प्रमारण स्थारण सामा विकास वाद्या व रे। सिम्बर्धिकेशयग्रह्मा सिष्यानक्षिरं देशकेलरे। हिरायहर

व्या

केर् स्वाल वनका परि त्वार हिरायार । वि केरिया में ता आवश्या । क्वा बिशाय देश ता क्षा क्षा विश्व विशाय देश विश्व विशाय है

दव श्रेर वहेंब पर कारा अही। वार्य हर तर क्षेत्र के रकावर वशा

क्ट्रायहैं वा से भार केंद्र महिता हैंद्र हैंद्र कर केंद्र केंद्र

प्राचिता वा दिन्न में वा विकास में वा हिन्द्र के स्वर्ध के कि विकास के वा विकास के विकास के वा विकास

क्रीव। मार्डवार्च वाह्रव वुंधी अरारहरू। वार्डवार्च प्रवाह प्रवाह मार्डवार्च नार्डवार्च प्रवाहर

रंट-चुराबाड्रेचे

न्वराशव देश र देन । श्रीव के उव कि श्री वारीशालीया । ब्रेंड वर हर वालवरेरेश हराकरा इत्यान्त्रकेत्रक्ष्यात्वर्वात्वर्वात्वराम भिवत्यम्याद्वर्वन्त्रक्ष्यात्वर्वात्वर्वात्वर्वा र्वासाम् में द्वा विद्यु में विद्यु ने विद्यु ने विद्यु विद्या में विद्यु विद्यु के विद्यु विद्यु के विद्यु विद्यु के विद्यु क न्त्रमा क्षेत्र क्षेत् स्रिर्गरामवानायार। श्रिनामान वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षामान्य वर्षाया स्र यार्चा विर्धित्र स्ट्रिंड रहेड तह सहस्रकारण । क्षेत्र (क्षेत्र) अहर अध्यात्या । व्याप्त ०इराय:१:08र। हिं.ध्या.धर.पर्वे.र्यारवाला.श्रेत्र। विश्वतः क्रेट्र्र्जराजवात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा श्चेत्राचाराचाराचार्वात्वर्णाता र्राष्ट्रेत्राचार्या र्राष्ट्रेत्राच्यात्वर स्वत्यात्वा देर्वादेश कियातवरक्षण्येव दिर देवस्था । इ.र्टर हो अध्याता मार्ग वर्ष केल र्वक्षाम् तावगरा विवसिया में वात्यार रे वहवा विश्व हिराधवासी निर्वा विवस्त वार्ष्यास्त्रास्त्रम् तो दर्। वाराक्षार्त्याः क्षेत्रक्षाः ताव्यक्षाः । वारववर्षः मुख्यात्वर्षः। वलका यते क्रिने देवा है वहव देरिकी बुदमार्थर थीन। बुद्र या की त्या है त्यर इक्स र्रेड्डि र में डरवर्ष रव रव रव शेवा विरामक किर नगरामें वरदवराता वादवदव रागे एट. प्रचा.वर्ष. (रर्गणचाडक)। पूर्वपाता. लूर्व. ह्रचे.पा.च्या १ र्राचाहिता सेवा.पर्वपाति र.जर इव वर्षात म्यानिकास्तरात्त्वाहिरावाहेत वीराक्ष्य सर्थास्त्रीत (सर्) एक्षिया वर्षेत्र विद्रा कुर श्रिका प्रमाधिक प । दुराम्बुरहरायति सदरादेश द्यारायन्तव मास्रेरवरे

चारीश्राच्यश्रह्मद्राञ्चात्राध्येश्राचारम् ताचा मित्रवाश्राद्राचार्या स्ट्राच्या स्ट्राच बार्ट्स्यम् किये विवादात द्वार हेरहर यद स्वत हर स्वा वाराभारत विद्वा प्रचेश दे. वर्ड हुड़ी में बेर दे प्राची त्वर (क्ष्माह) पर्व व त्या में दे त्या (चेय) क्र द्या मध्ये.

की र है जार । चुमा (में) में के अमिहर । यह है , कुर या राष्ट्रिया में , ये का है , मिया या रह र या पर वर्ष यत्राक्ता र.र. वर्षत् वयमाराम वर्ष्टर वहवं तमा देख्यावमाया में रहे

रीट्स में बर राद दा बेंग परिया प्रदेश पर के देव वाला देवा वे सकर से महें बेंच वर्ष स्थाने वर्गाया मुलानेट इट इट स्टार्स्टर्स रायट की रहत वर ही सहट की कर वर्ष वर्ग वर्ग वर्ग दें।

रिम्यालेम् स्ति के त्वुकास्य वालम् एड की वालका सद्म वका विकाल

वसणास्था ई श्वेष्ठदः व बेर्गाता वार्य मित्रामात्रिकार्त्व वार्या वर्षा भरता मार्थे शर्भार तरात्रात्र द्वाद्वेतावराहिर दक्करत्त्वाद्वरः। वार्य र केर्याद्वेदरवया श्रवतार क्या

इ.श. क्ष्याः तर्राचा-यूर्यात्रक्षाः विद्याः विश्वाः व्याः क्षियः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्य (स्रोचाः) तत्राः स्वयाः प्राच्याः प्राच्याः विद्याः विद्या

चित्र (ज्याव्याः) | स्रेट् (व्याव्यः य विश्वः विश्वः) विश्वः विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः । विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः । विश्वः विश्

विकास हिंदा । दसदायदा यति दक्षिय दु मेदाना थे रहे। । श्री शुद्ध दुश सुद्ध त हस शासदा व। जिन्द्रभर्य केलाय तास्ट्र मेर्। विभेर हीटरवाना होव केव वसा विभेषित श्रुभावीया वादमाग्रदादर। दि वक्किया ते क्रिया क्रिया विद्या मिन्द्र माने वा इराक्त्राक्षा विद्वाला । देवदावरायायायात्याया । क्रीयरायं वर्षाद्वयाद्वयाय्यः न्दा विद्यानियान्त्र में हिनात्य (हिनाराया)। विद्यां (रमदाया) वहुता संवर्ग (वर्ष) र्वेश्वा । श्चित्र विकारा विकारी निरम्पता । भीर वहने वहने विकार विवास नेरी। रम्द्रीर्ट्याष्ट्रसम्बद्धान्यात्। विश्वास्त्रविद्यात्वर्षात्वर्षात्व। विकार्यस्थित् -लूटा रि.वलभास्कालम् वलम्या । पहिम्मिर्टिस्सिट्सिम् अया परेता.पेता.परेता. बेता.बे.बताया। | नटाइतानटाता हैव.ए.दे। 100 पर्वेट. युअयायनवर्गारा स्वरायवराम। निर्णाय स्वरायि मेर् नेरे । योभवर्ग्य नर्दर लिया ह नुषान्त्र स्ट्रिस् शुर्वाड्याव्याया ॥ वार इर वहें गरा हिर धरण तरा के गर इर ता जवार देव महार शे हिर बेंद्र G1.950141 ा अविवारी रहिन्दी । छो। श्री त्राया मान्या हरी (मानवाह हो) अरुवान्या त्राया । द्राया या द्रशा हरी त्रवा वर्ष्या रवा एकीवाया ता सर हुए वर हुए। यर देव वयाय मुन् । विद्रवा में सा व विवास्त्राता खूव। कुनाएडितारा मुध्नार्थिक । वार्षियार्म् द्रियार्थिक द्रिया । वार्षियार्थिक द्रिया । वार्षियार्थिक विद्या न्त्राव। विद्विवद्वविराधिराक्षक्ष्राम्द्र। विद्वद्वावरावराव। वि मीराअवारायुष्यावर द्वीवया विवायाववा गुर्हेर वटावरुराया विवायार विवा हिंदा क्रियालाश्च्यालीय वर्षालाद हैदल। इ.सी. यूमलया सैंगलया नेवाला किंदा श्चिर राष्ट्रका राम्या असता । दिस्त ले मेर्ना के ने पा राष्ट्रका । श्चिर राम्य दुर्व व्यवतात्रवः (श्रीर रमर वर्द्धवः हैं विष्यायवः) विषाविक्त स्वर है। येवरद्रश्चाता देव एवया गर्म | रहर वायम मुद्दायर रववररे । के वयम सामितिया हिर र से भे अधिया के श्राच्या विद्राया । तक कर दिस्य में में भे भे में हैं । दिस्य में दिन र्म्याम्या विरावहर्ष्ट्रक्ष्या । विरावहर्ष्ट्रक्ष्या । विरावहर्षा । ही दर्गा आद्रवा वर्ते हे त्या । देश पर्दे लगा हे आकुर्द्ध हो । देश हो दर्गा देश हे वा वर्ष वा वर्ष्याक्री रियाक्रीराटरायात्वेद्रदेशक्रिया क्रिक्षिक्षिक्ष्या रियाम्यका ヨンあって上去い(インから)く) 「年、日本」は見られて、くむ、いる部と」「日、立、山田村 म् संप्रहेशरी डि.जया.ब्रेराप्रमेशनार्ये पानकिये। व्याम्रहेस्यार् विकास्य द्वितार्या । श्चिट्यायहर्ष (वे.च्रव)र्वायक्षेत्र। रिकावक्षेत्रहर्ष्ण्यम् पावक्षेत्र। दिलाक्

200000 इंस्यान्यर्द्धा । अयात्रवय हर्षे अयावेदा के सेर (क्रिय) नरवीया हरे हर्। निवाशाया(वन्तवाशाया)व्यद्वार्वरवारेद। । एक्ट्रायायदावाविवारेद। रे. देट. हो अदिवहुका नाटाया | दराक्षति वाटा छो. देरहे | द्रथते दर में दे छो. अर्थट है। शुर्द्रार्भियात्रेयात्रे विश्वास्त्रे विश्वास्त्रेयाः हिंगानिया । रशकर हि लाई राईवार्थ । वर्ष वर्ष मुक्त र हिंगा रहेर वर्ष है। वर्ष वर्ष र त्या द्वारा दे द्वारा वा दा अक्ट सु मार दे र म्याम्बर्धर्यक्र्यात्या केवलयाक्रात्मा मिरात्रियम् मेव बर्ग्यायम् प्रा मानिद्रमुलामी सेंग (वर्ष्या) श्रद्ध संग्रह स्वामान हिमहर् हर। प्रहासवा परि में हर हैं में इत्यास तथा हर देशर (इर अरो कवावश्याता) चटेट वता चरार हो। किया हरेय अयो प्रवास हिन्देट हैं हैं ने लेका खेवल र्यो। किएडिमाड्स सूर। हैवारार्ट. यार्गर का (से) यार्था हेरह्याचा से या शिक्ष शिक्ष त्राचिता है। या विश्व हिंग विश्व हैं विश्व विष्य विश्व व र्वाराम् विकास्त्राम् विकास्त्राम् विकास्त्राम् विकास्त्राम् विकास्त्राम् विकास्त्राम् बुदा संस्टानिव वर्गान से र वर्गान र से रहा से से नारी राज्य विश्व हैं (एड) दे हैं रिअवात्त्रत्यों वदाश्चारदा केवाश्चात्राहिता हो केवा तर्याचार हैं की वावत्व वा वानिया

स्रां राज्या प्रमायकरवरा हिटा स्रका नार्व महिराही तर्वाहीर की मा स्रवाहीर । क्राम्याभुम् म्राह्म न्यात्रे म्यात्रे विद्या म्यात्रे म् (में बिया) पह्रम मध्येता मेरा महरे। इंट पार्च में के प्रमा के पार्टिया है पार् प्रमुद्र-क्रिय तेशाची रा.सैणानप्रकेणान्तर स्था प्रवेणवर्ष (वलाक्षा प्रवादन स्था मा चार्यमान् मित्रमान् नायम् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् नित्रमान् उर्वार्, कुरे कु अ. म्.र. वया के किंत्येश. अववः रचा मर्अर्भा क्यार्टर विद्रम्भे भना की किंग्मर विश्व सी। यहर स्वारा वयद्या अधर सर्याय ग्री या है दर के विद्या हियायर दुर्द्रार्यार्यते हेव नवेरकारायर्थ्य हिर्दिष्वियकार्यः। विर्कृत्यार्वायाया क्रिक्य पहुर है। राज्य मार्थ पर्यक्ष रहा। ये स्वाप अंति तता प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् मस्रेर मिर तिर तिर प्राच कुरा हो भर कर्या । रे. हिंद (हिर) कि पर्येष देश मार किट किया म् मिलवंश में म मिर चारीया (पड़े) ही ग.(ह) धेव. रट रट में चेवे था. रटा रेग.(रे.) बारीया. बुत्वयार्य्यं द्रा द्रवशास्त्रक्षायाः वेदावक्षात्रे मार्थः द्रवतात्री मार्थः वश्वराद्धाः भर्षावश्रमाक्षे वद्यी एक्श्रमावश्रमात्रक्षे भर्दावे परवार्णा महित्रहर ही दर्गार्रे हिन स्वला। श्रीरायार्द्रवासिवार्द्रम् कियार्थ्यस्य स्वलास्य वार्थाः श्रेशस्य वर्षा श्रीता

र्वा मिया वर्षेत्र वाद्रांश की बाद्रुशा स्थापवर्षेत्र की खूरा देश रहा । अवस्थार भूत

2취리

म्या (ह) वार्य वार्षेट विद्या दिस्य वार्टा तीया प्रम्य के यूपा वार्ष का या वी क्रेयान्त्र। र्रायानास्त्रेयन्ति पर्यायाहराया द्रायाप्ता द्रावकास्त्र्याने राष्ट्रयायके वास्त्र व इसराक्षित्रसम्बर्वेग्राचन्त्रसम्बर्धान्त्रसम्बर्धित्रस्त्रम् वृद्रा पह्मध्रद्भार्क्षकाक्ष्मणाद्रातार्रम् के.म्याद्राता मन्यर्द्धताक्षेत्रभाषः (व.मा दर्शकला) श्वायान रूर्विश्वारा पाट्याता या पर्वेणा व श्वाया सेवारेट. नम् र वास्त्र (मेनकर) लकातद्र्याया ह्यह्यही द्वा स्ट हेता र्थास्त्र ४२अ स्क्रीर (सह) रार्टा रार्पार्छ । देवलेव। स्वार्छ र वनर र्ववस्था हीर मिताअहर व गीय श्रेषे चर सेवाश म वेर केश अधर श्रेष गूर्र हिवा हो वे न्वेर. वलुगरास्य दितिने वस्ताय सुरात्र व वर्ष गार्च व महिराद्या सुरास्य सहस्र विदा र्यतः वर्रभीरेतः सून् अर्टा क्रिकेवर्यः स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य यनगरानेदा क्षेद्यते त्राताता द्वारावते व्यद्दा अर्जु त्यते क्ष्या द्यावते क्षेत्रेशरी,रेग्र्श्विका,र्यहा क्रियाम्प्राप्त अवरात्रा प्राप्त करातिर सिम्बेश रिस्ट्रेर तीरा बर्श राय से वर्ग केर दिया है सिंदर पर पर देर देश राय महत्त्व केर वर्ष रविद्यर्थर्थर्विवविवव्या विविद्यस्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या क्रिअसी इ.स. क्रिया असी विद्राया में द्राया में यह मार्थ छानु तकेट खून अक्रमें (वर्ष्य) र जा अट स्टबर वहेंन। न्यर सही मा (र्या भेग) र हिया। मुकाय से महिर (क्रा) माता पर्ये द कि क्र्या न्त्र है मिन है एक रहर है नि है के क्रिक्ष हैं है। वीन्त्राम्त्रात्मेश्च इत्यति श्री र हितान्त्र पु (ह) हिन्दिर ही रह्म वर्ष । अवार्ष र हिन मिल् हिर्या कुर् रावश्वाक्रिया कियार्य हैर. दे. अर यह रंग्या हिरा देर वडमक्रि म्कुन्म् राज्यात्रवाच्यायायायात्रम् त्यात्रम् त्यात्रम् विमान्य विमान्य विमान्य मार्याता नामानिता वदुर ह्रवातरे थर दीर द्रातावदुर ही ताह्य त्यां की इम्रवर किवाना क्ष्यामा अवतः वाश्यामा व्यादेश र श्रिवाद्यमा रहाता असतः देवा क्षेत्र स्वाद्या की न त्रियारी से कुत्र ही होयाता यूराचेया हो देताया हा देट टारेटा रेजू कार से देहरी कर विवा ट्टक्टिंग.जन्म अअञ्चल, तराई शूर अताराई जा दार्जाहेंद्र , जेरालाहें व देवा है विश · でいる सिवरामक्या राट्याक्र में ने तार्ट्या विकार सक्यार्थ परिक्र के विरामक्ष एकवारा नपुरें में देव वारीया विराम्तिका अक्ये ही दूर अक्टी आअक्ट्र

a|2/#

१ केट्रा वर्षायासीटरगायल । केलाअक्यार्ट्यक्राराचिकारा । र्याव्यक्तायावयः अनुस्याद्वारा । द्वाराक्षात्राक्ष्याः म्यान्यायायायाया । याम्यास्यायायायाया रूवे तह्या ता वितासिक (विके रोमयक नाइर कर्रा । द्रार वदानिविया कि की याका पहुंचाता। वितः (वितः) पर्वश्रव्यान्ति प्रान्ति । प्रान्ति वितः विविधार्मित्या वितः इर्यिकाल्यान्यर्त्यान्तर विकर्ति । विक्रिक्ति । विक्रिक्ति चर् यते ही देव देरा । एक्र र या न न व व राहे र हा होरा । दे स ख व ते ही द या ता । दा रद्शाला मूंने थर्दा वाया विवादा पहिंदा ही दे हैं र हर हर हर हर हरे । वाया ही द्यवा नरके खानवादया विकायविवाया प्रह्यात्री राज्य विवाया विकास स्वायालका विकल्यान्त्रात्वान्त्रात्वा विदुर्ह्मवालानुतित्वे विदेशान्त्रात्वा बुल्याम में इराया महाता तावर। क्रिक् के दहेरी वावरा सुलह्या के वा में के वर्ष मारायहन श्रु रव हे व अर व तर्रे केर आर क्षेत्रा त्म कार के (क्षेत्र) व रहे के व रित केर व तर्रे व कार दे र वार्षका । इत्राह्म (इसेर्स्म) कर्या क्षेत्र स्ति श्राप्य विश्वा । विषाले वार्षिकार विश्वा रद्यायुक्त छिरल प्रदेश केटा हु हु हु न छिट केते कर द्या हु वा सति हु न श इवायायवायर १ वर्षा (लिया महत्त्र) वरायश्रत्वय कियमार्था हें महत्त्र हो याश्रायश्रद्ध । वराव नवेयान्यु,रा.च्या वरेव वि.च.इर.न.रथ.न.रुध । फर्टर.जवानपार्वश्रातपु,पाया अयादरमावतर्थातास्य द्वालाहर। दित्राक्षेत्रहरी प्राप्त केट्रिंग्य केट्रिंग्य विश्व (म.राधेक) शु. दर्भातरम्परंत्री । स्वराया क्या राष्ट्राया क्या विषया तार च्याक्ष पर्याक्षे विवास (यह) में मिया कर पर पर के विवास रहेर के विवास रहे के विवास रहेर के विवास रहेर के विवास रहेर के विवास रहे के विवास र ता किट.अ.हे.अअर्थे. रे.चेयारा विरेट श्रिम्येया कार्यर हिर्ह्या विर्वत सरम्यामा केराइव इताम्यताच्याकी निर्मायमाईदा देति हर्डिया वर्षित्वहर मान्द्र। प्रिटामार तहत्र मान्द्रता विरम्द्र रामाने हिन्तर रामाने हिन्तर विरम् नवरवा | रवा चारि तथाके वाकेर । वदाकेर सम् राहे वक्के । वर वद्या रे.क. धर.देश.ए व्राचाताचा । व्यव. क्राचार, जारा क्राचार । व्यवेशवास्त्रकार प्र खेबाराता व छेबारा । वर्रेर खेंबारा वे प्रकृत केंबा वा । के भारे हुर सर सेवाता । दर राष्ट्रिया अक्ष्या हिराय हरे। विंता व्यक्ष्य) वार्य रहेता क्षेत्र क्षे रेणाला प्रह्माता (तर) है। शि.च शेशार् के में च में दे वर्षेट्र विकार हैं वर्षेट्र वर्षेट्र वर्षेट्र वर्षेट्र व मालु। । विकेश्वासाधिकरायिद्वा । त्वी वक्षातावमाद्वाधिव। । द्ववक्षेत्र इ. इ. अट. व क्षेत्र अत्याद्र । क्षेत्र व मिन्न क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

(ज्रुर) तर्रः चर्डः चर्ड्यः मर्ड्यः मर् इत्यान्न स्त्रः चर्ड्यः मर्ड्यः मर्ड्यः मर्ड्यः स्त्रः स

र् चर्डराष्ट्री से वर्डरा पर्या की रहा हिर धर था वर्षिया। वर्ष्या की राष्ट्र का की र्या के राष्ट्र कार

चाराह्मी द्या है जून कुन कुरी योजून पार्टर राज्या वह केर वर्ष मही।

द्वी. सुराश्य सूचार्या विश्व क्षेत्र राज्य स्वीत स्वात स्वीत स्वात स्वीत स्वात स्वीत स्वात स्वीत स्वात स्वीत स्वात स्वीत स्वात स्वात स्वीत स्वात स्वा

315

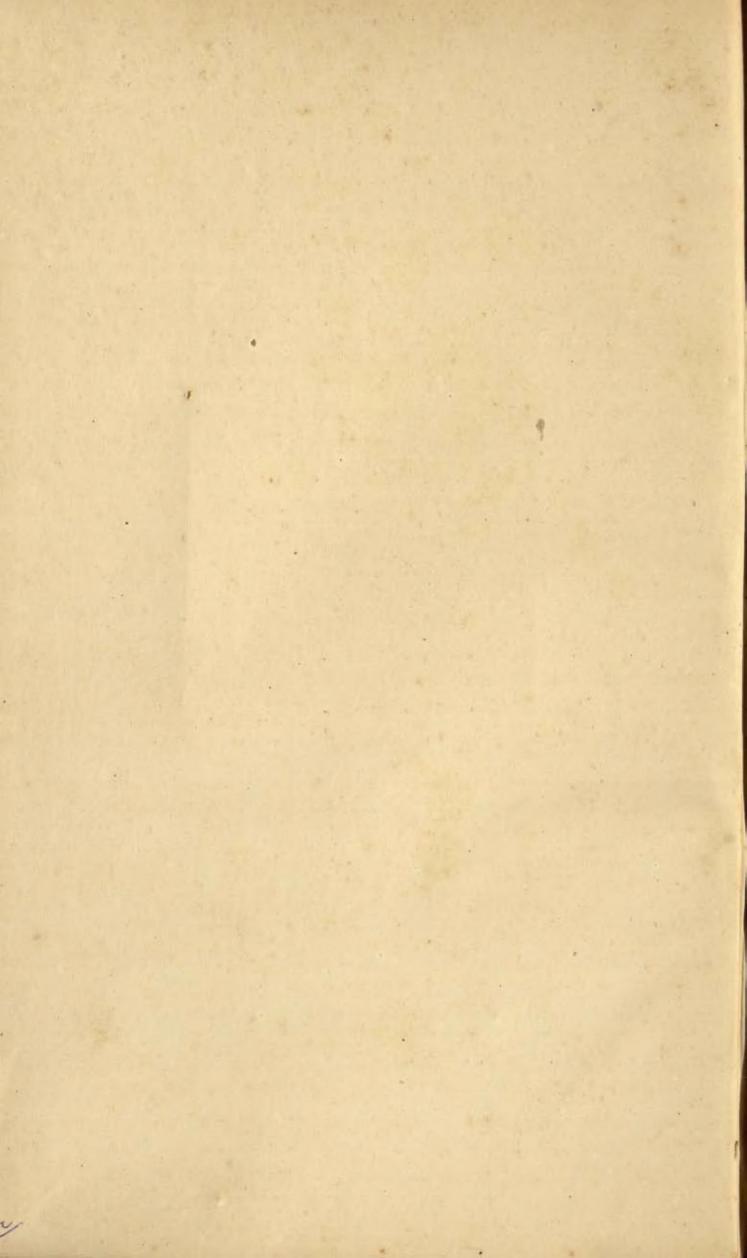
स्वाय!

हिनक न राष्ट्र वा प्राप्त मार्थ । वा प्राप्त मार्थ हिया के वा विषय है। युक्तांमकर्विकार्ये हिन्दरा विधानम् र नवरायित्यः स्व (द्ववाद्व) हा विह केट मेरी प्रमास्त्र अपास्ट्रेट स्था देश मेरा विकास कर कर कर कि के कर के कि कर कर के कि कर कर के कि कर के कि क हिर्तर अवावश्रया अधिवर विदा । यह वा क्या व के वा तर दर् वा दे 等以上を発えて、 | 土によるいれてあるいかとから、 | あ土めにはよいには य २० दे वर वर वर्गन्वरान्वर । बीट देतर वर्दिके वाररे वर्ष्य वर्ष (वर्ष्य) पर देता वाडुलासीचा सेर सवर्रद्वा विकास है वार द्वास स्था विर यह वह्रातारायरातह्य। वान्वर्तियायतियम्भेतान्ते । वुद्ध्वव्यवता (ग्राय) तारक्षम्यारी विद्यानाताने हित्रायदारारी हित्यने मारा न वरिवर्मिनेशन्त्व । संवाविवर दुरि रहर मुद्दे । वहवर्षिर सारा तहा सुन्द्री के ह्राय (के ह्या के कर) रहर हिंग (के) तर्व र्वायवा । कि वर्ष क्रायरिवर्ग न्वरान्त्व | द्वां अदुवं (दक् वहुवं) क्वारा चु कु वारा दादर । द्वावावर दम्कृता विभाग अवन्त्री (कुला) क्रिया है अपके अपकर्ति विभावन । सरसक्त कुर्वारायताम्य मिन्ने द्वेश्वर्थान्य विश्वर्थान्य द्वेश्वर्थान्य विश्वर्थान्य विश्वर्ये विश्वर्थान्य विश्वर्थान्य विश्वर्ये विश्वर्थान्य विश्वर्ये विश्वये विश्वर्ये विश्वर्ये विश्वये विश्वये विश्वर्ये विश्वये विश् रें राहरा । यात्रया उर् १३ व. ए हुआ (ए हुआ) तथ् वर्ग - न्युराम्बर हि. तारकरश あるとののとう しいかいかい(まかな)からかいかいかい、一日、かれないだられば、 न्ध्यान्त्व । व्रमालक्ष्या व्यम् लक्ष्या व्याप्य व्याप्य । व्याप्य विष्य (अर्था महत्रक्ष्या ह) कुरा, राष्ट्रा । श्रद्धां प्राप्त वित्त वित्त वित्त प्राप्त वित्त प्राप्त वित्त वित् न्त्र । किर्नारहर्त्रविद्यान में अन्त्रा में अन्तर या वादता वादता विवाद वाद क्षे भी किया अस्त वहें व ता दे विर्यं राया स्ट्रियं में विष्टा ता त्या व दाशुश्रद्धत्। हि.चलुटक्ट्नान्चित्यत्। विवन्त्रतःम् विवन्त्रत्वरायान्। न्य विराधात्त्रित्व (रायव) र्विव्या भटारा हिर द्वर द्वर द्वर द्वर वर्ष न । में तर्र थीर विवेश बीर यन क्या । तह्य है है दर अधिया यन क्या र्रे हि.र्रे प्रमा विराध है। यह स्वारा विराध का विर्वेश तर् वेशस्य व्यायम्भव । रक्षेत्रकारक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्ष्याः मुरायुवर्या विक्राविया विक्रिक्षिक्ष विक्रिक्ष विक्रिक्म विद्यात्वरम्म हिरान्द्व विकान्त्वरात्रात्वरात्रात्रात्वरात्र्य विकान्त्व विकान्त्वरात्रा

यूर्त्य र्थे. 221

चिवासाता. श्रेचा. पर्वेर. दुव । श्रे.र. दर्प इं. प्रवरमा श्रेश । श्रिर. यर् रद्व स्त्राची में लेव। |दवादवर सेवरा में ने पहररा। |दवाद हिर पर लेकर में यहेश न्यानियानाधारक्रवाराश्चरवारशे विश्वतात्रियान्तरे द्वारक्षेत्रहा क्रियानुते म्यान्त्रवराष्ट्रद्या छित्रवरारुवावरायान्त्र । वर्षावयायावराष्ट्र स्वभवा |दयमाभेदयम् द्वरावावे गुन । हिन केन कुता हु व बुन का या वन् हर महत्विवायात्राद्याय विवाया विदेश (ब्राप्त) देविवेशन्त्र वर्णन्त्र र्विया नुसाम्मेशानी वासुरातवान इत्या क्ष्रिया क्षेत्रविद्धः विस्वायह्म् विद्या क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया त्र (१९९) रशिर वराता प्रत्या श्रीर श्री । हिर श्रीर राखिराय प्रात्वेद्वरा देश सरद्धार वर्द व्या मर मर मर की का की सरद्धाय का मा मा त्या की कुलार्यकेव या वे देशितार वर्ग व कुर शुं कावर तोर सुवा सुवा केत केर किर परि। रदा इस्रायकेवार्यते ददावराष्ट्रयाचेत्रवितारात्री यान्यात्रात्रात्र । तयहरा द्रायवयाया सर्म्य वर्षे यः मावस्य सुव की वर्षे स्वितासी स्थाया प्र द्वातवरे त्यंदरा शुर्-रहर वावरा रा। पड़र हिर्द्ध । प्रदेश मार्थ । र्या व्या प्रदेश । यह स्था विद्या । यह स्था । यह स्था विद्या । यह स्था विद्या । यह स्था विद्या । यह स्था । यह स्था विद्या । यह स्था । यह स्था विद्या । यह स्था । यह स्था विद्या । यह स्या । यह स्था विद्या । यह स्था विद्या । यह स्था विद्या । यह स्था ।

क्राया । वित्र्येद अविकाल १९०० वट स्वयं क्राया मक्षाय मक्षाय स्वाया मित्र वित्राय । वित्र मित्र वित्र अविकाल मित्र वित्र वित्



"A book that is shut is but a block"

GOVT. OF INDIA
Department of Archaeology
NEW DELHI.

Please help us to keep the book clean and moving.

5. 2., 148. N. DELHI.